खण्ड–518, अंक–03
बुधवार, 04 ज्येष्ठ, शक संवत् 1944
(25 मई, 2022 ई0)

उत्तर प्रदेश विधान सभा

की

कार्यवाही

-: 0 :-

(अधिकृत विवरण)

(अट्ठारहवीं विधान सभा, प्रथम सत्र, 2022)

(खण्ड 518 में 08 अंक हैं)
उत्तर प्रदेश विधान सभा सचिवालय (कार्यवाही अनुभाग) द्वारा प्रकाशित

मुद्रक :
निदेशक, राजकीय मुद्रण एवं लेखन सामग्री, उत्तर प्रदेश, लखनऊ (भारत)
2023

मूल्य : बिना महसूल 16.75 रुपये, महसूल सहित 21.00 रुपये।
वार्षिक चन्दा : बिना महसूल 586.25 रुपये, महसूल सहित 724.25 रुपये।

विषय-सूची

विषय	पृष्ठ-संख्या
उपस्थित सदस्य	1-6
प्रश्नोत्तर	7-142
ई-विधान के अन्तर्गत शोक संवेदना के दौरान मृतक सदस्य की फोटो अपलोड कराने के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न	142
नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं	142-144
नगर निगम कानपुर के बी0 एन0 भल्ला डिस्पेन्सरी को 100 शैय्या का अस्पताल बनाकर स्वास्थ्य विभाग को स्थानान्तरित करने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	144
जनपद-मथुरा की विधान सभा क्षेत्र-82 में मांट के छाता-शेरगढ़-नौहझील मार्ग के नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	145
उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित सन्त रविदास शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत साइकिल प्रदान किये जाने हेतु धनराशि को रुपये 4000 से बढ़ाकर 4500 कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	145
माँ कुष्माण्डा देवी मन्दिर, घाटमपुर एवं भद्रकाली मन्दिर भदरस का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	145-146
जनपद-झांसी के गरौठा तहसील के ग्राम डिकौली में बेतवा नदी पर लिफ्ट कैनाल बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	146
जनपद-मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना में कतिपय नालों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	146-147
जनपद-बिजनौर के अन्तर्गत नगर पालिका हल्दौर क्षेत्र में राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	147
जनपद-बदायूं की तहसील-दातागंज के मुख्यालय पर अतिथि गृह का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	147
जनपद-प्रतापगढ़ के विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सराय निर्भय में मॉडल स्कूल सराय निर्भय के निर्माण में किये जा रहे भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	148
जनपद-अम्बेडकरनगर के जिला चिकित्सालय में बेडों की संख्या बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	148-149

विषय	पृष्ठ-संख्या
लखनऊ उत्तर विधान सभा क्षेत्र में जर्जर विद्युत तारों को बदले जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	149
जनपद-जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर में राजकीय पॉलीटेक्निक की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	149
जनपद-आजमगढ़ में सड़क की मरम्मत/चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	149-150
जनपद-अमरोहा के तहसील-धनौरा, थाना-बछरायूं के अन्तर्गत हुई वारदात में कार्रवाई किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना ...	150
प्रदेश में अश्लील, दोअर्थी, जाति सूचक, भड़काऊ गानों के बजने से उत्पन्न सामाजिक तनाव को रोकने के लिये ऐसे गीतों पर रोक लगाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना	150-151
औचित्य के प्रश्न की सूचनाएं	151
विधान परिषद् की भांति विधान सभा में भी मध्याह्न भोजन की व्यवस्था के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न	151-152
श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा ...	152-215
मा0 सदस्यों द्वारा चर्चा में प्रतिभाग हेतु समय का निर्धारण ...	215-270
डॉ0 डी0 सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद औरैया से 01 तथा जनपद बरेली से सम्बन्धित 24 याचिकाएं (उपस्थित की गईं) ...	270-273
डॉ0 नीरज बोरा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की गई)	274
श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा की जनपद मेरठ से सम्बन्धित याचिका (उपस्थित की गईं)	274
श्री माधवेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हरदोई से सम्बन्धित 02 याचिकाएं (व्यपगत)	275
श्री जय प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)	275
श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद झांसी से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	275-276
श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की गईं) ...	276-277
श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद गोण्डा से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	277

विषय	पृष्ठ-संख्या
श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 14 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	278-279
श्री रमेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	280
श्री विवेकानन्द पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	280-281
श्री वीर विक्रम सिंह "प्रिंस", सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (व्यपगत)	281-282
श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य, विधान सभा की जनपद उन्नाव से सम्बन्धित 12 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	282-283
श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित 09 याचिकाएं (व्यपगत)	284-285
श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित 09 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	285-286
श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित 05 याचिकाएं (उपस्थित की गईं)	286-287
कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव (स्वीकृत)	287-288
बजट के दौरान मध्याह्न भोजन की व्यवस्था	288
नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं	288-290
नत्थियाँ	291-314

उत्तर प्रदेश विधान सभा

अट्ठारहवीं विधान सभा

बुधवार, दिनांक 25 मई, 2022 ई0

(विधान सभा की बैठक सभा-मण्डप, लखनऊ में दिन के 11:00 बजे अध्यक्ष श्री सतीश महाना की अध्यक्षता में आरम्भ हुई।)

उपस्थित सदस्य-369

1. अंकित भारती, श्री — गाजीपुर
2. अंकुर तिवारी, श्री — संतकबीरनगर
3. अखिलेश, श्री — आजमगढ़
4. अखिलेश यादव, श्री — मैनपुरी
5. अजय, श्री — गोण्डा
6. अजय कुमार, श्री — बागपत
7. अजीत पाल त्यागी, श्री — गाजियाबाद
8. अजीत सिंह पाल, श्री — कानपुर देहात
9. अताउर रहमान, श्री — बरेली
10. अतुल गर्ग, श्री — गाजियाबाद
11. अतुल प्रधान, श्री — मेरठ
12. अनिल कुमार, श्री — मुजफ्फरनगर
13. अनिल कुमार, श्री — बुलन्दशहर
14. अनिल कुमार अनिल प्रधान, श्री — चित्रकूट
15. अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री — संतकबीरनगर
16. अनिल कुमार मौर्य, डॉ0 — सोनभद्र
17. अनिल कुमार वर्मा, श्री — सीतापुर
18. अनिल कुमार सिंह, श्री — उन्नाव
19. अनिल पाराशर, श्री — अलीगढ़
20. अनिल राजभर, श्री — वाराणसी
21. अनुपमा जायसवाल, श्रीमती — बहराइच
22. अनुराग सिंह, श्री — मिर्जापुर
23. अनूप सिंह उर्फ अनूप प्रधान वाल्मीकि, श्री — अलीगढ़
24. अन्जुला सिंह माहौर, श्रीमती — हाथरस
25. अभय सिंह, श्री — अयोध्या
26. अभिजीत सिंह साँगा, श्री — कानपुर नगर
27. अमरेश कुमार, श्री — लखनऊ
28. अमित अग्रवाल, श्री — मेरठ
29. अमित सिंह चौहान, श्री — अयोध्या
30. अमिताभ बाजपेई, श्री — कानपुर नगर
31. अरविन्द गिरि, श्री — खीरी
32. अरुण कुमार, डॉ0 — बरेली
33. अर्चना पाण्डेय, श्रीमती — कन्नौज
34. अलका सिंह, श्रीमती — हरदोई
35. अवधेश प्रसाद, श्री — अयोध्या
36. अवधेश सिंह, डॉ0 — वाराणसी
37. अशरफ अली खान, श्री — शामली
38. अशोक कुमार, श्री — रायबरेली
39. असीम अरुण, श्री — कन्नौज
40. असीम कुमार, श्री — कुशीनगर
41. आदित्यनाथ योगी, श्री — गोरखपुर
42. आनन्द कुमार यादव, श्री — बहराइच
43. आर0 के0 पटेल, डॉ0 — जौनपुर
44. आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती — प्रतापगढ़
45. आलमबदी, श्री — आजमगढ़
46. आशा मौर्य, श्रीमती — सीतापुर
47. आशीष कुमार सिंह 'आशू', श्री — हरदोई
48. आशुतोष टण्डन 'गोपाल जी', श्री — लखनऊ
49. आशुतोष शुक्ल, श्री — उन्नाव
50. आशु मलिक, श्री — सहारनपुर
51. इकबाल महमूद, श्री — सम्भल
52. इन्द्रजीत सरोज, श्री — कौशाम्बी

53. इन्द्राणी देवी, श्रीमती श्रावस्ती
54. इरफान सोलंकी, हाजी कानपुर नगर
55. उमर अली खान, श्री सहारनपुर
56. उमाशंकर सिंह, श्री बलिया
57. ऊषा मौर्या, श्रीमती फतेहपुर
58. ऋषि त्रिपाठी, श्री महराजगंज
59. ओमकुमार, श्री बिजनौर
60. ओम प्रकाश, श्री गाजीपुर
61. ओम प्रकाश राजभर, श्री गाजीपुर
62. ओममणी वर्मा, श्रीमती बांदा
63. कपिल देव अग्रवाल, श्री मुजफ्फरनगर
64. कमाल अख्तर, श्री मुरादाबाद
65. कविन्द्र चौधरी, श्री बस्ती
66. किरत सिंह, श्री सहारनपुर
67. कृष्णपाल मलिक, श्री बागपत
68. कृष्णा पासवान, श्रीमती फतेहपुर
69. केतकी सिंह, श्रीमती बलिया
70. कैलाश, श्री चन्दौली
71. कैलाश नाथ, श्री बलरामपुर
72. कैलाश राजपूत, श्री कन्नौज
73. गणेश चन्द्र, श्री संतकबीरनगर
74. गिरीश चन्द्र यादव, श्री जौनपुर
75. गीता शास्त्री (पासी), श्रीमती प्रयागराज
76. गुड़िया कठेरिया, श्रीमती औरैया
77. गुरु प्रसाद मौर्य, श्री प्रयागराज
78. गुलाब देवी, श्रीमती सम्भल
79. गुलाम मौहम्मद, श्री मेरठ
80. गौरव कुमार, श्री बाराबंकी
81. गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री जालौन
82. चन्दन चौहान, श्री मुजफ्फरनगर
83. चन्द्रपाल सिंह, श्री बुलन्दशहर
84. चन्द्र प्रकाश, श्री फतेहपुर
85. चेतराम, श्री शाहजहांपुर
86. छोटे लाल वर्मा, श्री आगरा
87. जगदीश नारायण, श्री जौनपुर
88. जय देवी, श्रीमती लखनऊ
89. जयद्रथ उर्फ प्रवक्तानन्द, श्री पीलीभीत
90. जय प्रकाश अंचल, श्री बलिया
91. जयप्रकाश निषाद, श्री देवरिया
92. जय प्रताप सिंह, श्री सिद्धार्थनगर
93. जयमंगल, श्री महराजगंज
94. जयवीर सिंह, श्री मैनपुरी
95. जयवीर सिंह, ठाकुर अलीगढ़
96. जवाहर लाल राजपूत, श्री झांसी
97. जाहीद, श्री भदोही
98. जियाउद्दीन रिजवी, श्री बलिया
99. जियाऊर्रहमान, श्री मुरादाबाद
100. जीत लाल, श्री प्रतापगढ़
101. जै किशन, श्री गाजीपुर
102. ज्ञान तिवारी, श्री सीतापुर
103. ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महराजगंज
104. डी0 सी0 वर्मा, डॉ0 बरेली
105. तसलीम अहमद, श्री बिजनौर
106. तुफानी सरोज, श्री जौनपुर
107. तेजपाल सिंह नागर, श्री गौतमबुद्धनगर
108. त्रिभुवन दत्त, श्री अम्बेडकरनगर
109. त्रिभुवन राम, श्री वाराणसी
110. दयाशंकर सिंह, श्री बलिया
111. दिनेश, श्री मेरठ
112. दिनेश रावत, श्री बाराबंकी
113. दीनानाथ भाष्कर, श्री भदोही
114. दीपक कुमार मिश्र "शाका", श्री देवरिया
115. दुधराम, श्री बस्ती
116. दुर्गा प्रसाद यादव, श्री आजमगढ़
117. देवेन्द्र कुमार निम, श्री सहारनपुर
118. देवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री रायबरेली
119. देवेन्द्र सिंह, श्री कासगंज
120. देवेन्द्र सिंह लोधी, श्री बुलन्दशहर

121. धर्मपाल सिंह, श्री बरेली
122. धर्मपाल सिंह, डॉ0 आगरा
123. धर्मराज सिंह यादव, श्री बाराबंकी
124. धर्मेश सिंह तोमर, श्री हापुड़
125. धीरेन्द्र सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
126. नन्दकिशोर, श्री गाजियाबाद
127. नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', श्री प्रयागराज
128. नफीस अहमद, श्री आजमगढ़
129. नवाब जान, श्री मुरादाबाद
130. नागेन्द्र सिंह राठौर, श्री फर्रुखाबाद
131. नादिरा सुल्तान उर्फ बिटिया, श्रीमती कासगंज
132. नितिन अग्रवाल, श्री हरदोई
133. निर्मल वर्मा, श्री सीतापुर
134. नीरज बोरा, डॉ0 लखनऊ
135. नीलकण्ठ तिवारी, डॉ0 वाराणसी
136. नीलिमा कटियार, श्रीमती कानपुर नगर
137. पंकज, श्री जौनपुर
138. पंकज कुमार मलिक, श्री मुजफ्फरनगर
139. पंकज गुप्ता, श्री उन्नाव
140. पंकज सिंह, श्री गौतमबुद्धनगर
141. पंचानन्द पाठक (पी0एन0 पाठक), श्री कुशीनगर
142. पल्टूराम, श्री बलरामपुर
143. पल्लवी पटेल, डॉ0 कौशाम्बी
144. पीयूष रंजन निषाद, श्री प्रयागराज
145. पुरुषोत्तम खण्डेलवाल, श्री आगरा
146. पूजा पाल, श्रीमती कौशाम्बी
147. पूनम संखवार, श्रीमती कानपुर देहात
148. पूरन प्रकाश, श्री मथुरा
149. प्रतिभा शुक्ला, श्रीमती कानपुर देहात
150. प्रतीक भूषण सिंह, श्री गोण्डा
151. प्रदीप कुमार चौधरी, श्री बुलन्दशहर
152. प्रदीप कुमार यादव, श्री औरैया
153. प्रदीप कुमार सिंह, श्री हाथरस
154. प्रदीप शुक्ला, श्री गोरखपुर
155. प्रभात कुमार वर्मा, श्री गोण्डा
156. प्रभाष कुमार, श्री हरदोई
157. प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री चन्दौली
158. प्रसन्न कुमार, श्री शामली
159. प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री गोण्डा
160. प्रेमपाल सिंह धनगर, श्री फिरोजाबाद
161. प्रेमसागर पटेल, श्री महराजगंज
162. फतेह बहादुर, श्री गोरखपुर
163. फरीद महफूज किदवई, श्री बाराबंकी
164. बम्बा लाल, श्री उन्नाव
165. बल्देव सिंह औलख, श्री रामपुर
166. बाबूराम, श्री पीलीभीत
167. बाबूलाल, श्री आगरा
168. बावन सिंह, श्री गोण्डा
169. बिजयलक्ष्मी गौतम, श्रीमती देवरिया
170. बीरेन्द्र सिंह राणा, श्री हाथरस
171. बृजेश कठेरिया, इंजी0 मैनपुरी
172. बृजेश कुमार, श्री उन्नाव
173. बेचई, श्री आजमगढ़
174. बेदी, श्री गाजीपुर
175. बेबीरानी मौर्य, श्रीमती आगरा
176. ब्रजभूषण राजपूत, श्री महोबा
177. ब्रजेश यादव, श्री बदायूं
178. ब्रजेश पाठक, श्री लखनऊ
179. ब्रजेश, श्री सहारनपुर
180. भगवान सिंह कुशवाहा, श्री आगरा
181. भूपेश चौबे, श्री सोनभद्र
182. मंजू त्यागी, श्रीमती खीरी
183. मनीष असीजा, श्री फिरोजाबाद
184. मनीष कुमार उर्फ मन्टू, श्री कुशीनगर
185. मनीष रावत, श्री सीतापुर
186. मनीषा, श्रीमती हमीरपुर

187. मनोज कुमार प्रजापति, डॉ0 हमीरपुर
188. मनोज कुमार पाण्डेय, श्री रायबरेली
189. मनोज कुमार पारस, श्री बिजनौर
190. मनोहर लाल, श्री ललितपुर
191. मन्जू शिवाच, डॉ0 गाजियाबाद
192. मयंकेश्वर शरण सिंह, श्री अमेठी
193. महबूब अली, श्री अमरोहा
194. महाराजी प्रजापति, श्रीमती अमेठी
195. महेन्द्र, श्री अमरोहा
196. महेन्द्र नाथ यादव, श्री बस्ती
197. महेन्द्र पाल सिंह, श्री गोरखपुर
198. महेश चन्द्र गुप्ता, श्री बदायूं
199. महेश त्रिवेदी, श्री कानपुर नगर
200. माता प्रसाद पाण्डेय, श्री सिद्धार्थनगर
201. माधवेन्द्र प्रताप सिंह, श्री हरदोई
202. मानवेन्द्र सिंह, श्री शाहजहांपुर
203. मारिया अली, श्रीमती बहराइच
204. मीनाक्षी सिंह, श्रीमती बुलन्दशहर
205. मुकेश चौधरी, श्री सहारनपुर
206. मुकेश वर्मा, श्री फिरोजाबाद
207. मुक्ता संजीव राजा, श्रीमती अलीगढ़
208. मूलचन्द्र सिंह, श्री जालौन
209. मेघश्याम, श्री मथुरा
210. मो0 ताहिर खान, श्री सुल्तानपुर
211. मोहन वर्मा, श्री कुशीनगर
212. मौहम्मद हसन "रूमी", श्री कानपुर नगर
213. मौहम्मद नासिर, श्री मुरादाबाद
214. मौहम्मद फईम इरफान, श्री मुरादाबाद
215. योगेन्द्र उपाध्याय, श्री आगरा
216. योगेश वर्मा, श्री खीरी
217. योगेश शुक्ला, श्री लखनऊ
218. रघुराज प्रताप सिंह, श्री प्रतापगढ़
219. रजनी तिवारी, श्रीमती हरदोई
220. रत्नाकर मिश्रा, श्री मिर्जापुर
221. रफीक अन्सारी, श्री मेरठ
222. रमाकान्त यादव, श्री आजमगढ़
223. रमापति शास्त्री, श्री गोण्डा
224. रमाशंकर सिंह, श्री मिर्जापुर
225. रमेश, श्री जौनपुर
226. रमेश चन्द्र मिश्र, श्री जौनपुर
227. रमेश जायसवाल, श्री चन्दौली
228. रविदास मेहरोत्रा, श्री लखनऊ
229. रवि शर्मा, श्री झांसी
230. रविन्द्र जायसवाल, श्री वाराणसी
231. रवेन्द्र पाल सिंह, श्री अलीगढ़
232. राकेश कुमार गोस्वामी, श्री महोबा
233. राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा, श्री प्रतापगढ़
234. राकेश प्रताप सिंह, श्री अमेठी
235. राकेश पाण्डेय, श्री अम्बेडकरनगर
236. राकेश राठौर, श्री सीतापुर
237. राकेश सचान, श्री कानपुर देहात
238. रागिनी, डॉ0 जौनपुर
239. राघवेन्द्र शर्मा, डॉ0 बरेली
240. राघवेन्द्र कुमार सिंह, श्री इटावा
241. राजकुमार सहयोगी, श्री अलीगढ़
242. राजपाल सिंह बालियान, श्री मुजफ्फरनगर
243. राज प्रसाद उपाध्याय, श्री सुल्तानपुर
244. राजबाला सिंह, श्रीमती रामपुर
245. राजमणि, श्री प्रयागराज
246. राजीव कुमार, श्री अमरोहा
247. राजीव गुम्बर, श्री सहारनपुर
248. राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री बदायूं
249. राजीव सिंह ''पारीक्षा'', श्री झाँसी
250. राजेन्द्र कुमार, श्री प्रतापगढ़
251. राजेन्द्र कुमार, श्री मऊ
252. राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, श्री बस्ती

253. राजेन्द्र सिंह पटेल, श्री फतेहपुर
254. राजेश कुमार गौतम, श्री सुल्तानपुर
255. राजेश चौधरी, श्री मथुरा
256. राजेश त्रिपाठी, श्री गोरखपुर
257. रानी पक्षालिका सिंह, श्रीमती आगरा
258. राम अचल राजभर, श्री अम्बेडकरनगर
259. राम कृष्ण भार्गव, श्री सीतापुर
260. रामकेश निषाद, श्री बांदा
261. रामखिलाड़ी सिंह, श्री सम्भल
262. राम चन्द्र यादव, श्री अयोध्या
263. रामदुलार, श्री सोनभद्र
264. राम निवास वर्मा, श्री बहराइच
265. रामपाल वर्मा, श्री हरदोई
266. राम प्रताप वर्मा उर्फ शशिकान्त वर्मा, श्री बलरामपुर
267. राम फेरन, श्री श्रावस्ती
268. राम मूर्ति वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
269. रामरतन कुशवाहा, श्री ललितपुर
270. राम सिंह, श्री प्रतापगढ़
271. राहुल बच्चा, श्री कानपुर नगर
272. राहुल राजपूत उर्फ राहुल लोधी, श्री रायबरेली
273. रेखा वर्मा, श्रीमती औरैया
274. लकी यादव, श्री जौनपुर
275. लक्ष्मी नारायण, श्री मथुरा
276. लक्ष्मी राज, श्री बुलन्दशहर
277. लाल जी वर्मा, श्री अम्बेडकरनगर
278. लोकेन्द्र प्रताप सिंह, श्री खीरी
279. वाचस्पति, श्री प्रयागराज
280. विक्रम सिंह, श्री मुजफ्फरनगर
281. विजमा यादव, श्रीमती प्रयागराज
282. विजयपाल (आढ़ती), श्री हापुड़
283. विनय कुमार, श्री गोण्डा
284. विनय प्रकाश गोंड, श्री कुशीनगर
285. विनय वर्मा, श्री सिद्धार्थनगर
286. विनोद कुमार, श्री प्रतापगढ़
287. विनोद कुमार बिन्द, डॉ0 मिर्जापुर
288. विनोद चतुर्वेदी, श्री जालौन
289. विनोद शंकर अवस्थी, श्री खीरी
290. विनोद सिंह, श्री सुल्तानपुर
291. विपिन कुमार डेविड, श्री एटा
292. विपिन सिंह, श्री गोरखपुर
293. विपुल दुबे, श्री भदोही
294. विमलेश पासवान, डॉ0 गोरखपुर
295. विरेन्द्र कुमार यादव, श्री गाजीपुर
296. विवेक कुमार वर्मा, श्री पीलीभीत
297. विवेकानन्द पाण्डेय, श्री कुशीनगर
298. विशम्भर सिंह यादव, श्री बांदा
299. वीर विक्रम सिंह, श्री शाहजहांपुर
300. वीरेन्द्र चौधरी, श्री महराजगंज
301. वीरेन्द्र सिंह लोधी, श्री एटा
302. वेद प्रकाश गुप्ता, श्री अयोध्या
303. शलभ मणि त्रिपाठी, श्री देवरिया
304. शशांक त्रिवेदी, श्री सीतापुर
305. शशांक वर्मा, श्री खीरी
306. शहजिल इस्लाम अंसारी, श्री बरेली
307. शिव प्रताप यादव, डॉ0 बलरामपुर
308. शिवपाल सिंह यादव, श्री इटावा
309. श्याम प्रकाश, श्री हरदोई
310. श्याम बिहारी लाल, प्रो0 बरेली
311. श्यामधनी राही, श्री सिद्धार्थनगर
312. श्याम सुन्दर, श्री रायबरेली
313. श्रीकान्त कटियार, श्री उन्नाव
314. श्रीराम चौहान, श्री गोरखपुर
315. संग्राम यादव, डॉ0 आजमगढ़
316. संग्राम सिंह, श्री बलिया
317. संजय कुमार शर्मा, श्री बुलन्दशहर
318. संजीव अग्रवाल, श्री बरेली

319. संजीव कुमार गोंड, श्री सोनभद्र
320. संजीव कुमार दिवाकर, श्री एटा
321. संदीप कुमार सिंह, श्री अलीगढ़
322. संदीप सिंह, श्री प्रयागराज
323. सचिन यादव, श्री फिरोजाबाद
324. सतीश चन्द्र शर्मा, श्री बाराबंकी
325. सतीश महाना, श्री कानपुर नगर
326. सत्यपाल सिंह राठौर, श्री कासगंज
327. सभाकुंवर, श्री देवरिया
328. समरपाल सिंह, श्री अमरोहा
329. सरवन कुमार निषाद, इंजी0 गोरखपुर
330. सरिता भदौरिया, श्रीमती इटावा
331. सरोज कुरील, श्रीमती कानपुर नगर
332. सरोज सोनगर, श्रीमती बहराइच
333. सर्वेश सिंह, श्री फिरोजाबाद
334. सलोना कुशवाहा, श्रीमती शाहजहांपुर
335. साकेन्द्र प्रताप, श्री बाराबंकी
336. सिद्धार्थ नाथ सिंह, श्री प्रयागराज
337. सीताराम वर्मा, श्री सुल्तानपुर
338. सुनील कुमार शर्मा, श्री गाजियाबाद
339. सुनील दत्त द्विवेदी, मेजर फर्रुखाबाद
340. सुनील पटेल, डॉ0 वाराणसी
341. सुभाष त्रिपाठी, श्री बहराइच
342. सुरभी, डॉ0 फर्रुखाबाद
343. सुरेन्द्र कुमार कुशवाहा, श्री कुशीनगर
344. सुरेन्द्र चौरसिया, श्री देवरिया
345. सुरेन्द्र मैथानी, श्री कानपुर नगर
346. सुरेश कुमार, श्री अमेठी
347. सुरेश कुमार खन्ना, श्री शाहजहांपुर
348. सुरेश राही, श्री सीतापुर
349. सुरेश्वर सिंह, श्री बहराइच
350. सुशांत सिंह, कुँवर बिजनौर
351. सुशील कुमार शाक्य, श्री फर्रुखाबाद
352. सुशील सिंह, श्री चन्दौली
353. सुहेब उर्फ मन्नु अन्सारी, श्री गाजीपुर
354. सूर्य प्रताप शाही, श्री देवरिया
355. सैय्यदा खातून, श्रीमती सिद्धार्थनगर
356. सोमेन्द्र सिंह तोमर, डॉ0 मेरठ
357. सौरभ श्रीवास्तव, श्री वाराणसी
358. सौरभ सिंह सोनू, श्री खीरी
359. स्वामी ओउमवेश, श्री बिजनौर
360. हंसु राम, श्री बलिया
361. हरविन्दर कुमार साहनी उर्फ रोमी साहनी, श्री खीरी
362. हरिओम, श्री कासगंज
363. हरिप्रकाश वर्मा, श्री शाहजहांपुर
364. हरीश चन्द्र, श्री बदायूं
365. हरेन्द्र सिंह, श्री हापुड़
366. हर्षवर्धन बाजपेई, श्री प्रयागराज
367. हाकिम लाल बिन्द, श्री प्रयागराज
368. हिमान्शु यादव, श्री बदायूं
369. हदय नारायण सिंह पटेल, श्री आजमगढ़

नोट :-उप मुख्य मंत्री (श्री केशव प्रसाद मौर्य), ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री (श्री अरविन्द कुमार शर्मा), प्राविधिक शिक्षा मंत्री (श्री आशीष पटेल), मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद), पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री (श्री नरेन्द्र कश्यप), उद्यान मंत्री (श्री दिनेश प्रताप), आयुष मंत्री (श्री दयाशंकर मिश्र "दयालु") भी सदन में उपस्थित थे।

प्रश्नोत्तर

नत्थी (क)

तारांकित प्रश्न

प्रदेश में कोरोना काल में बन्द दुकानों तथा कोरोना संक्रमण से पीड़ित व्यक्तियों के उक्त अवधि के बिजली बिल माफ करने के सम्बन्ध में

***1-श्री रविदास मेहरोत्रा-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कोरोना संक्रमण से उत्पन्न कोरोना काल में बन्द दुकानों तथा कोरोना संक्रमण से पीड़ित व्यक्तियों के उक्त अवधि के बिजली बिल सरकार माफ करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा, नगर विकास मंत्री (श्री अरविन्द कुमार शर्मा)-

कोरोना माहमारी के समय में विद्युत उपभोक्ताओं को निम्नवत् राहत प्रदान की गयी।

मार्च 2020 से मई 2020 के बीच लाकडाउन के कारण समस्त उपभोक्ताओं के बिलों की देय तिथि 31-05-2020 तक बढ़ा दी गयी थी ताकि बिल न जमा कर पाने की स्थिति में उपभोक्ताओं पर लेट पेमेन्ट सरचार्ज देय न हो।

लाकडाउन की अवधि में बन्दी से प्रभावित वाणिज्यिक एवं औद्योगिक प्रतिष्ठान, जिनके द्वारा माह जुलाई में निर्गत विद्युत बिलों की बकाया धनराशि 31-07-2020 तक जमा कर दी गयी थी, को अप्रैल, 2020 हेतु देय फिक्स/डिमाण्ड चार्ज में शत-प्रतिशत छूट प्रदान की गयी।

उपरोक्त के अतिरिक्त वाणिज्यिक (एल0एम0वी0-2), संस्थागत (एल0एम0वी0-4बी0) एवं औद्योगिक श्रेणी (एल0एम0वी0-6) के उपभोक्ताओं को कोविड-19 एकमुश्त समाधान योजना के अन्तर्गत दिनांक 30-11-2020 के विद्युत बकाया पर विलम्बित भुगतान सरचार्ज में शत-प्रतिशत की छूट प्रदान की गयी।

इसी प्रकार आसान किस्त योजना के अन्तर्गत जिन घरेलू उपभोक्ताओं ने पंजीकरण अवधि 11-11-2019 से 31-03-2020 के मध्य पंजीकरण करा लिया था एवं किश्तों में भुगतान कर रहे थे, उन्हें राहत देने के उद्देश्य से उनकी मार्च, 2020 से जून, 2020 के मध्य पड़ने वाली किस्तों को स्थगित किया गया था।

उपरोक्तानुसार।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, इस प्रश्न को पढ़ा हुआ मान लिया जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, कोविड 19 में जो कोरोना संक्रमण काल था 2019 में तमाम देशों के लोग कोरोना महामारी से पीड़ित हुए। लेकिन भारत वर्ष में 2019 में एक भी पेशेन्ट नहीं था। 2020 के फरवरी माह तक कोई भी पेशेन्ट नहीं था और इससे पहले इन्टरनेशनल एयरपोर्ट पर अगर लॉकडाउन कर दिया गया होता एवं अन्तर्राष्ट्रीय उड़ाने अगर बन्द कर दीं गई होतीं तो भारत में कोरोना से इतने मरीज नहीं होते 24 मार्च को यह आदेश हुआ कि 25 मार्च से लॉकडाउन रहेगा। सरकार के आदेश पर व्यापारियों ने अपनी दुकानें बन्द कर दी, लेकिन बन्द दुकानों का सरकार ने बिजली का बिल लिया। मैंने बहुत स्पष्ट रूप से प्रश्न किया था कि कोरोना संक्रमण में, कोरोना काल में, बन्द दुकानों तथा कोराना संक्रमण में पीड़ित व्यक्तियों का बिजली का बिल सरकार माफ करेगी। आप उत्तर पढ़ लीजिए कहीं पर भी यह उत्तर में नहीं दिया गया है कि सरकार बिजली का बिल माफ करेगी या नहीं करेगी। हमने यह नहीं पूछा है कि सरकार ने क्या छूट दी थी। सरकार ने यह छूट दी कि 31 मई तक हम सरचार्ज माफ करेंगे और उसके बाद सरचार्ज माफ करने की हमने बात नहीं पूछी है। हमने पूछा है कि बिजली का बिल जिनके पूरे परिवार को कोरोना हो गया और पूरा परिवार अस्पताल में भर्ती था। उनको भी देना पड़ा था। मेरा प्रश्न यह है कि कोरोना में जब सरकार के आदेश पर दुकाने बन्द थी तो उन दुकानों का बिजली का बिल क्यों लिया जा रहा है ? सरकार क्या बजली का बिल माफ करेगी यह एक स्पष्ट प्रश्न है।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, भारत के कोरोना काल के व्यवस्थापन की आज पूरी दुनिया प्रशंसा कर रही है। माननीय प्रधानमंत्री जी से ले करके माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी, इन दोनों महानुभावों ने जिस प्रकार से कोरोना का व्यवस्थापन किया है वह पूरी दुनिया के लिए एक उदाहरण बन कर के अपने समक्ष प्रस्तुत है। मान्यवर, इसे आपको स्वीकार करना पड़ेगा। मैं सदन के सभी सदस्यगण से भी कहूंगा कि पूरी दुनिया में जिस राष्ट्र की प्रशंसा हो रही है उस पर प्रश्नचिन्ह कृपया करके न उठाएं। दूसरी बात कि जहाँ तक बिजली बिल की माफी की बात है आप ने प्रश्न पूछा है माफ और आपने शब्द उपयोग किया है माफ हमने वह शब्द नहीं उपयोग किया है, लेकिन माफी का मतलब यही होता है कि आदमी के पॉकेट में से, आदमी के खजाने में से, उसकी तिजोरी में से कितना पैसा बाहर जा रहा है बिजली विभाग को और कितना पैसा उसका बच रहा है। उसके चार हमने दृष्टान्त दिए हैं कि इस तरह से व्यापारियों को हमने राहत पहुंचाई है राहत दी है और एक नहीं चार-चार प्रकार से इंटरवेन्शन हमने किया है। चार-चार चरण में हमने इंटरवेन्शन किया है और रही बात भारत सरकार की तो भारत सरकार में माननीय प्रधानमंत्री जी ने ऐसे व्यापारियों के लिए, ऐसे छोटे कारीगरों के लिए, आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा की थी। उस पूरे आत्मनिर्भर भारत पैकेज की बहुत

अच्छी अमलवारी उत्तर प्रदेश में हुई थी और उसकी पूरे देश में सराहना भी हुई थी। माननीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में आपने देखा था कि जब पूरे देश में हमारे जो उद्योग, दुकानें, धंधे बन्द थे और श्रमिक इधर-उधर घूम रहें थे उन दिनो में भी माननीय मुख्य मंत्री जी ने हमारे श्रमिकों का अच्छे से व्यवस्थापन करके उनको जीवन देने का प्रयास किया था।

इसीलिये माफ और राहत इन दो शब्दों में आप कृपा करके न फंसें। कुल मिलाकर के उन्हें बहुत राहत दी गयी है। मा0 अध्यक्ष जी, मेरा यह भी सुझाव है कि अब यह फेज पूरा हो चुका है, हम सब इससे निकल चुके हैं और देश का उद्योग-धंधा बहुत अच्छी तरह से फिर से पुनर्जीवित हो गया है।

(इस मध्य सदस्य श्री लाल जी वर्मा द्वारा अनुपूरक पूछे जाने के लिये खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य, पहले मूल प्रश्नकर्ता प्रश्न पूछ लें उसके बाद आप अनुपूरक पूछ लीजियेगा।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, यह कहा गया कि कोरोना काल में सरकार ने बहुत काम किये, लेकिन मैं बार-बार यह कहता हूँ कि कोरोना देश में आया क्यों ? अगर इण्टरनेशनल एयरपोर्ट पर लॉकडाउन कर दिया गया होता और अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानें बन्द कर दी गयी होतीं।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य, आप बिजली से सम्बन्धित प्रश्न पूछिये। जो विषय है आप उससे सम्बन्धित प्रश्न पूछिये।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मान्यवर, मा0 सदस्य का जो प्रश्न है वह बिजली से जुड़ा हुआ प्रश्न है, इसलिये वह इससे सम्बन्धित ही अनुपूरक करें।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मेहरोत्रा जी, आपने जिस विषय पर अपना प्रश्न लगाया है उसी विषय से सम्बन्धित अनुपूरक करिये।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, मेरा अनुरोध यह है कि सरकार ने लॉकडाउन किया। व्यापारी ने अपने आप दुकानें बन्द नहीं कीं। सरकार ने कहा कि अगर कोई दुकान खोलेगा तो उसको हम बन्द कर देंगे। जब सरकार के कहने पर दुकानें बन्द की गयीं तो मेरा आपसे कहना यह है कि उस दौरान का बिजली का बिल सरकार माफ करे जिस दौरान उसकी दुकान बन्द थी।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मेहरोत्रा जी, उसमें मंत्री जी का जवाब आ गया है कि उसके अलावा वह जितना बिल माफ कर सकते थे वह कर दिया गया है। जो प्रश्न आपने किया है उसका उत्तर आ चुका है। इसलिये अब आप बैठ जाएं। मा0 लाल जी वर्मा जी।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, मेरी केवल एक बात सुन लीजिये।

श्री अध्यक्ष-

आप भाषण ज्यादा दे रहे हैं और प्रश्न कम कर रहे हैं।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, मेरा प्रश्न यह है कि जिन लोगों को कोरोना हो गया, जिनका पूरा परिवार अस्पताल में भर्ती था। जिन परिवारों में किसी की मृत्यु हो गयी उनका बिजली का बिल माफ होगा ?

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य, आप यह तो बोल चुके हैं, आप दोबारा रिपीट कर रहे हैं।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, मेरा कहना यह है कि जिन लोगों को कोरोना हो गया, जिनका पूरा परिवार अस्पताल में भर्ती था उन लोगों का पूरा बिजली का बिल माफ किया जाये।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य, आपके प्रश्न का पूरा उत्तर आ गया है। आप बैठ जायें। मा0 लाल जी वर्मा।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ कि प्रदेश सरकार और देश की सरकार के द्वारा कोरोना की रोकथाम के लिये लॉकडाउन लगाया गया और यह लॉकडाउन काफी दिनों तक रहा। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान सारी दुकानें बन्द रहीं और जो उत्तर आया है उसमें केवल एक महीने अर्थात् अप्रैल का दिया गया है कि जो फिक्स्ड चार्ज था उसकी हमनें छूट दी है। मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि जब आपके आदेश के अनुसार, शासन के आदेश के अनुसार उसका प्रतिष्ठान खुला ही नहीं तो क्या उतने समय तक के लिये जितने समय तक उसका प्रतिष्ठान नहीं खुला, फिक्स्ड चार्ज को माफ करने की कृपा करेंगे ? मा0 मंत्री जी केवल इसका स्पेसिफिक जवाब दे दें।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, जो जवाब हमने दिया है उसके तीसरे बुलेट प्वाइंट को आप देखेंगे जिसमें हमने कहा है कि विलम्बित भुगतान में हम एक ओ0टी0एस0 योजना लेकर आए थे जिसके प्रावधानों के अन्तर्गत विलम्बित भुगतान सरचार्ज में शत-प्रतिशत की छूट प्रदान की गयी थी।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, मा0 मंत्री जी बहुत अनुभवी है, लेकिन इस सदन में जवाब देने पहली बार आए हैं।

श्री अध्यक्ष-

अब प्रश्न संख्या-02, मा0 मनोज कुमार पाण्डेय जी।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है। हमनें स्पेसिफिक प्रश्न पूछा है।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, यह महत्वपूर्ण प्रश्न है। मा0 मंत्री जी यह साफ करें कि हम बिजली का बिल माफ नहीं करेंगे।

श्री अध्यक्ष-

उसका उत्तर आ गया है।

(इस दौरान सदस्य श्री रविदास मेहरोत्रा एवं श्री लाल जी वर्मा अपने-अपने स्थानों पर खड़े रहे और एक साथ अपनी बात कहने का प्रयास करते रहे जिस कारण सदन में शोर बना रहा)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठ जाएं।

श्री रविदास मेहरोत्रा-

मान्यवर, आप मेरी बात सुन लीजिये। हमने सवाल पूछा है कि बिजली का बिल माफ होगा या नहीं ? आप मा0 मंत्री जी से केवल इसका जवाब हां या नहीं में दिला दीजिये। करोना पीड़ित परिवारों तथा करोना काल में सरकार के आदेश से बन्द की गयी दुकानों एवं उद्योगों का बिजली का बिल माफ कराया जाये।

श्री अध्यक्ष-

हाँ या नहीं में जवाब होता है क्या ? आपने कभी दिया है क्या ? मेरी आपसे रिक्वेस्ट है कि अब आप प्लीज बैठिये। मा0 मनोज कुमार पाण्डेय जी।

प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में अत्यन्त निर्धन विद्युत उपभोक्ताओं के 50 प्रतिशत विद्युत बिल माफ किये जाने के सम्बन्ध में

***2-श्री मनोज कुमार पाण्डेय-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में अत्यन्त निर्धन विद्युत उपभोक्ताओं के 50 प्रतिशत विद्युत बिल माफ किये जाने की योजना संचालित की जा रही है ? यदि हां, तो वर्तमान तक कितने ग्रामीण विद्युत उपभोक्ताओं का 50 प्रतिशत विद्युत बिल माफ किये गये है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

ऐसे उपभोक्ताओं को वर्तमान व्यवस्था के अनुसार बिजली के बिल निर्गत होने से पहले औसत लागत दर (ए0सी0ओ0एस0) के सापेक्ष राहत देने की व्यवस्था है। प्रदेश के ग्रामीण अंचलों में अत्यन्त निर्धन विद्युत उपभोक्ताओं सहित लाईफ लाइन उपभोक्ताओं (ऐसे उपभोक्ता जिनका विद्युत भार 1 कि0वा0 से कम है तथा खपत 100 यूनिट प्रतिमाह से कम है) को पावर कारपोरेशन की विद्युत आपूर्ति लागत दर से 50 प्रतिशत कम दर पर बिजली दी जा रही है, जिनके लिए सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 में रु0 483 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की गयी है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 अध्यक्ष जी, मेरा आग्रह है कि उत्तर पढ़ा हुआ माना जाए।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है। अब आप अनुपूरक कर सकते हैं।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मान्यवर, विपक्ष की ओर से मैं आपका आभार भी प्रकट करना चाहता हूँ कि बहुत लम्बे समय बाद 20 तारांकित प्रश्नों को आपके नेतृत्व में यहाँ पर लाने का मौका मिला। ऊर्जा से सम्बन्धित मेरा यह अनुपूरक प्रश्न है। हमारा प्रश्न था कि जो गरीब एवं निर्धन उपभोक्ता हैं उनका 50 प्रतिशत विद्युत बिल माफ किए जाने के बारे में हमने सूचना मांगी थी, यह प्रश्न इस विषय से सम्बन्धित था। मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से मा0 मंत्री जी से केवल तीन प्रश्न पूछना चाहता हूँ कि जो उल्लेख किया गया उत्तर में बी0पी0एल0 कार्ड धारक गरीब लोगों को, मैं मा0 मंत्री जी से यह जानना चाहता हूँ कि जो बी0पी0एल0 कार्ड धारक गरीब किसान हैं, जिनको हम लोग लघु सीमान्त किसान भी कहते हैं, क्या सरकार उन गरीब लघु सीमान्त

किसानों के भी 50 प्रतिशत बिजली के बिल माफ करने की कोई योजना बना रही है या बनायेगी या इस पर मा0 मंत्री जी आज कोई जवाब देंगे ? दूसरा प्रश्न मेरा यह है कि जिन 50 प्रतिशत बी0पी0एल0 कार्ड धारकों के बिलों को आपने माफ किया है उनकी संख्या क्या है ?

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य आपने दो प्रश्न किए हैं, आपने पूछा कि क्या सरकार 50 प्रतिशत बिजली के बिल माफ करेगी फिर आपने कहा कि कितने लोगों के बिल सरकार ने माफ किए हैं।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

जी मान्यवर, हमने लघु सीमांत किसानों के बिल माफ करने के विषय में प्रश्न पूछा है।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी यह प्रश्न इसका भाग नहीं है, लेकिन जब हमारे समक्ष यह प्रश्न आया है तो इसका जवाब भी मैं दे देता हूँ कि किसानों के लिए अलग योजना है जिनको हम 50 प्रतिशत राहत देते हैं और देते आ रहे हैं। दूसरी बात आपने पूछी कि कितने लोगों के बिल माफ किए गये हैं उनकी संख्या क्या है ? तो मैं बताना चाहूँगा कि हम बिल देने से पहले ही लगभग 50 प्रतिशत की राहत उपभोक्ताओं को दे देते हैं। ऐसे लोगों को वर्ष 2021-22 में राज्य सरकार के द्वारा 483 करोड़ रुपये की सब्सिडी और सहायता दी गयी है और उन लोगों की संख्या मार्च में 1.71 करोड़ थी और अप्रैल में 1.68 करोड़ थी। ये उपभोक्ता एल0एम0बी0-1 लाइट और मीडियम वोल्टेज वालों में आते हैं।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 अध्यक्ष जी, हमने जो प्रश्न पूछा था उसका उत्तर मा0 मंत्री जी की तरफ से नहीं आया है। मैंने यह प्रश्न पूछा था कि जो लघु सीमान्त बी0पी0एल0 कार्ड धारक किसान हैं।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 सदस्य ने अपने प्रश्न में बी0पी0एल0 शब्द का कहीं भी उल्लेख नहीं किया है।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 मंत्री जी मेरी बात पूरी हो जाने दीजिए।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, मा0 सदस्य का जो प्रश्न है उसे मैं पढ़ देता हूँ। मा0 सदस्य का प्रश्न है कि ग्रामीण अंचलों में अत्यन्त निर्धन विद्युत उपभोक्ताओं को 50 प्रतिशत विद्युत बिल माफ किये जाने की योजना संचालित की जा रही है या नहीं ? मैं यह कह रहा हूँ कि मैं उन्हीं निर्धन उपभोक्ताओं के बारे में बात कर रहा हूँ जिनको हमने लाइफ लाइन उपभोक्ता कहा है, जिनका बोल्टेज भार एक किलोवॉट से कम होता है और उनकी खपत लगभग 100 यूनिट से

कम होती है, ऐसे व्यक्ति को गरीब और निर्धन माना जाता। ऐसे व्यक्तियों को वर्ष 2021-22 में बिजली के बिल में 50 प्रतिशत की राहत देते हुए हमने 483 करोड़ रुपये की राहत दी है और उन लाभार्थियों की संख्या 1.78 करोड़ मार्च में थी और अप्रैल में 1.68 करोड़ थी।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 मंत्री जी मैंने आपसे केवल यह पूछा है कि बी0पी0एल0 कार्ड धारक जो किसान हैं जिनके निजी ट्यूबवेल्स के कनेक्शन हैं क्या उनको भी इस योजना में सरकार शामिल करेगी ? यह मैं जानना चाहता हूँ।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी बी0पी0एल0 कार्ड धारक ही नहीं सारे किसानों के लिए हमारी 50 प्रतिशत की योजना है और उन्हें और भी बेहतर सुविधा देने के लिए हमारे मा0 वित्त मंत्री जी आगे विचार कर रहे हैं। किसानों की चिन्ता आप मत करिये आपसे ज्यादा किसानों की चिन्ता हमें है।

प्रदेश की अधिकांश ग्राम सभाओं में बिना सम्पूर्ण विद्युतीकरण एवं बिना विद्युत कनेक्शन के ग्रामीणों को भेजे गये फर्जी विद्युत बिलों को निरस्त करते हुए दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करने के सम्बन्ध में

***3-श्री उमाशंकर सिंह-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश की अधिकांश ग्राम सभाओं में बिना सम्पूर्ण विद्युतीकरण एवं बिना विद्युत कनेक्शन के ग्रामीणों को विद्युत बिल भेजे गये हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त समस्त फर्जी विद्युत बिलों का सर्वेक्षण कराकर निरस्त करते हुए उक्त हेतु दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

सौभाग्य योजना एवं अन्य योजनाओं के अन्तर्गत ग्राम सभाओं में विद्युतीकरण का कार्य कराया गया है और उपभोक्ताओं को घर-घर जाकर बिल भी उपलब्ध कराया जा रहा है। अग्रेतर अवगत कराना है कि बिना विद्युत कनेक्शन के बिल जारी होने संबंधी शिकायतों का नियमित निस्तारण कराया जाता है।

गलत बिल निर्गमन पर बिल निरस्त करते हुए नियमानुसार जाँच कराये जाने एवं प्रकरण में दोष सिद्धि पर सम्बन्धित के विरुद्ध सख्त कार्यवाही का प्रावधान है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार व्यक्त करूँगा कि आपने हमें अनुपूरक करने का मौका दिया। इस प्रश्न को लाने का मेरा उद्देश्य यह था कि जिस समय, चूँकि पिछले सदन में मा0 मंत्री जी नहीं। थे, जिस समय सरकार द्वारा इस बात का आंकड़ा प्रस्तुत किया जा रहा था कि हम कितने उपभोक्ताओं को फ्री का मीटर लगा दिए, कितने कनेक्शन दे दिए। अध्यक्ष जी, चूँकि इसमें से मैं कुछ गांव भी मा0 मंत्री जी को बताऊँगा।

माननीय अध्यक्ष जी, फ्री मीटर के चक्कर में, फ्री कनेक्शन के चक्कर जो अधिकारी और कर्मचारी वर्ग थे, गांव-गांव में आधार कार्ड की फोटोकापी लेते गये और अपने यहां उनका कनेक्शन शो कर दिया। माननीय अध्यक्ष जी, कुछ ऐसे गांव हैं मैं उन गांवों का नाम लेकर बता सकता हूँ जहां पर केवल खम्भा है वहां तार भी नहीं खींचा गया है। उस गांव में एक-एक आदमी का लगभग 18000, 20000, 25000 रुपये बिजली का बिल आ गया है। जब मैंने पूछा तो उन लोगों ने बताया कि एक टीम आई थी तो हमने केवल अपना आधार कार्ड दिया था उस वक्त हमको नहीं पता था कि मात्र आधार कार्ड देने से हमारे यहां बिजली का बिल आ जायेगा। माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से मेरा विनम्रता पूर्वक यह सवाल है और आग्रह है कि क्या ऐसे गांव जिनको आप संज्ञान में लेंगे, उनका सर्वे कराकर अगर ऐसी स्थिति मिलती है तो क्या जिन उपभोक्ताओं का फर्जी बिल आया है, उस बिजली बिल को माफ करेंगे ? एवं क्या उन सम्बन्धित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ कार्यवाही करेंगे ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, अगर हमारे किसी कर्मचारी/अधिकारी की गलती से किसी उपभोक्ता के पास अनुचित बिल गया है तो स्वभाविक बात है हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम उसको सुधारें और इस काम को हम कर भी रहे हैं। दूसरी बात कि जब से यह बात मेरे संज्ञान में आई है हमने कई प्रकार की नई पहल भी की है। आपके ध्यान में होगा कि हमने सम्भव नाम का ऑन लाइन पोर्टल शुरू किया है। पिछले दिनों सप्ताह के सोमवार, मंगलवार को एक्स0ई0एन0 के लेवेल पर, सुपरीटेण्डेन्ट इन्जीनियर के लेवेल पर और एम0डी0 के लेवेल पर भी जन सुनवाई का कार्यक्रम करने की सूचना दी थी। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जन सुनवाई का यह कार्यक्रम बहुत अच्छा हुआ और उसमें ऐसी ही समस्याओं का निराकरण किया जाता है। इसी तरह से हमारे सिस्टम में टेलीफोन पर 1912 नम्बर पर फरियाद करने की व्यवस्था है उस पर भी ऐसी शिकायतें आती हैं और जैसे-जैसे शिकायतें आती हैं हम लोग उन समस्याओं को दूर करने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने स्वयं भी उपभोक्ताओं से उनके फीडबैक लिये हैं और कई उपभोक्ताओं से ऑनलाइन बातें की है। आप निश्चिन्त रहें जहां भी इस तरह की गड़बड़ी संज्ञान में आयेगी, उनमें सुधार किया जायेगा।

श्री उमाशंकर सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा सबमिशन यह है कि माननीय मंत्री जी इसके लिए काफी जागरुक हैं और कह रहे हैं कि ये समस्याओं का निराकरण कर भी रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

उमाशंकर जी, आपके पास सूची है तो दे दीजिएगा अगर कहीं कनेक्शन नहीं होगा और उनके घर बिल जा रहा है तो माननीय मंत्री जी उसको दिखवा लेंगे।

श्री उमाशंकर सिंह-

मान्यवर, ठीक है।

श्री राकेश प्रताप सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय मंत्री जी से आपके माध्यम से पूछना चाहता हूँ कि इस प्रकार की जो गलत बिल और बिना तार, खम्भे के जिन उपभोक्ताओं को बिजली का बिल गया है और उस जांच में अधिकारी/कर्मचारी दोषी पाये गये हैं, कितनों पर कार्यवाही हुई है ? और अगर आगे भी ऐसी गड़बड़ी पाई जाती है तो क्या उस पर कार्यवाही करेंगे ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, जैसा कि मैंने कहा कि अगर ऐसी शिकायत आएगी और अधिकारी/कर्मचारी दोषी पाया जायेगा तो स्वाभाविक रूप से उसके खिलाफ कार्यवाही होगी।

आयोध्या से आजमगढ़ मार्ग के चौड़ीकरण में उक्त मार्ग पर स्थित कटेहरी बाजार, जिला अम्बेडकरनगर में बाईपास बनाने के सम्बन्ध में

***4-श्री लाल जी वर्मा-**

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सड़क चौड़ीकरण के अन्तर्गत फैजाबाद (अयोध्या) से आजमगढ़ मार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्ग पर स्थित कटेहरी बाजार, जिला अम्बेडकरनगर में बाईपास बनाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

लोक निर्माण मंत्री (श्री जितिन प्रसाद)-

अयोध्या से आजमगढ़ मार्ग के अयोध्या-अकबरपुर-बसखारी सेक्शन (चैनेज 118.250 से 199.200, लम्बाई 80.950 किमी0) में फोर लेन के चौड़ीकरण का कार्य स्वीकृत है। उक्त मार्ग पर चैनेज 162.100 से 165.500 के मध्य स्थित कटेहरी बाजार कस्बे में फोर लेन चौड़ीकरण का कार्य भी स्वीकृत है। कटेहरी बाजार में बाईपास का कार्य, वित्तीय वर्ष 2022-23 की कार्य योजना में सम्मिलित होने, वित्तीय संसाधन एवं भूमि की उपलब्धता पर निर्भर है।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर मैने स्पेसिफिक सवाल किया था कि अम्बेडकरनगर जिलें में कटेहरी बाजार में फोर लेन की सड़क बन रही है, चौड़ीकरण हो रहा है। हमारी विधान सभा क्षेत्र का मुख्यालय है और तत्कालीन उप मुख्य मंत्री जो आज भी हैं और तत्कालीन लोक निर्माण मंत्री भी थे। वे कटहरी में गये थे और इन्होंने घोषणा भी की थी कि हम यहां बाईपास बनायेंगे, परन्तु जब आज हमने सवाल किया तो इसमें कहा गया कि कटेहरी बाजार में बाईपास का कार्य, वित्तीय वर्ष 2022-23 की कार्य योजना में सम्मिलित होने वित्तीय संसाधन एवं भूमि की उपलब्धता पर निर्भर है। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ कि तत्कालीन सम्बन्धित मंत्री और उप मुख्य मंत्री जो वर्तमान भी हैं, क्या उन्होंने कटहरी में बाईपास बनाने की घोषण की थी ? यदि हां तो निश्चित रूप से जब बाईपास बनाया जायेगा तो भूमि अर्जन किया जायेगा। भूमि फ्री में तो उपलब्ध नहीं होगी और इसके अतिरिक्त गोसाईगंज में बाईपास बन रहा है। बसखारी जैसी छोटी जगह बाईपास बन रहा है। कटेहरी जो मुख्यालय है विधान सभा क्षेत्र का ब्लाक है, बड़ी बाजार है।

उस जगह पर न बनाये जाने का औचित्य समझ में नहीं आता है मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ और बताना चाहता हूँ कि माननीय तत्कालीन उप मुख्य मंत्री जी ने बाईपास की घोषणा की थी लेकिन अगर बाईपास नहीं बनाया जाता है तो जिन लोगों का मकान ढहाया गया है क्या आप उन लोगों को प्रतिकर देने की व्यवस्था करेंगे।

श्री जितिन प्रसाद-

इसमें जहाँ तक माननीय सदस्य का प्रश्न है मैं बताना चाहता हूँ कि उस समय के हमारे उप मुख्य मंत्री जी और लोक निर्माण मंत्री जी ने घोषणा जरूर की थी, लेकिन समय-समय पर घोषणा होती है फिर विभाग विचार करता है कि वह गाइडलाइन में आता है या नहीं आता और कभी-कभी उसमें परिस्थतियां भी बदलती हैं। मैं मा0 सदस्य को बताना चाहता हूँ कि जब घोषणा हुई थी और उसके बाद जो परिस्थतियां बदली हैं और एक बाईपास मया बाजार में और दूसरा बाईपास गोसाईगंज में बना है, लेकिन वहां पर परस्थिति यह उत्पन्न हुई कि एक रोड टांडा के लिए बन गयी। उसके बाद जो रोड गोसाईगंज में बनी है वह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे को जोड़ती है उसके लिए एक डायवर्जन बना है। दोनों परिस्थतियों को देखते हुए आगे कटेहरी बाजार में ट्रैफिक कम हो गया है जिसकी बात मा0 सदस्य बता रहे हैं वहां जाम की स्थिति पहले होती थी, इस रोड के पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे में जुड़ने से स्थिति सुधर गयी है और दूसरी बात मैं बताना चाहता हूँ कि विभाग ने यह फैसला लिया है वहां चार लाइन का रोड कटहरी बाजार से निकलेगा और जमीन का जहां तक सवाल है तो वहां 22 से 24 मीटर सरकारी जमीन उपलब्ध है तो इसमें कोई ऐसी वजह नहीं है कि वहां चार लाइन रोड न बनायी जा सके। दूसरा जो प्रश्न था मा0 सदस्य का कि मुआवजा लोगों को मिलेगा या नहीं मिलेगा तो

हम आपको बता रहे हैं कि मुआवजा बस उन लोगों को मिलेगा जिनकी जमीन सरकारी अभिलेखों में उनके लिखे होंगे उन लोगों को नहीं मिलेगा जिन्होंने सरकारी जमीन पर कब्जा किया हुआ है। यह सरकार की प्राथमिकता है कि सरकार सभी भू-माफियों, अतिक्रमण करने वालो को खदेड़ने का काम करेगी। माननीय सदस्य, को मालूम है कि संसाधन सीमित होते हैं, पहले 100 करोड़ का अनुमान लगाया गया था बाईपास को बनाने के लिए अब सरकार ने यह फैसला लिया है जब जगह उपलब्ध है और फोरलेन हाई-वे कटेहरी बाजार से निकल सकता है और कटेहरी बाजार की आबादी भी स्केटर्ड है वहां जितना भी अतिक्रमण हुआ है वह साफ कर और सड़के बनायेंगे और संसाधनों का सही उपयोग होगा। धन्यवाद।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, मंत्री जी द्वारा यह कहा जाना कि तत्कालीन उप मुख्य मंत्री ने जो घोषणा की थी वह गलत थी।

श्री अध्यक्ष-

यह नहीं कहा है, उन्होंने यह कहा है कि वहाँ दूसरी रोड बन गयी है और उस रोड पर ट्रैफिक कम हो गया है।

श्री लाल जी वर्मा-

कटहरी ज्यादा घनी आबादी है, रेलवे स्टेशन है, पुराना बाजार है मान्यवर कोई कारण नहीं बचता है कि वहां बाइपास न बने और इन्होंने कहा है कि जिनके नाम जमीन होगी, लेकिन आबादी की जमीन किसी के नाम नहीं होती है। मान्यवर पी0डब्लू0डी0 के नाम वह जमीन है अगर पी0डब्लू0डी0 के खतौनी के खाते में उस गांव में जितनी जमीन है और उससे अधिक जमीन अगर ली जा रही है तो वह उन लोगों की जमीन जो उस पर बसे हुए हैं। पहले वो तीन मीटर की सड़क थी बाद में सात मीटर की सड़क बनी अब उसको 22 मीटर बड़ी करने का काम किया जा रहा है तो मान्यवर तीन मीटर की सड़क 22 मीटर कैसे हो गयी है और वहां पुरानी आबादी और आबादी की जमीन किसी के नाम नहीं होती है यह आप भी अच्छी तरह से जानते है। वह सैकड़ों वर्ष से वहां बसे हुए है और आबादी की जमीन किसी के नाम नहीं होती है।

मान्यवर, यह आप भी अच्छी तरह से जानते हैं कि आबादी की जमीन किसी व्यक्ति विशेष के नाम दर्ज नहीं होती है, लेकिन वह लोग सैकड़ों वर्ष से वहां पर बसे हुये हैं। वहां पर उनकी दुकानें हैं। यह भी नहीं है कि उन्होंने हमको वोट दिया हो इसलिये हम उनकी समस्या को उठा रहे हैं, वोट भी उन्होंने आपको ही दिया है फिर भी आप उनके मकान को गिराने जा रहे हैं। वह व्यापारी हैं और सैकड़ों वर्ष से उनकी दुकानें वहां पर बनी हुयी हैं, उनके घर बने हुये हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से दो अनुपूरक प्रश्न करना चाहता हूँ। पहला प्रश्न आबादी की जमीन पर सैकड़ों वर्ष से जिनके घर बने हुये हैं अगर उनको गिराया जायेगा

तो क्या उनको मुआवजा और प्रतिकर देने पर विचार करेंगे। दूसरा, जैसे कि माननीय मंत्री जी कह रहे हैं कि लोक निर्माण विभाग के नार्म्स के अनुसार कि हमारी इतनी मीटर चौड़ी सड़क होती है और इतनी मीटर चौड़ी पटरी होती है तो राजस्व अभिलेखों में पी0डब्ल्यू0डी0 के नाम जितनी जमीन दर्ज है उससे अधिक जमीन अगर ली जा रही है तो क्या सरकार मुआवजा देने पर विचार करेगी।

श्री जितिन प्रसाद-

माननीय अध्यक्ष जी, जहां तक मुआवजे का सवाल है, तो इस सम्बन्ध में स्पष्ट नियम है कि अगर किसी व्यक्ति के नाम जमीन है और अधिग्रहण में आयेगी तो उसको नियम के अनुसार मुआवजा बिल्कुल दिया जायेगा। माननीय सदस्य बहुत अनुभवी हैं, इस सदन के बहुत वरिष्ठ सदस्य हैं और कई बार से सम्बन्धित क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मैंने भी वहां की कई फोटोज मंगवाई हैं। वहां पर अब परिस्थितियाँ बदली हैं और ट्रैफिक डायवर्ट हो रहा है। अब वहां पर सामान्य तौर पर जाम नहीं लगता है। मैं आपको यह आश्वस्त करना चाहता हूँ कि हम भी उन लोगों का ख्याल रखना चाहते हैं। किसी को बेघर करने की कोई मंशा नहीं है। वहां पर सर्वे हुआ है, खम्भे गड़े हैं और लोगों ने छोटा-मोटा अतिक्रमण स्वयं हटा लिया है। जहां तक राइट ऑफ वे का सवाल है तो मैं कह सकता हूँ कि 22 से 24 मीटर राइट ऑफ वे सरकार की जमीन वहां पर उपलब्ध है और उसी के अन्दर वहां पर काम किया जा रहा है। किसी भी व्यक्ति की निजी जमीन नहीं ली जा रही है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी ने कह दिया है कि हम भी उन लोगों की चिंता कर रहे हैं और किसी को उजाड़ा नहीं जायेगा।

श्री लाल जी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, अगर बाईपास बनाया जायेगा तो मकान तो गिरेंगे ही। मान्यवर, निश्चित रूप से वहां पर लोगों की दुकानें गिरेंगी और घर भी गिरेंगे और यह घर गरीबों के गिरेंगे, लोग वहां पर उजड़ेंगे।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी ने कहा है कि जो मानक है उसके अनुसार मुआवजा दिया जायेगा। मानक के विपरीत तो कोई मुआवजा दे भी नहीं सकता है।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, वहां पर कोई माफिया नहीं है। आप जनप्रतिनिधि हैं, हम भी जनप्रतिनिधि हैं। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि क्या आबादी की जमीन किसी व्यक्ति के नाम पर होती है। आबादी की जमीन का अधिग्रहण होने पर क्या मुआवजा नहीं दिया जाता है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय वर्मा जी, मुआवजा देने के लिए कुछ ना कुछ नियम बने होंगे। यह लोक निर्माण विभाग के भी हो सकते हैं और एन0एच0ए0आई0 के भी हो सकते हैं। इसके अनुरूप जो लोग मुआवजे की श्रेणी में आते होंगे, निश्चित रूप से उनको मुआवजा दिया जायेगा। जो लोग मुआवजे की श्रेणी में नहीं आते होंगे उनको मुआवजा कहां दिया जायेगा।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, माननीय मंत्री जी मान रहे हैं कि उनकी 24 मीटर की सड़क है। मैं केवल एक सवाल करना चाहता हूँ कि यदि राजस्व अभिलेखों में 24 मीटर की सड़क नहीं है या जितना रकबा राजस्व अभिलेखों में पी0डब्ल्यू0डी0 के नाम पर दर्ज है उसके अतिरिक्त यदि कोई जमीन ली जा रही है तो क्या उस आबादी की जमीन पर बसे हुये लोगों को मुआवजा देने का प्राविधान करेंगे। माननीय मंत्री जी जैसे वहां पर बसे हुये लोगों से जमीन के कागज मांग रहे हैं, उसी तरह से आप यह भी तो देख लीजिये कि आपके विभाग के नाम पर कितनी जमीन राजस्व अभिलेखों में दर्ज है। माननीय मंत्री जी से आपकेवल इतना उत्तर दिलवा दीजिये।

श्री जितिन प्रसाद-

माननीय अध्यक्ष जी, डिवाइडर को लेकर हमारी सड़क की पूरी चौड़ाई 20 मीटर है और वहां पर जो जमीन उपलब्ध है वह 22 से 24 मीटर की चौड़ाई में उपलब्ध है। जो 20 मीटर की बनेगी उसमें किसी का भी कोई नुकसान नहीं होगा।

श्री लाल जी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, गरीब लोगों के घरों और दुकानों को गिरायेंगे और उनको किसी तरह का मुआवजा भी नहीं देंगे। यह पूरी तरह से सरकार की [XXX] है।

श्री अध्यक्ष-

यह [XXX] कहां से हो गई। माननीय वर्मा जी, कृपया आप अब बैठिये। आप पन्द्रह मिनट से अनुपूरक प्रश्न पूछ रहे हैं। मैंने पहले दिन ही कहा था कि जब वर्मा जी के हाथ में प्रश्न गया तो बाकी सारे माननीय सदस्यों के ऊपर अतिक्रमण हो गया। तो आप माननीय सदस्यों का अतिक्रमण मत करिये। आपके प्रश्न का पूरा उत्तर आ गया है।

(श्री राममूर्ति वर्मा, सदस्य द्वारा अनुपूरक प्रश्न पूछने के लिए खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य, कृपया आप बैठ जाईये। जब आपका प्रश्न होगा तो आपको भी अनुपूरक प्रश्न पूछने का अवसर दिया जायेगा। आप भी प्रश्न लगाइये, थोड़ी मेहनत करिये। दूसरे माननीय सदस्य के प्रश्न के ऊपर अतिक्रमण मत करिये।

नोटः- [XXX] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार निकाल दिया गया।

संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, जिस प्रकार माननीय सदस्य ने [XXX] शब्द का प्रयोग किया तो यह शब्द बिल्कुल भी ठीक नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

सरकार [XXX] नहीं करती। अगर ऐसे किसी शब्द का प्रयोग किया गया है तो उसको कार्यवाही से निकाल देंगे। अब मैं अगला प्रश्न ले रहा हूँ।

प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अति पिछड़े वर्ग के लोगों को निःशुल्क अथवा निर्धारित यूनिट तक बिजली का बिल माफ करने के सम्बन्ध में

***5-श्री मनोज कुमार पारस-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अति पिछड़े वर्ग के लोगों को निःशुल्क बिजली अथवा उनमें विद्युत बिलों में निर्धारित यूनिट तक बिजली का बिल सरकार माफ करेगी ? यदि हां, तो कब से ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अति पिछड़े वर्ग सहित लाइफ लाइन उपभोक्ताओं (ऐसे उपभोक्ताओं जिनका विद्युत भार 1 कि0वा0 से कम है तथा खपत 100 यूनिट प्रतिमाह से कम है) को यू0पी0पी0सी0एल0 की औसत आपूर्ति लागत (ए0सी0ओ0एस0) से 50 प्रतिशत कम दर से बिजली दी जा रही है। इस पर सरकार द्वारा वर्ष 2021-22 में रु0 483 करोड़ की सब्सिडी प्रदान की गयी है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता है।

श्री मनोज कुमार पारस-

मा0 अध्यक्ष जी, उत्तर मिल गया है। मैं मा0 मंत्री जी से पूछना भी चाहता हूँ और थोड़ी सी जानकारी भी चाहता हूँ कि सरकार की घोषणा है कि जिले में 24 घण्टे बिजली आयेगी, तहसील नगर पालिका में 18-20 घण्टे, देहात में 16-18 घण्टे बिजली आयेगी। आज की स्थिति यह है कि गाँव देहात में 7-8 घण्टे बिजली नहीं मिल रही है। तहसील स्तर पर 10-12 घण्टे नहीं मिल रही है और जिले में भी 18-20 घण्टे मिल रही है। परिस्थितियाँ सबको पता है चाहे कोयले की वजह से नहीं मिल पा रही हो, लेकिन इसका इन्तजाम कराना भी सरकार की जिम्मेदारी है। आज गर्मी की वजह से लोग त्राहि-त्राहि कर रहे हैं। किसान को

नोटः- [XXX] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार निकाल दिया गया।

सिंचाई के लिए पानी नहीं मिल पा रहा है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि आप अभी जब चुनाव में गये थे तो आपने वायदा किया था कि हम सभी के लिए बिजली बिल को आधा कर देंगे। दिल्ली, पंजाब में 300 यूनिट बिजली फ्री है। हमारे नेता श्री अखिलेश यादव जी ने 300 यूनिट बिजली फ्री करने का वायदा किया था। अगर हमारी सरकार बनती तो निश्चित रूप से 300 यूनिट बिजली फ्री करते। आपकी सरकार बनी है तो आपने आधा करने का वायदा किया था तो पहला प्रश्न यह है कि क्या आपने सभी उपभोक्ताओं का बिजली बिल आधा कर दिया है और मेरा जो मूल प्रश्न है वह अनुसूचित जाति, जनजाति एवं अति पिछड़े वर्ग के लोगों को निःशुल्क बिजली दिये जाने के सम्बन्ध में है। या तो आपने अभी यह माना ही नहीं है कि उन लोगों ने आपको वोट दिया है या फिर अगर आपकी सरकार वोट से बनी है तो पिछड़े समाज के लोगों ने ज्यादा से ज्यादा वोट अगर आपको दिया है तो मेरा प्रश्न यह है कि आपने जो घोषणा की थी तो क्या पिछड़ी जाति के और अनुसूचित जाति और जनजाति के उपभोक्ताओं का बिल शत-प्रतिशत माफ करेंगे, उन्हें फ्री बिजली देंगे या सभी उपभोक्ताओं के लिए आप अपनी घोषणा के अनुसार बिल आधा करेंगे ?

दूसरा प्रश्न यह है कि जब बिल आता है तो जिसका 15-20 हजार बिल आ रहा है उसका तो कनेक्शन काट दिया जाता है लेकिन जिसका लाखों में बिल आता है उनका कनेक्शन नहीं काटा जा रहा है। गरीब उपभोक्ताओं का कनेक्शन काट दिया जाता है और फिर अगले दिन दिखा दिया जाता है कि इन्होंने फिर कनेक्शन जोड़ लिया और फिर उन पर 25, 30, 40 हजार सरचार्ज लगा दिया जाता है। ऐसी ही घटना हमारे यहाँ घटी। लॉकडाउन के समय में ई-रिक्शा वालों पर 36-40 हजार रुपये तक का सरचार्ज लगा दिया गया। हमने आब्जेक्शन किया तो उस समय एक अंकित कुमार वहाँ पर एस0डी0ओ0 थे। हमने उनकी जांच के लिए तत्कालीन मंत्री शर्मा जी से कहा था। तो क्या ऐसे लोगों पर आप कोई कार्रवाई करेंगे ? और अपनी घोषणा के अनुसार सभी उपभोक्ताओं के लिए पचास प्रतिशत बिल की सब्सिडी देंगे ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मा0 अध्यक्ष जी, पहली बात तो मा0 सदस्य ने जो चुनाव के समय उनके द्वारा की गयी घोषणा की बात कही है। अगर उस घोषणा पर जनता को विश्वास हुआ होता तो आप वहाँ नहीं बैठे होते बल्कि यहाँ बैठे होते। जनता ने आपको राज्य में एक बार नहीं बल्कि चार-चार बार शासन करने का मौका दिया है और अन्तिम अवसर आपको मात्र पांच साल पहले था। जो बुद्धि आज आ रही है उस समय इसका उपयोग हुआ होता तो इनकी यह दुर्दशा नहीं होती। राज्य में बिजली की इतनी दुर्दशा नहीं होती अगर आपने इस दिशा में कुछ भी काम किया होता।

(समाजवादी पार्टी के कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर शोर)

श्री अध्यक्ष-

पूरी बात आ जाने दीजिए। रिजवी साहब बैठिये।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

दूसरी बात आपका यह कहना है कि छोटे लोगों के खिलाफ कार्रवाई हो रही है बड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो रही हैं। तो आप अपने बड़े लोगों से कहकर रखियेगा कि अगर अभी तक उनके यहाँ नहीं पहुंचे हैं तो उनके यहाँ भी हम पहुंचने ही वाले हैं।

मान्यवर, आप अपने बड़े लोगों से कहकर रखिएगा कि उनके यहां भी हम पहुँचने वाले हैं अगर अभी तक नहीं पहुँचे है। तीसरी जो बिजली व्यवस्था की बात है वह आज की तारीख में सरकार द्वारा जो रोस्टर निर्धारित है उस हिसाब से हम बिजली दे रहे हैं। आप अपने इलाकों में पूछ लीजिए कि वहां उसी हिसाब से बिजली मिल रही है। पांचवीं बात प्रश्न में आपने स्वयं कह दिया है कि हमें जवाब मिल गया है, इसलिए मैं उसमें आगे कुछ नहीं बोल रहा हूँ।

श्री मनोज कुमार पारस-

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ और मा0 मंत्री जी को भी बताना चाहता हूँ कि आप जिस इन्फ्रास्ट्रक्चर से बिजली दे रहे है, इस इन्फ्रास्ट्रक्चर को मा0 अखिलेश यादव जी ने बनाया है। रिकार्ड तोड़ एक दिन में दो-दो केन्द्रों का उद्घाटन किया है, हजारों ट्रांसफार्मर बदलवाये, लाइनें बदलवाई।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मनोज जी आप प्रश्न कीजिए, भाषण मत दीजिए, आप प्रश्न कीजिए। मा0 लाल जी वर्मा जी आप बोलें।

श्री लाल जी वर्मा-

मान्यवर, में आपके माध्यम से, मा0 मंत्री जी के उत्तर के सम्बन्ध में कहना चाहता हूँ अभी मा0 मंत्री जी ने कहा है कि अगर आपने व्यवस्था की होती तो मैं इस सम्बन्ध में आपके माध्यम से मा0 ऊर्जा मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि विगत पांच सालों में क्या किसी नये उत्पादन केन्द्र के निर्माण के लिए एक भी ईटा रखने का कार्य इस सरकार द्वारा किया गया है ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मान्यवर, पिछले पांच सालों में हमारे मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में जो सरकार चली है उसमें विद्युत क्षेत्र में, खाली उत्पादन नहीं बल्कि ट्रांसमिशन से लेकर डिस्ट्रीब्यूशन तक तीनों क्षेत्रों में काम हुआ है।

(समाजवादी पार्टी के कई सदस्यों द्वारा एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठ जाइए और उत्तर सुन लीजिए।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

नये सब-स्टेशन, ट्रांसमिशन की नई लाइनें लगाई गयी हैं और उससे बड़ी बात सुनिए कि जो 40 प्रतिशत बिजली का लॉस आप अपने लोगों से करवाते थे, उनको मुफ्त में दे देते थे उसको बन्द करके आज हम 29 प्रतिशत तक लाए हैं और हम आने वाले दिनों उसे और घटायेंगे। मा0 मुख्य मंत्री योगी जी के नेतृत्व में पिछले पांच सालों में जो कार्य हुआ है, उसके परिणामस्वरूप अपने राज्य में 5,280 मेगावॉट बिजली का अतिरिक्त उत्पादन होगा।

(विपक्ष के कुछ सदस्यों द्वारा एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर व्यवधान)

ओबरा-सी में 1320 मेगावॉट, पनकी एक्सटेंशन में 660, जवाहरपुर में 660 मेगावॉट और घाटमपुर का 85 प्रतिशत यानी 1980 मेगावॉट बिजली मिलेगी। इस प्रकार के पांच पॉवर स्टेशन पाइप लाइन में हैं और उनके बनते ही, उनके कमीशन होते ही आने वाले एक-दो सालों में हमारे राज्य की जो तापीय बिजली की उत्पादन क्षमता है वह पहले की अपेक्षा लगभग दोगुनी हो जायेगी।

***6-श्री मौहम्मद फईम इरफान-**

[07-मंगलवार के तारांकित प्र0 सं0-06 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए अनवरत विद्युत आपूर्ति करने हेतु अलग से किसान फीडर बनाने के सम्बन्ध में

***7-श्री जवाहर लाल राजपूत-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के किसानों को सिंचाई के लिए अनवरत् विद्युत आपूर्ति करने हेतु अलग से किसान फीडर बनाने की सरकार की कोई योजना है ? यदि हां, तो उक्त का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रदेश में किसानों एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु 30 प्रतिशत से अधिक कृषि भार वाले 11 के0वी0 के 4727 पोषकों को पृथक करने हेतु चिन्हित किया गया है, जिनके पृथक्करण का कार्य तेजी से किया जा रहा है।

इन चिन्हित 4727 पोषकों में से-

2227 नये कृषि पोषकों का निर्माण पं0 दीन दयाल उपाध्याय ग्राम्य ज्योति योजना (नवीन) में पूर्ण हो चुका है।

1084 पोषकों का निर्माण ए0डी0बी0 द्वारा वित्त पोषित योजना में आच्छादित है, जिन पर कार्य कराया जा रहा है।

अन्य 1416 पोषकों का निर्माण भारत सरकार द्वारा स्वीकृत रिवैम्प्ड योजना में प्रस्तावित है, जिन पर शीघ्र कार्य किया जाना है।

उपरोक्तानुसार कार्य तेजी से चल रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य, आप अनुपूरक प्रश्न करिए।

श्री जवाहर लाल राजपूत-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से जानकारी चाहता हूँ, मेरे चार-पांच अनुपूरक प्रश्न हैं कि जो किसानों के लिए सबसे अच्छा काम अलग से फीडर बनाने का हुआ है उसकी समय-सीमा कितनी निर्धारित है, वह कब तक पूर्ण हो जाएंगे ? दूसरा उन पर कितने घण्टे तक निर्धारित बिजली किसानों को मिलेगी ? तीसरा, उक्त फीडरों में, पावर हाउसों में जो पावर प्रवर्तक लगे हैं उनकी क्षमता बढ़ाने की क्या कोई कार्य योजना है ?

(विपक्ष के कुछ सदस्यों के खड़े होकर एक साथ बोलने से व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठिए, उत्तर आने दीजिए। आप लोग उत्तर सुनना ही नहीं चाहते हैं।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, किसानों के फीडर अलग करने का जो विषय है, यह भी ऐसे हजार कामों में से एक काम है जो पहले हो जाना चाहिए था, लेकिन पहले नहीं हुआ। इसीलिए माननीय योगी जी की सरकार ने किसानों का फीडर मतलब ग्रामीण फीडरों को दो भाग में विभक्त करने का काम किया। जिसमें किसानों का फीडर अलग कर दिया जाये और ग्रामीण उपभोक्ताओं का फीडर अलग कर दिया जाये, यह काम पिछले दो साल से माननीय योगी जी की सरकार में हो रहा है। मान्यवर, ग्रामीण क्षेत्र में 11 के0वी0 के कुल 11538 ऐसे फीडर हैं....

(विपक्ष के कुछ सदस्यों के खड़े होकर एक साथ बोलने से व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठिए, मनोज जी आप हमेशा पूछने के लिए खड़े हो जाते हैं, सबको अवसर दीजिए।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मान्यवर, प्रदेश में किसानों एवं ग्रामीण उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने हेतु 30 प्रतिशत से अधिक कृषि भार वाले 11 के0वी0 के 4727 पोषकों को

पृथक करने हेतु आईडेन्टिफाई किया है और उनमें से लगभग 50 प्रतिशत फीडरों का काम पूर्ण हो चुका है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी, आपका उत्तर आ गया, धन्यवाद।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मान्यवर, 1084 पोषकों का निर्माण ए0डी0बी0 द्वारा वित्त पोषित योजना में आच्छादित है, जिन पर कार्य कराया जा रहा है और अन्य फीडरों का काम भी हम लगभग दो साल में पूरा कर लेंगे।

(विपक्ष के कुछ सदस्यों के एक साथ खड़े होकर पूछने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठिए, हम अगला प्रश्न लेते है।

***8-श्री रवि शर्मा-**

[विस्तीर्णता के आधार पर निरस्त]

प्रदेश में ऋण को कम करने हेतु अपनाए जा रहे उपायों के सम्बन्ध में

***9-हाजी इरफान सोलंकी-**

क्या वित्त मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वित्तीय वर्ष 2017-18 में ऋण की धनराशि कितनी थी ? तथा वर्ष 2022-23 के आरम्भ में कितनी है ? क्या सरकार बतायेगी कि उक्त ऋण प्रदेश की जी0डी0पी0 का कितने प्रतिशत है ? क्या सरकार ऋण को कम करने हेतु अपनाए जा रहे उपायों का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

महालेखाकार से प्राप्त आँकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2017-2018 में ऋण की धनराशि 467842.18 करोड़ थी तथा वित्तीय वर्ष 2021-2022 के आय-व्ययक अनुमानों में वित्तीय वर्ष 2021-2022 के अन्त (वित्तीय वर्ष 2022-2023 के आरम्भ में) में 611161.85 करोड़ ऋण के अनुमान लिए गये हैं।

वित्तीय वर्ष 2017-18 में उक्त ऋण प्रदेश की जी0डी0पी0 का 32.03 प्रतिशत था तथा वित्तीय वर्ष 2021-2022 के आय-व्ययक अनुमानों के अनुसार प्रदेश की जी0डी0पी0 का 28.1 प्रतिशत ऋण अनुमानित है।

राज्य सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंधन अधिनियम, 2004 (यथासंशोधित) के अन्तर्गत वार्षिक आय-व्ययक के साथ मध्यकालिक राजकोषीय पुनः

संरचना नीति विधान मण्डल के समक्ष प्रस्तुत की जाती है, जिसमें पाँच वित्तीय वर्षों के लक्ष्य निरूपित किये जाते हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

हाजी इरफान सोलंकी-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ कि कुल जी0डी0पी0 के लगभग एक तिहाई के बराबर सरकार कर्जदार है, जिससे यह पता चलता है कि पच्चीस से तीस हजार रुपये का कर्ज लगभग हर व्यक्ति पर है, क्या यह सरकार बतायेगी कि वह पांच सालों में ऐसी कौन सी पांच योजनाएं लाये हैं, जिनसे यह कर्ज कम हो ? अगर पांच नहीं तो चार योजनाएं बता दें, चार नहीं तो तीन योजनाएं बता दें, जिससे जी0डी0पी0 पर जो कर्ज है वह कम हो सके।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, किसी भी विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था का यह लक्षण है कि हम अपने पूंजीगत व्यय एवं विकास कार्यों में पैसा चाहे बाहर से लाएं, चाहे केन्द्र सरकार से लेकर लगायें, चाहे नाबार्ड से लेकर लगाये, चाहे फाइनेंसियल इंस्टीट्यूशन से लेकर लगायें, तो विकासोन्मुख अर्थव्यवस्था का यह लक्षण है कि अगर हम कर्ज लेते हैं और अगर हम उसको समय पर ब्याज सहित अदा कर देते हैं तो हमारी आर्थिक गतिविधियां एक्सटेंशन होती हैं यह हमारे लिए पॉजिटिव पहलू है। इसे निगेटिव तरीके से नहीं देखा जाना चाहिए कि हमारे पास इतना कर्जा है। हमने जो कर्जा लिया, उस कर्जे को ब्याज सहित हमने उसकी अदायगी भी की है और जब ब्याज सहित अदायगी की है, उससे यह बात परिलक्षित होती है कि हमारी आर्थिक गतिविधियाँ सही दिशा में चल रही हैं, विकासोन्मुख हैं और सही तरीके से चल रही हैं। (सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) और हमने जितनी मितव्ययिता बरती, जो अनुपयोगी व्यय थे, हमने उन लोगों पर लगाम लगायी और जो ग्राफ लगातार 2007 से 2017 तक नीचे जा रहा था।

अध्यक्ष महोदय, वह हम अब हर तरह ऊपर की तरफ जा रहे हैं। जहाँ तक आपने पूछा है, जो भी हम कर्जा लेते हैं, उसको हम सिंचाई में, बिजली में, सड़क में, एक्सप्रेस-वेज में इस प्रकार से खर्चा करते हैं और जब-जब हमने कर्जा लिया, 17-18 में कर्जा लिया, 140.6 परसेंट खर्च किया, 18-19 में कर्जा लिया 177.4 परसेंट खर्च किया, 20-21 में 100 रुपये कर्जा लिया तो 152.7 परसेंट खर्च किया, पूँजीगत व्यय में और 21-22 में कर्जा लिया तो 125.4 परसेंट खर्च किया। यह किसी महाजन का या किसी व्यक्ति का या किसी परिवार का नहीं है कि हमारे ऊपर कर्जा है तो इसका मतलब हम बहुत ज्यादा कर्जदार हैं। हम कर्जा लेकर उत्पादकता बढ़ाने वाले विकास को बढ़ाने के मदों में हम खर्च करते हैं, जिससे पूरे प्रदेश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होती है और बेहतर होती है। सरकार का यह व्यक्तिगत तरीके से नहीं

देखा जाना चाहिए। इसलिए मैं समझता हूँ कि हमारी आर्थिक स्थिति सही दिशा में चल रही है और हम धीरे-धीरे ग्रो कर रहे हैं, हम कहीं नीचे नहीं हैं। हमने जो कर्जा लिया, 20-21 में हमने 63,277 जिसमें से 24,897 मूल का है, 38,379 ब्याज का है, यह हमने अदा किया, कोई डिफाल्ट नहीं है। 21-22 में भी हमने मान्यवर, इसी तरीके से कर्जे को अदा किया। इसलिए इनका यह जो कन्टेंशन है, हमने 21-22 में भी कर्जे को अदा किया है। हर तरह से हमारी आर्थिक स्थिति बेहतर चल रही है, इसलिए मैं समझता हूँ कि इस पर किसी तरह का सवाल उठता नहीं है।

श्री अध्यक्ष-

अब अगला प्रश्न लेते हैं।

प्रदेश में पावरलूम बुनकरों के उत्थान के लिए फ्लैट रेट पर बिजली बिल भुगतान की व्यवस्था के सम्बन्ध में

***10-श्री अखिलेश-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में पावरलूम बुनकरों के लिए वर्तमान में फ्लैट रेट पर बिजली बिल भुगतान की व्यवस्था लागू की गयी है ? यदि नहीं, तो क्या सरकार पावरलूम बुनकरों के उत्थान के लिए फ्लैट रेट पर बिजली बिल भुगतान की व्यवस्था करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

परन्तु प्रदेश के छोटे बुनकरों को विशेष रूप से लाभ पहुंचाने हेतु हथकरधा एवं वस्त्रोद्योग विभाग ने 01-08-2020 से संशोधित योजना लागू की है।

इस योजना के अन्तर्गत 0.5 एच0पी0 तक के छोटे पावरलूम वाले उपभोक्ताओं को प्रतिमाह प्रति लूम 120 यूनिट की खपत तक रु0 3.50 प्रति यूनिट की दर से विद्युत बिल में छूट दी जाती है।

1 हार्सपावर तक क्षमता वाले बड़े पावरलूम के उपभोक्ताओं को प्रति लूम 240 यूनिट की खपत तक रु0 3.50 प्रति यूनिट की दर से विद्युत बिल में छूट दी जाती है। इस प्रकार बुनकरों के लिये विद्युत बिल में छूट का प्राविधान किया गया है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री अध्यक्ष-

अखिलेश जी, आप अनुपूरक करें।

श्री अखिलेश-

अध्यक्ष महोदय, मैंने ऊर्जा मंत्री महोदय से पॉवरलूम बुनकरों के सम्बन्ध में जो सवाल किया था, उसके सन्दर्भ में हमारा कहना था कि कृषि के बाद पूरे प्रदेश में सबसे बड़ा रोजगार देने वाला सेक्टर हमारा पॉवरलूम सेक्टर है। शायद इसको महसूस करते हुए ही 2006 में जब माननीय नेता जी, मुलायम सिंह यादव जी की सरकार थी तो पॉवरलूम सेक्टर को बढ़ावा देने के लिए, बुनकरों की आर्थिक समृद्धि को बढ़ाने के लिए प्रति पॉवरलूम के हिसाब से 72 रुपये बिजली के बिल का प्रावधान किया गया था। लेकिन कालान्तर में जुलाई, 2020 में जब आपकी सरकार थी तो पॉवरलूम बुनकरों का ख्याल न करते हुए बिजली विभाग ने उनसे साढ़े तीन रुपये प्रति यूनिट के हिसाब से बिजली बिल लेने का प्रावधान किया है। हमारा कहना है, कि 02 साल के कोरोना महाकाल में बुनकरों के कारोबार बन्द रहे और लाखों की संख्या में मजदूर रोजी-रोटी के लिए मोहताज रहे। ऐसे में सरकार को पॉवरलूम के मजदूरों और मालिकों को राहत दे करके बढ़ावा देना चाहिए, उनकी समृद्धि के लिए काम करना चाहिए, उनके बिजनेस को आगे बढ़ाने का काम करना चाहिए तो बिजली विभाग ने उनके फ्लैट रेट को हटा करके जो किया है, उससे पूरी जनता मर्माहत है। इसलिए मैं पूछना चाहता हूँ कि क्या आप फ्लैट रेट पर बिजली बुनकरों को दे रहे हैं ? धन्यवाद।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मान्यवर, जैसा कि मा0 सदस्य ने बताया कि पहले फ्लैट रेट चलता था और 2020 से जो व्यवस्था की गई है उसका इन्होंने वर्णन किया है। मा0 अध्यक्ष जी सरकार ने जो व्यवस्था की है वह बहुत ही वैज्ञानिक और तर्कसंगत है और उसमें कोई भी छेड़छाड़ करने की आवश्यकता मुझे नहीं लगती है। जो व्यवस्था पहले थी और अब है उसमें हम सभी को इस बात का ध्यान रखना पड़ेगा कि फ्लैट रेट का क्या मतलब था, मतलब यह था कि अगर आधे हॉर्स पॉवर की मोटर है तो 75 रुपया लिया जाए या 130 रुपया लिया जाए, उसमें अलग-अलग व्यवस्थाएं थीं, मैं ज्यादा डिटेल में नहीं जा रहा हूँ, लेकिन कुल मिला करके मतलब यह निकलता था कि वह व्यक्ति या वह बुनकर अपनी बुनकरी का ही काम नहीं, बल्कि उस हॉर्स पॉवर की उस मोटर से कुछ भी काम करता है तो बुनकर के खाते में, बुनकर के नाम पर उस बिजली का जो बिल है वह सरकार देती थी। इतना ही नहीं होता था कि छोटा बुनकर तो बेचारा अपनी जीविका चलाता था, लेकिन जो बड़े लोग थे वह एक तरह से बिजली का व्यापार करते थे उस छूट का लाभ उठाते हुए। इसलिए वर्ष 2019-2020 से सरकार ने इस व्यवस्था को परिवर्तित किया है। अब पूरी छूट का लाभ छोटे बुनकर को ही मिलना है। इसमें कहीं कोई संदेह नहीं है। आप सबको मालूम है कि हमारे पास लूम के जो कनेक्शन हैं लगभग 86 हजार उनमें आधे हॉर्स पॉवर के लगभग दो लाख 37 हजार 974 कनेक्शन हैं और एक हॉर्स पॉवर वाले 20 हजार 171 कुल मिलाकर लगभग ढाई लाख बुनकरों को आज भी हम

अपनी उस संशोधित योजना जो अगस्त वर्ष 2020 से लागू हुई है उस योजना के तहत हम 120 यूनिट तक की खपत पर 0.5 यानी आधे हॉर्स पॉवर वालों को साढ़े तीन रुपये की प्रति यूनिट की दर से बिजली देते हैं और एक हॉर्स पॉवर तक की क्षमता वालों को 240 यूनिट तक की बिजली हम लगभग आधे दाम पर देते हैं। इसमें कहीं कोई दिक्कत हमको दिखाई नहीं दे रही है।

प्रदेश के जिला मुख्यालय को राजधानी से फोर लेन की सड़क से जोड़ने की समय-सीमा निर्धारित करने के सम्बन्ध में

***11-श्री हर्षवर्धन बाजपेई-**

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि वर्तमान में प्रदेश के कितने जिला मुख्यालय राजधानी से फोर लेन की सड़क से नहीं जुड़े हैं ? क्या सरकार समय-सीमा निर्धारित कर शेष कार्य को पूर्ण करायेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जितिन प्रसाद-

प्रदेश के 25 जिला मुख्यालय राजधानी से फोर लेन मार्ग से नहीं जुड़े हैं।

उक्त 25 जिला मुख्यालयों को राजधानी से फोर लेन मार्ग से जोड़ने सम्बन्धी कार्य की स्वीकृति मार्ग के फोर लेन चौड़ीकरण हेतु निर्धारित मानक से आच्छादित होने एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

श्री हर्षवर्धन बाजपेई-

मा0 मंत्री जी आपका जवाब हमें मिला पहले तो मैं यह कहना चाहता हूँ कि आपकी बहुत तेजस्वी पर्सनैलिटी है और आप बहुत पढ़े-लिखे हैं और एक बहुत बड़े परिवार के ट्रेडिशन को कान्टीन्यू कर रहे हैं। आपसे मा0 मंत्री जी मुझे उम्मीद है कि 75 में से 25 जिले ऐसे हैं जो इतने सालों के विकास के बाद यदि फोर लेन की कनेक्टिविटी से कनेक्टेड नहीं हैं तो हम अपनी लैगेसी यह छोड़ेंगे कि यह 25 जिले फोर लेन से कनेक्ट हो जाएं, क्योंकि एक तो जो सुविधा है वह तो है ही पर फोर लेन का अगर एक्सप्रेस-वे नहीं होता तो उसमें डिवाइडर नहीं होता है और टू लेन के हाई-वे से बहुत ज्यादा जान का नुकसान होता है, क्योंकि हेड ऑन कोलीजन होता है यह आपसे हमें उम्मीद है। मा0 मंत्री जी मैं आपसे दो अनुपूरक पूछना चाहूंगा एक प्रयागराज से लखनऊ को कनेक्ट करने वाला जो हाई-वे है उसके बारे में, यह सवाल मैं इसलिए पूछ रहा हूँ कि एन0एच0आई0 का जो हाई-वे है, एन0एच0आई0 जरूर गवर्नमेण्ट ऑफ इण्डिया का हाई-वे डिपार्टमेण्ट है, क्योंकि पी0डब्ल्यू0डी0 नोडल विभाग होता है, एन0एच0आई0 का हर जिले में एक्सीयन एन0एच0 होता है तो मैं आपसे यह पूछना चाहता हूँ और आपसे आश्वासन मांगना चाहता हूँ कि क्या एन0एच0आई0 के साथ यह समीक्षा करके यह काम जो पांच साल के ऊपर से पेण्डिंग है यह मेरा पहला तारांकित सवाल था पांच साल पहले। पांच साल में अगर यह नहीं हो पाया है तो क्या आप

प्रयागराज तक फोर लेन का कनेक्टिविटी करवाने का आश्वासन देंगे और दूसरा जो मैं आपसे आश्वासन मांग रहा हूँ वह यह है हाई कोर्ट का शहर है प्रयागराज और लखनऊ प्रदेश की राजधानी है।

श्री जितिन प्रसाद-

मा0 अध्यक्ष जी, हमारे ऊर्जावान साथी ने बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न उठाया है। प्रयागराज जो संगम नगरी है और साथ ही साथ बताया है कि ज्यूडीशियरी पीठ है। इसका जो राजधानी से कनेक्ट करने का विषय है तो उन्हें भी इसका संज्ञान है कि यहाँ से लेकर रायबरेली तक फोर लेन है, रायबरेली से लेकर प्रयागराज टू लेन पेव्ड शोल्डर है और काफी समय से वही चला आ रहा है। जैसे कि हमारे ऊर्जावान साथी ने सवाल उठाया तो यह सड़क नेशनल हाई-वे अथॉरिटी ऑफ इण्डिया केन्द्र सरकार के अधीन आती है। समय-समय पर प्रदेश सरकार प्रयास कर रही है कि इसको भी फोर लेन बना दिया जाए। मगर इसके अन्दर केन्द्र के अधीन कोई टेक्निकल इश्यू होगा, जिस वजह से यह अभी तक सेंक्शन नहीं हो पाया है। मगर मैं हमारे ऊर्जावान साथी को आश्वस्त करना चाहता हूँ जिन्होंने कहा कि पी0डब्ल्यू0डी0 नोडल एजेंसी होती है। चूँकि मुझे थोड़ा ज्यादा जानकारी है और जल्द ही ये भी यहाँ इसी कुर्सी पर आ जाएँगे, एक दिन ये भी मंत्री बन जाएँगे।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य इसके बाद तो आपकी अनुपूरक प्रश्न करने की अब कोई इच्छा नहीं है न। इतना बता दें।

श्री जितिन प्रसाद-

मान्यवर, नोडल एजेंसी का काम सिर्फ कोऑर्डिनेशन करना होता है और वह कोई प्रभाव नहीं डाल सकती। लेकिन हम पूरी तरीके से प्रयासरत् हैं और केन्द्र सरकार से पुनः आग्रह करेंगे कि जल्द से जल्द यह कार्य पूर्ण किया जाए और लखनऊ से लेकर प्रयागराज को पूरी तरीके से फोर लेन में कन्वर्ट किया जाए। धन्यवाद।

प्रदेश में जर्जर विद्युत लाइनों को बदलने के सम्बन्ध में

***12-श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में जर्जर विद्युत लाइनों को बदलने हेतु कोई नीति सरकार ने बनाई है ? यदि हां, तो जर्जर विद्युत लाइनों के टूटने से वर्ष 2017 से 2021 तक प्रदेश में कितनी मृत्यु हुई है ? क्या सरकार जनपद प्रतापगढ़ की विधान सभा क्षेत्र रानीगंज के अन्तर्गत बाजार रानीगंज, पृथ्वीगंज, रामापुर, दिलीपपुर, रखहा की पुरानी जर्जर विद्युत लाइनों को कब तक बदलेगी ? यदि हाँ, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

जर्जर विद्युत लाइनें एवं लटकते तारों के कारण विद्युत आपूर्ति बाधित न हो इसलिए उन्हें ठीक करने के लिए तेजी से कार्य शुरू किया गया है।

एक हजार से अधिक आबादी (2011 की जनगणना) वाले मजरों में जर्जर एवं नंगे तारों को ए0बी0 केबिल से बदलने का कार्य पूर्वान्चल तथा मध्यान्चल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा एशियन डेवलपमेंट बैंक योजना के अन्तर्गत कराया जा रहा है। पूर्वान्चल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड व मध्यान्चल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में जर्जर लाइनों के सापेक्ष क्रमशः 4635 किमी0 तथा 4560 किमी0 ए0बी0 केबिल लगाया जा चुका है। सभी 05 विद्युत वितरण निगमों के कार्य क्षेत्रों में जर्जर तारों को ए0बी0 केबिल से बदलने के लिए (प्रेषित कार्य योजना के सापेक्ष) भारत सरकार की रिवैम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर योजना (आर0डी0एस0एस0) स्वीकृत हुई है।

वर्ष 2017 से 2022 तक प्रदेश में जर्जर विद्युत लाइनों के टूटने से 1775 मानवों एवं 2349 पशुओं की मृत्यु हुई है।

उक्त से सम्बन्धित विद्युत लाइनों के पुराने जर्जर तारों को बदलने का कार्य भारत सरकार की वित्त पोषित रिवैम्प्ड योजना में सम्मिलित किया गया है। योजना में कार्य प्रारम्भ होने पर तकनीकी आवश्यकतानुसार तथा धन की उपलब्धता के अनुसार कार्य किया जाना प्रस्तावित है।

प्रश्न नहीं उठता।

श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

मान्यवर, मेरा प्रश्न प्रदेश में जर्जर विद्युत तारों के टूटने से हो रही दुर्घटनाओं को रोकने और जनता को निर्बाध विद्युत आपूर्ति मुहैया कराने के उद्देश्य से आया था। मान्यवर, जवाब आया है कि जर्जर विद्युत तारों को बदलने के लिए एक हजार की आबादी तक के मजरों को चयनित किया गया है। जवाब में यह है कि वर्ष 2017 से 2022 तक प्रदेश में जर्जर विद्युत तारों के टूटने से 1775 मानव मृत्यु एवं 2349 पशुओं की मृत्यु हुई है। मान्यवर, यह विषय बहुत गम्भीर है और जर्जर विद्युत तारों के कारण प्रायः दुर्घटनाएँ होती हैं। ऐसे जर्जर विद्युत तारों को बदलने के लिए आबादी के हिसाब से वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जिन बस्तियों की आबादी 1000 से अधिक थी, इसमें ऐसे मजरे चयनित किए गए हैं और उन पर कार्य प्रचलित है। मान्यवर, क्या आबादी किसी विद्युत लाइन की, विद्युत तार की गुणवत्ता का मानक हो सकती है ? और सबके जेहन में इसका उत्तर आ जाएगा कि कदापि नहीं। कोई विद्युत लाइन कितनी पुरानी है, कब स्टैबलिश की गई है, क्या उसके तारों की गुणवत्ता की परख हुई है ? जब तक तारों की गुणवत्ता का परीक्षण नहीं किया जाएगा, तब तक विद्युत

लाइनों को बदलने से सकारात्मक परिणाम आने वाला नहीं है। मान्यवर, इस पर मा0 मंत्री जी से मैं कुछ अनुपूरक प्रश्न करना चाहूँगा तो क्या मा0 मंत्री जी बताएँगे कि विभाग के द्वारा विद्युत लाइनों को जर्जर मानने का मानक क्या है ? दूसरा प्रदेश में पाँचों विद्युत वितरण निगमों में कुल कितने किलोमीटर जर्जर विद्युत लाइन चिन्हित की गई है ? उसके सापेक्ष भारत सरकार को जो इन्होंने जवाब दिया है, उसके सापेक्ष भारत सरकार को कितनी धनराशि का आगणन प्रेषित किया गया है ? तीसरा जिस योजना रिवैम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम के अन्तर्गत यह प्रस्ताव दिया गया है तो मैं मा0 मंत्री जी से जानना चाहूँगा कि रिवैम्प्ड डिस्ट्रिब्यूशन सेक्टर स्कीम में जर्जर विद्युत लाइनों को बदलने के लिए कितनी धनराशि स्वीकृत हुई है ? और उस योजना का कार्य कब प्रारम्भ होगा और कार्यपूर्ति की अवधि क्या होगी ?

श्री अध्यक्ष-

मा0 मंत्री जी।

श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

मान्यवर, एक प्रश्न और पूछना चाहूंगा कि क्या सरकार विद्युत तारों का समय-समय पर मेटलर्जी टेस्ट कराने की व्यवस्था करेगी ?

श्री अध्यक्ष-

आपने 5 प्रश्न तो कर लिए हैं, आपको याद है कि कौन-कौन से प्रश्न किये हैं ?

राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

जी मान्यवर।

श्री अध्यक्ष-

आप एक-एक, दो-दो करके पूछ लीजिए।

श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

मान्यवर, ठीक है, एक और अनुपूरक की इजाजत मैं लूँगा।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, जैसा मैंने अभी कहा था, यह भी उन हजार कामों में से एक काम है, जो पहले हो जाना चाहिए था। चूंकि यह पहले नहीं हुआ, इसलिए आज हमको करना पड़ रहा है। माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछे हैं, उसकी मैं विस्तृत जानकारी दे देता हूँ। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम में कुल एल0टी0 लाइन 449203 सर्किट किलोमीटर है, जिनमें से 40310 ए0बी0सी0 से प्रस्थापित कर दिये गये हैं, बाकी 49390 रह गये हैं, वह आर0डी0एस0एस0 जिस योजना की आपने बात की, उसमें ले लिया गया है। मध्यांचल में 218707 सर्किट किलोमीटर था, जिनमें से 85809 हो चुका है, 22539 अब ले लिया गया है। दक्षिणांचल में 270520 सर्किट किलोमीटर था जिनमें से 139555 हो चुका है,

अब 25228 सर्किट किलोमीटर हम ले रहे हैं। पश्चिमांचल में 270224 था, जिसमें 67556 हो चुका है, 19253 हम अब ले रहे हैं। किस्को के जो कानपुर का है, उसमें 3413 सर्किट किलोमीटर कुल एल0टी0 लाइन थी जिसमें 1130 हो चुकी है, अब 1500 हम ले रहे हैं। दूसरा सवाल जो आपने किया, उस सम्बन्ध में मैं भूल न जाऊँ तो आपको पहले ही बता देता हूँ कि इस योजना की कुल धनराशि लगभग 54 हजार करोड़ रुपये है और यह भारत सरकार के तीनों फ्रण्ट पर लाइनों का सुदृढ़ीकरण, मीटर का सुदृढ़ीकरण, लाइन लॉस कम करना, कामर्शियल लॉस कम करना, इन सारे मद में यह पैसा खर्च होता है। इनके आन्तरिक ब्रेकअप में जाने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि एक का दूसरे में और दूसरे का तीसरे मद में हम ले सकते है। अब यह बात रही कि किस आधार पर गांव का और मजरों का चिन्हीकरण होता है तो जो हमने उत्तर दिया है, उसमें भी मजरों की संख्या लिखी हुई है कि 4635 किलोमीटर जो लाइन है, वह 3933 मजरों में समाहित है। उसी प्रकार से जो मध्यांचल में 4560 किलोमीटर लाइन है, वह 2278 मजरों में समाहित है। इसका मतलब यह न निकाला जाये कि हम केवल बड़े गांव को ले रहे हैं या 1 हजार से अधिक वाले ले रहे हैं। मैं कहना चाहूंगा कि यदि इतना आसान होता तो आप पहले कर लिये होते। अगर नहीं हुआ है तो कहीं न कहीं कठिनाई तो थी, नहीं हुआ है तो कहीं न कहीं समस्या तो थी और वह समस्या आप जानते हैं कि धन की होती है। जो धन उपलब्ध होता है उसमें प्राथमिकता निश्चित करना बहुत आवश्यक होता है। स्वाभाविक रूप से प्राथमिकता उसको दी जाती है, जहां ज्यादा जनहानि की सम्भावना है, जहां ज्यादा लोग रहते हैं और ज्यादा पशु रहते हैं। इसलिए हमने अभी इस चरण में माननीय योगी जी की सरकार में 1 हजार से अधिक गांवों को इस प्रकार से चिन्हित किया है। आप बिल्कुल बेफिकर रहिए, हम प्रत्येक गांव में पहुँच जाएंगे।

श्री अध्यक्ष-

माननीय अब्दुल्ला आप कुछ पूछना चाहते थे ?

श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

मान्यवर, मुझे एक अनुपूरक पूछना था।

श्री समरपाल सिंह-

मान्यवर, मैं मा0 मंत्री जी से एक प्रश्न पूछना चाहूँगा।

श्री अध्यक्ष-

ठीक है, आप पूछ लीजिए।

श्री समरपाल सिंह-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं माननीय मंत्री जी से एक प्रश्न पूछना चाहूंगा। अभी पिछले हफ्ते एक लड़का मर गया है। गांव में बिजली का तार 11 हजार लाइन का गिर गया है, जो

440 पर गिरा है जिससे नीचे सारे गांव में करंट फैल गया। एक लड़का नहा रहा था, वह मर गया। एक औरत मरने को तैयार है, जो हॉस्पिटल में है। सारे गांव में जितने भी टी0वी0 लगे थे.....

जितनी कपड़े धोने की मशीनें थीं सारी जल गयीं। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या आपके संज्ञान में है ? कितना बड़ा नुकसान हुआ है, क्या मुआवजा देंगे आप ? लड़के को, उसके परिवार को कोई नौकरी की व्यवस्था की जाय।

श्री अध्यक्ष-

आपने पर्टिकुलर किसी एक व्यक्ति के बारे पूछा है, हर व्यक्ति के बारे में यहां सूचना नहीं होती आप लिख कर दे दीजिये, मंत्री जी उसका उत्तर दे देंगे।

प्रदेश में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के मीटर बदलने पर उक्त मीटर्स में स्टोर्ड यूनिट के बिल की धनराशि वसूली के सम्बन्ध में

***13-श्री महबूब अली-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के मीटर बदलने पर उक्त मीटर्स में स्टोर्ड यूनिट के बिल की धनराशि किससे वसूली जाती है ? क्या सरकार बतायेगी कि विगत 02 वर्षों में विद्युत विभाग ने उक्त मद में कुल कितनी धनराशि की वसूली की है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

घरेलू विद्युत उपभोक्ताओं के मीटर बदलने पर उक्त मीटर्स में स्टोर्ड यूनिट के बिल की धनराशि उपभोक्ता से वसूल की जाती है।

विगत 02 वर्षों में विद्युत विभाग ने उक्त मद में कुल रु0 762.83 लाख धनराशि की वसूली की है।

जी हाँ। (संलग्नक-1)[†]

प्रश्न नहीं उठता।

श्री महबूब अली-

मा0 अध्यक्ष जी, पहले तो मैं आपसे संरक्षण चाहूंगा। किस तरह मंत्री जी जवाब दे रहे हैं, विद्युत का। शायद ये जानते नहीं कि देश में सबसे ज्यादा संकट बिजली का उत्तर प्रदेश में है। देश में सबसे महंगी बिजली उत्तर प्रदेश में है। देश में सबसे ज्यादा शोषण उत्तर प्रदेश में बिजली पर हो रहा है और मंत्री जी गम्भीरता से उसका जवाब दे नहीं रहे है। इस तरह से शोषण हो रहा है कि अगर आप बिजली के नाम पर देखें तो क्रिमिनल शस्त्र लेकर जाता है,

---

[†] देखिये नत्थी 'क' आगे पृष्ठ संख्या-291 पर

लूटने के लिए। क्रिमिनल शस्त्र लेकर लूटता है और बिजली वाले जिस तरह से शोषण कर रहे हैं, वो पी0ए0सी0 लेकर, पुलिस लेकर लूट रहे हैं, मीटर्स गेट पर लगे हैं, घरों में जा रहे हैं, छतों पर कूद रहे हैं, कट बता रहे हैं, फर्जी बिल भेज रहे हैं और उसके बाद उस फर्जी बिल को सुधारने के पैसे ले रहे हैं, इस तरह से हो रहा है, आप चुप बैठे हैं, कुछ नहीं बताया, जवाब जो दे रहे हैं, आप। मैंने सीधा सवाल आपसे करा था मंत्री जी कि हजारों परेशान घरेलू उपभोक्ताओं के मीटर्स खराब होने की दशा में जब उसका बिल आता है तो उपभोक्ता हर महीने समय पर बिल जमा कर देता है। उपभोक्ता के हर महीने बिल जमा करने के बाद भी मीटर्स खराब हो जाता है। मीटर्स खराब होने के बाद में उसकी एम0आर0आई0 होती है, एम0आर0आई0 होने के बाद में पता चलता है कि संचित विद्युत कितनी और थी उसमें। कम्पनी आपकी जांच कर रही है, आपका जे0ई0 जांच कर रहा है, आपका ए0ई0 जांच कर रहा है, आपका एक्सियन जांच कर रहा है और अगर नहीं कर रहा है तो हर हालत में मेरे ख्याल से ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए कि जब लगातार वो बिजली का बिल दे रहा है तो उसमें संचित बिजली कहां से आ गयी। अगर संचित बिजली आई है, तो वह बिल कहां से आ रहा है ?

श्री अध्यक्ष-

आप प्रश्न कीजिये, समझ में नहीं आ रहा है, सीधा प्रश्न कीजिये ?

श्री महबूब अली-

मैं प्रश्न कर रहा हूं मान्यवर, जवाब जरूरी है इस पर मेरा बल देना जरूरी है। अगर नहीं तो उसमें संचित बिजली का बिल कहां से आ गया जब बिल लगातार वो जमा कर रहा है तो इसलिए उन अधिकारियों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही होनी चाहिए। मेरा सीधा प्रश्न ये है कि संचित बिजली के नाम पर कितना वसूला गया ? ये है रु0 762.83 करोड़ उत्तर प्रदेश ने वसूल लिया। वो दोष किसका है ? अधिकारियों का है, प्राइवेट कम्पनियों का है, उनसे वसूलना चाहिए, वापस पैसा लेना चाहिए, उपभोक्ता को लूटा गया है, इसलिए सीधा सवाल मेरा है कि प्रदेश में मीटर्स की कमी के क्या कारण हैं ? पहले बताइये, प्रदेश में मीटर्स ही नहीं हैं ? मीटर्स की कमी के क्या कारण हैं ? और रख-रखाव होने के कितने समय के बाद वो बदला जाना चाहिए ? नम्बर-1 क्वेश्चन।

मान्यवर, मेरा दूसरा क्वेश्चन यह है कि मीटर में संचित बिजली की कीमत जो उपभोक्ताओं से वसूल की जा रही है, क्या उसकी वसूली दोषी अधिकारियों और कम्पनी के कर्मचारियों से करेंगे तथा उन पर दण्डात्मक कार्रवाई करेंगे ? क्या इसका जो लगभग 762 करोड़ रुपये है, उन अधिकारियों से वसूला जायेगा, जिसमें उपभोक्ता का कोई दोष नहीं है ? मेरे इन दोनों सवालों का जवाब दे दीजिए।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी, इसका जवाब दे दीजिए।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मान्यवर, पहली बात यह है कि मैं माननीय सदस्य का एक आँकड़ा ठीक करा दूँ कि जो हमने जवाब दिया है, उसमें 762 करोड़ नहीं है, उसमें 762 लाख है, मतलब 7 करोड़ 62 लाख है।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, मैं इसको संशोधित कर लेता हूँ।

श्री अध्यक्ष-

एक्चुअली आप कन्फ्यूजन में थे, आप 762 करोड़ के बारे में पूछ रहे थे, लेकिन वह 762 लाख है। शायद इसीलिए आप ज्यादा चिन्तित थे।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मान्यवर, यह 762 लाख यानी 7 करोड़ 62 लाख रुपये की बात है और यह वसूला गया है। दूसरी बात, यह व्यवस्था इसलिए की गई है कि अगर कोई मानवीय गड़बड़ियाँ होती हैं, चाहे वह हमारे किसी अधिकारी/कर्मचारी के पक्ष से हों या उपभोक्ता के पक्ष से हों या दोनों की मिलीभगत से हों, ऑफ्टर ऑल यह चेक बैलेंस की व्यवस्थायें रखी जाती हैं। वह इसीलिए रखी जाती हैं कि अगर हमारे कर्मचारी से मिल करके किसी उपभोक्ता ने गड़बड़ी की है, अल्टीमेटली मीटर इसकी मशीन है और वह उसका पुख्ता सबूत है कि उस मीटर से कितनी बिजली खपत हुई है। माननीय अध्यक्ष जी, सभी केसों में नहीं, लेकिन कुछ केसों में सैम्पल रैंडम चेकिंग के आधार पर हम जरूर ऐसा कर रहे हैं और ऐसा करना भी चाहिए। मैं इसमें कहीं कोई गड़बड़ी नहीं देख रहा हूँ कि उस मीटर से वास्तव में कितनी विद्युत खपत का उसका फीगर या रीडिंग आती है और उसमें उपभोक्ता को कितना बिल दिया गया है। अगर इन दोनों में फर्क दिखता है तो उस पैसे को वसूल करने की व्यवस्था है और मेरे ख्याल से इस व्यवस्था में कहीं कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। अगर आप ईमानदार हैं, अगर उपभोक्ता ईमानदार है तो उसे इस व्यवस्था में कोई चिन्ता करने की आवश्यकता नहीं है। ऐसा मात्र बिजली विभाग में ही नहीं है, अन्य कई विभागों, अन्य कई क्षेत्रों में भी ऐसी व्यवस्थायें हैं। हम इनकम टैक्स का अपना असेसमेंट भरते हैं, लेकिन साथ में इनकम टैक्स डिपार्टमेण्ट भी चेकिंग करता है कि इस व्यक्ति ने सही भरा है कि नहीं भरा है, तो इसमें इस तरह की व्यवस्था में कहीं कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। मैं आशा करता हूँ कि यह सदन इस व्यवस्था में सहयोग करेगा।

(सदस्य श्री महबूब अली और श्री इकबाल महमूद के एक साथ खड़े होकर अनुपूरक पूछने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

आप आपस में तय करके पूछ लीजिए।

श्री महबूब अली-

मान्यवर, मैंने जो अनुपूरक किया है, माननीय मंत्री जी ने पहले हर प्रश्न में जो जवाब दिया है, वही घिसी-पिटी बात जो पढ़कर आये हैं, डायरी में लिख कर आये हैं, उन्हें वही भाषा बोलना है। मेरा सीधा सवाल है कि जो उपभोक्ता का शोषण हो रहा है और बिजली महकमे के अधिकारियों और कम्पनी के जो लोग मीटर चेक करके मीटर का बिल भेजने वाले हैं, उनके द्वारा हो रहा है, क्या उन पर दण्डात्मक कार्रवाई करेंगे ? इसमें यह नहीं है कि उसमें ऐसा हुआ है या चेक कर रहे हैं। अध्यक्ष जी, मेरे प्रश्न का सीधा स्पष्ट जवाब दिया जाये।

श्री अध्यक्ष-

माननीय मंत्री जी, इसका जवाब दे दीजिए।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, इसमें दोनों तरह की व्यवस्थायें हैं। अगर मीटर के आधार पर ऐसा पाया जाता है, एम0आर0आई0 में कि उपभोक्ता के पक्ष से गलती हुई है तो उससे बिल वसूल करने का प्रावधान है और साथ ही माननीय सदस्य ने अच्छा हुआ याद कराया कि 10 हजार रुपया उस कम्पनी को, जिस कम्पनी का मीटर रीडर वहाँ रीडिंग लेने जाता है या जो व्यक्ति उसके लिए जिम्मेदार है, उस पर 10 हजार रुपये की पेनॉल्टी की जाती है। अथवा जो बाकी बिल का एमाउण्ट निकलता है, एम0आर0आई0 का जो एमाउण्ट आया है और जो अभी तक उपभोक्ता ने भरा है, उन दोनों के बीच का जो शेष होता है, उसको डबल करके पेनॉल्टी उस कम्पनी पर लगायी जाती है।

(सदस्य श्री महबूब अली के कुछ पूछने का प्रयास करने पर)

श्री अध्यक्ष-

अब हो गया है, आप अलग से पूछ लीजिएगा, वह जानकारी दे देंगे। श्री इकबाल महमूद जी आप एक प्रश्न पूछ लीजिए।

श्री इकबाल महमूद-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं अनुपूरक पूछने से पहले आपको एक बात याद दिलाना चाहता हूं कि जब आप यहाँ बैठा करते थे तो क्वेश्चन के सम्बन्ध में आप भी बड़ी लम्बी भूमिका बनाया करते थे।

श्री अध्यक्ष-

उन्होंने कम थोड़े ही बनाई है, उससे ज्यादा ही बनाई है।

श्री इकबाल महमूद-

मान्यवर, वही चीज हम लोगों ने सीखी, महबूब साहब ने भी वही बात सीखी, वही भूमिका हम लोग भी बना रहे हैं, लेकिन आप रोक देते हैं।

श्री अध्यक्ष-

अरे, बाईपास होकर आये हैं, मैं तो सीधा सड़क से जाता हूँ। (हँसी)

श्री इकबाल महमूद-

माननीय अध्यक्ष जी, मेरा माननीय मंत्री जी से सवाल है और कृपा करके राजनीतिक उत्तर न दें, क्योंकि मैं आपसे बहुत सीधे-सीधे उत्तर पूछ रहा हूँ कि बिजली विभाग द्वारा प्रदेश भर में जितनी चेकिंग होती है, इसमें बहुत बड़ी भूमिका पुलिस की भी हो गई है, क्योंकि आपने तो बिजिलेंश थाने खोल दिये हैं, जब मीटर चेक करने जाते हैं तो वह अपना नम्बर दे जाते हैं कि शाम तक हमसे फोन पर बात कर लेना नहीं तो एफ0आई0आर0 कर देंगे। अगर शाम तक उस नम्बर पर बात नहीं होती है तब तो एफ0आई0आर0 का नम्बर आता है और वह हो जाती है। गरीब आदमी इसको नहीं कर सकता है, यह काम तो सिर्फ अमीर आदमी कर सकता है, जिसके पास पैसा है उसने दिया और काम हो गया। क्या आप इस पर अंकुश लगाने का काम करेंगे। अगर हमारे क्षेत्र के अन्दर ट्रांसफार्मर जल जाते हैं तब ठीक करने के लिए कहा जाता है तो जे0ई0 कहते हैं कि हमारे पास इस फण्ड में कोई पैसा नहीं है। आप मोहल्ले वालों से हमको पैसा इकट्ठा करके दो तब इसको सही करेंगे। माननीय मंत्री जी इस पर रोक लगाने का काम करें।

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, माननीय सदस्य ने जो प्रश्न पूछा है उसका सीधा-सीधा जवाब यह है कि हमारा विद्युत विभाग आज से नहीं, कई वर्षों से नहीं, बल्कि कई दशकों से घाटे में चल रहा है, यह आप सबके संज्ञान में है। आपके संज्ञान में यह भी होगा कि जितनी बिजली हम देते हैं उतने का पैसा हम वसूल नहीं पाते हैं। यह इस सदन को भी मालूम है। हमने कुछ दिनों से इसकी जांच पड़ताल करना शुरू किया तो प्रतिदिन हमारी बिजली सप्लाई का जो पैसा आता है उसमें प्रतिदिन हमें 80 करोड़ रुपये का नुकसान होता है। अगर हमने कनेक्शन के बिल को वसूल करने के लिए थोड़ा बहुत काम शुरु किया है तो उससे आपको दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अगर कोई ईमानदार उपभोक्ता है तो उसको बिल देने में कहीं कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अगर हमारा कर्मचारी कुछ गलत करता है तो ऐसा कोई भी उदाहरण हमारे पास आयेगा तो मैं सदन को आश्वस्त करता हूँ कि हम उसके खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

प्रदेश की राजभाषा एवं इसके उत्थान के सम्बन्ध में

***14-श्री जगदीश नारायण-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश की राजभाषा क्या है एवं इसके उत्थान हेतु कोई कार्य योजना सरकार ने बनाई है ? यदि हां, तो उक्त का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

जी हाँ, प्रदेश की राजभाषा हिन्दी है। हिन्दी के उत्थान हेतु 03 स्वायत्तशासी संस्थान, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, हिन्दुस्तान एकेडमी एवं उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान कार्यरत हैं।

उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान द्वारा हिन्दी भाषा एवं साहित्य के उन्नयन, संवर्द्धन तथा प्रचार-प्रसार का कार्य किये जाने के साथ ही साथ उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत भी किया जाता है। हिन्दुस्तानी एकेडमी द्वारा भारतीय भाषाओं-उर्दू, अवधी, ब्रजभाषा, भोजपुरी एवं बुन्देली भाषा के संरक्षण एवं विकास का कार्य किये जाने के साथ ही साथ उत्कृष्ट साहित्यकारों को पुरस्कृत भी किया जाता है। उत्तर प्रदेश भाषा संस्थान द्वारा भारतीय भाषाओं, संविधान की आठवीं अनुसूची निर्दिष्ट भाषाओं व प्रदेश की लोक भाषाओं व बोलियों के प्रचार-प्रसार एवं संरक्षण का कार्य करने के साथ-साथ उनके साहित्य को प्रोत्साहन देने का कार्य भी किया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता है।

श्री जगदीश नारायण-

माननीय अध्यक्ष जी, मैं जानना चाहता हूँ कि इस देश की राजभाषा हिन्दी नहीं बन पाई, इस प्रदेश की राजभाषा हिन्दी है तो सरकार ने इसको कब जारी किया है, क्या प्रदेश के हर विभागों में चाहे वह न्यायालय हों या अन्य विभाग हों, इसकी अनिवार्यता कर दी गई है कि नहीं की गई है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री (श्री जयवीर सिंह)-

माननीय अध्यक्ष जी, अक्टूबर, 1947 में उत्तर प्रदेश में हिन्दी को राजभाषा घोषित कर दिया गया है और तबसे लगातार हिन्दी उत्तर प्रदेश में राजभाषा के रूप में काम कर रही है और 26 जनवरी, 1968 से उत्तर प्रदेश में सरकारी काम-काज करने में इसकी अनिवार्यता लागू है।

प्रदेश में स्मार्ट सिटी के कार्यों की प्राथमिकता तय करने का अधिकार जनप्रतिनिधियों को दिये जाने के सम्बन्ध में

***15-श्री अमिताभ बाजपेई-**

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में स्मार्ट सिटी के कार्यों की प्राथमिकता तय करने का अधिकार जनप्रतिनिधियों को दिये जाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

स्मार्ट सिटी के कार्यों के सम्बन्ध में आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी स्मार्ट सिटी मिशन गाइड लाइन्स, 2015 के अनुसार परामर्श देने और विभिन्न हितधारकों के सहयोग के लिए एक स्मार्ट सिटी परामर्शी मंच (स्मार्ट सिटी एडवाइजरी फोरम)

की स्थापना प्रत्येक स्मार्ट शहरों के लिए की गयी है, जिसमें जिलाधिकारी, मा0 सांसद, मा0 विधायक, मा0 महापौर, विशेष प्रयोजन साधन (स्पेशल पर्पज व्हेकिल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्थानीय युवा, तकनीकी विशेषज्ञ आदि सदस्य हैं।

स्मार्ट सिटी मिशन गाइड लाइन्स, 2015 के प्रस्तर-6 एवं 10 में स्मार्ट सिटी प्रस्ताव तैयार एवं क्रियान्वित करने हेतु प्रत्येक स्मार्ट सिटी में विशेष प्रयोजन साधन का गठन कम्पनी अधिनियम, 2013 के अन्तर्गत किया गया है। इसके अनुरूप विशेष प्रयोजन साधन द्वारा स्मार्ट सिटी प्रस्ताव का चयन एवं क्रियान्वयन वर्तमान में किया जा रहा है।

श्री अमिताभ बाजपेई-

माननीय अध्यक्ष जी, मैंने माननीय मंत्री जी से सवाल पूछा था कि स्मार्ट सिटी के कामों की प्राथमिकता तय करने का अधिकार जनप्रतिनिधियों को देंगे। आपने उत्तर दिया कि स्मार्ट सिटी मिशन गाइड लाइन में परामर्श देने की व्यवस्था है। हम अधिकार पूछ रहे हैं आप परामर्श बता रहे हैं। इसमें कौन परामर्श दे रहा है कौन परामर्श ले रहा है इसमें 4 सालों में कोई परामर्श दिया नहीं गया। आपका हजारो करोड़ रुपया बर्बाद हो रहा है। हमारे ही क्षेत्रों में काम हो रहा है और हम लोगों से न कोई परामर्श न कोई राय, न मशविरा कुछ नहीं लिया जा रहा है। आपने इसमें उल्लेख किया कि प्रस्तर-6 और 10 में प्रस्ताव बनाने की व्यवस्था है। प्रस्तर-6 में लिखा है कि इसमें electricity supply with at least 10% of the smart city's energy requirement coming from solar, adequate water supply including waste water recycling and storm water reuse, ...

मेरा कहना है कि जो काम प्राथमिकता पर लिखे हैं इसमें से एक भी काम न तो हो रहा है और न ही जनप्रतिनिधियों से कोई राय ली जा रही है, न ही आप कोई अधिकार देने को तैयार हैं। आप यह कह देते कि हम अधिकार नहीं देंगे तो भी मुझे आपका उत्तर अच्छा लगता, लेकिन आपने परामर्श की व्यवस्था कर दी है। मेरा सीधा सा प्रश्न है कि क्या आप जनप्रतिनिधियों को प्राथमिकता तय करने का अधिकार देंगे या नहीं देंगे ?

श्री अध्यक्ष-

प्रश्नों का समय समाप्त।†

प्रदेश में बिजली की मांग के अनुरूप बिजली की उपलब्धता तथा शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के सम्बन्ध में

***16-श्री अजय कुमार-**

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बिजली की मांग के अनुरूप कितने मेगावाट बिजली वर्तमान में उपलब्ध है ? क्या सरकार बतायेगी कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में

---

† नत्थी (क) के तारांकित प्रश्न संख्या-15 के उपरान्त प्रश्नों का समय समाप्त हुआ।

कितने घण्टे विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

वर्तमान में पड़ी भीषण गर्मी में पिछले वर्षों की अपेक्षा बिजली की मांग अप्रत्याशित रूप से बढ़ी हुई है। बिजली की मांग को पूर्ण करने के लिए उ0प्र0 के अब तक के इतिहास में सबसे ज्यादा बिजली की आपूर्ति 25436 मेगावाट (15-05-2022, 21:49 पर) की गयी।

वर्तमान समय (मई, 2022 माह में दिनांक 22 तक) में अद्यतन औसतन उपलब्धता 23598 मेगावाट (470.5 मि0यू0 प्रतिदिन औसत) रही।

वर्तमान में (स्थानीय परिस्थितियों को छोड़कर) उपरोक्त चुनौती के बावजूद सरकार द्वारा निर्धारित रोस्टर के सापेक्ष निम्नांकित प्रकार से विद्युत आपूर्ति की गयी है:—

विद्युत आपूर्ति	रोस्टर के अनुसार निर्धारित अवधि (घण्टे)	1 अप्रैल, 2022 से 23 मई, 2022 तक औसत आपूर्ति (घण्टे)
जिला मुख्यालय	24	24
तहसील मुख्यालय	21.30	20.47
ग्रामीण	18.00	16.44
बुन्देलखण्ड (ग्रामीण)	20.00	19.03

विवरण संलग्न है।[†]

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में दान में दी जाने वाली जमीन के स्टाम्प शुल्क को कर मुक्त करने के सम्बन्ध में

***17-श्री राजेश चौधरी-**

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में बहुउद्देशीय भवन के लिए निजी जमीन को जनहित में दान करने वाली जमीनों पर स्टाम्प शुल्क लिए जाने का प्रविधान है ? यदि हाँ, तो क्या सरकार दान में दी जाने वाली जमीन स्टाम्प शुल्क/कर मुक्त करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

स्टाम्प तथा न्यायालय शुल्क एवं पंजीयन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री रवीन्द्र जायसवाल)-

जी हां।

[†] देखिये नत्थी 'ख' आगे पृष्ठ संख्या-292 पर

भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 की अनुसूची-1ख के अनुच्छेद-33 में अचल सम्पत्ति के दान विलेख पर सम्पत्ति के मूल्य के बराबर प्रतिफल के लिए हस्तान्तरण (अनुच्छेद-23क) के समान शुल्क देय है:-

परन्तु यदि भूमि राज्य सरकार के पक्ष में दान की जाती है तो भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 की धारा-3 के प्रावधानों के प्रभाव से ऐसा दान विलेख स्टाम्प शुल्क से मुक्त है।

राज्य सरकार के पक्ष में लिखित दान विलेखों से भिन्न दान विलेखों को स्टाम्प शुल्क से मुक्त किये जाने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।

प्रकरण में बड़ी मात्रा में राजस्व हानि होने के कारण।

(अतारांकित प्रश्न)

जनपद जौनपुर में लुम्बिनी-दुद्धी मार्ग पर जौनपुर से मिर्जापुर तक के मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण कराने के सम्बन्ध में

1-श्री जगदीश नारायण-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर में लुम्बिनी-दुद्धी मार्ग पर जौनपुर से मिर्जापुर तक का मार्ग जीर्ण-शीर्ण होने के कारण आवागमन में असुविधा हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्ग का निर्माण कार्य पूर्ण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

लोक निर्माण राज्य मंत्री (श्री ब्रिजेश)-

जी हां।

प्रश्नगत मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग सं0-135 ए का भाग है जिसके मिर्जापुर से जौनपुर तक के भाग की कुल लम्बाई 73.13 किमी0 है।

इस 73.13 किमी0 भाग में से 34.90 किमी0 लम्बाई संतोषजनक स्थिति में है, अवशेष 38.234 किमी0 लम्बाई के भाग को फोर लेन चौड़ीकरण की स्वीकृति सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा निर्गत है।

परियोजना हेतु कार्य प्रारम्भ की तिथि से 550 दिन में कार्य पूर्ण करना लक्षित है।

प्रश्न नहीं उठता है।

जनपद जौनपुर के जफराबाद विधान सभा क्षेत्र में जर्जर मार्गों के नवीनीकरण के सम्बन्ध में

2-श्री जगदीश नारायण-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद जौनपुर के जफराबाद विधान सभा क्षेत्र में गौराबादशाहपुर से मुफ्तीगंज ओ0डी0आर0 मार्ग अवशेष गोसाईपुर से कठिरांव तक, त्रिलोचन से सोनरी होते हुए गदनपुर, मड़ियाहू से ईटायें होते हुए वाराणसी बार्डर तक

तथा ईटायें से नेवढ़िया मार्ग जर्जर होने के कारण आवागमन में असुविधा हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्गों का नवीनीकरण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत मार्ग में कुल 04 मार्ग सम्मिलित हैं, जो आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हैं, जिनका विवरण निम्नानुसार हैः-

1-गौराबादशाहपुर से मुफ्तीगंज ओ0डी0आर0 मार्ग-यह मार्ग विभागीय अभिलेखों में गौराबादशाहपुर-रामपुर-नैपुरा-कबूलपुर-नत्थनपुर पुलिया-राजेपुर अन्य जिला मार्ग हैं, जिसकी कुल लम्बाई 16.00 किमी0 है। उक्त मार्ग के किमी0 1 से 9 तक की स्वीकृति नवीनीकरण योजनान्तर्गत प्रदान की जा चुकी है। नवीनीकरण का कार्य प्रगति में है मार्ग के शेष भाग किमी0 9 से 16 तक की दशा सन्तोषजनक है।

2-गोसाईपुर से कठिरांव तथा मडियाहूँ से ईटाये होते हुए वाराणसी बार्डर तक मार्ग-यह मार्ग विभागीय अभिलेखों में पिण्डरा-कठिरांव-मडियाहूँ अन्य जिला मार्ग है, जिसकी कुल लम्बाई 13.425 किमी0 है। इस मार्ग पर चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण कार्य की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है तथा चौड़ीकरण का कार्य प्रगति पर है।

3-त्रिलोचन से सोनारी होते हुए गदनपुर मार्ग-यह मार्ग विभागीय अभिलेखों में त्रिलोचन बड़ागांव से रामपुर सोइरी सम्पर्क मार्ग के नाम से ग्रामीण श्रेणी का मार्ग है, जिसकी लम्बाई 5.20 किमी0 है। यह मार्ग अनुरक्षणाधीन है मार्ग की दशा संतोषजनक है।

4-ईटाए से नेवढिया मार्ग- यह मार्ग विभागीय अभिलेखों में सेऊर रामनगर नेवढिया तरती अन्य जिला मार्ग है, जिसकी कुल लम्बाई 17.30 किमी0 है। इस मार्ग के किमी0 1 से 4 में चौड़ीकरण/सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रगति में है। किमी0 5 से किमी0 12 तक मार्ग की दशा संतोषजनक है। किमी0 13 से किमी0 17.30 का भाग आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त है, जिसको वित्तीय वर्ष 2022-23 की गड्ढामुक्ति की कार्य योजना में प्रस्तावित किया गया है, जिसकी स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया में एन0 एच0 31 पर टेंगरही से जय प्रकाश नगर तक जनहित में वी0एस0टी0 बन्धे का पुनर्निर्माण कराने के सम्बन्ध में

3-श्री जयप्रकाश अंचल-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया में एन0एच0 31 पर टेंगरही से जय प्रकाश नगर तक वी0एस0टी0 बांध टूटकर गड्ढे में

तब्दील हो गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनहित में उक्त वी0एस0टी0 बन्धे का पुनर्निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत प्रकरण में सूचना एकत्र की जा रही है।

जनपद अम्बेडकरनगर में कटेहरी बाजार (प्रतापपुर चमुर्खा) को नगर पंचायत बनाने के सम्बन्ध में

4-श्री लाल जी वर्मा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अम्बेडकरनगर में कटेहरी बाजार (प्रतापपुर चमुर्खा) को नगर पंचायत बनाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

नगर पंचायतों के सृजन सम्बन्धी शासनादेश दिनांक 06-10-2016 में निर्धारित समस्त मानकों की पूर्ति न करने के कारण जनपद अम्बेडकरनगर के कटेहरी बाजार (प्रतापपुर चमुर्खा) को नगर पंचायत बनाये जाने पर विचार नहीं किया जा रहा।

जनपद अम्बेडकरनगर के प्रमुख जिला मार्ग अकबरपुर-इल्तिफातगंज मार्ग का चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण कराने के सम्बन्ध में

5-श्री लाल जी वर्मा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अम्बेडकरनगर के प्रमुख जिला मार्ग अकबरपुर-इल्तिफातगंज मार्ग का चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जनपद अम्बेडकरनगर में अकबरपुर-इल्तिफातगंज मार्ग अन्य जिला श्रेणी का मार्ग है, जिसकी प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति वर्ष 2021-22 में प्रदान की जा चुकी है। वर्तमान में मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य प्रगति पर है।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना में निर्माणाधीन सड़कों की एक निश्चित समय-सीमा निर्धारित करने के सम्बन्ध में

6-श्री संग्राम सिंह-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र फेफना में कितनी सड़के वर्तमान में निर्माणाधीन है ? उक्त का विवरण क्या है ? क्या सरकार उक्त सड़कों को एक निश्चित समय-सीमा निर्धारित कर पूर्ण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

विधान सभा क्षेत्र फेफना के अन्तर्गत विभिन्न योजनाओं में 60 सड़कें वर्तमान में निर्माणाधीन है, जिसकी कुल स्वीकृत लम्बाई 134.00 किमी0 है, जिनका विवरण संलग्न है।†

कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण कराना वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ में विकास खण्ड लखनऊ के अन्तर्गत गऊघाट रोड पर दो लेन सेतु का निर्माण कराने के सम्बन्ध में

7-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ में विकास खण्ड लखनऊ के अन्तर्गत गऊघाट रोड पर दो लेन सेतु, पहुँच मार्ग एवं सुरक्षात्मक कार्य कराये जाने हेतु उ0प्र0 राज्य सेतु निगम लिमिटेड द्वारा डायरी संख्या-3569, दिनांक 14 दिसम्बर, 2021 के माध्यम से प्रारम्भिक आगणन लोक निर्माण विभाग को उपलब्ध कराया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनहित में उक्त कार्य हेतु धनराशि अवमुक्त कराकर निर्माण शुरू करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी नहीं। प्रस्तावित सेतु के अपस्ट्रीम में लगभग 3.50 किलोमीटर की दूरी पर गोमती नदी सेतु घैलाघाट एवं डाउन स्ट्रीम में लगभग 1.5 किलोमीटर की दूरी पर गोमती नदी सेतु इमामबाड़ा खदरा (नवीन पक्का पुल) निर्मित है।

अतः प्रश्नगत स्थल पर सेतु निर्माण लोक निर्माण विभाग की प्रचलित व्यवस्था से आच्छादित नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपर्युक्तानुसार।

प्रदेश के शहरी क्षेत्र में महिलाओं हेतु सार्वजनिक शौचालयों का निर्माण कर उन्हें निःशुल्क संचालित करने के सम्बन्ध में

8-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के शहरी क्षेत्र में महिलाओं हेतु सार्वजनिक शौचालयों की कमी से महिलाओं को परेशानी होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार

---

† देखिये नत्थी 'ग' आगे पृष्ठ संख्या-293-296 पर

शहरी क्षेत्र के प्रमुख सड़कों व बाजारों में उपयुक्त स्थान पर टायलेट/पिंक टायलेट का निर्माण कर उन्हें निःशुल्क संचालित करने की कार्य योजना बनायेगी ?

यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में महिलाओं के लिये लगभग 16,837 सीट सार्वजनिक शौचालय निर्मित है। प्रदेश के अधिकांश नगरीय निकायों में 5-5 सीट पिंक शौचालय का निर्माण कराया गया है। उक्त के अतिरिक्त जनपद मुख्यालय के नगरीय निकायों को तथा अन्य 44 नगरीय निकायों के ओपेन जिम पार्कों में पिंक शौचालय निर्माण हेतु राज्य मिशन निदेशालय द्वारा धनराशि रु0 3,37,12,000.00 (तीन करोड़ सैतीस लाख बारह हजार मात्र) का वित्त-पोषण किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत महिलाओं के लिए रु0 240.00 करोड़ से लगभग 9600 सीट पिंक शौचालय निर्माण के लिए लक्ष्य निर्धारण, मानकीकरण इत्यादि की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। अत्यधिक आवागमन वाले मुख्य स्थलों यथा-बाजार, बस स्टैण्ड, रेलवे स्टेशन इत्यादि के निकट पिंक शौचालय का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।

शहरी क्षेत्र के प्रमुख सड़कों व बाजारों में उपयुक्त स्थान पर टायलेट/पिंक टायलेट का निर्माण कर उन्हें निःशुल्क संचालित करने के सम्बन्ध में शीघ्र निर्देश निर्गत किया जाना प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के भारतेन्दु हरिश्चन्द्र वार्ड में बिजली के खम्भे लगवाने के सम्बन्ध में

9-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के भारतेन्दु हरिश्चन्द्र वार्ड स्थित टैगोर मेमोरियल स्कूल के सामने वाली गली में विद्युत आपूर्ति लोहे के पाइप एवं बल्लियों के सहारे हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्र में बिजली के खम्भे लगवायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

जनपद लखनऊ के भारतेन्दु हरिश्चन्द्र वार्ड स्थित टैगोर मेमोरियल स्कूल के सामने वाली गली में पूर्व से कुछ संयोजन बांस, बल्लियों पर चल रहे हैं।

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र वार्ड स्थित टैगोर मेमोरियल स्कूल के सामने वाली गली में विद्युत लाइन सुदृढ़ करने का कार्य नवीन जिला विद्युत विकास निधि योजनान्तर्गत तकनीकी आवश्यकतानुसार एवं धन की उपलब्धता पर कराया जाना सम्भव है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के सहारा स्टेट के बगल में मेन रोड पर बिजली के खम्भे हटवाने के सम्बन्ध में

10-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के सहारा स्टेट के बगल में मेन रोड पर बिजली के खम्भे होने से जनता को आवागमन में परेशानी होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त बिजली के खम्भे हटवायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जनपद-लखनऊ के सहारा स्टेट के बगल में सहारा स्टेट चौराहे से अभिनव स्कूल को जाने वाले 11 के0वी0 बी0पी0सी0एल0 लाइन काफी पहले से जा रही है एवं सम्बन्धित क्षेत्र को विद्युत आपूर्ति हो रही हैं। पहले उक्त लाइन सड़क के किनारे से जा रही थी, परन्तु नगर निगम द्वारा रोड चौड़ीकरण का कार्य किया गया है, जिसके कारण उक्त 11 के0वी0 ओवरहेड लाइन सड़क के अन्दर आ गयी है। तकनीकी पक्ष के दृष्टिगत 11 के0वी0 ओवरहेड लाइन को भूमिगत कर हटाया जा सकता है। चूंकि नगर निगम द्वारा रोड चौड़ीकरण के कारण ओवरहेड लाइन के पोल सड़क के अन्दर आये हैं, इसलिए 11 के0वी0 लाइन को भूमिगत कराने हेतु अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, रहीमनगर, लेसा (टॉ0गो0) के पत्रांक-2333 दिनांक 12-05-2022 द्वारा अधिशासी अभियन्ता, जोन-3, नगर निगम, लखनऊ को प्राक्कलित धनराशि रु0 2506561.10 की टी0सी0 पंजीकृत डाक से दिनांक 12-05-2022 को प्रेषित कर दिया गया है। नगर निगम द्वारा प्राक्कलित धनराशि जमा कराये जाने के उपरान्त उक्त 11 के0वी0 ओवरहेड लाइन को भूमिगत करने का कार्य कराया जाना सम्भव है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में गरीब तथा कमजोर वर्ग के लोगो को निःशुल्क बिजली देने के सम्बन्ध में

11-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में गरीब तथा कमजोर वर्ग के लोगों को निःशुल्क बिजली देने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

गरीब तथा कमजोर वर्ग के लोगों को सस्ती दरों पर बिजली उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा सब्सिडी उपलब्ध करायी जाती है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिये लाईफ लाइन उपभोक्ताओं (ऐसे उपभोक्ता जिनका विद्युत भार 1 कि0वा0 से कम है तथा खपत 100 यूनिट प्रति माह से कम है) के लिए प्रदेश सरकार द्वारा कुल रु0 483 करोड़ की

शासकीय सहायिकी प्रदान की गयी है। इस प्रकार इस श्रेणी के उपभोक्ताओं को औसत लागत आपूर्ति (ए0सी0ओ0एस0) से 50 प्रतिशत कम दर से बिजली दी जा रही है।

उत्तर प्रदेश के विभिन्न उपभोक्ता वर्गों हेतु लागू टैरिफ का निर्धारण विद्युत अधिनियम 2003 के अधीन मा0 उ0प्र0 विद्युत नियामक आयोग द्वारा विभिन्न उपभोक्ता/उपभोक्ता संगठनों एवं अन्य स्टेक होल्डर्स से आपत्तियाँ/सुझाव लेकर व्यापक जनसुनवाई करते हुए किया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

प्रदेश में वर्ष 2019 में आयोजित कुंभ मेला में आर्थिक घोटाले की जांच रिर्पोट के विवरण के सम्बन्ध में

12-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में वर्ष 2019 में आयोजित कुंभ मेला में कितनी धनराशि व्यय की गई ? क्या सरकार को उक्त आयोजन में आर्थिक घोटाले किये जाने की शिकायतें प्राप्त हुई हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार ने इसकी जाँच करायी है ? यदि हां, तो कुंभ मेले में आर्थिक घोटाले की जांच रिर्पोट का विवरण सरकार सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

कुम्भ मेला 2019 के सकुशल एवं निर्विघ्न आयोजन हेतु धनराशि रु0-2339.81 करोड़ का व्यय किया गया था।

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता है।

प्रश्न नहीं उठता है।

कुम्भ मेला 2019 के आयोजन में आर्थिक घोटाला किये जाने की किसी प्रकार की कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

जनपद लखनऊ में 30 मार्च 2022 को विक्रमादित्य वार्ड के अन्तर्गत शहीद नगर प्लाण्ट में तोड़े गये मकानों/झुग्गी झोपड़ियों के कारण बेघर लोगों के सबंध में

13-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या नगरीय रोजगार एवं गरीबी उन्मूलन कार्यक्रम, मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ में 30 मार्च 2022 को लखनऊ नगर में विक्रमादित्य वार्ड के अन्तर्गत शहीद नगर प्लाण्ट में बिना किसी वैकल्पिक व्यवस्था के अनेक मकानों/झुग्गी झोपड़ियों को तोड़ा गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त के कारण बेघर लोगों को माननीय कांशीराम योजना अथवा आसरा आवास योजना के अन्तर्गत खाली मकानों में स्थापित करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

विक्रमादित्य मार्ग पर शहीद नगर प्लाण्ट के पास सड़क के किनारे अवैध रूप से कबाड़ी का कार्य कर रहे व्यक्तियों का अतिक्रमण हटाया गया है। अतिक्रमण कर रहे परिवारों को अवैध कब्जा खाली करने हेतु नोटिस दिया गया है।

मा0 श्री कांशीराम जी शहरी गरीब आवास योजनान्तर्गत लखनऊ नगर निगम क्षेत्र में निर्मित समस्त आवासों के आवंटन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। आसरा आवास योजनान्तर्गत निर्मित आवासों के सापेक्ष वर्ष 2021-22 में आनलाइन आवेदन पत्र आमंत्रित किये गये थे, जिनके तहसील से पात्र पाये गये हितग्राहियों के मध्य लॉटरी के माध्यम से आवंटन की प्रक्रिया प्रगति पर है। उक्त स्थल पर अवैध रूप से निवासरत परिवारों का सर्वेक्षण कराया गया जिसमें यह पाया गया है कि 34 परिवार अवैध रूप से निवासरत हैं, परन्तु उक्त परिवारों द्वारा आसरा आवास योजना के अन्तर्गत आवेदन नहीं किया है। अतः आसरा आवास योजना के अन्तर्गत आवेदन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है।

उपरोक्तानुसार।

लखनऊ नगर में प्रवाहित हैदर कैनाल के सम्बन्ध में

14-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ नगर में प्रवाहित हैदर कैनाल को तली तक साफ कराकर उसको ढक कर उस पर सड़क बनाने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

लखनऊ नगर में प्रवाहित हैदर कैनाल की तली तक सफाई का कार्य प्रगति में है। हैदर कैनाल को ढककर उस पर सड़क का निर्माण कराया जाना वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

15-श्री लाल जी वर्मा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मुख्य मंत्री को सम्बोधित प्रश्नकर्ता का दिनांक 30-08-2019 का संलग्नकों सहित पत्र, जोकि सेक्टर-8, इन्दिरा नगर, लखनऊ के आवास सं0-8/401 से 8/422 तक के क्लस्टर में स्थित पार्क में पूर्व पार्षद द्वारा किये गये अवैध कब्जे/अतिक्रमण को हटाये जाने के सम्बन्ध में हैं, उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र पूर्वी के अन्तर्गत इंदिरा नगर सेक्टर-8 में भवन संख्या-8/401 से 8/422 के सामने बने पार्क में अवैध कब्जे के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि प्रश्नगत पार्क में कोई अवैध कब्जे/अतिक्रमण नहीं है। प्रश्नगत पार्क में आमजन एवं वृद्धजनों को टहलने के उपरान्त विश्राम हेतु एक झोपड़ी का निर्माण किया गया है। इसके अतिरिक्त कोई भी अवैध निर्माण/अतिक्रमण नहीं पाया गया।

उपरोक्तानुसार।

जनपद अम्बेडकरनगर के अकबरपुर इल्तिफातगंज मार्ग को राजमार्ग घोषित करने विषयक

16-श्री लाल जी वर्मा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अम्बेडकरनगर के अकबरपुर इल्तिफातगंज मार्ग को जनहित में राजमार्ग घोषित करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी नहीं।

राज्यमार्ग घोषित किये जाने हेतु मार्ग जिला मुख्यालय/तहसील मुख्यालय/मुख्य औद्योगिक केन्द्र/व्यवसायिक महत्व के स्थान/पर्यटन स्थल/नगर/राष्ट्रीय मार्ग/पड़ोसी राज्यों के राज्य मार्गों को जोड़ने वाला मार्ग होना चाहिए एवं उक्त मार्ग आई0आर0सी0 (इण्डियन रोड कांग्रेस) 73-1980 के तकनीकी मापदण्ड के मानकों से आच्छादित नहीं है।

प्रदेश में डीजल, पेट्रोल तथा रसोई गैस पर लगने वाले टैक्स के सम्बन्ध में

17-श्री वीरेन्द्र यादव-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में बढ़ती मंहगाई के दृष्टिगत डीजल, पेट्रोल तथा रसोई गैस पर लगने वाले राज्य स्तरीय टैक्स को सरकार कम करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

मुख्य मंत्री (श्री योगी आदित्यनाथ)-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

डीजल एवं पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी पर नियंत्रण पाने हेतु भारत सरकार द्वारा दिनांक 22 मई, 2022 से डीजल पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में रुपये 6.00 प्रति लीटर और पेट्रोल पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क में रुपये 8.00 प्रति लीटर की कटौती की गयी, जिसके फलस्वरूप दिनांक 22 मई, 2022 को उत्तर प्रदेश में डीजल एवं पेट्रोल पर राज्य स्तरीय कर (वैट) के आगणन हेतु डीजल एवं पेट्रोल की बेस प्राइस में कमी हुई। परिणामस्वरूप दिनांक 21-05-2022 की तुलना में दिनांक 22-05-2022 को उ0प्र0 में डीजल पर प्रभावी वैट में

रु0 1.03 प्रति लीटर तथा पेट्रोल पर प्रभावी वैट में रु0 1.40 प्रति लीटर की कमी स्वतः हो गयी है।

रसोई गैस जी0एस0टी0 के दायरे में हैं, जिस पर कर की दर में परिवर्तन के सम्बन्ध में संस्तुति करने का अधिकार जी0एस0टी0 काउंसिल में निहित है।

अमीनाबाद लखनऊ में बिजली के खम्भों में लगे विद्युत तारों के मकड़जाल को खत्म करने की कार्य योजना बनाने के सम्बन्ध में

18-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि 1 अप्रैल 2022 को गुइन रोड अमीनाबाद लखनऊ में बिजली के खम्भों से आग के कारण गुइन रोड अमीनाबाद में भीषण आग से भारी क्षति पहुंची है ? यदि हां, तो क्या सरकार अमीनाबाद क्षेत्र में बिजली के खम्भों में तारों के मकड़जाल के कारण आग की घटनाओं के दृष्टिगत बिजली के खम्भों में लगे विद्युत तारों में मकड़जाल को खत्म करने की प्रभावी कार्य योजना बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

गुइन रोड, अमीनाबाद में लगी आग विद्युत विभाग के तारों अथवा पोलों के कारण नहीं लगी थी।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या के निराकरण हेतु कार्य योजना बनाने के सम्बन्ध में

19-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या के निराकरण हेतु सरकार कोई प्रभावी कार्य योजना बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

लखनऊ क्षेत्र अन्तर्गत अवैध टैक्सी/आटो/बस स्टैण्ड पर पूर्ण रोकथाम लगाये जाने एवं यातायात को सुगम बनाए जाने हेतु 49 चिन्हित स्थलों का सर्वेक्षण परिवहन विभाग, यातायात पुलिस एवं नगर निगम लखनऊ द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, जिसमे 44 स्थलों पर बोर्डिंग-डीबोर्डिंग हेतु आटो/टैम्पो के स्थल चिन्हीकरण पश्चात् नगर निगम द्वारा स्थल मार्किंग का कार्य कराया जा रहा है।

चारबाग क्षेत्र में भी नत्था तिराहा एवं रविन्द्रालय पर बस स्टैण्ड एवं आटो स्टैण्ड का चिन्हीकरण किया गया है एवं मार्किंग की गयी है। इसके अतिरिक्त नगर निगम स्वामित्व के 07 सड़कों पर लेन मार्किंग का भी कार्य कराया गया है। लखनऊ क्षेत्र के अन्तर्गत यातायात

सम्बन्धित एवं नो पार्किंग के साइनेज बोर्ड लगाये गए हैं। लखनऊ क्षेत्र में लगने वाले जाम के दृष्टिगत शहर के 355 स्थानों से अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही भी की जाती हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ को वर्ष 2016 में स्मार्ट सिटी बनाने हेतु आवंटित धन के सापेक्ष पूर्ण कराये गये कार्य का विवरण

20-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ को वर्ष 2016 में स्मार्ट सिटी बनाने के प्रस्ताव के उपरान्त उक्त कार्य हेतु कितना धन आवंटन किया गया है ? क्या सरकार बतायेगी कि उक्त आवंटित धन के सापेक्ष कितना कार्य पूर्ण किया गया है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जनपद लखनऊ को वर्ष 2016 में स्मार्ट सिटी बनाने के प्रस्ताव के उपरान्त प्रोजेक्ट कार्यों हेतु प्रोजेक्ट मद में रु0 558.00 करोड़ तथा प्रशासनिक एवं कार्यालय व्यय (ए0एण्डओ0ई0) मद में रु0 30.00 करोड़, कुल रु0 588.00 करोड़ की धनराशि आवंटित की गयी है।

कुल आवंटित धनराशि रु0 588.00 करोड़ के सापेक्ष रु0 378.80 करोड़ के कार्य पूर्ण कर लिये गये हैं।

सूची संलग्न है।†

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में विगत दो वर्ष में घोषित राष्ट्रीय राजमार्ग तथा जिला मार्ग के सम्बन्ध में

21-श्री जगदीश नारायण-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विगत दो वर्ष में कितने मार्ग राष्ट्रीय राजमार्ग तथा कितने जिला मार्ग घोषित किए गए हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

उत्तर प्रदेश में विगत दो वर्ष में 1 राष्ट्रीय राजमार्ग एवं 57 प्रमुख जिला मार्ग घोषित किए गये हैं।

जी हां (प्रति संलग्न)†।

प्रश्न नहीं उठता।

---

† देखिये नत्थी 'घ' आगे पृष्ठ संख्या-297 पर

† देखिये नत्थी 'ङ' आगे पृष्ठ संख्या-298-303 पर

जनपद रायबरेली के ग्राम पंचायत ओसाह में विद्युतीकरण व पावर हाऊस का कार्य कराने विषयक

22-श्री श्याम सुन्दर-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रायबरेली के ग्राम पंचायत ओसाह वि0ख0 शिवगढ़ तहसील महराजगंज के अन्तर्गत खुली लाइन के स्थान पर ए. बी. सी. बन्च कन्डेक्टर, अविद्युतिकृत मजरों में विद्युतीकरण तथा ओसाह पावर हाऊस कपूरपुर फीडर के संचालन का कार्य सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जनपद रायबरेली के ग्राम पंचायत ओसाह वि0ख0 शिवगढ़ तहसील महराजगंज के अन्तर्गत खुली लाइनों के स्थान पर 2011 की जनगणना के अनुसार 1000 से अधिक आबादी के मजरों को चयनित कर एरियल बन्च कंडेक्टर लगाने का कार्य वर्तमान में सरकार द्वारा चलायी जा रही ए0डी0बी0 प्रोजेक्ट योजना के अन्तर्गत कराया जा रहा है एवं कार्य प्रगति पर है। उक्त कार्य को माह जुलाई, 2022 तक पूर्ण कराया जाना लक्षित है।

नवनिर्मित 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र ओसाह के अन्तर्गत वर्तमान में 02 नग 11 के0वी0 फीडर हसनपुर एवं गोविन्दपुर का परिचालन हो रहा है। तीसरे फीडर कपूरपुर का निर्माण कार्य चल रहा है। कपूरपुर फीडर से जोड़े जाने वाले गांवों के सर्वे का कार्य कराया जा रहा है। (जिनकी वर्तमान में विद्युत आपूर्ति 11 के0वी0 फीडर हसनपुर से संचालित है।) सर्वे का कार्य तथा फीडर के निर्माण का कार्य पूर्ण होने के उपरान्त सम्बन्धित गावों को कपूरपुर फीडर से जोड़ने का कार्य कराया जाना सम्भव है।

उक्त कार्य को माह जुलाई, 2022 तक पूर्ण कराया जाना लक्षित है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद रायबरेली के विकास खण्ड शिवगढ़ के ओसाह कस्बे के दोनों छोर पर पक्का नाला निर्माण विषयक

23-श्री श्याम सुन्दर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रायबरेली के अन्तर्गत वि0ख0 शिवगढ़, तहसील महराजगंज में ओसाह, तिलेण्डा मार्ग पर ओसाह कस्बे में दोनों छोर पर पक्का नाला एवं 1 किमी0 सी0सी0 रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत मार्ग अन्य जिला मार्ग श्रेणी का मार्ग है। मार्ग की कुल लम्बाई 16.00 किमी0 है। मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य, ओसाह कस्बे में दोनो छोर पर पक्का नाला

एवं 01 किमी0 में सी0सी0 रोड कार्य की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद प्रतापगढ़ के विधान सभा क्षेत्र रानीगंज में अतिभारित विद्युत ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि करने विषयक

24-श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद प्रतापगढ़ के विधान सभा क्षेत्र रानीगंज में कुल कितने विद्युत ट्रांसफार्मर स्थापित हैं तथा उनमें से कुल कितने ट्रांसफार्मर अतिभारित हैं ? क्या सरकार उक्त अतिभारित विद्युत ट्रांसफार्मरों की क्षमता वृद्धि करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जनपद-प्रतापगढ़ के विधान सभा क्षेत्र-रानीगंज में कुल 4011 विद्युत परिवर्तक स्थापित हैं तथा अतिभारिता का सर्वे नियमित रूप से कराया जाता है।

इस खण्ड के अन्तर्गत अतिभारित विद्युत परिवर्तकों की क्षमता वृद्धि करने हेतु इन्हें भारत सरकार की रिवैम्प्ड योजना में सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित है। योजना में कार्य प्रारम्भ होने पर प्राथमिकता पर इनकी क्षमता वृद्धि कराया जाना सम्भावित है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के हिमसिटी पार्ट-2 निकट बाबा हास्पिटल देवा रोड पर सड़क निर्माण विषयक

25-श्री राकेश प्रताप सिंह-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ में हिमसिटी पार्ट-2 निकट बाबा हास्पिटल देवा रोड शहीद भगत सिंह वार्ड में विनोद वर्मा के मकान नम्बर-301 के सामने की गली एवं श्रीमती सुशीला देवी राम कुटीर मकान नम्बर-633/एच0सी0-2/209 के घर के आगे आश नारायण के घर तक लम्बाई लगभग 300 मीटर तक की जर्जर सड़क को सी0सी0 या इण्टरलॉकिंग का कार्य 14वें वित्त में सम्मिलित करते हुए सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में अपर मुख्य सचिव, नगर विकास को सम्बोधित तत्कालीन मंत्री श्री सुरेश कुमार खन्ना का पत्र सं0-वी0आई0पी0-1578 म0वि0स0का0चि0शि0/2021, दिनांक 25-08-2021 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत मार्ग का निरीक्षण किया गया। निरीक्षणोपरान्त मार्ग कच्चा पाया गया है। उक्त कालोनी प्राइवेट कालोनाइजर्स/सोसायटीज द्वारा अनियोजित ढंग से बसायी गयी कालोनी है, जिसका कोई भी तलपट/भू-विन्यास मानचित्र विकास प्राधिकरण द्वारा स्वीकृत नहीं है। अनियोजित रूप से बसायी गयी कालोनी में किसी भी प्रकार का विकास कार्य कराये जाने का प्राथमिक दायित्व नगर निगम का नहीं है। प्रश्नगत क्षेत्र नगर निगम सीमा में है, को दृष्टिगत रखते हुए जनहित में समय-समय पर धन उपलब्धता के आधार पर विकास कार्य कराये जाते हैं।

प्रश्नगत स्थल पर वर्तमान समय में सड़क/नाली निर्माण हेतु धनराशि रु0 38.14 लाख का व्यय संभावित है।

प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपट लखनऊ में टूटी जर्जर सड़कों का नव निर्माण कराने विषयक

26-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ शहर की अधिकांश सड़कें जर्जर एवं टूटी हुई हैं तथा सड़कों में गड्ढे होने से जनता को आवागमन में परेशानी हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार लखनऊ शहर में टूटी हुई सड़कों को चिन्हित कर उनका नव निर्माण विशेष पैकेज के अन्तर्गत करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

लखनऊ नगर निगम द्वारा अपने स्वामित्व के मार्गों में से 325.00 किमी0 लम्बाई में पैच मरम्मत का कार्य एवं 232.00 किमी0 लम्बाई में रेस्टोरेशन/पुनर्निर्माण का कार्य कराते हुये मार्गों का सुदृढ़ीकरण कराया गया है। अन्य क्षतिग्रस्त मार्गों का सुधार वित्तीय संसाधन उपलब्ध होने पर कराया जायेगा।

लखनऊ में 7 मीटर या इससे अधिक चौड़े मेटल पोर्शन वाले अधिकांश मार्गों का स्वामित्व लोक निर्माण विभाग के पास है एवं लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित की जा रही आवासीय परियोजनाएं, जो नगर निगम को हस्तगत नहीं हैं, में स्थित मार्गों का स्वामित्व लखनऊ विकास प्राधिकरण के पास है। जिनके सामान्य रख-रखाव की जिम्मेदारी सम्बन्धित विभाग की है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के फैजुल्लागंज में गोमती नदी के ऊपर पक्के पुल का निर्माण कराने विषयक

27-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ शहर में गोमती नदी के ऊपर फैजुल्लागंज और पुराने लखनऊ को जोड़ने वाला पीपे का पुल बरसात में खुल जाने के कारण उक्त क्षेत्र में आवागमन में पेरशानी होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्र में पीपे वाले पुल के स्थान पर पक्के पुल का निर्माण करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी नहीं। प्रस्तावित सेतु के अप स्ट्रीम में लगभग 3.50 किलोमीटर की दूरी पर गोमती नदी सेतु घैलाघाट एवं डाउन स्ट्रीम में लगभग 1.5 किलोमीटर की दूरी पर गोमती नदी सेतु इमामबाड़ा खदरा (नवीन पक्का पुल) निर्मित है।

अतः प्रश्नगत स्थल पर सेतु निर्माण लोक निर्माण विभाग की प्रचलित व्यवस्था से आच्छादित नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपर्युक्तानुसार।

लखनऊ नगर में कैसरबाग बस स्टैंड से सिटी स्टेशन होकर मेडिकल कालेज तक जाने वाली सड़क का नव निर्माण कराने विषयक

28-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ नगर में कैसरबाग बस स्टैंड से सिटी स्टेशन होकर मेडिकल कालेज तक जाने वाली सड़क जर्जर होने से दुर्घटनाएं हो रही हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्ग का नव निर्माण करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

सीवर लाइन डालने के कारण क्षतिग्रस्त हुई प्रश्नगत सड़क की मरम्मत का कार्य जल निगम द्वारा कराया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

29-श्री उमाशंकर सिंह-

[विस्तीर्णता के आधार पर निरस्त]

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सरेनी नेशनल हाई-वे संख्या-232 पर फतेहपुर से लालगंज बाईपास पर निर्मित पुल विषयक

30-श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सरेनी नेशनल हाई-वे संख्या-232 पर फतेहपुर से लालगंज बाईपास पर निर्मित पुल क्षतिग्रस्त है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त पुल की मरम्मत कराकर दोषियों के विरूद्ध दण्डनात्मक कार्यवाही करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

लालगंज बाईपास में निर्मित रेलवे उपरिगामी सेतु (आर0ओ0बी0) मई, 2019 में क्षतिग्रस्त हो गया था। निरीक्षणोपरान्त, उक्त सेतु का पुनः निर्माण कराने का निर्णय लिया गया। रेलवे (एनसीआर प्रयागराज) द्वारा अभी विगत सप्ताह में ही डिजाइन व ड्राइंग की स्वीकृति प्रदान की गयी है। पुनः निर्माण का कार्य तदनुसार शीघ्र आरम्भ कराया जायेगा। उक्त पुल के क्षतिग्रस्त होने के कारणों की जांच अभी पूरी नहीं हुई है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता है।

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सरेनी के अन्तर्गत लालगंज रायबरेली स्टेट हाई-वे तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 232 पर अधिष्ठापित टोल प्लाजा पर टोल टैक्स स्थगित करने विषयक

31-श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सरेनी के अन्तर्गत लालगंज रायबरेली स्टेट हाई-वे तथा राष्ट्रीय राजमार्ग 232 पर बाईपास पुल क्षतिग्रस्त होने पर भी उक्त मार्ग पर अधिष्ठापित टोल प्लाजा पर टोल टैक्स लिया जा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्ग पर बाईपास पुल क्षतिग्रस्त होने की स्थिति में उक्त मार्ग का टोल टैक्स स्थगित करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सरेनी के अन्तर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-232 पर लालगंज बाईपास पर अवस्थित रेलवे उपरिगामी सेतु (आर0ओ0बी0) मई, 2019 में क्षतिग्रस्त हो गया था। यातायात की सुरक्षा की दृष्टिकोण से उक्त आर0ओ0बी0 एवं लालगंज बाईपास पर वाहनों का आवागमन तात्कालिक प्रभाव से बन्द कर दिया गया था। साथ ही, लालगंज बाईपास सड़क स्ट्रेच का प्रयोक्ता शुल्क भी उक्त मार्ग पर अवस्थित ऐहार टोल प्लाजा पर लागू दर से घटा दिया गया था, यानि उक्त लालगंज बाईपास का प्रयोक्ता शुल्क प्राधिकरण द्वारा जून, 2019 से नहीं लिया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा के ग्राम सभा मोतीपुर से तुलसीरामपुरवा स्कूल से नयापुरवा गांव तक रोड तथा पुल निर्माण विषयक

32-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा के ग्राम सभा मोतीपुर से तुलसीरामपुरवा स्कूल से नयापुरवा गांव तक 02 किलोमीटर रोड तथा उक्त मार्ग पर 20 मीटर लम्बे पुल का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्नगत तुलसीरामपुरवा स्कूल एवं नयापुरवा पूर्व से लेपित मार्ग से जुड़े हैं तथा तुलसीरामपुरवा स्कूल से नयापुरवा के बीच पुलिया पूर्व से निर्मित है।

जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा के ग्राम सभा लक्ष्मनपुर मटेही में रोड तथा पुल निर्माण विषयक

33-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा के ग्राम सभा लक्ष्मनपुर मटेही के मजरा खटकनपुरवा से कुनईपुरवा तक 01 किलोमीटर रोड तथा उक्त पर 20 मीटर पुल का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत ग्राम सभा लक्ष्मनपुर मटेही पूर्व से लेपित मार्ग से जुड़ा है तथा वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार मजरा खटकनपुरवा की आबादी 43 एवं मजरा कुनईपुरवा की आबादी 60 है, जोकि लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित सम्पर्क मार्ग निर्माण हेतु मानक आबादी 250 से कम है। अतः प्रस्तावित मार्ग एवं पुल का निर्माण लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित सम्पर्क मार्ग निर्माण/पुल निर्माण व्यवस्था से आच्छादित नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा के ग्राम सभा रायबोझा में रोड निर्माण विषयक

34-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा के ग्राम सभा रायबोझा में धर्मकांटा से परगहवा तक 04 किलोमीटर रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत ग्राम सभा रायबोझा में धर्मकांटा से परगहवा पूर्व से लेपित मार्ग से जुड़ा है। वर्तमान में रायबोझा धर्मकांटा से चिकनिया चौराहा तक विशेष मरम्मत का कार्य प्रगति पर है तथा चिकनिया चौराहे से परगहवा तक मार्ग वर्तमान में पैचलेस है एवं सुगम यातायात हेतु उपलब्ध है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद बहराइच के ब्लाक बलहा के ग्राम सभा महेशपुर बेलहन में रोड निर्माण विषयक

35-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक बलहा के ग्राम सभा महेशपुर बेलहन में मुरारी के घर से बकहा तक 2.5 किलोमीटर रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत ग्राम सभा महेशपुर बेलहन में मुरारी का घर एवं बकहा (बरूहा) पूर्व से लेपित मार्ग से जुड़े हैं। वर्तमान में डबल कनेक्टिविटी प्रदान करने की कोई योजना लोक निर्माण विभाग में प्रचलित नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद बहराइच के ब्लाक बलहा के ग्राम सभा महेशपुर बेलहन में रोड निर्माण विषयक

36-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक बलहा के ग्राम सभा महेशपुर बेलहन में मुरारी के घर से समैसा सम्पर्क मार्ग तक 1.5 किलोमीटर रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत ग्राम सभा महेशपुर बेलहन में मुरारी का घर एवं समैसा सम्पर्क मार्ग पूर्व से लेपित मार्ग से जुड़े हैं। वर्तमान में डबल कनेक्टिविटी प्रदान करने की कोई योजना लोक निर्माण विभाग में प्रचलित नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद रायबरेली में महराजगंज से इन्हौना तक मार्ग निर्माण विषयक

37-श्री श्याम सुन्दर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रायबरेली में महराजगंज से इन्हौना मार्ग तक के निर्माण हेतु शासन से धनराशि अवमुक्त है ? यदि हां, तो उक्त मार्ग का निर्माण सरकार कब तक आरम्भ करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी नहीं। प्रश्नगत मार्ग अन्य जिला मार्ग श्रेणी का मार्ग है, उक्त मार्ग के किमी0 1 से 17 में सुदृढ़ीकरण के कार्य की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

प्रदेश में ऐतिहासिक भवनों के अनुरक्षण एवं पुनर्निर्माण विषयक

38-श्री रवि शर्मा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में ऐतिहासिक भवनों के अनुरक्षण की कोई नीति है ? यदि हां, तो क्या सरकार बताएगी कि जनपद झांसी में स्थित विभिन्न ऐतिहासिक प्रवेश द्वार यथा दतिया गेट, उन्नाव गेट, ओरछा गेट, बड़ागाँव गेट, लक्ष्मी गेट, सागर गेट, भाण्डरी गेट, झरना गेट देखभाल के अभाव में धसक कर अपने अस्तित्व की समाप्ति की ओर है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त प्रवेश द्वारों के पुनर्निर्माण एवं अनुरक्षण की कार्य योजना बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

धरोहर स्थलों के संरक्षण हेतु आवास एवं शहरी नियोजन अनुभाग-3 की अधिसूचना दिनांक 20 जनवरी, 2016 द्वारा उपविधि बनायी गयी है।

उक्त सभी गेट जर्जर अवस्था में हैं।

झांसी स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा दतिया गेट, उन्नाव गेट, ओरछा गेट, बड़ागाँव गेट, लक्ष्मी गेट, सागर गेट, भाण्डेरी गेट एवं झरना गेट के संरक्षण के कार्य हेतु निविदा कार्यवाही पूर्ण कर चयनित एजेंसी को एल0ओ0ए0 निर्गत कर दिया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद झाँसी में डिवीजन जल संस्थान झाँसी द्वारा कराये गये कार्यों के बिल भुगतान विषयक

39-श्री रवि शर्मा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झाँसी में डिवीजन जल संस्थान झाँसी द्वारा कराये गये कार्यों के बिल भुगतान हेतु लम्बित हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त बिलों के भुगतान की कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

धन की उपलब्धता एवं कार्य की गुणवत्ता के आधार पर भुगतान किया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

40-श्रीमती पूजा पाल-

[02-मंगलवार के अतारांकित प्र0 सं0-128 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद लखनऊ के ऐतिहासिक प्राचीन लक्ष्मण टीला व वहाँ स्थित मन्दिर विषयक

41-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ का ऐतिहासिक प्राचीन लक्ष्मण टीला व वहाँ स्थित मन्दिर का सौन्दर्यीकरण व विकास कार्य सरकार करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

लखनऊ का ऐतिहासिक प्राचीन लक्ष्मण टीला व वहाँ स्थित मन्दिर का सौन्दर्यीकरण व विकास कार्य की कोई योजना वर्तमान में प्रस्तावित नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद लखनऊ के अहिबरनपुर क्षेत्र में सीतापुर रोड स्थित प्राचीन हाथी बाबा मन्दिर के बगल में जल निकासी विषयक

42-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ के अहिबरनपुर क्षेत्र में सीतापुर रोड स्थित प्राचीन हाथी बाबा मन्दिर के बगल में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से जलभराव की स्थिति रहती है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्र में जलभराव की समस्या का निराकरण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

सीतापुर रोड प्राचीन हाथी बाबा मन्दिर के तरफ की जल निकासी एन0एच0 स्थित पुलिया के माध्यम से दूसरे तरफ स्थित नाले में होती है। अत्याधिक वर्षा होने पर वहां स्थित दो-तीन मकानों का लेबल सड़क के सामान्य स्तर से नीचे होने के कारण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

जल निकासी हेतु बने नाले का प्रत्येक वर्ष मानसून सत्र के पूर्व साफ-सफाई का कार्य कराया जाता है, जिससे जलभराव की समस्या का निराकरण हो जाता है।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मानसून आने के पूर्व नाले की सफाई का कार्य कराया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

लखनऊ शहर के डालीगंज पुल के निकट स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पद्म श्री पं0 वचनेश त्रिपाठी की प्रतिमा के सम्बन्ध में

43-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ शहर के डालीगंज पुल के निकट में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पद्मश्री पं0 वचनेश त्रिपाठी की स्मृति में नगर निगम द्वारा वाटिका निर्माण कर उनकी प्रतिमा स्थापित की गयी है तथा नगर निगम द्वारा प्रतिवर्ष उनकी जयन्ती/पुण्यतिथि पर सरकारी आयोजन का प्राविधान किया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार के संज्ञान में है कि विगत दो वर्ष से वचनेश स्मृति वाटिका से उनकी प्रतिमा गायब है तथा कोई आयोजन भी नहीं किया जा रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

नगर निगम, लखनऊ द्वारा लखनऊ शहर के डालीगंज पुल के निकट में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पदमश्री पं0 वचनेश त्रिपाठी की स्मृति में वाटिका निर्माण कर उनकी प्रतिमा स्थापित की गयी थी। वर्तमान में उक्त स्थल पर कोई मूर्ति स्थापित नहीं है तथा वहां कोई आयोजन भी नहीं किया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

जी हाँ।

उक्त की जाँच एवं दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही हेतु प्रकरण पुलिस विभाग को सन्दर्भित है।

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ शहर के नालों की सफाई विषयक

44-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ शहर में नालों की सफाई न होने के कारण बरसात में नालों के पानी के जल जमाव से लोग प्रभावित होते हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार नालों की तली तक की सफाई कराकर उसे ढकने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

नगर निगम स्वामित्व के सभी नालों की तली तक सफाई प्रतिवर्ष वर्षाकाल से पूर्व नगर निगम, लखनऊ द्वारा की जाती है तथा सफाई उपरान्त कवर्ड नालों को स्लैब से ढकवा दिया जाता है। अतिवृष्टि की दशा में कुछ स्थानों पर जलभराव होने पर तत्काल वहां जल निकासी

की समुचित व्यवस्था की जाती है। प्रश्नगत कार्य एक सतत् प्रक्रिया है। इस वर्ष यह कार्य युद्ध स्तर पर चलाया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के ब्लाक बलहा की ग्राम सभा दौलतपुर में रोड निर्माण विषयक

45-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक बलहा की ग्राम सभा दौलतपुर में चौराहे से नसरूल कबड़िया तक 400 मी0 तथा जरुल्ली से बरूहीपुरा होते हुए नकुहवापुरवा तक 200 मीटर रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत ग्राम सभा दौलतपुर में चौराहे से नसरूल (नजरू) कबड़िया के घर की वास्तविक दूरी 0.400 किमी0 एवं जरुल्ली बेली तक लम्बाई 3.00 किमी0 है, जोकि पूर्व से दौलतपुर लेपित सम्पर्क मार्ग से जुड़े हैं तथा जरुल्ली बेली से बरूहीपुरा होते हुये नकुहवापुरवा तक मार्ग की वास्तविक लम्बाई 2.00 किमी0 है, जिसमें 0.900 किमी0 खड़न्जा स्तर का एवं 1.100 किमी0 कच्चा मार्ग है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार बरूहीपुरा की आबादी 118 एवं नकुहवापुरवा की आबादी 237 है, जोकि लोक निर्माण विभाग की वर्तमान सम्पर्क मार्ग निर्माण हेतु मानक आबादी 250 से कम होने के कारण वर्तमान सम्पर्क मार्ग निर्माण नीति से आच्छादित नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा की ग्राम सभा गुरगुट्टा में रोड निर्माण विषयक

46-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा की ग्राम सभा गुरगुट्टा में अमवा अस्पताल से गुरगुट्टा तक 03 किमी0 रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत ग्राम सभा गुरगुट्टा एवं अमवा अस्पताल पूर्व से लेपित मार्ग से जुड़े हैं। वर्तमान में डबल कनेक्टिविटी प्रदान करने की कोई योजना लोक निर्माण विभाग में प्रचलित नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा में रोड निर्माण विषयक

47-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा में एल0डी0आर0डी0 स्कूल से सर्रा पिच तक 02 किमी0 रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत एल0डी0आर0डी0 स्कूल, मिहीपुरवा गोपिया, पड़रिया, मटेही कला मार्ग के किमी0 13 में स्थित है। एल0डी0आर0डी0 स्कूल एवं सर्रा पिच रोड पूर्व से एकल लेपित मार्ग से जुड़े हैं। वर्तमान में डबल कनेक्टिविटी प्रदान करने की कोई योजना लोक निर्माण विभाग में प्रचलित नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

प्रदेश में 250 से ऊपर आबादी वाले राजस्व ग्रामों/मजरों को पक्की सड़कों से जोड़े जाने विषयक

48-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में 250 से ऊपर आबादी वाले राजस्व ग्रामों/मजरों को पक्की सड़कों से जोड़े जाने की सरकार की योजना है ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बलहा के उक्त श्रेणी के सभी ग्रामों को पक्की सड़कों से जोड़ दिया गया है ? यदि नहीं, तो क्या सरकार उक्त ग्रामों/मजरों को चिन्हित कर पक्की सड़कों से जोड़ेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हाँ।

जी नहीं।

जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बलहा के 250 से ऊपर आबादी के सभी राजस्व ग्रामों/मजरों को चिन्हित कर वर्ष 2022-23 की कार्य योजना में सम्मिलित कर लिया गया है। ग्रामों को पक्के सम्पर्क मार्ग से जोड़ा जाना वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ की जानकीपुरम कालोनी के सेक्टर-एच के सम्बन्ध में

49-श्री वीरेन्द्र यादव-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ की जानकीपुरम कालोनी के सेक्टर-एच का हस्तानान्तरण नगर निगम को कर दिया गया है ? यदि

हां, तो क्या सरकार पूर्व में कराये गये विकास कार्य तथा हस्तानान्तरण से सम्बन्धित विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हाँ। विकास कार्य एवं हस्तानान्तरण से सम्बन्धित प्रमाण-पत्र की प्रति संलग्न है।[†] उपरोक्तानुसार।

जनपद मुरादाबाद में तहसील मुख्यालय बिलारी में उपनिबन्धक कार्यालय के सम्बन्ध में

50-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद में तहसील मुख्यालय बिलारी में उपनिबन्धक कार्यालय को शासनादेश के अनुसार कोषागार के निकट स्थापित सरकार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री रवीन्द्र जायसवाल-

सूचना एकत्र की जा रही है।

वीनस शुगर मिल चन्दौसी, जिला-सम्भल पर गन्ना किसानों का अन्तर गन्ना मूल्य तथा सहकारी गन्ना विकास समिति लि0 बिलारी, जिला-मुरादाबाद द्वारा जुलाई, 2006 में वीनस शुगर मिल द्वारा किसानों से जमा कराई गई उक्त अवधि की तौल पर्चियों का ब्याज सहित भुगतान के सम्बन्ध में

51-श्री मौहम्मद फहीम इरफान-

क्या गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि वीनस शुगर मिल चन्दौसी, जिला-सम्भल पर गन्ना किसानों का गन्ना सत्र 2002-03 व 2003-04 का कितना अन्तर गन्ना मूल्य बकाया है ? क्या सहकारी गन्ना विकास समिति लि0, बिलारी, जिला-मुरादाबाद द्वारा जुलाई, 2006 में वीनस शुगर मिल द्वारा किसानों से जमा कराई गई उक्त अवधि की तौल पर्चियों का किसी निश्चित समयावधि में ब्याज सहित भुगतान सरकार कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री (श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी)-

वीनस शुगर मि लि0 मझावली, जिला-सम्भल पर पेराई सत्र 2002-03 में रु0 303.91 लाख अन्तर गन्ना मूल्य बकाया है। पेराई सत्र 2003-04 का कोई अन्तर गन्ना मूल्य बकाया नहीं है।

जुलाई, 2006 में सहकारी गन्ना विकास समिति लि0, बिलारी, जिला-मुरादाबाद में गन्ना कृषकों द्वारा पेराई सत्र 2002-03 की 19,255 पर्चियां, वजन 5,06,528.28 कुन्तल जमा की गई, जिनमें से 9,163 पर्चियां, वजन 2,62,305.54 कुन्तल का भुगतान हो चुका है तथा

[†] देखिये नत्थी 'च' आगे पृष्ठ संख्या-304-305 पर

10,092 पर्चियां, वजन 2,44,222.74 कुन्तल भुगतान हेतु अवशेष है। पेराई सत्र 2002-03 के बकाया अन्तर गन्ना मूल्य की ब्याज सहित वसूली के सम्बन्ध में निर्गत वसूली प्रमाण-पत्र के क्रम में तहसीलदार, चन्दौसी, जिला-सम्भल के स्तर पर कार्यवाही गतिमान है।

उपरोक्तानसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सरेनी में ए0बी0सी0 केबिल लगाने विषयक

52-श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सरेनी में ढीले व जर्जर विद्युत तारों को बदल कर नये तार अथवा ए0बी0सी0 केबिल लगाने की सरकार की योजना है ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

सरेनी विधान सभा क्षेत्र में ए0डी0बी0 योजना में वर्ष 2011 की जनगणनानुसार 1000 से अधिक आबादी वाले मजरों में कुल 31 मजरे प्रस्तावित थे, जिसमें 15 मजरों में जर्जर विद्युत तारों को ए0बी0सी0 में बदला जा चुका है। शेष 16 नग मजरों में कार्य प्रगति पर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ में मड़ियांव थाना के निकट सड़क पर डिवाइडर व्यवस्था के सम्बन्ध में

53-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ में मड़ियांव थाना के निकट सड़क पर डिवाइडर व्यवस्था दुरुस्त नहीं होने के कारण प्रायः जाम की समस्या से जनता को आवागमन में असुविधा होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त समस्या का स्थायी समाधान करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत समस्या के निवारण हेतु अधिशासी अभियता, प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा उपायुक्त (यातायात), लखनऊ से संयुक्त निरीक्षण किये जाने का अनुरोध किया गया है। संयुक्त निरीक्षण आख्या प्राप्त होने के उपरान्त अग्रेतर कार्यवाही की जायेगी।

जनपद लखनऊ में सीतापुर रोड से पुरनिया बन्धे की ओर जाने वाले मोड़ पर डिवाइडर कट को बन्द करने के सम्बन्ध में

54-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ में सीतापुर रोड से पुरनिया बन्धे की ओर जाने वाले मोड़ पर डिवाडर कट के कारण जाम की समस्या से जनता को

आवागमन में असुविधा होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार मोड़ पर स्थित डिवाइडर कट को बन्द करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत समस्या के निवारण हेतु अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा उपायुक्त (यातायात), लखनऊ से संयुक्त निरीक्षण किये जाने का अनुरोध किया गया है। संयुक्त निरीक्षण आख्या प्राप्त होने के उपरान्त अग्रेतर कार्यवाही की जायेगी।

जनपद अयोध्या के लोक निर्माण विभाग, प्रान्तीय खण्ड एवं निर्माण खण्ड-2 के अन्तर्गत मार्ग का निर्माण मानक के विपरीत कर सरकारी धन के अपव्यय के सम्बन्ध में

55-श्री अमित सिंह चौहान-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का दिनांक 05 अप्रैल 2022 का मुख्य मंत्री को सम्बोधित पत्र जो जनपद अयोध्या के लोक निर्माण विभाग, प्रान्तीय खण्ड एवं निर्माण खण्ड-2 के अन्तर्गत विभिन्न 23 सम्पर्क मार्ग का निर्माण मानक के विपरीत कर सरकारी धन का अपव्यय की टी0ए0सी0 अथवा उच्च स्तरीय जाँच कराकर दोषियों के विरूद्ध कार्यवाही किये जाने विषयक है, प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हाँ।

अधीक्षण अभियन्ता की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय जाँच संस्थित है।

प्रश्न नहीं उठता।

कार्यदायी संस्था की जांच सम्बन्धी प्रश्नकर्ता के पत्र दिनांक 05 अप्रैल, 2022 तथा 04 अप्रैल, 2022 के पत्र पर कार्यवाही की जानकारी

56-श्री अमित सिंह चौहान-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता के दिनांक 05 अप्रैल, 2022 तथा 04 अप्रैल, 2022 के पत्र क्रमशः मुख्य मंत्री व जिलाधिकारी, फैजाबाद को सम्बोधित हैं तथा जनपद अयोध्या के विधान सभा क्षेत्र बीकापुर के अन्तर्गत विकास खण्ड सोहावल में महोली, बड़ागाँव, ड्योढ़ी 16 किमी0 पर चौड़ीकरण एवं उच्चीकरण हेतु निर्माण खण्ड-2 लो0नि0वि0, अयोध्या द्वारा कार्यदायी संस्था को 20 करोड़ रुपये का आवंटन तथा कार्यदायी संस्था द्वारा गुणवत्ता विहीन तथा मानक के विपरीत कार्य की जांच किये जाने विषयक है, प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हाँ।

अधीक्षण अभियन्ता की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय जाँच संस्थित है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में उ0प्र0 भूमि विकास बैंक के बकायेदारों से ऋण वसूली के सम्बन्ध में

57-श्रीमती पूजा पाल-

क्या सहकारिता मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में उ0प्र0 भूमि विकास बैंक के बकायेदारों से ऋण वसूली हेतु विद्युत विभाग की तर्ज पर ऋण समाधान योजना लागू करने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर)-

जी नहीं।

उत्तर प्रदेश सहकारी ग्राम विकास बैंक लिमिटेड (भूमि विकास बैंक) में दिनांक 10-06-2021 को एक मुश्त समाधान योजना-2021 दिनांक 31-03-2022 तक के लिए लागू की गयी थी, जिसे पुनः दिनांक 26-04-2022 से दिनांक 30-09-2022 तक के लिए विस्तारित किया गया है।

उ0प्र0 शासन द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों के अनुसार बैंक में एकमुश्त समाधान योजना-2021 का क्रियान्वयन हो रहा है।

अतः विद्युत विभाग की तर्ज पर बैंक में "एकमुश्त समाधान योजना" लागू किये जाने का कोई औचित्य नहीं है।

जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा के अन्तर्गत ग्राम सभा झाला से सियापुरवा सम्बन्ध मार्ग तक रोड निर्माण के सम्बन्ध में

58-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा के अन्तर्गत ग्राम सभा झाला से सियापुरवा सम्पर्क मार्ग तक 03 किमी0 रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत ग्राम सभा झाला एवं सियापुरवा पूर्व से लेपित मार्ग से जुड़े हैं। वर्तमान में डबल कनेक्टिविटी प्रदान करने की कोई योजना लोक निर्माण विभाग में प्रचलित नहीं होने के कारण प्रश्नगत मार्ग वर्तमान प्रचलित सम्पर्क मार्ग निर्माण नीति से आच्छादित नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा, ग्राम सभा करमोना से साहूपुरवा में काली मंदिर से चमरूशाह के घर तक रोड का निर्माण के सम्बन्ध में

59-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा, ग्राम सभा करमोना से साहूपुरवा में काली मंदिर से चमरूशाह के घर तक 07 मीटर रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत ग्राम सभा करमोहना पूर्व से लेपित मार्ग से जुड़ा है तथा साहूपुरवा मजरे की आबादी वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार 66 है, जोकि लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित सम्पर्क मार्ग निर्माण हेतु मानक आबादी 250 से कम है। अतः लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित सम्पर्क मार्ग निर्माण नीति से आच्छादित नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा की ग्राम सभा ककरहा से मिरजवा मंदिर तक रोड निर्माण के सम्बन्ध में

60-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा की ग्राम सभा ककरहा से मिरजवा मंदिर तक 03 किमी0 रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत धार्मिक स्थल को ग्राम सभा ककरहा को जाने वाले सम्पर्क मार्ग से जोड़ने हेतु 1.5 किमी0 मार्ग निर्माण की अनुमानित लागत रु0 118.75 लाख है, जिसकी स्वीकृति उक्त कार्य के कार्य योजना में अनुमोदित होने एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

जनपद बहराइच के ब्लाक बलहा की ग्राम सभा गुरगुट्टा में चौकी से रमेश सोनकर के घर तक रोड निर्माण के सम्बन्ध में

61-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक बलहा की ग्राम सभा गुरगुट्टा में चौकी से रमेश सोनकर के घर तक 500 मी0 रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

सूचना एकत्र की जा रही है।

जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र बिलारी के अन्तर्गत रुस्तमनगर सहसपुर से ग्राम थांवला हेतु नव निर्मित सम्पर्क मार्ग/सी0सी0 रोड के दोनों किनारों को जनहित में चलने लायक बनाने के सम्बन्ध में

62-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र बिलारी के अन्तर्गत रुस्तमनगर सहसपुर से ग्राम थांवला हेतु नव निर्मित सम्पर्क मार्ग/सी0सी0 रोड के दोनों किनारों को जनहित में चलने लायक बनाने की कोई कार्य योजना सरकार बनाएगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हाँ। प्रश्नगत मार्ग एन0एच0-509 से नसीरपुर धन्ना सम्पर्क मार्ग का भाग है, जिसकी स्वीकृति विशेष मरम्मत योजनान्तर्गत प्रदान की जा चुकी है। रुस्तमनगर सहसपुर की आबादी भाग में सी0सी0 के दोनों ओर पटरी पर मिट्टी का कार्य प्रगति पर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद झाँसी मे नगर पालिका, झांसी को नगर निगम, झांसी घोषित करने के उपरान्त हुए सीमा विस्तार एवं जनसंख्या वृद्धि के दृष्टिगत सफाई कर्मचारियो के पद सृजित कर नियुक्ति के सम्बन्ध में

63-श्री रवि शर्मा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झाँसी में नगर विकास अनुभाग-7 की अधिसूचना संख्या-5092, 19-7-2001, 6-ज-12000, दिनांक 07-02-2002 द्वारा नगर पालिका परिषद्, झाँसी को नगर निगम, झाँसी घोषित किया गया, किन्तु सीमा विस्तार एवं जनसंख्या वृद्धि के उपरान्त भी सफाई व्यवस्था में संलग्न सफाई कर्मचारियों के स्वीकृत पद नगर पालिका परिषद् के ही हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार झाँसी नगर निगम में स्थानीय निकायों में हेल्थ मैनुअल के अनुसार सफाई कर्मचारियों के पद सृजित कर नियुक्ति पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

किन्तु हेल्थ मैनुअल एवं झांसी नगर निगम में निवासित जनसंख्या (वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 06.00 लाख) को दृष्टिगत रखते हुए सफाई व्यवस्था में स्वीकृत पदों के साथ-साथ संविदा/आउटसोर्स के आधार पर भी सफाई कर्मचारी सम्बद्ध किये गये, जिनकी कुल संख्या 1635 है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद अयोध्या के तहसील रुदौली, ग्राम फेलसण्डा में संचालित ब्रिक फील्ड के सम्बन्ध में

64-श्री अमित सिंह चौहान-

क्या पर्यावरण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 05 अप्रैल, 2022 जो मुख्य मंत्री को सम्बोधित है तथा जनपद अयोध्या के तहसील रुदौली ग्राम फेलसण्डा में बिना प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनापत्ति प्रमाण-पत्र के अवैध रूप से संचालित ब्रिक फील्ड के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने विषयक है, प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (डॉ0 अरूण कुमार)–

सन्दर्भित पत्र दिनांक 05-04-2022 आई0जी0आर0एस0 पोर्टल पर प्राप्त हुआ है।

जनपद-अयोध्या के तहसील-रुदौली, ग्राम फेलसण्डा में उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से अनापत्ति प्रमाण-पत्र/सहमति प्राप्त कर स्थापित ईंट भट्ठे का जिग-जैग में परिवर्तन दूसरे गाटा संख्या पर स्थापित किये जाने के दृष्टिगत क्षेत्रीय अधिकारी, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, अयोध्या द्वारा दिनांक 29-04-2022 को सहमति वायु रिवोक किये जाने के कारण कार्यालय, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ के पत्र दिनांक 13-05-2022 द्वारा बन्दी हेतु "कारण बताओ नोटिस" जारी किया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

दि किसान सहकारी चीनी मिल लिमिटेड सठियांव, जनपद आजमगढ़ द्वारा पेराई सत्र 2021-22 के भुगतान के सम्बन्ध में

65-श्री अखिलेश-

क्या मन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि दि किसान सहकारी चीनी मिल लिमिटेड सठियांव, जनपद आजमगढ़ द्वारा पेराई सत्र 2021-22 में कुल 24.13 लाख कुन्तल गन्ने की पेराई की गयी है ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि उक्त के सापेक्ष कितना भुगतान किया गया है ? क्या सरकार को जानकारी है कि भुगतान के बाद भी वर्तमान में 51.84 करोड़ रुपया किसानों का उक्त मिल पर बकाया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त गन्ना बकाया धनराशि का भुगतान करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी-

दि किसान सहकारी चीनी मिल लि0 सठियांव, जनपद आजमगढ़ द्वारा पेराई सत्र 2021-22 में कुल 24.13 लाख कुन्तल गन्ने की पेराई की गयी है। कुल पेरे गये गन्ने हेतु देय कुल गन्ना मूल्य रु0 82.85 करोड़ के सापेक्ष रु0 42.13 करोड़ का भुगतान कृषकों को किया गया है। रु0 40.72 करोड़ गन्ना मूल्य बकाया है। उक्त चीनी मिल निकट भविष्य में

रु0 14.60 करोड़ (एथनाल बिक्री से प्राप्तव्य धनराशि रु0 11.60 करोड़, चीनी बिक्री के उपरान्त प्राप्तव्य धनराशि रु0 1.20 करोड़ एवं बैगास बिक्री से प्राप्तव्य धनराशि रु0 1.80 करोड़) का भुगतान अपने संसाधनों से करेगी। उक्त भुगतान के पश्चात् अवशेष गन्ना मूल्य रु0 26.12 करोड़ का भुगतान आगामी पेराई सत्र में उत्पादित चीनी के बैंक में बन्धक उपरान्त सृजित आहरण क्षमता (डी.पी.) से किया जा सकेगा।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

दि किसान सहकारी चीनी मिल लिमिटेड, सठियांव, जनपद आजमगढ़ पर पेराई सत्र 2019-20 का 175 किसानों के बकाया गन्ना मूल्य विषयक

66-श्री अखिलेश-

क्या गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि दि किसान सहकारी चीनी मिल लिमिटेड, सठियांव, जनपद आजमगढ़ पर पेराई सत्र 2019-20 का 175 किसानों का रुपया 49.13 लाख गन्ना मूल्य बकाया है ? यदि हां, तो उक्त के क्या कारण हैं ? क्या सरकार उक्त कारणों का निराकरण कराकर भुगतान करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी-

जी हाँ।

दि किसान सहकारी चीनी मिल लि0 सठियाँव, जनपद-आजमगढ़ के 142 कृषकों का रु0 47.09 लाख गन्ना मूल्य भुगतान उनके भू-स्वामी किसान होने विषयक भू-राजस्व अभिलेख उपलब्ध न कराये जाने के कारण पेण्डिंग इन्क्वायरी हेतु रोका गया है। जांच में ये कृषक भूमिहीन पाये गये हैं। ऐसे कृषकों को अपना भू-अभिलेख चीनी मिल को प्रस्तुत करने हेतु नोटिस भी जारी की गयी। उक्त के बावजूद इनके द्वारा अपने भू-स्वामी किसान होने की पुष्टि में भू-राजस्व अभिलेख/खतौनी मिल समिति को उपलब्ध नहीं करायी जा सकी है। प्रवृत्त नियमों के अनुसार कोई भी कृषक भू-स्वामी होने एवं अपनी भूमि पर गन्ना उत्पादन करने पर ही चीनी मिल समिति का नियमानुसार सदस्य बन सकता है। जांच में इन कृषकों द्वारा कूटरचित अभिलेखों के आधार पर चीनी मिल समिति सठियांव की सदस्यता ग्रहण किया जाना पाया गया है।

उत्तर प्रदेश गन्ना (पूर्ति तथा खरीद विनियमन) नियमावली, 1954 के नियम-46 में निर्धारित व्यवस्था के अनुरूप उक्त कृषकों के विवादित गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में न्यायालय उप जिलाधिकारी, तहसील सदर, जनपद-आजमगढ़ द्वारा पारित निर्णय एवं आदेश के उपरान्त ही बकाया गन्ना मूल्य भुगतान के सम्बन्ध में अग्रेतर कार्यवाही की जा सकेगी।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ नगर के हजरतगंज चौराहा स्थित नरही बाजार होते हुए सब्जी मण्डी के आगे यू0पी0 टेक चौराहे तक क्षतिग्रस्त मार्ग के मरम्मत विषयक

67-श्री अखिलेश-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ नगर के हजरतगंज चौराहा स्थित नरही बाजार होते हुए सब्जी मण्डी के आगे यू0पी0 टेक चौराहे तक मार्ग क्षतिग्रस्त एवं गड्ढायुक्त होने के कारण लोगों को आवागमन में असुविधा हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्ग की मरम्मत करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी, हाँ।

हजरतगंज चौराहा स्थित नरही बाजार होते हुए सब्जी मण्डी के आगे यू0 पी0 टेक चौराहे तक कुछ स्थानों पर आंशिक रूप से मार्ग क्षतिग्रस्त है। वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर कार्य कराया जायेगा।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

दि किसान सहकारी चीनी मिल लिमिटेड, सठियांव, जनपद आजमगढ़ में वर्ष 2016 से गन्ना आपूर्ति के समय प्रति कुन्टल पर की जा रही कमीशन कटौती के सम्बन्ध में

68-श्री अखिलेश-

क्या गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि दि किसान सहकारी चीनी मिल लिमिटेड, सठियांव, जनपद आजमगढ़ में वर्ष 2016 से गन्ना आपूर्ति के समय प्रति कुन्टल रु0 05.50 विकास कमीशन के नाम पर कटौती की जा रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार बतायेगी कि वर्ष 2016 से दिनांक 07-04-2022 तक उक्त मद में कितनी धनराशि जमा हुई तथा उक्त धनराशि से क्या-क्या विकास कार्य कराये गये हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी-

जी हां।

उक्त मद में रु0 413.07 लाख जमा हुये तथा इससे कराए गए कार्य का मदवार विवरण निम्नवत् है :-

क्रं0 सं0	मद	विकास कमीशन/समिति अंश धनराशि का उपयोग (लाख रु0 में)
1	2	3
1	गोष्ठी/प्रचार-प्रसार	24.92
2	गन्ना विकास मद	38.97

1	2	3
3	गन्ना बीज परिवहन	51.20
4	उर्वरक, दवा, कृषि रक्षा यन्त्र आदि	41.70
5	गन्ना प्रबन्धन/टिशू कल्चर/मृदा परीक्षण आदि	106.21
	योग	263.00

चीनी मिल समिति के पास विकास अंशदान मद में अवशेष धनराशि रु0 150.07 लाख है।

विवरण विस्तृत होने के कारण पटल पर रखे जाने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रदेश में विगत 3 वर्षों से किसानों के गन्ने की एम0एस0पी0 बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में

69-श्रीमती पूजा पाल-

क्या गन्ना विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विगत 3 वर्षों से किसानों के गन्ने की एम0एस0पी0 में कोई वृद्धि नहीं की गयी है ? यदि हां, तो क्या सरकार गन्ने के एम0एस0पी0 को बढ़ाये जाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी-

राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक पेराई सत्र हेतु गन्ने का राज्य परामर्शित मूल्य (एस0ए0पी0) निर्धारित किया जाता है। इसी क्रम में गत पेराई सत्र में राज्य सरकार द्वारा घोषित गन्ने के राज्य परामर्शित मूल्य में सम्यक् विचारोपरान्त रु025.00 प्रति कुन्टल की बढ़ोत्तरी करते हुए वर्तमान पेराई सत्र 2021-22 हेतु गन्ने का राज्य परामर्शित मूल्य निम्नवत् घोषित किया गयाः-

अगैती प्रजाति रु0 350.00 प्रति कुन्तल।

सामान्य प्रजाति रु0 340.00 प्रति कुन्तल।

अनुपयुक्त प्रजाति रु0 335.00 प्रति कुन्तल।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

70-श्रीमती पूजा पाल-

[01- शुक्रवार के अतारांकित प्र0सं0-25 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा की ग्राम सभा करमोहना में सुदामी के घर से नद्धापुरवा तक रोड निर्माण विषयक

71-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा की ग्राम सभा करमोहना में सुदामी के घर से नद्धापुरवा तक 2.5 किमी0 रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

करमोहना एवं नद्धापुरवा दोनों बसावटें पूर्व से लेपित मार्ग से जुड़े हैं। सुदामी का घर मुख्य बसावट के बाहर है। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग में डबल कनेक्टिविटी प्रदान करने की योजना प्रचलित नहीं होने के कारण प्रश्नगत मार्ग का निर्माण लोक निर्माण विभाग की वर्तमान प्रचलित सम्पर्क मार्ग निर्माण नीति से आच्छादित नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा की ग्राम सभा झाला में माखन नेता के घर से जालिम नगर सम्पर्क मार्ग तक रोड निर्माण के सम्बन्ध में

72-श्रीमती सरोज सोनकर-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बहराइच के ब्लाक मिहीपुरवा की ग्राम सभा झाला में माखन नेता के घर से जालिमनगर सम्पर्क मार्ग तक 02 किमी0 रोड का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत ग्राम सभा झाला में माखन नेता के घर एवं जालिम नगर चौराहा पूर्व से लेपित मार्ग से जुड़े हैं। वर्तमान में डबल कनेक्टिविटी प्रदान करने की कोई योजना लोक निर्माण विभाग में प्रचलित नहीं होने के कारण प्रश्नगत मार्ग सम्पर्क मार्ग निर्माण नीति से आच्छादित नहीं है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के विकास खण्ड रोहनियां की ग्राम सभा सरायं अख्तियार के चन्दी सिंह के पुरवा को पक्की सड़क से जोड़े जाने के सम्बन्ध में

73-श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार के विकास खण्ड रोहनियां की ग्राम सभा सरायं अख्तियार के चन्दी सिंह के पुरवा को पक्की सड़क से जोड़े जाने की कोई योजना सरकार बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊंचाहार के विकास खण्ड रोहनियां की ग्राम सभा सरायं अख्तियार से पूरे चन्दी सिंह सम्पर्क मार्ग की लम्बाई 1.500 किमी0 एवं आंकलित लागत रु0 97.50 लाख है। कार्य की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद झांसी के उत्तर रेलवे झांसी मानिकपुर रेल सेक्शन के सम्पार संख्या-369 झांसी-ललितपुर मार्ग के लोकेशन 1131/0-1 पर रेल उपरिगामी सेतु विषयक

74-श्री रवि शर्मा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झांसी के उत्तर रेलवे झांसी मानिकपुर रेल सेक्शन के सम्पार संख्या-369 झांसी-ललितपुर मार्ग के लोकेशन 1131/0-1 पर रेल उपरिगामी सेतु का आगणन मुख्य अभियन्ता (सेतु), लोक निर्माण विभाग, लखनऊ के यहां विचाराधीन है ? यदि हां, तो क्या सरकार आवागमन को सुगम बनाने हेतु उक्त उपरिगामी सेतु की स्वीकृति कर निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत सम्पार संख्या-369 पर रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण का प्रस्ताव मुख्य अभियन्ता (सेतु), लोक निर्माण विभाग के स्तर पर विचाराधीन नहीं है। प्रश्नगत रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण की स्वीकृति उक्त रेल उपरिगामी सेतु के फिजिबिल होने एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

जनपद शामली में स्थित सरशादी लाल चीनी मिल लि0 शामली, बजाज हिन्दुस्तान शुगर मिल लि0, थानाभवन व सुपिरियर फूड ग्रेन्स प्रा0 लि0 मिलों पर बकाया गन्ना मूल्य के भुगतान के सम्बन्ध में

75-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शामली में स्थित सरशादी लाल चीनी मिल लि0, शामली, बजाज हिन्दुस्तान शुगर मिल लि0, थानाभवन व सुपिरियर फूड ग्रेन्स प्रा0 लि0 मिलों पर दिनांक 08-04-2022 तक किसानों का कितना गन्ना मूल्य का भुगतान बकाया है ? क्या सरकार बकाया गन्ना मूल्य का भुगतान करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी-

दिनांक 08-04-2022 तक की सूचना के अनुसार वर्तमान पेराई सत्र 2021-22 के अन्तर्गत जिला शामली में स्थित चीनी मिलों क्रमशः अपर दोआब शुगर मिल, शामली, बजाज हिन्दुस्थान शुगर मिल लि0, थानाभवन एवं सुपीरियर फूड ग्रेन्स (प्रा0) लि0, ऊन पर सूचना की तिथि से 14 दिन पूर्व अवधि तक देय गन्ना मूल्य के सापेक्ष रु0 239.93 करोड़, रु0 288.32 करोड़ एवं रु0 192.99 करोड़ भुगतान हेतु बकाया था।

राज्य सरकार अवशेष गन्ना मूल्य का त्वरित भुगतान कराये जाने हेतु सजग एवं कटिबद्ध है।

प्रश्न नहीं उठता

जनपद लखनऊ में ऐतिहासिक मोतीझील का जीर्णोद्धार विषयक

76-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ में ऐतिहासिक मोतीझील का जीर्णोद्धार कर स्वरूप वापस लाने के लिये सरकार योजना बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जनपद लखनऊ में ऐतिहासिक मोतीझील के जीर्णोद्धार की कोई योजना वर्तमान में प्रस्तावित नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

लखनऊ नगर में मेट्रो के संचालन का विस्तार करने के सम्बन्ध में

77-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ नगर में एयरपोर्ट से मुंशी पुलिया तक मेट्रो ट्रेन का संचालन हो रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार लखनऊ मेट्रो के संचालन का विस्तार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हाँ।

लखनऊ मेट्रो रेल परियोजना फेज-1 बी (ईस्ट-वेस्ट कॉरिडोर) चारबाग से बसंतकुंज तक के डी0पी0आर0 के पुनर्परीक्षण एवं अद्यतन कराने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ में शुद्ध पानी के आपूर्ति विषयक

78-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ में 9 एवं 10 अगस्त, 2021 को संजय गांधी नगर-बालू अड्डा, पराग नरायण रोड, लखनऊ में गन्दा पानी पीने के कारण दो बच्चों की मृत्यु तथा सौ से अधिक बच्चे दुषित पानी पीने के कारण फैली महामारी से बीमार हो गये ? यदि हां, तो क्या सरकार लखनऊ शहर में शुद्ध पानी की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

बालू अड्डा क्षेत्र में 03 नलकूपों से सीधी जलापूर्ति की व्यवस्था है। तीनों नलकूपों पर क्लोरिनेशन हेतु डोजर लगे हुए हैं, जिससे सुबह-शाम क्लोरिनेशन कराकर क्षेत्र में जलापूर्ति की जाती है। अतः पेयजल दूषित नहीं है।

उक्त के अतिरिक्त लखनऊ शहर में प्रतिदिन नियमित रूप से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना कस्बा के किरतपुर के 33 के0वी0 उपकेन्द्र की क्षमता बढ़ाने विषयक

79-श्री मनोज कुमार पारस-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नगीना कस्बा के किरतपुर के 33 के0वी0 उपकेन्द्र वृत्तीय टाउन में पॉवर परिवर्तक की क्षमता 2×5 एम0वी0ए0 के होने के कारण वर्तमान लोड अधिक है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त उपकेन्द्र की क्षमता 2×5 एम0वी0ए0 से बढ़ाकर 2×10 एम0वी0ए0 करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

बिजनौर विधान सभा क्षेत्र नगीना के कस्बा किरतपुर के 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र किरतपुर वृत्तिय टाउन के अतिभारित होने के कारण केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित रिवैम्प्ड योजना के अन्तर्गत उपकेन्द्र की क्षमता वृद्धि 2×5 एम0वी0ए0 से बढ़ाकर क्षमता 210 एम0वी0ए0 किया जाना प्रस्तावित किया गया है।

वर्तमान में रिवैम्प्ड योजना का प्रथम भाग स्वीकृत हुआ है, जबकि उक्त कार्य रिवैम्प्ड योजना के द्वितीय भाग में सम्मिलित है। रिवैम्प्ड योजना का द्वितीय भाग अभी स्वीकृत नहीं हुआ है। अतः योजना का द्वितीय भाग स्वीकृत होने पर ही उक्त क्षमता वृद्धि का कार्य कराया जाना सम्भव होगा।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा में अतिभारित ट्रान्सफार्मरों की क्षमता वृद्धि विषयक

80-श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा में अतिभारित ट्रान्सफार्मरों को बदलने अथवा क्षमता वृद्धि सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

विधान सभा क्षेत्र खड्डा में स्थापित परिवर्तक जोकि स्वीकृत भार से ज्यादा भारित हैं वहाँ काम्बिंग कराकर अतिभारिता कम की जा रही है। कुछ ऐसे परिवर्तक जो अतिभारित हैं, उनकी क्षमता वृद्धि आवश्यक स्वीकृति, धन की उपलब्धता तथा तकनीकी आवश्यकतानुसार केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित रिवैम्प्ड योजना में सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा में ट्रान्सफार्मर, डी0पी0 आदि की क्षमता वृद्धि विषयक

81-श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा में सौभाग्य योजना व नवीन विद्युत कनेक्शन जारी होने से विद्युत लोड बढ़ने, किन्तु डी0पी0 आदि की क्षमता न बढ़ाने से ट्रान्सफार्मर जल जाते हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार लोड के अनुसार ट्रान्सफार्मर, डी0पी0 आदि की क्षमता वृद्धि करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

विधान सभा क्षेत्र खड्डा में स्थापित परिवर्तक जोकि स्वीकृत भार से ज्यादा भारित हैं वहाँ काम्बिंग कराकर अतिभारिता कम की जा रही है। ऐसे परिवर्तक जिनके अतिभारित होने की सम्भावना है, उनकी क्षमता वृद्धि तकनीकी आवश्यकतानुसार व धन की उपलब्धता पर उन्हें भारत सरकार की रिवैम्पड योजना में सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के ग्रामीण उपकेन्द्रों के जर्जर तार व पोल बदलने विषयक

82-श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के ग्रामीण उपकेन्द्रों के जर्जर तार व पोल बदलने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत ग्रामीण उपकेन्द्रों से पोषित वर्ष 2011 की जनगणनानुसार 1000 से अधिक आबादी के चयनित मजरों में एडीबी योजना के अन्तर्गत तकनीकी आवश्यकतानुसार जर्जर तार व पोल बदलने का कार्य किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त तकनीकी आवश्यकतानुसार आवश्यक स्वीकृति तथा धन की उपलब्धता के आधार पर कार्य किया जाना सम्भव है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुरादाबाद में लक्ष्मी शुगर मिल, बिलारी के पावर प्लाण्ट की चिमनी की राख के कणों से हो रहे प्रदूषण नियंत्रण के विषयक

83-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या पर्यावरण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद में लक्ष्मी शुगर मिल, बिलारी के पावर प्लाण्ट की चिमनी की राख के कणों से वायु प्रदूषण हो रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार प्रभावित क्षेत्र में हो रहे प्रदूषण नियंत्रण के लिये मिल प्रबन्धन द्वारा एन0जी0टी0 मानकों का पालन सरकार सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डॉ0 अरुण कुमार-

जी नहीं।

क्षेत्रीय कार्यालय, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुरादाबाद द्वारा दिनांक 10-12-2021 को की गई जांच में पावर प्लाण्ट से जनित उत्सर्जन में प्रचालक मानकों के अनुरूप पाये गये हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

84-हाजी इरफान सोलंकी-

[01-शुक्रवार के अतारांकित प्र0सं0-24 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

85-श्री राम रतन कुशवाहा-

[02-मंगलवार के अतारांकित प्र0 सं0-124 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के विकास खण्ड दीनशाह गौरा में कल्यानपुर बेंती से एकडला सम्पर्क मार्ग विषयक

86-श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के विकास खण्ड दीनशाह गौरा में कल्यानपुर बेंती से एकडला सम्पर्क मार्ग हेतु स्वीकृति आगणन की वित्तीय स्वीकृति सरकार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र ऊँचाहार के विकास खण्ड दीनशाह गौरा में कल्यानपुर बेंती से एकडला सम्पर्क मार्ग लम्बाई 2.400 किमी0 के आगणन की लागत रु0 170.51 लाख आंकलित है, जिसकी स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत बस्तियों में नई सीवर लाइन बिछाये जाने विषयक प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी।

87-श्री सुरेन्द्र मैथानी-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत बस्तियों में नई सीवर लाइन बिछाये जाने विषयक प्रश्नकर्ता के पत्र संख्या, 83, 21-04-2022, दिनांकित 11-04-2022 तथा मुख्य मंत्री को सम्बोधित पत्र संख्या 83, 19-04-2022, दिनांकित 11-04-2022 प्राप्त हुए हैं ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर क्या कार्रवाई हुई ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

पत्र संख्या-8319-04-2022, दिनांक 11-04-2022 प्राप्त हुआ है।

उक्त पत्र की छायाप्रति प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), लखनऊ एवं नगर आयुक्त, नगर निगम, लखनऊ को शासन के पत्र संख्या-1551/नौ-5-2022 दिनांक 29-04-2022 को भेजते हुए प्रश्नगत प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही कराते हुए कृत कार्यवाही की आख्या शासन को उपलब्ध कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत बस्तियों में 'हर घर नल योजना' विषयक

88-श्री सुरेन्द्र मैथानी-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत बस्तियों में 'हर घर नल योजना' के अन्तर्गत पेयजल की आपूर्ति हेतु प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-8313-04-2022, दिनांकित 11-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही हुई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत दादानगर समानान्तरण पुल के निर्माण में हो रहे विलम्ब विषयक

89-श्री सुरेन्द्र मैथानी-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत दादानगर समानान्तरण पुल के निर्माण में हो रहे विलम्ब विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-8252-04-2022 दिनांकित 11-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही हुई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हाँ।

जनपद कानपुर शहर में विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत झांसी-कानपुर रेल मार्ग के सम्पार संख्या-240ए दादा नगर के निकट निर्मित रेल उपरिगामी सेतु के समानान्तर दूसरे 2 लेन रेल उपरिगामी सेतु का आगणन गठित कर लिया गया है, जिसकी अनुमानित लागत रु0 5633.67 लाख है। प्रश्नगत पुल की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क के अन्दर ग्वारी गांव स्थित ऐतिहासिक प्राचीन मरी माता मन्दिर को जाने के लिये रास्ते की व्यवस्था विषयक

90-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या मुख्य मंत्री मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ में जनेश्वर मिश्र पार्क के अन्दर ग्वारी गांव स्थित ऐतिहासिक प्राचीन मरी माता मन्दिर को जाने का रास्ता बन्द होने के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनेश्वर मिश्र पार्क के अन्दर स्थित मरी माता मन्दिर में जाने के लिये अलग रास्ता की व्यवस्था करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी नहीं।

जनेश्वर मिश्र पार्क के अन्दर ग्वारी गॉव स्थित ऐतिहासिक मरी माता मन्दिर पार्क के अन्दर बने हुए रास्ते से जुड़ा हुआ है, जिसके कारण श्रद्धालुओं को परेशानी नहीं हो रही हैं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद रायबरेली के सरेनी विधान सभा क्षेत्र में निर्मित मार्गों के सम्बन्ध में

91-श्री देवेन्द्र प्रताप-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रायबरेली के सरेनी विधान सभा क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित मार्गों के अतिरिक्त अन्य संस्थानों द्वारा बनाये गये मार्गों को लोक निर्माण विभाग के मार्गों में सरकार समायोजित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी नहीं।

उपर्युक्तानुसार।

अन्य संस्थानों द्वारा निर्मित मार्गों को लोक निर्माण विभाग के मार्गों में समायोजित करने की वर्तमान में लोक निर्माण विभाग की कोई योजना नहीं है।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा में जर्जर विद्युत तार बदल कर केबिलयुक्त तार लगवाने विषयक

92-श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा अन्तर्गत नगर पंचायत खड्डा में जर्जर विद्युत तार बदल कर केबिलयुक्त तार लगवाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा अन्तर्गत नगर पंचायत खड्डा में कतिपय स्थानों पर जहाँ खराब विद्युत तार हैं, के स्थान पर ए0बी0 केबिल लगवाने का कार्य तकनीकी आवश्यकतानुसार तथा धन की उपलब्धता पर केन्द्र सरकार द्वारा वित्त पोषित रिवैम्प्ड योजना में सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित है।

योजनान्तर्गत कार्य प्रारम्भ होने पर इसे प्राथमिकता पर कराया जाना सम्भव होगा।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के विकास खण्ड खड्डा के अन्तर्गत बिहार प्रदेश के सीमान्त ग्रामों में विद्युत संचालन विषयक

93-श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के विकास खण्ड खड्डा के अन्तर्गत बिहार प्रदेश के सीमान्त ग्राम हरिहरपुर, शिवपुर, मरचहवा, बसन्तपुर व नारायणपुर में विद्युत पोल उक्त क्षेत्र में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त व जर्जर

होने के कारण निर्बाध विद्युत संचालन नहीं हो रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त समस्या का निराकरण कर निर्बाध विद्युत संचालित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

तकनीकी एवं वित्तीय परिस्थितियों के दृष्टिगत सम्बन्धित ग्रामों का ऊर्जीकरण/विद्युतीकरण यू0पी0 नेडा के माध्यम से (सौर ऊर्जा) लगवाकर विद्युत आपूर्ति करने का प्रस्ताव शासन द्वारा अनुमोदित कर दिया गया है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के हरिहरपुर, शिवपुर, मरचहवा व नरायणपुर ग्राम सभाओं को अन्य जिला मार्ग/स्टेट हाई-वे से जोड़ने विषयक

94-श्री विवेकानन्द पाण्डेय-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के हरिहरपुर, शिवपुर, मरचहवा व नरायणपुर ग्राम सभाओं को अन्य जिला मार्ग/स्टेट हाई-वे से नहीं जोड़ा गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त गांवों में सड़क का निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हाँ।

प्रश्नगत ग्राम सभाओं के उत्तर तरफ बिहार सरकार का रिजर्व फारेस्ट है तथा पूर्व के तरफ गण्डक नदी का तलहटी भाग होने के कारण पक्का निर्माण कर अन्य जिला मार्ग/स्टेट हाई-वे से नहीं जोड़ा जा सकता है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत बस्तियों में पेयजल समस्या के निस्तारण विषयक

95-श्री सुरेन्द्र मैथानी-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत बस्तियों में पेयजल की गम्भीर समस्या के निस्तारण हेतु नई वाटर लाइन बिछवाये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-8315-04-2022 दिनांकित

11-04-2022 मुख्य मंत्री को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत कच्चे मार्ग को पक्का बनवाये जाने विषयक

96-श्री सुरेन्द्र मैथानी-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत कच्चे मार्ग को पक्का बनवाये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या 8364-04-2022 दिनांक 11-04-2022 मुख्य मंत्री को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

पाल ढाबा नौरैयाखेड़ा से लेकर रविदासपुरम छठ पूजा घाट एवं नहर नया पुल से इण्डस्ट्रियल स्टेट रोड तक का मार्ग के निर्माण के सम्बन्ध में परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। वित्तीय उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर आगे का कार्य निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत रतनलाल नगर को दबौली वेस्ट से जोड़ने हेतु उपरिगामी रेलवे सेतु के निर्माण कराये जाने विषयक

97-श्री सुरेन्द्र मैथानी-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत रतनलाल नगर को दबौली वेस्ट से जोड़ने हेतु उपरिगामी रेलवे सेतु के निर्माण कराये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या 8302-04-2022 दिनांक 07-04-2022 मुख्य मंत्री को संबोधित है, उन्हें प्राप्त हुआ हैं ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हाँ।

जनपद कानपुर नगर के रतनलाल नगर को दबौली वेस्ट से जोड़ने के लिये उपरिगामी सेतु के निर्माण हेतु सेतु निगम के अधिकारियों द्वारा प्राथमिक स्थलीय निरीक्षण किया गया। उक्त

स्थल पर रेलवे सम्पार नहीं है, जिसके कारण रेलवे विभाग द्वारा सेतु की लागत में सहभागिता नहीं की जायेगी तथा सम्पूर्ण लागत का वहन राज्य सरकार को करना होगा। उक्त सेतु के निर्माण की प्रारम्भिक रूप से रु0 8280.00 लाख की लागत अनुमानित है। सम्पार पर उपरिगामी सेतु निर्माण फिजिबल होने के सम्बन्ध में रेलवे विभाग से कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उक्त उपरिगामी सेतु का निर्माण फिजिबल होने एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

जनपद मुरादाबाद के बिलारी विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत नवगठित नगर पंचायत महमूदपुर माफी एवं नगर पालिका परिषद् बिलारी की मतदाता सूची संशोधन एवं वार्ड परिसीमन वर्तमान भौगोलिक क्रम के आधार पर करने विषयक

98-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद के बिलारी विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत नवगठित नगर पंचायत महमूदपुर माफी एवं नगर पालिका परिषद् बिलारी की मतदाता सूची संशोधन एवं वार्ड परिसीमन वर्तमान भौगोलिक क्रम व आधार पर सरकार करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

नवगठित नगर पंचायत महमूदपुर माफी, जनपद मुरादाबाद के वार्ड परिसीमन का कार्य प्रगति पर है, जो माह जून, 2022 के अन्त तक पूर्ण किया जायेगा। नगर पालिका परिषद् बिलारी का कोई सीमा विस्तार नहीं हुआ है, इस कारण इस निकाय में नये सिरे से वार्ड के परिसीमन की आवश्यकता नहीं है। मतदाता सूची संशोधन/पुनरीक्षण का कार्य राज्य निर्वाचन आयोग (पंचायत एवं स्थानीय निकाय) उत्तर प्रदेश द्वारा किया जाता है, जो माह सितम्बर, 2022 के अन्त तक पूर्ण किया जायेगा।

प्रश्न नहीं उठता है।

99-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

[01-शुक्रवार के अतारांकित प्र0 सं0-26 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद मुरादाबाद के बिलारी विधान सभा क्षेत्र के गन्ना किसानों का लक्ष्मी शुगर मिल राजा का सहसपुर, राणा शुगर मिल शाहबाद, वीनस शुगर मिल चन्दौसी आदि पर बकाया गन्ना भुगतान विषयक

100-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या गन्ना विकास एवं चीनी मिले मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद के बिलारी विधान सभा क्षेत्र के गन्ना किसानों का लक्ष्मी शुगर मिल राजा का सहसपुर, राणा शुगर मिल शाहबाद, वीनस शुगर मिल चन्दौसी आदि पर पेराई सत्र 2019-20 एवं 2020-21 का

कितना गन्ना भुगतान बकाया है ? क्या सरकार उच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित समयसीमा में उक्त गन्ना भुगतान कराना सुनिश्चित कराएगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी-

दिनांक 18-05-2022 की सूचना के अनुसार लक्ष्मी शुगर मिल्स कम्पनी लि0 (वर्क्स श्री अजुध्या शुगर मिल्स, राजा का सहसपुर) जिला-मुरादाबाद, राणा शुगर्स लि0 शाहबाद करीमगंज जिला-रामपुर एवं वीनस शुगर लि0 शिव शक्तिनगर मझावली जिला/सम्भल पर पेराई सत्र 2019-20 एवं 2020-21 के अन्तर्गत देय गन्ना मूल्य के सापेक्ष कोई धनराशि बकाया नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुरादाबाद तथा सम्भल में गड्ढा मुक्ति योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में व्यय की गई धनराशि का सड़कवार विवरण विषयक

101-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद तथा सम्भल में गड्ढा मुक्ति योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में व्यय की गई धनराशि का सड़कवार विवरण क्या है ? क्या सरकार उक्त क्षेत्र की अवशेष क्षतिग्रस्त सड़कों को वित्तीय वर्ष 2022-23 में गड्ढा मुक्त करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

वित्तीय वर्ष 2021-22 के अन्तर्गत जनपद सम्भल में समस्त श्रेणी के 206 मार्गों पर 529.70 किमी0 लम्बाई एवं जनपद मुरादाबाद के अन्तर्गत समस्त श्रेणी के 274 मार्गों पर 545.375 किमी0 लम्बाई के गड्ढामुक्ति का कार्य कराया गया, जिसकी सूची संलग्न है।

मार्गों को गड्ढामुक्त करना एक अनवरत प्रक्रिया है। विभाग द्वारा प्रश्नगत क्षेत्र की क्षतिग्रस्त सड़कों को अभियान चलाकर गड्ढामुक्त करने का कार्य समय-समय पर किया जाता है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में विगत 5 वर्षों के दौरान वर्षवार वायु प्रदूषण के कारण हुई मौतों का विवरण

102-हाजी इरफान सोलंकी-

क्या पर्यावरण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विगत 5 वर्षों के दौरान वर्षवार वायु प्रदूषण के कारण कितने लोगों की मौत हुई तथा प्रदेश के किन-किन शहरों में वायु प्रदूषण निर्धारित मानक से अधिक रहा है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डॉ0 अरूण कुमार-

वायु प्रदूषण से हुई मौत का विवरण विभाग के स्तर पर उपलब्ध नहीं है।

उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा वर्तमान में प्रदेश के प्रमुख 28 नगरों में परिवेशीय वायु गुणता का कार्य केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा वित्तपोषित परियोजना "नेशनल एयर मॉनीटरिंग प्रोग्राम" के अन्तर्गत किया जा रहा है। वर्ष 2021-22 में प्राप्त वायु गुणता के औसत आंकड़ों प्रमुख वायु प्रदूषणकारी तत्व पी0एम0-10 का वार्षिक औसतमान 105.9 से 243.0 माइक्रोग्राम/घन मी0) के मध्य पाया गया, जोकि निर्धारित वार्षिक मानक 60 माइक्रोग्राम/घन मी0 से अधिक है। सल्फर डाई आक्साइड गैस एवं नाइट्रोजन डाई आक्साइड की औसत मात्रा सभी नगरों में निर्धारित वार्षिक मानक क्रमशः 50 माइक्रोग्राम/घन मी0 तथा 40 माइक्रोग्राम/घन मी0 की तुलना में कम पाया गया।

जी हां।

प्रदेश के 28 नगरों में किये जा रहे परिवेशीय वायु गुणता अनुश्रवण के वर्ष 2021-22 के वार्षिक औसत आंकड़ों का विवरण निम्नवत् है:-

नगर का नाम	प्रचालकों की मात्रा का वार्षिक औसत मान (माइक्रोग्राम/घन मी0)		
	पी0एम0 10	सल्फार डाई आक्साइड (एस0ओ0टू0)	नाइट्रोजन डाई आक्साइड (एन0ओ0टू0)
1	2	3	4
गोरखपुर	243.0	13.7	25.7
बरेली	142.9	21.7	28.6
कानपुर	164.4	8.9	39.8
रायबरेली	109.9	6.8	12.1
खुर्जा	151.3	18.5	27.3
प्रयागराज	188.7	2.1	31.2
लखनऊ	152.6	8.5	29.5
वाराणसी	131.0	10.1	32.1
फिरोजाबाद	182.2	7.8	28.3
मुरादाबाद	159.8	13.7	20.4
गजरौला	166.8	17.3	26.0

1	2	3	4
मेरठ	183.9	13.0	40.5
अनपरा	155.8	17.7	25.6
गाजियाबाद	211.9	14.5	35.2
नोएडा	199.3	12.2	34.5
झांसी	105.9	7.4	17.4
आगरा	159.7	7.1	21.5
बुलन्दशहर	181.7	14.6	28.0
मथुरा	173.8	12.2	26.8
सहारनपुर	180.3	12.7	21.7
उन्नाव	127.0	7.7	25.6
हापुड़	193.2	12.5	20.7
ग्रेटर नोएडा	200.1	13.8	30.4

नगर का नाम	प्रचालकों की मात्रा का वार्षिक औसत मान (माइक्रोग्राम/घन मी0)		
	पी0एम0 10	सल्फारडाई आक्साइड (एस0ओ0टू0)	नाइट्रोजन डाईआक्साइड (एन0ओ0टू0)
मुजफ्फरनगर	172.3	15.5	22.3
बागपत	201.7	13.4	28.1
अयोध्या	173.4	5.3	17.8
अलीगढ़	174.3	17.2	25.2
हाथरस	168.3	17.4	24.5
मानक (वार्षिक)	60	50	40

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद झांसी में अमृत कार्यक्रम के अन्तर्गत झांसी पेयजल पुनर्गठन योजना फेज-1 एवं फेज-2 के कार्यों हेतु अनुबन्धित फर्म के विरुद्ध कार्यवाही विषयक

103-श्री रवि शर्मा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झांसी में अमृत कार्यक्रम के अन्तर्गत झांसी पेयजल पुनर्गठन योजना फेज-1 एवं फेज-2 के कार्यों हेतु अनुबन्धित फर्म द्वारा कार्यों में अप्रत्याशित देरी तथा कार्य मानक गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया है ? यदि हां, तो

क्या सरकार उक्त को जांच कर फर्म के विरुद्ध कोई प्रभावी कार्यवाही करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जनपद झाँसी में अमृत कार्यक्रम के अन्तर्गत नगर निगम, झाँसी क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति हेतु दो चरणों में योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। प्रथम चरण के अन्तर्गत झाँसी पेयजल पुनर्गठन योजना फेज-1 का कार्य अनुबन्धित फर्म मैसर्स नरेन्द्र कुमार गुप्ता जे0वी0 मै0 के0वी0 गुप्ता एवं आर0 के0 इंजीनियर्स सेल्स लि0 द्वारा किया जा रहा है। योजना को माह फरवरी, 2021 तक पूर्ण किया जाना निर्धारित था, परन्तु समय से भूमि उपलब्ध न हो पाने, अन्य विभागों से अनापत्ति विलम्ब से प्राप्त होने एवं कार्य अवधि में कोरोना महामारी के कारण योजना की प्रगति प्रभावित हुयी। योजना के समस्त कार्यों का निष्पादन मानक अनुरूप एवं गुणवत्ता पूर्वक कराया गया है। योजना की वर्तमान भौतिक प्रगति 92 प्रतिशत है एवं योजना को जून, 2022 तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

द्वितीय चरण के अन्तर्गत स्वीकृत झाँसी पेयजल पुनर्गठन योजना फेज-2 के कार्य अनुबन्धित फर्म मैसर्स तहल कन्सल्टिंग इंजीनियर्स इण्डिया प्रा0लि0, जे0वी0 कंक्रीट उद्योग लि0 झाँसी दवारा किया जा रहा है। योजनान्तर्गत निर्माण कार्यों का निष्पादन मानक अनुरूप एवं गुणवत्तापरक कराया जा रहा है। उक्त योजना को अनुबन्धित समयावधि अनुसार माह जून, 2022 में पूर्ण किया जाना है, परन्तु वर्तमान में योजना की भौतिक प्रगति 38 प्रतिशत प्राप्त हो सकी है। अनुबन्ध समयावधि में समय से भूमि उपलब्ध न हो पाने, अन्य विभागों से अनापत्ति विलम्ब से प्राप्त होने एवं कार्य अवधि में कोरोना महामारी के कारण कार्यों की प्रगति प्रभावित रही। उक्त के अतिरिक्त विगत समय में अनुबन्धित फर्म की आन्तरिक वित्तीय स्थिति खराब होने के कारण भी कार्य प्रगति प्रभावित रहीं, उक्त हेतु फर्म के विरुद्ध पैनाल्टी भी अध्यारोपित की गयी है। वर्तमान में फर्म के शीर्ष प्रबन्धन द्वारा कार्यों में पूर्व में हुये विलम्ब के दृष्टिगत संशोधित कार्य योजना तैयार कर योजना को माह जून, 2023 तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

झांसी नगर में झांसी-बाँदा रेलवे क्रॉसिंग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण कराने विषयक

104-श्री रवि शर्मा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि झांसी नगर में वीरांगना लक्ष्मीबाई रेलवे स्टेशन से झलकारी बाई नगर (पुलिया नं0-9) की ओर जाने वाले मार्ग पर झांसी-बाँदा एवं झांसी-मुम्बई रेलवे क्रॉसिंग सम्पार संख्या 367 पर जाम लगने के कारण स्थानीय निवासियों

को आवागमन में असुविधा होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार झांसी-बाँदा रेलवे क्रॉसिंग पर उपरिगामी सेतु का निर्माण कराने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत सम्पार सं0-367 पर टी0वी0यू0 एक लाख से कम है, अतः उक्त सम्पार पर रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण की लागत में रेलवे द्वारा सहभागिता नहीं की जायेगी।

प्रश्नगत रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण की स्वीकृति उक्त रेल उपरिगामी सेतु के फिजिबिल होने एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

जनपद झांसी में लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में नये कक्षों का निर्माण एवं पुराने कक्षों को आधुनिक सुविधा युक्त बनाये जाने विषयक

105-श्री रवि शर्मा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झांसी में लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में सुविधाओं तथा कक्षों की संख्या अपर्याप्त होने के कारण झांसी में वी0आई0पी0 आवागमन में इसका उपयोग नहीं हो पर रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उपरोक्त स्थल पर आधुनिक सुविधाओं से युक्त वातानुकूलित नये कक्षों का निर्माण एवं पुराने कक्षों को आधुनिक सुविधा युक्त बनाये जाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी नहीं।

झांसी जिला मुख्यालय पर सर्वसुविधायुक्त व पूर्णतः उपयोगी 05 कक्ष का एक सर्किट हाउस तथा 04 कक्ष का एक निरीक्षण भवन है। झांसी आने वाले समस्त अति विशिष्ट एवं विशिष्टगणों द्वारा उक्त भवनों का प्रयोग किया जा रहा है। सर्किट हाउस के विस्तारीकरण हेतु अतिरिक्त 20 कक्षों के निर्माण का प्रस्ताव चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 की प्रस्तावित कार्य योजना में सम्मिलित है।

उपरोक्तानुसार

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ नगर निगम के फैजुल्लागंज वार्ड अन्तर्गत रहीम नगर डुडौली में श्मशान घाट विषयक

106-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ नगर निगम के फैजुल्लागंज वार्ड अन्तर्गत रहीम नगर डुडौली में श्मशान घाट भूमि खसरा संख्या 206 गौरभीठ में नाले की भूमि खसरा संख्या-322 तथा गाजीपुर बलराम में नाले की भूमि खसरा संख्या-256 पर भू-माफियाओं द्वारा अवैध कब्जा विषयक जिलाधिकारी लखनऊ का पत्र संख्या-832/ओएसडी/19, दिनांक 20-07-2019 जो नगर आयुक्त, लखनऊ को सम्बोधित है,

उन्हें प्राप्त हुआ हैं ? यदि हां, तो उक्त पर पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

(i) ग्राम-रहीम नगर डुडौली में श्मशान खसरा संख्या-206 की भूमि को चिन्हित कराने के उपरान्त तारबाड़ से घेरे जाने की कार्यवाही की जा रही है।

(ii) गौरभीट नाले की खसरा संख्या-322 की भूमि चिन्हित कराने हेतु उप जिलाधिकारी सदर लखनऊ को पत्र दिनांक 03-10-2019 एवं तहसीलदार सदर लखनऊ को पत्र संख्या डी-605/का0त0/22 दिनांक 19-01-2022 भेजा गया है, जिसमें कार्यवाही प्रचलित है।

(iii) ग्राम-गाजीपुर बलराम में नाले की खसरा संख्या-256 की 675 वर्गफुट भूमि पेट्रोल पम्प के आवागमन में प्रयुक्त हो रही है, अन्य कोई अतिक्रमण नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम लखनऊ के लाला लाजपत राय वार्ड स्थित इन्दू नर्सिंग होम/पार्क सेक्टर एन-2, अलीगंज तथा मोहन वाटिका पार्क, सेक्टर एम, अलीगंज में पेयजल संकट के निराकरण के सम्बन्ध में

107-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम लखनऊ के लाला लाजपत राय वार्ड स्थित इन्दू नर्सिंग होम/पार्क, सेक्टर एन-2, अलीगंज तथा मोहन वाटिका पार्क, सेक्टर एम, अलीगंज में पेयजल संकट के निराकरण के दृष्टिगत उक्त स्थलों पर टयूबवेल सरकार स्थापित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

इन क्षेत्रों में वर्तमान में 02 नलकूपों, 04 मिनी नलकूपों तथा सेक्टर ओ अलीगंज स्थित 2000 कि0ली0 क्षमता के शिरोपरि जलाशय से सुचारु रूप से जलापूर्ति की जा रही है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ में सीतापुर रोड से पक्का पुल बंधा मार्ग का चौड़ीकरण के सम्बन्ध में

108-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ में सीतापुर रोड से पक्का पुल बंधा मार्ग का जनहित में चौड़ीकरण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी नहीं। प्रश्नगत मार्ग का स्वामित्व लोक निर्माण विभाग का नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

लोक निर्माण विभाग की प्रचलित नीति के अनुसार अपने स्वामित्व वाले मार्गों के चौड़ीकरण का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा कराया जाता है।

नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला मायापुरी में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर गलियों के सम्बन्ध में

109-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला मायापुरी में सुरेश फौजी के घर से सुनील लाला तक, भोले शंकर के घर से मैनेजर टंकी के मकान तक, प्रदीप बाबा के मकान से राजकुमार व फौरन सिंह चक्की से लिंक गलियाँ एवं रंजीत के मकान से लाला राम सिंह के मकान तक की गलियाँ वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516074, दिनांक 11-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-17 मोहल्ला मायापुरी में सुरेश फौजी से सुनील लाला तक, भोले शंकर से मैनेजर टंकी तक, प्रदीप बाबा से रामजी, फौरन सिंह चक्की वाली गली व रंजीत से मन्दिर तक क्षतिग्रस्त/कच्ची गलियों में नाली व कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिग सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 32,47,835.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला छारबाग में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर गली के सम्बन्ध में

110-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला छारबाग में पानी की टंकी के सामने चन्दन सिंह मुखिया वाली गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516077, दिनांक 11-04-2022 प्राप्त हुआ है। यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-18 छारबाग में शर्मा टेलर से चन्दन सिंह मुखिया के घर होते हुए राम जी लाल के घर तक, सुनील से लोटन सिंह, रामअवतार से शिवचरन, नीरज, सुखवीर, हरीसिंह से मुन्नीलाल, गिरजाशंकर वाली गली तथा मुरारी लाल प्रधान जी के घर से संजय के घर तक नाली व कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 43,25,607.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला छारबाग में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर गली के सम्बन्ध में

111-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला छारबाग में नई जिम के सामने पंचम सिंह के मकान से लेकर रामनरेश हलवाई के मकान वाली गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516078 दिनांक 11-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-18 नई जिम पंचम सिंह से रामनरेश हलवाई तक कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 2,66,264.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर फिरोजाबाद के क्षेत्र सती नगर, आसफाबाद से गुजर रही 33000 के0वी0 लाइन के सम्बन्ध में

112-श्री मनीष असीजा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर फिरोजाबाद के क्षेत्र सती नगर, आसफाबाद की घनी आबादी क्षेत्र से नीचे होकर गुजर रही 33000 के0वी0 लाइन से जनहानि के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्रांक-क-6516758, दिनांक 11-04-2022 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

उक्त क्षेत्र के सर्वे का कार्य पूर्ण करा लिया गया है। आवेदन प्राप्त होने पर तकनीकी सम्भाव्यता को दृष्टिगत रखते हुए लाइन को मकानों से उचित दूरी पर शिफ्ट करने हेतु जमा योजना के अन्तर्गत प्राक्कलन बनाया जायेगा तथा प्राक्कलन की धनराशि जमा कराये जाने के उपरान्त उक्त कार्य पूर्ण कराया जाना सम्भव है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर फिरोजाबाद के क्षेत्र प्रताप नगर, सैलई की घनी आबादी से गुजर रही 11000 के0वी0 की लाइन के सम्बन्ध में

113-श्री मनीष असीजा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर फिरोजाबाद के क्षेत्र प्रताप नगर, सैलई की घनी आबादी में नीचे होकर गुजर रही 11000 के0वी0 की लाइन से जनहानि के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का पत्रांक-क-6516062, दिनांक 11-04-2022 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

उक्त 11 के0वी0 विद्युत लाइन का निरीक्षण करा लिया गया है। उक्त विद्युत लाइन लगभग 25 वर्ष पुरानी है। इस लाइन के समीप कुछ व्यक्तियों द्वारा मकानों का निर्माण करा लिया गया है। इस विद्युत लाइन के नीचे क्षेत्रीय लोगों के प्लाट स्थित हैं। उक्त लाइन की शिफ्टिंग हेतु रु0 75869.00 धनराशि का प्राक्कलन तैयार किया गया है। वांछित धनराशि सम्बन्धित प्लाट मालिकों द्वारा जमा कराये जाने पर उक्त कार्य जमा योजना के अन्तर्गत कराया जाना सम्भव है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के लखनऊ मध्य, विधान सभा क्षेत्र में टूटी और जर्जर सड़कों के सम्बन्ध में

114-श्री रविदास मेहरोत्रा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के लखनऊ मध्य, विधान सभा क्षेत्र में सीवर लाइन डालने के कारण टूटी और जर्जर सड़कों को सरकार बनवायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

जल निगम द्वारा सड़कों की मरम्मत/सुधार का कार्य कराया जा रहा है।

जल निगम द्वारा शीघ्र ही सड़कों का निर्माण कार्य पूर्ण कराया जायेगा।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मेरठ में महलका-चरल-गडीना मार्ग का निर्माण विषयक

115-श्री अतुल प्रधान-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मेरठ में महलका-चरल-गडीना मार्ग का निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत मार्ग वित्तीय वर्ष 2022-23 की कार्य-योजना में सम्मिलित है, जिसकी स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

झांसी नगर निगम के अन्तर्गत वार्ड नं0-22 और वार्ड नं0-24 में विद्युतीकरण के सम्बन्ध में

116-श्री रवि शर्मा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि झांसी नगर निगम के अन्तर्गत वार्ड नं0-22 बिजौली मौजा के चौकापाठा और वार्ड नं0-24 सिमराहा मौजा के कारापांठा मौला नगर निगम सीमा में सम्मिलित होने के बावजूद भी वर्तमान तक विद्युतीकरण न होने के कारण क्षेत्रवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्रों में विद्युतीकरण कार्य करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जनपद झांसी के अन्तर्गत वार्ड नं0-22 बिजौली मौजा के चौका/पाठा एवं वार्ड नं0-24 सिमरहा मौजा के कारापाठा झांसी नगर निगम के विस्तारित क्षेत्र के अन्तर्गत आते हैं। इन विस्तारित शहरी क्षेत्रों के विद्युतीकरण हेतु अधिशासी अभियन्ता विद्युत नगरीय वितरण खण्ड-द्वितीय, झांसी के कार्यालय पत्र संख्या 4333 वि0नं0 वि0ख0/द्वि0/झांसी दिनांक 20-05-2022 द्वारा परियोजना अधिकारी जिला नगरीय विकास अभिकरण (डूडा), झांसी को विद्युतीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में वार्ड नं0-22 बिजौली मौजा के चौकापाठा के विद्युतीकरण हेतु धनराशि रु0 39.22 लाख एवं वार्ड नं0-24 सिमरहा मौजा के कारापाठा के विद्युतीकरण हेतु धनराशि रु0 26.60 लाख (कुल धनराशि रु0 65.82 लाख) का मांग पत्र प्रेषित कर दिया गया है।

जी हाँ।

धन की उपलब्धता होने पर कार्य कराया जाना सम्भव हो सकेगा।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में पंचायत राज विभाग में कार्यरत डिप्लोमा धारक सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी प्राविधिक पद के वेतन की व्यवस्था के सम्बन्ध में

117-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या वित्त मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में अवर अभियंताओं के वेतन की व्यवस्था के सम्बन्ध में जारी वित्त वेतन आयोग के शासनादेश संख्या वे0आ02-306/दस/62(एक)/2008 टी0सी0 दिनांक 31 मई 2011 में निहित प्राविधान को पंचायत राज विभाग में कार्यरत डिप्लोमा धारक सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी प्राविधिक पद पर भी सरकार लागू करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुरादाबाद के ग्राम मौहम्मद इब्राहिमपुर, तहसील बिलारी सहित क्षेत्र के ग्रामों की आबादी एवं राजस्व रकबे में बन्दरों की समस्या के सम्बन्ध में

118-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या वन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद के ग्राम मौहम्मद इब्राहिमपुर, तहसील बिलारी सहित क्षेत्र के ग्रामों की आबादी एवं राजस्व रकबे में बन्दरों द्वारा लोगों को काटे जाने तथा फसलों को नष्ट किए जाने की जानकारी सरकार को है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्र में बन्दरों को पकड़ कर वन क्षेत्र में भेजने की व्यवस्था करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डॉ0 अरुण कुमार-

जनपद मुरादाबाद के ग्राम मौहम्मद इब्राहिमपुर, तहसील-बिलारी में बन्दरों द्वारा आबादी एवं राजस्व रकबे में लोगों को काटे जाने तथा फसलों को नष्ट किये जाने सम्बन्धित कोई भी प्रार्थना-पत्र/सूचना प्राप्त नहीं हुई है। तहसील बिलारी के अन्य क्षेत्र के ग्रामों में बन्दरों की समस्या सम्बन्धी सूचना प्राप्त है।

इस सम्बन्ध में शासनादेश संख्या-1464/14-4-2008-854/92, दिनांक 31-07-2008 में दिये गये प्राविधानों एवं नियुक्त प्राधिकृत अधिकारियों से नियमानुसार अनुज्ञा-पत्र प्राप्त कर प्रधान मुख्य वन संरक्षक, वन्य-जीव, उ0प्र0 कार्यालय के पत्रांक-988/23-28 (जी), दिनांक 16-10-2018 द्वारा बन्दर पकड़ने की निगरानी हेतु गठित समिति एवं निर्गत दिशा-निर्देशों के अनुसार नगर निगम/नगर पालिका/ग्राम सभा द्वारा अपने व्यय पर बन्दरों को पकड़ने तथा उनके प्राकृतकवास में छोड़ने की व्यवस्था है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुरादाबाद की विधान सभा क्षेत्र बिलारी के नगर मुख्यालय बिलारी में प्रतिदिन लगने वाले ट्रैफिक जाम की समस्या के सम्बन्ध में

119-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद की विधान सभा क्षेत्र बिलारी के नगर मुख्यालय बिलारी में प्रतिदिन लगने ट्रैफिक वाले जाम की समस्या के निराकरण हेतु बिलारी, शाहबाद मार्ग को बिलारी, दारनी मार्ग से सरकार जोड़ेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र बिलारी में शाहबाद बिलारी मार्ग (राज्य मार्ग-125) एवं बिलारी-डारनी मार्ग (अ0जि0मा0-30) पूर्व से ही कुन्दरकी-जलालपुर, सिहालमाला (अ0जि0मा0-34) से जुड़े हैं। अतः इन्हें परस्पर जोड़ा जाना लोक निर्माण विभाग में प्रचलित किसी योजना से आच्छादित नहीं है।

जनपद मुरादाबाद की लक्ष्मी शुगर मिल बिलारी के प्रयुक्त जल विषयक

120-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या पर्यावरण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद की लक्ष्मी शुगर मिल, बिलारी के प्रयुक्त जल का निकास, नाला अरिल नदी के जरिए जिन ग्रामों से होते हुए गंगा की सहायक नदी रामगंगा में मिलता है। उन ग्रामों के पेयजल संसाधन नमूनों की जांच विगत 5 वर्षों में सरकार ने कराई है ? यदि हां, तो उक्त जांच रिपोर्ट का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डॉ0 अरुण कुमार-

क्षेत्रीय कार्यालय, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुरादाबाद द्वारा अरिल नदी एवं पेयजल संसाधन नमूनों की जांच की जा रही है। बोर्ड द्वारा कराये गये अनुश्रवण का विवरण निम्नवत् है :-

दिनांक	स्थल	प्रचालकों का नाम
09-12-2020	अरिल नदी	मानकों के अनुरूप
19-03-2021	हैण्डपम्प (मे0 शाकुम्भरी पेपर)	मानकों के अनुरूप
26-06-2021	काली माता मंदिर (रामगंगा नदी)	मानकों के अनुरूप
26-06-2021	करूला ड्रेन	मानकों के अनुरूप
26-06-2021	चीमा गैस एजेन्सी	मानकों के अनुरूप
26-06-2021	काली माता मंदिर	मानकों के अनुरूप
26-06-2021	देवारी रोड, बिलारी	मानकों के अनुरूप

उपरोक्त जांच रिपोर्ट के आधार पर अरिल नदी एवं मे0 लक्ष्मी शुगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, राजा का सहसपुर, तहसील बिलारी, जनपद मुरादाबाद के समीप पेयजल संसाधनों में प्रचालक मानकों के अनुरूप है। जांच रिपोर्ट संलग्न है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद के अन्तर्गत मोहल्ला कृष्णानगर में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर गली से नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में

121-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद के अन्तर्गत मोहल्ला कृष्णानगर में पवन की लकड़ी की टाल से शेर सिंह के मकान तक की गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516052, दिनांक 12-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-20 मोहल्ला कृष्णानगर में पवन की लकड़ी की टाल से शेर सिंह के मकान तक कच्ची गली में आर0सी0सी0 नाली व कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 4,80,000.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद के अन्तर्गत मोहल्ला पंसारियान बौहरान गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में

122-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद के अन्तर्गत मोहल्ला पंसारियान बौहरान गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516776, दिनांक 08-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-46 बौहरान गली/पीपल वाली गली में सुमित से भगवती बैंगिल स्टोर, अग्रवाल स्टोर होते हुए दीपक बन्दूक वाले तक, पंसारिमान गली में पंकज से पवन लाल, हुण्डा वाली गली में नीरज शर्मा से मनोज गुप्ता व तिलक मोहन वाली गली में रामनिवास जनरल स्टोर से माता मन्दिर के सामने तक नाली मरम्मत व सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत निविदा प्रक्रिया में है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद के अन्तर्गत मोहल्ला मथुरा नगर में गली नं0-10 वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में

123-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद के अन्तर्गत मोहल्ला मथुरानगर में गली नं0-10 वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516778, दिनांक 08-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत गली नं0-10 का निर्माण कार्य 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत पूर्ण करा दिया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद के अन्तर्गत मोहल्ला कोटला पजावा धोबी वाली पुलिया से माता वाले मंदिर तक (मुख्य मार्ग) वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में

124-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद के अन्तर्गत मोहल्ला कोटला पजावा धोबी वाली पुलिया से माता वाले मंदिर तक (मुख्य मार्ग) वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516011, दिनांक 01-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत गली नं0-40 धोबी वाली पुलिया से दाताराम तक सी0सी0 सड़क सुधार कार्य 15वें वित्त आयोग के अन्तर्गत वित्तीय निविदा स्वीकृति कृति की प्रक्रिया में है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद के अन्तर्गत मोहल्ला ठारपूठा की कतिपय क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी

125-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद के अन्तर्गत मोहल्ला ठारपूठा में शिवकुमार के मकान से लेकर अशोक कुमार के मकान तक, मुन्नी देवी के मकान से कैलाश के मकान तक एवं रामबेटी के मकान से नेत्रपाल शर्मा के मकान तक की गलियाँ वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6, नं0-516786, दिनांक 07-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-34, मोहल्ला ठारपूठा में शिवकुमार से रामसेवक, केशव देवी से बृजमोहन एवं सत्ते से अवधेश तक कच्ची गलियों में आर0सी0सी0 नाली व कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 36,96,600.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद झांसी के अन्तर्गत गरौठा, बामौर, मारकुआ, गुरूसराय, एरच, मोठ, कुरैठा, समथर आदि क्रय केन्द्रों पर चालू खरीद वर्ष में समर्थन मूल्य पर चना की खरीद न किये जाने के सम्बन्ध में

126-श्री जवाहर लाल राजपूत-

क्या सहकारिता मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झांसी के अन्तर्गत गरौठा, बामौर, मारकुआ, गुरूसराय, एरच, मोठ, कुरैठा, समथर आदि क्रय केन्द्रों पर चालू खरीद वर्ष में समर्थन मूल्य पर चना की खरीद न किये जाने के कारण स्थानीय किसान सस्ते दामों में बेचने को विवश हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त केन्द्रों पर चने की खरीद चालू करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री जयेन्द्र प्रताप सिंह राठौर-

जी नहीं।

जी हाँ।

भारत सरकार एवं राज्य सरकार के निर्देशों के क्रम में आयुक्त एवं निबन्धक, सहकारिता, उ0प्र0, लखनऊ के पत्र-संख्या 130, दिनांक 11-04-2022 एवं पी0सी0यू0 कार्यालय के पत्रांकः 09, दिनांक 01-04-2022 पत्रांकः 12, दिनांक 01-04-2022 एवं पत्रांकः 63, दिनांक 05-04-2022 के माध्यम से मूल्य समर्थन योजना रबी वर्ष 2022-23 के अन्तर्गत दलहनी एवं तिलहनी फसलों (चना, मसूर एवं सरसों) का क्रय कराये जाने हेतु क्रय केन्द्र खुलवाये जाने के सम्बन्ध में जिलाधिकारियों को निर्गत किये गये दिशा-निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी झांसी के अनुमोदन उपरान्त जनपद झांसी में पी0सी0यू0 द्वारा क्रय केन्द्र भोजला मण्डी, चिरगाँव मण्डी, रामनगर मण्डी एवं एरच मण्डी में 04 एवं पी0सी0एफ0 द्वारा कृषक सेवा केन्द्र गुरूसराय एट भस्नेह में 01 कुल 05 क्रय केन्द्र जनपद झांसी में खोले गये हैं, जिनके माध्यम से दिनांक 18-05-2022 तक 1532 कृषकों से 3302.95 मी0 टन चना खरीद की जा चुकी है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में कतिपय राजमार्गों व जिला मार्गों के किनारे ईंट का स्टैग लगाने के सम्बन्ध में

127-श्री जगदीश नारायण-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में कतिपय राजमार्गों व जिला मार्गों के किनारे संचालित ईंट भट्ठों तथा अन्य व्यापार करने वाले लोगों द्वारा पटरियों पर ईंट का स्टैग लगाने से दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है ? यदि हां, तो क्या सरकार अभियान चलाकर अवरोध हटवाने का कार्य करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? क्या सरकार जनपद जौनपुर-गाजीपुर मार्ग पर बने उक्त अवरोधों को चिन्हित कर हटायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हां।

लोक निर्माण विभाग द्वारा समय-समय पर जिला प्रशासन के सहयोग से अभियान चलाकर स्थायी एवं अस्थायी अतिक्रमण को हटाया जाता है, जिससे मार्ग पर सुगम यातायात बना रहे।

उपरोक्तानुसार।

जौनपुर-गाजीपुर मार्ग वर्तमान में एन0एच0ए0आई0 के अधीन है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एन0एच0ए0आई0) वाराणसी द्वारा अवगत कराया गया है कि मार्ग पर निरीक्षणोपरान्त यदि कोई अवरोध पाया जाता है तो शीघ्र हटवाने की कार्यवाही की जायेगी।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में निर्बाध विद्युत आपूर्ति के सम्बन्ध में

128-श्री रवि शर्मा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झांसी के महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज के ट्रामा सेण्टर, कार्डियो एवं गम्भीर बिमारी के उपचार/ऑपरेशनों के दौरान विद्युत कटौती से उपचार में परेशानी होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार जनहित में महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज, झांसी का निर्बाध विद्युत आपूर्ति हेतु अलग से फीडर स्थापित करने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मेडिकल कालेज, झांसी लोकहित का एक अति महत्वपूर्ण संस्थान होने के कारण इसकी विद्युत आपूर्ति की निरन्तरता सुनिश्चित किए जाने का हर सम्भव प्रयास किया जाता है।

वर्तमान में इसकी विद्युत आपूर्ति 33/11 के0वी0 उपकेन्द्र मेडिकल कालेज उपकेन्द्र के 11 के0वी0 स्वतन्त्र पोषक से की जाती है, जिस पर शहरी शिड्यूल के अनुसार 24 घन्टे विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

मेडिकल कालेज प्रबन्धन से संस्थान की विद्युत आपूर्ति की निरन्तरता में सुधार हेतु यदि अलग पोषक के निर्माण का कोई प्रस्ताव प्राप्त होता है तो विभागीय नियमानुसार जमा योजना के अन्तर्गत कार्य कराया जाना सम्भव है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

झांसी नगर के मुख्य बाजारों में मल्टीलेवल पार्किंग के निर्माण के सम्बन्ध में

129-श्री रवि शर्मा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि झांसी नगर के मुख्य बाजारों में पार्किंग की उचित व्यवस्था न होने के कारण जनमानस को आवागमन में परेशानी होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्रों में ट्रैफिक जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए झांसी नगर में मल्टीलेवल पार्किंग बनाये जाने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

जी हां। स्मार्ट सिटी मिशन अन्तर्गत झांसी नगर में उचित पार्किंग की व्यवस्था हेतु नगर निगम, झांसी के निकट पशु चिकित्सालय के स्थान पर मल्टीलेवल कार पार्किंग का निर्माण कराया जाना प्रस्तावित है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नजीबाबाद में रेलवे लाइन पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण के सम्बन्ध में

130 श्री तसलीम अहमद-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नजीबाबाद में मालगोदाम तिराहे से आदर्शनगर बिजली घर तक फुट ओवर ब्रिज न होने से उक्त क्षेत्र में रेलवे लाइन पार करके दर्जनों ग्राम के स्कूली बच्चे, राहगीर जोखिम उठाकर नजीबाबाद आवागमन करते हैं ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त रेलवे लाइन पर फुट ओवर ब्रिज का निर्माण कराएगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

फुट ओवर ब्रिज का निर्माण रेलवे द्वारा किया जाता है। अतः प्रश्नगत फुट ओवर ब्रिज के निर्माण के सम्बन्ध में लोक निर्माण विभाग से कार्यवाही अपेक्षित नहीं है।

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर में क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत/पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में

131-श्री अखिलेश-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर एक्सप्रेस-वे निर्माण में ट्रकों एवं अन्य भारी वाहनों द्वारा सामग्री ढुलाई से उक्त क्षेत्र की सड़कें क्षतिग्रस्त एवं गड्ढायुक्त हो गयी हैं। जिससे लोगों को आवागमन में असुविधा हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत/पुनर्निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जनपद आजमगढ़ के विधान सभा क्षेत्र मुबारकपुर में एक्सप्रेस-वे निर्माण में ट्रकों एवं अन्य भारी वाहनों द्वारा सामग्री ढुलाई से क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत की कार्यवाही यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) द्वारा की जानी है। इस सम्बन्ध में आवश्यक कार्यवाही कराये जाने हेतु कार्यदायी संस्था यूपीडा (उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण) के प्रशासकीय विभाग, अवस्थापना एवं औद्यौगिक विकास विभाग को पत्र दिनांक 26-10-2021 प्रेषित किया गया है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

कानपुर महानगर में आवारा कुत्ते, सुअर, सांड़ आदि छुट्टा जानवरों को स्थानान्तरित किये जाने के सम्बन्ध में

132-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि कानपुर महानगर में आवारा कुत्ते, सुअर, सांड़ आदि छुट्टा जानवरों को यहां से बाहर किये जाने की कोई योजना सरकार बनायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

विशेष अनुज्ञा याचिका सं0-691/2015 एनिमल वेलफेयर बोर्ड ऑफ इण्डिया व अन्य बनाम पीपुल फॉर एलिमिनेशन ऑफ स्ट्रे ट्राबुल्स व अन्य में पारित मा0 सर्वोच्च न्यायालय के आदेश दिनांक 18-11-2015 के अनुपालन में नगर से आवारा कुत्तों को पकड़ कर किसी अन्य स्थान पर छोड़ना प्रतिबन्धित है। आवारा कुत्तों की जनसंख्या को नियंत्रित करने हेतु कुत्तों में बधियाकरण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है, जिसमें लगभग 1200 आवारा कुत्तों को पकड़ कर प्रतिमाह नसबन्दी की कार्यवाही की जा रही है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में कुल 14679 आवारा कुत्तों की नसबन्दी की कार्यवाही की गयी।

कानपुर नगर निगम द्वारा आवारा सुअरों को नगर निगम की सीमा के बाहर किये जाने हेतु लगातार सुअर पकड़ो अभियान संचालित किया जा रहा है। उक्त सुअर पकड़ो अभियान के अन्तर्गत जब्त किये गये सुअरों को नीलाम किये जाने की कार्यवाही की जा रही है, जिससे प्राप्त राजस्व को नगर निगम कोष में जमा कराया जाता है। वित्तीय वर्ष 2021-22 में आवारा सुअरों की नीलामी से प्राप्त धनराशि रु0 1809000.00 को नगर निगम कोष में जमा कराया गया।

कानपुर नगर निगम द्वारा प्रतिदिन अभियान चलाकर आवारा पशुओं को पकड़ कर नगर निगम द्वारा संचालित गौ-आश्रय स्थलों में संरक्षित किये जाने की कार्यवाही की जा रही है। वर्तमान में कुल 6133 आवारा पशुओं को कान्हा गौशाला, जाना गाँव, अस्थाई गौ-संरक्षण केन्द्र, पनकी एवं गौशाला जाजमऊ में संरक्षित किया गया है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

कानपुर नगर निगम के घनकुट्टी अस्पताल के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में

133-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि कानपुर नगर निगम के धनकुट्टी अस्पताल का पुनर्निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

प्रश्नगत अस्पताल के जर्जर भवन के ध्वस्तीकरण की कार्यवाही पूर्ण करने के साथ-साथ मलवा भी उठवा दिया गया है। अस्पताल का निर्माण कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नजीबाबाद के ग्राम फजलपुर-हुमायूंपुर इद्दू मार्ग से ग्राम ज्वालीलाला सम्पर्क मार्ग के सम्बन्ध में

134-श्री तसलीम अहमद-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नजीबाबाद के ग्राम फजलपुर-हुमायूंपुर इद्दू मार्ग से ग्राम ज्वालीलाला सम्पर्क मार्ग पूर्ण रूप से कच्चा एवं क्षतिग्रस्त है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का निर्माण कार्य करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हां। जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नजीबाबाद के ग्राम फजलपुर-हुमायूंपुर इद्दू मार्ग से ज्वालीलाला मार्ग पर 1100 मीटर लम्बाई का कच्चा मार्ग है, जो मार्ग की छूटी कड़ी है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में मार्ग निर्माण की कार्य-योजना में उक्त मार्ग को सम्मिलित कर लिया गया है। मार्ग के 3.75 मीटर चौड़ाई में निर्माण कार्य की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नजीबाबाद के ग्राम अलीपुर द्वारका से सलेमपुर भट्टा तक के सम्पर्क मार्ग निर्माण के सम्बन्ध में

135-श्री तसलीम अहमद-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नजीबाबाद के ग्राम अलीपुर द्वारका से सलेमपुर भट्टा 1200 मीटर सम्पर्क मार्ग पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्ग का निर्माण कार्य करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हां। जनपद बिजनौर के विधान सभा क्षेत्र नजीबाबाद के ग्राम अलीपुर द्वारका से सलेमपुर भट्टा मार्ग की लम्बाई 1200 मीटर है, जो क्षतिग्रस्त है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में विशेष मरम्मत की कार्य योजना में उक्त मार्ग को सम्मिलित कर लिया गया है, जिसकी स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

नगर निगम, फिरोजाबाद के कतिपय मुहल्लों के क्षतिग्रस्त मार्गों के मरम्मत के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के प्रेषित पत्र पर कृत कार्यवाही की जानकारी

136-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला सैलई में मरघटी से लेकर मोहल्ला रविदास नगर के मोड़ तक एवं मोहल्ला रविदास नगर के मोड़ से लेकर मोहल्ला प्रताप नगर तक का मार्ग वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516046, दिनांक 13-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-01, सैलई मरघटी से रविदास नगर मोड़, रोशन गौतम के मकान होते हुए प्रताप नगर तक कच्ची सड़क में आर0सी0सी0 नाली व कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 79,26,450.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला आजाद नगर की कतिपय गलियां क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी

137-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला आजाद नगर में श्यामवीर राणा वाली गली एवं पातीराम धर्मशाला के पीछे न्यू श्याम नगर वाली गलियां वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-505066, दिनांक 13-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-06, आजाद नगर के श्याम नगर में पातीराम धर्मशाला के पीछे राणा की टाल से श्याम गुप्ता, राजकुमार व सुनीता के घर से होते हुए वीरेन्द्र के घर तक एवं लिंक गलियों में नाली व कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का आगणन

धनराशि रु0 10,56,281.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला लक्ष्मी नगर नई आबादी ककरऊ कोठी में राहुल यादव के मैरिज होम से लेकर हरिओम यादव के मकान तक की गली क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के सम्बन्ध में

138-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला लक्ष्मी नगर नई आबादी ककरऊ कोठी में राहुल यादव के मैरिज होम से लेकर हरिओम यादव के मकान तक की गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-515059, दिनांक 13-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-12, लक्ष्मी नगर नई आबादी ककरऊ कोठी में राहुल यादव के मैरिज होम से हरिओम यादव के मकान तक कच्ची गली में आर0सी0सी0 नाली एवं कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 20,86,600.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला लक्ष्मी नगर नई आबादी ककरऊ कोठी में संजू कश्यप, राकेश के मकान से लेकर डॉक्टर धीरन के मकान तक का मार्ग क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के सम्बन्ध में

139-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद में मोहल्ला लक्ष्मी नगर नई आबादी ककरऊ कोठी में संजू कश्यप, राकेश के मकान से लेकर डॉक्टर धीरन के मकान तक का मार्ग वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516058, दिनांक 13-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-12, ककरऊ मोहल्ला लक्ष्मी नगर में अशोक से महेश चन्द्र, प्रदीप से महेश राठौर, मोहन बाबू से यशपाल, प्रजापति से अमृतलाल, रौबी यादव से राम यादव तक आर0सी0सी0 नाली एवं कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 48,11,960.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद में कार्यरत कतिपय लेखाधिकारी के विरुद्ध शिकायत पर कार्यवाही विषयक

140-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद में कार्यरत कतिपय लेखाधिकारी के विरुद्ध नगर निगम, फिरोजाबाद में चार पत्रावलियों को गायब करने की शिकायत पर उप सचिव, उ0प्र0 शासन, नगर विकास अनुभाग-4, लखनऊ के कार्यालय, ज्ञाप संख्या-254/नौ-4-21-01-लेखा/2020, दिनांक 22-01-2022 के अनुपालन में माह मई, 2021 से वेतन रोक दिया गया है ? क्या सरकार यह भी बतायेगी कि उक्त प्रकरण में 04 पत्रावलियाँ गायब/नष्ट करने शासन को गुमराह करने एवं शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने के अरोपों के सम्बन्ध में नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद द्वारा अपर मुख्य सचिव, नगर विकास, उ0प्र0 को प्रेषित पत्रांकः संख्या-182/सा0प्र0/ले0वि0/नं0निं0फि0/2021-22, दिनांक 14 सितम्बर, 2021 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

लेखाधिकारी, नगर निगम, फिरोजाबाद के विरुद्ध तत्समय प्रचलित अनुशासनिक कार्यवाही के निष्पक्ष निष्पादन हेतु शासन के कार्यालय-ज्ञाप संख्या-254/नौ-4-21-01 लेखा/2020, दिनांक 22 जनवरी, 2021 द्वारा उन्हें नगर निकाय निदेशालय से सम्बद्ध किये जाने तथा उनका वेतन नगर निगम, फिरोजाबाद से आहरित किये जाने के आदेश निर्गत किये गये हैं।

जी हां।

प्रकरण में 04 पत्रावलियाँ प्रस्तुत नहीं किये जाने के सम्बन्ध में कार्यालय नगर निगम, फिरोजाबाद के पत्रांकः 182/सा0प्र0/ले0वि0/नं0निं0फि0/2021-22, दिनांक 14 सितम्बर, 2021 द्वारा लेखाधिकारी के विरुद्ध निर्गत कारण बताओ नोटिस की प्रति शासन में प्राप्त हुई

है। लेखाधिकारी द्वारा दिनांक 12-10-2021 को प्रेषित कारण बताओ नोटिस के उत्तर पर विचारोपरान्त नगर आयुक्त द्वारा प्रकरण में अपर नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद को जाँच सौंपी गयी है। जाँच आख्या प्राप्त होने पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की जायेगी।

प्रदेश में निजी कम्पनियों द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं का शोषण रोकने के सम्बन्ध में

141-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विद्युत विभाग में कौन-कौन सी सेवा निजी कम्पनियों को सौंपी गई हैं ? क्या सरकार बताएगी कि निजी कम्पनियों द्वारा विद्युत उपभोक्ताओं का शोषण रोकने हेतु कोई प्रभावी व्यवस्था की गई है ? यदि हां, तो उक्त का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

प्रदेश में विद्युत विभाग के अन्तर्गत निम्न सेवाएँ वाह्य सेवा प्रदाता एजेन्सियों के माध्यम से भी सम्पादित करायी जा रही हैं :-

1-मीटर रिडिंग एवं बिलिंग।

2-33/11 के0वी0 उपकेन्द्रों का परिचालन तथा एच0टी0 एण्ड एल0टी0 लाइनों का अनुरक्षण।

3-मीटरों का स्थापन/प्रतिस्थापन।

4-कम्प्यूटर आपरेटर्स सम्बन्धित सेवा।

जी हाँ।

उपभोक्ताओं के शोषण को रोकने हेतु वाह्य सेवा प्रदाता एजेन्सी पर पेनाल्टी लगाने, गलत रीडिंग करने पर सम्बन्धित मीटर रीडरों को एजेन्सी द्वारा हटाने एवं उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने व नियमित रूप से क्षेत्र बदलने की व्यवस्था की गयी है।

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ नगर निगम सीमा में आवारा कुत्तों को पकड़ने के सम्बन्ध में

142-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ नगर निगम सीमा में आवारा कुत्तों के कारण छोटे बच्चों के साथ दुर्घटनाओं का संज्ञान लेते हुए आवारा कुत्तों को पकड़ने की स्थायी व्यवस्था हेतु सरकार कोई योजना बनायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

नगर निगम, लखनऊ आवारा श्वानों (कुत्तों) की जनसंख्या वृद्धि नियन्त्रण हेतु निरन्तर प्रयासरत् है। नगर निगम, लखनऊ द्वारा ए0बी0सी0 डॉग रूल्स 2001 तथा मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा दिये गए आदेशों का समुचित अनुपालन कराने हेतु ह्यूमन सोसाइटी इण्टरनेशनल

(इण्डिया) से अनुबन्ध स्थापित कर माह सितम्बर, 2019 से निरन्तर आवारा श्वानों को पकड़ कर उनका बन्ध्याकरण तथा रैबीज के विरुद्ध टीकाकरण कराया जा रहा है। मा0 उच्चतम न्यायालय के आदेशों के अनुपालन में पकड़े गए श्वानों को न ही पकड़कर बन्द किया जा सकता है और न ही स्थानान्तरित किया जा सकता है।

इसी क्रम में माह सितम्बर, 2019 से 12 मई, 2022 तक HSI संस्था द्वारा कुल 36,180 श्वानों का बन्ध्याकरण तथा टीकाकरण करवा कर पुनः पकड़े गए स्थल पर छोड़ने की कार्यवाही की जा चुकी है।

मा0 उच्च न्यायालय द्वारा श्वान के द्वारा बच्चों को काटने पर स्वतः लिये गये संज्ञान पर नगर निगम द्वारा हड़ाइन खेड़ा स्थित शूटिंग रेंज के निकट एक अस्थायी श्वान बन्ध्याकरण केन्द्र प्रारम्भ किया गया, जिसके पश्चात् संस्था द्वारा दोनों केन्द्रों में मिलाकर प्रतिदिन 80-100 श्वानों का बन्ध्याकरण किया जा रहा है। माह सितम्बर, 2019 से माह अप्रैल, 2022 तक आई0जी0आर0एस0 तथा अन्य ऑनलाइन माध्यमों से प्राप्त लगभग 1024 शिकायतों तथा ऑफलाइन माध्यम से प्राप्त सैकड़ों शिकायतों का ससमय व गुणवत्तापरक् निराकरण कराया जा रहा है।

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ नगर निगम के फैजुल्लागंज क्षेत्र में आवारा सुअरों को पकड़ने के सम्बन्ध में

143-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ नगर निगम के फैजुल्लागंज क्षेत्र में आवारा सुअरों के विचरण से आमजन को हो रही परेशानी के दृष्टिगत अभियान चलाकर आवारा सुअर पकड़ने का कार्य करायेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि भारत सरकार राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग में योजित वाद संख्या-24/57/मिस/2018/ESDW, दिनांक 05-02-2019 (छायाप्रति संलग्न) सुनवाई के कार्यवृत्त के अनुसार "सुअर पालन" के कार्य में कई अनुसूचित जातियाँ जुड़ी हैं, अथवा उनके आर्थिक हितों को ध्यान में रखा जाना आवश्यक है। आयुक्त महोदय नगर निगम वैकल्पिक व्यवस्था होने तक उत्पीड़न की कार्यवाही न करवाने पर विचार करेंगे। इस सम्बन्ध में राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के द्वारा पुनः दिनांक 24-02-2022 को उपरोक्त वाद के कार्यवृत्त पर कड़ाई से अनुपालन करने हेतु निर्देशित किया गया है तथा कार्यालय लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ का पत्र संख्या-49/सचिव/अ0ज07/22, दिनांक 23-04-2022 भी उपरोक्त आदेशों के क्रम में है। इसके उपरान्त भी नगर निगम द्वारा विभिन्न माध्यम से प्राप्त शिकायतों का संज्ञान लेते हुए आवारा सुअरों के विचरण करने, गन्दगी फैलाने तथा मार्ग दुर्घटना का कारक बनने वाले सुअरों को पकड़वाने की वैधानिक कार्यवाही करवाई जा

रही है। अवगत कराना है कि फैजुल्लागंज क्षेत्र की प्राप्त शिकायतों पर श्री अखिलेश पुत्र श्री शंकर, श्री सूरज पुत्र श्री सोहन, श्री रवि पुत्र श्री शंकर, निवासीगण रहीमनगर डुडौली मार्ग, प्रीतिनगर फैजुल्लागंज, थाना-मड़ियाँव, लखनऊ के विरुद्ध बुक सं0-97/31, 32 व 33, दिनांक 05-04-2022 को चालान की कार्यवाही करके मा0 सक्षम न्यायालय को भेजा जा चुका है। पुनः स्थलीय निरीक्षण कराया गया, निरीक्षण के समय उपरोक्त सुअर पालक अवैध रूप से सुअरों को पालकर गंदगी करते पाए गए। जिनके विरुद्ध मौके पर ही उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1959 की धारा-550 के अन्तर्गत बुक सं0-97/5051 व 52, दिनांक 11-05-2022 पर चालान की कार्यवाही की गयी, परन्तु सुअर पालकों की प्रवृत्ति पर कोई प्रभाव नहीं पड़ने के कारण दिनांक 12-05-2022 को उपरोक्त के विरुद्ध सुअरों को अन्यत्र हटाये जाने हेतु नोटिस भेजी गयी।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत रतनलाल नगर को दबौली वेस्ट से जोड़ने हेतु उपरिगामी रेलवे सेतु के निर्माण विषयक

144-श्री सुरेन्द्र मैथानी-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत रतनलाल नगर को दबौली वेस्ट से जोड़ने हेतु उपरिगामी रेलवे सेतु के निर्माण कराये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या 8306-04-2022, दिनांक 07-04-2022 प्रमुख सचिव, नगर विकास को प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही हुई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत पत्र दिनाँक 22-05-2022 को प्राप्त हुआ है।

प्रश्नगत प्रकरण की विषय-वस्तु लोक निर्माण विभाग से संबंधित होने के दृष्टिगत प्रकरण में आवश्यक कार्यवाही कराने हेतु प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0 शासन को नगर विकास विभाग, उ0प्र0 शासन का पत्र दिनांक 23-05-2022 प्रेषित किया गया है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के "पनकी धाम रेलवे स्टेशन" को विकसित कराये जाने विषयक

145-श्री सुरेन्द्र मैथानी-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत शहर के बीचों-बीच "पनकी धाम रेलवे स्टेशन" के बाहर के क्षेत्र को मूलभूत सुविधाओं से विकसित कराये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या 8256-04-2022

दिनांक 11-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही हुई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

पनकीधाम रेलवे स्टेशन के सम्पर्क मार्ग एवं अन्य नागरिक सुविधायें विकसित किये जाने के विषयगत परीक्षण कर प्रस्ताव तैयार कराया जा रहा है। उक्त कार्य का कराया जाना नगर निगम में वित्तीय संसाधन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत उपरिगामी सेतु के निर्माण विषयक

146-श्री सुरेन्द्र मैथानी-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत स्थित अर्मापुर से दादा नगर इण्डस्ट्रियल एरिया को जोड़ने वाले अति व्यस्त तथा वर्षों पुराने मार्ग पर एक उपरिगामी सेतु के निर्माण विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-8309-04-2022, दिनांक 11-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही हुई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हां।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत स्थित अर्मापुर से दादा नगर इण्डस्ट्रियल एरिया को जोड़ने के लिए उपरिगामी सेतु के निर्माण हेतु सेतु निगम के अधिकारियों द्वारा प्राथमिक स्थलीय निरीक्षण किया गया। उक्त स्थल पर रेलवे सम्पार नहीं है, जिसके कारण रेलवे विभाग द्वारा सेतु की लागत में सहभागिता नहीं की जायेगी तथा सम्पूर्ण लागत का वहन राज्य सरकार को करना होगा। उक्त सेतु के निर्माण की प्रारम्भिक रूप से लगभग रु0 11300.00 लाख की लागत अनुमानित है। सम्पार पर उपरिगामी सेतु निर्माण फिजिबुल होने के सम्बन्ध में रेलवे विभाग से कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। उक्त उपरिगामी सेतु का निर्माण फिजिबिलिटी एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत कतिपय मार्ग को पक्का बनाये जाने विषयक

147-श्री सुरेन्द्र मैथानी-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत स्थित अर्मापुर से दादा नगर इण्डस्ट्रियल एरिया को जोड़ने वाला

वर्तमान में कच्चा मार्ग को पक्का बनाये जाने विषयक प्रश्नकर्ता का पत्र संख्या-8299-04-2022 दिनांकित 07-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही हुई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हां।

अर्मापुर से दादा नगर इण्डस्ट्रियल एरिया को जोड़ने वाले मार्ग के निर्माण की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद अम्बेडकरनगर के ग्राम दरवन, पो0 खेमापुर निवासिनी श्रीमती दशरथ देवी को निजी नलकूप को विद्युत कनेक्शन जारी करने विषयक

148-श्री लाल जी वर्मा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद अम्बेडकरनगर के ग्राम दरवन, पो0 खेमापुर में निजी नलकूप के विद्युत कनेक्शन रजि0 नं0-3937081900021 सामान्य योजना के अन्तर्गत समस्त औपचारिकता पूर्ण कर विद्युत वितरण खण्ड अकबरपुर, अम्बेडकरनगर के स्टीमेट के अनुसार दिनांक 04 अक्टूबर, 2019 को रु0 53339 जमा किया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार के संज्ञान में है कि उक्त को विद्युत कनेक्शन जारी नहीं किया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त नलकूप हेतु विद्युत कनेक्शन जारी करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

श्रीमती दशरथ देवी, ग्राम-दरवन, पोस्ट-खेमापुर ने सामान्य योजना में निजी नलकूप संयोजन हेतु प्राक्कलन की धनराशि रु0 53,339.00 दिनांक 04-10-2019 को जमा किया है।

जी हां।

सामान्य योजना में सामग्री निर्गत करने हेतु उक्त आवेदन विद्युत भण्डार केन्द्र अकबरपुर के प्राथमिकता सूची में क्रमांक-178 पर अंकित है तथा शासन से प्राप्त अनुदान की धनराशि के आधार पर क्रमांक-161 तक सामग्री निर्गत है। आवेदक यदि चाहे तो पूर्ण जमा योजना के अन्तर्गत प्राक्कलन के अनुरूप धनराशि जमा कराकर विद्युत संयोजन प्राप्त कर सकती है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

149-श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह-

[02 मंगलवार के अतारांकित प्र0सं0-125 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सरेनी में राष्ट्रीय राजमार्ग सं0-232 सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के विषयक

150-श्री देवेन्द्र प्रताप सिंह-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद रायबरेली के विधान सभा क्षेत्र सरेनी में राष्ट्रीय राजमार्ग सं0-232 के गंगा जी पुल गोगासी गंगा घाट से लालगंज बाईपास पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के ठोस उपाय सरकार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

उक्त स्थल पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु सेफ्टी ऑडिट कराकर तदनुसार सुरक्षात्मक उपाय किये जायेंगे।

प्रश्न नहीं उठता है।

151-श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

[विस्तीर्णता के आधार पर निरस्त]

कानपुर स्थित नानाराव पार्क में आयोजनों पर रोक के दृष्टिगत निकटवर्ती स्थान पर महोत्सव पण्डाल के निर्माण के सम्बन्ध में

152-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि कानपुर नगर निगम द्वारा नानाराव पार्क में धार्मिक कार्यों/आयोजनों पर रोक लगा दी गई है ? यदि हां, तो क्या सरकार ने किसी अन्य निकटवर्ती स्थान पर महोत्सव पंडाल बनाने का निर्णय लिया है ? यदि हां, तो कहाँ ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, लखनऊ मण्डल, भारत सरकार के पत्र संख्या-10-01/116/2016/स्मारक-4574, दिनाक 01-10-2019 द्वारा केन्द्र संरक्षित स्मारक "मेमोरियल वेल गार्डेन (नानाराव पार्क)" कानपुर के संरक्षित क्षेत्र के दृष्टिगत प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम (यथा संशोधित), 1958 एवं तत्सम्बन्धी नियम-1959 के प्रावधानों के तहत बिना अनुमति के केन्द्र संरक्षित स्मारक के संरक्षित क्षेत्र में किसी प्रकार का समारोह आयोजित किया जाना अवैध है।

उक्त अधिनियम की धाराओं के विपरीत समारोह आयोजन करने या उसका उल्लंघन करने पर 02 वर्ष अनधिक कारावास से या ऐसे जुर्माने से, जोकि एक लाख रुपये तक हो

सकेगा या दोनों से दण्डित किए जाने का प्रावधान है। "मेमोरियल वेल गार्डेन (नानाराव पार्क)" कानपुर में कार्यक्रम आयोजन के सम्बन्ध में किसी भी प्रकार का निर्णय/कार्यवाही का अधिकार महानिदेशक, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, नई दिल्ली में निहित है।

निकटतम स्थल पर कार्यक्रमों के आयोजन हेतु कोई भी अन्य स्थल उपलब्ध नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद झांसी के झांसी नगर स्थित आँतिया तालाब एवं लक्ष्मी तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने के सम्बन्ध में

153-श्री रवि शर्मा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झांसी के झांसी नगर स्थित आँतिया तालाब एवं लक्ष्मी तालाब पर अतिक्रमण कर लिया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त तालाबों के क्षेत्रफल का सत्यापन कराकर अतिक्रमण मुक्त करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

मौजा झाँसी खास में आँतिया तालाब का रकबा 2.391 हे0 तथा झाँसी सिविल में 3.771 हे0 है। तालाब का कुल क्षेत्रफल 6.162 हे0 है। मौजा झाँसी सिविल के रकबा 2.416 हे0 पर मा0 उच्च न्यायालय का स्थगन आदेश प्रभावी है, जो मौके पर रिक्त है तथा कुछ क्षेत्र में आबादी है, शेष तालाब भूमि पर कोई अतिक्रमण नहीं है।

मौजा इण्डियापुरा स्थित कुल 60 किलो रकबा 33.068 हे0 लक्ष्मी तालाब के रूप में राजस्व अभिलेखों में दर्ज है।

राजस्व विभाग एवं नगर निगम द्वारा पैमाइश कराई गयी है, इसके अतिरिक्त डिजिटल पैमाइश कराई गयी। लक्ष्मी तालाब की भूमि पर श्री मनीराम व श्री जितेन्द्र पुत्रगण बाबूलाल के अवैध मकान बने हुये पाये गये थे, जिन्हें नियमानुसार नोटिस देते हुये हटवा दिया गया।

तालाब की भूमि में दो सार्वजनिक मन्दिर एवं मजार काफी पुरानी बनी हुई हैं, जिनको हटाया जाना कानून व्यवस्था की दृष्टि से व्यवहारिक नहीं है। इसके अलावा अन्य कोई अतिक्रमण नहीं पाया गया।

स्मार्ट सिटी योजना के अन्तर्गत उक्त तालाब के सौन्दर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मेरठ में बिजली घर/विद्युत उपकेन्द्रों का निर्माण अथवा क्षमता वृद्धि की जानकारी उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में

154-श्री अतुल प्रधान-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मेरठ में वर्ष 2017 से दिनांक 19-04-2022 तक कितने बिजली घर/विद्युत उपकेन्द्रों का निर्माण अथवा क्षमता वृद्धि की गई है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जनपद मेरठ में वर्ष 2017 से दिनांक 19-04-2022 तक कुल 26 बिजली घर/विद्युत उपकेन्द्र का निर्माण हुआ है एवं कुल 33 नग बिजली घर/उपकेन्द्रों की क्षमता वृद्धि की गयी है। जिनका विवरण निम्नवत् है :-

वर्ष	नये उपकेन्द्र	क्षमता वृद्धि	कुल
2017	10	14	24
2018	13	7	20
2019	3	4	7
2020	0	7	7
2021	0	1	1
19-04-2022	0	0	0
कुल	26	33	59

जी हां।

(विवरण संलग्नक-1 व 2)†

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मेरठ के नगर निगम, मेरठ तथा नगर पंचायतों में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की जानकारी के सम्बन्ध में

155-श्री अतुल प्रधान-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मेरठ के नगर निगम मेरठ तथा नगर पंचायतों में सफाई कर्मचारियों के सृजित पदों के सापेक्ष वर्तमान में कितने स्थाई तथा संविदा कर्मी कार्यरत हैं ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

---

† देखिये नत्थी 'छ' आगे पृष्ठ संख्या-306-308 पर

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जनपद मेरठ में स्थित नगर निगम, मेरठ में सफाई कर्मचारी के कुल 3367 पद सृजित हैं, जिसके सापेक्ष 695 स्थायी सफाई कर्मचारी कार्यरत हैं। जनपद मेरठ के कुल 13 नगर पंचायतों में सफाई कर्मचारी के कुल 116 पद सृजित हैं, जिसके सापेक्ष कुल 75 स्थायी कर्मचारी कार्यरत हैं तथा उक्त नगर पंचायतों में कुल 215 सफाई कर्मचारी संविदा पर कार्यरत हैं। उक्त के अतिरिक्त उपरोक्त निकायों में सफाई व्यवस्था हेतु आवश्यकतानुसार सेवा प्रदाता के माध्यम से सफाई कर्मचारियों को सम्बद्ध किया गया है।

जी हां।

विवरण सलग्न है।†

प्रश्न नहीं उठता।

मेरठ मण्डल में मुरादनगर (गाजियाबाद) से लेकर खतौली (मुजफ्फरनगर) तक पटरियों के किनारे बने होटलों के रास्तों के निर्माण के सम्बन्ध में

156-श्री अतुल प्रधान-

क्या वन मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि मेरठ मण्डल में मुरादनगर (गाजियाबाद) से लेकर खतौली (मुजफ्फरनगर) तक गंग नहर की पटरी के साथ-साथ निर्धारित वन्य क्षेत्र की भूमि व्यक्तिगत व्यवसाय हेतु जगह-जगह आवंटित की गयी है ? यदि हां, तो किस निमय के अन्तर्गत ? यदि नहीं, तो उक्त क्षेत्र में पटरियों के किनारे बने होटलों के रास्तों का निर्माण किस आधार पर किया गया है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डॉ0 अरुण कुमार-

जी नहीं।

विद्यमान नियमों के अन्तर्गत वन भूमि आवंटित नहीं की जा सकती है। वन भूमि का वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 के प्राविधानों के अनुसार कतिपय शर्तों पर भारत सरकार एवं राज्य सरकार की पूर्वानुमति प्राप्त कर वनेत्तर प्रयोग मात्र अनुमन्य किए जाने की व्यवस्था है।

प्रश्न नहीं उठता।

मेरठ मण्डल में मुरादनगर (गाजियाबाद) से लेकर खतौली (मुजफ्फरनगर) तक गंग नहर के दोनों पटरी की भूमि संरक्षित वन घोषित है। गाजियाबाद वन प्रभाग में दो प्रकरण (कॉलेज ऑफ इन्जीनियरिंग एवं इन्टरनेशनल कॉलेज ऑफ इन्जीनियरिंग) एवं मेरठ वन प्रभाग में एक प्रकरण (चड्ढा चौरिटेबल ट्रस्ट) कुल 03 प्रकरणों में आगम-निर्गम मार्ग हेतु कुल 0.2844 हे0 संरक्षित वन भूमि के उपयोग की भारत सरकार द्वारा स्वीकृति प्रदान की गयी है।

---

† छापा नहीं गया।

उक्त के अतिरिक्त पश्चिमी क्षेत्र मेरठ के अन्तर्गत उपरोक्त संरक्षित वन भूमि के अनाधिकृत उपयोग के 07 प्रकरणों में एफ0आई0आर0 एवं 07 प्रकरणों में विभागीय केस (कुल 14 प्रकरण जिसमें 13 प्रकरण मेरठ वन प्रभाग एवं 01 प्रकरण मुजफ्फरगनर वन प्रभाग से सम्बन्धित) पंजीकृत करते हुए भारतीय वन अधिनियम, 1927 एवं वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत वैधानिक कार्यवाही की गई है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद प्रयागराज में कोतवाली दारागंज में पेयजल पाइप व सीवर लाइन तथा दूषित पानी निकालने विषयक

157-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद प्रयागराज में कोतवाली दारागंज के बगल में स्थित मण्डी में पेयजल व सीवर लाइन तथा नाली पुरानी तथा कम क्षमता की है ? यदि हां, तो क्या सरकार उपरोक्त स्थान पर अधिक क्षमता की पेयजल पाइप व सीवर लाइन तथ दूषित पानी निकालने हेतु नालों व सी0सी0 रोड का निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

जनपद-प्रयागराज में कोतवाली दारागंज के बगल में स्थित मण्डी में कवर्ड नाली व गली सी0सी0 की बनी हुई है, जो क्षतिग्रस्त नहीं है। उक्त स्थल पर पेयजल हेतु 6 इन्च व्यास की पाइप लाइन तथा 8 इन्च व्यास की सीवर लाइन पड़ी हुई है। उक्त लाइनें वर्तमान में सुचारु ढंग से संचालित हैं।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया में निर्बाध विद्युत आपूर्ति विषयक

158-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद बलिया के विधान सभा क्षेत्र बैरिया में विद्युत कटौती से किसानों व आमजनों को परेशानी हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

विधान सभा क्षेत्र बैरिया में रोस्टर के अनुसार वर्ष 2021-22 में (ब्रेकडाउन व शटडाउन को छोड़कर) ग्रामीण क्षेत्र में 17:47 घण्टे एवं तहसील क्षेत्र में 19:46 घण्टे औसतन विद्युत आपूर्ति की गई है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ अन्तर्गत रतन खण्ड आवासीय योजना, शारदानगर, लखनऊ में पार्क संख्या-10 में पेड़ लगाने व सफाई के सम्बन्ध में

159-श्री जय प्रकाश अंचल-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ अन्तर्गत रतन खण्ड आवासीय योजना, शारदानगर, लखनऊ में पार्क संख्या-10 में पेड़ लगाने व साफ-सफाई की व्यवस्था न होने से वहाँ के आवासियों को परेशानी होती है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त पार्क की मरम्मत आदि के लिए धन आवंटन कर उक्त कार्यों को करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

प्रश्नगत पार्क संख्या-10 में पौधा रोपण कराकर पार्क की औद्यानिक साफ-सफाई का कार्य करा दिया गया है।

वर्तमान में ऐसी कोई कार्य योजना प्रस्तावित नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद के मोहल्ला रहना में प्राथमिक पाठशाला वाली गली क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी

160-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद के मोहल्ला रहना में प्राथमिक पाठशाला वाली गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516872, दिनांक 13-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-38, रहना प्राथमिक विद्यालय से भगवान सिंह कुशवाहा तक क्षतिग्रस्त सड़क में नाली मरम्मत व सी0सी0 द्वारा सड़क सुधार कार्य का आगणन धनराशि रु0 30,77,900.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद में मोहल्ला चन्द्रवार गेट में प्रेस वाली गली क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी

161-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में मोहल्ला चन्द्रवार गेट में प्रेस वाली गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6, नं0-516780, दिनांक 08-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-46, चन्द्रवार गेट में प्रेस वाली गली में रिप्पू से नरेन्द्र मिश्र के मकान होते हुए मास्टर विपिन चन्द्र के मकान तक नाली एवं सी0सी0 सड़क सुधार कार्य का आगणन धनराशि रु0 1,43,173.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद के मोहल्ला प्रकाश टॉकीज बौधाश्रम रोड की कतिपय गलियां क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी

162-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद के मोहल्ला प्रकाश टॉकीज बौधाश्रम रोड से लेकर बम्बा बाईपास रोड तक निर्माण पूर्व में कर दिया गया है, किन्तु ग्रीन मेडोज स्कूल की गली लगभग 200 मीटर तक वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6, नं0-516764, दिनांक

11-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-08, 15, 17 में बौधाश्रम अम्बेडकर पार्क से बदन सिंह तक क्षतिग्रस्त सड़क पर नाली मरम्मत व सी0सी0 द्वारा सड़क सुधार कार्य का आगणन धनराशि रु0 14,69,650.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद फिरोजाबाद के मोहल्ला नई बस्ती गली न0-43 को क्षतिग्रस्त एवं जर्जर गली के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी

163-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद के मोहल्ला नई बस्ती में छोटू भल्ला के मकान से बच्चू पंजाबी के मकान तक की गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6, नं0-516929, दिनांक 31-03-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हाँ।

प्रश्नगत गली नं0-43, नई बस्ती में छोटू भल्ला के मकान से बच्चू पंजाबी के मकान तक नाली मरम्मत एवं सी0सी0 सड़क सुधार कार्य प्रगति पर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद के कतिपय मोहल्लों में क्षतिग्रस्त नालियों के मरम्मतीकरण के सम्बन्ध में

164-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद के मोहल्ला कमला नगर तथा श्रीराम कॉलोनी के पास वर्तमान में सभी गलियाँ क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6, नं0-516787, दिनांक 07-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य मोहल्ला श्रीराम कॉलोनी भारत एकेडमी कमला नगर में उपाध्याय से राजू गुप्ता, अनिल मास्टर जी से राजेश शर्मा, भगवान सिंह से अनमोल जैन तक एवं महेश चन्द्र से दुर्गेश वर्मा तक कच्ची गलियों में आर0सी0सी0 नाली व सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 75,96,100.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

165-श्री पीयूष रंजन निषाद-

[01-शुक्रवार के अतारांकित प्र0 सं0-27 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद प्रयागराज के करछना बसवार में स्थित कचरा प्लाण्ट हटाने के सम्बन्ध में

166-श्री पीयूष रंजन निषाद-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद प्रयागराज के करछना बसवार में स्थित कचरा प्लाण्ट को सरकार हटाने की व्यवस्था करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जनपद-प्रयागराज के करछना बसवार में स्थित सॉलिड वेस्ट प्लाण्ट का निर्माण कार्य जे0एन0एन0यू0आर0एम0 योजना के अन्तर्गत कराया गया है, जिसका क्षेत्रफल 62 एकड़ में है। बसवार स्थित सॉलिड वेस्ट प्लाण्ट का संचालन सुचारु रूप से किया जा रहा है।

जनपद-प्रयागराज के करछना बसवार में स्थित कचरा प्लाण्ट को हटाने की कोई कार्य योजना नहीं है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ उत्तर में आई0टी0 आई0 के निर्माण के सम्बन्ध में

167-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के विधान सभा क्षेत्र लखनऊ उत्तर में आई0टी0आई0 का निर्माण उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम द्वारा किया जाना है ? यदि हां, तो क्या सरकार के संज्ञान में है कि सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा अनावश्यक भूमि विवाद दिखाकर काम को वर्षों से लम्बित रखा है ? यदि हां, तो क्या सरकार विलम्ब हेतु दोषियों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए निर्माण कार्य आरम्भ करायेगी ? यदि हाँ तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हां।

जी नहीं। आई0टी0आई0 फैजुल्लागंज के निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि मोहल्ला इरादत नगर की नजूल भूमि खसरा सं0-330 एवं 331 पर लगभग 50-60 भवन निर्मित हैं। विभाग द्वारा उक्त भवनों के ध्वस्तीकरण के उपरान्त उपलब्ध भूमि पर उ0 प्र0 राजकीय निर्माण निगम द्वारा निर्माण कार्य प्रारम्भ कराया जाना सम्भव होगा।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ के सेक्टर-जे, जानकीपुरम के आवासीय क्षेत्र में स्थित श्मशान को स्थानान्तरित करने के सम्बन्ध में

168-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ के सेक्टर-जे, जानकीपुरम के आवासीय क्षेत्र में स्थित श्मशान को सरकार अन्यत्र स्थानान्तरित करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

आवासीय क्षेत्र में स्थित श्मशान योजना के ले-आउट में पूर्व से ही दर्शित है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र पडरौना के नगर पालिका क्षेत्र में अण्डरग्राउण्ड विद्युत तार लगवाये जाने के सम्बन्ध में

169-श्री मनीष कुमार उर्फ मन्टू-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र पडरौना के नगर पालिका क्षेत्र में बिजली आपूर्ति हेतु पोल और तार जर्जर है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त नगर पालिका में अण्डरग्राउन्ड विद्युत तार के माध्यम से बिजली की आपूर्ति कराने पर विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र, पडरौना के नगर पालिका क्षेत्र में स्थापित विद्युत तार कतिपय स्थानों पर अत्यधिक पुराने हैं, जिन्हें तकनीकी आवश्यकतानुसार तथा धन की उपलब्धता पर ए0बी0 केबिल से बदलने हेतु भारत सरकार की रिवैम्प्ड योजना में सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित है।

वर्तमान में उक्त नगर पालिका में अण्डरग्राउन्ड तार के माध्यम से विद्युत आपूर्ति हेतु कोई प्रस्ताव प्रक्रियाधीन नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद आजमगढ़ में बिलरियागंज-रौनापार की ध्वस्त/जर्जर सड़क के नव निर्माण के सम्बन्ध में

170-श्री नफीस अहमद-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ में बिलरियागंज-रौनापार सड़क मुख्यालय को जोड़ने वाला मार्ग ध्वस्त/जर्जर है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्ग का चौड़ीकरण कराते हुए नव निर्माण कार्य करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत मार्ग आजमगढ़, बिलरियागंज, रौनापार मार्ग (अन्य जिला मार्ग) का एक भाग है। जिसमें बिलरियागंज से चाँदपट्टी तक (लम्बाई 7.750 कि0मी0) मार्ग की सतह सन्तोषजनक है, जबकि चॉदपट्टी से रौनापार का भाग (लम्बाई 3.450 कि0मी0) क्षतिग्रस्त अवस्था में है। मार्ग के इस भाग का 7.00 मी0 में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद आजमगढ़ के कलेक्ट्री कचहरी से दलाल घाट होते हुए जिला अस्पताल को जाने वाले मुख्य मार्ग के पुनः निर्माण सम्बन्ध में

171-श्री नफीस अहमद-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ के कलेक्ट्री कचहरी से दलाल घाट होते हुए जिला अस्पताल को जाने वाला मुख्य मार्ग जर्जर होने के कारण मरीजों व आम-जनता को आवागमन में असुविधा हो रही है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मार्ग का पुनः निर्माण कार्य करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत मार्ग की कुल लम्बाई 3.75 किमी0 है। उक्त मार्ग के चै0-0.00 से 0.900 चै0 एवं चै0-1.300 से 3.450 (कुल लम्बाई 3.050 कि0मी0) नगर पालिका परिषद्, आजमगढ़ के स्वामित्व में है। चै0-0.900 से 1.300 एवं चै0-3.450 से 3.750 (कुल लम्बाई 0.700 कि0मी0) लोक निर्माण विभाग के स्वामित्व में है, जो आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त है। लोक निर्माण विभाग के स्वामित्व वाले भाग को सामान्य मरम्मत के साथ नवीनीकरण कराये जाने हेतु वित्तीय

वर्ष 2022-23 की कार्य योजना में सम्मिलित किया गया है, जिसकी स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

उपर्युक्तानुसार।

जनपद झांसी की गरौठा विधान सभा क्षेत्र में बेतवा नदी के खिरिया घाट पर रपटा के स्थान पर पुल का निर्माण कराये जाने विषयक

172-श्री जवाहर लाल राजपूत-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झांसी की गरौठा विधान सभा क्षेत्र में बेतवा नदी के खिरिया घाट पर रपटा के स्थान पर पुल का निर्माण कराये जाने विषयक मुख्य मंत्री को सम्बोधित प्रश्नकर्ता का पत्र क-6, सं0-705317, दिनांक 13 अप्रैल, 2022 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश -

जी हां।

प्रस्तावित स्थल पर 821 मी0 लम्बाई के 27X28.25 मी0 सेतु के निर्माण की आवश्यकता होगी। साथ ही सेतु स्थल के मोठ तरफ 200 मी0 पहुँच मार्ग एवं 1100 मी0 अतिरिक्त पहुँच एवं टहरौली की तरफ 200 मी0 पहुँच मार्ग एवं 800 मी0 अतिरिक्त पहुँच मार्ग के निर्माण की आवश्यकता होगी। सेतु का निर्माण वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

प्रश्न ही नहीं उठता।

जनपद झांसी की गुरुसराय गरौठा पुनर्गठन पेयजल योजना के कार्य को पूर्ण कराये जाने विषयक

173-श्री जवाहर लाल राजपूत-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झांसी की गुरुसराय गरौंठा पुनर्गठन पेयजल योजना के कार्य को पूर्ण कराये जाने विषयक मुख्य मंत्री को सम्बोधित प्रश्नकर्ता का पत्र दिनांक 13 अप्रैल, 2022 उन्हें प्राप्त हुआ है ? यदि हां, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गई है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

उपर्युक्त पत्र की प्रति शासन के पत्र संख्या-सी0एम0-35/नौ-5-2022-49सा/2022, दिनांक 20-05-2022 द्वारा प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), लखनऊ को प्रेषित करते हुए शासनादेश दिनांक 01-01-2019 द्वारा राज्य सेक्टर कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वीकृत गुरुसराय गरौठा पुनर्गठन पेयजल परियोजना के कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने तथा कृत कार्यवाही से शासन को अवगत कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद प्रतापगढ़ की रानीगंज विधान सभा क्षेत्र की ऐसी अनजुड़ी बसावटें योजना के अन्तर्गत आच्छादित बस्तियों की जानकारी विषयक

174-श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में ऐसी बसावटें जिनमें 2011 की जनगणना के अनुसार आबादी 250 से अधिक है, को पक्का मार्ग से जोड़ने हेतु अनजुड़ी बसावट योजना संचालित है ? यदि हां, तो क्या सरकार बताएगी कि जनपद प्रतापगढ़ की रानीगंज विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत उक्त योजना में कितनी बस्तियां आच्छादित हैं तथा उसमें से वर्तमान में कितनी बस्तियां पक्के मार्ग से जुड़ी हैं एवं शेष हैं ? क्या सरकार शेष बस्तियों को पक्के मार्ग से जोड़ेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जी हां।

जनपद प्रतापगढ़ में लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत विधान सभा क्षेत्र रानीगंज में प्रश्नगत योजना से 583 बस्तियां हैं आच्छादित हैं, जिसमें 548 बस्तियां पूर्व में पक्के मार्ग से जुड़ी हैं एवं 35 शेष हैं।

शेष 35 बस्तियों में से 14 बस्तियों को जोड़ने का कार्य प्रगति पर है तथा 21 बस्तियों के कार्य की स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद प्रतापगढ़ अन्तर्गत रानीगंज- जामताली मार्ग स्थित रेलवे क्रासिंग पर आर0ओ0बी/आर0यू0बी के निर्माण के सम्बन्ध में

175-श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद प्रतापगढ़ अन्तर्गत रानीगंज-जामताली मार्ग स्थित रेलवे क्रॉसिंग पर आर0ओ0बी0 अथवा आर0यू0बी0 का निर्माण कराने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

जनपद प्रतापगढ़ के अन्तर्गत उत्तर रेलवे के लखनऊ प्रतापगढ़-वाराणसी रेल सेक्शन के रानीगंज से जामताली मार्ग पर राष्ट्रीय मार्ग से 200 मीटर दूरी पर रेलवे क्रॉसिंग-77सी स्थित है। उक्त सम्पार पर रेल अण्डर ब्रिज बनाये जाने का कार्य रेलवे से सम्बन्धित है। प्रश्नगत सम्पार पर रेल ओवर ब्रिज बनाया जाना फिजिबिल नहीं है।

प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में मान्यवर कांशीराम योजना के अन्तर्गत आवासों के निर्माण की जानकारी

176-श्री जगदीश नरायण-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में मान्यवर कांशीराम योजना के अन्तर्गत कितने आवासों का निर्माण हो चुका है तथा कितने शेष है ? क्या सरकार शेष आवासों का निर्माण कार्य करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

मान्यवर कांशीराम शहरी गरीब आवास योजना के तीनों चरणों में कुल 1,59,552 आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है तथा 888 आवासों का कार्य अपूर्ण है।

जी हां।

उपरोक्तानुसार

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद के मोहल्ला ककरऊ में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर रोड के मरम्मत हेतु प्रश्नकर्ता के प्रेषित पत्र पर कृत कार्यवाही विषयक

177-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद के मोहल्ला ककरऊ में दौलतराम शिक्षण संस्थान उच्चतर मा0 विद्यालय भरत नगर जलेसर रोड़ वाली गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516924, दिनांक 05-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-12 ककरऊ में जलेसर रोड़ पर दौलतराम शिक्षण संस्थान, कृष्णा गार्डन व रामशंकर यादव वाली गलियों में आर0सी0सी0 नाली एवं कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलाकिंग सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 18,84,000.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद में रेलवे स्टेशन से आसफाबाद फाटक तक क्षतिग्रस्त एवं जर्जर मार्ग के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी

178-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद में रेलवे स्टेशन से आसफाबाद फाटक तक मार्ग वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516925, दिनांक 01-04-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य रेलवे स्टेशन से पैमेश्वर गेट तक हॉटमिक्स से सड़क सुधार तथा आंशिक भाग में कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग साईड पटरी निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 43,28,492.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद के मोहल्ला देवकी नगर में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर गली के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी

179-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद के मोहल्ला देवकी नगर में सुभाष के मकान से लेकर दीपचन्द्र शर्मा के मकान तक गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516818, दिनांक 28-03-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-08 देवकी नगर में सुभाष शर्मा से दीपचन्द्र शर्मा तक नाली एवं कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग द्वारा सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 1,96,940.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद के मोहल्ला नगला कोठी में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर गली नं-06 के मरम्मतीकरण के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी

180-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद के मोहल्ला नगला कोठी में गली नं0-6 वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516815 दिनांक 30-03-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-55 मोहल्ला बगदाद नगर में गली नं0-06 शौकत चौधरी के मकान से शहजाद टेण्ट वाले के मकान तक एवं गली नं0-07 हारून के मकान से ऐजाद कुरैशी के मकान तक क्षतिग्रस्त गली में नाली व कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग सड़क निर्माण कार्य का आगणन धनराशि रु0 8,57,470.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

नगर निगम, फिरोजाबाद के मोहल्ला करबला में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर गली नं0-7 के मरम्मतीकरण के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता के पत्र पर कृत कार्रवाई की जानकारी

181-श्री मनीष असीजा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि नगर निगम, फिरोजाबाद के मोहल्ला करबला में गली नं0-7 में तोताराम राठौर के मकान से जगदीश शंखवार के मकान तक की गली वर्तमान में क्षतिग्रस्त एवं जर्जर होने के कारण नागरिकों को हो रही कठिनाइयों के सम्बन्ध में प्रश्नकर्ता का नगर आयुक्त, नगर निगम, फिरोजाबाद एवं जिलाधिकारी, फिरोजाबाद को प्रेषित पत्रांकः क-6 नं0-516819, दिनांक 29-03-2022 प्राप्त हुआ है ? यदि हाँ, तो उक्त पत्र पर अब तक क्या कार्यवाही की गयी है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

प्रश्नगत कार्य वार्ड नं0-07 करबला गली नं0-7 में तोताराम राठौर से जगदीश शंखवार के मकान तक नाली मरम्मत व कलर्ड स्ट्रिप के साथ इण्टरलॉकिंग रिलेईंग कार्य का आगणन धनराशि रु0 2,60,543.00 तैयार कर लिया गया है। प्रश्नगत कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कानपुर नगर के जिला पंचायत क्षेत्र में आवासीय कालोनियों के मानचित्र विषयक

182-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के जिला पंचायत क्षेत्र में आवासीय कालोनियों के तलपट मानचित्र एवं व्यवसायिक आवासीय भूखण्डों के मानचित्र नियमानुसार जिला पंचायत से पास हो जाने के उपरान्त भी कानपुर विकास प्राधिकरण को ऐसे निर्माणों में हस्तक्षेप करने का अधिकार है ? यदि हां, तो किन नियमों के अन्तर्गत है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हाँ।

उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम, 1973 की धारा-14 के प्राविधानानुसार विकास क्षेत्र की घोषणा के पश्चात् किसी व्यक्ति या निकाय (सरकारी विभाग भी सम्मिलित है) द्वारा विकास प्राधिकरण की लिखित अनुमति के बिना कोई विकास/निर्माण कार्य नहीं किया जा सकता है। धारा-14 में विनिर्दिष्ट अनुमति के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किए जाने का प्राविधान धारा-15 में है, जिस पर विकास प्राधिकरण द्वारा अनुमति/अस्वीकृति जारी की जाती है। यदि सम्बन्धित भूखण्ड विकास प्राधिकरण की विकास क्षेत्र की सीमा के अन्तर्गत है, तो विकास क्षेत्र की अधिसूचना के उपरान्त जिला पंचायत द्वारा पास किए गए मानचित्र वैध नहीं हैं तथा कानपुर विकास प्राधिकरण को हस्तक्षेप करने का अधिकार है और विकास प्राधिकरण द्वारा उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम 1973 की धारा-26, धारा 27 एवं धारा-28 के प्राविधानानुसार कार्यवाही की जाती है।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद कानपुर नगर के क्षेत्र में जे0एन0एन0यू0आर0एम0 की अधूरी पेयजल योजनाओं, फीडर मेन की वितरण प्रणाली का कार्य पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में

183-श्री अमिताभ बाजपेई-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद कानपुर नगर के क्षेत्र में जे0एन0एन0यू0आर0एम0 की अधूरी पेयजल योजनाओं, फीडरमेन की वितरण प्रणाली इत्यादि का कार्य सरकार पूर्ण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जे0एन0एन0यू0आर0एम0 कार्यक्रम की कानपुर पेजयल योजना फार इनर ओल्ड एरिया स्वीकृति लागत रु0 393.93 करोड़ की धनराशि से 09 नये जोनल पम्पिंग स्टेशन, 03 जोनल पम्पिंग स्टेशन रेनोवेशन, 01 शिरोपरि जलाशय 2400 के0एल0 फूलबाग, 141.82 किमी0 वितरण प्रणाली तथा सभी जोनल पम्पिंग स्टेशन को फीडरमेन से जोड़ने के कार्य प्रस्तावित थे। प्रस्तावित कार्यों के सापेक्ष 09 नये जोनल पम्पिंग स्टेशन व 02 जोनल पम्पिंग स्टेशन रेनोवेशन,

10 जोनल पम्पिंग स्टेशन को फीडरमेन से जोड़ने का कार्य तथा 111.12 किमी0 पाइप लाइन के कार्य पूर्ण कराये गये, जिसके सापेक्ष 35.30 किमी0 पाइप लाइन क्रियाशील है। वितरण प्रणाली में 30.70 किमी0 का गैप है, जिसको डालने के उपरान्त ही 106.52 किमी0 पाइप लाइन को क्रियाशील किया जा सकेगा।

उक्त योजना के अवशेष कार्यों को पूर्ण कराये जाने हेतु उ0प्र0 जल निगम (नगरीय) द्वारा पुनरीक्षित आगणन उपलब्ध कराया गया है, जिसकी स्वीकृति वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश के कानपुर नगर निगम क्षेत्र में संचालित अवैध साइकिल स्टैण्ड बन्द कराये जाने विषयक

184-श्री अमिताभ बाजपेई

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश के कानपुर नगर निगम क्षेत्र में कितने वैध साइकिल स्टैण्ड संचालित हैं ? क्या सरकार को जानकारी है कि उक्त क्षेत्र में कतिपय अवैध स्टैण्ड संचालित हैं ? क्या सरकार उक्त को चिन्हित कर अवैध स्टैण्डों को बन्द करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

कानपुर नगर निगम क्षेत्र में 05 वैध साइकिल स्टैण्ड संचालित है।

जी नहीं।

नगर निगम सीमान्तर्गत अवैध साइकिल स्टैण्ड संचालित होने की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल उसका संचालन बन्द करा दिया जाता है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

185-श्री नफीस अहमद

[02- मंगलवार के अतारांकित प्र0सं0-126 के अन्तर्गत स्थानान्तरित]

जनपद आजमगढ़ में एन0एच0-28 मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली सड़क के अवशेष कार्य को पूर्ण कराने के सम्बन्ध में

186-श्री नफीस अहमद-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद आजमगढ़ में एन0एच0-28 मुख्य मार्ग कन्धरापुर से जैगहा होते हुए गोरखपुर मुख्य मार्ग को जोड़ने वाली सड़क का चौड़ीकरण कार्य में लगभग 07 किमी0 मार्ग का कार्य पूर्ण नहीं है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त सड़क का अवशेष भाग का कार्य समय-सीमा निर्धारित कर पूर्ण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत मार्ग-जनपद आजमगढ़ में बनकट जैगहा, बिन्दवल, जैराजपुर, कन्धरापुर (अन्य जिला मार्ग) की कुल लम्बाई 18.000 किमी0 है। इस मार्ग के चैनेज 0.000 किमी0 से 4.475 किमी0 तक के भाग में मार्ग की चौड़ाई 3.00 मी0 एवं चैनेज 4.475 किमी0 से 18.000 किमी0 तक की चौड़ाई 5.50 मी0 है।

मार्ग के उक्त भाग (चैनेज 0.000 से 4.475) में चौड़ीकरण हेतु वर्ष 2022-23 की कार्ययोजना में उक्त कार्य सम्मिलित किया जाना प्रस्तावित है। उक्त कार्य की स्वीकृति, कार्ययोजना में उक्त कार्य के सम्मिलित होने एवं वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता पर निर्भर है।

जनपद फिरोजाबाद में एन0एच0-2 पर सम्पार संख्या 59 पर 02 लेन रेल उपरिगामी सेतु निर्माण विषयक

187-श्री मुकेश चन्द्र वर्मा-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद फिरोजाबाद में एन0एच0-2 पर सिविल लाइन से दौंकेली जाने वाले मार्ग पर सम्पार संख्या 59 पर 02 लेन रेल उपरिगामी सेतु का निर्माण कराने पर सरकार विचार करेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

प्रश्नगत सम्पार पर 02 लेन रेल उपरिगामी सेतु के निर्माण हेतु रेलवे विभाग एवं सेतु निगम के अधिकारियों द्वारा उक्त कार्य स्थल का संयुक्त निरीक्षण किया गया, जिसमें उक्त आर0ओ0बी0 के निर्माण को फिजिबिल नहीं पाया गया है। अतः सम्प्रति प्रश्नगत सम्पार पर रेल उपरिगामी सेतु का निर्माण प्रस्तावित नहीं है।

188-श्री मुकेश वर्मा-

[बहुत ब्योरे की जानकारी के आधार पर निरस्त]

प्रदेश में सप्लाई होने वाली विद्युत के क्रय (प्रति यूनिट) घरेलू व व्यावसायिक कनेक्शन उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति (प्रति यूनिट) की दर के सम्बन्ध में

189-श्री मुकेश वर्मा-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में सप्लाई होने वाली विद्युत वर्तमान में कितने रुपये प्रति यूनिट की दर से सरकार क्रय कर रही है तथा प्रदेश में घरेलू व व्यावसायिक कनेक्शन वाले उपभोक्ताओं को कितने रुपये प्रति यूनिट की दर से विद्युत की आपूर्ति की जा रही है ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

प्रश्न में इंगित प्रदेश में सप्लाई होने वाली विद्युत वर्तमान में प्रति यूनिट ऊर्जा क्रय के सम्बन्ध में सूच्य है कि वित्तीय वर्ष 2021-22 के अंकेक्षित लेखों के अनुसार ऊर्जा की प्रति यूनिट दर लगभग रु0 4.26 आगणित होती है।

राज्य में घरेलू एवं व्यावसायिक उपभोक्ताओं को आपूर्ति की जा रही बिजली की दरें उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा वित्तीय वर्ष 2021-22 हेतु अनुमोदित टैरिफ आदेश दिनांक 29-07-2021 के अनुसार है।

दरों का विवरण संलग्नक-1 पर अवस्थित है।†

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र बिलारी के अन्तर्गत शुगर मिलों के वायु एवं भू-जल प्रदूषण विषयक

190-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या पर्यावरण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मुरादाबाद के विधान सभा क्षेत्र के बिलारी के अन्तर्गत लक्ष्मी शुगर मिल बिलारी और शाकुंभरी स्ट्रा प्रोडक्ट बिलारी में वायु एवं भू-जल प्रदूषण की वर्तमान चालू वर्ष में की गई है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त जांच रिपोर्टों का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डॉ0 अरुण कुमार-

उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उद्योग मै0 लक्ष्मी शुगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, राजा का सहसपुर, तहसील बिलारी जनपद मुरादाबाद के ई0टी0पी0 के आउटलेट से जनित उत्प्रवाह एवं स्थापित ब्वायलरों की चिमनी से निस्तारित गैसीय उत्सर्जन की जांच की गई है, उद्योगों के भू-जल प्रदूषण की जांच वर्तमान चालू वर्ष में नहीं की गई है।

उद्योग मै0 लक्ष्मी शुगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड राजा का सहसपुर, तहसील बिलारी जनपद मुरादाबाद की सह इकाई मै0 राणा पावर लि0 में 27 मेगावाट क्षमता का पावर प्लाण्ट स्थापित है।

क्षेत्रीय कार्यालय, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुरादाबाद द्वारा दिनांक 10-12-2021 को की गई जांच में पावर प्लाण्ट से जनित उत्सर्जन में प्रचालक मानकों के अनुरूप पाये गये है।

क्षेत्रीय कार्यालय, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुरादाबाद द्वारा दिनांक 09-02-2022 को मै0 लक्ष्मी शुगर मिल्स कम्पनी लिमिटेड, राजा का सहसपुर, तहसील बिलारी जनपद मुरादाबाद में स्थापित उत्प्रवाह शुद्धिकरण संयंत्र के आउटलेट से नमूना एकत्र किया गया, जिसमें प्रचालक मानकों के अनुरूप पाये गये। जांच रिपोर्ट संलग्न है।† †

मै0 शाकुम्भरी स्ट्रा प्रोडक्ट लि0 वर्तमान में मै0 भोलाराम पेपर एण्ड पावर लि0 के नाम से संचालित है, के द्वारा पेपर का उत्पादन किया जाता है।

---

† देखिये नत्थी 'ज' आगे पृष्ठ संख्या-309 पर

† † देखिये नत्थी 'झ' आगे पृष्ठ संख्या-310-314 पर

क्षेत्रीय कार्यालय, उ0प्र0 प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, मुरादाबाद द्वारा दिनांक 12-04-2022 को ई0टी0पी0 के आउटलेट से नमूना एकत्र किया गया, जिसमें प्रचालक मानकों के अनुरूप पाये गये है।

उद्योग द्वारा ब्वायलर से जनित गैसीय उत्सर्जन की जांच मान्यता प्राप्त प्रयोगशाला से दिनांक 12-04-2022 को कराई गई है, जिसमें प्रचालक मानकों के अनुरूप पाये गये हैं। जांच रिपोर्ट संलग्न है।†

प्रश्न नहीं उठता।

प्रदेश में वर्ष 2017-18 तथा 2021-22 में विद्युत उत्पादन क्षमता की जानकारी विषयक

191-श्री मौहम्मद फईम इरफान-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि प्रदेश में विद्युत उत्पादन क्षमता वर्ष 2017-18 तथा 2021-22 तक कितने मेगावाट प्रतिदिन थी ? क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

प्रदेश में विद्युत उत्पादन क्षमता वर्ष 2017-18 तथा 2021-22 तक में निम्नवत् मेगावाट प्रतिदिन थीः-

इकाई का नाम	वर्ष 2017-18	वर्ष 2021-22
राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि0 (संलग्नक-1)	5474 मे0वा0	6134 मे0वा0
उ0प्र0 जल विद्युत निगम लि0	501 मे0वा0	501 मे0वा0

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र शामली अन्तर्गत नगर पालिका परिषद् शामली में स्थित शुगर मिल से उत्सर्जित प्रदूषण की रोकथाम विषयक

192-श्री प्रसन्न कुमार-

क्या पर्यावरण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र शामली अन्तर्गत नगर पालिका परिषद् शामली में स्थित सरसाधि लाल प्राइवेट इंटरप्राइजेज लिमिटेड शुगर मिल से निकलने वाला धुआं, राख़ के कण और जहरीली गैस हवा के जरिये पूरे नगर में फैलती है, जिससे गंभीर रोग के खतरे के साथ-साथ नगरवासियों को अन्य समस्याओं

† देखिये नत्थी 'झ' आगे पृष्ठ संख्या-310-314 पर

का सामना करना पड़ रहा है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त मिल से उत्सर्जित प्रदूषण की रोकथाम हेतु कोई ठोस उपाय करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

डॉ0 अरुण कुमार-

जनपद शामली के विधान सभा क्षेत्र शामली अन्तर्गत नगर पालिका परिषद् शामली में सरसाधि लाल प्राइवेट इंटरप्राइजेज लिमिटेड शुगर मिल नाम से कोई शुगर मिल नहीं है।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

प्रश्न नहीं उठता।

जनपद लखनऊ में हरदोई रोड से शहीद पथ तक गोमती नदी के किनारे ग्रीन कॉरीडोर के निर्माण विषयक

193-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद लखनऊ में हरदोई रोड से शहीद पथ तक गोमती नदी के किनारे ग्रीन कॉरीडोर का निर्माण की योजना है ? यदि हां, तो उक्त का विवरण क्या है ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हाँ।

जनपद लखनऊ में आई0आई0एम0 रोड से किसान पथ तक गोमती नदी के दोनों किनारों पर बन्धा चौड़ीकरण/नव निर्माण तथा इसके ऊपर फोर लेन सड़क निर्माण की एक परियोजना लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर की डी0पी0आर0 तैयार करायी जा रही है। लखनऊ ग्रीन कॉरिडोर परियोजना को निम्नलिखित 04 भागों में विभाजित किया गया है:-

(1) भाग-1, आई0आई0एम0 रोड से पक्का पुल तक अनुमानित लागत रु0 1028.60 करोड़।

(2) भाग-2, पक्का पुल से पिपरा घाट तक अनुमानित लागत रु0 3260.00 करोड़ (अनन्तिम)।

(3) भाग-3, पिपरा घाट से शहीद पथ तक अनुमानित लागत रु0 910.70 करोड़।

(4) भाग-4, शहीद पथ से किसान पथ तक अनुमानित लागत रु0 1623.60 करोड़।

मार्ग के संरेखण में विभिन्न विभागों की सरकारी भूमि के अतिरिक्त लगभग 150 हेक्टेयर भूमि निजी भूस्वामित्व की है, जिस हेतु पुनर्ग्रहण/भूअर्जन की आवश्यकता होगी।

प्रश्नगत मार्ग के निर्माण हेतु डी0पी0आर0 तैयार करायी जा रही है।

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ के गऊ घाट पर पीपे वाले पुल की मरम्मत कराये जाने विषयक

194-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या नगर विकास मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ के गऊ घाट पर पीपे वाले पुल जर्जर होने के कारण दुर्घटना की सम्भावना बनी रहती है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त पुल की मरम्मत करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी हां।

जनपद-लखनऊ के गऊघाट स्थित अस्थाई पीपे वाले पुल की रेलिंग न होने तथा डेकिंग में पुराने साल की लकड़ी के पटरे होने के कारण दुर्घटना की सम्भावना रहती है।

पुल की मरम्मत का कार्य धन की उपलब्धता एवं स्थानीय निकाय के निर्णय पर निर्भर है।

उपरोक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता।

वाराणसी-लखनऊ रोड पर जौनपुर शहर के पास कलीचाबाद में सकरी पकिया का नव निर्माण विषयक

195-श्री लकी यादव-

क्या लोक निर्माण मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि वाराणसी-लखनऊ रोड पर जौनपुर शहर के पास कलीचाबाद में सकरी पकिया का नव निर्माण सरकार करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री ब्रिजेश-

वाराणसी-लखनऊ रोड पर जौनपुर शहर के पास कलीचाबाद में सकरी पकिया का नव निर्माण आरम्भ कर दिया गया है। उक्त कार्य दिसम्बर, 2022 तक पूर्ण करने का लक्ष्य है।

उपर्युक्तानुसार।

प्रश्न नहीं उठता है।

जनपद मेरठ के सरधना विधान सभा क्षेत्र में हैण्डलूम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त बिजली प्रदान करने के सम्बन्ध में

196-श्री अतुल प्रधान-

क्या ऊर्जा मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मेरठ के सरधना विधान सभा क्षेत्र में हैण्डलूम उद्योग को बढ़ावा देने के लिए मुफ्त बिजली प्रदान करने की कोई योजना है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री अरविन्द कुमार शर्मा-

जी नहीं।

प्रश्न नहीं उठता।

विभिन्न उपभोक्ता वर्गों हेतु लागू टैरिफ का निर्धारण विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 61, 62, 64 एवं 86 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अधीन मा0 उ0प्र0 विद्युत नियामक आयोग द्वारा विभिन्न उपभोक्ता/उपभोक्ता संगठनों एवं स्टेक होल्डर्स से आपत्तियाँ/सुझाव लेकर व्यापक जनसुनवाई करते हुए किया जाता है।

जनपद मेरठ एवं सहारनपुर मण्डल में स्थापित चीनी मिलों में पेराई सत्र 2021-2022 में धनराशि भुगतान विषयक

197-श्री अतुल प्रधान-

क्या गन्ना विकास एवं चीनी मिलें मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद मेरठ एवं सहारनपुर मण्डल में स्थापित चीनी मिलों में पेराई 2021-2022 में कितनी धनराशि का गन्ना भुगतान कर दिया है तथा वर्तमान में कितने धनराशि मिलों पर बकाया है ? क्या सरकार उक्त चीनी मिलों द्वारा उक्त पेराई क्षेत्र में किये गये भुगतान एवं बकाया धनराशि का विवरण सदन के पटल पर रखेगी ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी-

दिनांक 19-05-2022 की सूचना के अनुसार जिला-मेरठ में स्थापित चीनी मिलों की पेराई सत्र 2021-22 के अन्तर्गत गन्ना मूल्य भुगतान एवं अवशेष की स्थिति निम्नवत है :-

क्र0 सं0	नाम चीनी मिल	14 दिन पूर्व अवधि तक गन्ना मूल्य (लाख रुपये में)		
		देय	भुगतान	अवशेष
1	मोहिउद्दीनपुर(सरकारी)	20520.42	7211.04	13309.38
2	दौराला	66681.21	62569.03	4112.18
3	किनौनी	59200.21	15288.36	43911.85
4	मवाना	64976.99	49451.00	15525.99
5	नगलामल	33115.12	29283.98	3831.14
6	सकौती	10614.36	9661.43	952.93

इसी प्रकार सहारनपुर मण्डल में स्थापित चीनी मिलों की पेराई सत्र 2021-22 के अन्तर्गत गन्ना मूल्य भुगतान एवं अवशेष की स्थिति निम्नवत् है :-

क्र0 सं0	नाम चीनी मिल	जिला	14 दिन पूर्व अवधि तक गन्ना मूल्य (लाख रुपये में)		
			देय	भुगतान	अवशेष
1	2	3	4	5	6
1	सरसावां (सहकारी)	सहारनपुर	15690.76	8385.16	7305.60
2	नानौता (सहकारी)		24945.25	10958.73	13986.52
3	देवबन्द		49297.95	47252.13	2045.82
4	गागलहेड़ी		15941.99	6390.22	9551.77
5	गागनौली		35961.43	7659.02	28302.41
6	शेरमऊ		29082.69	24639.54	4443.15
7	मोरना (सहकारी)		15801.89	9975.57	5826.32
8	बुढाना		43816.90	8606.57	35210.33
9	खाईखेड़ी	मुजफ्फरनगर	22792.59	18538.78	4253.81
10	खतौली		70919.69	67648.61	3271.08
11	मन्सूरपुर		46642.85	47424.30	-781.45
12	रोहानाकला		11789.38	10893.91	895.47
13	टिकौला		54536.41	56099.18	-1562.77
14	तितावी		51372.50	44780.58	6591.92
15	शामली	शामली	35266.97	7242.00	28024.97
16	थानाभवन		43998.50	11677.01	32321.49
17	ऊन		33643.28	9478.70	24164.58

विवरण विस्तृत होने के कारण पटल पर रखे जाने की आवश्यकता प्रतीत नहीं होती है।

उपर्युक्तानुसार

जनपद झाँसी में झाँसी विकास प्राधिकरण के विस्तारित क्षेत्र का भू-उपयोग निर्धारित करने विषयक

198-श्री रवि शर्मा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि जनपद झाँसी में झाँसी विकास प्राधिकरण का विस्तार कर दिया गया है, परन्तु विस्तारित क्षेत्र का भू-उपयोग निर्धारित कर मास्टर प्लान में भी

संशोधन नहीं किया गया है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त विस्तारित क्षेत्र का भू-उपयोग निर्धारित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जी हां।

झाँसी विकास क्षेत्र का विस्तार शासकीय अधिसूचना संख्या-2331/ आठ-6-2013/9 गठन-08, दिनांक 23 अक्टूबर, 2013 द्वारा किया गया है। भारत सरकार की अमृत योजनान्तर्गत जी0आई0एस0 आधारित तैयार करायी जा रही झाँसी महायोजना-2031, जिसमें झाँसी विकास क्षेत्र का विस्तारित क्षेत्र भी सम्मिलित है, जिसमें नियोजन के दृष्टिगत भू-उपयोग प्रस्तावित है। उत्तर प्रदेश नगर योजना एवं विकास अधिनियम, 1973 की धारा-11 के प्राविधानानुसार ड्राफ्ट मास्टर प्लान को झाँसी विकास प्राधिकरण बोर्ड की दिनांक 13-04-2022 को सम्पन्न बैठक में जन-सामान्य से आपत्ति एवं सुझाव आमन्त्रित करने हेतु प्रकाशन की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। जन-सामान्य से प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों का परीक्षण करके यथा संशोधित ड्राफ्ट मास्टर प्लान प्राधिकरण बोर्ड के समक्ष अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया जाता है, प्राधिकरण बोर्ड की स्वीकृति के उपरान्त शासन द्वारा स्वीकृति प्रदान की जाती है।

प्रश्न नहीं उठता।

लखनऊ की जानकीपुरम आवासीय योजना में खेल मैदान/स्टेडियम निर्माण विषयक

199-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ की जानकीपुरम आवासीय योजना में खेल मैदान/स्टेडियम हेतु सरकार स्थान चयन कर निर्माण करायेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यों ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

जानकीपुरम आवासीय योजना के तलपट मानचित्र के सेक्टर-जे में प्ले-फील्ड हेतु पूर्व से ही स्थल निर्धारित है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा लखनऊ में निर्मित अलीगंज के स्टेडियम को खेल-कूद विभाग को हस्तान्तरित किये जाने के सम्बन्ध में

200-डॉ0 नीरज बोरा-

क्या मुख्य मंत्री बताने की कृपा करेंगे कि लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा लखनऊ में निर्मित अलीगंज के स्टेडियम को खेल-कूद विभाग को हस्तान्तरित किये जाने की प्रक्रिया लम्बित

होने के कारण स्टेडियम में कोच, खेल-कूद सामग्री के साथ अनुरक्षण व रख-रखाव की समुचित व्यवस्था नहीं है ? यदि हां, तो क्या सरकार उक्त स्टेडियम को खेल-कूद विभाग को हस्तान्तरित करेगी ? यदि हां, तो कब तक ? यदि नहीं, तो क्यो ?

श्री योगी आदित्यनाथ-

लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा अलीगंज योजना में निर्मित अलीगंज स्टेडियम को खेल-कूद विभाग को हस्तान्तरित किये जाने की कोई प्रक्रिया लम्बित नहीं है तथा स्टेडियम में कोच, खेल-कूद सामग्री के साथ अनुरक्षण व रख-रखाव की समुचित व्यवस्था है।

उपरोक्तानुसार।

उपरोक्तानुसार।

अलीगंज स्टेडियम, लखनऊ विकास प्राधिकरण की सम्पत्ति है।

ई-विधान के अन्तर्गत शोक संवेदना के दौरान मृतक सदस्य की फोटो अपलोड कराने के सम्बन्ध में व्यवस्था का प्रश्न

श्री इकबाल महमूद-

मान्यवर, मेरा व्यवस्था का प्रश्न है।

श्री अध्यक्ष-

आप बतायें।

श्री इकबाल महमूद-

मान्यवर, आप जिस कुर्सी पर विराजमान हैं वह आपकी कर्मठता, सीनियारिटी और काबिलियत के आधार पर है। आपने यह साबित कर दिया है कि मैं विधान सभा के अन्दर एक नई टेक्नोलॉजी ला रहा हूँ, उसको हम सब देख भी रहे हैं। इस सम्बन्ध में मेरा एक निवेदन है कि यहां पर शोक-सन्देश पढ़े जाते हैं तो जब शोक-सन्देश पढ़ा जाय तो उनका एक फोटो भी लगा दिया जाय ताकि सब लोग उनको देख भी लें।

श्री अध्यक्ष-

इसको सुनिश्चित कर लेंगे।

नियम-301 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज दिनाँक 25 मई, 2022 को नियम-301 के अन्तर्गत कुल 65 सूचनाएं प्राप्त हुईं, जिसमें से 15 माननीय सदस्यों की सूचनाएं स्वीकार की गईं।

(15 सदस्यों का नाम पुकारे जाने एवं सदस्य श्री अशरफ अली खान एवं श्रीमती आराधना मिश्रा के सदन में उपस्थित न होने पर)

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, मैं उपस्थित हो गई हूँ।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्या श्रीमती आराधना मिश्रा जी की सूचना ली जाती है। मा0 सदस्य श्री अशरफ अली खान के स्थान पर श्री जवाहर लाल राजपूत की सूचना को स्वीकार किया जाता है।

पहली सूचना मो0 हसन 'रूमी' की नगर निगम कानपुर के बी0एन0 भल्ला डिस्पेन्सरी को 100 शय्या का अस्पताल बनाकर स्वास्थ्य विभाग को स्थानान्तरित करने के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री राजेश चौधरी की जनपद मथुरा की विधान सभा क्षेत्र क्षेत्र-82 में मांट के छाता शेरगढ़ नौहझील मार्ग के नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री मनीष असीज़ा की उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित सन्त रविदास शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत साइकिल प्रदान किये जाने हेतु धनराशि को रुपये 4000 से बढ़ाकर 4500 कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्रीमती सरोज कुरील की माँ कुष्माण्डा देवी मन्दिर, घाटमपुर एवं भद्रकाली मन्दिर भदरस का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्री जवाहर लाल राजपूत की जनपद झांसी के गरौठा तहसील के ग्राम डिकौली में बेतवा नदी पर लिफ्ट कैनाल बनाये जाने के सम्बन्ध में है, छठी सूचना श्री राजपाल सिंह बालियान की जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना में कतिपय नालों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना श्री ओमकुमार की जनपद बिजनौर के अन्तर्गत नगर पालिका हल्दौर क्षेत्र में राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज के निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री राजीव कुमार सिंह "बब्बू भईया" की जनपद बदायूँ की तहसील दातागंज के मुख्यालय पर अतिथि गृह का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, नवीं सूचना श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना' की जनपद प्रतापगढ़ के विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सराय निर्भय में मॉडल स्कूल सराय निर्भय के निर्माण में किये जा रहे भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में है, दसवीं सूचना श्री राकेश पाण्डेय की जनपद अम्बेडकरनगर के जिला चिकित्सालय में बेडों की संख्या बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना डा0 नीरज बोरा की लखनऊ उत्तर विधान सभा क्षेत्र में जर्जर विद्युत तारों को बदले जाने के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना श्री रमेश चन्द्र मिश्र की जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र के बदलापुर में राजकीय पॉलीटेक्निक की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में है, तेरहवीं सूचना श्री आलमबदी की जनपद आजमगढ़ में सड़क की मरम्मत/चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौदहवीं सूचना श्री समरपाल सिंह की जनपद अमरोहा के तहसील धनौरा, थाना बछरायूं के अन्तर्गत हुई वारदात में कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में है तथा पन्द्रहवीं सूचना श्री राजेश त्रिपाठी की प्रदेश में अश्लील, दो अर्थी, जातिसूचक, भड़काऊ गानों के बजने से उत्पन्न सामाजिक तनाव को रोकने के लिए ऐसे गीतों पर रोक लगाने के सम्बन्ध में है।

(स्वीकृत सूचनाएं सदन की सहमति से पढ़ी हुई मानी गयीं)

निम्नलिखित मा0 सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गयीं :-

श्री अशरफ अली खान, श्री प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री सचिन यादव, श्री विनय प्रकाश गोंड, श्री प्रकाश द्विवेदी, श्री प्रदीप कुमार सिंह, श्री लक्ष्मीराज सिंह, श्री महेन्द्र, श्री प्रेम नरायन पाण्डेय, श्री प्रदीप कुमार चौधरी, श्री अभय सिंह, श्री पूरन प्रकाश, श्री किरत सिंह, श्री मनीष रावत, प्रो0 श्याम बिहारी लाल, डा0 डी0सी0 वर्मा, श्री मुकेश चौधरी, श्री अखिलेश यादव, श्रीमती विजमा यादव, श्री दुर्गा प्रसाद यादव, श्री मनोज कुमार पारस, श्री धर्मराज सिंह यादव, श्री जय प्रकाश अंचल, श्री जियाउद्दीन रिजवी, श्री अनिल कुमार अनिल प्रधान, श्री हाकिम लाल बिन्द, श्री अनिल कुमार, श्री विवेक कुमार वर्मा, श्री सुरेन्द्र मैथानी, श्री कैलाश नाथ, श्री गौरीशंकर वर्मा (कोरी), श्री विकास गुप्ता, श्री वीर विक्रम सिंह, श्री राहुल उर्फ राजपूत राहुल लोधी, श्री तसलीम अहमद, श्री बेचई सरोज, श्री सुरेन्द्र चौरसिया, श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डा0 आर0 के0 वर्मा, श्री श्याम सुन्दर, श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी), श्री राम खिलाड़ी यादव, श्री प्रसन्न कुमार, श्री मनीष, श्री संदीप सिंह, श्री महेन्द्र नाथ यादव, श्री अतुल प्रधान, श्री अजय सिंह, श्रीमती जयदेवी, श्री बम्बा लाल तथा श्री रमेश।

नगर निगम कानपुर के बी0एन0 भल्ला डिस्पेन्सरी को 100 शैय्या का अस्पताल बनाकर स्वास्थ्य विभाग को स्थानान्तरित करने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मौहम्मद हसन ''रूमी''-

[महोदय, अवगत कराना है कि कानपुर दक्षिण क्षेत्र की एक बड़ी आवादी बाबूपुरवा, बगाही, अजीतगंज, मुंशीपुरवा, परमपुरवा, किदवई नगर आदि क्षेत्र के लोगों को सरकारी अस्पताल के इलाज की सुविधा का अभाव है। विगत दिनों कोरोना जैसी वैश्विक महामारी में इस क्षेत्र के अनगिनत लोगों को इलाज के अभाव में अपनी जान गवानी पड़ी, चूँकि इस वैश्विक महामारी में समय रहते अगर सकारात्मक कदम उठाया गया होता तो लाखों लोगों की इस समस्या का समाधान होने की उम्मीद होती। विगत दिनों माननीय मुख्य मंत्री जी के प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र के 100 शैय्या अस्पताल की घोषणा से उम्मीद की किरण आई है। इस क्षेत्र में अधिकांश मजदूरी की आबादी है।

अतः आपसे अनुरोध है कि नगर निगम कानपुर के निष्प्रयोज्य बी0 एन0 भल्ला को 100 शैय्या भवन बनाकर स्वास्थ्य विभाग को दिलवा दें, ताकि स्वास्थ्य विभाग द्वारा उक्त अस्पताल को संचालित किया जा सके।

अतः इस गम्भीर प्रकरण को सदन के संज्ञान में लाते हुए उपरोक्त प्रकरण पर कार्रवाई किये जाने हेतु सरकार से मांग करता हूँ।]

नोटः- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद-मथुरा की विधान सभा क्षेत्र-82 में मांट के छाता-शेरगढ़-नौहझील मार्ग के नव निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजेश चौधरी-

[महोदय, अवगत कराना है कि जनपद-मथुरा की विधान सभा क्षेत्र सं0-82, मांट के छाता-शेरगढ़-नौहझील मार्ग अत्यन्त दयनीय स्थिति में है। यह मार्ग 04 हाई-वे को आपस में जोड़ता है। हरियाणा और राजस्थान को भी जोड़ता है। यह मार्ग अत्यन्त जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है। इस मार्ग के निर्माण होने से लगभग लाखों लोगों को लाभ मिलेगा। जनहित में इस मार्ग का नव निर्माण किया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित सन्त रविदास शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत साइकिल प्रदान किये जाने हेतु धनराशि को रुपये 4000 से बढ़ाकर 4500 कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री मनीष असीजा-

[महोदय, उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित सन्त रविदास शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत कक्षा 9 से 12 तक उत्तीर्ण श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों को सहायता प्रदान किये जाने का प्रावधान है।

वर्तमान में साइकिलों की कीमतों में वृद्धि हो जाने के कारण साइकिलें निर्धारित धनराशि रु0 4,000/- में नहीं दी जा पा रही हैं। इन परिस्थितियों के कारण पूरे प्रदेश में बहुत बड़ी संख्या में श्रमिकों के पात्र पुत्र-पुत्रियाँ उ0प्र0 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित सन्त रविदास शिक्षा सहायता योजना का लाभ लेने से वंचित हो गये हैं।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अभिलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये सन्त रविदास शिक्षा सहायता योजना के अन्तर्गत साइकिल प्रदान किये जाने हेतु धनराशि को रु0 4,000/- से बढ़ाकर रु0 4,500/- कराये जाने की मांग करता हूँ।]

माँ कुष्माण्डा देवी मन्दिर, घाटमपुर एवं भद्रकाली मन्दिर भदरस का जीर्णोद्धार एवं सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती सरोज कुरील-

[महोदय, जनहित एवं लोक महत्व के विषय पर सदन के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत माँ कुष्माण्डा देवी मन्दिर, घाटमपुर एवं भद्रकाली मन्दिर, भदरस अत्यन्त महत्वपूर्ण मन्दिर हैं। इन दोनों मन्दिरों की

नोटः- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

महत्ता इतनी है कि लगभग लाखों श्रद्धालु यहां दर्शन हेतु आते हैं। ये मन्दिर पर्यटन के दृष्टि से भी बहुत महत्वपूर्ण हैं, परन्तु वर्तमान समय में इन मन्दिरों की स्थिति बहुत ही जर्जर है और पर्यटक एवं श्रद्धालुओं को पर्याप्त सुविधायें भी नहीं उपलब्ध हैं, इसलिए इन मन्दिरों का जीर्णोद्धार एवं सुन्दर्यीकरण कराना अति आवश्यक है।]

जनपद-झांसी के गरौठा तहसील के ग्राम डिकौली में बेतवा नदी पर लिफ्ट कैनाल बनाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री जवाहर लाल राजपूत-

[महोदय, आपके माध्यम से सदन के संज्ञान में एक अविलम्बनीय, लोक महत्व का विषय लाना चाहता हूँ।

जनपद झांसी के गरौठा तहसील के बामौर ब्लाक के डिकौली गांव के आस-पास के किसानों के खेतों की सिंचाई हेतु कोई साधन नहीं है। खेती होते हुए भी लोग भूख की चपेट में आ रहे हैं। यदि किसानों को पानी मिल जाये तो वह फसलें उगा कर अपना तथा प्रदेश का भी भला कर सकते हैं।

किसानों के हित में बेतवा नदी पर ग्राम डिकौली में लिफ्ट कैनाल बनाये जाने से आस-पास के सुट्टा सिंगार, बामौर, रिया, भदरवारा, गोंती, कुरैठा, गढ़वई, दखनेश्वर आदि गांवों के किसानों को सिंचाई हेतु पानी मिल सकेगा।

अतः इस अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय को सदन में लाकर बेतवा नदी पर ग्राम डिकौली में लिफ्ट कैनाल बनाये जाने की मांग करता हूँ।]

जनपद-मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र बुढ़ाना में कतिपय नालों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजपाल सिंह बालियान-

[महोदय, मैं अति लोक महत्व के प्रश्न पर आपका ध्यान आकर्षित कराना चाहता हूँ कि जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र क्षेत्र, बुढ़ाना में निम्नलिखित नालों की स्थिति बहुत खराब है, जिससे बरसात के दिनों में कई गाँवों में पानी भर जाता है, जिससे जन-मानस को आने-जाने में समस्या होती है तथा गन्दगी होने के कारण बीमारी फैलने का भय रहता है। नालों की विशेष मरम्मत न होने के कारण क्षेत्रीय जनता में काफी रोष है।

अस्तु जनहित में जनपद मुजफ्फरनगर के विधान सभा क्षेत्र क्षेत्र, बुढ़ाना के निम्न नालों की विशेष मरम्मत कराने की मांग करता हूँ :-

1-ब्लाक-शाहापुर, ग्राम-भौराकलाँ में नरेन्द्र पुत्र अटल सिंह (ऐल्म वाले) के मकान से वाया तालाब होते हुए शरनवीर पुत्र टम्मल के खेत से होते हुए खास तक विशेष मरम्मत लम्बाई लगभग 500 मीटर।

नोटः- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

2-ब्लाक बुढ़ाना के ग्राम गढ़ी नौवाबाद में रामफल पुत्र प्रिथी के मकान से ओमकार, रामचन्द्र के खेत तक पक्का नाले की विशेष मरम्मत लम्बाई लगभग 450 मीटर।

3-ब्लाक-बुढ़ाना के दुर्गनपुर के प्यारे जी के मन्दिर से पक्की सड़क गजराज के खेत तक विशेष मरम्मत लम्बाई लगभग 200 मीटर।]

जनपद-बिजनौर के अन्तर्गत नगर पालिका हल्दौर क्षेत्र में राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री ओमकुमार-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरी विधान क्षेत्र नहटौर, जनपद-बिजनौर की नगर पालिका हल्दौर के आस-पास के लगभग 100 ग्रामों की बालिकाओं को शिक्षा ग्रहण करने हेतु कोई राजकीय बालिका इण्टर कालेज नहीं है। जनहित में नगर पालिका हल्दौर क्षेत्र में 01 राजकीय बालिका इण्टर कालेज की स्थापना किया जाना नितान्त आवश्यक है।

अतः मैं आपके माध्यम से लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुये कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद-बदायूं की तहसील-दातागंज के मुख्यालय पर अतिथि गृह का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजीव कुमार सिंह उर्फ बब्बू भईया-

[महोदय, मेरा विधान सभा क्षेत्र जनपद बदायूँ का तहसील मुख्यालय है फिर भी यहाँ पर लोक निर्माण विभाग का कोई अतिथि गृह नहीं है। जिससे यहाँ पर अधिकारियों एवं माननीय सदस्यों को ठहरने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है। माननीय मंत्रीगण का भी भ्रमण कार्यक्रम लगता रहता है, जिससे उनके ठहरने एवं विश्राम की व्यवस्था तहसील मुख्यालय पर नहीं हो पाती है। जनहित में यहाँ पर लोक निर्माण विभाग का अतिथि गृह बनाया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत लोक महत्व के अविलम्बनीय विषय की ओर सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए दातागंज तहसील मुख्यालय पर अतिथि गृह की व्यवस्था कराये जाने हेतु कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

नोटः- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

जनपद-प्रतापगढ़ के विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सराय निर्भय में मॉडल स्कूल सराय निर्भय के निर्माण में किये जा रहे भ्रष्टाचार के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

[महोदय, बच्चे देश का भविष्य होते हैं, समाज के नव निर्माण में शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण स्थान है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र रामपुर खास जनपद प्रतापगढ़ के विकास खण्ड रामपुर संग्रामगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत सराय निर्भय में राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान योजना के अन्तर्गत मॉडल स्कूल सराय निर्भय स्वीकृत हुआ था, जिसका दिनांक 11-11-2012 को शिलान्यास भी कर दिया गया था। शिक्षण संस्थान का निर्माण राजकीय निर्माण निगम द्वारा किया जा रहा है। किन्तु लगभग 9 वर्ष का एक लम्बा समय बीत जाने के उपरान्त भी अभी तक लगभग 60 प्रतिशत ही विद्यालय के भवन का निर्माण कार्य हो सका है, जबकि उक्त शिक्षण संस्थान के निर्माण के लिये स्वीकृति धनराशि का 90 प्रतिशत धन अवमुक्त भी कर दिया गया है। यही नहीं जो निर्माण किया भी गया उसमें अत्यन्त घटिया सामग्री का प्रयोग किया गया है, चाहे सरिया हो, चाहे ईंट हो, चाहे मौरम हो- सभी सामग्री मानक के अनुरूप नहीं हैं। यही नहीं अभी तक शिक्षण संस्थान के भवन का निर्माण कार्य तो पूरा नहीं हुआ है, किन्तु घटिया सामग्री का इस्तेमाल होने के कारण जो निर्माण हुआ भी है, वह क्षतिग्रस्त हो रहा है, गिर रहा है, शिक्षण संस्थान के अधिकांश हिस्से का प्लास्टर नहीं हुआ है, जिस हिस्से में प्लास्टर हुआ है वह क्षतिग्रस्त हो रहा है, फर्श भी क्षतिग्रस्त हो रही है, इस तरह जहाँ एक तरफ बच्चों की शिक्षा के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ सरकारी धन में भ्रष्टाचार किया जा रहा है, बन्दरबाँट की जा रही है, और शिक्षण संस्थान पूरी तरह से निरर्थक साबित हो रहा है।]

जनपद-अम्बेडकरनगर के जिला चिकित्सालय में बेडों की संख्या बढ़ाये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राकेश पाण्डेय-

[महोदय, आपके माध्यम से इस सदन का ध्यान अविलम्बनीय, लोक महत्व के विषय पर आकृष्ट कराना चाहता हूँ।

अवगत कराना है कि अम्बेडकरनगर मुख्यालय अकबरपुर संयुक्त जिला चिकित्सालय में 100 शैय्या की व्यवस्था है। जिला मुख्यालय होने के कारण पूरे जनपद से मरीज सैकड़ों की संख्या में आते हैं। अस्पताल में मात्र 100 शैय्या की ही व्यवस्था होने के कारण मरीजों को बेड

नोटः- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

नहीं मिल पाता और उन्हें भारी परेशानी उठानी पड़ रही है, इससे मरीज आक्रोशित है, स्थिति विष्फोटक एवं चिन्ताजनक है।

अतः लोक महत्व के इस अविलम्बनीय विषय पर सदन का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ।]

लखनऊ उत्तर विधान सभा क्षेत्र में जर्जर विद्युत तारों को बदले जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

डॉ0 नीरज बोरा-

[महोदय, लखनऊ उत्तर विधान सभा क्षेत्र अन्तर्गत डालीगंज, अलीगंज, फैजुल्लागंज व जानकीपुरम आदि प्रमुख क्षेत्र में बिजली के तार अत्यन्त जर्जर हो गये हैं। हल्की हवा चलने पर भी उनमें स्पार्किंग होती है तथा प्रायः तार टूटने से आपूर्ति भी प्रभावित होती है। ये पुराने तार कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। व्यापक जनहित में बिजली के इन पुराने तारों को बदल कर नया तार लगाया जाना अत्यन्त आवश्यक है।

अतः विधान सभा क्षेत्र की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन नियमावली के नियम-301 के अन्तर्गत इस व्यापक लोक महत्व के विषय पर सम्मानित सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुये प्रभावी कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र बदलापुर में राजकीय पॉलीटेक्निक की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री रमेश चन्द्र मिश्र-

[महोदय, अवगत कराना है कि मेरे विधान सभा क्षेत्र बदलापुर के जनपद जौनपुर में राजकीय पॉलीटेक्निक कालेज नहीं है। जिससे छात्र-छात्राओं को व्यवसायिक शिक्षा ग्रहण करने के लिए बाहर जाना पड़ रहा है। जिससे धन व समय का भी अपव्यय होता है। राजकीय पॉलीटेक्निक कालेज का निर्माण जनहित में अत्यन्त आवश्यक है। जिले में मात्र एक ही कालेज है, जो 40 किमी0 की दूरी पर है।

अतः नियम-301 के अन्तर्गत अविलम्बनीय, लोक महत्व के इस प्रश्न पर आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट करते हुए कार्रवाई करने की मांग करता हूँ।]

जनपद-आजमगढ़ में सड़क की मरम्मत/चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री आलमबदी-

[महोदय, मैं आपके माध्यम से जनपद आजमगढ़ में आसूत मिर्जापुर, माहुल, बेलवाई मार्ग (प्रा0 जि0मा0 सं0-158 ई0) 1 किमी0 1 से 12 (800), किमी0 24 से 40 (500) एवं

नोटः- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

कि0मी0 52 से 55 (840) में चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण का कार्य के सम्बन्ध में मा0 लोक निर्माण विभाग मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

उपरोक्त मार्ग आजमगढ़ जनपद का बहुत प्राचीन मार्ग है, जिसका चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण 32.140 किमी0 का अवशेष काम होना है, जिसका आगणन विभाग ने दिनांक 13-05-2022 को ई-मेल द्वारा मुख्य अभियन्ता, लखनऊ को भेज रखा है।

आपसे निवेदन है कि यह कार्य जनपद का सबसे महत्वपूर्ण कार्य है। इसे पूर्ण कराने का कष्ट करें। पूरे जनपद की जनता आपकी आभारी रहेगी।]

जनपद अमरोहा के तहसील-धनौरा, थाना-बछरायूं के अन्तर्गत हुई वारदात में कार्रवाई किये जाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री समरपाल सिंह-

[महोदय, धनौरा के सामने रिंकी अपनी बहन पुष्पा एडवोकेट व पति के साथ रह रही थी पति तीसरी शादी करने के कारण हमसे नाराज था एक दिन जब हमने उक्त वारदात का विरोध किया तो उसने एवं साथ में आये तीन-चार लोगों ने जान से मारने की नियत से एक साथ फायर कर दिया जिसमें पुष्पा घायल हो गई और मैं बाल-बाल बच गई। इसमें अभी तक कोई गिरफ्तार नहीं हुआ। हमारा पति शातिर बदमाश एवं गिरोहबन्द तरह का आदमी है, हमको कभी भी मार सकता है, कृपया उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने का कष्ट करें।]

प्रदेश में अश्लील, दो अर्थी, जातिसूचक, भड़काऊ गानों के बजने से उत्पन्न सामाजिक तनाव को रोकने के लिये ऐसे गीतों पर रोक लगाने के सम्बन्ध में नियम-301 के अन्तर्गत सूचना

श्री राजेश त्रिपाठी-

[महोदय, अवगत हों कि प्रदेश में इस समय अश्लील, दो-अर्थी, जाति-सूचक, भड़काऊ गीतों की भरमार है। शादी-विवाह जैसे अन्य मांगलिक कार्यक्रमों में डीजे और लाउडस्पीकर से तथा राह चलते ट्रैक्टर, कम्पाइन पर जब ऐसे गीत बज रहे हैं तब गांव और कस्बों में भयंकर विवाद, मार-पीट और हत्याएं हो रही हैं। इन गीतों के बजने से जातीय नफरत को बढ़ावा मिल रहा है। वहीं अश्लीलता भरे गीतों से गांवों में खूनी संघर्ष भी हो रहा है। उदाहरण-स्वरूप हमारी विधान सभा क्षेत्र चिल्लूपार के नारायनपुर खुर्द और कोल्हुआ में ऐसे गीतों को बजाने से रोकने पर बलवा, तोड़-फोड़, आगजनी और हत्या हुई है।

ऐसे में प्रदेश के व्यापक जनहित में इस तरह के अश्लील, दो-अर्थी, जातीय नफरत फैलाने वाले, भड़काऊ गीतों को सार्वजनिक स्थलों, समारोहों तथा गाँव-कस्बे के भीड़-भाड़ वाले इलाकों में बजाये जाने से रोका जाना अति आवश्यक है।

नोटः- [ ] यह अंश पढ़ा हुआ माना गया।

अतः विधान सभा क्षेत्र की प्रक्रिया एवं कार्य-संचालन नियमावली के नियम-301 के अन्तर्गत इस व्यापक लोक महत्व के विषय पर सम्मानित सदन का ध्यान आकृष्ट करते हुए प्रभावी कार्रवाई की मांग करता हूँ।]

औचित्य के प्रश्न की सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

नियम-300 के अन्तर्गत आज चार सूचनाएं प्राप्त हुईं, इसमें से कोई भी सूचना ग्राहयता में नहीं सुनी जायेगी, क्योंकि कोई सूचना नियम के अन्तर्गत नहीं आती।

(सदस्य श्री उमाशंकर सिंह के खड़े होने पर)

श्री अध्यक्ष-

मेहरोत्रा जी पुराने सदस्य हैं, लखनऊ विश्वविद्यालय के सम्बन्ध में दिया है, यह सूचना नियम-300 में कहां आती है। श्री मौ0 फईम इरफान ने तहसील बिलारी में प्रदूषण के सम्बन्ध में दिया है, यह प्रदूषण अगर नियम-300 में आयेगा तो कैसे काम चलेगा। मेरा सभी सदस्यों से निवेदन है कि वह नियम को पढ़ लें, नियम-300 औचित्य का प्रश्न होता है और औचित्य का प्रश्न तभी बनता है जिस समय विधान सभा का सत्र चल रहा हो उस समय तत्कालीन मामला हो और कार्य प्रभावित हो रहा हो। डॉ0 वर्मा तो बहुत पुराने सदस्य हैं और स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में गेट बनाने का मामला नियम-300 में लाये हैं, क्या डॉक्टर साहब स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों के सम्मान में गेट बनाने का मामला औचित्य का प्रश्न होता है, आप तो पुराने सदस्य हैं और डॉक्टर भी हैं, कौन से डॉक्टर हैं आप ?

डा0 आर0के0 वर्मा-

मान्यवर, मैं इलाज वाला डाक्टर हूँ। यह औचित्य का प्रश्न इसलिए आया है कि बाबा साहब और सरदार पटेल जैसे।

श्री अध्यक्ष-

नहीं, उसमें औचित्य का प्रश्न नहीं आता है। आप सिर्फ अपनी बात कह दीजिए।

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मेरा देख लीजिए।

श्री अध्यक्ष-

आप बोल दीजिए।

विधान परिषद् की भांति विधान सभा में भी मध्याह्न भोजन की व्यवस्था के सम्बन्ध में औचित्य का प्रश्न

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं औचित्य का प्रश्न लेकर आया हूँ। आप जबसे इस पीठ पर विराजमान हुए हैं, तबसे काफी कुछ नया परिवर्तन कर भी रहे हैं। नयी-नयी टेक्नोलॉजी हम सदस्यों के बीच ला रहे हैं। मा0 अध्यक्ष जी, ये जो मैंने औचित्य का प्रश्न लाया है, जैसे हमारे

बगल में जो हमारा उच्च सदन है, उसमें भी लंच ब्रेक होता है। हम मा0 सदस्यों में से किसी को भी अगर लंच करने जाना हो, तो यह दिमाग में हमेशा बना रहता है कि पता नहीं कब, कौन विषय आ जाए, तो लंच करने जाऊँ या न जाऊँ ?

श्री अध्यक्ष-

सब पुराने सदस्य हैं। आपको पता है कि किस समय जाना है।

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं चाहता हूँ कि हमारे यहाँ भी आधे घण्टे का लंच ब्रेक रखा जाए। इससे आपको भी सुविधा होगी। आपको अधिष्ठाता बैठाने की कम आवश्यकता पड़ेगी। आप भी आसानी से जाकर लंच ले सकेंगे।

श्री अध्यक्ष-

अधिष्ठाता इसीलिए बनाया है कि उनको भी अवसर मिले।

श्री उमाशंकर सिंह-

मा0 अध्यक्ष जी, हमारे तमाम बड़े बुजुर्ग मा0 सदस्य हैं। इस व्यवस्था से उन्हें भी सुविधा होगी।

श्री अध्यक्ष-

आपकी बात अब आ गयी है। मा0 मंत्री जी ने संज्ञान ले लिया है।

श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा†

अब मा0 राज्यपाल के अभिभाषण के ऊपर चर्चा होगी। मा0 राजपाल सिंह बालियान जी ने जो सूची दी है, उसमें पहला नाम मा0 अशरफ अली खान साहब का है। मा0 अशरफ अली खान साहब। इधर से भी मा0 सदस्यों की सूची दे दें।

श्री अशरफ अली खान-

मा0 अध्यक्ष महोदय, सबसे पहले मैं आपका धन्यवाद करता हूँ।

(श्री उमाशंकर सिंह जी के खड़े होकर कुछ बोलने पर।)

श्री अध्यक्ष-

अभी नेता प्रतिपक्ष आएंगे, तो वे बोलेंगे।

***श्री अशरफ अली खान-**

मा0 अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मैं उस क्षेत्र से आता हूँ, जहाँ पर गन्ने की खेती होती है। हमारे जिला शामली

---

† दिनांक 24 मई, 2022 की कार्यवाही से।

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

85 प्रतिशत भू-भाग पर गन्ने की खेती होती है। मा0 गन्ना मंत्री जी ने सरकार बनने के बाद बयान दिया था कि 71 प्रतिशत गन्ने का भुगतान शुगर मिलों द्वारा किया जा चुका है। जबकि हमारे शामली में जो 22 मई के आंकड़े हैं, उसमें अभी तक हमारे यहाँ 25 प्रतिशत गन्ने का भुगतान ही हो पाया है। मैं मा0 गन्ना मंत्री जी से मिलकर इस विषय में बताया भी था। हमारा गन्ना किसान बहुत बेहाल है, बड़े बुरे हालात हैं। नलकूप के कनेक्शन पर जिस किसान का रु0 10000/- से ज्यादा बकाया है, उनका बिजली कर्मचारी कनेक्शन काटने के लिए पहुँच जाते हैं।

मा0 अध्यक्ष जी, गन्ने का भुगतान समयबद्ध तरीके से हो, इसके लिए मैं चाहता हूँ कि सरकार कोई ऐसा कोष बनाती कि जो चीनी मिलें 14 दिन के अन्दर गन्ने का भुगतान नहीं कर पाती हैं, तो सरकार उस कोष से गन्ना किसानों को गन्ने का भुगतान करे और बाद में वह राशि भुगतान के समय गन्ना किसानों से वसूल कर लें। हमारा किसान बड़ा बेहाल है। डी0ए0पी0 और यूरिया किसानों को समय पर नहीं मिल पा रहा है। गन्ना किसानों का हम लोगों के ऊपर दिन-रात दबाव रहता है। हम लोगों को आए दिन जिलाधिकारी को ज्ञापन देने पड़ते हैं। हालात बहुत बुरे हैं।

मा0 अध्यक्ष जी, मैं एक बात और दर्ज कराना चाहता हूँ। चूँकि यह सरकार की तरफ से आया है। राज्यपाल महोदया ने अपने अभिभाषण में कहा है कि प्रत्येक जिले में एक-एक मेडिकल कॉलेज खुलेगा। सरकार से निवेदन के साथ मैं कहना चाहता हूँ कि शामली हमारा नया जनपद है। वहाँ पर जो स्वास्थ्य सुविधाएं हैं, वह बहुत खस्ता हाल में है। वहाँ पर प्राइवेट नर्सिंग होम भी नहीं है, जिसके कारण वहाँ के लोगों को अच्छा इलाज नहीं मिलता है। इसलिए मेरा सरकार से निवेदन है कि जो मेडिकल कॉलेज बन रहे हैं, उसमें शामली जनपद को प्राथमिकता पर लिया जाए। क्योंकि शामली हमारा जिला है वहां पर जो स्वास्थ सेवाएं हैं, बहुत खस्ता हाल में हैं और दूसरी बात मैं यह कहना चाहता हूँ कि हर जिले में पोस्टमार्टम होते हैं और जैसे वहां शव जाते हैं तो डॉ0 वहां नहीं होते हैं और 24-24 घण्टे हो जाते हैं पोस्टमार्टम नहीं हो पाते, मेरा सरकार से यह निवेदन है कि हर पोस्टमर्टम हाउस पर 8-8 घण्टे की ड्यूटी हो जाए, सरकार इस ओर ध्यान दे तो बहुत अच्छा हो जाएगा।

अब मैं बिजली के मुद्दे पर आता हूँ, मा0 राज्यपाल महोदया ने अपने भाषण में कहा है 705 की संख्या में 33/11 के0 वी0 ए0 के केन्द्र स्थापित किए गए हैं, 1413 उपकेन्द्रों की क्षमता बढ़ायी गयी है। बहुत अच्छा है कि सरकार ने यह काम किया, मगर मैं सरकार से यह पूछना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने नए यंत्र लगाने का काम किया है, जिससे हमारे उत्तर प्रदेश में बिजली का उत्पादन बढ़ सके ? मैं यह कहना चाहता हूँ कि सरकार दावा करती है कि हेडक्वार्टर पर 24 घण्टे बिजली उपलब्ध है, तहसील मुख्यालयों पर 21 से 22 घण्टे बिजली जाती है और गांव देहात में 18 घण्टे बिजली उपलब्ध है। मैं नगर पंचायत जलालाबाद से आता हूँ वहां भी 12 से 14 घण्टे बिजली हमें नहीं मिल पाती। सरकार को चाहिए इस ओर ध्यान दे

कि सही तरीके से आपूर्ति अपने प्रदेश के लोगों को मिल सके और इसमें कोई झूठा आश्वासन ना मिले। दूसरी बात मैं अपने विधान सभा क्षेत्र से मुताल्लिक आज सदन में एक बात रखना चाहता हूँ कि इलाहाबाद के बाद शामली के हमारे गर्धेवडे में गंगा जमुना का संगम है। जो हमारे नेता मा0 अजीत सिंह जी के प्रयास से जब मुलायम सिंह जी मुख्य मंत्री थे तब यह संगम हुआ था। मैं चाहता हूँ कि इलाहाबाद और हरिद्वार की तर्ज पर वहां पर भी निर्माण किए जाएं और उस संगम से 8 किमी0 तक कोई पुलिस चौकी नहीं है मैं चाहता हूँ कि संगम पर पुलिस की व्यवस्था सही तरह से हो।

श्री विनय कुमार द्विवेदी-

मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। मा0 राज्यपाल जी द्वारा दोनों सदनों के समक्ष दिए गए अभिभाषण के समर्थन में मा0 सदस्य डॉ0 मन्जू शिवाच जी के द्वारा रखे गए धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में खड़ा हुआ हूँ। मान्यवर, उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा राज्य है और आज देश में सबसे तेज तरक्की करने वाला राज्य है। मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के 5 वर्ष के अपने प्रथम कार्यकाल में भाजपा सरकार ने आजादी के बाद अब तक की सरकारों में सबसे अच्छा काम किया है। उन्होनें उत्तर प्रदेश की जनता के दिलों में यह विश्वास पैदा करके दिखलाया कि योगी सरकार राज्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार के प्रति जनता का यह विश्वास ही है कि योगी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार पुनः सत्ता में आयी है और प्रदेश के इतिहास में नया कीर्तिमान लिखने का काम किया है।

(इस समय अपराह्न 12 बजकर 34 मिनट पर अधिष्ठाता श्री रवि शर्मा पीठासीन हुए)

मान्यवर, हमारी सरकार कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के काल खण्ड का सामना करके प्रदेश के तीव्र विकास के गति को कायम रखा और इस आपदा के काल में प्रदेश के आम-जन की सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखा। लोगों को दवा, भोजन, राशन और ऑक्सीजन की शत-प्रतिशत आपूर्ति कर लोगों के जीवन रक्षा में भी सफल साबित हुई है। मान्यवर, मैं खुद को बहुत सौभाग्यशाली मानता हूँ कि मुझे ऐसी सरकार का हिस्सा बनने का मौका मिला है। माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने अपने पाँच वर्ष के कार्यकाल में कृषि, स्वास्थ्य, सड़क, शिक्षा, पर्यटन एवं बिजली जैसे प्रदेश के चौमुखी विकास के सभी आधारभूत विषयों में ऐतिहासिक कार्य कर प्रदेश को तरक्की की ओर आगे बढ़ाया है। माननीय योगी जी के 2.0 कार्यकाल में भी उत्तर प्रदेश में विकास की गंगा बहेगी। उत्तर प्रदेश का गरीब, किसान, नौजवान, मजदूर, मजलूम, महिलाओं सहित समूचे प्रदेश के हर तबके को विकास की ओर ले जाने का कार्य करेगी। मान्यवर, देश के ऊर्जावान प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार ने छात्रों को तकनीकी रूप से सशक्त करने हेतु स्मार्ट फोन और टैबलेट देकर उनके भविष्य की उत्कृष्ट आधारशिला रखने का काम किया है।

(इस समय अपराह्न 12 बजकर 37 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

आज दुनिया तकनीक की राह पर आगे बढ़ रही है। ऐसे में माननीय मुख्य मंत्री जी का यह कदम उत्तर प्रदेश के हर छात्र का भविष्य उज्ज्वल करने में सबसे बड़ी आधारशिला होगी। मान्यवर, अच्छी सड़कों को विकास का सबसे बड़ा आधार कहा जाता है और जबसे उत्तर प्रदेश में भा0ज0पा0 की सरकार बनी है, सड़कों के निर्माण के क्षेत्र में प्रदेश हर दिन नया इतिहास लिख रहा है। हमारी सरकार ने पूर्वान्चल एक्सप्रेस-वे का निर्माण कराकर बेहतर सड़कें बनाने का भी गौरव हासिल किया है तथा इसके साथ-साथ प्रदेश में अन्य एक्सप्रेस-वे का निर्माण भी प्रगति पर है।

श्री अध्यक्ष-

अब समाप्त करिये।

श्री विनय कुमार-

मान्यवर, एक मिनट में समाप्त कर रहा हूँ। ऐसी सुन्दर और सुगम सड़कों को बनाने का निर्णय लेकर माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस बात की पुष्टि कर दी है कि योगी सरकार उत्तर प्रदेश की अब तक की सबसे दूरगामी सरकार रही है। मान्यवर, हमारी सरकार ने प्रदेश के युवाओं में उद्यमिता बढ़ाने के लिए युवा उद्यमिता विकास अभियान सहित विभिन्न रोजगार का अभियान चलाकर युवाओं को उद्यमिता की ओर प्रोत्साहित किया है, जिसके फलस्वरूप उत्तर प्रदेश के युवाओं ने अपना भविष्य बनाने के साथ-साथ बड़ी संख्या में अन्य लोगों को रोजगार भी दिया है। युवाओं के उज्ज्वल भविष्य को समर्पित इस लोक कल्याणकारी कार्य के लिए प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी को हार्दिक धन्यवाद व आभार व्यक्त करता हूँ। मान्यवर, कृषि, शिक्षा, चिकित्सा, सहकारिता, गन्ना विकास, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज, जल शक्ति एवं नमामि गंगे योजना, ऊर्जा एवं अतिरिक्त ऊर्जा, आवास एवं नगर विकास विभाग में अच्छा कार्य हुआ है।

श्री अध्यक्ष-

अब आपका समय समाप्त हुआ।

श्री विनय कुमार-

मान्यवर, इसी के साथ आपको बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया।

***श्री राजीव गुम्बर-**

माननीय अध्यक्ष जी, सर्वप्रथम मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ कि आपने माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। मान्यवर, मैं अपने आपको गौरवशाली

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

महसूस करता हूँ कि मैं इस अट्ठारहवीं विधान सभा क्षेत्र के सदस्य के रूप में जनता की सेवा के लिए निर्वाचित हुआ हूँ। इस सरकार की उपलब्धियों की चर्चा करने से पहले, 2017 से पहले की स्थिति से अवगत कराते हुए अपनी बात को रखना चाहूँगा। 2017 से पहले इस प्रदेश के अन्दर जिस प्रकार से गुण्डाराज हावी था, जिस प्रकार का माफियाराज हावी था, जिस प्रकार से विकास कार्यों की गति रुक गयी थी, 2017 से पहले भी मैं इस विधान सभा क्षेत्र का सदस्य रहा हूँ। उससे पहले की स्थिति इतनी खराब थी, मैं पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से आता हूँ और पूरा पश्चिम उत्तर प्रदेश गुण्डाराज, माफियाराज से पीड़ित रहता था। वहाँ प्रतिदिन बहू-बेटियों के साथ छेड़खानी होती थी और सड़कों का इतना बुरा हाल था कि यदि हमें सड़कों से अपने पड़ोसी जनपद को भी जाना होता था तो पड़ोसी जनपद के अन्दर सहारनपुर से मुजफ्फरनगर जाना, सहारनपुर से पड़ोसी राज्य यमुनानगर जाना और सहारनपुर से देहरादून व हरिद्वार जाने के लिए सड़कों में गड्ढे नहीं गड्ढों में भी सड़क ढूंढनी पड़ती थी।

गुण्डा, माफियाओं का इतना बुरा हाल था कि उस सरकार के संरक्षण के अन्दर गुण्डे, माफिया, बलात्कारी लोग जेलों और थानों से छुड़ा लिये जाते थे और सरकारी तंत्र का संरक्षण होता था। मैं माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार व्यक्त करते हुए अपनी बात को रखता हूँ कि आज माननीय योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आज उत्तम प्रदेश की ओर बढ़ चला है। आज उत्तर प्रदेश के अन्दर जो उत्तर प्रदेश गुण्डों, माफियाओं, भ्रष्टाचारियों के नाम से जाना जाता था, आज उस उत्तर प्रदेश के अन्दर गुण्डे सड़कों पर नहीं जेलों के अन्दर बन्द हैं। माफियाओं पर कार्रवाई करते हुए आज माफियाओं की अवैध सम्पत्ति पर बुल्डोजर चलाने का काम माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में हो रहा है। (सत्ता पक्ष के माननीय सदस्यों ने मेजें थपथपाईं) आज बहू-बेटियों की छेड़खानी करने में जो सरकार का संरक्षण पाते थे, आज सड़कों पर नहीं जेलों के अन्दर बन्द होते हैं। आज एण्टी रोमियो स्क्वायड के माध्यम से, थानों में महिला डेस्क की स्थापना करने के माध्यम से सरकार महिलाओं/बालिकाओं को संरक्षण देने का काम कर रही है। जिस उत्तर प्रदेश से उद्योगों का पलायन हो रहा था, न सड़क थी, न बिजली थी, न पानी था, मान्यवर, उस समय हम लोग छोटे-छोटे होते थे, एक नारा लगाया करते थे कि- "जो सरकार बिजली, पानी, सड़क दे न सके, वो सरकार निकम्मी है।" लेकिन आज माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में बिजली भी है, सड़क भी है और हर घर को पेयजल भी मिल रहा है।

आज मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में एक ऐसा माहौल बना है जो उद्योग यहाँ से पलायन होकर मेरे पड़ोसी राज्य उत्तराखण्ड के अन्दर चले गये थे आज माननीय मुख्य मंत्री जी के प्रयास से उद्योगों को वातावरण व सुविधायें देते हुए आज समस्त उद्योग वापस उत्तर प्रदेश में और सहारनपुर में स्थापित हो रहे हैं। मान्यवर, मैं चर्चा करते हुए यह बताना चाहता हूँ कि जो उत्तर प्रदेश दंगे की आग में हर समय जलता रहता था, आज पाँच साल पूरे हो चुके माननीय मुख्य मंत्री जी की सरकार को, यह सरकार का द्वितीय कार्यकाल चल रहा है। मैं बड़े गर्व की

अनुभूति करता हूँ कि मैं उस गौरवशाली सरकार का हिस्सा हूँ जिस सरकार ने पूरे 5 साल दंगामुक्त प्रदेश देने का काम किया है। पिछले सवा पाँच साल के अन्दर प्रदेश में एक भी दंगा नहीं हुआ, इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का आभार भी व्यक्त करता हूँ। माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में आज सड़कों का जाल बिछा हुआ है। मैं यदि सहारनपुर की बात करूँ जहाँ सहारनपुर से देवबन्द व मुजफ्फरनगर जाना मुश्किल होता था, यमुनानगर जाना मुश्किल होता था। आज हाई-वे का जाल बिछा हुआ है और एक-एक हाई-वे नहीं सहारनपुर में तीन-तीन हाई-वे बने हुये हैं और यदि सहारनपुर से लखनऊ आना हो, सहारनपुर से बनारस जाना हो, सहारनपुर से प्रयागराज जाना हो तो किसी महिला को, किसी बच्चे को, किसी बीमार को सोचने की आवश्यकता नहीं पड़ती, लगातार वह सहारनपुर से शुरू हो और उत्तर प्रदेश के अन्तिम जिला बलिया तक या उत्तर प्रदेश के किसी भी कोने में जा सकते हैं। ऐसा माहौल और ऐसी सड़कें देने का मा0 मुख्य मंत्री जी ने काम किया है। बिजली की स्थिति जहाँ पहले चन्द जिलों तक कायम थी, केवल सैफई, एटा, इटावा के नाम पर बिजली की आपूर्ति होती थी, आज पूरे उत्तर प्रदेश में समान रूप से गाँवों में 18 घण्टे और शहरों में 24 घण्टे की बिजली आपूर्ति हो रही है, जिससे उद्योगों को एक ऐसा वातावरण मिल रहा है कि पूरे उत्तर प्रदेश में उद्योग स्थापित करने के लिए खुद ही उद्योगपति यहाँ पर आ रहे हैं और माननीय मुख्य मंत्री जी से मिल कर अनुरोध कर रहे हैं कि हम उत्तर प्रदेश में उद्योग लगाना चाहते हैं। सड़कों का ऐसा जाल बिछा है कि 14000 किमी0 सड़कें बनायी गयीं और लगभग 35 हजार किमी0 सड़कें गड्ढामुक्त कर दी गयी हैं।

श्री अध्यक्ष-

राजीव जी, अब समाप्त करिये।

श्री राजीव गुम्बर-

माननीय अध्यक्ष जी, आज सबका साथ सबका विकास करते हुए न जाति का भेद-भाव, न धर्म का भेद-भाव, सबको अन्न, सबको पानी, सबको बिजली, सबको मकान दिया जा रहा है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय सदस्य अब आप बैठ जाइये। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री राजीव गुम्बर-

माननीय अध्यक्ष जी, सिर्फ एक मिनट का समय और दे दीजिए। सहारनपुर की यदि मैं चर्चा करूं तो मैं अनुरोध करता हूँ कि सहारनपुर में जहां उद्योग विकसित हो रहे हैं।, रोजगार के साधन मिल रहे है, वहीं सहारनपुर में नए औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना की जाए, मेडिकल कॉलेज को एम्स का दर्जा दिया जाए, अन्तर्राज्यीय बस अड्डे का निर्माण किया जाए और जिला अस्पताल में डॉक्टरों की व्यवस्था कर दी जाए। नगर निगम के अन्दर स्मार्ट सिटी

के कार्य को और तेजी के साथ बढ़ाया जाए। इसी के साथ में पुनः आपका, माननीय मुख्य मंत्री जी का और पूरे सदन का आभार व्यक्त करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

नेता विरोधी दल (श्री अखिलेश यादव)-

आदरणीय अध्यक्ष महोदय, श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया इसके लिए आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ। श्री राज्यपाल महोदय का अभिभाषण लगभग 1 घण्टा 1 मिनट का था और जब मैं पीछे मुड़कर पिछले 5 साल का कार्यकाल देखता हूँ, जो डॉक्यूमेन्ट सरकार तैयार करती है, वही श्री राज्यपाल महोदय का अभिभाषण बन जाता है। जो सरकार ने 5 साल भाषण के रूप में तैयार कराया वही हमें और आपको सुनने का मौका मिला। मैं सदन में देख रहा था, हम लोग तो यहां पर सरकार का विरोध कर रहे थे, श्री राज्यपाल महोदय का कोई विरोध नहीं है, ज्यादातर माननीय सदस्य मुझे सोते हुए दिखाई दे रहे थे। डॉक्यूमेन्ट को अगर हम देखें तो झूठ का बहुत अच्छा डॉक्यूमेन्ट तैयार करके सरकार ने माननीय राज्यपाल जी को यह दिखाने के लिए दे दिया कि उत्तर प्रदेश किस विकास की गति से, किस विकास के रास्ते पर जा रहा है। मैं प्रस्ताव करता हूँ कि माननीय राज्यपाल के अभिभाषण में कुछ चीजें हम लोगों की तरफ से भी जोड़ दी जायें। आज तक के इतिहास में सबसे बड़ी विफल सरकार अगर कोई हुई है तो यही सरकार है। प्रदेश में व्याप्त अराजकता और असुरक्षा का माहौल अगर किसी ने पैदा किया है तो इसी सरकार ने किया है। ध्वस्त कानून व्यवस्था, सामूहिक बलात्कार, नफरत, भ्रष्टाचार बढ़ाने वाली, विकास को रोकने वाली, महंगाई को चरम सीमा पर ले जाने वाली, नौजवानों के रोजगार की कोई ठोस योजना न होना। अभी तक कोई बड़ा निवेश उत्तर प्रदेश में नहीं आया है। जब आप पूरा अभिभाषण पढ़ते और देखते हैं तो इन तमाम समस्याओं का कोई समाधान भी उसमें नहीं दिखाई देता है। आज अगर हम उत्तर प्रदेश को सही मायनों में देखें, नीति आयोग के आंकड़ों के हिसाब से देखें कि किस पैरामीटर पर हम कहां खड़े हैं। शिक्षा के सूचकांक में यू0पी0 सबसे नीचे से चौथे स्थान पर है, यह हमारे आंकड़े नहीं हैं, यह नीति आयोग के आंकड़े हैं। शिक्षा के सूचकांक में उत्तर प्रदेश सबसे नीचे से ऊपर चौथे स्थान पर है। अगर हम स्वास्थ्य के सूचकांक में देखें तो उत्तर प्रदेश सबसे नीचे वाले पायदान पर है। देश में गरीबी बढ़ाने वाले बड़े राज्यों में अगर कोई प्रदेश आ रहा है तो वह उत्तर प्रदेश आ रहा है।

माननीय अध्यक्ष जी, यह हमारी रिपोर्ट नहीं है यह केन्द्र सरकार की रिपोर्ट है कि मिड-डे मील योजना में घोटालों में यू0पी0 सबसे आगे है। इनोवेशन के मामले में देश का सोलहवाँ राज्य यू0पी0 है। भुखमरी में देश का चौथा सबसे बड़ा राज्य उत्तर प्रदेश नीति आयोग। फेक इन्काउन्टर के मामले में मानव अधिकार के सबसे ज्यादा नोटिसेज अगर किसी प्रदेश को मिले हैं तो उत्तर प्रदेश को मिले हैं। साइबर क्राइम में सबसे ज्यादा मामले अगर कहीं से आ रहे हैं तो वह उत्तर प्रदेश से आ रहे हैं। महिला अपराध में मैंने कल भी कहा और आज फिर मैं यह कहता हूँ कि यह आँकड़े विपक्ष के नहीं हैं यह आँकड़े वह हैं जो डायल

100, 112 के आधार पर हैं। सरकार यह आकड़े दिल्ली को भेजती है। एन0सी0आर0बी0 के आकड़े में अगर महिला अपराध में सबसे ज्यादा मामला अगर देश में कहीं आ रहा है तो वह उत्तर प्रदेश का है। हत्या के केसों में अगर सबसे आगे कोई है तो वह उत्तर प्रदेश है और दलितों के खिलाफ हो रहे अत्याचार में अगर सबसे आगे कोई है तो वह उत्तर प्रदेश है और हमने तो अध्यक्ष जी एक ऐसी घटना देखी है जहां पर एक दलित नौजवान को बुलाया गया, पीटा गया, अपना पैर चटवाया गया, उसका वीडियो चलाकर वीडियो को वायरल किया गया और पुलिस अभी भी हाथ पर हाथ रखकर बैठी है। किसी भी दोषी लोगों को एवं अपराधियों को पकड़ने वाली नहीं है। वह नौजवान अभी भी घर में नहीं रह सकता है, इतना आतंक है कि पहले तो पैर चटवाया, वीडियो बनाया, वीडियो को वायरल कर दिया और कहा कि अगर पुलिस में जाओगे तो जान से मार दिए जाओगे, ये धमकी दी। वह आज अपने गांव में, घर में नहीं रह पा रहा है। एस0सी0एस0टी0 ऐक्ट के तहत मामलों में अगर कोई नम्बर 1 है तो वह उत्तर प्रदेश है।

वैसे जबसे बी0जे0पी0 की सरकार आई है आर्थिक अपराधों में अगर सबसे आगे कोई है तो वह उत्तर प्रदेश है। अब इसी को अगर विकास मॉडल मानेंगे तो विकास मॉडल आखिर कार होगा क्या ? न केवल नीति आयोग के आकड़े में, एन0सी0आर0बी0 के डेटा में, बल्कि जो उत्तर प्रदेश का माहौल बनाया गया है विकास नहीं यहां पर साम्प्रदायिकता को आगे बढ़ा रहे हैं। यहां पर पुलिस पर कोई अंकुश नहीं है। हमारे जनप्रतिनिधियों का दुख इस बार तो अभी समय लगेगा, लेकिन पिछली बार मैंने जनप्रतिनिधियों का दुख देखा था। माननीय अध्यक्ष महोदय, किसी भी मुख्य मंत्री के खिलाफ सदन में इतनी बड़ी संख्या में कोई नहीं बैठा होगा। यह सरकार जनप्रतिनिधि नहीं चला रहें है यह सरकार अधिकारी चला रहे हैं और फिर अगर विकास मॉडल देखना ही है तो विकास मॉडल समाजवादियों ने उत्तर प्रदेश में दिखाया था। देश का अगर सबसे बेहतरीन कोई भी इन्फ्रॉस्ट्रक्चर का प्रोजेक्ट, सड़क का प्रोजेक्ट अगर बनाया गया है तो समाजवादियों ने बनाया है। आगरा से लखनऊ एक्सप्रेस, जिसका उद्घाटन हुआ हम लोगों का नाम नहीं लिखा गया, लेकिन मुझे इस बात की खुशी है कि हमारे माननीय मुख्य मंत्री जी का नाम दो जगह लिखा हुआ है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे व जो हमारी सरकार की प्रमुख योजनाएं जिनका आज भी एप्रीसिएशन है, आज भी मैं देखता हूँ कि अगर कोई भी उस सड़क पर चलता है अगर वह पहली बार चलता है तो वह मुझे ट्वीटर पर टैग करता है और यह कहता है कि ऐसी सड़कें मैंने देश में नहीं देखी है, जो आपने बनाई है।

लखनऊ मेट्रो समाजवादियों ने बनायी, लेकिन उद्घाटन दूसरी सरकार को करने का मौका मिल गया और ऐसा उद्घाटन किया कि पाँच साल से जिस स्टेशन तक वह ट्रेन जाती है उसी स्टेशन से वापस ट्रेन आ जाती है। (विपक्ष द्वारा मेजों की थपथपाहट)

(इसी मध्य सत्ता पक्ष के किसी सदस्य द्वारा बीच में कुछ बोलने पर)

यह मा0 सदस्य लगता है कि मेट्रो के बारे में जानते नहीं हैं। मा0 अध्यक्ष महोदय, डायल-100, मुझे याद है कि जिस समय मैं डायल-100 बना रहा था उस समय जो जानकारी हासिल हो रही थी, मैंने देखा कि किसी थाने में गाड़ी को चलाने के लिये डीजल-पेट्रोल नहीं था। जो बजट मिला करता था वह पर्याप्त नहीं था, पुलिस के पास गाड़ियाँ नहीं थीं। पुलिस अपराधियों को कैसे पकड़े, गुण्डों को कैसे पकड़े ? जो कानून-व्यवस्था को खराब करते हैं उनको कैसे पकड़ा जाए ? आप पीछे मुड़कर देखिये। मा0 अध्यक्ष महोदय, मैं नेता सदन से कहूँगा कि अभी तक आपने शायद डायल-100 नहीं देखा और मैं तो कहूंगा कि नेता सदन अपने सभी मा0 सदस्यों को ले करके जाएं और देख करके आएं और कम से कम उसमें देखें कि पुरानी सरकार क्या करके गयी है। अगर कोई कमी आपको दिखायी दे तो आप उस कमी को ठीक करिये, लेकिन कमी ठीक नहीं की गयी और डायल-100 बर्बाद हो गया। मुझे याद है कि जिस समय डायल-100 बनाया गया था यहाँ पर कोई ऐसा रिस्पाँस सिस्टम नहीं था कि जो रिस्पाँस सिस्टम पुलिस को मिल जाए। उस समय के वरिष्ठ अधिकारी जो टेक्नालॉजी को समझते थे और देश के सबसे जानकार प्रोफेसर वेंकट को मैंने बुलाया और सलाहकार बनाया। मैंने उनसे कहा कि जानकारी हासिल करिये। जानकारी हासिल करने के लिये वह न केवल देश और उत्तर प्रदेश में जगह-जगह थानों में गये, कप्तान के ऑफिस में गये, छोटे से लेकर बड़े अधिकारी से बातचीत की। उसके बाद वह न्यूयार्क गये और न्यूयार्क में जाकर एन0वाई0पी0डी0 का जो हेडक्वार्टर है उसको देख करके आए। उसके बाद वह ह्यूस्टन और सिंगापुर गये और तीनों जगहों का रिस्पाँस सिस्टम देख करके आए और उसके बाद उन्होंने यू0पी0 का रिस्पाँस सिस्टम डिजाइन किया, जिसके फलस्वरूप उत्तर प्रदेश पुलिस को सबसे बेहतरीन रिस्पाँस सिस्टम अगर किसी ने दिया तो, वह समाजवादियों ने दे करके दिखाया। यह कानून-व्यवस्था की बहुत बात करते हैं, मैं कानून-व्यवस्था पर बाद में आऊंगा।

इकाना स्टेडियम, हमारे नेता सदन की सबसे प्रिय जगह अगर कोई है तो इकाना स्टेडियम है। मा0 सदस्य, यह हँसने की बात नहीं है। यह बात मैं इसलिये कह रहा हूँ कि जब कभी मा0 नेता सदन को किसी अच्छी जगह कार्यक्रम करना पड़ता है तो वह लखनऊ का स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी जी के नाम पर जो हो गया है, इकाना स्टेडियम में जा करके उसी में कार्यक्रम करते हैं। देश के बेहतरीन खिलाड़ी, प्लेयर्स, ओलम्पियन, उनको अगर कहीं सम्मानित किया गया तो हमें इस बात की खुशी है कि उसी स्टेडियम में सम्मानित किया गया जो समाजवादियों ने बना करके खड़ा किया। (विपक्ष द्वारा मेजों की थपथपाहट) यही नहीं, हालाँकि मा0 नेता सदन पाँच साल के अन्दर अब टेक्नालॉजी जान गये हैं। मैं अपने शब्द वापस लेता हूँ। मैं कभी-कभी कह देता था कि हमारे नेता सदन टेक्नालॉजी को नहीं समझते हैं, लेकिन मा0 अध्यक्ष जी मुझे यह लगता है कि आपकी वजह से और आपकी वजह से आज आपके सामने है तो मैं यह मान कर चल रहा हूँ कि आप टेक्नालॉजी को समझते हैं और जब सबसे बड़ा डिस्ट्रीब्यूशन करना था और लोगों को दिखाना था कि मैं सरकार में हूँ और सरकार

की तरफ से स्मार्टफोन दूँगा, लैपटॉप दूँगा तो उसी स्टेडियम में जा करके नेता सदन ने बाँटे। हमें खुशी इस बात की भी है कि जब आपको शपथ लेने का मौका मिला तो आपके पास कोई दूसरी जगह नहीं थी, आपको इकाना में ही जाना पड़ा। (विपक्ष द्वारा मेजों की थपथपाहट) नेता सदन अपने काम तो कर लेते हैं, लेकिन अन्तर्राष्ट्रीय मैच होने के लिये इजाजत नहीं देते। समाजवादी सरकार थी तो कानपुर में भी इण्टरनेशनल मैच हुआ और लखनऊ में भी हुआ, लेकिन आपने उसको ऐसा प्रिय बनाया कि अब वहाँ कोई इण्टरनेशनल मैच नहीं होता। हमें उम्मीद है कि आने वाले समय में आप वहाँ पर कोई न कोई इण्टरनेशनल मैच जरूर करायेंगे।

जनेश्वर मिश्र पार्क, फोर लेन कनेक्टिविटी, और मुझे याद है मैंने कभी एक इकोनॉमिक्स का लेख पढ़ा था कि "If you can double the speed you will tripple the economic" मैं जब सरकार में था तो लगातार इस बात को कोड करता था कि अगर रफ्तार बढ़ा देंगे तो हमारी अर्थव्यवस्था बढ़ जाएगी और इसीलिए हमने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे बनाया। समाजवादी पार्टी ने उस समय तय किया था कि उत्तर प्रदेश के जितने भी जिला मुख्यालय होंगे उन जिला मुख्यालयों को फोर लेन से जोड़ने का काम भी समाजवादी पार्टी की सरकार करेगी। समाजवादी पार्टी की सरकार के फोर लेन कनेक्टिविटी की वजह से और एनीशियल कनेक्टिविटी की वजह से, उस समय 51 जिला मुख्यालयों को फोर लेन से कनेक्ट करने का काम शुरू हो गया था, लेकिन अगर मा0 राज्यपाल जी का भाषण पढ़ें तो शायद फोर लेन कनेक्टिविटी के बारे में, जिला मुख्यालयों को जोड़ने के बारे में कुछ भी नहीं है।

बिजली उत्पादन को, क्योंकि जिस समय मैं सदन में आया था तो हमारे मा0 सदस्य बिजली के बारे में बोल रहे थे और वह कह रहे थे कि बिजली केवल कुछ जिलों में जाती थी, कुछ घरों में बिजली जाती थी। मा0 अध्यक्ष जी यह रटाया जाता है कि आपको यही बोलना है, आप बीजेपी के मुँह से सुनेंगे तो ये कहेंगे कि बस चार जिलों में बिजली जाती है। (सदन में शोर) बिजली गयी थी, सरकार की थोड़ी गर्मी निकल गयी और अपनी गर्मी निकालने के लिए कुछ अधिकारी सस्पेंड कर दिए, उनकी गर्मी निकाल दी। मैं तो गर्मी को यही मानता हूँ और गर्मी को अगर मैं मानूँ तो गर्मी खत्म नहीं हो सकती, गर्मी नहीं खत्म होती है। मान लीजिए बनारस का चुनाव था, एम0एल0सी0 का चुनाव हुआ बी0जे0पी0 ने अपना प्रत्याशी उतारा वहां निर्दलीय जीत गया, वहां पर बी0जे0पी0 की गर्मी निकल गयी। अगर मैं मान लूँ गर्मी एनर्जी साइंस का बहुत अच्छा कॉनसेप्ट है, "Energy can neither created nor destroyed it can only be transformed or transfered" तो आपने एनर्जी निकाली, गुस्से में आप आते होंगे तो कहीं तो एनर्जी निकालते होंगे आप। जहां तक बिजली उत्पादन का सवाल है। मैं मा0 सदस्य से कहूँगा कि जब वह जवाब दें तो वह बतायें कि अपने पाँच साल में कौन सा बिजली का कारखाना लगाया है। (विपक्ष द्वारा मेजें थपथपायी गईं) अध्यक्ष महोदय, ये मैं On the Flor of the House कह रहा हूँ। मैं सरकार से कहना चाहता हूँ, पूछना चाहता हूँ कि पाँच साल पहले

और आपके पाँच साल में उत्तर प्रदेश में कितनी बिजली बढ़ायी गयी है ? अगर बिजली पर पीछे मुड़ कर देखेंगे तो हमें तो एक-एक बिजली का प्लाण्ट याद है कि कहां पर लगवाया है। शायद सरकार के लोग नहीं बता पायेंगे, अध्यक्ष महोदय मैं बैठ सकता हूँ यदि सरकार के लोग अपने बिजली के प्लाण्ट के नाम बता दें कि किसने किस समय लगाया है तो मैं अपना भाषण यहीं समाप्त कर दूँगा। यदि इनकी बिजली ठीक थी तो इनको बिजली मंत्री क्यों हटाने पड़ गये ? (विपक्ष द्वारा मेजें थपथपायी गईं) और मैं यूँ कहूँ तो इन्होंने इनकी गर्मी निकाल दी। मंत्री हटने से ही गर्मी निकली है। ये खराब शब्द नहीं है अब ये अच्छा शब्द हो गया है। शब्द कौन इस्तेमाल कर रहा है वहीं से एनर्जी पता लग रहा है। उत्तर प्रदेश में जिस समय मैं सरकार में आया हालांकि पुरानी बहुजन समाज पार्टी की सरकार के समय एम0ओ0यू0 था, ललितपुर के पास प्लाण्ट था उस समय सबसे बड़ी किल्लत बिजली की थी। इसी हाउस में हम लोगों ने प्रस्ताव पास करके उसको आगे बढ़ाया था, वह थर्मल प्लाण्ट बन रहा है। अभी तो मुझे पता नहीं एक यूनिट बनकर तैयार है, दूसरी यूनिट कब बनी होगी, सरकार ने बनायी कि नहीं बनायी। आपके हरदुआगंज का प्लाण्ट किसने दिया है ? मा0 मुख्य मंत्री जी वहां पर गये थे, शायद उनको बताया गया होगा।

वह पुरानी सरकार की योजना थी और पुरानी सरकार ने बनाकर खड़ा किया था। एन0टी0पी0सी0 के बहुत सारे पावर प्लाण्ट बन्द पड़े थे। लैण्ड एक्विजिशन को लेकर उन पर बहुत सारे ईशूज थे। माननीय अध्यक्ष महोदय, टाण्डा का एन0टी0पी0सी0 का बिजली का प्लाण्ट अगर किसी ने क्लियर कराया तो वह समाजवादी सरकार थी, जिसकी वजह से वहां पर 660 सुपर ग्रेड थर्मल प्लाण्ट लगकर तैयार हो गया। आप जानना चाहते हैं तो मैं और भी बता सकता हूँ। 108, 102 एम्बुलेन्स अध्यक्ष महोदय, कल ख़बर आई कि एम्बुलेन्स में आग लग गयी और एक मरीज जो उसमें था उसकी जान चली गयी। यह सरकार का मेन्टेनेन्स है। 108/102 जो हमारी इमरजेन्सी सर्विस है, उसकी हालत क्या कर दी गयी ? उनके 9000 ड्राइवर हैं जो कोरोना के समय काम कर रहे थे। उन्होंने अपनी परवाह नहीं की, अपने परिवार की परवाह नहीं की। उन्होंने अगर किसी की परवाह की तो वह प्रदेश की जनता की। वह 108 रुके नहीं, लेकिन आज पता चला कि सब ड्राइवर हटा दिये गये हैं। पता लगा है कि एम्बुलेन्स रात में नहीं चलती है। मैं यह सरकार से जानना चाहता हूँ कि 5 साल में आपने कम से कम कितनी एम्बुलेन्स बढ़ायी ? लखनऊ में बेहतरीन कैन्सर हास्पिटल, कैन्सर रिसर्च इन्स्टीट्यूट बना है और वह ऐसा इन्स्टीट्यूट था कि अगर वह बन कर तैयार हो जाता और सरकार चालू कर देती तो हमारे उत्तर प्रदेश के गरीबों को बम्बई, दिल्ली नहीं जाना पड़ता। यहीं पर इलाज हो जाता। उसमें बेहतरीन से बेहतरीन मशीनें हैं, अच्छे से अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर क्रिएट किया, लेकिन पता नहीं सरकार ने क्या किया। कैन्सर हास्पिटल वैसे का वैसा ही है। प्राइवेट में इन्वेस्टमेन्ट के लिए मेदान्ता अस्पताल आया। नोएडा, ग्रेटर नोएडा में मेट्रो आई, समाजवादी पेंशन बड़े पैमाने पर महिलाओं को दिया गया, लगभग 45 लाख से 50 लाख रुपये

तक लेकर गये। मुझे नहीं पता कि अगर सरकार ने कहीं लैपटॉप डिस्ट्रीब्यूशन किया भी होगा, लेकिन उत्तर प्रदेश में समाजवादी सरकार ने वर्ल्ड क्लास बच्चों को पढ़ने के लिए लैपटॉप देने का काम किया। कामधेनू डेरी योजना चलाई, लेकिन इस सरकार ने उस पर भी ध्यान नहीं दिया। वह भी लगभग बन्द हो गयी। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे और कानपुर मेट्रो जिसका श्रेय भाजपा सरकार ले रही है, यह भी समाजवादी सरकार के प्रोजेक्ट थे। ये आपके प्रोजेक्ट नहीं थे, नेता सदन। यह समाजवादी सरकार के दिये हुए हैं और पूर्वान्चल का इसलिए दिया था। हमारे माननीय सदस्य यहां बैठे होंगे पूर्वान्चल एक्सप्रेस-वे के आस-पास रहने वाले और उस इलाके से जुड़ने वाले लोग और हमारे साथ कुछ मंत्री भी थे। उन्हें याद होगा कि बजट दिया गया, एलाइन्मेन्ट दिया गया, डिजाइन किया गया और इसी विधान सभा क्षेत्र के सामने उसका शिलान्यास हुआ। लैण्ड एक्विजिशन हो गयी और किसानों से करार हो गया, सहमति बन गयी। किसान, जमीन देने के लिए तैयार थे और मुझे खुशी है इस बात की, हम सब समाजवादियों को इस बात की खुशी है कि जहां कहीं भी लैण्ड एक्विजिशन के लिए समाजवादी लोग गये होंगे एक भी किसान ने आन्दोलन नहीं किया, एक भी किसान धरने पर नहीं बैठा, क्योंकि हमारा लैण्ड एक्विजिशन कराने का जो तरीका था वह किसानों की मदद करके था और सर्किल रेट बढ़ाकर उनको मुआवजा देने का काम अगर किसी ने किया तो वह समाजवादियों ने ऐतिहासिक एक्सप्रेस-वे के लिए लैण्ड एक्विजिशन कराकर दिखाया। अगर पूर्वान्चल एक्सप्रेस-वे समाजवादियों का नहीं था तो किसका था ? आप और बना देते ऐसे एक्सप्रेस-वे जहां हवाई जहाज उतर जाते। अगर समाजवादियों ने न बनाया होता तो शायद देश के प्रधानमंत्री सड़क पर नहीं उतर पाते। वह डिजाइन समाजवादियों की डिजाइन थी।

क्या कहा गया उस एक्सप्रेस-वे के बारे में उस एक्सप्रेस-वे के बारे में कहा गया कि यह तो बहुत महंगा एक्सप्रेस-वे है, लेकिन सिक्योरिटी स्टैंडर्ड से किसने खिलवाड़ किये जो इंडियन रोड कांग्रेस कहती है, इंडियन रोड कांग्रेस ने जो मापदंड बनाये हैं एक्सप्रेस-वे बनाने के वो मापदंड क्या कहते हैं, इस सरकार ने मापदंडो को बदलकर उसकी राईडिंग क्वालिटी खराब कर दी, मैं समझता हूँ नेता सदन उस एक्सप्रेस-वे पर नहीं चले होंगे, बस उद्घाटन के समय ही चले होंगे और यहां पर बहुत सारे मा0 सदस्य हैं जो आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर चले होंगे। मैं इस बात को इसलिए कहना चाहता हूँ समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बना जिसका समाजवादी शब्द हटा दिया और आपने पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे नाम रखा है और राईडिंग क्वालिटी आप देख लो आप दोनों एक्सप्रेस-वे पर चल कर देख लो खुद ही आपको दोनों की क्वालिटी का पता चल जायेगा। आपने जो एक्सप्रेस-वे बनाया है उसमें सेफ्टी के साथ खिलवाड़ किया गया है, मैं अपने पूर्वांचल के तमाम सदस्यों से कहना चाहता हूँ जिस समय पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे डिजाइन किया गया था उस समय आगरा-लखनऊ से बेहतर यह डिजाइन हुआ था और इसका मिडियन 12 मीटर था और मैं तो नेता सदन से कहूंगा कि वह डाक्यूमेंट देखें और जो डाक्यूमेंट बदले गये उनमें मिडियन कितना था यह देख लें तो पता चल जायेगा, उसमें

12 मीटर ही मिडियन था, लेकिन आपको तो पुरानी सरकार को कहना था कि यह सरकार तो खराब सरकार है और खराब काम करती है।

उप मुख्य मंत्री (श्री केशव प्रसाद मौर्य)-

वह तो जनता ने बता ही दिया है।

श्री अखिलेश यादव-

जनता की बात मत करो। अध्यक्ष महोदय, जनता ने तो इनकी गर्मी निकाल दी जो सामने बैठे हैं, लेकिन देखिए जैसे ही गर्मी निकली तो डिप्टी सीएम बन गये अब आप ही बता दीजिए किसकी गर्मी निकली, जब आप डिप्टी सीएम बन गये हैं हारने के बाद भी डिप्टी सीएम बने हुए हो तो आप समझ सकते हो कि किसकी गर्मी निकली है।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

चार सौ का दावा करने वाले शतक पर रह गये हैं यह दावा मैं नहीं कर रहा था यह तो आप कर रहे थे।

श्री अखिलेश यादव-

ठीक है हम दावा करके शतक पर रह गये, लेकिन आप पलट कर देखिए कि बैलेट पेपर में हम लोग कितना जीते थे तो दुनियां में कितने देशो में इवीएम से वोट डलता है यह भी आप बता दो।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

मा0 अध्यक्ष जी, नेता प्रतिपक्ष अगर उत्तर जानना चाहते हैं तो अब यह बैलेट पेपर की बात कर रहे हैं किन्तु जब 2012 में ईवीएम से चुनाव हुआ था तो यह अच्छे हो गये थे, ये जनता के प्रति असत्य बोलकर व गलत बातें रख कर। जैसा कि 300 यूनिट बिजली फ्री देने का झूठा वादा करके यह जनता को गुमराह करना चाहते थे।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय, अभी तो थोड़ी गर्मी निकली है अभी गर्मी और निकलनी बाकी है। समाजवादी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से बलिया कब जुड़ेगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, जो पूर्वान्चल एक्सप्रेस-वे बनना था, उससे बलिया जनपद को अभी तक नहीं जोड़ा गया है। समाजवादी सरकार में जिस आखिरी ग्राम बखनपुरा तक लैण्ड एक्विजिशन हुआ था, उससे आगे लैण्ड एक्विजिशन नहीं हुआ। ग्राम बखनपुरा के आगे पूर्वान्चल एक्सप्रेस-वे नहीं गया। मैंने एक अधिकारी से पूछा कि यह एक्सप्रेस-वे अगर बिहार चला जाता तो न केवल यू0पी0 की कनेक्टिविटी बढ़ती, बल्कि बंगाल और बिहार से जो लोग आ रहे हैं उनकी भी कनेक्टिविटी बढ़ जाती। इससे न केवल उत्तर प्रदेश को इसका लाभ मिलता, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलता। पांच साल तक माननीय नेता सदन को

किसी ने भी नहीं बताया कि बिहार से भी यह सड़क जुड़ सकती है या फिर गाजीपुर-हाजीपुर वाले एक्सप्रेस-वे से भी जुड़ सकती है। अगर आपने यह डिजाइन किया होता तो आप शायद आगे भी लैण्ड एक्विजिशन करते। मैंने आगे लैण्ड एक्विजिशन इसलिये नहीं किया था, क्योंकि मैं जानता था कि दिल्ली में सरकार दूसरी है और एन0एच0ए0आई0 के करीब अगर आप आ जाते है, तो दूसरी सड़क को परमीशन और एन0ओ0सी0 नहीं मिलती है। हो सकता था कि दिल्ली वाले इसको एन0ओ0सी0 न देते और इसे उलझा देते। इसलिये मैंने 12-18 किमी0 को छोड़ दिया था। इधर पांच साल गुजर गये, लेकिन न बलिया जुड़ा और न बिहार जुड़ा और उस पर टोल भी लगा दिया। थोड़ी रफ्तार से अगर चलोगे तो पेट दर्द होगा और कमर दर्द भी होगा। सोचिये आप कि शौचालय की कहीं कोई जगह नहीं है। अरे आपका तो प्रिय काम है शौचालय बनाना। आपने शौचालय क्यों नहीं बनाये। मैं कई बार उससे गया हूँ और आजमगढ़ भी गया हूँ। मुझे खुशी है इस बात की कि जिस समय मैंने एक्सप्रेस-वे दिया था न गाजीपुर की जनता ने मांगा था और न आजमगढ़ की जनता ने मांगा था, लेकिन हमारा लगाव पूर्वान्चल से था। हम पूर्वान्चल और आजमगढ़ को अपना घर मानते थे, इसलिये हमने एक्सप्रेस-वे दिया था। हमारे घोषणा-पत्र में यह नहीं था, लेकिन हम लोगों ने वहां पर दिया। आज वहां पर शौचालय की कोई जगह नहीं है, अगर कोई चाय पीना चाहे तो वह भी सुविधा नहीं है। एक दिन मैं आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर चल रहा था। मैं जब वे-साइड एमिनिटीज को देखने गया तो मैंने वॉशरूम यूज करना चाहा। तब मैंने देखा कि एक पिता अपने बेटे को लेकर वॉश-बेसिन में सू-सू करा रहा था। तो जब उसने मुझे देखा तो घबरा गया कि माफ कर दीजिये, गलती हो गई, गलती हो गई। मैंने कहा कि आप ऐसा मत कहिये, क्योंकि यह गलती हमारी है।

(सत्ता पक्ष के कई सदस्यों द्वारा टोकाटाकी करने पर)

अरे भई रुक जाइये, क्या आपके घर में बच्चे नहीं हैं। जो बात कहने जा रहा हूँ, कम से कम वह तो सुन लीजिये। माननीय अध्यक्ष जी, कुछ काम की बात कह रहा हूँ और इस पर सुझाव दे रहा हूँ। मैंने उनसे कहा कि घबराने की जरूरत नहीं है और न ही माफी मांगने की जरूरत है। यह गलती हमारी है कि हमने डिजाइन गलत किया कि बच्चों को वॉशरूम जाने के लिए जगह अलग से नहीं बनाई। मैं नेता सदन से कहूँगा कि जब भी पूर्वान्चल एक्सप्रेस-वे पर वॉशरूम बनवायें तो छोटे बच्चे कहां पर वॉशरूम में जायेंगे, इसको जरूर डिजाइज कराइयेगा। शायद इस डिजाइन में आप बेहतर कर सकेंगे। यह मेरा सुझाव था और अगर यह सुझाव गलत है तो मैं वापस ले लेता हूँ। बताइये माननीय सदस्यगण। हमने अपनी गलती स्वीकार की कि हमारी डिजाइन में बच्चों के लिए वॉशरूम नहीं था। आप लोगों ने अभी किया नहीं है, जब करियेगा तब इसको जरूर रखियेगा। माननीय राज्यपाल जी ने बड़ी-बड़ी बातें कही है जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना की बात कही है, लेकिन परिवार वाले जानते हैं कि घर बिना भोजन-पानी के नहीं होता है। महंगाई ने तो थाली छीन ली। खाली आवास लेकर जनता क्या करेगी। महंगाई को आपने कहां पर पहुँचा दिया है। जहां तक बात शौचालय की है।

माननीय राज्यपाल जी ने शौचालय के बारे में कहा कि हमने इतने शौचालय बनाये और यह सरकार की उपलब्धि है। अब और कितने शौचालय बनने हैं और कागजों पर कितने बने हैं यह तो दिखाना बन्द होना चाहिये। यह भी देखना चाहिये कि वह शौचालय क्या चल भी रहे हैं या नहीं या फिर उनमें कितना पानी पहुँच रहा है। आपकी उपलब्धि यह भी है जो आप जगह-जगह बताते हैं कि इतने गैस कनेक्शन हमने दिये हैं। हम स्वीकार करते हैं कि यह सरकार की उपलब्धि है।

गैस कनेक्शन बाँटे हैं। लेकिन सरकार यह न बताये कि नये गैस कनेक्शन दिये हैं, बल्कि सरकार को यह बताना चाहिए कि दोबारा कितने सिलेण्डर भरे गये हैं। आपने कहा था कि सरकार बनने के बाद होली पर फ्री सिलेण्डर देंगे। अगर किसी को फ्री सिलेण्डर मिला हो तो कोई मा0 सदस्य बता दे।

संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

यह केवल उन्हीं लोगों के लिए था जिनको उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत गैस कनेक्शन मिला था।

श्री अखिलेश यादव-

यह योजना वही है। मा0 मंत्री जी आप भी कोई और दूसरे कनेक्शन नहीं बताते हैं। आप केवल उज्ज्वला वाले कनेक्शन बताते हैं। दूसरे कोई कनेक्शन बताते हों तो हमें बता दें। मा0 सदस्य यह बता दें कि दोबारा कितने लोगों ने भरवाया है। मा0 मंत्री जी यह भी बता दें कि पिछले महीनों में कितनी बार सिलेण्डरों के दाम बढ़े हैं। सरकार बेरोजगारी के आंकड़े बताती है। आंकड़े नहीं बतायें, बल्कि इनको रोजगार के आंकड़े बताने चाहिए। फिर जब हर जगह बुल्डोजर चल ही रहा है तो अभी तक टाप 10 माफियाओं की सूची क्यों नहीं आयी। सरकार कम से कम टाप 10 माफियाओं की सूची तो जारी करे। फिर जो बात आपने पिछले पांच साल में अपने घोषणा-पत्र में कही थी एक साल में सभी खाली पुलिस पदों को भरा जायेगा। गन्ना किसानों का 15 दिन में भुगतान किया जायेगा। बताओ, हमारे गन्ना किसानों का कितना भुगतान बकाया है। अभी आपने सरकारी का ही बताया है। वर्ष 2022 में किसानों की आय दोगुनी हो जायेगी। मा0 अध्यक्ष महोदय दोगुनी आय कब हो गयी। किसानों को नील-गाय और आवारा जानवरों से सुरक्षा देंगे। यह बातें मैं आपके घोषणा-पत्र में से कह रह हूँ। किसानों को नील-गाय और आवारा जानवर से क्या सुरक्षा दी है यह बता दें। हमारे मा0 सदस्य बगल में बैठे हैं। एक ही विधान सभा क्षेत्र में अभी तक 15 लोगों की जान जा चुकी है और किसी भी गरीब किसान की मदद नहीं की। अगर किसी गरीब की मदद की हो तो बता दो। मैं तो सरकार से कहूंगा कि सरकार के पास आंकड़े होंगे। हम सरकार में नहीं आये, लेकिन हमने घोषणा-पत्र में लिखा था कि अगर किसी भी गरीब या किसान की खेत में जानवर की वजह से जान जायेगी, साँड़ के मारने से जान जायेगी तो उस गरीब परिवार की मदद करेंगे। मैं चाहूँगा

कि सरकार ऐसे तमाम गरीब परिवारों की मदद करे और अगर सूची मंगाना चाहें तो यह मा0 विधायक अपनी-अपनी विधान सभा क्षेत्र की सूची दे देंगे। इन्हीं की विधान सभा क्षेत्र में 15 लोगों की जान गयी है। संदीप कुमार, बाबादीन, बैजनाथ रावत, विनय कुमार शुक्ला, रामराज नाई, भूपेन्द्र दुबे, चन्द्रकिरन, धर्मेन्द्र, राम अंजेर यादव, ओम प्रकाश गुड्डू, राम केवल यादव, स्वामी दयाल चौरसिया, देवी प्रसाद पासी, चुन्नीलाल, हीरा राम पासी की जान चली गयी। यह गलत सूची नहीं है। यह मिल्कीपुर विधान सभा क्षेत्र की सूची है और फिर इस सवाल को न केवल हमने उठाया, बल्कि देश के प्रधानमंत्री जी ने भी उठाया। तो सरकार को कम से कम यह बताना चाहिए कि जो गौशालायें हैं और जो सड़कों पर खुले जानवर घूम रहे हैं उनकी देखभाल के लिए सरकार के पास क्या योजना है। पांच साल में 70 लाख रोजगार सृजित किये जायेंगे। नौकरी नहीं रोजगार सृजित किये जायेंगे। सभी छात्रों को मुफ्त लैपटाप दिया जायेगा। अब यह सरकार कहेगी कि पुरानी बात हो गयी।

मा0 अध्यक्ष जी, अभी नई सरकार आ गयी है। पहले आंख बन्द कर ली, फिर आंख बन्द कर लेंगे। हर घर को 24 घण्टे बिजली मिलेगी, जबकि विधान सभा क्षेत्र में ही ट्रिप हो गयी। दस विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय स्थापित किए जायेंगे, वह कहां पर बने हैं। आपकी जो दस विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय बनाने की योजना थी, उससे हमें कोई शिकायत नहीं है, लेकिन अगर आपने अपने मेनीफेस्टो में लिखा था तो सरकार बतायेगी कि कहां पर विश्वविद्यालय बन गये हैं। हर जिलें में इंजीनियरिंग कालेज एवं पॉलीटेक्निक कालेज स्थापित किए जायेंगे। कानपुर, आगरा, इलाहाबाद एवं गोरखपुर में मेट्रो की स्थापना की जायेगी। कानपुर में समाजवादियों ने मेट्रो दी थी, आगरा में समाजवादियों ने मेट्रो दी थी। आप इलाहाबाद एवं गोरखपुर में मेट्रो का काम कब करेंगे। मुझे जानकारी अखबारों के माध्यम से मिली है कि नेता सदन वहां पर बड़ी मेट्रो का प्रोजेक्ट नहीं ला रहे हैं, वहां पर छोटी मेट्रो का प्रोजेक्ट ला रहे हैं। चलो छोटी ही ले आओ। मैं नेता सदन को याद दिलाना चाहता हूँ कि जब मैं विधान परिषद् में था तो मैंने यही कहा था कि नेता सदन यह मौका आपको अच्छा मिला है जितना काम करना चाहो कर लो और अगर आपने एक दो साल छोड़ दिया तो काम नहीं कर पाओगे। मुझे याद है कि जब आप झांसी गये तो मुझे लगा कि नेता सदन मेट्रो झांसी में भी चला देंगे और गोरखपुर में भी चला देंगे, लेकिन गोरखपुर एवं झांसी के लोग पांच साल से इन्तजार कर रहे हैं कि मेट्रो कब चलेगी। मैंने बनारस का डी0पी0आर0 बना दिया था, अब वो बात अलग है कि आपकी इण्टरनल लड़ाई है, मैं उसमें कुछ नहीं कर सकता हूँ। मा0 अध्यक्ष जी, नेता सदन इस बात को जानते होंगे कि बनारस की मेट्रो का पूरा डी0पी0आर0 तैयार हो गया था, लेकिन समाजवादियों की सरकार नहीं बनी, इसलिए मेट्रो चालू नहीं कर पाए और अगर सरकार समाजवादियों की बनी होती तो समाजवादियों ने देश के प्रधानमंत्री के क्षेत्र में भी मेट्रो चला दी होती, क्योंकि समाजवादी पार्टी की सरकार में अण्डरग्राउण्ड केबलिंग का कार्य हुआ है। बनारस में एक मा0 सदस्य श्री श्यामदेव राय चौधरी जी धरने पर बैठ गये थे, वह बहुत ही बुजुर्ग एवं

सम्मानित सदस्य थे, उन्होंने कहा कि जब तक बनारस में 24 घण्टे बिजली नहीं आएगी तब तक मैं धरने से नहीं उठूंगा। वहां के जिलाधिकारी ने मुझे सूचना दी और मैंने कहा कि वह बहुत ही सम्मानित मा0 सदस्य हैं और उनको बुलाया जाए और मैं उनसे बात करूँगा। वह जब मुझसे मिलने आए, चूंकि वह आज हमारे बीच में नहीं हैं। श्री लालजी टण्डन जी भी उनके साथ आए थे। मेरी दोनों मा0 सदस्यों से बातचीत हुई और मैंने कहा कि आप धरने पर क्यों बैठे हैं ? तो उन्होंने कहा कि हम मा0 प्रधानमंत्री जी के क्षेत्र में 24 घण्टे बिजली चाहते हैं। मैंने उनसे केवल एक निवेदन किया था कि अगर आप 24 घण्टे बिजली चाहते हैं तो केवल उत्तर प्रदेश का बिजली का कोटा बढ़वा दीजिए, आज से ही मा0 प्रधानमंत्री जी के क्षेत्र में 24 घण्टे बिजली उपलब्ध हो जायेगी। अगर यह बात गलत हो तो आप बतायें। अगर चाहें तो नेता सदन इस बात की जानकारी कर लें, लेकिन बिजली का कोटा आज तक नहीं बढ़ा है और मैं तो नेता सदन को सुझाव दूंगा कि जो गंगा एक्सप्रेस-वे बना रहे हैं, जब दिल्ली की सरकार यू0पी0 से बनती है तो दिल्ली वाले आपके साथ भेद-भाव क्यों कर रहे हैं। देश में एक एक्सप्रेस-वे दिल्ली से लेकर मुम्बई तक बन रहा है। इसकी हमें कोई शिकायत नहीं है, देश में एक्सप्रेस-वे बनने चाहिए और यह जरूरी है क्योंकि आज के समय में ऐसा इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं होगा तो हम ग्रोथ क्या दिखाएंगे। अगर हमें ग्रोथ चाहिए, नौजवानों को नौकरी चाहिए तो शायद हमें वैसा ही इन्फ्रास्ट्रक्चर चाहिए होगा। एक बहुत बड़ा एक्सप्रेस-वे दिल्ली से लेकर मुम्बई तक बन रहा है। उसके लिए दिल्ली सरकार पैसा दे रही है। यह मैं मदद कर रहा हूँ, आप भी गंगा एक्सप्रेस-वे के लिए दिल्ली से पैसा लीजिए। आप पैसा क्यों नहीं लेते हैं। अगर एक लाख करोड़ रुपया वहां मिल सकता है तो क्या पचास हजार करोड़ रुपया उत्तर प्रदेश की जनता के लिए नहीं मिल सकता है और हम आपसे कहेंगे कि उसकी दूरी कम मत कीजिए, उससे और शहरों को जोड़ दिया जाए। हमारे सदन के मा0 मंत्री जी बहुत समझदार हैं, यह एक्सप्रेस-वे को सीधे शाहजहांपुर ले गये और फिर वहां से लौटाकर ला रहे है। अरे, यह कौन-सा एलाइनमेंट है। आपके लिए एक अलग से कट बन जाता तो वह ठीक था। पता नहीं डिजाइन क्यों करा लिये। क्या यह बात गलत है। एक एक्सप्रेस-वे आ रहा है, यह उसे घुमाकर यूं अपनी तरफ ले गये और फिर वापस आ रहा है। इसलिए माननीय अध्यक्ष जी, मैं इनकी मदद कर रहा हूँ। मैं यह बात इसलिए कह रहा हूँ कि उसमें आपका पैसा बच जाता, लेकिन हमारे माननीय सदस्य सीनियर है वह पैसा नहीं बचने देंगे, क्योंकि ये वित्तमंत्री हैं और वित्त विभाग आपके पास है तो बड़ा दिल रखना और खुलकर सबको पैसा देना और हमारे माननीय सदस्यों को भी बहुत पैसा उनके क्षेत्र के विकास के लिए देना।

(विपक्ष के सदस्यों द्वारा मेजे थपथपाई गयीं)

मान्यवर, प्रदेश में छः एम्स की स्थापना का जाएगी, समाजवादी सरकार में दोनों एम्स के लिए जमीन दी गयी। जो रायबरेली का एम्स है, उसके सम्बन्ध में मुझे याद है कि दिल्ली में कांग्रेस की सरकार थी और वह रायबरेली में एम्स बनाना चाहते थे, चूंकि जमीन उपलब्ध नहीं

थी इसलिए एम्स नहीं बन पा रहा था क्योंकि जो पुरानी सरकार थी उसकी कुछ शर्तें थीं जिसकी वजह से जमीन उपलब्ध नहीं हो पा रही थी। समाजवादी सरकार बनी तो जमीन उपलब्ध कराई गयी और उसका परिणाम यह हुआ कि एम्स रायबरेली में बनकर तैयार हो गया और मुझे गोरखपुर के विषय में भी याद है, माननीय नेता सदन भी जानते होंगे कि पहले जमीन कुछ और देखी गयी थी लेकिन वह मामला कोर्ट में चला गया, मैं सरकार में था तब मुझे लोगों ने बताया कि जो लोग कोर्ट में गये हैं वह बीजेपी के लोग हैं। मैंने कहा कि बीजेपी की सरकार है, वही एम्स दे रही है और उसके बाद वे ही उसे क्यों रोक रहे हैं, उसका कारण मुझे समझ नहीं आया। तभी मुझे दिल्ली से पत्र मिला और दिल्ली से पत्र यह आया था और मुझे जानकारी यह मिली थी कि अगर आप एम्स के लिए जमीन सरकार को नहीं देंगे तो यह एम्स कहीं और चला जाएगा। मैंने उस समय के अधिकारियों से कहा कि आप तुरंत इसके लिए जमीन दीजिए। उन्होंने ढूंढकर वहां की डेवलपमेंट एथॉरिटी की जमीन ट्रांसफर की और उसका परिणाम यह हुआ कि उस समय से गोरखपुर में एम्स बन रहा है। अगर इसमें से कोई बात गलत हो तो नेता सदन बता सकते हैं। एम्स दो बना दिये गये और उसके लिए समाजवादियों ने जमीन दी। नेता सदन बताएं कि छः एम्स कब बनेंगे और कहां बन रहे हैं ये भी बता दें ?

(सत्तापक्ष के कुछ सदस्यों के बैठे-बैठे टोका-टोकी करने पर)

नहीं-नहीं, वह बताएंगे, यह गलत बात नहीं है वह जानते हैं कि सच क्या है। सच भी बता दिया गया है, पोल खुल गयी है कि दोनों एम्स की जमीन समाजवादियों ने दी थी तो इसीलिए ये कहे हैं कि बताएंगे। अगर बताएंगे तो अच्छी बात है कि बताएंगे। हम तो चाहते हैं कि यूपी में छः एम्स बनें ये कोई गलत बात थोड़ी है।

जो जी0डी0पी0 रही है उसके बारे में भी बताना चाहूंगा कि आपकी सरकार में क्या इन्वेस्टमेंट आया है ? मैं जी0डी0पी0 के बारे में एक बात कहना चाहूंगा कि जो आंकड़े बताते है कि आपकी सरकार में समाजवादियों से नीचे जी0डी0पी0 है, अब उसमें कोरोना का भी बहाना लिया जा सकता है कि दो साल कोरोना था लेकिन कोरोना के साल को अगर हम हटा दें तो उसके बाद भी ऑन रिकार्ड जो आर0बी0आई0 का डेटा है उसमें समाजवादियों की सरकार में जो जी0डी0पी0 का ग्रोथ रेट था उसका मुकाबला यह सरकार नहीं कर सकती है। आर0बी0आई0 के अनुसार वित्तीय वर्ष 2018 से वित्तीय वर्ष 2020 के दौरान यूपी की प्रति वर्ष आय 2.99 प्रतिशत बढ़ी थी। इसी अवधि के दौरान राष्ट्रीय औसत 4.6 प्रतिशत से बहुत कम है और वित्तीय वर्ष 2013 से 2017 के बीच समाजवादी पार्टी की सरकार के दौरान दर्ज की गयी 5 प्रतिशत विकास दर से बहुत कम है, इसलिए मैं कहना चाहता हूँ कि आंकड़ों में भी आप हमसे मुकाबला नहीं कर सकते हैं। मैं यह भी जोड़ना चाहता हूँ कि अगर हम राज्य के जी0डी0पी0 आंकड़ों पर नजर डालते हैं तो यू0पी0 की वर्ष 2012 से 2017 के बीच 6.92 प्रतिशत चक्रवृद्धि की दर से बढ़ी जबकि कोविड वर्षों को छोड़ दें तो भाजपा सरकार में विकास दर केवल 4.88 प्रतिशत बढ़ी है। यह हमारे आंकड़े नहीं हैं ये आर0बी0आई0 के

आंकड़े हैं जो हमारी सरकार द्वारा हासिल की गयी वृद्धि से दो प्रतिशत कम है। यह आश्चर्य की बात है कि यूपी के माननीय मुख्य मंत्री जी इस वास्तविकता से अवगत नहीं हैं और अक्सर भाषण के दौरान जी0डी0पी0 वृद्धि के बारे में भ्रामक आंकड़े पेश करते हैं। मैं कह सकता हूँ कि समाजवादी सरकार के पिछले 02 वर्षों में, जो लास्ट के टू इयर्स थे, उसमें जी0डी0पी0 में 10 परसेंट की वृद्धि हुई थी। मैं जोड़ना चाहूँगा कि यू0पी0 में कोविड की शुरुआत के पहले भाजपा सरकार के पहले 03 वर्षों के दौरान सबसे कम आर्थिक वृद्धि दर्ज हुई।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

यह कहाँ के आँकड़े हैं ?

श्री अखिलेश यादव-

यह आर0बी0आई0 के आँकड़े हैं। आप मँगा लेना, आपका विभाग है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

आप महालेखाकार के आँकड़े देख लीजिए, जो सी0ए0जी0 है।

श्री अखिलेश यादव-

मैं सी0ए0जी0 की बात नहीं कर रहा हूँ।

श्री सुरेश कमार खन्ना-

जी0डी0पी0 12.47 थी, 12.47 से आज हम 19.40 पर हैं। जो 2022-23 आ रहा है, वह 21.50 है।

श्री अखिलेश यादव-

आप कुछ भी आँकड़े पेश कर देंगे ?

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मैं तथ्यों के आधार पर पेश करूँगा।

श्री अखिलेश यादव-

आप तथ्यों के आधार पर पेश करना, मैं भी टेबल पर रख दूँगा। अध्यक्ष महोदय, जितने आँकड़े हैं मैं टेबल पर रख दूँगा। कम से कम उससे माननीय मंत्री जी तक बात पहुँच जायेगी और माननीय मंत्री जी, इन्वेस्टमेंट कितना आया ? अध्यक्ष महोदय, सरकार ने कई इन्वेस्टमेंट मीट की और इन्वेस्टमेंट मीट के बहाने देश-दुनिया के जो उद्योगपति थे, कारोबारी थे, उनको बुला करके कम से कम यहाँ पर कारोबार लग जायें, उद्योग लग जायें, उत्तर प्रदेश बढ़े, यहाँ के नौजवानों को नौकरी, रोजगार मिल जाए। एम0ओ0यू0 तो हुए, एम0ओ0यू0 तो जाने कितने हो गए, लेकिन जमीन पर क्या उतरा ? कम से कम सरकार बताये कि उनकी इन्डस्ट्रियल पॉलिसी से कुछ इन्वेस्टमेंट आया है या पुरानी सरकार की इन्डस्ट्रियल पॉलिसी की वजह से इन्वेस्टमेंट आया है ? माननीय मंत्री जी यह सवाल तो ठीक है न ? माननीय अध्यक्ष

महोदय, जो इन्वेस्टमेंट मीट हुई, जो वादे किए गए, जो एम0ओ0यू0 साइन हुए जो सरकार बता रही है, हमें जमीन पर बताये, वह इन्वेस्टमेंट कहाँ आये और क्या इन्डस्ट्रियल पॉलिसी जो पुरानी थी, उसी का तो इन्वेस्टमेंट नहीं दिखला रहे हैं ? अब मुझे सुनने में आ रहा है कि फिर इन्वेस्टमेंट मीट होने जा रही है। मैं बिजली के बारे में जानकारी दे दूँ। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने पिछले 5 साल में बिजली की एक भी यूनिट पैदा नहीं की और इस क्षेत्र में सारा काम समाजवादी सरकार में 2012-2017 के बीच में हुआ था और कुल कैपेसिटी दोगुनी की गयी, लगभग 7800 मेगावॉट की जनरेशन थी, उसको 15000 मेगावॉट करने का काम अगर किसी ने किया है तो समाजवादी सरकार ने किया है।

(सदस्य श्री श्रीकान्त शर्मा के खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर)

मैं आपका दुःख समझ सकता हूँ कि न आपने जनरेशन में काम किया, न आपने ट्रांसमिशन में काम किया, न आपने डिस्ट्रीव्यूशन में काम किया और जो बैलेंसशीट खाली हो गयी थी, वह आज 70 हजार करोड़ के घाटे में है।

(सदस्य श्री श्रीकान्त शर्मा के लगातार बोलने का प्रयास करने पर)

अरे, मेरे नम्बर बढ़ाने से आप मंत्री थोड़े बन जाओगे ?

मान्यवर, 7800 मेगावॉट की कैपिसिटी से दोगुना कर दिया 15 हजार मेगावॉट उत्पादन बढ़ा। विद्युत उत्पादन स्टेशनों में क्षमता वृद्धि द्वारा रिकॉर्ड उत्पादन किया गया था। मई वर्ष 2012 के प्रतिदिन 56 मिलियन यूनिट के उत्पादन को बढ़ाकर के वर्ष 2016 में प्रतिदिन 100 मिलियन यूनिट उत्पन्न कराने का काम भी समाजवादी सरकार में हुआ। और अनपरा-डी 2 गुणा 500 मेगावाट, परीछा 2 गुणा 250 मेगावाट, हरदुआगंज अगर किसी ने बनाए हैं तो वह समाजवादी सरकार में बनकर तैयार हुए हैं। मा0 मंत्री जी भी जानते होंगे कि रोजा भी नेता जी के ही समय में बना था। ट्रांसमिशन में जो भी काम हुआ है उसमें मैं कह सकता हूँ कि देश में सबसे ज्यादा काम अगर किसी ने ट्रांसमिशन लाइन में किया था तो वह समाजवादी सरकार ने किया था और उसी समय फीडर सेपरेशन का काम शुरू हुआ था। हमारे मुजफ्फरनगर के लोग मा0 सदस्य वहां से चुनकर आए होंगे वर्ष 2012 के बाद जब बिजली की बहुत दिक्कतें थी सबसे पहले फीडर सेपरेशन अगर कहीं से शुरू हुआ था तो वह मुजफ्फरनगर जिले से शुरू हुआ था। आज हमें खुशी इस बात की है कि उत्तर प्रदेश में जो समाजवादियों की सरकार थी आज उत्तर प्रदेश में ज्यादातर ग्रामीण शहरों के फीडर सेपरेशन का काम अगर किसी ने किया तो वह समाजवादी सरकार ने किया है। शहरों के फीडर सेपरेशन के काम अगर किसी ने किया तो समाजवादी सरकार ने किया, यह आंकड़े गलत नहीं हैं।

जहां गेहूँ खरीद होनी थी सरकार ने गेहूँ खरीद नहीं की इसीलिए समय-समय पर सूचना मिल रही है कि गरीबों को अब गेहूँ नहीं केवल चावल खाना पड़ेगा। जब गेहूँ की पैदावार हुई जब खरीद के केन्द्र बने हुए थे उन खरीद केंद्रों पर गेहूँ नहीं आया। किसान अपना

गेहूँ मार्केट में ले करके गया, क्योंकि मार्केट में कीमत अच्छी थी और सरकार को कोशिश करनी चाहिए थी कि अगर दुनिया के मार्केट में गेहूँ की जरूरत है तो किसानों को बोनस दे करके अपने केन्द्र पर लाना चाहिए था, लेकिन सरकार आंख बन्द करके बैठी रही और सरकार ने पूरा का पूरा गेहूँ प्राइवेट हाथों में बेच दिया, जब प्राइवेट हाथों में गेहूँ चला जाएगा तो हमारे मध्य वर्ग के लोग जो शहरों में रहते हैं जो समय-समय पर पैकेट का आटा लेते हैं तो आटा कितनी कीमत का मिलेगा, क्या कीमत होगी उसकी ? इस सरकार ने जानबूझकर के गेहूँ नहीं खरीदा और प्राइवेट को खरीदने दिया। क्योंकि एम0एस0पी0 का बाजार भाव अच्छा था एम0एस0पी0 की तैयारी करनी चाहिए सरकार को जैसा कि मैं समझता हूँ। सरकार को तैयारी करनी चाहिए कि एम0एस0पी0 कैसे दिलाई जाए और उनके लिए जो इन्फ्रास्ट्रक्चर बनना शुरू हुआ था और किसानों के लिए मण्डी बनना शुरू हुई थी इस सरकार ने मण्डियां बन्द कर दीं, मण्डियां बन्द होती चली जा रही हैं। एक्सप्रेस-वे केवल शहरों को जोड़ने के लिए नहीं था यह हमारी एग्रीकल्चर एकोनॉमी को कैसे बेहतर करें, हमारे एग्रीकल्चर किसानों को कैसे सपोर्ट दे इसीलिए एक्सप्रेस-वे के सामने मण्डियां बन रही थीं। आलू पर पांच साल से काम चल रहा था जोकि अभी तक पूरा नहीं हुआ। एक और मण्डी थी एक्सप्रेस-वे के किनारे वह पूरी नहीं हुई। मैं तो कहूंगा नेता सदन से यह पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे तभी खुशहाल होगा जब जो सपना समाजवादियों ने देखा था कि हर जिले में जहां-जहां से एक्सप्रेस-वे जा रहा हो वहां मण्डी बनाने का काम हो और किसानों को वहीं पर एम0एस0पी0 मिल जाए किसी और की दुकानों पर किसानों को न जाना पड़े। न केवल खेती पर किसान निर्भर है, बल्कि जो डेरी का काम समाजवादी सरकार में हुआ था वह भी शायद इस सरकार ने नहीं किया, उसको भी बन्द कर दिया। किसान के साथ क्या हुआ है, पहले तो उसके लिए तीन काले कानून लाए गए और तीन काले कानून लाने के बाद जब सरकार को पता चला कि कानून किसान के खिलाफ है तो वोट के लिए तीनों कानून वापस ले लिए, लेकिन यह जरूरी नहीं की यह तीनों कानून किसी रूप में फिर वापस न आ जाए। जो किसान आन्दोलन कर रहे थे, उनको थार गाड़ी से भी कुचला गया था। यह कोई नहीं भूल सकता, कोई किसान उसको भूल नहीं सकता।

जहाँ तक स्वास्थ्य का सवाल है, सरकार कहती है कि हमारी स्वास्थ्य सेवाएँ सबसे बेहतर हैं। कोरोना के समय पर जिस समय गरीब को दवाई की, इलाज की सबसे ज्यादा जरूरत थी, उस समय हमारे उत्तर प्रदेश के लोग दर-दर भटक रहे थे। जिन्हें इलाज मिलना चाहिए था, उनको इलाज नहीं मिल पाया। सरकार के पास आंकड़े होंगे, आंकड़े बता सकते हैं लेकिन आंकड़े इस बात के भी हैं कि देश में, गंगा माँ में, गंगा नदी में इतनी लाशें कहीं नहीं बही होंगी, जितनी इस भारतीय जनता पार्टी की सरकार में कोरोना के समय में बही हैं। वे आंकड़े बताने पड़ेंगे, वे तस्वीरें कौन भूल जाएगा और जिस समय लाशों का दाह संस्कार हो रहा था तो यही सरकार थी कि कोई दाह संस्कार न देख ले, इसके लिए लखनऊ शहर में टिन शेड लगा दिए गए, इसी लखनऊ शहर में रोका गया। कोरोना के आंकड़ों को यही सरकार है

जो छिपाती है और इस सरकार ने आंकड़ों को छिपाने का काम किया है। जब डब्ल्यू0एच0ओ0 की रिपोर्ट आई तो डब्ल्यू0एच0ओ0 ने कहा कि इतने लोगों की जान चली गई। अगर देश में इतने लोगों की जान गई है तो फिर सबसे ज्यादा जान अगर कही गई होगी तो कोरोना से सबसे ज्यादा जान उत्तर प्रदेश में गई होगी। उस समय मिसमैनेजमेण्ट देखा गया, हमने उस समय का मिसमैनेजमेण्ट देखा है क्योंकि उस समय सबसे ज्यादा जरूरत गरीब को थी और पाँच साल बाद नये उप मुख्य मंत्री, डिप्टी सी0एम0 जब अस्पताल में जाते हैं तो वे कहते है कि मैं शर्मिन्दा हूँ यहाँ की व्यवस्था को देख करके। सोचिए आपका पाँच साल का कार्यकाल कैसा रहा कि जब आपके डिप्टी सी0एम0 हॉस्पिटल को देखने जाते है तो वे हॉस्पिटल में व्यवस्थाओं को देख कर यह कहते हैं कि मैं शर्मिन्दा हूँ ऐसी व्यवस्था को देख करके। आप सोचिए कि लखनऊ के अस्पतालों की ओ0पी0डी0 क्या है ? आप चाहे कोई भी अस्पताल उठा कर देख लीजिए, इसकी एक लम्बी सूची है। साथ ही आज यहाँ मरीजों की लम्बी-लम्बी लाइनें है क्योंकि आप जिलों में इलाज नहीं दे पा रहे हैं, इसलिए बड़े-बड़े अस्पतालों में गरीब भाग करके इलाज कराने जा रहे हैं और इलाज भी कोई सस्ता नहीं हो रहा है। न दवाई मिल रही है, न इलाज के लिए कोई सुविधा है। पहले गरीबों के लिए जो जाँचें फ्री थीं, आज वे जाँचें फ्री नहीं हो रही हैं। पहले जो पर्चा फ्री था, अब वह फ्री नहीं रहा और इस पर भी सरकार दावा करती है कि हम इतने मेडिकल कॉलेज बना रहे है। पहले सरकार यह बताए कि ये मेडिकल कॉलेज बनाना किसने शुरू किया था ? इस योजना के माध्यम से सबसे पहले मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास कहाँ पर हुआ था ? शायद नेता सदन के बगल में बैठे हुए मा0 मंत्री जी जानते होंगे कि जो पहले मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास हुआ था, वह शाहजहाँपुर में हुआ था और मुझे याद है क्योंकि मुझे दो सरकारों के बीच में काम करने का मौका मिला है। जिस समय देश के स्वास्थ्य मंत्री गुलाम नबी आजाद जी थे, उस समय यह योजना आई थी कि डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल्स को मेडिकल कॉलेज में कैसे कन्वर्ट किया जाए ? वे आए थे लेकिन उसके बाद उनकी सरकार चली गई और दूसरी सरकार आई। आज जो आपके प्रदेश अध्यक्ष हैं, वे उस समय इस विभाग के मंत्री थे और उन्होंने कहा कि हम उत्तर प्रदेश में भी इस योजना को लागू करना चाहते हैं। मैंने कहा कि हमारा पूरा सहयोग होगा और समाजवादी सरकार में पूरा सहयोग दिया भी गया था। डिस्ट्रिक्ट हॉस्पिटल को मेडिकल कॉलेज बनाने के लिए सबसे पहला शिलान्यास अगर कहीं हुआ था तो वह शाहजहाँपुर में हुआ था। मैं और हमारे स्वास्थ्य मंत्री दोनों वहाँ पर गए थे। दूसरा फिरोजाबाद में हुआ था, फिर फैजाबाद/अयोध्या में बना और बहराइच में भी बना।

मैं यह जानना चाहता हूँ कि आपने मेडिकल कॉलेज की बिल्डिंग्स तो खड़ी कर दीं लेकिन जो मेडिकल कॉलेज समाजवादी सरकार में बने थे, वे किस स्थान पर हैं, किस स्थिति में हैं ? आप यह बताएँ। समाजवादी सरकार में जो-जो मेडिकल कॉलेज बने थे, उनमें आज पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर नहीं है, वहाँ जो प्रोफेसर्स होने चाहिए, जो डॉक्टर्स होने चाहिए, जो

टेक्निकल स्टाफ होना चाहिए, उसे सरकार उपलब्ध नहीं करा पा रही है। इस सरकार ने केवल उनके आधुनिक ढाँचे तैयार कर दिए हैं, वास्तव में वे अस्पताल नहीं है। अभी मैं हाल ही में सिद्धार्थ नगर के मेडिकल कॉलेज के बगल से निकल करके गया था, मैंने जानकारी की कि यहाँ पर कैसे, क्या चल रहा है तो मुझे बताया कि बस यहाँ पर यह एक ढाँचा बना हुआ है, यहाँ पर कोई बहुत ज्यादा इलाज नहीं हो पा रहा। अगर आपको केवल बिल्डिंग बना देनी है और बिल्डिंग बना देने को ही आप मेडिकल कॉलेज बोल देंगे तो शायद वह मेडिकल कॉलेज नहीं है जहाँ बच्चों को अच्छी पढ़ाई मिल सके। जब वहाँ पूरा स्टाफ हो, आपकी गाइड लाइंस, मानक के तहत पूरा स्टाफ हो, तब शायद कोई मेडिकल कॉलेज खुल सकेगा और मैं तो यह भी कहूँगा कि देश के प्रधानमंत्री जी ने इसी लोक भवन के सामने, जो समाजवादियों ने बनाया, उसके सामने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई जी के नाम पर एक यूनिवर्सिटी बनाने का फैसला हुआ था और शिलान्यास हुआ था। मैं नेता सदन से जानना चाहता हूँ कि वह कहां पर है ? जिस तरीके से इकाना समय-समय पर आपके कार्यक्रमों के लिये काम आ रहा है, उसी तरीके से लोहिया इंस्टीट्यूट का नाइन्थ फ्लोर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई जी की यूनिवर्सिटी चलाने में काम आ रहा है। बताइये, 5 साल में भी आपने नहीं बनायी ? अगर फ्लोर गड़बड़ हो तो मैं नहीं जानता हूँ लेकिन किसी फ्लोर पर तो वहां पर चल ही रही है और वह भी समाजवादियों का बनाया हुआ है। यह सरकार सबका साथ-सबका विकास, सबका विश्वास और सबके लिए प्रयास, अध्यक्ष महोदय, इसमें और भी बहुत कुछ जोड़ा जा सकता है लेकिन हम बहुत दिनों से लड़ते आएं हैं। समाजवादियों ने तो अपने घोषणा-पत्र में लिखा था कि समाजवादी सरकार बनेगी तो तीन महीने के अन्दर जातीय जनगणना करा दी जाएगी। नेता सदन हम पर बहुत आरोप लगते हैं, न जाने किस-किस तरह के आरोप लगाये जाते हैं कि हम जातिवादी हैं, हम एक ही समाज के बारे में सोचते है।

(सदन में कुछ सदस्यों के टोका-टाकी करने पर)

उस पर भी फिर लगता है कि बोलना पड़ेगा। यह जो हमारे पिछड़े और दलित भाई उधर बैठे हैं, वह जान गये होंगे कि उनके साथ कितना बड़ा धोखा हुआ है। इसलिए अध्यक्ष महोदय, हम जातीय गणना चाहते हैं। जब सरकार बड़े-बड़े डेटा सेन्टर बनाना चाहती है और उसके लिए इन्वेस्टमेण्ट आ रहा है तो कम से कम जातीय जनगणना तो हो। हमें, आपको, सबको पता होना चाहिए कि हम कितनी आबादी में हैं। माननीय ओम प्रकाश राजभर जी आप चाहते हैं कि नहीं चाहते हैं ?

श्री ओम प्रकाश राजभर-

जी बिल्कुल चाहते हैं।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, यहां सदन में बैठे सभी लोग चाहते हैं। जो यूनिवर्सिटी अटल बिहारी बाजपेई जी के नाम पर बननी थी, वह 5 साल में भी नहीं बनी। यह दावा कर रहे हैं

कि कितने मेडिकल कालेज बना दिये है और वह जगह भी कहां पाये हैं, जो समाजवादियों ने चक गजरिया सिटी बनायी थी, उसी में पाये हैं। आप नयी जगह नहीं ढूंढ पाये ? और मैं तो चाहता हूँ क्योंकि वह हमारे गांव के पास के थे। यदि आप एक यूनिवर्सिटी यहां बना रहे हैं तो एक यूनिवर्सिटी बटेश्वर में भी आप बना दीजिए। आपको बनाना भी चाहिए क्योंकि अगर उनका सम्मान करना है तो केवल स्टेडियम का नाम बदलने से ही सम्मान नहीं होगा। अगर आप एक यूनिवर्सिटी लखनऊ में बना रहे हैं और एक यूनिवर्सिटी बटेश्वर में भी बना देंगे तो उनका बड़ा सम्मान होगा।

श्री अध्यक्ष-

आप यह घड़ी मत देखिए, दूसरी वाली देखिए, वह थोड़ा गड़बड़ है, एक बार रुक कर दोबारा चालू हुई है।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय, मुझसे गलती हुई, मैं यही टाइम देख रहा था। मैं चाहता था कि 45 मिनट बोलूँ लेकिन अभी तो 32 मिनट हुए हैं।

श्री अध्यक्ष-

एक घण्टा हो गया है।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष महोदय, कानून व्यवस्था पर तो सरकार बहुत दावा करती है परन्तु एन0सी0आर0बी0 का आंकड़ा भी तो सरकार को देखना चाहिए। आखिरकार क्या सरकार एन0सी0आर0बी0 का आंकड़ा नहीं देखेगी ? आज यू0पी0 क्राइम में कहां खड़ा है ? यदि हम आज ही घटना देखें तो आज ही के दिन उत्तर प्रदेश में न जाने क्या-क्या हुआ होगा। मैंने रामपुर का जिक्र किया था। वहां एक थाने में घुस करके पुलिस को पीटा गया। पुलिस को पीटने वाले कौन थे ? बी0जे0पी0 के लोग थे। ललितपुर की घटना कोई नहीं भूल सकता। थाने के अन्दर बेटी के साथ बलात्कार हो गया। चन्दौली की घटना, बेटी को इतना पीटा, इतना पीटा की उसकी जान चली गयी। कौन-सी जगह सुरक्षित है ? कन्नौज, हमारी लोक सभा में, एक बेटी के साथ बलात्कार हो गया। कोई जगह सुरक्षित नहीं हैं। ये कैसा उत्तर प्रदेश है और कैसा उत्तर प्रदेश आपने बना दिया जहां बेटियां सुरक्षित नहीं है। अगर हम दिल्ली के आंकड़े देखें तो आंकड़ों में हम कहां दिखायी दे रहे हैं ? महिला आयोग में अगर सबसे ज्यादा कहीं से शिकायतें हुई हैं तो उत्तर प्रदेश से हुई हैं। महिलाओं के ऊपर अगर हम एन0सी0आर0बी0 के आंकड़े देखेंगे तो उत्तर प्रदेश में बहुत खराब स्थिति है। आप दमन करने के लिए क्या दिखा रहे हैं ? बुल्डोजर चला रहे है। क्या बुल्डोजर से कानून व्यवस्था ठीक हो जायेगी ? मैंने बरेली में दूसरे सदन के नेता विरोधी दल को भेजा था। समाजवादी पार्टी के हमारे बहुत महत्वपूर्ण विधायक और सीनियर लीडर्स वहां पर गये थे। उन्होंने जो रिपोर्ट मुझे दी है वह रिपोर्ट मैं

सदन में पढ़ना चाहता हूँ। 10 बजे ये प्रतिनिधि मण्डल पहुंचा, शहर के गणमान्य लोगों से मिला और उन्होंने अवगत कराया कि समाजवादी पार्टी के विधायक शहजिल इस्लाम के पेट्रोल पम्प को विपक्ष ने दहशत फैलाने व डराने के इरादे से गिराया है क्योंकि शहजिल इस्लाम जी पेट्रोल पम्प चलाने के लिए सभी प्रकार की एन0ओ0सी0 हासिल करके सरकारी कम्पनी का पेट्रोल पम्प चला रहे थे इसके साथ ही रु0 10.00 लाख अग्रिम जमा करके बरेली विकास प्राधिकरण से नक्शा आदि पास कराने के लिए बार-बार अनुरोध किया था। परन्तु अनुरोध के बाद भी बरेली विकास प्राधिकरण द्वारा नक्शा आदि पास नहीं किया गया और कहा गया कि बरेली के सभी पेट्रोल पम्प ऐसे ही चल रहे हैं, आप भी चलाईये, बाद में नक्शा पास कर दिया जायेगा। लेकिन फिर भी विधायक शहजिल इस्लाम द्वारा पेट्रोल पम्प पर कोई भी कंक्रीट का निर्माण नहीं किया गया था और न ही कोई दीवार व लिण्टर बनाया गया था, वह सब टैम्परेरी था। बरेली में 80 प्रतिशत पेट्रोल पम्प इसी प्रकार से चल रहे हैं, किसी के विरूद्ध कोई कार्यवाही नहीं हुई है। लेकिन विपक्षी दल के विधायक को डराने के लिए शहजिल इस्लाम का नियम विरूद्ध बरेली विकास प्राधिकरण ने सरकार की मंशा के अनुरूप पूरी तरह से पेट्रोल पम्प को धाराशाही कर दिया, जिसमें करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ, जो पूरे प्रतिनिधि मण्डल ने स्थानीय निरीक्षण में देखा। इसके साथ ही इसके 02 किलोमीटर आगे भाजपा नेता का पेट्रोल पम्प था, जो भारी अनियमितताओं के साथ बना है उसको केवल सील किया गया है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि बरेली विकास प्राधिकरण भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया है। नेता सदन मैं आपसे यह कहना चाहता हूँ कि नियम सबके लिए बराबर हैं, कानून सबके लिए बराबर है, अगर कोई गलत करता है तो कानून के अन्दर कार्यवाही होनी चाहिए लेकिन इनका ये तरीका नहीं होना चाहिए।

हमनें तो बहुत करीब से देखा है हमारी पार्टी के वरिष्ठ नेता, मौहम्मद आजम खां साहब, कितने मुकदमे उन पर लगे। शायद पॉलिटिक्ल कैरियर में अध्यक्ष महोदय इतने मुकदमें किसी पॉलिटिक्ल लीडर पर नहीं लगे होंगे जितने उन पर लगाये गये और ये लगे नहीं लगाये गये हैं। जिस समय वहां पर मुकदमें लिखाये जा रहे थे मैंने उन लोगों से बात की जो मुकदमें लिखाने जा रहे थे। मैंने उनसे पूछा कि आखिरकार तुम क्यों मुकदमा लिखा रहे हो। उन्होंने कहा कि हम पर इतना दबाव है कि जिसकी हम कल्पना नहीं कर सकते और अगर हम मुकदमा नहीं लिखायेंगे तो हम जेल भेज दिये जायेंगे। तो सोचिये, सरकार ये कर रही है। सरकार को न्याय दिलाने का काम करना चाहिए, निष्पक्ष हो करके काम करना चाहिए। लेकिन सरकार दबाव बना करके मुकदमा लिखा रही है। वहां के जो जिलाधिकारी महोदय थे, मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूँ क्योंकि उनको जब उत्तर प्रदेश कैडर में आना था तो उत्तर प्रदेश कैडर में लाने के लिए उस समय समाजवादी सरकार ने ही काम किया था। मैंने उनसे खुद फोन पर बात की और मैंने उनसे कहा कि ये समाज के लिए काम कर रहे है कोई अपने लिए काम नहीं कर रहे हैं। अगर यूनिवर्सिटी बनाई है तो समाज के लिए यूनिवर्सिटी बनाई है, अपने लिए नहीं बनायी है और वह इस पीढ़ी के लिए तो है ही लेकिन आने वाली पीढ़ी के लिए

यूनिवर्सिटी बन रही है आप क्यों उनके खिलाफ कार्यवाही कर रहे हैं, नहीं करनी चाहिए आपको कार्यवाही ? लेकिन जिलाधिकारी की जिस तरीके से बातचीत थी, उससे मुझे लगा कि वह किसी दबाव में काम कर रहे हैं। मैंने उनसे कहा कि आपको उत्तर प्रदेश में लाने का काम समाजवादी सरकार में हुआ था। लेकिन हमने आपसे कभी कोई गैर-कानूनी काम नहीं कराया होगा, कभी दबाव नहीं बनाया होगा। मान्यवर, उन पर यूनिवर्सिटी का एक मुकदमा नहीं लगा है। उनके ऊपर कैसे मुकदमें लगे हैं, जैसे किताब चोरी के, जानवर चोरी के, यह सब हैं। अध्यक्ष महोदय, खैर हमें न्यायालय से मदद मिली है और हमें उम्मीद है कि न्यायालय में हमारे नेता के साथ न्याय होगा। हमें न्यायालय पर इस बात का भरोसा है। न्यायालय ने हमारे नेता को न्याय दिया और मुझे उम्मीद है कि उनको पूरा न्याय मिलेगा। नेता सदन जानते होंगे कि मैंने आपसे भी निवेदन किया था कि उन पर झूठे मुकदमें न लगाये जायें। मैंने देश के प्रधानमंत्री जी से भी निवेदन किया था कि उन पर झूठे मुकदमें न लगाये जायें। लेकिन आज सोचें कि केवल राजनीति के लिए उन्हें फंसाया जाये, राजनीति के लिए उन पर मुकदमें लगाये जायें। अध्यक्ष महोदय, सरकार मैंने भी चलाई है, अगर हमारे सामने कोई आ जाता था और सूचनायें मिलती थीं कि पुलिस अन्याय कर रही है तो पुलिस पर कार्यवाही होती थी और उसे न्याय मिलता था। अगर कोई दोषी होता था तो वह जेल जाता था। माननीय नेता सदन जनता दरबार में जाते हैं, आप लोग जनता दरबार चलाते है, यह कोई नई बात नहीं हो रही है, जो आप कर रहे हैं, आपकेवल डराना चाहते हैं। अंग्रेजों का जो डिवाइड एण्ड रूल था वही डिवाइड एण्ड रूल करना चाहते हैं। डिवाइड एण्ड रूल का हिस्सा यह भी है कि विपक्ष में भी मतभेद बनाकर रखो। केवल जाति और धर्म का डिवाइड एण्ड रूल नहीं है।

(विपक्ष के सदस्यों द्वारा इंगित किया गया कि दर्शक दीर्घा से कोई बोल रहा है)

श्री अध्यक्ष-

ऊपर जो सिक्योरिटी वाले हैं, इस बात को चिन्हित करें और अगर किसी ने बोला है तो उनको वहाँ से हटायें। मैं इसको दिखवा रहा हूँ। यह एलाउ नहीं है, अगर किसी ने ऐसा किया है तो उसको सजा मिलेगी।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय, केवल इसलिए उन पर मुकदमें है क्योंकि उन्होंने यूनिवर्सिटी बनाई, लेकिन यूनिवर्सिटी बनाना कोई गलत काम नहीं है। अगर सरकारी जमीनें देखनी हों तो उत्तर प्रदेश में मैं चाहता हूँ, नेता सदन, जिन्होंने भी सरकारी जमीनें कब्जा की हैं, उनकी सब की खाली कराइये, क्योंकि आप खाली नहीं कराते हैं। यह भी देखा जायेगा कि कितनी जमीनें खाली हो गई हैं। जहाँ बुल्डोजर चलता है, लोगों का नुकसान होता है। लेकिन हमारे नेता अच्छे हैं कि उनके वहाँ जे0सी0बी0 चली और बुल्डोजर चला तो उन्होंने मुआवजा ले लिया। कम से कम गरीबों को भी मुआवजा मिलना चाहिए और बुलन्दशहर के उस परिवार को भी मिलना चाहिए।

वह पत्नी चिल्ला रही थी कि मेरा पति अन्दर सो रहा है, कम से कम उसको उठा लेने दो, लेकिन अधिकारियों ने कुछ सुनवाई नहीं की और उसके ऊपर ही बुल्डोजर चला दिया। सुनने में आया है कि उसकी जान चली गई। नेता सदन बताइये, कौन दोषी है ? अगर इस तरह से काम होगा तो हम किस दिशा में उत्तर प्रदेश को ले जा रहे हैं ? अगर कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े होंगे तो यहाँ इन्वेस्टमेण्ट नहीं आयेगा, अगर आप सरकार की मंशा लोगों को परेशान करने के लिए कानून का इस्तेमाल करेंगे तो शायद इन्वेस्टमेण्ट नहीं आयेगा। जो बड़ी-बड़ी बातें कानून व्यवस्था को लेकर कर रहे हैं। नेता सदन जानते होंगे कि आई0पी0एस0 कभी किसी सरकार में फरार नहीं रहा। (विपक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)। एक आई0पी0एस0 फरार है। पुलिस आई0पी0एस0 को ढूंढ ही नहीं पा रही है। अध्यक्ष महोदय मैं आपको धन्यवाद देना चाहता हूँ कि इस सरकार द्वारा मा0 राज्यपाल महोदया के माध्यम से जो अभिभाषण दिलाया गया है, जो डॉक्यूमेण्ट दिया गया है। उसमें उत्तर प्रदेश की कोई बढ़ती हुई तस्वीर नहीं दिखाई दे रही है। माननीय अध्यक्ष जी, इसलिए इस मौके पर हम चाहते हैं कि उस प्रस्ताव में हमारी जो चीजे दी गई हैं उसमें उनको भी शामिल की जायें। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अध्यक्ष-

माननीय श्री केशव प्रसाद मौर्या जी।

(सदन के अन्दर मेजें थपथपाई गईं और जय श्री राम के नारे लगाये गये)

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

माननीय अध्यक्ष जी, महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा जो अभिभाषण सदन के सामने रखा गया है जिसके समर्थन में डॉ0 मन्जू शिवाच जी ने जो प्रस्ताव रखा है उनके समर्थन मे मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। अभी मैं ध्यान से नेता प्रतिपक्ष, पूर्व मुख्य मंत्री समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी की बाते सुन रहा था। मुझे लगता है अगर मैं पूरा उत्तर दूंगा, तो बहुत देर तक आपको और नेता प्रतिपक्ष को सुनना पड़ेगा लेकिन कुछ बातें मैं जरूर कहना चाहूंगा। निश्चित तौर से नेता प्रतिपक्ष को इस बात का बहुत गर्व होगा। वर्ष 2012 में जब यह सरकार में आये थे तब मैं भी इस सदन का सदस्य था मैं भी सामने बैठा था, लेकिन वर्ष 2012 में सरकार बनने के बाद जब वर्ष 2014 का लोक सभा का चुनाव होता है उस समय उत्तर प्रदेश के अन्दर यह दावा किया गया था कि भारतीय जनता पार्टी का सूपड़ा साफ करेंगे और समाजवादी पार्टी प्रदेश के साथ देश में भी सरकार बनायेगी। अगर इनके कार्य तनिक भी अच्छे हुये होते, जिसका बड़ा गुणगान मैं और सम्पूर्ण सदन बहुत देर से सुन रहा है आप भी सुन रहे हैं, पूरा प्रदेश सुन रहा है तो इनके गुणगान का जवाब उत्तर प्रदेश की जनता ने दिया होता परन्तु समाजवादी पार्टी का सूपड़ा साफ हो गया। उसके बाद वर्ष 2014 में हारने के बाद आगरा एक्सप्रेस-वे, मेट्रो आदि कार्यों को कराने के बड़े-बड़े दावे किये जा रहे थे तब वर्ष

2017 में विधान सभा क्षेत्र का चुनाव आया तो पिछले 5 वर्ष की उपलब्धियां जिसको आप गिनाते हुये थकते नहीं हैं, मैं नहीं जानता हूँ कि यह आपका कौन-सा रोग है, अगर कोई रोग है तो मैं कहूंगा कि आप जांच भी करायें। मैं माननीय अध्यक्ष जी से भी अनुरोध करूंगा कि माननीय नेता प्रतिपक्ष जी का जहाँ से भी चाहे ठीक से इलाज करा लें और भविष्य में योगी सरकार की जो भी योजनायें आती हैं, कार्य कराये जाते हैं, उनमें हर योजना का एक स्टीकर जैसे समाजवादी पार्टी का चस्पा करके आप इस रोग से मुक्त हो जायें क्योंकि आप पिछले 5 साल से सत्ता से बाहर आ गये है। आने वाले 25 सालों तक अभी आपका नम्बर लगने वाला नहीं है। मेरे अपने एक साथी हैं जो ज्योतिष का ज्ञान रखते हैं उनसे पूछा कि अखिलेश जी 400 सीटों का दावा कर रहे हैं इसकी वास्तविकता क्या है ? हम लोग जमीनी स्तर से देख रहे थे कि समाजवादी पार्टी का कहीं अता-पता नहीं है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जी 400 सीटों का दावा कर रहे थे और 400 सीटों में से वह 111 में सिमट गये। अभी यह आरोप लगा रहे थे कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार केवल जाति और धर्म में ही नहीं बल्कि विपक्ष में भी भेद डालती है। अब यह नहीं कहना है कि आपके यहाँ कोई फूट पड़ जाये, कोई अलग हो जाये, तो हमारे ऊपर आरोप लगाओ कि हमने किया है। मुझे ऐसा करने की आवश्यकता नहीं है।

श्री अखिलेश यादव-

उधर से भी इधर आयेंगे।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

आप संभालिये, बहुत सारे लोग हमारे सम्पर्क में आ चुके हैं कहीं आपके पीछे की कुर्सियां खाली न हो जाएं इसकी चिन्ता कीजिये। माननीय अध्यक्ष जी, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ कि इस बार का विधान सभा क्षेत्र चुनाव बड़ा रोचक था। मैं आश्चर्य करता था कि 2014 का दावा आपने किया था, मैं इसी सदन में बैठा था, संयोग से मैं पहली बार इस विधान सभा क्षेत्र में आया और उस समय आया जब समाजवादी पार्टी की लहर थी, उस सीट से आया था जिस पर आपके बड़े गुणगान दिखायी दे रहे हैं, मैं जानता हूँ उसकी क्या स्थिति है। लेकिन आप भरोसा रखिये आपको 25 साल तक केशव प्रसाद सत्ता में आने नहीं देगा। अखिलेश जी, आपको मैं पसन्द करता हूँ।

श्री अखिलेश यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, हम आ पायें या न आ पायें लेकिन हमारे ये माननीय सदस्य लोक भवन में कब बैठ पायेंगे।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

लोक भवन में तो कमल खिल चुका है और खिला रहेगा लेकिन जो आपकी साइकिल पंक्चर हो गई है उसे उत्तर प्रदेश की जनता ठीक करेगी भी नहीं। इसलिए लोक भवन में मैं कब बैठूंगा, लोक भवन में हम लोग रोज बैठते हैं।

श्री अखिलेश यादव-

मान्यवर, ये पी0डब्ल्यू0डी0 मिनिस्टर रहे, ये भूल गये कि इनके जिले के मुख्यालय की सड़क किसने बनायी, बताइये।

श्री अध्यक्ष-

कृपया आपस में डिबेट न करें।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

माननीय अध्यक्ष जी, कृपा करके नेता प्रतिपक्ष और पूर्व मुख्य मंत्री जी को बता दीजिये कि ये पाँच साल सत्ता में नहीं रहे हैं और आगे के पाँच साल के लिए सत्ता से विदा हो चुके हैं। 2027 में चुनाव आयेगा और मैं तो यह मानता हूँ कि फिर कमल खिलेगा। आपका कोई भविष्य इस समय नहीं है, लेकिन सड़क किसने बनाया है, एक्सप्रेस-वे किसने बनाया, मेट्रो किसने बनायी [x x x]

श्री अखिलेश यादव-

[x x x]

(सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्य अपने स्थानों पर खड़े होकर बोलने लगे।)

श्री अध्यक्ष-

कृपया आप सभी बैठ जाएं। जवाब हो गया, उन्होंने दे दिया, अखिलेश जी न जवाब दे दिया, आप बैठिये, आगे कार्यवाही चलने दीजिये। कड़वी बात अगर कहते हैं तो कड़वी बात सुनिये भी तो, आपने भी कड़वी बात कही उन्होंने सुनी, उन्होंने कड़वी बात कही तो आप सुनिये। असीजा जी बैठ जाएं, आप सब लोग बैठ जाएं।

मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्य नाथ-

माननीय अध्यक्ष जी, एक घण्टे से।

(सदस्य श्री जियाउद्दीन रिजवी के खड़े होकर बोलने और सत्तापक्ष के सदस्यों द्वारा उनका विरोध करने पर व्यवधान)

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, नेता सदन खड़े हैं उसके बाद सदन में शोर-शराबा ठीक नहीं है।

श्री योगी आदित्यनाथ-

माननीय अध्यक्ष जी, एक घण्टे से अधिक समय तक पूरा सदन माननीय नेता प्रतिपक्ष को सुनता रहा, बड़ी शालीनता के साथ उन्होंने अपनी बात कही, विपक्ष के नेता का जो दायित्व

नोट :- [x x x] यह अंश श्री अध्यक्ष के आदेशानुसार निकाल दिया गया।

था उन्होंने अपने कर्तव्यों का निर्वहन किया, हम लोगों ने सुना। इस सदन में सरकार के उप मुख्य मंत्री अपनी बात को रख रहे हैं तो बीच में रनिंग कमेंट्री का मतलब क्या है और दूसरे, एक सम्मानित नेता के खिलाफ असभ्य शब्दों का प्रयोग हो। मैं बड़ी विनम्रता से कहूंगा नेता प्रतिपक्ष को कि आपको इतना उत्तेजित नहीं होना चाहिए।

मान्यवर, मैं नेता प्रतिपक्ष को बड़ी विनम्रता से कहूँगा, कि आपको इतना उत्तेजित नहीं होना चाहिए। सवाल सैफई का नहीं है। हम लोग जो विकास कार्य करा रहे हैं या आपकी सरकार के समय जो विकास कार्य हुए होंगे, ये हमारी डयूटी थी। सरकार, सरकार होती है और हर सरकार को अपनी उपलब्धि को कहने का अधिकार है। विकास की बात आपने कही, विकास की जब चर्चा हुई, तो मा0 उप मुख्य मंत्री जी ने बिल्कुल सही कहा। उन्होंने जो बातें कहीं, बिल्कुल ठीक ढंग से कही। मा0 उप मुख्य मंत्री जी के भाषण सम्पन्न होने के बाद आप लोग अपनी बात कह सकते थे। मैं कल भी देख रहा था जब मा0 वित्त मंत्री जी यहाँ पर जवाब देने के लिए खड़े हुए, उन पर जिस तरीके की भाषा का प्रयोग यहाँ पर किया गया, वह ठीक नहीं था।

आज फिर हम देख रहे हैं। लोकतंत्र में हर सदस्य को अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है। अगर आप कहेंगे, तो आपकेसे इस बात की अपेक्षा रखते हैं कि इस पार से उसका जवाब नहीं मिलेगा ? पूरे एक घण्टे से अधिक समय तक पूरा सदन और खास तौर से सत्ता पक्ष से जुड़े हुए सभी मा0 सदस्यों ने आपकी बात को बहुत ध्यान से सुना। सहमत होना न होना, अपना विषय है। सैफई भी इसी प्रदेश का हिस्सा है।

श्री अखिलेश यादव-

मा0 अध्यक्ष महोदय, सवाल यह नहीं है। मैं सुनने को तैयार हूँ।

श्री अध्यक्ष-

मा0 मुख्य मंत्री जी बोल रहे हैं।

श्री योगी आदित्यनाथ-

सैफई भी तो इसी प्रदेश का हिस्सा है। आप उस पर बाद में बोल सकते हैं। हमारी सहमति, असहमति किसी बात पर हो सकती है। हम बाद में इस बात को करेक्शन करा सकते हैं, लेकिन सदन में तू-तू, मैं-मैं नहीं होना चाहिए और किसी भी असभ्य भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए। मैं मा0 अध्यक्ष जी से अनुरोध करूँगा कि अगर इस प्रकार की शब्दावली प्रोसीडिंग का हिस्सा बन रही है, बनी है, तो कृपया उसको कार्यवाही से हटवा दें, क्योंकि ये गलत परम्परा होगी और देश के अन्दर इसका मैसेज भी खराब जायेगा। हमें हमेशा सदन की मर्यादा का ध्यान हर हाल में बनाये रखना होगा।

दूसरा, जब एक सदस्य बोल रहा हो, तो सदस्य के बीच में और खास तौर पर उप मुख्य मंत्री बोल रहे हों, तो सदन के बीच में रनिंग कमेंट्री करना, बीच-बीच में धमकी

देना, ये चीजें ठीक नहीं है और मुझे लगता है कि सदन की मर्यादाएं इससे आहत होती हैं। कोई भी इसको स्वीकार नहीं करेगा।

मैं मा0 नेता प्रतिपक्ष को विनम्रता से कहूँगा कि उनका सम्मान है, वे सबसे बड़े विपक्षी दल के नेता हैं और मुझे लगता है कि इस मर्यादा की अपेक्षा केवल सत्ता पक्ष से ही न करें, विपक्ष भी उस मर्यादा का पालन करेगा, तो दोनों का सम्मान बना रहेगा और ये सम्मान दोनों का बना रहे। देखिए, सहमति और असहमति लोकतंत्र की ताकत है। हम नहीं कहते हैं कि आप हमारी बात से सहमत हों। मैं ये भी नहीं कह सकता कि मैं आपकी बात से सहमत हूँ। जब मेरी बारी आयेगी, तब भी मैं बोलूँगा। मैंने तो एक घण्टे तक आपकी बात को सुना। मेरे दल की तरफ से जब मेरी बारी लगायी जायेगी, मैं उस दिन अपनी बात को यहाँ पर रखूंगा। मैंने आपके पूरे भाषण को इसीलिए सुना। सुना ही नहीं, प्रोसीडिंग मगाऊँगा, फिर देखूँगा और इस सदन में उसका पूरा जवाब भी दूँगा और मैं उम्मीद करूँगा कि सभी विपक्षी नेतागण उस दिन यहाँ पर हमारी बात को भी सुनेंगे।

(सत्ता पक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपाईं)।

सरकार के वरिष्ठतम नेता में से और उप मुख्य मंत्री, जो लगातार दूसरी बार उप मुख्य मंत्री हो रहे हों, उनके द्वारा अपनी बात को रखा जा रहा हो, तो मुझे लगता है कि उनकी बात को शालीनता से सुनना चाहिए। अगर हमें लगता है कि गलत हो रहा है, तो बहुत सारी चीजें हैं। अगर हम भी इस बात को कहते, तो बहुत सारी बातें नेता प्रतिपक्ष की भी ऐसी थीं, जो आपत्तिजनक हो सकती थीं। हमने सुना। हमें जो स्वीकार करना होगा, उसे स्वीकार करेंगे और जवाब भी देंगे, लेकिन बीच में इस तरीके की उत्तेजना दिखाना उचित नहीं है।

देखिए, इस तरीके की उत्तेजना दिखाना उचित नहीं है। माहौल इससे खराब होता है। अनावश्यक रूप से बाहर मैसेज खराब जाता है। हमारे बारे में, सदन के बारे में टिप्पणियाँ होती हैं, हर एक सदस्य की मर्यादा भंग होती है और सदस्य का सम्मान बाहर तार-तार होता है। पब्लिक में इसका मैसेज खराब जाता है।

मा0 अध्यक्ष जी, इस प्रकार की शब्दावली का प्रयोग न हो और अगर ये तू-तू, मैं-मैं शब्द का प्रयोग हुआ है, तो मैं आपसे अनुरोध करूंगा कि कृपया इसको सदन की प्रोसीडिंग का हिस्सा कतई न बनाने दिया जाए, क्योंकि आने वाले समय में नजीर बनेगा। फिर यही होगा जो इससे पहले इस सदन में होता रहा है। इस चीज को हर हाल में रोकना होगा और मैं आपसे विनम्र अनुरोध करूंगा कि ये रनिंग कमेण्ट्री, बीच में धमकी देना यह चीजे बन्द होनी चाहिएं। अच्छा हो खत्म करें। धन्यवाद।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय, जो बात नेता सदन ने कही है कि असंसदीय भाषा व वाक्य आए हैं तो कार्यवाही से उनको निकाल दिया जाए, उससे मैं भी सहमत हूँ। लेकिन अध्यक्ष महोदय

निवेदन यह भी है कि किसी को पर्सनली नहीं कहा जाना चाहिए। हम आप लोगों को जनता मौका देती है अपना बजट खर्च करने के लिए। मेरा नेता सदन से यही निवेदन है कि इस तरह की बात नहीं कही जाए कि आपने पैसा जमीन बेच करके कर दिया है। मैंने तो केवल यही कहा था कि आपके जिले की जो फोर लेन बनी थी वह किसने बनायी थी।

श्री अध्यक्ष-

मुख्य मंत्री जी ने कहा है यह सब सरकारी पैसे से होता है इसका बहुत अच्छी तरह से मुख्य मंत्री जी ने जवाब दे दिया, कृप्या आप बैठ जाइये।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

मा0 अध्यक्ष महोदय, बीच में जब अपना भाषण कर रहा था तो नेता प्रतिपक्ष के शोर-शराबे में मैं सुन नहीं पाया। लेकिन जो मेरे कहने का एक मात्र तात्पर्य है कि उत्तर प्रदेश की जनता ने सेवा के लिए आपको नकार दिया है और भारतीय जनता पार्टी को स्वीकार किया है। आपको 2014 में नकार दिया, आपको 2017 में नकारा, आपको 2019 में नकारा, आपको 2022 में नकारा और आगे 2024 में नकारेगी। इसलिए यह कहना कि आपकी सरकार के समय कोई काम शुरू हुआ होगा। लेकिन हर काम घोषणा मंत्री बनने से पूरा नहीं होता। आपके समय घोषणाएं इतनी हुई, शिलान्यास इतने हुए, और मैं तो यह देखता रहता था कि हमारे नेता प्रतिपक्ष का हर दिन एक नया ट्वीट आता था कि योजना तो हमने शुरू की है। अरे भईया पूरी करके क्यों नहीं गए, अधूरी छोड़कर क्यों गए। अगर अधूरी छोड़कर गए तो उस पर अपना स्टीकर चस्पा करने के अवरोध से मुक्त हो जाइये। यह एक ऐसा रोग हो गया है कि कोई भी योजना होगी उस पर समाजवादी पार्टी का स्टीकर चिपका दो। अगर आप गरीबों का काम देखते तो मैं समझता हूँ कि आपको प्रशंसा के अलावा दूसरा शब्द खोजने से नहीं मिलता। मैं तो एक गरीब परिवार में पैदा हुआ हूँ, ऐसे परिवार में पैदा होकर मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मैं उत्तर प्रदेश की विधान सभा क्षेत्र का सदस्य बनूंगा। लेकिन मैं विधान सभा क्षेत्र का सदस्य भी बना, और देश की संसद का सदस्य भी बना और विधान परिषद् का भी सदस्य बना और लगातार दूसरी बार विश्व की सबसे बड़ी पार्टी की सरकार बनने के बाद मा0 मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में दूसरी बार उप मुख्य मंत्री बना। मैं जानता हूँ कि इसका आपको बहुत बड़ा दर्द है कि केशव प्रसाद क्यों दोबारा उप मुख्य मंत्री बन गए और मैं जानता हूँ कि आप पिछड़ों के हितैषी नहीं विरोधी हो। मैं अगड़ा, पिछड़ा, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति के बीच भेद-भाव नहीं करता। आपको इस बात का दर्द है कि आपने जो साम्राज्य स्थापित किया था वह साम्राज्य जनता ने उखाड़कर फेंक दिया। मैं आपके दावे की ही चर्चा कर रहा था। मा0 अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से कह रहा था कि मैं अपने ज्योतिषी मित्र से पूछ रहा था कि यह जो 400 सीट का दावा है इसमें क्या सच्चाई है। क्योंकि मैं सभाओं में भी सुनता था उसमें ये 400 का दावा कर रहे हैं, पता नहीं क्यों कर रहे हैं। मैं भी उत्तर प्रदेश के गरीबों के बीच में हूँ जरूरतमंदों के बीच में हूँ, दिनभर जनता से भी मिलता हूँ, क्षेत्र में जाकर

लोगों से भी मिलता हूँ, तो मुझे पता था कि समाजवादी पार्टी सत्ता के इर्द-गिर्द भी नहीं आएगी। अब कुछ बातें ऐसी हैं कि अगर मैं सदन में कहूंगा तो वह दूसरी प्रकार की बात हो जाएगी। कैसे आपके इतने नम्बर बढ़ गए, मेरा तो यह विश्वास था कि आप 47 का आंकड़ा नहीं पार कर पाएंगे। लेकिन मैं यह नहीं कहता था कि आपने 47 का आंकड़ा पार कर लिया। आप 100 से ज्यादा सीट जीत कर आ गए। ठीक है जनता का जनादेश जहां तक पहुंचा है आपको प्रतिपक्ष में रहने का मौका दिया है। लेकिन कभी एक बार गरीबों के बारे में अगर आप सोचते मैं देख रहा था, ज्योतिषी ने जो कहा है कि अभी अखिलेश यादव जी के और समाजवादी पार्टी के 25 वर्ष तक सत्ता में आने का योग नहीं है। इसको मेरे मित्र ने कहा है। अब आप कहेंगे कि इसका प्रमाण दो, तो इसका कोई प्रमाण नहीं है। ज्योतिषीय गणना के हिसाब से उन्होंने बताया, वह मैं आपको बता दे रहा हूँ। अभी 25 साल तक आप उधर बैठने के लिए तैयार रहिये।

(प्रतिपक्ष के कई सदस्यों के टोका-टाकी करने पर शोर)

श्री अध्यक्ष-

माननीय राकेश जी, आप बैठिये, गुस्सा न करिये।

श्री अखिलेश यादव-

दूसरों को देखते रहे और आप अपना चुनाव हार गये।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

मैं आपके माध्यम से नेता प्रतिपक्ष जी को कहना चाहता हूँ कि मुझसे पूछें कि मेरे लिए क्या कहा। अरे! आप नहीं चाहते थे कि केशव प्रसाद दोबारा उप मुख्य मंत्री बनें, फिर उप मुख्य मंत्री बन करके बैठा हूँ। मैं तो सोच रहा था कि मैं सदस्य भी बन करके आऊँगा कि नहीं आऊँगा। आपको इसकी चिंता नहीं है कि मैं वहाँ बैठ जाऊँ। आप चाहे जितना दूध में नीबू डालो लेकिन हम दूध में चीनी डालते है, हम मीठा करते हैं, आप दूध को फाड़ने का काम करते हो। हम सब एकजुट हो करके सरकार को चलायें और दोबारा सरकार बन करके आयी है तो मैं आपसे यही कह रहा था कि आप अपनी तरफ बचा कर रखना, इधर की चिंता मत करिये। इधर तो हम लोग रहेंगे क्योंकि वहाँ से बहुत सारे लोग हमारे सम्पर्क में हैं। अभी आप गरीबों की बात कर रहे थे, गरीब आदमी कोई जाति, धर्म और समुदाय से रिलेटेड नहीं होता। मैं भी गाँव का रहने वाला हूँ, अब मेरा गाँव नगर पंचायत हो गया है। कभी हम कल्पना नहीं करते थे कि हमारे घर में शौचालय बन जायेगा, कभी कल्पना नहीं करते थे कि हमारे घर में बिजली लग जायेगी। मैं स्वयं संगठन का काम करता था, कभी सोचता नहीं था कि गैस का कनेक्शन मेरे घर में आ जायेगा। मैं दूसरों की बात नहीं करता। लेकिन आज जब यह आँकड़ा देखता हूँ कि 1 करोड़, 41 लाख गरीबों के घर में बिजली का कनेक्शन सौभाग्य योजना के माध्यम से फ्री में देने का काम प्रदेश की सरकार ने कर दिया। आपने उस गरीब का दर्द अपनी

सरकार के समय में दूर नहीं किया। आपको गरीब की, पिछडों, दलितों, वंचितों किसी की चिंता नहीं थी, हमारी सरकार को इसकी चिंता थी। प्रधानमंत्री आवास योजना, मैं देख रहा था, आपके कार्यकाल में 2014 में सरकार बनने के बाद माननीय प्रधानमंत्री जी ने तत्काल योजना प्रारम्भ कर दी थी लेकिन आप तो 01 लाख का आँकड़ा भी नहीं छू पाये। आप सोचते थे कि अगर प्रधानमंत्री आवास बन जायेगा तो साइकिल पंचर हो जायेगी। मैं उस समय संसद में पहुँच गया था और उस समय मेरी पार्टी ने मुझे 2016 में प्रदेश का अध्यक्ष बना दिया था। मैं कहता था कि आप केन्द्र सरकार की जो योजना है उस योजना को उत्तर प्रदेश के गरीबों के लिए लागू करें, लेकिन हर काम में बैरियर खड़ा करने का काम यदि किसी सरकार ने सबसे अधिक किया था तो आपकी सरकार ने किया था।

मेरा जो अनुभव है 2012 से ले करके 2022 तक का, श्री अखिलेश जी के नेतृत्व वाली समाजवादी पार्टी की सरकार ने केन्द्र सरकार की योजना यू0पी0 में न आने पाये इसके लिए कदम-कदम पर बाधा डालने का काम किया। अगर आने देते तो प्रदेश का भला होता, प्रदेश के लोगों का भला होता। अगर नहीं आने दोगे तो इससे ज्यादा आपका नुकसान होगा और जनता ने वही किया। उस समय जो आपकी हालत हुई, आप 300 सीट जीतने का दावा 2017 में कर रहे थे। लेकिन अगर आपकी नीतियाँ सही होतीं, आपके कार्य अगर सही होते तो निश्चित तौर पर आप फिर जीतकर आते और सत्तापक्ष की तरफ बैठते। लेकिन आपको जनता ने एक बार नहीं, दूसरी बार नकार दिया, दो बार विधान सभा क्षेत्र चुनाव में और दो बार लोक सभा के चुनाव में नकारा। आप काँग्रेस के साथ गये तब भी आपको जनता ने नहीं स्वीकार किया, जब आप बुआजी के साथ मिल गये तब भी आपको जनता ने नहीं स्वीकार किया। गरीबों के लिए जो हमारी सरकार ने काम किया। अभी आप उज्ज्वला योजना की प्रशंसा कर रहे थे। यह कोई साधारण बात नहीं है कि 1 करोड़ 67 लाख गरीब माताओं, बहनों के घर में गैस का कनेक्शन पहुँच गया।

(सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपायीं।)

उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत निःशुल्क गैस का कनेक्शन देने काम किया गया और उनको गैस का कनेक्शन मिलने के बाद वह गैस भी भरवा रहे हैं। आपको पता इसलिए नहीं होगा क्योंकि आप गरीब के सम्पर्क में नहीं हैं। अभी आपको फिर खराब लगेगा, आप गुण्डों, माफियाओं और अपराधियों के सम्पर्क में ज्यादा हैं इसलिए आप परेशान हैं। (सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपायीं।) अगर गरीबों के सम्पर्क में होते और गरीब की चिंता करते तो शायद कुछ और नम्बर बढ़ जाते, लेकिन आपको गरीबों की चिंता थी ही नहीं और न है।

श्री अखिलेश यादव-

अगर हम पर एक भी मुकदमा हो तो बता दें।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

मैं अभी सब कुछ बता दूंगा। इनको गरीब की, पिछड़ों की चिंता नहीं है। अभी रोजगार की बात कर रहे थे। में तो प्रयागराज का रहने वाला हूँ।

श्री इकबाल महमूद-

माननीय अध्यक्ष जी, कितने समय तक बोलेंगे।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

मेरी पार्टी का जितना समय होगा वह ले करके मैं बोलूँगा। आप परेशान मत होईये। माननीय नेता प्रतिपक्ष जी, सुनने का साहस करिये। अभी तो शुरुआत हुई है।

श्री अध्यक्ष-

नेता प्रतिपक्ष के लिए कोई समय-सीमा नहीं थी जितना वह बोल सके बोलें। केशव प्रसाद मौर्य जी, उप मुख्य मंत्री हैं वह भी उसी अनुपात में बोलेंगे।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष जी, समय उतना दे देना जितने में यह अपने ऊपर पंजीकृत मुकदमें बता दें।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

मैं अभी आपको सब बता दूँगा, आप चिंता मत करिये। केशव प्रसाद ने सदैव राष्ट्रवाद की लड़ाई लड़ी है और राष्ट्रवाद की लड़ाई में अगर आपको यह लगता है राष्ट्रवाद की लड़ाई लड़ने में, हिन्दुत्व की लड़ाई लड़ने में, गौ-रक्षा की लड़ाई लड़ना गलत है तो वह गलती मैं जीवन भर करता रहूँगा।

(सत्तापक्ष के सदस्यों ने मेजें थपथपायीं।)

आप इस गलतफहमी में मत रहिये। मेरे ऊपर एक भी मुकदमा कोई व्यक्तिगत आरोप का नहीं लग सकता। आपकी घबड़ाहट को मैं जानता हूँ। मेरे ऊपर जो मुकदमें हैं उसकी आप विधिवत समीक्षा करवा लीजिएगा और यह समीक्षा कि आपके कार्यकाल में वे मुकदमें क्यों लिखवाये गये। (प्रतिपक्ष के किसी सदस्य द्वारा टोकाटाकी करने पर) मैं खूब समीक्षा कर चुका, मैं तो जानता हूँ। मैं आन्दोलनकारी रहा हूँ, राजनीति में रहा ही नहीं हूँ। में आन्दोलनकारी रहा हूँ और आन्दोलन करने वालों के खिलाफ मुकदमें लिखे जाते हैं। मेरे पिता जी कोई मुख्य मंत्री नहीं थे, वे एक गरीब किसान थे।

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय ठीक है मेरे पिताजी मुख्य मंत्री थे, लेकिन मैं यह नहीं कहूँगा कि ये क्या काम और करते थे ?

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं चाय बेचता था, मैं अखबार बाँटता था, मैं अपने खेत में काम करता था। आपको मेरी गरीबी का अगर मजाक उड़ाना है तो उड़ा लीजिए लेकिन मुझे गर्व है।

(कई सदस्यों द्वारा एक साथ बोलने पर शोर)

श्री अखिलेश यादव-

अध्यक्ष महोदय, अगर ये चाय बेचते थे तो हम माननीय सदस्य सब लोग चाय पीने चलेंगे।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

अध्यक्ष जी, उत्तर प्रदेश के अन्दर एक कन्नौज संसदीय सीट है। माननीय नेता प्रतिपक्ष ऐसा कह रहे हैं इसलिए बता रहा हूँ। कन्नौज संसदीय सीट से माननीय नेता प्रतिपक्ष सांसद हुआ करते थे, वहाँ पर हमारे पार्टी के एक कार्यकर्ता नीरज मिश्रा की हत्या हुई थी, उस समय सरकार किसकी थी, वह हत्या कैसे हो गयी थी, उसके अभियुक्त कौन थे ? वह बता दें। मैं तो इस तरह के किसी मामले में नहीं रहा, मैने बताया कि हमेशा आन्दोलन का हिस्सा रहा हूँ। आन्दोलन का हिस्सा होने के कारण अगर मेरे आन्दोलन के मुकदमें आपको दिखायी दे रहे हैं तो वहाँ की भी जाँच करा दीजिए, यह मैं आपसे निवेदन करूँगा। माननीय अध्यक्ष जी, मैं प्रयागराज का रहने वाला हूँ। प्रयागराज से जुड़ी हुई दो बातें आपसे कहनी है। प्रयागराज से जुड़ी हुई एक तो सरकारी नौकरियों की बात है। जैसे कि समाजवादी पार्टी की सरकार 2017 तक थी तो सारे उत्तर प्रदेश के नौजवानों को इन्होंने नौकरी दे दी थी और आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में सरकार आयी तो सारे लोगों को नौकरी से निकाल दिया गया हो, ऐसा आरोप लगाते हैं। वह आयोग उस समय भ्रष्टाचार आयोग, समाजवादी आयोग बन गया था।

(प्रतिपक्ष के कई सदस्यों के एक साथ बोलने पर शोर। इसी मध्य डॉ0 संग्राम यादव के कुछ कहने का प्रयास करने पर।)

श्री अध्यक्ष-

कृपया शांत रहिये।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

उसका भी एक मुकदमा मेरे ऊपर है। उस समय समाजवादी पार्टी की सरकार थी, जो भ्रष्टाचार आयोग के अन्दर हो रहा था, वहाँ के छात्रों ने आन्दोलन किया था, मैं वहाँ का विधायक था, तो विधायक के नाते सभी विधायकों को बुलाया गया था।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष महोदय, कितनी परीक्षायें रद्द हुईं, वो भी बता दें तथा आज-कल जो एस0आई0 की परीक्षा में धांधली हुई है, उसमें बता दें कि अब तक कितने लोग पकड़े गये ?

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, कम से कम एक व्यवस्था जरूर स्थापित हो जाये कि माननीय उप मुख्य मंत्री जी बोल रहे हैं तो अब बीच में टोकाटाकी न हो।

(समाजवादी पार्टी के कई सदस्यों द्वारा एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

समय संख्या के आधार पर निर्धारित होता है और जिस हिसाब से रेशियो होता है, उस हिसाब से संख्या निर्धारित होती है। अगर उस रेशियो के हिसाब से आप अपनी लिस्ट दे देंगे, एक सदस्य बोलेगा तो मैं उसी को बोलने की परमीशन दूंगा बाकी किसी को नहीं बोलने दूंगा। समय राजनीतिक दलों के रेशियो के हिसाब से होता है।

श्री लाल जी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, आपने जो कहा उसको मैं शिरोधार्य करता हूँ। कल जब मुझे शुरुआत में बोलने का अवसर मिला तो माननीय अधिष्ठाता महोदय ने 10 मिनट पर ही मुझे बिठा दिया। हमारी संख्या भी 111 की है।

श्री अध्यक्ष-

आपके यहां से लम्बी लिस्ट थी। अगर आप कल का समय भी निकालकर रेशियो देख लेंगे तो आपको ज्यादा ही समय मिला होगा कम नहीं मिला होगा।

श्री लाल जी वर्मा-

माननीय अध्यक्ष जी, लम्बी लिस्ट इनकी भी है। आप उधर से 2 को बुला रहे हैं और इधर से 1 को बुला रहे हैं।

श्री अध्यक्ष-

आप मुझसे सूची ले लीजिएगा मैं आपको भेज दूंगा। लगभग बराबर से बोलेंगे।

श्री लाल जी वर्मा-

मा0 नेता विरोधी दल और नेता सदन उससे अलग हैं बाकी लोगों के लिए निश्चित रूप से एक समय-सीमा होनी चाहिए। अगर आप समय-सीमा तय नहीं करेंगे तो दूसरे को भी समय दीजिए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, नेता और उप नेता के लिए समय की कोई बाध्यता नहीं होनी चाहिए। सामान्य सदस्य में और उप मुख्य मंत्री में फर्क होना चाहिए। माननीय अध्यक्ष जी, यह व्यवस्था बना लीजिए, यह टोका-टाकी नहीं होनी चाहिए।

(समाजवादी पार्टी के सदस्य श्री इकबाल महमूद सहित उनके दल के कई सदस्यों द्वारा एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

अब आप लोग बैठ जाइये, मैंने व्यवस्था दे दी है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी अगर इसी तरीके से होगा, जब इनके मा0 सदस्य बोलेंगे तो उनके साथ क्या होगा ?

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठिये। ऐसे तो कोई नहीं बोल पायेगा।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, आप नेता और उप नेता के लिए समय की बाध्यता तय कर दें।

श्री अध्यक्ष-

नेता और नेता प्रतिपक्ष के लिए कोई समय निर्धारित नहीं है।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

माननीय अध्यक्ष जी, सामने बैठे हुए मेरे मित्रों की परेशानी मैं समझ सकता हूँ, क्योंकि इनको सच सुनने का साहस ही नहीं है। अगर सच सुनने का साहस हो तो धैर्य पूर्वक सुन लीजिए। मैं ऐसी कोई बात नहीं कह रहा हूँ।

(समाजवादी पार्टी के सदस्य श्री इकबाल महमूद सहित उनके दल के सदस्यों द्वारा एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

आप बैठ जाइये। मैने बोल दिया है। राजनीतिक दलों के हिसाब से समय होगा। आज मैं आपको अपनी लिस्ट भेज दूंगा। अगर आपको कम समय मिला होगा तो ज्यादा समय दे दूंगा।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

मान्यवर, आप सच सुनने का साहस रखिए। मैं उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग सहित प्रदेश के जितने भी भर्ती आयोग थे, उनकी चर्चा कर रहा था। अभी मा0 नेता प्रतिपक्ष ने यह कहा कि आपके ऊपर कितने मुकदमें हैं, वह बता दीजिए। एक मुकदमा जब आप मुख्य मंत्री थे, भर्तियों में भ्रष्टाचार हो रहा था, उसके खिलाफ छात्रों का आन्दोलन था, एक जनप्रतिनिधि के नाते उसमें मैं शामिल होने के लिए गया। मैं उसमें शामिल होने के लिए गया यह सही है, तो आपने मुझे मुख्य अभियुक्त बना दिया। क्यों बना दिया, वह मैं आपका दर्द समझता हूँ, क्योंकि मैं पिछड़े वर्ग से आता था, आपको बर्दाश्त ही नहीं था कि केशव प्रसाद वहां पर क्यों गया।

आपने रोजगार के बारे में कहा है। मैं भी गांव का रहने वाला हूँ और तमाम मा0 सदस्य जो यहां पर बैठे है, वह गांव के रहने वाले हैं इनकी सरकार के समय बिना कुछ चढ़ाये किसी नौजवान को नौकरी नहीं मिलती थी और आज मैं इस सदन में दावे के साथ कह सकता हूँ कि उत्तर प्रदेश का एक भी नौजवान यह आरोप नहीं लगा सकता है कि आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार में पैसा देकर नौकरी मिली हो। अब कोई नकल कराने वाला गैंग.....

(समाजवादी पार्टी के कई सदस्यों द्वारा एक साथ खड़े होकर बोलने का प्रयास करने पर घोर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग बैठ जाइये।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

यह आपकी उपलब्धि थी, जब हमारे नेता प्रतिपक्ष मुख्य मंत्री थे। माननीय अध्यक्ष जी, उस समय एक और उपलब्धि बहुत बड़ी थी यह जो अभी माननीय नेता प्रतिपक्ष जी बीच में खड़े होकर कह रहे हैं कि कोई एस0आई0टी0 जांच चल रही है यह आप की उपलब्धि है कि आपके शासनकाल में जब हमारी सरकार थी माननीय कल्याण सिंह जी के नेतृत्व में तब उस समय मैं इस सदन का सदस्य नहीं था। परेशानी बच्चों को हुई थी लेकिन पढ़ने की आदत हो गई थी। लेकिन संयोग से हमारी जब सरकार चली गई और फिर समाजवादी पार्टी की सरकार आई तब उसमें जो नकल का कानून था फिर उसको खत्म करके फिर से नकल में छूट दे दिया गया। यह जो नेता प्रतिपक्ष जी की उपलब्धि है कि आपके शासनकाल में नकल माफियाओं का एक बहुत बड़ा गैंग तैयार हो गया था और वह गैंग पेपर लीक कराने का काम एवं उसको बेचने का काम कराता था लेकिन उसको आने वाले समय में बहुत बदल दिया जाएगा आप भरोसा रखिए। आप भरोसा रखिए एक-एक को पकड़ करके अन्दर किया जाएगा। अगर आपको सम्भव हो तो आप अपने ही लोगों से फीड बैक ले लीजिए कि जो पकड़े जा रहे हैं वह लोग कौन है, उनका बैकग्राउंड क्या है, वह किस दल से रिश्ता रखते हैं तो फिर यह सवाल आप नहीं करेंगे। पुलिस उसकी जांच करती है, अपराधी पकड़े जाते हैं, जेल भेजे जाते हैं, लेकिन हमारी सरकार का माननीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में यह प्रयास है कि उत्तर प्रदेश का कोई नौजवान गरीब का बेटा खेत बेचकर के, जमीन बेचकर के कर्जा ले करक, जेवर बेचकर के उसे नौकरी पाने की जरूरत न पड़े। उसे भ्रष्टाचार मुक्त भर्तियाँ और मेरिट के आधार पर अवसर मिले।

श्री अखिलेश यादव-

माननीय अध्यक्ष जी, इतनी बढ़ी संख्या में धरना-प्रदर्शन हुआ है चाहे वह नौकरी को ले करके हो या 69 हजार को ले करके रहा हो, या फिर बी0एड0, टेट को ले करके रहा हो इतने बड़े पैमाने पर धरना प्रदर्शन लखनऊ में कभी किसी भी सरकार में नहीं हुआ है।

श्री अध्यक्ष-

आप फिर एक बार मौका ले लीजिएगा पहले उनको बोलने दीजिए।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, इस सदन में पहले हम नियमों से चलते हैं बाद में परम्पराओं से चलते हैं। अगर कोई सदस्य इधर से बोल रहा है जैसे डिप्टी सी0एम0 साहब बोल रहे हैं तो अगर यह चाहेंगे कि यह यहां पर बैठ जाएं और उधर से कोई आदमी बोलना चाहे वह बोल ले तभी यह अनुमति हो सकती है। मान्यवर, यह सदन की परम्परा रही है। अगर डिप्टी सी0एम0 साहब अनुमति नहीं देते तो उधर आदमी को बोलना नहीं चाहिए और बैठ जाना चाहिए। यह मैं कई बार कह चुका हूँ और उसके बाद भी कई बार टोका-टोकी होती है। यह अपने आप में एक गलत परम्परा है। इसको तुरंत रोका जाना चाहिए।

श्री अध्यक्ष-

यह बात सदन के सभी सदस्यों को मालूम है सभी को इसका पालन करना चाहिए।

(समाजवादी पार्टी के कुछ सदस्य अपने-अपने आसन पर खड़े होकर जोर-जोर से बोलने लगे)

श्री अध्यक्ष-

आप बैठ जाइए और अगर आपको सुनने की क्षमता नहीं हैं तो आप निकल जाइए। मैं इनके बाद आपको ही अवसर दे दूंगा आपको जो भी बताना होगा आप बता दीजिएगा।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

माननीय अध्यक्ष जी, अभी मैने इस बात को कहा कि जो उपलब्धि थी उसको नेता प्रतिपक्ष ने नहीं बताया। नकल अध्यादेश हमारी सरकार लाई थी जो श्रीमान कल्याण सिंह जी के नेतृत्व में थी उसको खत्म किया था आदरणीय मुलायम सिंह जी के नेतृत्व में जब उनकी सरकार थी। जो नकल हो रही थी हमने उसको खत्म किया फिर आपने शुरू किया यह गलत परम्परा शुरू हुई इसको स्वीकार करने में अपनी उपलब्धि के रूप में मुझे लगता है कि नेता प्रतिपक्ष को कोई नाराज होने का सवाल नहीं है।

जब कोरोना के संक्रमण का संकट आया तो उस कोरोना संक्रमण के संकट के समय हमारे देश के माननीय प्रधानमंत्री जी तथा प्रदेश के आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में कोरोना के खिलाफ..

(इस मध्य समाजवादी पाटी के कतिपय सदस्यों द्वारा ऊपर किसी के द्वारा टीका-टिप्पणी करने के सम्बन्ध में इंगित किये जाने पर सदन में शोर, जिस कारण व्यवधान बना रहा)

श्री अध्यक्ष-

कौन ऊपर से टीका-टिप्पणी कर रहा है, आपको कहाँ से टीका-टिप्पणी सुनाई पड़ रही है ? वहाँ पर कोई टीका-टिप्पणी नहीं कर रहा है। मैंने ऊपर दिखवाया है वहाँ पर कैमरा

चल रहा है और वहाँ पर कोई टीका-टिप्पणी नहीं कर रहा है। आपको और कहीं से सुनाई पड़ रहा होगा, ऊपर से कोई टीका-टिप्पणी नहीं कर रहा है। वहाँ पर किसी को भी टीका-टिप्पणी करने का अधिकार नहीं है। वहाँ पर मार्शल बैठे हैं इसलिये अगर कोई टीका-टिप्पणी करेगा तो वह उसी समय ऊपर आ जायेंगे। आप हाउस के अन्दर रहिये। कोई भी टीका-टिप्पणी नहीं कर सकता। आपको ऑडियंस की कहीं और से आवाज सुनाई पड़ रही होगी। अब आप लोग बैठ जाईये। इससे हाउस डिस्टर्ब हो रहा है। मार्शल, आप वहाँ जाकर देखिये और मुझे उसकी रिपोर्ट दीजिये। वहाँ पर आदमी खड़ा कीजिये। अगर कोई टीका-टिप्पणी कर रहा होगा तो उसे पनिश किया जायेगा। मा0 केशव जी, आप बोलिये।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

मा0 अध्यक्ष महोदय, अभी मैं जब मा0 नेता प्रतिपक्ष को सुन रहा था तो उन्होंने कोरोना के समय की चर्चा की। अभी कल ही हम देख रहे थे कि हमारे देश के प्रधानमंत्री जी क्वाड सम्मेलन में हिस्सा लेने जापान गये थे, अमेरिका जैसे सभी सुविधाओं से युक्त और सम्पन्न देश का राष्ट्रपति उनकी प्रशंसा कर रहा है कि भारत ने बहुत शानदार ढंग से कोरोना के संक्रमण से निपटने का काम किया। पूरी दुनिया की आबादी में उत्तर प्रदेश का स्थान पाँचवें नम्बर पर आता है और हमारे नेता प्रतिपक्ष यह चर्चा कर देते कि हां उत्तर प्रदेश की आबादी 23 करोड़ से अधिक है और महाराष्ट्र की आबादी उससे कम है, केरल की आबादी उससे कम है, बाकी बातों का भी उल्लेख करते, लेकिन एक लाइन कह देते कि हां आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में शानदार ढंग से कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई लड़ी गयी। मैं जानता हूँ कि मेरी बात का उधर से आप लोग बुरा मानेंगे कि अगर मैं कहूँ कि देश के वैज्ञानिकों ने दिन-रात तपस्या करके कोरोना की वैक्सीन तैयार की और हमारे नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि हम कोरोना का टीका नहीं लगायेंगे, यह बी0जे0पी0 का टीका है। इनको न तो कोरोना का टीका पसन्द है, न माथे का टीका पसन्द है। मैं माथे पर भी टीका लगाकर आया हूँ और कोरोना का टीका भी लगा के आया हूँ। (सत्तापक्ष द्वारा मेजों की थपथपाहट)

(इस मध्य सत्तापक्ष एवं विपक्ष के अनेक सदस्यों के अपने-अपने स्थानों पर खड़े होकर कुछ बोलने का प्रयास करने पर व्यवधान)

(व्यवधान के मध्य)

श्री अध्यक्ष-

आप लोग कृपया बैठ जायें।

श्री अखिलेश यादव-

मा0 अध्यक्ष जी, यह ठीक बात नहीं है, क्योंकि इस बहस में जो वैक्सीन है, मैं कोई साइंटिस्ट नहीं हूँ, लेकिन साइंटिस्ट के लेख पढ़ता हूँ, उनके रिसर्च पेपर्स पढ़ता हूँ। मैं वैक्सीन पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहा हूँ। मैं इनसे कहता हूँ कि वर्ल्डओवर ऐसे लोग भी थे जिन्होंने

वैक्सीन नहीं लगवाई और हमारे डिप्टी सी0एम0 शायद यह बात नहीं जानते। डिप्टी सी0एम0 यह नहीं जानते और वह यह कैसे कह सकते हैं कि मैं टीका नहीं लगाता। आप बैठ करके पिछड़ों को बर्बाद कर रहे हैं, आप पिछड़ों को धोखा दिलवा रहे हैं, वह आपको याद ही नहीं है।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

मा0 अध्यक्ष जी, चूंकि कोरोना के सम्बन्ध में आपने चर्चा की, इसलिये कोरोना से संबंधित आप ही के विषय में से ही कुछ विषय ले करके यहीं बैठ करके नोट कर लिया था। मैं प्रयागराज का रहने वाला हूँ। अभी आपने कहा कि वह लाशों के ढेर, मैं चाहूंगा कि जैसे आप सरकार को बदनाम करने के लिये प्रतिनिधि मण्डल भेजते थे, एक प्रतिनिधि मण्डल आज भेज दीजिये। आज तो कोरोना के कारण मौतें नहीं हो रही हैं। प्रयागराज की धरती पर बहुत बड़ी संख्या में पूर्वांचल के लोग गंगा जी के तट पर जाते हैं। आज भी अगर आप जा करके देखेंगे तो वहाँ बहुत सारे लोग गंगा जी के किनारे बालू के नीचे....

अपने परिवार के जो सदस्य इस धरती पर नहीं रहे उनको गंगा जी के किनारे ले जाकर बालू के नीचे दबा कर एवं रामनामी डाल कर आ जाते हैं वह सब आज भी दिखायी दे रहा है, अगर आप देखेंगे तो आपको दिखायी देगा, लेकिन अगर आप चश्मा ही ऐसा लगा के रखेंगे कि उससे केवल सरकार की कमियाँ ही दिखायी दें तो फिर आप देखते रहिए। मा0 अध्यक्ष जी, मा0 प्रधानमंत्री जी हम लोगों के साथ कोरोना के विषय पर बैठक कर रहे थे उस बैठक में पूरे प्रदेश भर के कार्यकर्ता शामिल थे, हम भी एक कार्यकर्ता के नाते ही बैठे थे, उन्होंने कहा कि हम सबका प्रथम कार्य क्या है ? हमारा प्रथम कार्य यह नहीं है कि हम राजनीतिक दल हैं, सरकार में हैं तो दल के नाते केवल चुनाव लड़ना, चुनाव जिताना, सरकार बनाना, सरकार का कोई पद प्राप्त करके सुख भोगना। हमारा प्रथम कर्तव्य लोगों की सेवा करना है और इसे ही प्रथम लक्ष्य रखें, कोई भूखा न रहे, यह मंत्र हमको दिया गया है। सरकार के माध्यम से जो हम कर सकते थे वह हमने किया। हमारी पार्टी के एक-एक कार्यकर्ता ने दिन-रात तपस्या की है, इसका मैं फीडबैक भी लेता था। समाजवादी पार्टी का हमारा कोई भी मित्र कोरोना काल में किसी भी भूखे को भोजन कराते हुए नजर नहीं आया। मा0 अध्यक्ष महोदय, कोरोना काल में कोरोना का इतना बड़ा संकट आया, कोई भूखा न रहे इस संकल्प के अनुसार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू हुई उस अन्न योजना से प्रदेश के 14 करोड़ से अधिक लोगों को प्रति यूनिट पाँच किलो राशन दो साल से अधिक समय से मिल रहा है, अब आपको नहीं दिखायी दे रहा है तो मैं क्या करूँ, आप जाकर अपनी आँखों की जांच करा लीजिए, आपको दिखायी देने लगेगा। अगर हमारी सरकार ने अच्छा काम किया है तो आपको उसकी प्रशंसा करनी चाहिए, आज दुनिया के अन्दर जितने भी देश हैं, जितनी भी आबादी है, देश के अन्दर जितने भी प्रदेश हैं उन प्रदेशों के आंकड़े आप मंगा लीजिए। कोरोना की वैक्सीन प्रदेश के हिसाब से सबसे अधिक आबादी के अनुपात में उत्तर प्रदेश में लगी है।

दुनिया के किसी भी देश की आबादी की तुलना में सबसे अधिक वैक्सीन भारत में लगी है। आज भी कोरोना की आहट है, लेकिन हमें अपने वैज्ञानिकों की तपस्या पर एवं उनके द्वारा बनायी गयी वैक्सीन पर भरोसा है। आपको हर जगह भाजपा दिखयी देती है, कमल दिखायी देता है तो मैं क्या कर सकता हूँ, मेरे पास उसकी कोई दवाई नहीं है।

आप जिस समय वैक्सीन पर टिप्पणी कर रहे थे मैं आश्चर्य में था कि आप इतने पढ़े-लिखे योग्य मुख्य मंत्री रहे हैं, नेता प्रतिपक्ष हैं, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं तो कम से कम इस प्रकार की बात नहीं करेंगे कि टीका नहीं लगाना, आप कल्पना करिए अगर लोगों ने इस वैक्सीन को नहीं लगाया होता तो कितने लोग मर गये होते। इस तरह का दुष्प्रचार करने से फायदा नहीं नुकसान ही होता है। इसलिए मैं आपसे यही चाहूँगा कि आप प्रतिपक्ष में हैं निश्चित तौर से सरकार को आप जो अच्छी बातें बताना चाहें आप बताइये, सरकार आपकी अच्छी बातों को सुनेगी। आप एक एक्सप्रेस-वे को ले करके बोल रहे हैं, आप कल्पना करिए प्रदेश में इस समय कितने एक्सप्रेस-वे बन रहे हैं। पूरे प्रदेश के क्या हालात थे आपके कई मा0 सदस्य यहां पर बैठे होंगे, आपके सामने सार्वजनिक रूप से अभी नहीं बतायेंगे, लेकिन अगर आप अलग से पूछेंगे तो वह बतायेंगे। मैं पिछली बार पी0डब्ल्यू0डी0 मंत्री था, कोई भी यदि विपक्ष का सदस्य मेरे पास आया होगा और उसने अपने क्षेत्र की समस्या बतायी होगी तो उस समस्या को मैंने भी और मेरी पूरी सरकार मा0 योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उस समस्या का समाधान पूरी जिम्मेदारी से किया गया होगा। अच्छी चीजों का भी गुणगान करना चाहिए। मा0 अध्यक्ष जी, मैं इसी सदन में था आप भी उस समय इस सदन के सदस्य थे उस समय जनेश्वर मिश्र जी के नाम से ग्राम सड़क योजना आई थी, उस समय मैं नया-नया सदस्य था, कुछ चीजें नहीं जानता था, मैंने सोचा सभी विधान सभा क्षेत्र क्षेत्रों में यह योजना आई है सबके यहां जायेगी तो मैंने भी चिट्ठी दे दी तो वहां के किसी अधिकारी ने बताया कि नहीं आप भाजपा वाले हो आपको इस योजना का लाभ नहीं मिलेगा, मैंने कहा कि यह तो गलत बात है। उस समय बहुत सारे निर्णय पक्ष और विपक्ष देख करके होते थे, लेकिन हमारी सरकार में सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास इस विषय को ले करके पूरी ईमानदारी के साथ काम किया गया है। इस ईमानदारी के साथ अगर हम काम नहीं किए होते तो जिस प्रकार से आप दावा कर रहे थे चुनाव के दौरान, मेरे सदस्य यहां पर बैठे होंगे हम लोग तो झगड़ा टालते-टालते परेशान थे। समाजवादी पार्टी के गुन्डे, अपराधी, माफिया हर गांव-गली गलियारे में झगड़ा कर रहे थे और उस झगड़े से बचना मुश्किल हो रहा था।

(विपक्ष के कई सदस्यों को एक साथ खड़े होकर बोलने पर व्यवधान)

श्री अध्यक्ष-

आप इसका जवाब दे दीजिएगा।

श्री केशव प्रसाद मौर्य-

माननीय अध्यक्ष जी, समाजवादी पार्टी के समय में फिर चाहे पुलिस हो या प्रशासन उसका पूरी तरह से सपाकरण कर दिया गया था। इसका प्रमाण-पत्र क्या होता है ? आपका सदन में मात्र भाषण यह प्रमाण नहीं है। जो सबसे बड़ी अदालत है उत्तर प्रदेश की जनता के बीच हम गये और उत्तर प्रदेश की जनता के बीच में जाकर सारे दलों ने आपके पक्ष में आत्मसमर्पण कर दिया तब भी भारतीय जनता पार्टी ने इतनी प्रचण्ड विजय के साथ सरकार बनाई।

आप कानून व्यवस्था को लेकर अभी सवाल उठा रह थे। मुझे लगता है कि आप अपना कार्यकाल कभी देखते नहीं। अगर अपना कार्यकाल आप देखेंगे तो हमारे कार्यकाल पर सवाल उठाने से पहले जिस शीशे के घर में आप रह रहे हैं वह चकनाचूर हो जायेगा। इसलिए माननीय अध्यक्ष जी मैं आपके माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश की कानून व्यवस्था दुरुस्त है। आपके समय में इन्वेस्टर समिट की चर्चा हो रही है और अब ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी होने जा रही है, आप उसकी भी चर्चा कर रहे थे। मेरी जानकारी के अनुसार जब आपकी सरकार थी आप उत्तर प्रदेश में इन्वेस्टर समिट भी नहीं कर पाये, आपको दिल्ली से करना पड़ा था। आप इस बात को सोचें कि क्यों ऐसी परिस्थिति बनी, क्योंकि कोई यहां आना नहीं चाहता था। मेरा भी व्यक्तिगत बहुत सारे लोगों से मिलना-जुलना है, उन्होंने कहा कि अब हम उत्तर प्रदेश आयेंगे। अब कम से कम उत्तर प्रदेश में हम भी सुरक्षित रहेंगे और हमारा निवेश भी सुरक्षित रहेगा और हम प्रदेश का भी विकास करेंगे और निवेश का भी विकास करेंगे। यहां एक वातावरण का निर्माण हुआ है और वह वातावरण आपको दिखाई नहीं दे रहा है, आप यह सच मानकर चलिये कि जो भी गलत करेगा। जैसे बुल्डोजर को लेकर आपको बहुत चिन्ता हो रही हैं। मैं स्पष्ट बता रहा हूँ, मा0 मुख्य मंत्री जी बैठे हुए हैं स्पष्ट तौर से निर्देश है कि किसी गरीब के घर बुल्डोजर नहीं चलेगा, लेकिन गुण्डा बक्शा नहीं जायेगा, माफिया बक्शा नहीं जायेगा, अपराधी बक्शा नहीं जायेगा। मैं आपका दर्द जानता हूँ, क्योंकि वे आपके सर्वाधिक समर्थक हैं। उसको लेकर आपकी परेशानी मैं समझता हूँ कि क्यों आपको दर्द होने लगता है। हां, कहीं कोई ऐसी घटना हो गयी होगी और पुलिस के, प्रशासन के किसी अधिकारी ने गलत कार्यवाही की, तो सर्वाधिक दण्डात्मक कार्यवाही अगर किसी सरकार में हुई तो आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार में हुई। इस बात को ध्यान में रख कर मैं माननीय अध्यक्ष जी, आपके माध्यम से इतना ही कहना चाहता हूँ कि आदरणीय मुख्य मंत्री योगी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार पहले कार्यकाल में शानदार रही है और दूसरे कार्यकाल में भी सरकार शानदार ढंग से चल रही है। अभी तो झांकी है, पूरी पिक्चर तो पांच साल की अभी बाकी है। या तो अपराधी अपराध करना छोड़ देंगे या उत्तर प्रदेश छोड़ देंगे। यह मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूँ और इसके आधार पर मुझे लगता है कि अगर उत्तर

प्रदेश में सही रास्ते पर चलने वाले लोग आपकी पार्टी में भी हों और वह सही रास्ते पर चलना चाहेंगे तो निश्चत तौर से उनके लिए कोई परेशानी नहीं है।

आपने एक माननीय विधायक का विषय यहां पर उठाया, लेकिन क्या सभी मा0 विधायकों का विषय यहां उठा सकते हैं। जो गलत नहीं होगा उसके खिलाफ कार्यवाही नहीं होगी, लेकिन जो गलत होगा उसके खिलाफ कार्यवाही होगी। उसके लिए आप भी सदन में खड़े होकर कहें कि आपने गलत के खिलाफ कार्यवाही की है, इसका हम समर्थन करते हैं। लेकिन आप नहीं कर सकते, क्योंकि अगर आप ऐसा कर देंगे तो निश्चित तौर से आपको लगेगा कि आपका वोट बैंक खतरे में पड़ गया, आप वोट बैंक के खतरे को देखते हैं और वोट बैंक के खतरे के कारण, जनाधार समाप्त होने के डर से आपकी इस प्रकार की बातें मैं सदन में सुन रहा था। इसके पहले भी आप विधान परिषद् में थे मैं आपके सामने आता था। लेकिन आपने आज जिन सदस्यों की बात कही जिनके बारे में कही, जो गलत होगा उसके खिलाफ कार्यवाही तो हो रही हैं। माननीय न्यायालय ही अन्तिम अथारिटी है, जो वह निर्णय देगा सरकार उसको स्वीकार करती है लेकिन जो विषय आज आपने उठाये हैं इससे पहले कभी नहीं उठाये थे। यह तो वोट बैंक का डर है, वोट बैंक का भय है जो आज आपने कही जिससे आपकी तरफ से यह सन्देश चला जाये कि आप सबसे बड़े हितैषी हैं। मैं यह बता रहा हूँ कि इस समय प्रदेश की राजनीति देश की राजनीति तुष्टीकरण के घटिया तरीके से बाहर निकल चुकी हैं। सबका साथ सबका विकास का मंत्र जो देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र मोदी जी के माध्यम से और डबल इन्जन की सरकार के माध्यम से दावे से कहते हैं कि आप पूरे आंकड़े उठा लें यह भी आंकड़े उठा लें कि प्रधानमंत्री आवास योजना में 40 लाख आवास में से किन-किन लोगों को कितने आवास दिये गये, आप नहीं उठा सकते, क्योंकि उसमें आपको समझ में आयेगा एकदम साफ दिखाई देगा कि कोई जातिवाद नहीं किया गया, कोई क्षेत्रवाद नहीं किया गया। साम्प्रदायिक तरीके से किसी को किसी योजना का लाभ पहुंचाने का काम नहीं किया गया है। योजना का लाभ सबको देने का काम किया गया है और हमारी सरकार में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने का कार्य किया गया है, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने से बहुत लोगों को परेशानी है।

मा0 अध्यक्ष जी आपके माध्यम से मैं नेता प्रतिपक्ष को यह कहूंगा कि थोड़ा ठीक से अपने साथियों के बारे में पता लगा लें तो बहुत सारी उनकी समस्या का समाधान हो जायेगा और यहां कहना ही नहीं पड़ेगा और आपकी पार्टी भी ठीक हो जायेगी और प्रदेश का वातावरण भी ठीक हो जायेगा। आज जो प्रदेश की स्थिति है उसका बहुत बड़ा कारण समाजवादी पार्टी की सरकार रही है। जब गलत रास्ते पर चलकर रातो-रात शार्टकट तरीके से आगे बढ़ने के सपने देखे जाते थे अब वह नहीं पूरे होंगे परिश्रम करके प्रयास करके कोई आगे बढ़ सकता है, लेकिन गलत रास्ते पर चल करके कोई आगे बढ़ेगा तो निश्चित तौर पर उसके खिलाफ कार्रवाई देश की सरकार भी और प्रदेश की सरकार भी कर रही है। आपने किसान की बात कही थी मैं एक लाइन बोल रहा हूँ जिसका आप स्वागत कर दें तो अच्छा रहेगा। छोटे-छोटे किसान और

हम जिस परिवार से आते हैं हमारे पिता जी के पास एक एकड़ जमीन भी नहीं थी, लेकिन जो पांच व दस विस्वा जमीन वाले पूर्वांचल के जो सदस्य इधर-उधर दोनों तरफ बैठे हैं बताइये छोटी-छोटी जोत वाले किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के रूप में दो-दो हजार की तीन किस्त के माध्यम से 6 हजार वर्ष में जिनको जाता है आप एक बार उनकी भी प्रशंसा कर देते, लेकिन आप प्रशंसा नहीं कर सकते हैं, क्योंकि किसानों का भला आप नहीं चाहते हैं बस किसानों के नाम पर राजनीति करना या सरकार को बदनाम करने का काम आप लोग करते हैं और यह सब आपका तरीका फेल हो गया है। मैं आपसे यही चाहूंगा कि जो अच्छे काम हों मैं अध्यक्ष जी के माध्यम से निवेदन करना चाहता हूँ अच्छे काम को अच्छा कहने का भी नेता प्रतिपक्ष और हमारे विपक्ष के सभी सदस्य स्वभाव बनायेंगे तो अच्छा रहेगा और हमारी सरकार अच्छा काम कर रही है और आदरणीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में अच्छा काम करेगी और पिछड़ों के दलितों के मामले में समझौता हुआ है न समझौता होगा। आप गलत बातें जनता में फैलाने की कोशिश न करें। यहीं मैं अपनी वाणी को विराम देता हूँ। धन्यवाद।

श्री मनोज कुमार पाण्डेय-

मा0 अध्यक्ष जी, मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर नेता प्रतिपक्ष के द्वारा दिये गये भाषण पर कहना चाहता हूँ। महामहिम राज्यपाल द्वारा इस सदन में पढ़े गये अभिभाषण में जो बातें कही गयी हैं शायद वो उत्तर प्रदेश की जमीनी हकीकत हैं उससे बहुत परे है आज प्रदेश में किसान एक बड़े संकट से गुजर रहा है। आज हम जिस देश में रहते हैं और जिस राज्य में रहते हैं यह राज्य और देश किसानों का राज्य रहा है आज भी इस देश में और प्रदेश में 68 फीसदी से ज्यादा लोग कृषि कार्य पर निर्भर हैं कृषि उनका मुख्य व्यवसाय है, लेकिन अगर हम देखें जो तमाम सरकारी आंकड़े भी और जो जमीनी हकीकत भी है, आज उत्तर प्रदेश का किसान एक बड़े संकट से गुजर रहा है और वह संकट केवल एक तरफ का नहीं है वह आर्थिक संकट नहीं है, बल्कि वह अनेकों प्रकार के संकट से किसान गुजर रहा है, आज स्थिति यह है कि किसान को उसके उत्पादन का मूल्य नहीं मिल रहा है। जब महंगी खाद और महंगी बिजली, महंगा बीज लेने के बाद जब उत्तर प्रदेश का किसान अपने उत्पादन को पैदा करने के लिए मेहनत करता है तो उस समय बड़ी समस्या आती है आवारा पशुओं की।

मैं समझता हूँ कि आजाद हिन्दुस्तान में कभी भी किसान ने यह कल्पना नहीं की थी कि किसानों के सामने एक दिन ऐसा आयेगा कि धरती माता के सीने में हल चलाकर वह जो उपज पैदा करेगा उसकी रक्षा के लिए न सिर्फ उसको, बल्कि उसकी पत्नी, उसके बच्चों और उसके बूढ़े माता-पिता को भी रखवाली और चौकीदारी में खड़ा होना पड़ेगा। इन सबके बाद जब उसकी उपज पैदा होती है तो उसका सही मूल्य उसे नहीं मिल पाता है। सरकार चाहे जितनी बड़ी-बड़ी बातें कर ले और चाहे जितने बड़े-बड़े दावे कर ले, लेकिन आज हम कह सकते हैं कि जिस एम0एस0पी0 पर पूरे देश में लड़ाई चली, आन्दोलन हुये और बड़ी चर्चा हुई उसके बाद भी आज किसान को उसके उत्पादन का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है। चाहे गेहूँ

खरीद की बात हो, चाहे धान खरीद की बात हो, आज चारो तरफ बिचौलिये हावी हैं और किसान को उसकी लागत का सही मूल्य नहीं मिल पा रहा है। मैं कहना चाहता हूँ कि यह एक सरकारी एजेन्सी की रिपोर्ट है। प्रदेश सरकार ने मुख्य मंत्री निराश्रित गौवंश सहभागिता योजना को मंजूरी दी थी। इस योजना के तहत प्रदेश सरकार आवारा पशुओं को पालने वालों को प्रतिदिन 30 रुपये देती है। इस योजना पर प्रदेश सरकार ने लगभग 109 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान लगाया था। इण्डिया स्टेट में छपी एक रिपोर्ट के अनुसार दिनांक 25 सितम्बर, 2021 तक कुल 53522 लोगों को कुल 98205 गौवंश दिये गये। उसी रिपोर्ट में यह बात भी लिखी है कि इतने गौवंश देने के बाद भी आज उत्तर प्रदेश में लगभग 3896000 गौवंश की संख्या शेष है जो लगातार उत्तर प्रदेश के किसानों की खेती को नष्ट करने का काम कर रहे है। अगर आप इन दोनों की तुलना करें तो गौवंश पर जो काम किये गये है वह ऊँट के मुंह में जीरा साबित हो रहे हैं। जहां एक तरफ विश्वव्यापी कोविड की महामारी आई और पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था खराब हो गई। भारत की भी अर्थव्यवस्था पर उसका असर हुआ था तो हम गर्व से कह सकते हैं कि अगर उस अर्थव्यवस्था को बचाने का किसी ने काम किया है तो उत्तर प्रदेश के किसानों ने किया है, लेकिन आज उत्तर प्रदेश का किसान अपने को ठगा महसूस कर रहा है। जिस सरकार ने अपने एजेण्डे में कहा हो कि हम राजकीय नलकूपों की सिंचाई माफ कर देंगे और हम बिजली का बिल माफ कर देंगे। आज अगर हम ऊर्जा की बात करें तो मा0 ऊर्जा मंत्री जी यहां पर बैठे हुये है मा0 मंत्री जी ने बड़ी-बड़ी बातें प्रश्नों के उत्तर में कही है, लेकिन मा0 ऊर्जा मंत्री जी हमको और आपको जमीनी हकीकत से वाकिफ होना पड़ेगा। आज हम विपक्ष में चुनकर बैठे हैं और हमें विपक्ष का जनादेश मिला है। आपको थोड़ा सा ज्यादा वोट प्रतिशत मिल गया तो आप सत्ता में बैठे हैं।

आज बिजली के बिलों की क्या स्थिति है। जनपद में अधिशाषी अभियन्ता ने अपने अधीन दस-दस नकली अधिशाषी अभियन्ता बना रखे हैं। आज जे0ई0 अपने पन्द्रह लोगों को भेजकर जिस तरह से गरीबों से वसूली कर रहा है वह किसी से छिपा नहीं है। जनपद रायबरेली में आपके विभाग ने ऊँचाहार में जांच कराई थी तो वहां पर पाया गया कि 37 परसेण्ट गलत बिल बनाये गये हैं। हमारे यहां जगतपुर में उर्वा ग्राम जहां एक व्यक्ति कच्चे मकान में रहता है उसे आज भी प्रधानमंत्री आवास नहीं मिला है। बिजली विभाग ने उसको एक करोड़ छह लाख रुपये का बिल भेजा है जिसके कनेक्शन की तारीख केवल 19 दिन की थी। जब वह बेचारा गरीब किसान बिजली विभाग में पहुँचा तो वहाँ का जे0ई0 कह रहा था कि दस हजार रुपये दे दीजिये हम आपका बिल ठीक कर देंगे। वर्ष 2017-2022 के पिछले कार्यकाल और इस नये सदन के गठित होने के बाद उत्तर प्रदेश में एक भी नया सब-स्टेशन नहीं बना है, एक भी नई यूनिट नहीं बनी है। आप यहां से शिड्यूल भेजते हैं लेकिन प्रदेश के सभी जिलों और कस्बों में अघोषित बिजली कटौती की जा रही है जिसका जवाब कहीं न कहीं सरकार को देना होगा। आज अघोषित बिजली कटौती की स्थिति बहुत खराब है। सरकार कहती है कि हम

16 घण्टे बिजली दे रहे हैं लेकिन जमीनी हकीकत है कि आज सिर्फ छः घण्टे और सात घण्टे बिजली मिल पा रही है आज किसान, मजदूर और गरीब एक बड़े संकट से गुजर रहा है। हम बात करें बेरोजगारी की तो यह एक रिपोर्ट मेरे पास है।

(इस समय अपरान्ह 03 बजकर 10 मिनट पर अधिष्ठाता श्री मनीष असीजा पीठासीन हुए)

जिसमें माहवार दिया है। उत्तर प्रदेश में लगातार हर माह बेरोजगारी की दर बढ़ रही है। यह एक चिंता का विषय है। सत्ता में बैठे हुये लोगों को इसको एक चुनौती के रूप में देखना चाहिए। अगर हम देश के तमाम राज्यों से तुलना करें तो सबसे ज्यादा बेरोजगारी की दर उत्तर प्रदेश में है। दुख इस बात का है कि एक पढ़ा-लिखा नौजवान जिसके बूढ़े माता-पिता हैं जिन्होंने इस अपेक्षा से और अरमान से अपने बेटे को पढ़ाया था कि बेटा पढ़-लिख कर हमारे बुढ़ापे की लाठी बनेगा। आज वह निराश बेरोजगार नौजवान जब आत्महत्या के लिए फांसी के फंदे पर जाता है तो केवल एक व्यक्ति नहीं होता है बल्कि उत्तर प्रदेश का वह नौजवान कहीं न कहीं मौत के आगोश में जाता है। सरकार को इस पर चिंता करनी होगी और सरकार को इस पर जवाब भी देना होगा। अभी सिंचाई पर चर्चा हो रही थी। मैं महामहिम राज्यपाल जी का अभिभाषण पढ़ रहा था। सिंचाई की तमाम योजनायें बतायी लेकिन मैं कहना चाहता हूँ कि आज स्थिति यह है कि मैंने इसको प्रश्न के माध्यम से भी सदन में लाने का काम किया। रायबरेली के रोहनिया ब्लाक में एक बकुलाई नाला जो रायबरेली से प्रतापगढ़ तक जाता है। प्रतापगढ़ की सई नदी में गिरता है।

हमारी सरकार ने वर्ष 2016 में 22 करोड़ रुपये के बजट का प्राविधान किया था। वर्ष 2017 में हमारी सरकार नहीं बनी। नाले का वह टेण्डर निरस्त कर दिया गया। हमारी गलती हो सकती है कि जनता हमको वहाँ से चुनकर भेजती है लेकिन रायबरेली से लेकर प्रतापगढ़ तक यह मैं नहीं कह रहा हूँ बल्कि सिंचाई विभाग की सर्वे रिपोर्ट है कि 63 हजार हे0 कृषि योग्य भूमि परती पड़ी है। आज जब ऊर्जा पर बात होती है। ऊँचाहार जो हमारा विधान सभा क्षेत्र है। 47 किमी0 दूर अमावा के केन्द्र से बिजली दी जा रही है। हमारी सरकार में सर्वे हो गया था। प्रशासनिक स्वीकृति 132 की हो गयी थी और इसी सदन में हमने नियम 56 के अन्तर्गत मामला उठाया था। तत्कालीन ऊर्जा मंत्री मा0 श्रीकान्त शर्मा जी ने यहाँ स्वीकृति दिया था कि छः महीने में हम 132 का बिजलीघर वहाँ बहुत जल्द दे देंगे। बिजली विभाग की टेक्निकल टीम गयी थी उसने भी अपने सर्वे में इसको सत्यापित किया था। लेकिन आज डेढ़ साल हो जाने के बाद भी 132 पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। मैंने मा0 मंत्री जी से भी व्यक्तिगत रूप से इस पर अनुरोध किया था। इसलिए मैं आज कहना चाहता हूँ कि चाहे कानून व्यवस्था का सवाल हो, चाहे किसानों का सवाल हो, बातें बड़ी-बड़ी की जा सकती हैं लेकिन आज सच्चाई यह है कि वर्ष 2012-2017 तक आदरणीय श्री अखिलेश यादव जी की सरकार के मुकाबले आज की सरकार में पांच प्रतिशत काम भी किसी भी विभाग में नहीं हुआ है और

मैं महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में अपने नेता द्वारा कही बातों से अपने को सम्बद्ध करता हूँ आपका बहुत-बहुत धन्यवाद और बहुत-बहुत आभार।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

मा0 अधिष्ठाता जी, आपने महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने के लिए मौका दिया इसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मान्यवर, मैंने भी महामहिम को बैठकर पूरा सुना है। सबसे पहले मैं मा0 नेता प्रतिपक्ष ने जो बात कही है उनके विचारों से अपने को सम्बद्ध करता हूँ। महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण में बड़ी चर्चा हुयी और सुना भी कि जब एक देश एक टैक्स की बात हो रही है, एक देश एक राशन कार्ड की बात हो रही है तो एक देश एक समान शिक्षा की बात क्यों नहीं हो रही हैं। मा0 अधिठाता महोदय, समान शिक्षा की बात क्यों नहीं हो रही हैं। जबकि आज शिक्षा की जरूरत है। शिक्षा इतनी महंगी होती जा रही है कि गरीबों से शिक्षा दूर होती जा रही है। आज उत्तर प्रदेश एवं देश में एक समान अनिवार्य और फ्री शिक्षा की जरूरत है। दूसरी बात स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर स्मार्ट फोन व टैबलेट बांटे गये। उनके विचार थे कि अगर फ्री देना है तो शिक्षा फ्री दो, इलाज फ्री दो। हम चाहेंगे कि सरकार को इसका संज्ञान लेना चाहिए। अगर स्वर्गीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर टैबलेट एवं स्मार्ट फोन बांट रहे हैं तो शिक्षा को भी अमल में आना चाहिए। आज उत्तर प्रदेश में जातियों की गिनती नहीं है। सन् 1931 में जातिवार जनगणना हुई थी, जबकि हर 10 साल पर जातिवार जनगणना होती है लेकिन सन् 1931 के बाद एक बार भी जातिवार जनगणना नहीं हुई है। आज जातिवार जनगणना कराने की जरूरत है। जब विपक्ष के लोग बोलते हैं तो सत्तापक्ष के लोग गुस्सा जाते हैं। मैं भी गांव में आता हूँ। निश्चित है कि 02 करोड़ 61 लाख शौचालय कागज पर बने हैं लेकिन अगर आप गांवों में बने शौचालयों को देखेंगे तो आप पायेंगे कि किसी शौचालय का दरवाजा नहीं है, किसी शौचालय की छत नहीं है या तो उस शौचालय में कुत्ते बैठते है या फिर उसमें बकरी बांधते है या फिर उसमें भूसा रखते हैं। 90 प्रतिशत शौचालय उपयोग में नहीं हैं। सरकार उनको दिखवा ले तो समझ में आ जायेगा कि गांवों में जो शौचालय का ढिढोंरा पीट रहे हैं उनको देख लें।

मैं आपका ध्यान सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट की ओर आकृष्ट करना चाहूँगा। अभी हमारे मा0 डिप्टी सी0एम0 बहुत पिछड़ा-पिछड़ा कर रहे थे और मैं सुन रहा था। पिछड़े वर्ग के साथ धोखा, वर्ष 1953 में काका कालेलकर आयोग बना वर्ष 1955 में रिपोर्ट आई और वह रिपोर्ट 28 साल तक रद्दी की टोकरी में पड़ी रही। फिर 1977 में जनता पार्टी की सरकार आती है, वर्ष 1979 में काका कालेलकर आयोग को पुराना कहकर रद्दी की टोकरी में डाल दिया जाता है। वर्ष 1979 में मण्डल आयोग का गठन होता है, वर्ष 1980 में रिपोर्ट आ जाती है। 10 साल वह भी रद्दी की टोकरी में पड़ी रहती है। फिर उसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री कल्याण सिंह जी बनते हैं, उसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी बनते है और हाईकोर्ट के आदेश दिनांक 27 अगस्त, 2020 पर उन्होंने सभी राज्यों को पिछड़े

वर्ग के लिए 27 प्रतिशत आरक्षण देने का आदेश दिया। उस कड़ी में मा0 संसदीय कार्य मंत्री श्री हुकुम सिंह जी के नेतृत्व में सामाजिक न्याय समिति का गठन हुआ। दिनांक 13-03-2022 को हाईकोर्ट ने एक आदेश जारी किया है। "टू डिस्कस डिसप्यूट ऑफ इनक्लूशन फॉर भर/राजभर कम्यूनिटी एन एस0सी0/एस0टी0 लिस्ट" हाईकोर्ट ने भर/राजभर जाति को अनुसूचित जाति में शामिल करने का एक आदेश दिनांक 11-03-2022 को दिया है लेकिन सरकार का इस पर ध्यान नहीं है कि दो महीने के अन्दर शामिल करके मुझे बताया जाये, ठीक उसी तरह यह हुआ जिस तरह हाईकोर्ट के आदेश पर 27 प्रतिशत आरक्षण के विभाजन की बात आई थी। संसदीय कार्यमंत्री श्री हुकुम सिंह के नेतृत्व में सामाजिक न्याय समिति बनी। दिनांक 08 अक्टूबर, 2001 को उसकी रिपोर्ट भी आ गयी 17 साल तक वह रिपोर्ट भी रद्दी की टोकरी में रही और 17 साल बाद जब मैं पिछली सरकार में उस गोल में था, तो माननीय पूर्व न्यायधीश राघवेंद्र जी के नेतृत्व में 2 मई, 2018 में एक कमेटी सामाजिक न्याय समिति की रिपोर्ट लागू करने के लिए बनी। दिनांक 30 अक्टूबर, 2018 को रिपोर्ट आ जाती है और चार सालों तक इसी सदन में नेता सदन ने भी कहा था, संसदीय कार्यमंत्री जी ने भी कहा था और अधिष्ठाता महोदय जो पूर्व के अध्यक्ष महोदय थे उन्होंने भी कहा था कि सरकार इसको करेगी लेकिन आज तक वह रद्दी की टोकरी में पड़ा है। बड़ी चर्चा पिछड़ों की लोग करते हैं, अभी हमारे उप मुख्य मंत्री जी बड़ी चर्चा कर रहे थे, 69000 शिक्षक भर्ती हुई उसके विषय में मैं नहीं कह रहा हूँ, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट है कि पिछड़ों का 27 प्रतिशत आरक्षण और दलितों का 22.5 प्रतिशत आरक्षण लूटा गया है। यह हमारे डिप्टी सी0एम0 महोदय को नहीं दिखाई देगा, इस नाते नहीं दिखाई देगा क्योंकि जिस दिन उस पर सवाल उठा देंगे उस दिन उनका बोरिया-बिस्तर भी भारतीय जनता पार्टी से उठ जाएगा। पिछड़ों के नाम पर वोट लेना-देना अलग बात है लेकिन उनके अधिकारों पर जब चर्चा करने की बात आती है तब कोई बोलता नहीं है। मैं आज इस सदन में पांच साल से कह रहा हूँ और छठवां साल शुरू हो गया है लेकिन इस बात का संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। बहुत चर्चा हो रही है कि दिव्यांगजन की पेंशन बढ़ी है। अरे जेकरे तले आंख है, नाक है, हाथ है, गोड़ है नकुला है ओके एक हजार दे रहे हो तो अच्छी बात है लेकिन जेकरे तले न आंख बा, न नाक बा, न हाथ बा, न गोड़ बा, न नकुला बा, बहू के एक हजार। अरे कम-से-कम इसे दिव्यांगों के लिए दो हजार तो करना ही चाहिए।

यहां कौन-सी बराबरी की बात करते है और रही बात कानून-व्यवस्था की। का कहा जाय किसी शायर ने लिखा है, न खाता न बही जौन भाजपा कहै वही सही। कानून व्यवस्था ठीक करने की जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की है। मैंने सुना और सुनुँगा भी, माननीय मुख्य मंत्री जी को सुनुँगा, डिप्टी सी0एम0 साहब को भी सुना और हमारे तमाम साथियों की बात को भी सुना। आज कोई भी व्यक्ति सदन में पुलिस के कल्याण के लिए कोई बात नहीं करता है। आज उत्तर प्रदेश के किसी भी थाने में साइकिल नहीं है लेकिन 300 रुपये साइकिल एलाउंस दिया

जाता है। जबकि मोटरसाइकिल है और मोटरसाइकिल एक दिन में कम-से-कम 100 रुपया का पेट्रोल लेती होगी, आज पेट्रोल 100 रुपया लीटर पेट्रोल हो गया है तो कम-से-कम तीन हजार रुपया हर महीने का बनता है। उनको तीन हजार रुपया दिया जाये। पुलिस को वर्दी भत्ता दिया जाये, उनका पौष्टिक आहार भत्ता बढ़ाया जाये। जो वर्दी भत्ता देते हैं उसमें भी कम-से-कम एक हजार रुपये की बढ़ोत्तरी हो।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, कृपया भाषण पूरा करिए।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, अगर आप कह रहे है तो नहीं बोलूंगा।

श्री अधिष्ठाता-

जो व्यवस्था है उसके बारे में मैं आपको और सम्मानित सदन को सूचित करना चाह रहा हूँ कि सभी दलों के नेताओं के लिए 10-10 मिनट बोलने के लिए दिया गया है।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

मान्यवर, हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, अगर सबको हमारे साथ ही जोड़ेंगे तो हम भी जाकर पीछे बैठें और अभी तो 8 मिनट ही हुआ है, घड़ियां हम देख ही रहे हैं। इधर जो घड़ियां लगी हैं वो गड़बड़ा रही हैं, ये तो रुक-रुक कर चल रही है। (हंसी) कभी ज्यादा तेज चल जा रही है, कभी रुक जा रही है।

श्री अधिष्ठाता-

आप नेता है, आप एक-दो मिनट में पूरा करिए।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

ठीक है, साहब। आज पुलिस विभाग के लोगों के लिए गृह जनपद के बगल के मण्डल में नियुक्ति करके उनके लिए भी परिवार में आने-जाने की व्यवस्था बनाई जाती तो बेहतर होता लेकिन आज कानून व्यवस्था पर बहुत ढिंढोरा पीटा जा रहा है, थानों पर पिछड़े, दलित, वंचित को जाति पूछ कर सरकार के इशारे पर गाली दिया जा रहा है। सरकार के इशारे पर पुलिस काम करती है। थाने पर गाली दिया जा रहा है, भगाया जा रहा है, एफआईआर नहीं हो रही हैं। फर्जी केसों में फँसा करके गरीब, पिछड़ों, कमजोर, दलित, वंचित, अल्पसंख्यक के ऊपर जुल्म ज्यादती बड़े पैमाने पर हो रही हैं। लेकिन सदन में बैठे हुए हमारे बड़के भैया लोग, जो खास तौर से पिछड़े समाज के लोग हैं, नहीं मानते हैं और आज आरक्षण के नाम पर बड़ी चर्चा होती है कि 17 जाति को आरक्षण मिल जायेगा, 05 साल तो हम रहे सदन में ये भी 05 साल बीतेगा, लेकिन इन पिछड़े समाज के लोगों को आरक्षण देने के बजाय उनका हिस्सा लूटने का काम किया जा रहा है, उनका अधिकार लूटने का काम किया जा रहा है। (विपक्ष के सदस्यों ने मेजे थपथपाईं)।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अपनी बात पूरी करें। आपसे अनुरोध है कि आप लोग व्यवस्था के अनुसार बोलें।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

अधिष्ठाता जी आप कहते हैं तो मैं समाप्त कर रहा हूँ हम व्यवस्था का पालन करते हैं, लेकिन व्यवस्था केवल इधर ही नहीं करिएगा, उधर भी करिएगा।

श्री अधिष्ठाता-

जी, जरूर करेंगे।

श्री ओम प्रकाश राजभर-

मै समाप्त कर रहा हूँ, अधिष्ठाता जी, महामहिम राज्यपाल महोदय द्वारा जो अभिभाषण पढ़वाया गया, वह पूरा झूठ का पुलिन्दा रहा है, उसमें कोई दम नहीं है, वह तो जो भी सरकार बना कर देती है, वही पढ़ा जाता है। जो सच्चाई है, पिछड़े, दलित, वंचित, अल्पसंख्यक के ऊपर बड़े पैमाने पर जुल्म ज्यादती, अत्याचार हो रहा है, उनका हिस्सा लुटा जा रहा है, 17 जातियों को बेवकूफ बनाया जा रहा है, उनको आरक्षण देने के लिए सरकार भाग रही है, उनको आरक्षण देने से कतरा रही है। इसी बात को कहते हुए हम आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देते हुए अपनी वाणी को विराम देते हैं।

श्री राजपाल सिंह बालियान-

माननीय अधिष्ठाता जी, मुझे आपने राज्यपाल के अभिभाषण की चर्चा पर बोलने का अवसर दिया मैं आपका आभारी हूँ। श्री राज्यपाल जी द्वारा सदन में दिए गए अभिभाषण में मैं निम्नलिखित उल्लेख करता हूँ। राज्यपाल जी के अभिभाषण में गन्ने का भुगतान किए जाने का वर्णन किया गया है लेकिन बकाया गन्ना भुगतान का कोई समय नहीं बताया और न उसकी रकम को बताया। छुट्टा पशुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए गाँव स्तर पर अतिरिक्त गौशालाएँ बढ़ाने के कार्य का प्राविधान भी नहीं किया गया। गौशालाओं में गायों के चारे की व्यवस्था केवल 30 रुपये प्रति पशु की गयी है, जो बहुत कम है, उसको भी बढ़ाने का काम सरकार को करना चाहिए। चुनाव से पूर्व सहकारी चीनी मिलों के विस्तारीकरण के लिए सरकार ने वायदा किया था, लेकिन उनका विस्तारीकरण नहीं हुआ। राज्यपाल जी खुद महिला हैं, महिलाओं की सुरक्षा के उपाय होने चाहिए। एन0सी0आर0वी0 के आँकड़ों में उत्तर प्रदेश का सर्वोच्च स्थान है, हमें उम्मीद है कि इसमें सुधार होगा। प्रदेश के किसानों को मुफ्त सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराये जाने हेतु 34307 राजकीय नलकूपों का उल्लेख अभिभाषण में किया गया है, लेकिन वर्तमान में यह नहीं बताया गया कि कितने नलकूप चालू हैं और कितने नलकूप खराब हैं। अधिकतर नलकूप खराब अवस्था में हैं, जर्जर अवस्था में हैं, उन्हें ठीक कराया जाना

चाहिए। जल जीवन मिशन के अन्तर्गत ग्रामीण पेयजल आपूर्ति हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम का संचालन किए जाने का उल्लेख अभिभाषण में किया गया है, किन्तु वर्ष 2022-23 में 73.06 लाख क्रियाशील गृह नल योजन का जनपदवार उल्लेख नहीं किया गया है। महोदय, राज्यपाल के अभिभाषण में प्रदेश की सरकार की उपलब्धियाँ, कानून-व्यवस्था, कानून का राज स्थापित करने की बात कही जा रही है, जबकि धरातल पर इसके बिल्कुल विपरीत है। मैं आपके माध्यम से सरकार से पूछना चाहता हूँ कि युवाओं को रोजगार देने के नाम पर सरकार द्वारा क्या किया गया ? कानून का राज, भयमुक्त वातावरण जैसी बातें सरकार की दिखावा मात्र है, वह कहने में बहुत अच्छी लगती हैं। लेकिन वस्तव में प्रदेश में अफसरशाही हावी है। थानों में मुकदमें नहीं लिखे जा रहे है और पुलिस विभाग द्वारा अतिक्रमण हटाने के नाम पर मनमानी की जा रही है। किसानों को सिंचाई के लिए पानी मुहैया कराने में सरकार पूरी तरह असफल है। प्रदेश में विद्युत व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो चुकी है। कही-कहीं महज चार या पांच घण्टे बिजली आती है जिसके कारण किसान नलकूप से सिंचाई पूरी तरह से नहीं कर पा रहा जिसके कारण किसान परेशान है। प्रदेश में सड़कों का रख-रखाव और मरम्मत सही तरीके से नहीं किया जा रहा है। प्रदेश की सड़कें पूरी तरह से गड्ढा युक्त और जर्जर हो चुकी हैं इसमें सुधार किया जाए। प्रदेश में बेरोजगारों की संख्या दिनों-दिन बढ़ती जा रही है। सरकार द्वारा बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराने हेतु कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। राज्यपाल जी के अभिभाषण पर आपने हमें बोलने का मौका दिया मैं आपका आभारी हूँ।

***श्रीमती अराधना मिश्रा मोना-**

मान्यवर महामहिम राज्यपाल महोदय का दिनांक 23 मई 2022 का अभिभाषण जनता के मुद्दे से ध्यान हटाकर गुमराह करने वाला रहा। छल, बल और परपंच के बल पर चल रही यह दिशाहीन सरकार के झूठे और खोखले वादे और दावों पर पर्दा डालने का प्रयास किया है इस अभिभाषण ने। अभिभाषण में न ही कोई सकारात्मक नजरिया पेश किया और न ही सरकार का कोई फ्यूचर प्लान दिखाई दिया और न ही किसी गंभीर मुद्दे पर सरकार ने चर्चा की। केवल झूठ की स्याही इस्तेमाल करके प्रदेश की जनता को भ्रमित करने की कोशिश की है और शायद यही वजह थी कि महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण 11 बजे शुरू होना था, लेकिन 4 मिनट विलम्ब से शुरू हुआ। मैं तो यही मानती हूँ कि महामहिम राज्यपाल एक बहुत ही राजनीतिक पारंगत महिला है और इस झूठ को सदन में बयान नहीं करना चाहती थी इसीलिए उनको मनाने में और उनको यहां तक लाने में सरकार का चार मिनट का समय बीत गया। आज जनता हर तरफ से मुसीबत से घिरी है और महंगाई, बेरोजगारी, अत्याचार चरम पर है। महिलाओं और बच्चियों पर अत्याचार चरम पर है। अब मैं आपका ध्यान कुछ गंभीर विषयों पर आकर्षित करना चाहती हूँ।

---

* वक्ता ने अभिभाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

आज सबसे बड़ी चुनौती स्वास्थ्य की है जो प्रदेश सरकार के सामने खड़ी है। हमने कोरोना काल में देखा कि किस तरह की चुनौतियां प्रदेश की जनता ने देखी। कितनी शर्म की बात है अधिष्ठाता महोदय कि लखनऊ में 17 करोड़ की दवाइयां एक्सपायर हो करके खराब हो गईं। उत्तर प्रदेश मेडिकल सप्लाई कॉरपोरेशन में जब जांच हुई तो साढ़े छः करोड़ की दवाईयां वहां एक्सपायर मिलीं और लोहिया अस्पताल जो बड़ा प्रतिष्ठित संस्थान है वहां पर 50 लाख की दवाईयां एक्सपायर मिलीं। अगर यह दवाई किसी गरीब को मिल गई होती तो समय से कितने लोगों का इससे स्वास्थ्य लाभ हुआ होता। क्या यह जनता के टैक्स से वसूला जा रहा है टैक्स का क्या दुरुपयोग नहीं है। जो कॉरपोरेशन बना है वह भी पांच साल पहले इसी सरकार में बना है और लगतार पांच साल तक यह व्यवस्था वहां पर होती रही है। वहां पर दवाईयां इकट्ठी होती रहीं और एक्सपायर होती रहीं और सरकार की जानकारी में यह सब बातें नहीं आई। करोड़ों की दवाईयां खराब हुई हैं। मैं यह सवाल पूछना चाहती हूँ कि आखिर इसका जिम्मेदार कौन है और सरकार ने इस पर क्या कार्यवाई की ? जो नुकसान हुआ, जनता का नुकसान हुआ, सरकार का नुकसान हुआ, क्या सरकार अपने सिस्टम को दुरुस्त करने के लिए, गड़बड़ियों को दूर करने के लिए इस अभिभाषण में क्या हमें कोई मास्टर प्लान दिखाई पड़ा ? चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अगर हम बात करें तो लगभग 5732 के करीब डॉक्टरों के पद खाली हैं। आज उत्तर प्रदेश में 18732 के सापेक्ष केवल 13000 डॉक्टरों की तैनाती है। पिछले पाँच साल भी यही सरकार थी, क्यों नहीं नियुक्तियाँ की गईं ?

अब एक नई योजना आई कि हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज होगा, बहुत अच्छी बात है। हम सब चाहते हैं कि हमारे जिले में मेडिकल कॉलेज बने, स्वास्थ्य सेवाएँ बेहतर हों। पर मैं पूछना चाहती हूँ कि उन मेडिकल कॉलेजों में छात्रों को पढ़ाने के लिए प्रोफेसर्स/डॉक्टर्स कहाँ से आएँगे और इलाज करने के लिए पैरा मेडिकल स्टाफ कहाँ से आएगा ? क्या सरकार ने इसका कोई रोड मैप तैयार किया है ? अगर किया है तो अभिभाषण में उसका जिक्र होना चाहिए था। बड़ा दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस बारे में सरकार ने उसमें कोई जवाब नहीं दिया। अधिष्ठाता महोदय, अगर हम लखनऊ की बात ले लें तो लखनऊ में केवल एक ट्रॉमा सेण्टर है जो के0जी0एम0सी0 में है और अगर किसी जिले में ट्रॉमा सेण्टर है भी तो हम सब लोग समझते हैं कि खासकर ग्रामीण क्षेत्रों के जो विधान सभा क्षेत्र हैं, वहाँ पर रात में अगर कोई दुर्घटना हो जाए तो कोई इलाज करने के लिए नहीं है। मैं पूछना चाहती हूँ कि के0जी0एम0सी0 के अलावा जो लखनऊ के अन्य अस्पताल हैं, जैसे लोहिया है और भी अस्पताल हैं तो क्या उनमें ट्रॉमा सेण्टर चलाने की सरकार की कोई योजना है और अगर है तो फिर सरकार को उसका रोड मैप इसमें तैयार करना चाहिए था।

श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-

मान्यवर, पी0जी0आई0 में है।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर, अभी मा0 मंत्री जी ने पी0जी0आई0 का जिक्र किया तो पी0जी0आई0 का ट्रॉमा सेण्टर 10 साल पहले बना था, वहाँ जब वह ट्रॉमा सेण्टर नहीं चला तो उसे के0जी0एम0सी0 को दे दिया गया। कुछ दिन के0जी0एम0सी0 ने उसे चलाया फिर उन्होंने कहा कि नहीं, हम इसे नहीं चला सकते और वह ट्रॉमा सेण्टर वापस पी0जी0आई0 को दे दिया गया और मैं आपको आंकड़ा भी दे देती हूँ कि आज की परिस्थिति में जो पहले 210 बेड का ट्रॉमा सेण्टर था, आज वहाँ केवल 50 बेड का ट्रॉमा सेण्टर चल रहा है। हम सब चाहते हैं और हम सब चाह रहे हैं कि वह ट्रॉमा सेण्टर चले उसकी वजह यह है कि आज लगभग 14-15 हजार का पुश फॉल के0जी0एम0सी0 के ट्रॉमा सेण्टर पर है। इस ट्रॉमा सेण्टर के चलने से वहाँ पर से यह लोड बॅटेगा। मैं तो कह रही हूँ कि आप सिविल हॉस्पिटल में, बलरामपुर हॉस्पिटल में, लोहिया में हर जगह ट्रॉमा सेण्टर चलाइए, ताकि लोगों का बेहतर इलाज हो सके। यह मेरा सुझाव भी है।

अगर हम आयुष्मान भारत की बात करें तो लगभग 08 लाख 29 हजार मरीजों को इसका लाभ मिला क्योंकि उसका सिस्टम इतना ज्यादा पेंचीदा कर दिया गया है कि सामान्य आदमी उसका लाभ नहीं उठा पा रहा है। मेरा कहना है कि सरकार की ओर से इस पर कहीं भी कोई गम्भीरता नजर नहीं आ रही है। इसको और सरल बनाना चाहिए। दूसरा जो आज सबसे बड़ा मुद्दा है, वह महंगाई है। पेट्रोल, डीजल, गैस, खाद्य तेल, दूध, दवा, फल, सब्जी ये सारी चीजें ऐसी हैं जिनके दाम कई गुना बढ़ गए हैं। सबसे बड़ा असर पेट्रोल, डीजल और गैस के दाम पर पड़ा। पेट्रोल और क्रूड ऑयल के दाम पर मैं आपका ध्यान आकर्षित करना चाहती हूँ। अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में क्रूड ऑयल का रेट 112 डालर प्रति बैरल है। वर्ष 2011 में यानी 11 साल पहले कूड ऑयल का दाम इतना ही था, पर पेट्रोल का दाम 66 रुपये प्रति लीटर था। लेकिन आज इसका रेट 100 रुपये से ऊपर कई महानगरों में है। सवाल यह है कि आखिर भाजपा सरकार जो डबल इंजन की सरकार है। यहां भी है, वहां भी है तो क्यों नहीं यह नीति लाती ? क्या प्राइवेट कम्पनियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार इस तरह से दाम बढ़ाती चली जाती फिर थोड़ा-सा कुछ कम कर देती है परन्तु उसका जो असर पड़ता है खासतौर से मध्यम वर्ग पर वह गलत है। माननीय अधिष्ठाता महोदय जिस तरह से महँगाई बढ़ी है, इसमें 9 प्रतिशत सब्जी के दाम, फल 23 प्रतिशत, दूध 5 प्रतिशत, मसाले, ईंधन और जो बिजली के दाम हैं, इसमें कठिनाई यह है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य अपनी दो मिनट में बात पूरी करें।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर उन्होंने कम समय बोला हो, वह समय थोड़ा हमें दे दीजिए, बोल लेने दीजिए। अधिष्ठाता महोदय, यह महंगाई का दाम जो बढ़ा, इसने मध्यम वर्ग की कमर तोड़ कर

रख दी है। सभी तरह के लोन का दाम भी बढ़ गया है, चाहे वह होम लोन हो, पर्सनल लोन हो, सभी में 15 से 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रदेश में सबसे बड़ी समस्या आज की तारीख में बेरोजगारी की है। यह आँकड़े मेरे नहीं है, जो भारत सरकार के आँकड़े है, उसमें 100 में से केवल 32 लोगों के पास उत्तर प्रदेश में रोजगार है। यह रिपोर्ट 'सेण्टर फॉर मॉनिटरिंग इण्डियन इकोनॉमी' की है। पिछले 5 साल से पहले भी आँकड़ा यही था परन्तु इन 5 सालों में लोगों को नौकरी और रोजगार नहीं मिला बल्कि और हट गया है। अभी 3 तारीख को फिर एक ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी है। मैं जानना चाहती हूँ कि पिछली जो 'ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी' हुई, जो 'इन्वेस्टर्स समिट' हुए उसमें सरकार लाखों-करोड़ों की बात कर रही है कि इन्वेस्टमेण्ट हुए हैं लेकिन नौकरी और रोजगार कितनों को मिला यह सरकार क्यों नहीं बता रही है। मैं मांग करती हूँ कि सरकार श्वेत पत्र जारी करे कि इन्वेस्टर्स समिट में और ग्राउण्ड ब्रेकिंग सेरेमनी में जो इन्वेस्टमेण्ट हुए हैं, उसमें सरकार ने कितने लोगों को रोजगार दिया।

आँगनबाड़ी, आशा बहु इनके लिए डब्लू0एच0ओ0 ने कहा कि इन्होंने कोविड काल में बहुत अच्छा काम किया। मैं मांग करती हूँ कि आशा बहू और आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए सरकार ने जो मानदेय बढ़ाया है, मैं उसकी सराहना करती हूँ परन्तु कम से कम 10 हजार रुपये इनका मानदेय होना चाहिए, यह मेरी मांग है। हमारे नेता प्रतिपक्ष ने भर्ती घोटाले और पेपर लीक की बात की। यह बड़ा ज्वलंत मुद्दा है, मैं भी इस विषय पर कहना चाहती हूँ कि सरकार ने 5 साल में नौकरियां तो नहीं दी परन्तु जो नौकरियों के लिए इम्तिहान हुए, उनमें बार-बार पेपर लीक हुए। इसकी पूरी लिस्ट है कि कब-कब, कहां-कहां ऐसा हुआ, मैं उसको दोहराना नहीं चाहती परन्तु मैं इतना जरूर कहना चाहती हूँ कि अगर नौजवान रोजगार मांग रहा है तो उसको लाठियां नहीं मिलनी चाहिए। अधिष्ठाता महोदय, प्रयागराज में जो घटना हुई है, वह दुःखद है। नौजवानों पर जो बेरोजगारी के नाम पर धरना-प्रदर्शन कर रहे थे, पहली बार डेलिगेशन में घुस कर उनको पुलिस ने मारा है। मान्यवर, मैं अन्त में इतना कहना चाहूंगी कि लॉ एण्ड आर्डर एक बड़ा मुद्दा है, बेटियों की सुरक्षा एक बड़ा मुद्दा है। जिस तरह से सारे आँकड़े पेश किये गये हैं, मैं उनको नहीं दोहराना चाहती लेकिन मैं कुछ घटनाओं पर आपका ध्यान आकृष्ट जरूर करूंगी। प्रयागराज में, यह मेरी जन्मभूमि भी है, यहां पिछले 5 वर्षों में 2017 से लेकर 2022 तक 18 घटनाएँ ऐसी हुई हैं। जिसमें 12 घटनाएँ सामूहिक हत्याकांड की हुई हैं। इन सभी घटनाओं में लगभग 35 लोग मारे गये। सभी परिवारों में सामूहिक हत्याकांड हुआ है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्या आपका समय हो गया है।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मान्यवर सरकार को इसमें एक समिति बनाकर जांच करनी चाहिए।

श्री अधिष्ठाता-

अब आपका हो गया, धन्यवाद।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

अन्त में तदर्थ शिक्षिकों का एक विषय है। मान्यवर, बहुत से शिक्षक लगभग 2 हजार के आस-पास है, यह बेरोजगार होने जा रहे हैं। सरकार की जो नीति आयी है, उसमें अगर यह बेरोजगार हो गये तो क्या होगा ? यह लगभग रिटायरमेण्ट की ऐज पर है, कोई बेटी की शादी के लिए लोन ले चुका है, कोई अपने परिवार के भरण-पोषण के लिए लोन ले चुका है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्या, आप नेता हैं, सहयोग करें। अब समाप्त करें।

श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना'-

मैं अनुरोध करूंगी कि सरकार इनके लिए सर्वोच्च न्यायालय के अनुरूप जो निर्णय है, उसमें इनके लिए कोई न कोई रास्ता निकाला जाये ताकि इनकी नौकरी सुरक्षित हो। अन्त में, आपने भी ये विषय हमेशा उठाया है, मुझे भी उठा लेने दीजिये। हमेशा अगर महंगाई बढ़ी है तो सबके लिए बढ़ी है, विधायकों के लिए भी बढ़ी है। आज जो हमारी ढ़ाई करोड़ के आस-पास विधायक निधि है, उससे हम कोई निर्माण कार्य नहीं करा पाते, इसको बढ़ा करके कम-से-कम पाँच करोड़ करना चाहिए, ये मेरा आपसे अनुरोध है। बहुत-बहुत धन्यवाद।

(श्री उमाशंकर सिंह एवं श्री रघुराज प्रताप सिंह के अनुपस्थित होने पर)

मत्स्य मंत्री (श्री संजय निषाद)-

माननीय अधिष्ठाता महोदय आपकी अनुमति से मैं सरकार को बधाई दूंगा। पिछले 05 सालों में जनता के लिए इस प्रदेश के विकास के लिए जो काम हुआ उस पर चर्चा हो रही थी। मैं विपक्ष के लोगों को एक नसीहत देना चाहता हूँ, कि उत्तर प्रदेश का ये सदन पूरे देश में एक बड़ा सदन है उसमें माननीय राज्यपाल महोदया अभिभाषण दे रही हों और उनका विरोध किया जा रहा हो, आवाज दी जा रही हो, ये परम्परा बन्द होनी चाहिए। विरोध थोड़ी देर के लिए ही होता है, लिखित विरोध होना चाहिए विरोध को जिस तरीके से पेश किया गया ये परिपाटी बन्द होनी चाहिए। माननीय मोदी जी और माननीय योगी जी ने जो नीतियां बनायी हैं उसको हम लोग गांव में जनता में कहते रहे। पिछली सरकारों में अनाज गोदामों में सड़ रहा था और गरीब भूखों मर रहा था। माननीय मोदी जी और माननीय योगी जी ने उसी अनाज को जनता को दे दिया और जनता ने मोहर मार कर फिर से योगी जी की उत्तर प्रदेश में दोबारा सरकार बना दी। यही कांग्रेस की सरकार समाजवादी पार्टी के सहयोग से दिल्ली में चल रही थी। निषादों के लिए आरक्षण की बात जब उठी तो समाजवादी पार्टी के सारे सांसद वहां की राज्य सभा से विरोध करके बाहर आ गये और उन्हीं के सांसद विशम्भर प्रसाद जी आरक्षण के मुददे की आवाज उठा रहे थे। ये दोहरी नीति अपनाते हैं, यहां कहते हैं कि हम आरक्षण

देंगे। 17 जाति के नाम पर 70 साल से गुमराह किया जा रहा है। मैं धन्यवाद दूंगा मुख्य मंत्री जी को कि उन्होंने इन जातियों की तरफ चिन्ता की। 12 अक्टूबर, 1871 को अंग्रेजों ने कानून बनाकर इस देश को आजाद करने वाली जातियों को क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट प्रभावित करके उन्हें कानून बनाकर उजाड़ा था। देश 1947 में आजाद हुआ। 05 साल 16 दिन गुलाम थे, 31 अगस्त, 1952 को ऐसी 578 जातियों को आजादी मिली। विमुक्त जनजाति की सुविधा मिली तत्कालीन प्रधानमंत्री और तत्कालीन केन्द्रीय सचिव जो थे, उन्होंने कहा कि ऐसी जातियों को जनजाति की सुविधा देनी चाहिए। अनंतशयनम आयंगर कमेटी 1949-50 में बनी थी। क्रिमिनल ट्राइब्स एक्ट इन्क्वारी कमेटी ने कहा कि 578 जातियों की जो दशा है वो एस0सी0, एस0टी0 से भी खराब है, इनके पास न घर है, न द्वार है, न खेती है, न बाड़ी है। ये इस देश को आजाद कराने वाली जातियां हैं, इनके दरवाजे पर तामपत्र लगाना चाहिए इन्हें सम्मान देना चाहिए। माननीय अधिष्ठाता महोदय, पिछली सरकारों की गलत नीतियों के चलते 578 जातियों की आज यह दशा है। नदियों के किनारे रहने वाली इस देश को आजाद कराने वाली ये मछुआ समुदाय की जातियां हैं, इनके खिलाफ बहुत नाइन्साफी हुई है।

वर्ष 2013 में समाजवादी पार्टी की सरकार ने विमुक्त जनजाति को खत्म कर दिया कि इनके बच्चे को पढ़ना नहीं चाहिए, एस0सी0एस0टी0 के बराबर जो उन्हें सुविधा थी उसका इन्होंने वर्गीकरण कर दिया। पिछड़े में जिसका नाम होगा वह पिछड़े में रहेगा। जिस जाति में जो होगा वह उसमें ही रहेगा। माननीय अधिष्ठाता महोदय से कहूंगा कि उसकी जाँच होनी चाहिए, जिस अधिकारी ने इसे स्वीकृत किया है कि बिना केन्द्र में, बिना पार्लियामेण्ट में बहस हुए ऐसी जातियों को पिछड़ी जाति में कैसे डाल दिया गया ? जनगणना 1951 में नहीं हुई, 1961 में हुई एक सेंसेस मैनुअल 1961 आया, उत्तर प्रदेश में 1961 में जनगणना हुई कि केवट, मल्लाह को मझवार में गिना जाये। हमारे लोगों की गिनती भी उसमें होती रही है। 1981 तक हम लोग अनुसूचित जाति में गिने जाते रहे हैं। मझवार के सर्टीफिकेट पूरे प्रदेश में बने हुए हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में जो पिछली सरकार समाजवादी पार्टी की थी, उसने इनकी उपजातियों को गुमराह करके कि हम इन्हें अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र देंगे, उसको 17 जातियों में उलझाकर बर्बाद कर दिया गया, उनका नाम पिछड़े में डाल दिया गया। जब संविधान में राष्ट्रपति महोदय ने नोटीफिकेशन जारी कर दिया कि केवट मल्लाह, मझवार है तो केवट, मल्लाह को पिछड़ी जाति में डालना गैर संवैधानिक है। इस पर सदन को विचार करना चाहिए, पिछली सरकारों की गलतियों को समझना चाहिए और इन जातियों के साथ न्याय होना चाहिए।

अधिष्ठाता महोदय, इनके साथ और अन्याय हुआ कि समाजवादी पार्टी ने 31 दिसम्बर, 2016 में जाते-जाते इन जातियों को पिछड़ी जाति से निकाल दिया, राज्यपाल महोदय ने नोटीफिकेशन जारी कर दिया, अब यह जातियाँ पिछड़ी जाति में नहीं हैं, इनको मझवार के नाम से सर्टीफिकेट दिया जाए, जो केवट, मल्लाह लिखेगा, उसके खिलाफ मुकदमें होंगे, लेकिन गलती से इनकी सरकार थी, उस पर स्टे करा दिया और 17 पिछड़ी जातियों के

नाम में इनको उलझा दिया गया। हम सदन से माँग करते हैं कि यह जो जातियाँ हैं, यह न अनुसूचित जाति में हैं, न ही पिछड़ी जाति में हैं। 31 अगस्त, 2016 से जो भी सर्टीफिकेट बने हुए हैं, संविधान के मुताबिक, अगर इनका नाम निकाल दिया गया है तो उनकी व्यवस्था होनी चाहिए, उनको अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र तुरन्त उपलब्ध कराया जाना चाहिए। यह 5 साल से लटके हुए हैं और कोर्ट में यह लगा हुआ है, उसमें एफिडेविट नहीं जा रहा है। मैं धन्यवाद दूंगा, माननीय राज्यपाल महोदय को कि उन्होंने हमारे इस अनुसूचित जाति के और अनुसूचित जनजाति के बराबर जीवन यापन करने वाले या जो नादियों के किनारे हैं, उन्हें प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना में प्रधानमंत्री ने अवसर दिया है कि अगर वह इधर आते है तो उसमें 60 परसेण्ट महिलाओं को और अनुसूचित जातियों के लिए अनुदान है। लेकिन इनका नाम अनुसूचित जाति में नहीं है। जिनकी जाति के नाम से मंत्रालय बना हुआ है, जिनकी जाति के नाम से यह विभाग बना हुआ है, उनका नाम ही छोड़ दिया गया है, वह जुड़ना चाहिए। मैं माननीय अधिष्ठाता महोदय से चाहता हूँ कि इन जातियों के साथ न्याय किया जाये। इन्होंने देश को आजाद कराया है, जेल गये है। मान्यवर, कानून बनाकर इस सदन से ऐसी सारी जातियों को सम्मान देना चाहिए और शयनम आयंगर कमेटी की रिपोर्ट लागू होनी चाहिए। मैं सरकार को धन्यवाद दूंगा कि श्रृंगवेरपुर धाम जहाँ कभी भगवान राम ने निषादराज को गले लगाया था और निषाद ने अपनी सेना देकर श्रीलंका पर विजय प्राप्त करायी थी और रावणराज खत्म किया था, उसी तरीके से भारतीय जनता पार्टी, ने निषादराज के एक वंशज, डॉ0 संजय को अपने गले लगाया है और हमने भी अपनी सेना देकर जो पिछली सरकार थी, वह रावणराज खत्म करके दिखाया है। मैं ज्यादा नहीं कहूंगा, माननीय मोदी जी ने ध्यान दिया है, गरीबों के कल्याण के लिए उन्होंने योजनायें चलाई हैं और वह धरातल पर लागू हुई है। मैं आजमगढ़ का प्रभारी था तो एक ही बिरादर के 22 जे0ई0. पी0डब्ल्यू0डी0 डिपार्टमेण्ट में थे। क्या भेद-भाव होता था ? माननीय योगी जी को धन्यवाद कि उन्होंने बिना भेद-भाव के सारी योजनाओं को धरातल पर लागू कराया, सारी जातियाँ इससे लाभान्वित हैं। तो यही कहूँगा कि ऊपर अल्लाह, नीचे मल्लाह है। मुसलमान के भी बेटे का इलाज आज भारतीय जनता पार्टी कर रही है, मुसलमान का भी घर बना रही है। मुसलमान के भी बेटे को नौकरी दे रही है। इनके वहाँ किस तरीके से नंगा नाच होता था, उसको कहना नहीं चाहिए। मैं चाहता हूँ कि स्वस्थ सदन चले, स्वस्थ विचार हो, एक ऐसा कानून बने कि हर जाति, हर धर्म के लोग इस उत्तर प्रदेश में संविधान के मुताबिक बराबरी से रह सकें। मैं उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद दूँगा कि उसने जितनी योजनायें चलाई हैं, उन योजनाओं को धरातल पर भी लाई है। उत्तर प्रदेश की जनता ने दोबारा मुहर मारकर माननीय योगी आदित्यनाथ को कुर्सी पर बैठाया है।

माननीय अध्यक्ष जी, मैं अपने सभी साथियों को जनता को धन्यवाद दूंगा कि जिस तरीके से यह सरकार गरीबों के लिए कानून बना रही है, गरीबों के लिए चिंता कर रही है और बड़े से बड़े अपराधी आज इस तरीके से बुल्डोजर देख कर उत्तर प्रदेश से भाग रहे हैं

यह बहुत बड़ा विषय है और यह पूरे देश के लिए बहुत अच्छा सन्देश है कि अब गलती मत करो नहीं तो बुल्डोजर आ जायेगा। आज के दिन में जो भी बड़े से बड़ा रसूखदार होता है उसके खिलाफ भी माननीय योगी आदित्यनाथ जी जांच लिखते हैं अगर वह अपराधी पाया जाता तो कार्रवाई करके उसे जेल भेज देते हैं। मैं पुनः उत्तर प्रदेश सरकार को धन्यवाद दूंगा कि जो माननीय राज्यपाल महोदया ने अभिभाषण दिया उसमें कहा गया है कि आगे कौन-सा कार्य कैसे करना है। मुझे जो विभाग मिला है मत्स्य मंत्रालय उसमें मैं दिखाऊँगा कि उत्तर प्रदेश एक नम्बर का कैसे उत्तम प्रदेश बन रहा है। जिस तरीके से माननीय मोदी जी ने जो योजनायें दी हैं और माननीय योगी आदित्यनाथ जी ने जो योजना बनाई है उसमें 40 प्रतिशत गरीबों को, मछुवारों को अनुदान देकर उनके लिए भी व्यवस्था की है, इसके लिए मेरा समुदाय माननीय योगी आदित्यनाथ जी को बहुत-बहुत धन्यवाद देता है। मैं मत्स्य विभाग की तरफ से सदन को बताना चाहता हूँ कि हम सबसे पहले रोजगार का साधन देंगे, भोजन देगे और उत्तर प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने में सहयोग करेंगे। उत्तर प्रदेश में अंग्रेजो ने पट्टा नीति बना कर इस समुदाय की रोजी-रोटी पर डकैती डाली थी। एक ही जमीन सामान्य होगी, आधे पर अनुसूचित जाति का व्यक्ति होगा तो अनुसूचित जाति के नाम पर सरकार उसे मदद करती है उसका समाज में उत्थान करेंगे, लेकिन अगर उसमें पानी भर गया और मेरा समुदाय उस पर काम करने जायेगा तो उससे पट्टा लिया जायेगा और वह कमाकर सरकार को देगा यह अंग्रेजों ने नीति बनाई थी उसमें परिवर्तन होना चाहिए। टेंडर निकासी में दो निषादों को लड़ाया जाएगा और जो अधिक से अधिक कमा कर देगा उसको दिया जायेगा, इसमें भी परिवर्तन होना चाहिए। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना आई इसके लिए में माननीय मोदी जी को धन्यवाद दूंगा और माननीय अमित शाह जी को धन्यवाद दूंगा कि दिल्ली में कृषि मंत्रालय से मत्स्य मंत्रालय को अलग करके जो मत्स्य क्षेत्र में रहने वाले मत्स्य पालक चाहे किसी जाति धर्म के हो उनके लिए विशेष प्रावधान दिया कि रोजगार करके काम कर सकते है। आज के जो अधिकारी हैं वह ऊपर से तो कमल वाले हैं, लेकिन अन्दर से उनके अन्दर हाथी और साइकिल बैठा हुआ है तो आज के दिन मैं चाहूंगा कि ऐसे अधिकारियों के खिलाफ निर्देश जारी हो जाये कि इन गरीबों के लिए पहले काम किया जाये।

***श्री राम निवास वर्मा-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया मैं आपका आभारी हूँ। महामहिम राज्यपाल महोदया ने शासन की विकास परक नीति को प्रस्तुत किया है। माननीय राज्यपाल महोदया का अभिभाषण पूरे उत्तर प्रदेश की जनता के सामने एक सन्देश देने का काम करता है। माननीय राज्यपाल महोदया ने माननीय मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी की सरकार के द्वारा लोक कल्याणकारी कार्यों को

---

* वक्ता ने अभिभाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बहुत ही अच्छे तरीके से जिक्र किया है, उनके प्रति हम सभी हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। महामहिम राज्यपाल महोदया जी ने जो अपने अभिभाषण में कहा मैं उसका पूर्ण रूप से समर्थन करता हूँ। उत्तर प्रदेश की विकासशील जनता ने राष्ट्रवाद, सुशासन, सुरक्षा तथा विकास पर विश्वास करते हुये हमारी निषाद पार्टी गठबन्धन की सरकार को पुनः सेवा का अवसर प्रदान किया है। यह अवसर किसी सरकार को 27 वर्ष के बाद प्राप्त हो पाया है। जो यह सिद्ध करता है कि सरकार जन अपेक्षाओं पर पूरी तरह से खरी उतरी है। कानून के क्षेत्र में हमारी सरकार द्वारा जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाकर प्रदेश में अपराध मुक्त, भय मुक्त, अन्याय मुक्त वातावरण तथा कानून का राज स्थापित किया है।

चुस्त-दुरुस्त कानून व्यवस्था से नागरिकों में सुरक्षा की भावना सुदृढ़ हुई है। प्रदेश में विकास का माहौल बना तथा राज्य निवेशकों के लिए आवश्यक गंतव्य के तौर पर उभरा। हमारी सरकार के विगत पाँच साल के कार्यकाल के दौरान कॉविड जैसी वैश्विक महामारी आई और इस संकटकाल में सभी को मुफ्त टीकाकरण और खाद्यान्न को सभी जरूरतमंदों तक पहुंचाया गया। सरकार की लोक कल्याणकारी योजनाएं जैसे आवास एवं शौचालयों को समाज के अन्तिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाया गया। हमारे जनपद बहराइच में हमारी सरकार द्वारा महाराजा सुहेलदेव मेडिकल कॉलेज की स्थापना की गई जोकि एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। महाराजा सुहेलदेव राष्ट्रवीर की भूमि पर उनकी स्मृति में परम आदरणीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के निर्देशन में माननीय मुख्य मंत्री योगी जी महाराज द्वारा सुहेलदेव जी के भव्य स्मारक की आधारशिला रखी गई। आजादी के अमृत महोत्सव के वर्ष में ही इसका लोकार्पण माननीय प्रधानमंत्री जी और माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा सम्पन्न होने की पूर्ण आशा करता हूँ। हमारी सरकार द्वारा हमारे देवीपाटन मण्डल जनपद श्रावस्ती में विश्व बौद्ध तीर्थस्थल श्रावस्ती में हवाई अड्डे का पूर्ण विस्तार हुआ है और शीघ्र ही वहां से हवाई यातायात शुरू करने की योजना है। हमारे विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत माननीय प्रधानमंत्री जी एवं माननीय मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का सबसे बड़ा इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट अन्तर्राष्ट्रीय सीमा रुपईडीह में बन रहा है, इससे पूरे प्रदेश और देश के व्यापारियों को पड़ोसी देश नेपाल में व्यापार के व्यापक अवसर प्रदान होंगे। इसी के साथ मैं राज्यपाल जी के अभिभाषण और उत्तर प्रदेश सरकार के मुखिया माननीय योगी जी की सभी नीतियों के प्रति पूर्ण समर्थन व्यक्त करता हूँ, धन्यवाद।

श्री अवधेश प्रसाद-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने श्री राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर मुझे अपने बात रखने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ। मा0 राज्यपाल जी के 43 पृष्ठों के अभिभाषण को मैंने बहुत ही सम्यक ढंग से पढ़ने का काम किया है। यह धरातल से पूरी तरह से दूर है। जो बातें है सरासर जनता से उसका कोई सरोकार नहीं है। इसीलिए आपने देखा होगा कि जब राज्यपाल महोदया भाषण पढ़ने आई तो हम समाजवादी पार्टी के सदस्यों ने बड़ी मर्यादापूर्वक जो परम्पराएं है उसका पालन किया और अभी

माननीय नेता संजय निषाद जी बोल रहे थे और चिन्ता कर रहे थे कि उनके सामने विरोधी पक्ष ने अच्छा आचरण नहीं किया तो मान्यवर, हम लोगों ने उनका सम्मान किया, आदर किया, अगर कोई विरोध किसी तरह से मानते हैं तो जो वह पढ़ रही थी वह सरकार के द्वारा बनाया हुआ दस्तावेज था जिसका जनता से दूर-दूर तक कोई रिश्ता नहीं था उसका विरोध था, राज्यपाल जी का हम लोग स्वागत करते हैं। राज्यपाल जी गुजरात की है, महिला है, महिलाओं का मान्यवर, हमेशा आदर और सत्कार रहा है। यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवता, हम लोग इसमें विश्वास करते हैं, इसलिए इनकी चिन्ता निराधार है। मान्यवर, हमारे नेता प्रतिपक्ष आदरणीय अखिलेश यादव जी ने राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बहुत ही गम्भीरतापूर्वक विचार देने का, सरकार को सुझाव देने का और सरकार द्वारा की गई खामियों को उजागर करने का काम किया है। मान्यवर, मैं माननीय नेता प्रतिपक्ष के विचारों से अपने को संबद्ध करता हूँ। महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में पृष्ठ-2 में 'प्रधानमंत्री आवास योजना' की चर्चा की गयी है और व्यक्तिगत शौचालयों की व्यवस्था की गयी है। यह भी बताया गया है कि 2 करोड़ 61 लाख व्यक्तिगत शौचालय दिये गये हैं।

श्रीमन् मैं दावे/मजबूती के साथ कह सकता हूँ, कि जितने शौचालय बने हैं, वे फर्जी हैं। वह शौचालय नहीं, मौत का गड्ढा बना है। मेरे निर्वाचन क्षेत्र मिल्कीपुर में एक महुलाना गाँव है, जहाँ पर श्री राम दयाल, जो अनुसूचित जाति का है, उसको शौचालय बनाने के लिए आज तक पैसा नहीं मिला और आज तक उस पर छत नहीं पड़ी मान्यवर 26 सितम्बर, 2021 में तीन साल की बच्ची उस शौचालय के गड्ढे में गिरकर मर गयी। अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि सत्तापक्ष की तरफ से उस पीड़ित परिवार से मिलने कोई नहीं गया। जबकि तत्कालीन विधायक वहीं पर निवास भी करते थे। आज तक उस गरीब परिवार को एक भी पैसा नहीं मिला। ये जो 2 करोड़ 61 लाख व्यक्तिगत शौचालय बनाये जाने की बात रखी गयी है। आप जाँच करा लीजिए, मैं निश्चित तौर पर दावे के साथ कह सकता हूँ कि 95 फीसदी ये शौचालय बेकार पड़े हैं। उसमें या तो कण्डा या घर का टूटा-फूटा सामान रखा जा रहा है। मैं माँग करता हूँ कि सरकार इसकी जाँच कराए। इसमें न जाने कितने लोगों को जेल के अन्दर जाना पड़ेगा, ये गम्भीर मामला है।

श्रीमन्, आज हमारा देश किसान प्रधान देश है। किसान हमारा अन्नदाता है, लेकिन किसान की बड़ी दुर्दशा है। हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री जी कहते हैं कि हम किसानों की आमदनी दूनी करेंगे, लेकिन किसानों की आमदनी दूनी नहीं हुई। मान्यवर, किसान चौपट है, बर्बाद है। आवारा पशुओं/साड़ों ने उत्तर प्रदेश में कम से कम हजारों लोगों को जान से मार दिया है। पाँच हजार से ज्यादा लोग घायल है। मैंने विधान सभा क्षेत्र में इस सम्बन्ध में सवाल भी लगाया था।

श्रीमन्, मैं पूरे उत्तर प्रदेश की तो नहीं कह सकता हूँ, लेकिन हमारे विधान सभा क्षेत्र मिल्कीपुर में कम से कम 50 लोगों की जाने गयी हैं। उसमें से कुछ मुख्य लोगों की जो जानें

गई हैं, उनके नाम मैं आपके समक्ष रखता हूँ। जिसमें श्री संदीप कुमार, श्री बावदीन, श्री बैजनाथ रावत, श्री विनय कुमार शुक्ला, श्री रामराज नाई, श्री उपेन्द्र दूब, श्री चंद्रचूर्ण, श्री राम अजोर यादव, श्री ओम प्रकाश गुड्डू आदि हैं।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य ये सूची पहले भी आ चुकी है।

श्री अवधेश प्रसाद-

मान्यवर इनको आज तक सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं मिली है। एक तरफ किसान की फसल चौपट हो रही है, दूसरी तरफ उसकी जान जा रही है और जो गौ-शालाएं बनायी गयी है, उनकी हालत बहुत खराब है। उन गायों को भूसा, चारा, पानी और चूनी नहीं मिल रहा है, जिसके कारण न जाने कितने जानवर गौ-शालाओं में मर जा रहे हैं। जब इस प्रदेश का एक साधू, एक महात्मा योगी जी मुख्य मंत्री हो, और ऐसे समय में गौ-शालाओं की यह दुर्दशा हो, यह बहुत चिंता का विषय है, इस पर हमें चिंता करनी चाहिए।

मान्यवर, आज पूरा देश जब 'अमृत महोत्सव' मना रहा है। मैं तो उम्मीद करता था कि वीरांगना उदा पासी जिन्होंने 1857 में 36-36 अंग्रेजों को इसी सिकन्दराबाद चौराहे पर पीपल के पेड़ पर चढ़कर गोलियों से भूनने का काम किया और अंग्रेज अफसर ने जब देखा कि महिला है उसको सैल्यूट किया मैं तो उम्मीद करता था कि राज्यपाल जी के अभिभाषण में वीरांगना ऊदा देवी के लिए कम से कम एक मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा। जिसमे देश व प्रदेश के तमाम गरीबों का इलाज होगा। मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि वीरांगना ऊदा देवी पासी के नाम पर उत्तर प्रदेश में एक बहुत बड़ा मेडिकल कॉलेज बनाया जाए। जिसमें गरीबों के लिए निःशुल्क शिक्षा का इन्तजाम किया जाए। इसी तरह श्रीमान आजादी की लड़ाई लड़ने में चौरी-चौरा का जिक्र आया है मान्यवर चौरी चौरा वह स्थान है जिसमें आजादी के समय दलितों ने तथा गरीबों ने बड़ी भारी संख्या में भाग लिया था। लेकिन अफसोस है कि मान्यवर उन शहीदों का जिन्होंने चौरी-चौरा कांड में बहुत मजबूती के साथ देश की आजादी में भाग लिया उनका कहीं नामोनिशान नहीं है। इसी तरह मान्यवर, आज कानून व्यवस्था बहुत ही खराब है और जहां पर मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम का सन्देश पूरी दुनियां में हुआ था वहां पर भी एक मासूम बच्ची के साथ बलात्कार का प्रकरण सामने आया है। मान्यवर, हमारी सरकार थी, जिसमें हम समाज कल्याण मंत्री थे, तब हमनें 55 लाख लोगों को पेंशन देने का काम किया और हमारी पार्टी ने निश्चिय किया था कि सरकार बनने पर 1 करोड़ लोगों को पेंशन देने का काम करेंगे। आज अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है कि आज भारतीय जनता पार्टी, की सरकार में कल्याणकारी जो यह योजना है 55 लाख लोगों के लिए जो पेंशन बनी थी आज वह बन्द कर दी गयी है। हम आपके माध्यम से चाहेंगे कि पेंशन 1 करोड़ लोगों को दी जाए। यही नहीं कोरोना काल में हमारे विधान सभा क्षेत्र में जब हमारी सरकार थी एक 50 शय्या का

अस्पताल बना था। आज 6 साल हो गये हैं भवन बनकर तैयार हो गया, कोरोना जैसे काल में ना तो वहां कोई डाक्टर का इन्तजाम किया गया है, ना दवाई का इन्तजाम किया गया। वहां केवल दर्जनों साँड़ रहते हैं। वही सांड़ लोगों की फसल भी खा जाते हैं। सिर्फ यही नहीं हमारी सरकार ने एक पॉलीटेक्निक स्कूल बनाने का काम किया था, अफसोस के साथ कहना पड़ रहा है आज उसमे ताला बन्द है और यह सुनाई पड़ता है कि सरकार उसको व्यक्तिगत हाथों में बेचने का काम कर रही है। जब यह संविधान बना था तो संविधान में व्यवस्था थी कि जो भी सरकार होगी इस पर काम करेगी। लेकिन यह सरकार बिजनेस का काम कर रही है। हम चाहते हैं कि इन सबको चलाया जाए, एक इण्टर कॉलेज बन्द है उसको चलाया जाए, पॉलीटेक्निक स्कूल एक बन्द है उसको चलाया जाए और एक राष्ट्रीय महाविद्यालय को हमने चलाया था उसकी जितनी बिल्डिंग बनी थी वहीं ठप पड़ी है। यह सरकार किसान विरोधी है, गरीब और दलित विरोधी है इन्हीं शब्दों के साथ मा0 नेता प्रतिपक्ष व हमारे मा0 अखिलेश जी ने जो बात रखी है उसका समर्थन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ। धन्यवाद।

मा0 सदस्यों द्वारा चर्चा में प्रतिभाग हेतु समय का निर्धारण

श्री अधिष्ठाता-

मैं सभी माननीय सदस्यों से प्रार्थना करता हूँ कि अब जो हम सब व्यवस्था रखेंगे, उसमें 5 मिनट में अपनी बात पूरी हो जाए, ऐसा हम सब प्रयास करेंगे और आप सबके सहयोग से ही हम सब लोग पूरा समय सदन चलायेंगे रात को 10:00 बजे, 11:00 बजे हम सब लोग सदन को चलायेंगे।

श्री प्रेम नारायन पाण्डेय-

माननीय अधिष्ठाता महोदय आपने मुझे राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर विचार रखने का अवसर दिया इसके लिए आभार सहित धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। माननीय राज्यपाल महोदया ने हमारे पूर्व पांच वर्ष के कार्यकाल की उपलब्धियां हमारे संरक्षक पूज्यनीय योगी जी की दूरदृष्टि एवं कार्यकुशलता का वास्तविक एवं सहज चित्रण करते हुए प्रदेश की कानून व्यवस्था, आकस्मिक आपदा कोरोना जैसी महामारी के समय प्रबन्धन, शिक्षा स्वास्थ्य एवं आर्थिक विकास की उन्नति के शानदार रिपोर्ट कार्ड से सदन को अवगत कराया, इसके लिए मैं हृदय से आभार प्रकट करते हुए डॉ0 मन्जू शिवाच द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करता हूँ। मैं जनपद गोण्डा की तरबगंज विधान सभा क्षेत्र से चुनकर आता हूँ, जो भगवान राम की नगरी अयोध्या से सटी हुई विधान सभा क्षेत्र है। इस विधान सभा क्षेत्र का ज्यादातर हिस्सा बाढ़ प्रभावित माझा क्षेत्र है। मैं बताना चाहता हूँ कि बाढ़ की विभीषिका से लोगों को बचाने के लिए एक भिखारीपुर सकरौर बांध है, जिस पर वर्ष 2017 के पहले जब बाढ़ आती थी तब सरकारें उस पर काम शुरू करती थी, लेकिन आदरणीय मुख्य मंत्री जी की जब से सरकार बनी है तब से समय से पहले उस पर काम हो जाते हैं और बंधा कटने से बच जाता है। इसके पहले बंधे कट जाते

थे, फसल नष्ट हो जाती थी, रास्ते नष्ट हो जाते थे, जिससे यहां के लोग मजबूरन पलायन करने के लिए मजबूर हो जाते थे, लेकिन वर्ष 2017 के बाद जब से मा0 योगी जी के नेतृत्व में सरकार बनी है, इस बांध की मरम्मत का कार्य सही समय से शुरू हो जाता है, जिसका परिणाम यह है कि एक भी बार भिखारीपुर सकरौर बांध कटा नहीं है। विधान सभा क्षेत्र का माझा क्षेत्र जो कभी पिछड़ा होने का उदाहरण था, आज विकास की गाथा लिख रहा है। मा0 योगी जी के आशीर्वाद से आज वहां के लगभग सभी मजरे पक्के मार्ग से जुड़ गये हैं, हर घर बिजली की रोशनी से जगमगा रहा है, पुलों का निर्माण हो रहा है। यही नहीं केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृत 84 कोसी परिक्रमा मार्ग भी इसी क्षेत्र से होकर गुजर रहा है। जहां पहले लोग बाढ़ व पिछड़ेपन के डर से पलायन कर रहे थे, वहीं अब लोग बसने के लिए आशियाना ढूंढ रहे हैं। वर्ष 2017 के पहले की सरकार द्वारा मन्दिरों की क्या व्यवस्था थी यह बताना कोई जरूरी नहीं है, लेकिन हमारी विधान सभा क्षेत्र के प्रमुख मन्दिर ऋषि परासर मुनि आश्रम, महाराज परमहंस बरियाडीह आश्रम मां बाराही मन्दिर, ऋषि यमदग्नि आश्रम, जमथा, चन्द्रेश्वरनाथ महादेव मन्दिर चन्दापुर को पर्यटन स्थल के रूप में मा0 योगी जी के आशीर्वाद से विकसित किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में अगर देखा जाए तो जनपद गोण्डा में सिर्फ एक ही राजकीय विद्यालय था, जो मुख्यालय पर बना था, लेकिन आज मेरी विधान सभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत करनीपुर में राजकीय इण्टर कॉलेज की स्थापना करायी गयी है। इसके अतिरिक्त सोनौली मौहम्मदपुर व लौव्वाटेपरा में राजकीय हाई स्कूल की स्थापना की गयी है। पहले जहां परिषदीय विद्यालयों में भेजने की बजाए लोग अपने बच्चों को कान्वेंट स्कूलों में भेजना पसन्द करते थे, वहीं अब सरकार द्वारा विद्यालयों का कायाकल्प हो जाने तथा अंग्रेजी माध्यम के विद्यालयों की स्थापना हो जाने से लोगों की विचारधारा बदली है। वर्ष 2017 के पहले की कानून व्यवस्था से आप लोग परिचित ही हैं, लेकिन वर्ष 2017 के बाद कानून व्यवस्था सुधारने का जो फार्मूला मा0 योगी जी की सरकार ने दिया है, उसी की नकल पूरे देश में हो रही हैं। अपराधी, दंगाई या तो जेल में है या प्रदेश छोड़कर पलायन कर रहे हैं। मा0 योगी जी के कुशल नेतृत्व में मेरी विधान सभा क्षेत्र में लगभग 500 मीटर ग्रामीण सड़कों का नव-निर्माण व लगभग 115 किमी0 सड़क का चौड़ीकरण व उच्चीकरण कराने के साथ-साथ कई पुलों का निर्माण हुआ है, जिससे पूरे क्षेत्र की सूरत बदल गयी है। मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि हमारे कैथी घाट की सरयू नदी पर एक पुल की आवश्यकता है, इसका निर्माण कराये जाने हेतु निर्देशित करने की कृपा करें। मुझे पूरा विश्वास है कि मा0 मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में यह कार्यकाल भी पिछले कार्यकाल से दोगुनी रफ्तार से विकास की नई परिभाषा लिखेगा तथा प्रदेश के विकास में अग्रणी भूमिका निभायेगा। आपने मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं पुनः आपके प्रति आभार प्रकट करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री अधिष्ठाता-

आपका भी धन्यवाद आपने समय के अन्दर अपनी बात पूरी की।

श्री राजीव कुमार-

अधिष्ठाता महोदय, आपका मैं बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया। 2022 के विधान सभा क्षेत्र चुनाव में जो विजयी होकर यहां पर माननीय सदस्यगण अपने-अपने क्षेत्रों की सेवा करने के लिए आए हैं मैं उन सभी को बहुत-बहुत बधाई देता हूँ और उत्तर प्रदेश की जनता का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने राष्ट्रवाद पर विश्वास करते हुए सुशासन, सुरक्षा, विकास पर विश्वास करते हुए भारतीय जनता पार्टी, की सरकार बनाने के लिए अपना आशीर्वाद दिया। उत्तर प्रदेश की जनता ने देश के आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने जो पिछले आठ वर्ष में काम किया है राष्ट्रवाद के नाम पर सबका साथ, सबका विकास, सबके विश्वास को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने आदरणीय योगी जी ने पिछले पांच वर्ष में जो काम किए सम्मानित जनता ने उसका सम्मान करते हुए सेवा करने का अवसर दिया है। हमारे देश के आदरणीय प्रधानमंत्री जी की केन्द्र सरकार ने धारा 370 हटाकर डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के अखण्ड भारत के सपने को साकार करने का काम किया। हमारे देश को मजबूती देने के लिए हमारे देश की सरकार ने देश के प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में सेना ने पाकिस्तान में जाकर आतंकियों को मारकर सर्जिकल स्ट्राइक के माध्यम से यह सन्देश दे दिया है कि हमारा भारत अखण्ड भारत की तरफ बढ़ रहा है हमारे देश के प्रधानमंत्री जी हमारे देश की सरकार ने अभिनन्दन को वापस लाकर हमारे देश की ताकत को हमारे तिरंगे के मान को बढ़ाने का काम किया है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, आज यूक्रेन और रूस का जो युद्ध चल रहा है, हमारे देश के विद्यार्थी जो यूक्रेन में फँसे हुए थे उनको देश के प्रधानमंत्री जी ने वापस लाकर दिखा दिया है कि भारत के तिरंगे का सम्मान पूरी दुनियाँ में बढ़ा है और जो रूस के सैनिक थे जहां पर युद्ध चल रहा था हमारे देश के तिरंगे को सैल्यूट करते हुये भारतीयों को ससम्मान भेजते हैं, यह विश्वास अखण्ड भारत के निर्माण के लिए, राष्ट्रवाद के नाम पर भारत की जो पूरी दुनिया के अन्दर ताकत बढ़ी है, उसके सन्देश को पूरे उत्तर प्रदेश की जनता ने स्वीकार करते हुए यहां पर सरकार बनाने का काम किया है। सुशासन लाने के लिए उत्तर प्रदेश के आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने जहां पर 2012-17 और उसके पूर्व की सरकारों में अराजकता का माहौल था, जाति-पाति, धर्म के आधार पर राजनीति करते थे। मैं अनुसूचित जाति की जाटव जाति से आता हूँ। समाजवादी की सरकार में सर्वाधिक अत्याचार अनुसूचित समाज की जाटव जाति पर हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी की सरकार अखण्ड भारत के निर्माण के लिए और डॉ0 भीम राव अंबेडकर जी, जिन्होंने समरसता का सन्देश दिया, जिन्होंने भारत के संविधान में समान रूप से सभी को अवसर प्रदान किए, उसके आधार पर हमारे देश की और प्रदेश की सरकारें सुशासन लाने का काम कर रही हैं। किसी भी क्षेत्र में चले जाएं, गांव में चले जाएं, शहर में चले जाएं किसी भी योजना को जाति और

धर्म के आधार पर बाँटा नहीं गया, बल्कि उनको सबका साथ, सबका विकास के आधार पर अधिकार देने का काम किया है। हमारे सम्मानित सदस्य कल हिन्दू-मुसलमान की बात कह रहे थे तो मैं उनको आमंत्रित करता हूँ कि आप आइए मेरे विधान सभा क्षेत्र में तीन नगर पालिकाएं पड़ती हैं गजरौला, धनौरा और बछरायूं वहां पर देखिए कि मुस्लिमों के आवास बनाकर दिए गए, वहाँ सबका साथ, सबका विकास दिखाई देता है कि नहीं। गैस के कनेक्शन देने का काम समान रूप से किया गया। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह योजना में उनको समान रूप से सम्मान देने का काम किया गया है। लेकिन आप लोगों की सरकार में बेटियों में भी अन्तर कर दिया था। आप लोगों की सरकार में अनुसूचित समाज पर जो अत्याचार किए उसको प्रदेश भूला नहीं है अनुसूचित समाज, पिछड़ा समाज और आज जो बड़ा शर्मनाक दृश्य यहां पर देखने को मिला है। हमारे आदरणीय उप मुख्य मंत्री जो पिछड़े समाज से आते हैं उनके लिए नेता प्रतिपक्ष ने जिस भाषा का प्रयोग किया, मैं उसकी निन्दा करता हूँ। क्योंकि उनको सबका साथ, सबका विकास नहीं आता है, बल्कि केवल अपनों का विकास करना चाहते हैं। उ0 प्र0 सरकार ने किसी भी योजना में कोई भेद-भाव नहीं किया है।

उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता का सम्मान बढ़ाने के लिये हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी काम कर रहे हैं और आज महाराज जी का बुल्डोजर अत्याचारियों पर चल रहा है, गुण्डों पर चल रहा है, लुटेरों पर चल रहा है, हत्यारों पर चल रहा है। जो गरीब है उनके सम्मान के लिये हमारे उत्तर प्रदेश की सरकार काम कर रही है। हमारी सरकार ने काम किया है। हमारी सरकार ने बिना किसी भेद-भाव के शौचालय बनाने का काम किया है। हमारी सरकार ने बिना किसी भेद-भाव के आवास बनाने का काम किया है। हमारी सरकार ने बिना किसी भेद-भाव के किसान सम्मान निधि देने का काम किया है।

श्री अध्यक्ष-

मा0 राजीव जी अब आप समाप्त करें।

श्री राजीव कुमार-

मान्यवर, हमारी सरकार ने बिना किसी भेद-भाव के ऋणमाफी का कार्य किया है। महामहिम राज्यपाल महोदया ने यहाँ पर जो अभिभाषण पढ़ा मैं उसका पूर्णतः समर्थन करता हूँ और विपक्ष से यह कहना चाहता हूँ कि वह उत्तर प्रदेश में भ्रामक स्थिति पैदा न करे, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी की सरकार सबको साथ लेकर चल रही है। आदरणीय योगी जी सबको साथ ले करके चल रहे हैं। देश के आदरणीय प्रधानमंत्री जी सबको साथ ले करके चल रहे हैं। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने पिछले पाँच वर्ष के कार्यकाल में गंगा मेला तिगरी को सरकारी घोषित किया था। इस बार मैं वहाँ पर घाटों के निर्माण के लिये और पर्यटन की दृष्टि से विकास की माँग करता हूँ। वहाँ पर पर्यटन की बहुत सारी सम्भावनाएं हैं, इससे वहाँ पर बहुत सारे रोजगार भी उपलब्ध होंगे और

तिगरी का विकास भी होगा। मैं अपनी विधान सभा-धनौरा के विकास खण्ड धनौरा में एक महाविद्यालय की मांग करता हूँ कि वहाँ पर बच्चियों और हमारे युवा भाइयों की उच्च शिक्षा के लिये एक महाविद्यालय बनाया जाए। पिछले पाँच वर्षों में चूंकि ऐतिहासिक कार्य विधान सभा क्षेत्र में हुये हैं उसी के परिणामस्वरूप क्षेत्र की जनता ने मुझे दोबारा सेवा करने का अवसर दिया है। आदरणीय मोदी जी और योगी जी ने इस देश व प्रदेश के लिये और मेरे क्षेत्र के लिये जो कार्य किया है उस सबके कारण मुझे दोबारा सेवा करने का अवसर मिला है। आदरणीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद प्रकट करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ। जय हिंद। वन्दे मातरम्।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 राकेश प्रताप सिंह जी। (सदस्य के न बोलने पर)

अगले मा0 सदस्य हैं मौहम्मद ताहिर जी।

***श्री मौहम्मद ताहिर खान-**

मा0 अधिष्ठता महोदय, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया, इसके लिये बहुत-बहुत शुक्रिया और धन्यवाद। मैं सुल्तानपुर जिले की 187 विधान सभा क्षेत्र इसौली से चुनकर आया हूँ। वहाँ के हालात बहुत खराब हैं। वहाँ के ज्यादातर लोग बीमार है, बच्चे कुपोषण के शिकार हैं। भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि0 (भेल), जगदीशपुर विधान सभा क्षेत्र में पड़ती है वहाँ बहुत सारी फैक्ट्रियाँ हैं, वह सभी फैक्ट्रियाँ गोमती नदी को प्रदूषित करती हैं। सुल्तानपुर की हमारी 187 विधान सभा क्षेत्र इसौली से होकर जो गोमती नदी बहती है वह शुरू से लेकर अन्त तक हमारी विधान सभा क्षेत्र को चीरती हुयी जाती है। वहाँ पर एक तो अशरफपुर में पुल बनना बहुत जरूरी है तथा नदी के बहुत प्रदूषित होने के कारण वहाँ के ज्यादातर गाँवों के लोग कुपोषण का शिकार हो रहे हैं।। इस सम्बन्ध में हमने मा0 जल शक्ति मंत्री जी को लेटर भी लिख कर दिया है तथा 17 ऐसी बड़ी ग्राम सभाओं को चिन्हित भी किया है, जहाँ पर पानी की गुणवत्ता बहुत ज्यादा खराब है। उसको बेहतर किया जाये, ताकि कम से कम वहाँ के लोग कुपोषण के शिकार न हों और उनको कैंसर से बचाया जा सके।

मा0 अधिष्ठाता जी, इसी तरह से मुसाफिरखाना से देवरा एक रोड पड़ती है जो बहुत ही खराब है और उस पर बराबर बहुत बड़ी दुर्घटनाएं हो रही हैं।। जनपद अमेठी की विधान सभा क्षेत्र गौरीगंज के मा0 राकेश प्रताप सिंह जी यहाँ पर बैठे हैं उनका भी क्षेत्र पड़ता है। उसके हालात यह है कि सड़क में गड्ढ़ा नहीं है, बल्कि गड्ढे में बहुत बड़े-बड़े गड्ढ़े है और पूरी सड़क खराब हो चुकी है। इसी तरह से अलीगंज से ले करके कोड़वार रोड भी बहुत

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

दयनीय स्थिति में है। इसी तरह से सैकड़ों ऐसी सड़कें हैं जिनके हालात बद से बदतर हो गये हैं। मान्यवर, मैं सरकार का ध्यान आकर्षित कराना चाहूंगा कि जल्द से जल्द एक बड़ा पैकेज दे करके और डेलिगेशन भेज करके उसको चेक कराया जाये और जल्द से जल्द उसको बेहतर किया जाये। मेरी आपसे गुजारिश है कि मैं अपनी बात को मा0 राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव जी से मा0 लालजी वर्मा जी से, मा0 अवधेश प्रसाद जी से तथा मा0 अभय सिंह जी से, मा0 समर बहादुर जी से, मा0 संग्राम यादव जी से एवं समाजवादी पार्टी के अन्य साथियों से जिन्होंने इस सदन में अपनी बात रखी है उनसे अपने आपको सम्बद्ध करते हुए मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि नहरों के हालात भी बहुत खराब हैं टेल तक पानी नहीं पहुँच पा रहा है, हेड से पानी आता तो है, लेकिन बीच में ही रुक जाता है जिससे किसान अपनी फसलों की सिंचाई नहीं कर पा रहे हैं, किसानों को बहुत सी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

इसी तरह से स्वास्थ्य के हालात भी बहुत खराब हैं, जितने भी सी0एच0सी0, पी0एच0सी0 सेन्टर बने हुए हैं वहां पर डाक्टर उपलब्ध नहीं है, डाक्टर्स की बहुत बड़ी कमी है। हमारे यहां सुल्तानपुर जिले में कादीपुर विधान सभा क्षेत्र पड़ता है वहां की एक बहन अम्बेडकरनगर गयी थीं लेकिन वहां पर न्यूरोलॉजिस्ट का एक भी डाक्टर उपलब्ध नहीं था। यहाँ पर कादीपुर के मा0 विधायक बैठे हुए हैं मैं उनका इस ओर ध्यान आकृष्ट कराना चाहूँगा कि इस मामले को गम्भीरता से लेते हुए उस बहन के पति की मदद की जाए, उसके पति की हालत बहुत सीरियस है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे जब बना तो हमारे यहां एक बल्दीराय तहसील पड़ती है जहां पर कोई भी कट नहीं बनाया गया है, कट न होने की वजह से लोगों को बहुत बड़ी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए मेरी आपसे गुजारिश है, मैं उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करता हूँ कि वहां पर एक कट बनाया जाय। मेरा यह भी कहना है कि उत्तर प्रदेश में सेना का कोटा बढ़ाया जाय, जिससे नौजवानों को रोजी-रोटी मिल सके। आपसे एक और गुजारिश है कि प्रदेश में 11 लाख पद रिक्त पड़े हुए हैं इन रिक्त पदों को भी भरा जाय, ताकि नौजवानों के चेहरे पर खुशी देखी जा सके।

मैं सरकार से मांग करता हूँ कि जल्द से जल्द स्वास्थ्य से लेकर शिक्षा एवं हर विभाग में जो भी पद रिक्त पड़े हैं उनको भरा जाय। इसके अलावा मेरी एक और मांग है कि हमारे यहां पर सब-स्टेशन नहीं है जो सब-स्टेशन है उसका भी हालात बहुत खराब हैं। दो से तीन सब-स्टेशन हमारे यहां बढ़ा दिए जायें मा0 अधिष्ठाता महोदय यह बड़ी ही ज्वलनशील समस्या है इस ओर मैं सरकार का ध्यान आकृष्ट कराना चाहता हूँ। मैं लोक सभा में मेम्बर रह चुका हूँ। हमारे यहां पर जो बिजली के खम्भे है उनके तार बहुत खराब हैं मैंने ए0पी0डी0आर0पी0 योजना के अन्तर्गत गांव का विकास किया, गांव में बिजली पहुँचाने का काम किया है, लेकिन अब बहुत सारे तार खराब हो चुके हैं जिससे लो-वोल्टेज की समस्या बनी रहती है। मैं सरकार से मांग करता हूँ कि जर्जर तार जल्द से जल्द बदले जाएं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री बीरेन्द्र सिंह राणा-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देना चाहता हूँ कि आपने मुझे महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। आदरणी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के आठ वर्ष पूरे हो गये हैं और आज यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार के पाँच वर्ष पूरे करने के बाद पुनः जनता के आशीर्वाद से हमें सेवा का अवसर प्राप्त हुआ है। हमारी केन्द्र और राज्य की सरकारों ने ऐसे कई निर्णय लिए हैं। जिनसे देश की छवि बदल गयी है। स्वच्छ भारत से लेकर स्वस्थ भारत तक और कश्मीर क्रांति से लेकर नागरिकता क्रांति तक योगी और मोदी सरकार ने कई ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। मा0 अधिष्ठाता महोदय ऐसे फैसले जो दशकों तक अटके हुए थे, जिन्हें जानबूझ कर लटकाया गया था, जिन मुद्दों को पिछली सरकारों ने छूने तक की हिम्मत नहीं दिखायी उन्हें मोदी सरकार ने, योगी सरकार ने एक झटके में जड़ से खत्म कर दिया। माननीय अध्यक्ष महोदय, जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद-370 हटाया गया। जम्मू कश्मीर 70 साल तक अनुच्छेद-370 की जंजीरों में जकड़ा रहा। मोदी सरकार ने कश्मीर को अनुच्छेद-370 से मुक्ति दे दी। इसी के साथ-साथ जम्मू कश्मीर में देश के वे सभी कानून लागू हो गये जिन्हें 70 साल तक लागू नहीं किया जा सका था। साथ ही साथ जम्मू कश्मीर का झण्डा हटाकर अब वहां के सरकारी दफ्तरों में तिरंगा लहराने लगा है। अनुच्छेद-370 की बेड़ी टूटने के साथ ही जम्मू कश्मीर के लोगों को अब केन्द्र सरकार की लाभकारी योजनाओं का फायदा मिलने लगा है। जिनसे कई सालों तक कश्मीर के लोगों को वंचित रखा गया। नागरिकता संशोधन कानून के तहत पाकिस्तान, बंगलादेश और अफगानिस्तान के अल्पसंख्यकों को भारत में नागरिकता का अधिकार मिल गया, यानि इन देशों के हिन्दू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई जो सालों से शरणार्थी की भूमिका में जिन्दगी बिता रहे थे, उन्हें जीने का अवसर मिला। उन्हें भारत की नागरिकता प्राप्त करने का अधिकार मिल गया। पड़ोसी देशों से जान बचाकर भागे लोग जो सालों तक भारत में शरणार्थी बने रहे अब वह भारत के नागरिक कहलाने लगे हैं।

तीन तलाक का खेल खत्म हुआ। मोदी सरकार ने मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक की काली प्रथा से आजादी दिलाई। ऐसी मुस्लिम महिलायें जो तीन तलाक के डर के साये में जीने को मजबूर थीं अब आत्म-सम्मान के साथ अपनी जिन्दगी जी रही हैं। हमारी प्रदेश सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं के नियोजन और कुशल प्रबन्धन का सुपरिणाम है कि राज्य की अर्थव्यवस्था पिछले पांच वर्षों में दुगने से अधिक हो गयी है। अब उत्तर प्रदेश अनिवार्य रूप से समर्थ प्रदेश बन कर देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। योगी सरकार की दृढ़ता, दूरदर्शिता, सजग प्रबन्धन, सम्वेदनशीलता ने माहौल इतना बदला है कि उत्तर प्रदेश किसानों, महिलाओं, युवाओं, छात्रों और उद्योगपतियों, पूंजी निवेशकों आदि के लिए सर्व प्रिय राज्य बन गया है। मोदी जी के राशन और योगी जी के प्रशासन का ही परिणाम है कि उत्तर प्रदेश की जनता ने हमें पुनः इस प्रदेश की सेवा का अवसर दिया है। माननीय

अध्यक्ष महोदय, मेरे जनपद हाथरस में सिकन्दाराराऊ विधान सभा क्षेत्र ब्लाक हंसायन में जाम की भारी समस्या है। ढाई किलोमीटर श्यामपुर से श्यामपुर की माता मन्दिर तक नव निर्माण की अति आवश्यकता है। सिकन्दाराराऊ में वर्षों से सरकारी बस स्टैण्ड नहीं है। बस स्टैण्ड का निर्माण शीघ्र कराया जाये, जिससे जनता को सुविधा मिले। साशनी-जलेशर सड़क मार्ग से ग्राम निजामुदपुर रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण कराया जाये, जिससे आये दिन वहा जाम की समस्या से निजात मिले। मैं अपनी सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूँ, जैसे पिछले पांच वर्षों में हमने सुशासन देखा है, उससे बेहतर सुशासन देने के लिए हम अच्छी से अच्छी जन-कल्याणकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचायेंगे। साथ ही साथ पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के सपने को साकार करेंगे कि समाज के हर व्यक्ति तक हमारी सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे। जय हिन्द। जय भारत।

***श्री संजीव अग्रवाल-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का अवसर देने के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ। उत्तर प्रदेश की विवेकशील जनता ने राष्ट्रवाद, सुशासन, सुरक्षा तथा विकास पर विश्वास व्यक्त करते हुए भाजपा को माननीय योगी जी के नेतृत्व में पुनः सेवा करने का अवसर दिया। हमारी सरकार जन अपेक्षाओं पर खरी उतरी। जन साधारण के जीवन में सुधार आया और प्रधानमंत्री आवास योजना में 42.50 करोड़ आवास स्वीकृत कर गरीबों को आवास मुहैया कराने का सपना पूरा किया। स्वच्छ भारत मिशन के अन्तर्गत गरीबों के लिए गांव में शौचालय का निर्माण कराया।

महिलाओं को इसका सीधा लाभ मिला है और आज गांव में महिलाएं बहुत प्रसन्न हैं। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अन्तर्गत 1.67 करोड़ गैस कनेक्शन निःशुल्क बांटे गये हैं, इससे भी घर की महिलाएं बहुत प्रसन्न है, सौभाग्य योजना के अन्तर्गत 1.41 करोड़ निःशुल्क विद्युत कनेक्शन दिये गये और गरीबों के घर में प्रकाश देने का काम हमारी सरकार ने किया, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के अन्तर्गत किसानों का सम्मान बढ़ाने का काम किया है और 2.55 करोड़ किसानों को 42565 करोड़ रुपये हस्तान्तरित करने का काम किया है। इस कारण उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय पटल पर सक्षम और समग्र प्रदेश के रूप में उभर कर सामने आया है। उत्तर प्रदेश देश की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है। मान्यवर, कानून व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सरकार द्वारा शून्य टालरेंस की नीति अपनाकर प्रदेश को अपराधमुक्त, भयमुक्त वातावरण तथा कानून का राज स्थापित करने का कार्य किया गया है, जिस कारण आज उत्तर प्रदेश की जनता सुरक्षित है। सरकार के कार्यकाल में सभी पर्व और त्यौहार शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हो रहे हैं। किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए गोरखपुर में बन्द पड़े उर्वरक कारखानों का संचालन किया गया है। इस कारण किसानों को

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उत्तर प्रदेश में उर्वरक यूरिया की कमी को पूरा करने का काम किया गया है। बेसहारा गौवंश के संरक्षण के लिए प्रदेश में 6195 गौ-आश्रम स्थल स्थापित किये गये हैं और लगभग नौ लाख सत्तावन हजार गौवंश संरक्षित कर दिये गये हैं। इससे किसानों के खेतों की फसल को फायदा हुआ है। बेहतर कनेक्टिविटी के लिए सरकार द्वारा प्रदेश में विश्वस्तरीय एक्सप्रेस-वे बनाए गये। आज उत्तर प्रदेश की एक्सप्रेस-वे के रूप में पहचान हो रही हैं। पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, बुन्देलखन्ड एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे पर काम चल रहा है। इस कारण उत्तर प्रदेश में यातायात बहुत सुगम हो गया है।

लखनऊ, वाराणसी, अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के साथ कुशीनगर, जेवर, अयोध्या अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों के निर्माण से उत्तर प्रदेश शीघ्र ही पांच अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों वाला एक मात्र राज्य देश का बन जायेगा। रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए राज्य में उत्तर प्रदेश डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना का क्रियान्वयन सफलतापूर्वक आगे बढ़ रहा है। प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र के युवाओं को तकनीकी रूप से सक्षम बनाने के लिए डिजिटल इण्डिया के सपने को साकार करने का काम किया है। छात्र-छात्राओं के भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए हमारी युवा पीढ़ी आज उच्चतम तकनीक से देश को नई दिशा देने का काम कर रही है और इस दिशा में हमारे आदरणीय मुख्य मंत्री जी ने टैबलेट, स्मार्टफोन वितरण योजना प्रारम्भ की और पांच वर्षों में दो करोड़ स्मार्ट फोन व टैबलेट बांटे। समानता के आधार पर बिना भेद-भाव के वितरित करने का काम किया है। जिस उत्तर प्रदेश में 1947 से लेकर 2016 तक मात्र 12 मेडिकल कालेज थे आज 65 मेडिकल कालेज हो चुके हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि बरेली जो दिल्ली और लखनऊ के बीच में 250 किलोमीटर पर है एक एम्स बनाने पर विचार किया जाए, गोरखपुर जनपद में 52 एकड़ भूमि में योगी गुरू गोरखनाथ महाविद्यालय की स्थापना की जा रही है। बुजुर्ग संतों, पुजारियों, पुरोहितों के समग्र कल्याण की योजना के क्रियान्वयन के लिए एक विशेष बोर्ड के गठन का कार्य किया जा रहा है। कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर जाने वाले प्रदेश के मूल निवासी तीर्थ यात्रियों को एक लाख रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। यह सब पहली बार हो रहा है। पूर्व की भांति सरकार प्रदेशवासियों को पारदर्शी एवं जवाबदेह शासन तथा ईमानदार और संवेदनशील प्रशासन उपलब्ध कराने के लिए कृत संकल्पित रहेगी। उत्तर प्रदेश सरकार आदरणीय प्रधानमंत्री जी के मूल मंत्र "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास" के साथ आजादी के 75वें वर्ष अमृत महोत्सव के इस अवसर पर हम सब लोग आत्मनिर्भर भारत बनाने का संकल्प लेंगे और निश्चित रूप से भारत एक अखण्ड भारत के रूप में हिन्दुत्व को मजबूत करते हुए विश्व का मार्गदर्शन करते हुए विश्व गुरू के रूप में स्थापित होने का कार्य करेगा। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया। इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री संदीप सिंह-

माननीय अधिष्ठता महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे माननीय नेता प्रतिपक्ष द्वारा माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर प्रस्तुत संशोधन प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया। मैं उन तमाम साथियों से अपने आपको सम्बद्ध करता हूँ जिन साथियों ने संशोधन प्रस्ताव पर अपनी बात रखी है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, जिस समय माननीय राज्यपाल महोदया अपनी बात रख रही थीं उस समय पूरे प्रदेश की जनता किसान, गरीब और नौजवान इस सदन की तरफ अपनी आँखें लगाये हुये थे, लेकिन जैसे ही उनका भाषण खत्म हुआ लोगों ने यह महसूस किया कि जिस तरह से पिछले पांच साल की सरकार में वर्तमान सरकार ने गरीबों के साथ, नौजवानों के साथ, किसानों के साथ छलावा किया उन्हें यह महसूस होने लगा कि अगले पांच सालों में भी उनके साथ धोखा होने जा रहा है। बड़े पैमाने पर नौजवान निराश हुआ है। एक तरफ उनके भाषण में बताया गया और कोरोना का ढिंढोरा पीटा गया। मैं आज इस सदन के माध्यम से कहना चाहता हूँ कि जिस समय लॉकडाउन लगा उस समय नौजवान जब घर से निकलकर हजारों किलोमीटर दूर नौकरी करने के लिए, पेट पालने के लिए गया हुआ था तो एक तरफ से नौजवान टेलीफोन पर रोता था तो दूसरी तरफ से उसकी माँ बिलख कर रोती थी कि पता नहीं मेरा बेटा घर तक पहुँचेगा या नहीं पहुँचेगा। मैं इस सदन के माध्यम से बधाई देना चाहता हूँ और स्वागत करना चाहता हूँ, हम लोगों ने अपने नेता आदरणीय अखिलेश यादव जी का जिन्होंने अपने कार्यकर्ताओं को आदेशित-निर्देशित किया कि आप सड़क पर खड़े होकर सड़क पर चलने वाले लोगों की सेवा करें और उनको उनके घर तक पहुँचाने का काम करें।

आज सदन के माध्यम से मैं समाजवादी पार्टी के उन कार्यकर्ता साथियों को जिन्होंने बिना किसी बात की परवाह किये हुये तमाम नौजवान साथियों को घर तक ले जाने का काम किया है, धन्यवाद देना चाहता हूँ। इतना ही नहीं उस दौरान तमाम साथियों ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया। हमारी सरकार उत्तर प्रदेश में नहीं थी और न हमारी सरकार देश के किसी दूसरे राज्य में थी, लेकिन मैं धन्यवाद देता हूँ अपने नेता को कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के अन्दर ही नहीं देश के दूसरे प्रदेशों में भी जिन नौजवानों ने रास्ते में दम तोड़ा था उनके घर जाकर उनके परिवार की आँख के आंसू पोंछने का काम किया था। हमारे एक साथी अभी बोल रहे थे कि मैं दलित परिवार से आता हूँ। मैं उनसे कहना चाहता हूँ कि वर्तमान सरकार मैं आपको संविदा के नाम पर आरक्षण से रोका जाता है। आप बात करते हैं बाबा साहब डॉ0 भीम राव अम्बेडकर जी की तो मैं आपको याद दिलाना चाहता हूँ कि बाबा साहब डॉ0 अम्बेडकर अगर नहीं होते तो आज इन दोनों सदनों में तमाम ऐसे लोग मेम्बर बनकर नहीं आये होते। आज मैं उनको श्रद्धांजलि देना चाहता हूँ और निवेदन करना चाहता हूँ कि अगर बाबा साहब डॉ0 अम्बेडकर पर भरोसा करते हो, अगर उनको सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहते हो तो जब सरकार की कलम से आपके संविधान पर हमला होता है तो आपकी जिम्मेदारी बनती है कि आप बाबा साहब के

सम्मान की रक्षा करने के लिए अपनी आवाज उठाने का काम करिये। हम लोग तो लगे ही है संविधान की रक्षा करने के लिए और हमने कसम खाई है कि हम संविधान पर हमला नहीं होने देंगे। हमने सौगन्ध ली है कि जब तक हम रहेंगे बाबा साहब के संविधान को बचाने का काम करेंगे। मैं बहुत लम्बी बात न करते हुये सिर्फ एक बात कहना चाहता हूँ कि आज जिस तरह से जाति जनगणना न करके समाज को विखण्डित करने का काम किया जा रहा है। चाहे 69 हजार शिक्षकों का सवाल हो, चाहे अभी हाल में दरोगा भर्ती का सवाल हो। मैं कहना चाहता हूँ कि हमारे नेता प्रतिपक्ष द्वारा भाषण करने के बाद, प्रस्ताव रखने के बाद सामने के पक्ष से बात आयी थी।

हमारे जनपद प्रयागराज में लोक सेवा आयोग की बात उठायी गयी थी। मैं कहना चाहता हूँ कि इसी सरकार ने लोक सेवा आयोग की जांच करायी, लेकिन आज तक जांच में कुछ नहीं हुआ। जांच में दो अधिकारी दोषी पाये गये, लेकिन सिर्फ एक अधिकारी को दण्डित किया गया और एक अधिकारी को बरी कर दिया गया। मैं सदन से मांग करता हूँ कि उसकी भी जांच करा लिया जाये। इतना ही नहीं चाहे एस0डी0एम0 भर्ती का घोटाले का सवाल रहा हो, चाहे जाति आधारित आरक्षण मिलने का सवाल रहा हो, हमारे नेता ने सदन में बार-बार मांग किया, लेकिन आज तक सत्ता पक्ष के लोगों ने यह जवाब नहीं दिया कि उत्तर प्रदेश में किस समाज के लोगों को ज्यादा नौकरी मिली है। इसलिए कि उनके पास कोई आधार नहीं है। वह केवल भाषण से समाज को बांटने का काम करते हैं। इसलिए अधिष्ठाता महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि इससे पहले थानों में भी आरक्षण हुआ करता था। आज मैं आपसे मांग करता हूँ कि उत्तर प्रदेश के अन्दर अगर हर समाज के वर्गों को हिस्सेदारी देना चाहते हैं और अगर आप अपने को पिछड़े, दलितों का हितैषी मानते हैं तो उन थानों में पुनः आरक्षण बहाल किया जाये। मैं मेजा विधान सभा क्षेत्र से चलकर आता हूँ। अभी तमाम लोगों ने बिजली के सवाल पर बहस किया। मैं अपने नेता विपक्ष को धन्यवाद देता हूँ कि जब उनके नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सरकार थी तो हमारे क्षेत्र से लगा हुआ एन0टी0पी0सी0 का बहुत बड़ा कारखाना बनाया गया और उस कारखाने के अन्दर जितने मेगावाट की बिजली बन रही है। अगर वर्तमान सरकार लगाना चाहे तो कम से कम 13-14 सौ मेगावाट का आज भी कारखाना लगा सकती है। इतनी जमीन हमारे नेता ने अधिग्रहीत किया है। इतना ही नहीं आज वहाँ पानी की व्यवस्था है, आज वहाँ मा0 अधिष्ठाता महोदय, हमारे क्षेत्र से एक रास्ता विन्ध्याचल के लिए जाता है जो की एक दार्शनिक स्थान है। दूर-दूर से लोग वहाँ दर्शन करने के लिए आते हैं। मेरे क्षेत्र में माइन्स का बहुत बड़ा काम होता है। जिसकी वजह से मेन रोड पर जाम लगा रहता है। उससे लगी हुयी प्रधानमंत्री सड़क के नाम से एक सड़क है। जो मुगारी से दिधिया पनाजा होकर जाती है, का निर्माण करा दिया जाय तो दर्शनार्थी को बहुत सुविधा होगी। करीब पन्द्रह सालों से उस सड़क की हालत जर्जर है। उस सड़क पर कोई चलना नहीं चाहता है। अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे मांग करता हूँ कि उस सड़क को बनवा दिया जाये तो विन्ध्याचल जाने के लिए एक

सुगम रास्ता हो जायेगा। इतना ही नहीं हमारे क्षेत्र के अन्तर्गत 3-4 जगह ऐसी हैं। एक छतवाघाट है, विजौरा घाट है, रवरचौकठा व डेंगुरपुर घाट है जहाँ पर क्षेत्र के कई किमी0 से लोग शमशान में लाशें लाते हैं। वहाँ पर पक्का शमशान घाट बना दिया जाये तो मैं समझता हूँ कि क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

श्री अधिष्ठाता-

संदीप जी, अब समाप्त करें।

श्री संदीप सिंह-

मान्यवर, बड़ी देर से इस सदन के अन्दर चर्चा हो रही थी, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि अगर वर्तमान सरकार अपने आपको वास्तव में दलितों, पिछड़ों का हितैषी मानती है, लेकिन आप एक वर्ग के पदों को निकालकर आरक्षण को समाप्त करने का काम करते हो अगर आप एक साथ पदों को निकालकर आरक्षण देने का काम करेंगे तो हम मानेंगे कि आप दलितों, पिछड़ों के हितैषी हो। आप संविदा की भर्ती के नाम पर आरक्षण को प्रभावित करने का काम कर रहे हो। आज इस देश के अन्दर जो व्यवस्था चलायी जा रही है और शिक्षा को महंगा करके हमको रोजगार से दूर करके जो गरीब बनाने का काम किया जा रहा है। मैं मांग करता हूँ कि संविदा कर्मियों में और जो प्राइवेट नौकरियाँ हैं वहाँ पर भी आरक्षण लागू कर दिया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

धन्यवाद।

श्री संदीप सिंह-

अधिष्ठाता महोदय, थोड़ा बोलना चाहता था। लेकिन अगर आपका आदेश है तो मैं आपकी बात का सम्मान करते हुये संशोधन प्रस्ताव में अपनी इन बातों को जोड़ने की मांग करता हूँ। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री नागेन्द्र सिंह राठौर-

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, आपने महामहिम राज्यपाल महोदया द्वारा दिए गये अभिभाषण के समर्थन में डॉ0 मंजू शिवाच के द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने का अवसर दिया है, उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ और आपको धन्यवाद देता हूँ। मैं सर्वप्रथम उत्तर प्रदेश की जनता-जनार्दन को प्रणाम करते हुए उनका आभार व्यक्त करता हूँ कि तमाम अफवाहों के बावजूद, तमाम झूठ प्रचार के बावजूद जनता-जनार्दन ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनाने में मा0 योगी जी के नेतृत्व पर भरोसा किया है और दो तिहाई से अधिक बहुमत देकर आज यहां पर सेवा करने का अवसर दिया है। आज बहुत चर्चा हो रही थी, प्रतिपक्ष की तरफ से सरकार की कार्यशैली पर कई सवाल उठाये गये। मैं समझता हूँ कि यह स्व मूल्यांकन भी कोई विषय है। जिस पर कि हम सरकार पर उंगली उठाने से पहले

सरकार की जन-लाभकारी योजनाएं हैं, उनका मूल्यांकन करें कि इस कोरोना काल में राशन वितरण से लेकर टीकाकरण तक किसी जाति या धर्म के आधार पर सेवा की गयी है। सरकार की तमाम ऐसी योजनाएं हैं। चाहे प्रधानमंत्री आवास हो, चाहे शौचालय की व्यवस्था हो, चाहे सुमंगला योजना हो एवं चाहे सौभाग्य योजना के अन्तर्गत विद्युत कनेक्शन देने का काम किया गया हो। किसी को भी इस तरीके से कहने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी कि जाति या पार्टी के आधार पर कार्य हुए हैं। जबकि आज विपक्ष द्वारा जनेश्वर मिश्र विकास योजना का ढिंढोरा पीटा गया था। उस विकास योजना का मूल्यांकन यहां पर बैठे हमारे सभी सम्मानित साथी अपनी विधान सभा क्षेत्र में करके देखें कि किन गांवों को विकसित किया गया है, वोट बैंक के आधार पर विकसित किया गया है और आज सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास की खिल्ली उड़ा रहे थे। जबकि भारतीय जनता पार्टी मा0 मोदी जी के मार्गदर्शन में और मा0 योगी जी के नेतृत्व में प्रदेश की सही रूप में सेवा कर रही है। उत्तर प्रदेश का चौमुखी विकास हुआ है और उसी का परिणाम है कि फिर से उत्तर प्रदेश की जनता जनार्दन ने मा0 योगी जी को सेवा करने का अवसर दिया है। जाति में बांटने का काम भारतीय जनता पार्टी की नीति नहीं है, भारतीय जनता पार्टी सत्ता के द्वारा व्यवस्था परिवर्तित करके सेवा करने का कार्य करती है और भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इन पांच सालों में करके दिखाया है और उसी पर जनता जनार्दन ने भरोसा किया है और मा0 योगी जी को दो तिहाई सीटें देकर फिर से पांच साल सेवा करने का अवसर दिया है। तमाम क्षेत्रों में विकास के कार्य हुए हैं। मेरे भी जनपद फर्रुखाबाद की विधान सभा क्षेत्र भोजपुर है। श्रृंगी रामपुर एक तीर्थ स्थल है जो श्रृंगी ऋषि की तपो भूमि है। हमारे अध्यात्म में कहा जाता है कि श्रृंगी ऋषि वह ऋषि थे जिन्होंने पुत्रेष्टि यज्ञ करके भगवान राम को अवतरित करने का रास्ता बनाया था। श्रृंगी रामपुर भगीरथी के तट पर स्थित है, वहां पर तीन बहुत बड़े मेलों का आयोजन होता है और सबसे बड़ा आयोजन महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में होता है। मध्य प्रदेश, ग्वालियर से लेकर इटावा, मैनपुरी एवं कन्नौज तक के लोग कांवड़ यात्रा पर आते हैं। मैं आपके माध्यम से चाहता हूँ कि श्रृंगी रामपुर को धार्मिक पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करके वहां की जो पुरानी संस्कृति है उसको संरक्षित करने का काम किया जाए और हमारे जनपद में एक पांचाल घाट है, जहां पर पूरे जनपद के शवों की अन्त्येष्टि होती है। आज तमाम पर्यावरण को देखते हुए आवश्यक यह है कि विद्युत शवदाह की व्यवस्था की जाए।

मान्यवर, मैं इन दो ही मांगों के साथ अपनी सरकार के प्रति और आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ तथा विश्वास करता हूँ कि उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश बनेगा और रामराज्य की तरफ बढ़ रहा प्रदेश तुलसीदास जी की इस चौपाई को चिरतार्थ करेगा कि-

दैहिक दैविक भौतिक तापा।
राम राज काहू नहिं व्यापा।।

इन्हीं शब्दों के साथ बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिंद-जय भारत, वन्दे मातरम्।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय नागेन्द्र जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। माननीय श्री मुकेश चौधरी जी आप बोलिए।

श्री मुकेश चौधरी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया। मान्यवर, मैं किसान परिवार से हूँ और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर की उस विधान सभा क्षेत्र से आया हूँ जो हरियाणा राज्य से लगती है। किसान के घर में मैंने जन्म लिया है। खेती-किसानी हमारे यहां बहुत अच्छे से होती है। आज गन्ने की बात इस तरफ से मेरे मित्रों ने की। मैं बताना चाहता हूँ कि 2017 से पहले जो दो सरकारें रही है उन सरकारों ने उत्तर प्रदेश के अन्दर जिस तरह से गन्ना मिलों को बेच कर गन्ना मिलों को बन्द करके उत्तर प्रदेश के गन्ना किसानों का उत्पीड़न करने का काम किया था। यह अपने आप में एक बहुत बड़ी बात है हमारी सरकार ने वर्ष 2017 में बनने के बाद से हमारे सहारनपुर की दया शुगर मिल को चलाने का काम किया। उत्तर प्रदेश में तमाम मिलें लगाकर एवं पुरानी मिलों की क्षमता वृद्धि करके गन्ना किसान को मजबूत स्थिति में लाने का काम हमारी सरकार ने किया है। आज उत्तर प्रदेश के अन्दर पिछले पांच साल में कृषि के क्षेत्र में तमाम वह सुविधाएं किसानों को दी गयी हैं चाहे वह बीज वितरण की सुविधा हो, कृषि यंत्र की सुविधा हो, ऐसी तमाम सुविधाएं दी गयी हैं।

हमारी सरकार ने पिछले पांच साल में तमाम ऐसे काम किये हैं, उन्हें मैं गिनाता हूँ। जैसे राशन का मामला है, मुझे अच्छे से याद है कि वर्ष 2017 से पहले यही राशन तीन महीने में एक बार बंटता था और महीने में तीन बार बंट रहा है। उस समय राशन पर भी लूट थी उस पर भी माफिया सवार थे। मान्यवर, आज बाबा योगी का राज है, आज बाबा ऐसी मशीन ले आये हैं कि राशन डीलर पूरा राशन गरीब को देने उसके घर जाता है और गरीब उसका निवाला बनाकर अपने बच्चों का पेट पूजन कराता है। आज कोई माफिया उसके राशन पर डाका नहीं डाल सकता है, माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि हमारी सरकार ने उत्तर प्रदेश के अन्दर स्वयं सहायता समूह का गठन करके उत्तर प्रदेश में रहने वाली गरीब महिलाओं के लिए छोटे-छोटे कुटीर उद्योग अपने गांव में चलाकर उन्हें पैरों पर खड़ा करने का काम किया है। मेरे जनपद सहारनपुर में 8000 समूह बनाकर 80,000 महिलाओं को काम देने का काम किया है। वे महिलाएं गांव में छोटे-छोटे कुटीर उद्योग चला रही हैं, कोई मेंहदी का काम करती है, कोई सिलाई का काम करती है, कोई बुनाई का काम करती है। मैं आपसे बताना चाहता हूँ कि यह भारतीय जनता पार्टी की नीति एवं नीयत है कि उसने उन 80,000 महिलाओं को जब एक जनपद में काम दिया है तो पूरे उत्तर प्रदेश का हिसाब आप लगा सकते हैं।

मैं आपके माध्यम से बताना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश के अन्दर जब किसी अमीर के यहां शादी होती थी और उसमें गरीब व्यक्ति जाता था तो वह भी सोचता था कि मेरी बेटी की शादी होगी तो पता नहीं गांव का प्रधान आएगा या नहीं आएगा, लेकिन यह योगी जी का राज है, योगी जी की नीति है, मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह एक ऐसी योजना चलाई, आज डी0एम0 भी विवाह में जाता है, मंत्री भी जाता है, विधायक भी जाता है और गरीब की बेटी की शादी में जाता है। माननीय महोदय, अभी प्रदेश के अन्दर कानून व्यवस्था की बात हमारे कुछ साथी कर रहे थे। मैं बताना चाहता हूँ, 2017 से पहले, मुझे अच्छे से याद है, मैं भी किसान हूँ, जब रात को हम लोग खेत को पानी देने जाते थे, बिजली आती नहीं थी, रात के 12:00 बजे आती थी और जब रात के 12:00 बजे किसान का बच्चा खेत जाता था, पूरा परिवार भयभीत रहता था, पूरा परिवार दहशत में रहता था और वह माँ और मेरी बहन, जिसका सिन्दूर खेत में जाता था, उसे भय रहता था कि मेरा आदमी आयेगा, नहीं आयेगा। मेरा वह लाल खेत से वापस आएगा कि नहीं आएगा।

श्री अधिष्ठाता-

चौधरी जी, समाप्त करें।

श्री मुकेश चौधरी-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, पहली बार आया हूँ, पहली बार बोल रहा हूँ, 02 मिनट और दे दीजिए, आपसे प्रार्थना है। अधिष्ठाता महोदय, आपसे बताना चाहता हूँ मुझे अच्छे से याद है, 2017 से पहले गाँव-गाँव पहरे लगते थे, चोर आ गए, चोर आ गए। पूरा दिन किसान खेती करता था और रात को किसान गाँव में पहरा देकर अपने बच्चों की, अपने गाँव की सुरक्षा करता था। 2017 से पहले यह स्थिति थी। यह बाबा का बुल्डोजर है, जो आज माफिया थाने में तख्ती लेकर आते हैं, कहते हैं कि मैं भी बदमाश हूँ, मैं भी गुण्डा हूँ, मुझे भी गिरफ्तार करके जेल भेज दीजिए। इसलिए मैं आपसे कहना चाहता हूँ कि यह बाबा योगी का राज है, यह बाबा योगी की नीति है, जिन्होंने बिना रुके लगातार 05 साल में एक दिन की भी छुट्टी न लेते हुए उत्तर प्रदेश की सेवा करने का काम किया, एक सेवक के रूप में काम करने का काम किया और बड़े-बड़े माफियाओं को नानी याद दिला दी। यह भारतीय जनता पार्टी की नीति है, बहुत-बहुत धन्यवाद।

***श्री जय प्रकाश अंचल-**

अधिष्ठाता महोदय, आज महामहिम राज्यपाल महोदय के अभिभाषण के संशोधन प्रस्ताव पर मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूँ। जिस तरह से उत्तर प्रदेश के हालात हैं, अधिष्ठाता महोदय, वह किसी से छिपा नहीं है। पूरे उत्तर प्रदेश का नौजवान नौकरियों के लिए

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

बदहाली की स्थिति में जी रहा है। सरकार की तरफ से कोई इस तरह का ठोस आश्वासन नहीं आया कि हम नौजवानों को रोजगार कैसे देंगे। आज जिस तरह की बदहाल स्थिति नौजवानों की है, नौजवान खुदकुशी करने के लिए विवश है और कर भी रहा है, सरकार को इस पर कोई ठोस कदम उठाना चाहिए जो इस अभिभाषण में शामिल नहीं है। किसानों की स्थिति भी काफी बदहाल है। कृषि कार्य महंगा हो गया है, किसानों की पैदावार का उचित मूल्य नहीं मिल रहा है। किसान की खाद, बीज, सिंचाई, सब कुछ महंगा हुआ है, उसको भी राज्यपाल महोदया के अभिभाषण में शामिल करना चाहिए। साथ ही जिस तरह आवारा पशुओं के द्वारा किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं और आए दिन आवारा पशुओं की वजह से जहाँ किसानों की फसलें बर्बाद हो रही हैं।, उससे काफी तादात में एक्सीडेंट भी हो रहे हैं, लोग मर भी रहे हैं, लेकिन आज तक सरकार की तरफ से कोई इन्तजाम नहीं हो पाया है कि उसकी रोकथाम कैसे होगी, किसानों की फसलें कैसे बचायी जा सकें ? साथ ही किसानों के द्वारा जो पैदावार हो रही है, उचित मार्केट न मिल पाने के कारण किसान परेशान है कि हम अपनी पैदावार को किस रेट से कहाँ बेचें, क्योंकि लागत के अनुरूप जो सरकार ने रेट निर्धारित किया है, किसानों को उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। अभी कुछ जनप्रतिनिधि यह भी कह रहे थे कि गन्ना किसानों का लगभग 10 हजार करोड़ से अधिक बकाया पड़ा है, लेकिन सरकार की तरफ से उन किसानों के आँसू पोछने की कोई ठोस पहल नहीं की जा रही है। ऐसे हालात में पूरा उत्तर प्रदेश जहाँ नौजवानों को लेकर परेशान है, अस्पतालों में दवाइयाँ नहीं मिल रही हैं, जो अस्पताल हैं, वहाँ मशीनें पड़ी हुई हैं, जगहें रिक्त हैं। जब डाक्टर अस्पताल में नहीं होगा, कर्मचारी अस्पताल में नहीं होगा, तब आम लोगों को इलाज कैसे मिल पायेगा ?

मैं आपका ध्यान अपने जनपद बलिया की तरफ ले जाना चाहता हूँ। तत्कालीन समाजवादी पार्टी की सरकार में, माननीय अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में बलिया में ट्रामा सेण्टर की स्थापना हुई थी। लेकिन आज तक उस ट्रामा सेंटर में न तो डाक्टरों की पोस्टिंग हुई है और न ही जो मशीनें वहां लाई गई थीं उन मशीनों को चलाने का कोई इन्तजाम हो पाया है। बलिया उद्योग विहीन जनपद है, दो-दो उद्योग बलिया में थे और एक चीनी मिल थी, जोकि काफी दिनों से बन्द पड़ी है। एक कताई मिल थी वह भी बन्द पड़ी है। वहां का नौजवान आज भी भ्रमित हो करके किसी न किसी दूसरे प्रदेश में जाने के लिए पलायन करने के लिए मजबूर है। बलिया जनपद बाढ़ और गंगा-घाघरा नदी के बीच का तटवर्ती इलाका है। बलिया जनपद गंगा की बाढ़ से तबाह हो जाता है और बरसात के सीजन में घाघरा के बाढ़ से भी परेशान हो जाता है। फसलें बर्बाद हो जाती हैं, लेकिन सरकार की तरफ से कोई इन्तजाम नहीं हो पाता है। दुर्भाग्य तो तब हुआ कि पिछली बार मा0 मुख्य मंत्री योगी जी के समय में दुबेछपरा रिंग बांध का निर्माण हुआ था। समाजवादी पार्टी की सरकार ने लगभग 39 करोड़ रुपया स्वीकृत किया था। उस 39 करोड़ रुपयों में दुबेछपरा रिंग बांध का निर्माण भारतीय जनता पार्टी के कार्यकाल में कराया गया था। वह रिंग बांध एक साल भी नहीं झेल पाया और रिंग बांध कट

गया। दो-दो बार उस स्थान पर मा0 मुख्य मंत्री जी का दौड़ा हुआ, लेकिन दुर्भाग्य रहा कि लगभग उस पचासों हजार आबादी को बचाने के लिए रिंग बांध का निर्माण भी नहीं हो पाया। आज भी हजारों की तादात में परिवार बाढ़ से बेघर हो करके बन्धे पर शरण ले करके किसी तरीके से अपना जीविकोपार्जन चला रहे है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि न तो राज्यपाल जी के अभिभाषण में उसे शामिल किया गया, जोकि हजारों परिवार बाढ़ से बेघर हो करके बंधे पर शरण लिये हुए है उनके लिए सरकार कोई आवास का इन्तजाम करेगी कि नहीं। कहीं भूमि क्रय करके उन्हें बसाने का इन्तजाम होगा कि नहीं और न ही वहां उसके कोई रोकथाम का इन्तजाम हुआ है।

हमारे जनपद में बिजली की स्थिति खराब है और किसी-किसी गांव में तो दो घण्टे भी बिजल नहीं मिल पा रही है जबकि सरकार की तरफ से यह बार-बार ढिंढोरा पीटा जा रहा है कि हम लोग 18 घण्टे से ले करके 24 घण्टे तक बिजली का इन्तेजाम कर रहे है, लेकिन हकीकत में अगर यह भी जनप्रतिनिधि हैं अगर अपने क्षेत्र में भी देख लें तो इनके यहां भी वही स्थितियां हैं। कहीं आठ घण्टे, कही पांच घण्टे और कहीं दस घण्टे बिजली मिल रही है। जनता के हित की लड़ाई आप भी लड़ रहे हैं और जनता के हित की लड़ाई हम लोग भी लड़ रहे हैं। जहां सड़क की आवश्यकता होगी, बिजली की आवश्यकता होगी, पानी की आवश्यकता होगी, बाढ़ से निजात दिलाने की आवश्यकता होगी तो हम जनप्रतिनिधि मा0 मुख्य मंत्री जी से ले करके गवर्नर साहिबा से निवेदन जरूर करेंगे कि हम लोगों के जनपद बलिया को बाढ़ से निजात दिलाने के लिए कोई बड़ी स्थाई योजना लाएं, क्योंकि मा0 मुख्य मंत्री जी जा करके उस स्थान पर कह भी चुके है कि अब से बाढ़ से बेघर परिवार नहीं होंगे, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि आज तक कोई भी योजना वहां नहीं आ पाई है, जिससे कि उन बाढ़ प्रभावित लोगों को बचाया जा सके। बिजली की व्यवस्था को दुरुस्त किया जाए। ट्रामा सेण्टर को चालू कराया जाए। बहरिया जोकि बिहार के तीनों तरफ से घिरा हुआ इलाका है वहां पर सौ बेड का अस्पताल मा0 अखिलेश जी के सहयोग से देने का काम हुआ था। उसको भी अतिशीघ्र चलाया जाए। मा0 अधिष्ठाता जी आपने हमें बोलने का अवसर दिया आपको बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। जय हिंद, जय भारत।

श्री गौरी शंकर वर्मा (कोरी)-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण प्रस्ताव पर बोलने का मौका दिया। आज उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी जी की सरकार है और जब से वर्ष 2014 से लेकर आज तक मोदी और योगी जी की सरकार ने उत्तर प्रदेश में जो काम किया है निश्चित रूप से गरीब जनता, किसान, बेसहारा मजदूर और व्यापारियों के हित के लिए काम किया है। इस अभिभाषण में यही सब समावेश है। निश्चित रूप से मैं बुन्देलखण्ड से आता हूँ। बुन्देलखण्ड की जो हालत समाजवादी पार्टी की सरकार में और बसपा की सरकार में थी, बुन्देलखण्ड में माफियाओं का राज था और लुटेरों

का राज था। निश्चित रूप से मैं कहना चाहता हूँ कि वर्ष 2017 से जब से योगी जी उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री बने हैं। तब से लगातार बुन्देलखण्ड का विकास हो रहा है। चाहे वह बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे हो, चाहे वह हर घर को नल से जल देने का काम हो, चाहे सुचारु रूप से विद्युत आपूर्ति की व्यवस्था की बात हो, चाहे सड़कों का जाल बिछाने की बात हो, चाहे जब से देश आजाद हुआ है, तब से सिंचाई के साधन बुन्देलखण्ड में बहुत कम थे।

वर्ष 2017 से लेकर अब तक जल शक्ति मंत्री द्वारा मेरे विधान सभा क्षेत्र में 251 नये पुलों और पुलिया का निर्माण कराया गया है। हमारे विधान सभा क्षेत्र में 40 नई रोडों का निर्माण कराया गया है जिन सड़कों पर आज जनता निश्चिन्त होकर चलती है। निश्चित रूप से वर्ष 2017 से पहले वे सब सड़कें गड्ढों में तब्दील थीं, क्योंकि उस समय गुण्डे और माफियाओं का राज था। सिर्फ इसलिए वे सड़कें नहीं बनाई जाती थीं कि जब रात के अँधेरे में कोई गरीब, बेसहारा व्यापारी उधर से मोटर साइकिल से जाता था तो इनके गुण्डे वहाँ पर लोगों की मोटर साइकिलों को सड़कों के गड्ढों में रोककर उनके पैसे, जेवर और मोटर साइकिल छीन लेते थे। आज निश्चित रूप से मैं यह कहना चाहता हूँ कि उत्तर प्रदेश में गुण्डे और माफिया अब समाप्त हो चुके हैं। आज कहीं भी मोटर साइकिल नहीं छीनी जाती है, कहीं भी माँ-बेटियों की जंजीरें नहीं छीनी जाती हैं। आज अपराधियों में निश्चित रूप से योगी जी का खौफ है और योगी जी के खौफ के कारण ये गुण्डे-माफिया या तो जेल में हैं या उत्तर प्रदेश की सड़कों से बाहर जा चुके हैं। मैं निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री को बधाई देता हूँ कि उन्होंने बुन्देलखण्ड को स्वर्ग बनाने के लिए जो काम किया है, वह अभी तक 70 वर्षों में कभी नहीं हुआ था। आज मैं विधान सभा क्षेत्र उरई से आता हूँ। उरई विधान क्षेत्र में चाहे पुल बनाए गए हों, चाहे परिवहन विभाग के दो बस अड्डे बनाए गए हों, चाहे पी0डब्ल्यू0डी0 द्वारा नई सड़कें बनाई गई हों।

मेरे विधान सभा क्षेत्र में लगातार सिंचाई विभाग द्वारा, बाल विकास विभाग द्वारा और विशेष रूप से बुन्देलखण्ड में बच्चों की पढ़ाई के लिए प्राइमरी स्कूलों का कायाकल्प किया गया है, सरकार ने इंग्लिश मीडियम स्कूल बनाए हैं, उनका सुन्दरीकरण किया है। आज गाँव का बच्चा गाँव में पढ़ना चाहता है, अब गाँव का कोई बच्चा कॉन्वेण्ट स्कूल में पढ़ने के लिए नहीं जाना चाहता है, क्योंकि मेरे विधान सभा क्षेत्र में मॉडल प्राइमरी स्कूल बनाकर तैयार किए गए हैं। अभी पिछले महीने में उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज मंत्री के माध्यम से मुख्य मंत्री जी मेरे विधान सभा क्षेत्र में गए थे और उन्होंने वहाँ का मॉडल प्राइमरी स्कूल देखकर यह कहा था कि पूरे उत्तर प्रदेश में इसी तरह के मॉडल प्राइमरी स्कूल बनने चाहिए। अभी समाजवादी पार्टी के मुखिया कह रहे थे कि बच्चों के लिए शौचालय नहीं बने हैं। अगर पूर्व मुख्य मंत्री शौचालय देखना चाहते हैं तो वे आज प्राइमरी स्कूलों को देख सकते हैं, जहाँ पर बच्चों के लिए, बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग शौचालय बने हुए हैं और उनके लिए शुद्ध पेयजल की भी व्यवस्था की गई है। आज प्रदेश के हर विधान सभा क्षेत्र में उत्तर प्रदेश के

मुख्य मंत्री जी के द्वारा हर विभाग से काम कराए गए हैं। आज कोई ऐसा विभाग नहीं है जिसके द्वारा विकास कार्य न कराए गए हों। आज महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए 80 हजार स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं, उन 80 हजार समूहों के हर समूह में 10 महिलाएँ होती हैं। सभी को कौशल विकास योजना के माध्यम से रोजगार देने का काम भी उत्तर प्रदेश सरकार के यशस्वी मुख्य मंत्री कर रहे हैं।

मैं निश्चित रूप से बधाई देना चाहता हूँ देश के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को और उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी को कि उन्होंने उत्तर प्रदेश के बुन्देलखण्ड क्षेत्र को आज प्रदेश में एक नया स्थान दिया है। जिसको वर्ष 1984 में देश के प्रधानमंत्री ने कहा था कि बुन्देलखण्ड बहुत पिछड़ा हुआ है, लेकिन आज का बुन्देलखण्ड उत्तर प्रदेश में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज बुन्देलखण्ड की 19 सीटों में से 16 सीटें भारतीय जनता पार्टी जीत कर आई है। मैं बधाई देता हूँ उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी को, उन्होंने मात्र 5 साल में बुन्देलखण्ड के लिए इतने सारे काम कराए हैं कि आज बुन्देलखण्ड का पूरा कार्यकर्ता, जनमानस योगी जी के साथ है। आज योगी जी ने बुन्देलखण्ड के बड़े-बड़े गुण्डे-माफियाओं को बुन्देलखण्ड ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश की जमीन से भी बाहर कर दिया है। मान्यवर, अब मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की कुछ बातें कहकर एक मिनट में अपनी बात समाप्त करता हूँ। मेरे विधान सभा क्षेत्र उरई में राजकीय मेडिकल कॉलेज है, हमारे राजकीय मेडिकल कॉलेज में एक ट्रॉमा सेण्टर स्वीकृत हुआ था लेकिन उसे बसपा सरकार के मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी चुरा करके बांदा ले गए। तब से हमारे यहाँ कोई ट्रॉमा सेण्टर नहीं है। अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ कि हमारे यहाँ के राजकीय मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा सेण्टर की स्थापना करा दी जाए। हमारे यहाँ इंजीनियरिंग कॉलेज नहीं है, जबकि मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक बहुत बड़ी जगह पड़ी हुई है, उस पर एक इंजीनियरिंग कॉलेज की स्थापना करा दी जाए। अभी हमारे उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री जी ने काउ-सफारी बनाने का आदेश किया है, वह पास भी हो गया है और मेरे विधान सभा क्षेत्र में एक जगह बिल्कुल तैयार हो गई है, इसलिए वहाँ पर काउ-सफारी बनवा दी जाए। धन्यवाद।

***श्री श्रीकान्त कटियार-**

माननीय अध्यक्ष जी, आपने मुझे अट्ठारहवीं विधान सभा क्षेत्र में बोलने का अवसर प्रदान किया, इसके लिए आपका धन्यवाद। धन्यवाद प्रस्ताव में डॉ0 शिवाच जी ने जो बात कही थी, मैं उसका समर्थन करता हूँ। मैं बाँगरमऊ, उन्नाव 162, विधान सभा क्षेत्र से आता हूँ। जहां आज अमृत महोत्सव का दिन पूरे देश के अन्दर चल रहा है, यह आजादी का अमृत महोत्सव है, उसी श्रृंखला में अपनी विधान सभा क्षेत्र से जन्मे दो संविधान सभा के सदस्य रहे

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

माननीय विशम्भर दयाल त्रिपाठी जी और स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी रहे मा0 गुलाब सिंह लोधी जी, ठा0 जस्सा सिंह जी और सातन पासी जी का हम अभिनन्दन करते हैं। अभिनन्दन इसलिए करते हैं कि आजाद भारत में आजादी के बाद यदि देश के लिए इन लोगों ने कुर्बानी दी है तो सच्चे मायने में आज मा0 श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में पूज्य योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में हम सब उनको याद कर पा रहे हैं। उनके विषय में थोड़ा-सा बताना चाहता हूँ कि ठा0 जस्सा सिंह जी ने सर्वांगीण न्यौछावर किया था और उनकी शहादत हो गयी थी। आज तक किसी ने उनकी चिन्ता नहीं की, परन्तु मैं मा0 पूज्य योगी आदित्यनाथ जी को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने वहां पर स्मारक बनवाने के लिए पहल की है। मैं बधाई देता हूँ जिन्होंने कई वर्षो से इस झण्डे वाले पार्क, अमीनाबाद में आजादी के समय बैलों का पैना लेकर झण्डा फहराने का काम किया था। वह वहीं बाँगरमऊ विधान सभा क्षेत्र के चौरासी ब्लॉक में रहने वाले चंद्रिका खेड़ा गांव के हैं, जहां मा0 पूज्य योगी आदित्यनाथ जी की सरकार में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की स्थापना भी हुई है और वहां उनकी प्रतिमा भी लगाने का काम हुआ है। यह काम अभिनन्दनीय है और हम उनका अभिनन्दन करते हैं।

उत्तर प्रदेश में वहीं पर जो सातन पासी का किला था, उसकी किसी ने चिन्ता नहीं की। उस सड़क का नामकरण करके वहां भव्य द्वार बनाना तय किया है। मा0 विशम्भर दयाल त्रिपाठी जी, जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी रहे, राजनीतिक विद्वान भी रहे और विधान सभा क्षेत्र के सदस्य भी रहे, हम चाहते हैं कि उनका भी एक स्मारक बने और भव्य दिव्य प्रतिमा बने। जब 2014 में मा0 श्री नरेन्द्र मोदी जी, देश के कोने-कोने में जा कर कह रहे थे कि भारतीय जनता पार्टी की यदि देश में सरकार बनती है तो एक गरीब, किसान, मजदूर की सरकार होगी और सबका साथ, सबके विश्वास के साथ सरकार चलेगी। मित्रों, हम यह सदन के माध्यम से कहना चाहते हैं कि जब उत्तर प्रदेश में 2017 में मा0 पूज्य योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में सरकार बनती है, हमने कहा था कि उत्तर प्रदेश में आएंगे तो गुण्डाराज और भ्रष्टाचार को हम खत्म करेंगे। हम यह बात इसलिए कहना चाहते हैं, क्योंकि मा0 नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जिन ढेर सारी योजनाओ की बात हमारे साथियों ने कही, उनको सम्बद्ध करते हुए चाहे आवास की योजना हो, चाहे गांव-मजरे तक बिजली पहुंचाने की योजना हो, आजाद भारत में आजादी के बाद किसी ने यह बात नहीं सोची। यह बात अगर किसी ने सोची है तो मा0 श्री नरेन्द्र मोदी जी ने और उत्तर प्रदेश के मुखिया पूज्य योगी आदित्यनाथ जी ने जिनको 2017 से लेकर 2019 तक पूरा करने का काम किया था।

गांव-गांव, मजरे-मजरे तक बिजली पहुंचाने का काम किया। माननीय मोदी जी की कृपा से सबको आवास देने का काम किया।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय श्रीकान्त जी समाप्त करें।

श्री श्रीकान्त कटियार-

अधिष्ठाता महोदय, बस दो मिनट लेंगे। हम यह कहना चाहते हैं कि आज उत्तर प्रदेश के अन्दर जब हमनें सरकार बनायी तो कहा कि सरकार विभिन्न कार्यक्रमों, आयोजनों के साथ आपके द्वार पर गयी है। सरकार ने गरीबों की, मजलूमों की, किसानों की चिन्ता की जिसका परिणाम आज उत्तर प्रदेश की विधान सभा क्षेत्र में स्पष्ट नजर आ रहा है। पूर्ण बहुमत की प्रचण्ड बहुमत की सरकार बनाने का काम जनता-जनादर्न ने किया है। मैं उत्तर प्रदेश की जनता-जनार्दन को धन्यवाद देता हूँ। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र की जनता को भी ढेर सारा धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने मुझे सेवा का अवसर प्रदान किया। बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री राम अचल राजभर-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे श्री राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का अवसर दिया, मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। साथ-ही-साथ मा0 नेता प्रतिपक्ष और माननीय लालजी वर्मा के सम्बोधन प्रस्ताव पर बल देता हूँ। मैं बताना चाहता हूँ कि महामहिम राज्यपाल का अभिभाषण सरकार का दस्तावेज है। उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था आज पूरी तरह सुदृढ़ नहीं है। चारों तरफ मर्डर, फिरौती, बलात्कार, चोरी, डकैती, छिनैती, अपहरण, पूरा हाहाकार मचा है। कोई ठोस कार्य योजना सरकार की तरफ से नहीं बनायी गयी है। आज उत्तर प्रदेश के साथ-साथ अम्बेडकरनगर और मेरी विधान सभा क्षेत्र अकबरपुर में बिजली का संकट है। बिजली की बड़े पैमाने पर कटौती के साथ-साथ उपभोक्ताओं का बड़े पैमाने पर शोषण हो रहा है। बिजलेन्स के नाम पर पुलिसकर्मी और विभागीय अधिकारी मिलकर उपभोक्ताओं का शोषण कर रहे हैं। जब जांच करके लौटते हैं तो वह एक नम्बर देते हैं अगर उस पर उपभोक्ता नहीं पहुंचता तो उसको धमकी देते हैं कि एफ0आई0आर0 करायेंगे तो इस तरह उनका भी शोषण हो रहा है। आज कानून-व्यवस्था, बिजली की व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गयी है। आज सरकारी हास्पिटलों में गम्भीर बीमारी और एक्सीडेण्टल के मामले जाते हैं तो वहां पर उचित व्यवस्था नहीं है जिसकी जरूरत है, फिर प्राइवेट हास्पिटलों में ले जा कर उनका इलाज कराते हैं। गरीब व्यक्ति खेती-बाड़ी बेचकर पेमेण्ट करता है। यह बड़ा दुर्भाग्य है, लगभग सभी विधान सभा क्षेत्रों में सभी माननीय सदस्यगणों के सामने यह प्रकरण आता होगा कि सरकारी एम्बुलेन्स से जो गम्भीर बीमारी, एक्सीडेण्टल वाले मरीज भेजे जाते हैं उन्हें सरकारी हास्पिटल किंग जार्ज मेडिकल कालेज, राम मनोहर लोहिया, पी0जी0आई0, बलरामपुर और सिविल हास्पिटल न ले जाकर प्राइवेट हास्पिटलों में उनको भर्ती कराने का काम करते हैं। मान्यवर, इस पर भी कोई ठोस कदम सरकार को उठाना चाहिए।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से एक और निवेदन करना चाहता हूँ कि सरकारी हास्पिटलों के डाक्टरों द्वारा 4-5 लाख का स्टीमेट/आगणन बनाकर दिया जाता है तो उसका 50 प्रतिशत ही मुख्य मंत्री विवेकाधीन कोष से निर्गत किया जाता है, इसलिए वो इलाज सम्भव नहीं है। साथ-ही-साथ अधिष्ठाता महोदय आपसे निवेदन है कि सरकार को ये

निर्देशित किया जाय कि गम्भीर बीमारी के लिए जो आगणन बनकर जाता है, उस पर डी0एम0 की जो रिपोर्ट लगती है, वो महीनों लगा देते हैं तब तक गम्भीर बीमारी वाले व्यक्ति का देहान्त हो जाता है। ये सरकार हल्ला बहुत मचा रही है, ढ़िंढोरा बहुत पीट रही है कि हमने ये किया, वो किया और जहां तक सड़कों का सवाल है मान्यवर हमारे यहां पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे का बड़ा ढ़िंढोरा पीटा जा रहा है। मैं यह बताना चाहता हूँ कि हम लोग भी पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से अम्बेडकरनगर जाते हैं उसकी क्वालिटी और क्वांटिटी को दिखवा लिया जाय। आज सड़क पूरी तरह ध्वस्त हो गयी है, टूट रही है और वहाँ बड़े पैमाने पर शोषण भी हो रहा है, वहाँ पैसा भी वसूला जा रहा है। यह तो बहुत दुर्भाग्य है, क्योंकि अगर टोल प्लाजा वाले पैसा लेते हैं तो किसलिए लेते हैं ? सड़क का रख-रखाव ठीक होना चाहिए। अभी हमारे नेता प्रतिपक्ष बता रहे थे कि जब हम उस पर जाते है तो कमर टेढ़ी हो जाती है, मान्यवर, इस तरह से उसका निर्माण हुआ है। मान्यवर, उसमें बड़ा बन्दरबाँट, बँटवारा हुआ है।

मैं आपके माध्यम से यह जरूर कहना चाहता हूँ कि आज जो आउटसोर्सिंग से नौकरी दी जा रही है, उसमें तमाम तरीके से शोषण होता है। रोजगार की बात करते हैं, लेकिन नौकरी देने की बात नहीं करते। मैं यह भी आपके माध्यम से कहना चाहता हूँ, भाजपा का संकल्प-पत्र है सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास। लेकिन मान्यवर, मैं यह कहना चाहता हूँ कि ये रामराज्य की बात करते हैं, यह सामने बैठे लोग धार्मिक उन्माद फैलाकर हिन्दू-मुसलमान करके सत्ता में बने रहना चाहते हैं। मैं बताना चाहता हूँ कि हम लोग भी मर्यादा पुरुषोत्तम राम को मानने वाले लोग हैं। अधिष्ठाता महोदय, मर्यादा पुरुषोत्तम राम ने दुनिया को सन्देश दिया था और शबरी के जूठे बेर खाये थे। मैं यह नहीं कहता कि हम दलितों, पिछड़ों का जूठा बेर खायें, लेकिन उनको सम्मान दिया जाना चाहिए।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय राम अचल जी, आप समाप्त करें।

श्री राम अचल राजभर-

मान्यवर, आज जो बड़ी-बड़ी बात करने वाले हैं, मैं यह बताना चाहता हूँ कि मेरठ में क्या हुआ ? एक शिड्यूल कास्ट के दूल्हे को जब वह घुड़सवारी कर रहा था तो उसको घोड़े से उतार कर उस दूल्हे की पिटाई की गई और दबंगों ने उसके हाथ-पैर को तोड़ने का काम किया और मान्यवर, ये बड़ी-बड़ी बात करने वाले, शिक्षा-दीक्षा, प्राथमिक, जूनियर हाई स्कूल की बात करने वाले हैं। लेकिन महोबा में एक दलित के बेटे ने एक शिड्यूल कास्ट के छात्र ने घड़े से पानी निकाल कर पी लिया तो उसकी बड़े पैमाने पर हेड मास्टर ने पिटाई करने का काम किया।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय राम अचल जी, आप समाप्त करें।

श्री राम अचल राजभर-

मान्यवर, आज 76 साल की आजादी के बाद यह वही समय लाना चाहते हैं, जो आजादी के पहले था, हमें गुलाम बनाना चाहते हैं। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहता हूँ कि बात तो बहुत होती है, लेकिन केवल वोट लेने के लिए हम लोगों को सम्मान दिया जाता है, हमारे वहाँ खिचड़ी खाई जाती है। लेकिन जहाँ मान-सम्मान की बात आती है तो हमारे बच्चों की पिटाई होती है, दलित दूल्हे की पिटाई होती है। मान्यवर, यह कैसी व्यवस्था है ?

श्री अधिष्ठाता-

माननीय राम अचल जी, अब संक्षिप्त करिये।

श्री राम अचल राजभर-

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से अपनी विधान सभा क्षेत्र के बारे में कहना चाहता हूँ कि अकबरपुर विधान सभा क्षेत्र टोन्स नदी के किनारे है। आज टोन्स नदी के दोनों तरफ 100-100 मीटर डी0एम0 के द्वारा नदियों के संरक्षण के लिए चिन्हित करा दिया गया है, जबकि वह तमसा नदी छोटी नदी है और दोनों तरफ 100-100 मीटर लेने से अकबरपुर नगर पालिका पूरी तरह टूट जायेगी। सदियों से, पुश्त-दरपुश्त जिनके नाम खतौनी, खसरा में हैं, उसमें लोग अपना आवास बनाकर रह रहे हैं, उस पर भी लाल निशान लगा दिया गया है। वहाँ पूरी तरह दहशत का महौल है और पूरी तरह से हाहाकार मचा हुआ है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय राम अचल जी, धन्यवाद। कृपया समय की सीमा का ध्यान रखें।

श्री राम अचल राजभर-

मान्यवर, इसको सुदृढ़ करने के लिए क्या गाइड लाइन है ? जो समुद्र है, जो घाघरा है, संगम है, उसकी जो गाइड लाइन है और जो टोन्स नदी की गाइड लाइन है, उन दोनों में अन्तर है। दोनों के मानकों को एक किया जा रहा है। मान्यवर, आपके माध्यम से यह बताना चाहता हूँ कि महंगाई को लेकर पूरा हाहाकार मचा हुआ है। मेरी विधान सभा क्षेत्र में तमाम सड़कें जर्जर हो गई हैं। बड़ी विकास की बात करने वाले, मैं कहना चाहता हूँ कि जो माननीय सदस्यगण हैं, वह भी ईमानदारी से अपनी विधान सभा क्षेत्र में देख लें कि केवल हाई-वे, नेशनल हाई-वे को छोड़कर आप विधान सभा क्षेत्र में घूमकर देखिये कि सारी सड़कें टूट गई हैं, जर्जर हो गई हैं। आज तक रिपेयरिंग नहीं हुई है। मैं माननीय वर्मा जी तथा माननीय श्री अखिलेश यादव जी द्वारा रखे गए संशोधन प्रस्ताव पर अपना बल देते हुए तथा आपका आभार व्यक्त करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ और आपको धन्यवाद देता हूँ।

श्री अनिल पाराशर-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको धन्यवाद व्यक्त करना चाहूँगा कि आपने मुझे महामहिम जी के अभिभाषण पर बोलने का समय दिया। माननीय अधिष्ठाता महोदय जी इस उत्तर प्रदेश की जनता ने मोदी जी और योगी जी के नेतृत्व में विश्वास किया और विश्वास ही नहीं किया, इस अटूट विश्वास के आशीर्वाद के सहारे से पुनः इस उत्तर प्रदेश में योगी जी के नेतृत्व में सरकार बनाने का मौका दिया और सरकार को यह मौका इसलिए दिया कि जो विकास की एक यात्रा चालू हुई, विकास की जो गंगा प्रदेश में बही, वह और भी तेजी के साथ इस प्रदेश में बहे, ऐसा सोचकर जनता ने इस सरकार के ऊपर विश्वास किया। महोदय, आज प्रदेश में सबका साथ, सबका विकास, सबके विश्वास और सबके प्रयास की सरकार है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, मैं समझता हूँ कि इसी कारण विपक्ष को इस सरकार का विकास कार्य, सरकार की जन-कल्याणकारी योजनायें दिखाई नहीं दे रही हैं। माननीय अधिष्ठाता महोदय, सनातन धर्म का प्रतीक और जिस हजारों वर्षों से हमारे सनातन धर्म का इतिहास रहा है, उस इतिहास को हमने देखा और वर्तमान दौर ने उस इतिहास की सच्चाई को दिखाने का काम भी किया है। आज आप देख रहे हैं कि एक तरफ दिव्य भव्य काशी विपक्ष को रास नहीं आ रही, दूसरी तरफ अयोध्या नगरी विपक्ष को रास नहीं आ रही है और तीसरी तरफ भव्य कान्हा की नगरी विपक्ष को रास नहीं आ रही है। मैं समझता हूँ कि यही हमारी आधारशिला है, यही हमारी कार्य प्रगति है, यही हमारे सनातन धर्म का आधार है। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आज योगी जी के नेतृत्व में इस उत्तर प्रदेश को चहुमुखी विकास का मौका मिल रहा है, उसी का परिणाम है कि आज शिक्षा के क्षेत्र में, चिकित्सा के क्षेत्र में, जल के क्षेत्र में, बिजली के क्षेत्र में, एक्सप्रेस-वे सड़कों की जालों के क्षेत्र में, युवाओं के रोजगार के क्षेत्र में, गरीबों के कल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में, किसानों की समृद्धि एवं खुशहाली के क्षेत्र में, मातृ शक्ति के सम्मान के क्षेत्र में और जनता के कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है और उत्तर प्रदेश में योगी जी की सरकार जो जीरो टॉलरेंस की प्राथमिकता है वह निरन्तर जारी है, योगी जी की प्रदेश के ही नहीं देश के उत्तम मुख्य मंत्रियों में गिनती होती है, इसलिए उनको भी नमन और आभार व्यक्त करना चाहेंगे। योगी जी की सरकार ने उत्तर प्रदेश से राष्ट्र विरोधी ताकतों को पलायन करने पर मजबूर कर दिया है। इसका ही नतीजा है कि आज पूरे उत्तर प्रदेश में खुशहाली का माहौल है।

माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, माननीय मुख्य मंत्री श्री योगी जी की सरकार में पिछले 5 वर्षों में जो आमूलचूल विकास कार्य हुये हैं उसी का परिणाम है कि आज जनता ने फिर से योगी जी की सरकार बनाई है। विपक्ष को केवल निगेटिव बात करना विकास को अवरूद्ध करना, सरकार की कानून व्यवस्था को अवरूद्ध करना, यही इनका लक्ष्य है। अलीगढ़ जनपद का मैं रहने वाला हूँ, यहाँ पर अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय बहुत पुराना विश्वविद्यालय था, लेकिन उसमें बहुसंख्यक छात्रों को प्रतिनिधित्व के हिसाब से दाखिला नहीं मिल पाता था,

इसलिए हमने बहुत पुरानी मांग को श्री योगी जी के संज्ञान में रखा। जिसके फलस्वरुप हमको राजा महेन्द्र प्रताप सिंह राजकीय विश्वविद्यालय के रूप में तोहफा भी इसी सरकार में मिला। इसी तरह से अनेक सड़कों का जाल, एक्सप्रेस-वे माननीय मोदी जी और योगी जी की सरकार में मिला है। आज हम अगर अलीगढ़ से ऐटा होकर लखनऊ आना चाहें तो मात्र 4 घण्टे में लखनऊ की यात्रा पूरी हो जाती है। यह भी काम मोदी जी की सरकार में हो रहा है। जो एन0एच0-91 (जी0टी0रोड) एक्सप्रेस-वे है वह बनने की ओर पूर्णता की ओर अग्रसर है। माननीय अधिष्ठाता महोदय जी, जनपद अलीगढ़ में कोल विधान सभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व मैं करता हूँ और इस कोल विधान सभा में पिछले 5 वर्षों में हजारो करोड़ रुपये के विकास कार्य हुये चाहे वह बिजली के क्षेत्र में हों, सड़कों के क्षेत्र में हों, पानी के क्षेत्र में हों, जन-कल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में हों और अनेकों कार्य ऐसे हुये अगर इन्हें गिनाया जाये तो काफी समय लगेगा। अधिष्ठाता महोदय जी, मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूँ कि वर्तमान में मेरी विधान सभा क्षेत्र में धनीपुर ब्लाक के गढराना में एक डिग्री कालेज की स्थापना हो जाये और लोधा ब्लाक में जो नवीन नगर पंचायत मडरा की बनी है उसमें एक इण्टर कालेज की महती आवश्यकता है और शहरी क्षेत्र में क्वारसी से ऐटा चुंगी क्षेत्र में जो बाईपास बना हुआ है उसको फोर लेन करने की महती आवश्यकता है। मेरे अलीगढ़ में कोरोना काल में क्षेत्र में बहुत अच्छा काम करने वाला पंडित दीनदयाल उपाध्याय हास्पिटल है जो वर्तमान में 350 बेड का है। उसको मेडिकल कालेज बनाया जाये और उसके साथ ही ट्रामा सेन्टर की व्यवस्था इसमें कर दी जाये तो स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक अच्छा सन्देश जनता के बीच में जायेगा। आज पूरे प्रदेश में पानी के भूजल का स्तर गिर रहा है, अधिष्ठाता महोदय जी मेरा आपसे आग्रह है कि जो भू-गर्भ जल स्तर को बचाने के लिए अलीगढ़ के निकट गंग नहर सुमेरा झाल से गंगा जल परियोजना की डी0पी0आर0 भी बन चुकी है और यहाँ आ भी चुकी है, अगर गंगा जल परियोजना से अलीगढ़ में गंगा जल मिल जाये तो जो भू-गर्भ स्तर को गिरने से बचाने में काफी मदद मिलेगी और जनता को गंगा जल भी पीने को मिलेगा। इसी तरह से मेरे अलीगढ़ शहर के क्वासी चौराहा एवं एटा चुंगी, चौराहा के लिए फ्लाईओवर की आवश्यकता है, वह अगर बन जाये तो बहुत मेहरबानी होगी। इसी तरह से एटा चुंगी से लेकर हवाई अड्डा को बौनेर जी0 टी0 रोड पर जो रोड जोड़ती है उसका भी चौड़ीकरण फोरलेन हो जाय तो काफी अच्छा हो जायेगा। इन्हीं शब्दों के साथ मैं महामहिम श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर रखे गये धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करते हुए अपनी बात समाप्त करता हूँ। भारत माता की जाय, वन्दे मातरम्।

***श्री रमेश चन्द्र मिश्र-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर रखे गये धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में मुझे बोलने का अवसर दिया इसके लिए आपको बहुत-बहुत

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

धन्यवाद। मान्यवर, मैं कहना चाहता हूँ कि मैं विधान सभा क्षेत्र बदलापुर से दूसरी बार निर्वाचित हुआ हूँ। हमारी विधान सभा क्षेत्र जिले से 40 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है, वह चालीस किलोमीटर दूर ग्रामीण अंचल की विधान सभा क्षेत्र है लेकिन इन पाँच सालों 2017 से 2022 में हमने जितना विकास किया है शायद पचासों वर्षों में बदलापुर का उतना विकास नहीं हुआ होगा, जितना हमारी सरकार ने किया है। लेकिन दुर्भाग्य है मैं पिछले भी सदन में था, इस सदन में भी मैं हूँ, ये जो हमारे विपक्ष के साथी हैं ये कौन सा चश्मा पहने हैं, ये लाल और हरा चश्मा पहने हैं यदि इस चश्में को उतारकर देखें तो इनको विकास दिखायी पड़ेगा। ये हमारे विधान सभा क्षेत्र में आयें, हम लोगों ने गांवों का चहुमुखी विकास किया है, आज गांव में क्या नहीं बन रहा है, आंगनबाड़ी केन्द्र से ले करके पंचायत भवन, आवास, शौचालय, सामुदायिक शौचालय, एस0एल0डब्ल्यू0 के द्वारा नालियां बन रही हैं और हमारे बच्चों के खेलने के लिए खेल-कूद का मैदान बन रहा है। गरीबों को गैस का चूल्हा मिल रहा है, गरीबों को महीने में दो-दो बार मुफ्त में राशन मिल रहा है, आज गरीबों की जितनी सहूलियत की चीजें हैं उन्हें हम गांव और गरीब तक पहुंचाने का काम कर रहे हैं, यह इनके नेता को दिखायी नहीं पड़ रहा है। आज इन्होंने अपने संस्कार को भी सदन में दिखाया और अपने दर्द को कैसे दिखाया, इनके मन में जो दर्द चल रहा है वह दर्द ऐसा है।

क्या बताऊं किस तरह से दर्द उठता दिल को है,
दर्द को भी दर्द है और दर्द भी मुश्किल में है।

इनका दर्द इस प्रकार का है। सदन में आज इन्होंने जिस भाषा का प्रयोग किया जो इन्होंने अपने संस्कारों को दिखाया, वह पूरी दुनिया में सोशल मीडिया के माध्यम से वायरल हो गया। वहीं हमारे डिप्टी सी0एम0 माननीय केशव प्रसाद मौर्या जी, जो भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं, हम लोगों के लिए सम्मानित हैं, आदरणीय हैं, उन्होंने भी अपने संस्कार के माध्यम से सही और सटीक जवाब दिया और संस्कार में रह करके जवाब दिया। विकास तो इन्होंने किया नहीं बजट जब भी पेश किया ऐसा बजट पेश किया कि उस बजट के माध्यम से ये कितना शोषण कर सकें, जनता का पैसा इनकी जेब में कितना जा सके, इन्होंने उस तरह का बजट पेश करने का काम किया। आइये मैं आपको दिखाऊं, हमारे यहां बदलापुर जैसी छोटी विधान सभा क्षेत्र में जहाँ लगभग 15 हजार आवास बन गये, तीस आंगनबाड़ी केन्द्र बन गये, लगभग 1 लाख शौचालय का निर्माण हुआ है। 210 ग्राम सभाएं है, 210 ग्राम सभाओं में सामुदायिक शौचालय का निर्माण हो गया, 6-6 अन्त्येष्टि स्थल बन गये। इसके साथ-साथ लगभग 23 हजार 535 लोगों को निःशुल्क कनेक्शन मिला, 400 मजरों में विद्युतीकरण हुआ और लगभग हर गांव में खेल-कूद का मैदान तैयार हो गया। हमने अपनी विधायक निधि से आक्सीजन प्लाण्ट भी तैयार कराया है।

मैं किसानों के लिए कहना चाहता हूँ लगभग हमारे यहां 8 हजार 823 कृषकों का 49 करोड़ 10 लाख 7 हजार रुपए हमारी यशस्वी सरकार ने मोदी और योगी जी की सरकार

ने कर्ज माफ किया है। लगभग 90 हजार किसानों को हर साल 6 हजार रुपए के माध्यम से किसान सम्मान निधि भी देने का काम सरकार कर रही है। गरीबों के इलाज के लिए जहां 9 हजार 308 लोगों को आयुष्मान भारत योजना के तहत् और 1215 लोगों को मुख्य मंत्री जन आरोग्य योजना के तहत् लोगों को इलाज के लिए पैसा मिल रहा है। वहीं माननीय मुख्य मंत्री जी के आशीर्वाद से गरीबों को लगभग साढ़े सात करोड़ रुपया इलाज के लिए अपने पत्र के माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी को दिलवाने का काम किया है और तो और जहाँ गरीब महिलाओं की शादी होना मुश्किल हो जाता था। उनकी आर्थिक स्थिति इतनी कमजोर रहती थी कि वह शादी में धन नहीं खर्च कर पाते थे। धन्यवाद हो मा0 यशस्वी मुख्य मंत्री जी को, हमारे अकेले बदलापुर विधान सभा क्षेत्र में, जो छोटी विधान सभा क्षेत्र है, हमारे जनपद की सबसे अन्त की विधान सभा क्षेत्र है। वहाँ पर 410 जोड़ों की शादी हुई है। इसके साथ-साथ हमारे यहाँ लगभग 3 लाख 73 हजार 872 लोगों को अभी तक वैक्सीन लग चुका है।

साथ ही मैं आपको बताना चाहता हूँ कि आज हमारे बदलापुर में आई0टी0आई0, फायर स्टेशन और बस स्टेशन है। एक नहीं सात-सात पुलों का निर्माण हो रहा है। हमारे यहाँ जितने बाजार हैं, सारे बाजार में सीमेंटेड रोड बनकर तैयार हो गया है। ऑक्सीजन प्लाण्ट भी है और हर बाजार में बड़ी-बड़ी हाई मास्क की लाइटें भी हमने लगवा दी है। आज हमारे विधान सभा क्षेत्र में आइये। आपको देखने में लगेगा कि बदलापुर विधान सभा क्षेत्र कितना आदर्श विधान सभा क्षेत्र है। मेरे विधान सभा क्षेत्र में आ करके आपको लगेगा कि पूरे प्रदेश के विकास को अगर देखना है, तो एक छोटे सी विधान सभा क्षेत्र बदलापुर आप देख सकते हैं।

मैं चाहता हूँ कि हमारे यहाँ जो कुछ कमियाँ है। हमारी इस सरकार पर हमें पूरा विश्वास है। हमारे अपने यशस्वी मुख्य मंत्री के ऊपर हमें पूरा भरोसा है। हमारे यहाँ अभी कुछ कमियाँ हैं। जैसे हमारे यहाँ बछुवार एक गाँव है, जहाँ पर हमारे पास औद्योगिक जमीन है। मैं चाहूँगा कि वहाँ पर एक डेयरी या कोई मिनी कारखाना स्थापित हो जाए। उसके साथ-साथ पॉलीटेक्निक कॉलेज की स्थापना हो जाए और हमारे यहाँ महराजगंज बहुत ही पुराना, बहुत बड़ा बाजार है, वह नगर पंचायत घोषित हो जाए और हमारी विधान सभा क्षेत्र में सिंगरामऊ को नया विकास खण्ड बनाया जाए। हमारे बदलापुर में कुल 32 गाँव का चकबन्दी होना है। अधिष्ठाता महोदय, मैं आपके माध्यम से आग्रह करूँगा कि इस चकबंदी के कारण वहाँ विकास नहीं हो पा रहा है। मैं चाहता हूँ कि चकबंदी कराकर वहाँ जो विकास की बाधा आ रही है, उसको दूर कर दिया जाए। इसके साथ-साथ एक बक्सा तेजी बाजार लोहिन्दा मार्ग का भी निर्माण करा दिया जाए। हमारे बदलापुर में इन सबके निर्माण के बाद बदलापुर पूर्ण रूप से विकसित हो जायेगा।

श्री अधिष्ठाता-

धन्यवाद रमेश जी। अब आप समाप्त करिए।

श्री रमेश चन्द्र मिश्रा-

मा0 अधिष्ठाता जी, सई और गोमती नदी के मध्य बसा हुआ हमारा विधान सभा क्षेत्र है। हमारे जिले में नौ विधान सभा क्षेत्र है। जिला बनने के लिए हमारा बदलापुर मजबूती से आगे आ जायेगा और भविष्य में कभी ऐसी कोई योजना आयेगी, तो हमारे विधान सभा क्षेत्र को जिला के रूप में परिवर्तित कर दिया जायेगा। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपसे यही आग्रह करूँगा कि मेरा यह प्रस्ताव आपके माध्यम से सरकार को चला जाए। बहुत-बहुत धन्यवाद। सबको प्रणाम। जय हिन्द, जय भारत।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 बृजेश कठेरिया जी। शायद अनुपस्थित हैं।

श्री बेचई-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। हम 351-लालगंज आजमगढ़ विधान सभा क्षेत्र से आते है। महोदय, आपका ध्यान ले चलना चाहता हूँ कि अभी हमारे भाई बदलापुर के विधायक जी, हमारे विधान सभा क्षेत्र के बगल में इनका विधान सभा क्षेत्र और जिला जौनपुर पड़ता है। मैं बदलापुर के विधायक जी से निवेदन करूंगा कि मेरे बगल में आपका जिला, आपका विधान सभा क्षेत्र है। आप लालंगज के ऊपर भी ध्यान दीजिएगा। अभी आपका भी ध्यान मैं लालगंज की तरफ डालूँगा।

मैं अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 अखिलेश यादव, पूर्व मुख्य मंत्री जी को मैं बहुत-बहुत बधाई देता हूँ। मा0 अधिष्ठाता जी, लालगंज अनुसूचित सीट है और वहाँ 100 बेड का अस्पताल देकर सरकार ने वहाँ की जनता का सम्मान बढ़ाने का काम किया। आज वह 100 बेड का अस्पताल बनकर तैयार है, लेकिन आज तक वहाँ न तो एक डाक्टर है और न नर्स है। मैं बदलापुर के विधायक, बड़े भाई से कहूँगा कि वह भी एक प्रतिनिधि के रूप में जाकर समीक्षा करके सरकार को अवगत कराने का काम करें। हमारे विधान सभा क्षेत्र लालगंज में महिला अस्पताल है। माताओं और बहनों को बड़े इलाज के लिए बहुत दिक्कत होती है हमारे यहां से लालगंज और जौनपुर की दूरी 30 किमी0 और बनारस की दूरी 50 किमी0 है। अधिष्ठाता जी ईलाज कराने में बहुत दिक्कत होती है। 5 साल पहले वह महिला अस्पताल चालू था, अब वह बन्द हो चुका है। आज उसमें कुत्ते व छुट्टे जानवर घूम रहे हैं। मैं मा0 अधिष्ठाता जी से अनुरोध करूंगा कि सरकार को बता कर उसको चालू कराने का काम करें मैं आपको बताना चाहता हूँ कि हमारे विधान सभा क्षेत्र लाल गंज में कई गांव ऐसे हैं जहां पर आधार कार्ड से लिंक करके उनको बिजली का कनेक्शन दे दिये गये, लेकिन अभी तक वहां पर तार पहुंचा नहीं है और उनका बिल 50 हजार तक आ गया है और उनकी आर0सी0 तक कट गयी है। ऐसे ही हमारे यहां भीरा चौराहा है जिसको लालगंज विधान सभा क्षेत्र के नाम से

जाना जाता है और लालगंज लोक सभा के नाम से भी जाना जाता है। लालगंज तहसील है वहां पर एक अस्पताल बना हुआ है। आए दिन वहां एक्सिडेंट होते हैं, मान्यवर, मैं आपके माध्यम से अनुरोध करना चाहूंगा कि वहां एक ओवर ब्रिज बनाया जाए, मान्यवर, मैं सदन में बता देना चाहता हूँ कि लालगंज में बिजली की बहुत कटौती हो रही है, मेरे यहां पता करा लें 4 घण्टे से ज्यादा बिजली नहीं आती है। मेरे विधान सभा-351 में सड़कों की 5 साल से अभी तक मरम्मत नहीं हो पायी है। सरकार का ध्यान लालगंज विधान सभा-351 की तरफ दिलाना चाहता कि वहाँ सड़क गड्ढ़ों में है कि गड्ढा सड़क में है, पता ही नहीं चलता, इसको ध्यान देते हुए सड़क की मरम्मत करायी जाये। इसी के साथ मैं मा0 अधिष्ठाता जी का धन्यवाद करता हूँ कि उन्होंने मुझे बोलने का मौका दिया। धन्यवाद।

डॉ0 अवधेश सिंह-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मा0 राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर आपने मुझे बोलने का मौका दिया। इसके लिए मैं विशेष रूप से आपका आभारी हूँ, धन्यवाद देना चाहता हूँ। मैं समझता हूँ कि विपक्ष के लोग और हमारे साथी इस अभिभाषण पर लगातार अपने वकतव्य को देते रहें। मैं आपके संज्ञान में डालना चाहता हूँ कि यदि महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण वक्तव्य को इन लोगों ने सुन लिया होता कि उत्तर प्रदेश में क्या-क्या विकास हुआ है। तो यह स्थिति नहीं आती कि अपने-अपने क्षेत्र की समस्या को लोग रखते। सुनने का प्रयास नहीं किया इन लोगों ने, और बहुत शर्म आती है यह कहने में कि उत्तर प्रदेश की महामहिम राज्यपाल महोदया जब अपने अभिभाषण को दे रहीं थीं, उस समय हमारे विपक्ष के लोगों ने जिस तरह का आचरण प्रस्तुत किया है, एक तरफ उनका आचरण और दूसरी तरफ माननीय जो इनके नेता हैं विपक्ष के सदन में, वह अगर यह वक्तव्य दे रहें हैं कि महिलाओं की सुरक्षा उत्तर प्रदेश में नहीं हो पा रही है। लेकिन हमारे देश की सम्मानीय महिला इस मंच पर खड़े होकर उत्तर प्रदेश के विकास की चर्चा कर रहीं हो, बताना चाहती हों सारे सदस्यों को कि पिछले 5 साल में उत्तर प्रदेश की सरकार ने क्या-क्या किया है, क्या-क्या हमारी योजनाएं हैं।

माननीय अधिष्ठाता महोदय, पिछले 5 साल में उत्तर प्रदेश की सरकार ने क्या-क्या किया है, हमारी क्या योजनायें है, उस पर विपक्ष ने जिस तरीके से कार्य किया है, मैं उसकी निन्दा करता हूँ। अभी बहुत सारी चीजों को मैंने सुना है, क्या इनको यह दिखाई नहीं दे रहा है कि 2017 से पहले क्या स्थिति थी ? अभी हमारे साथी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में एक भी बिजली का पावर स्टेशन नहीं लगा है। ठीक है मैं आपकी झूठ बात को भी सही मान लेता हूँ। मैं आपसे पूछना चाहता हूँ कि आपने बहुत पावर स्टेशन लगाये थे, उसी पावर स्टेशन से आप 6 घण्टे बिजली उत्तर प्रदेश के किसानों को, गरीबों को दिया करते थे। आज जब आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सरकार बनती तो आप ही के कहने के अनुसार यदि मैं मान लूं कि उसी पावर स्टेशन से हम हर तहसील को 18 घण्टे 22 घण्टे बिजली दे रहे हैं तो यह सीधे-सीधे साफ महसूस हो रहा है कि विकास की चीजों को आप नकारते चले आ रहे हैं।

2017 से पहले के इतिहास की बात मैं करना चाहता हूँ। 2017 से पहले सड़कों की हालत क्या थी ? 2017 से पहले स्वास्थ्य विभाग के क्या हालात थे ? 2017 से पहले बेसिक शिक्षा विभाग के हालात क्या थे ? 2017 से पहले नहरों के क्या हालात थे ? 2017 से पहले हमारे किसानों के क्या हालात थे ? आप किसानों की चर्चा करते हो ? 2017 में आदरणीय योगी जी की सरकार बनने के 6 महीने बाद ही पहली कैबिनेट की बैठक में किसानों के 1 लाख रुपये तक के कर्ज को माफ किया गया है। क्या इनको नहीं मालूम कि किसानों का हितैषी कौन हो सकता है ? 4 घण्टे और 6 घण्टे बिजली देने वाले लोग किसानों की रहनुमाई की बात करते हैं। जनपद वाराणसी से मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र पिण्डरा का उदाहरण देना चाहता हूँ, जो बाबतपुर एयरपोर्ट का क्षेत्र है। बाबतपुर एयरपोर्ट से कपसेठी तक 2017 के पहले इन्हीं के कार्यकाल में एक रोड बनी थी, किसानों की जमीन ले ली गयी थी, मुआवजे के रूप में एक भी पैसा नहीं मिला था।

जब आदरणीय योगी जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सरकार बनती है और किसान रोते बिलखते है, मेरे जैसा व्यक्ति जब जनप्रतिनिधि के तौर पर वहां से चुना जाता है और जब मैं वहां के किसानों की पीड़ा आदरणीय योगी जी को बताता हूँ तो वह कहते हैं कि क्या अभी तक किसानों को मुआवजा नहीं मिल पाया, ऐसा क्यों हुआ ? मैंने आदरणीय मुख्य मंत्री जी से बताया कि जमीन तो लोगों ने ले ली और यह कहकर सपना दिखाया कि आपको इतना पैसा मिलेगा। 7 साल बीत गये है, 7 साल बीतने के बाद भी किसी भी किसान को एक भी पैसा नहीं मिला था। मैं आदरणीय योगी जी को धन्यवाद देना चाहता हूँ जब मैंने किसानों की पीड़ा उनको बतायी तब उन्होंने सीधे कैबिनेट में इस बात को रखा और 225 करोड़ रुपये देकर हमारे क्षेत्र के किसानों के लिए खुशहाली देने का कार्य किया। मैं ऐसे लोगों से पूछना चाहता हूँ, जो किसानों के रहनुमा बनते हैं, यह तो प्रमाणित चीजें हैं, इन लोगों ने कही कुछ ऐसा कार्य नहीं किया है। मैं तो आपके माध्यम से एक निवेदन करना चाहता हूँ। विपक्ष की ओर से बहुत सी बातें हुई हैं, मैं जानता हूँ कि सब लोगों के क्षेत्रों में बिजली मिल रही है, सारे क्षेत्रों में स्वास्थ्य विभाग की बेहतर व्यवस्था की गयी है, शिक्षण क्षेत्र में अग्रणी कार्य किया गया है, उसके बाद चूंकि उस पक्ष में बैठे हैं, सही चीज को नकारना इनका धर्म और कर्तव्य बन रहा है, मुझे ऐसा लगता है कि यह विकास को स्वीकार नहीं करते हैं। मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ, इन विपक्ष के सारे लोगों को एक बार मेरे आह्वान पर वाराणसी भेज दीजिए। आने-जाने की व्यवस्था यह कर लें, वहां रहने और खाने की व्यवस्था डॉ0 अवधेश करेंगे। मैं उस काशी को दिखाना चाहता हूँ, जिस काशी में एक लम्बे समय से बाबा विश्वनाथ की धरती पर मां गंगा एक लम्बे समय तक कराह रहीं थीं, वहीं पर कबीर हैं, वहीं पर सन्त रविदास हैं, सारे महापुरूष वहीं काशी में हैं, लेकिन क्या काशी का महत्व आप लोगों ने रखा था ? काशी में पहले क्या था, कुछ नहीं था, सड़ी हुई गलियां जर्जर तार थे और आज जाकर देख लीजिए चारों तरफ चाहे वह गाजीपुर की सड़क हो, दो लेन, फोर लेन की सड़क है। आजमगढ़ से

आना है तो फोर लेन की सड़क है, जौनपुर से आना है तो फोर लेन की सड़क है, प्रयागराज से आना है तो फोर लेन की सड़क है, सोनभद्र से आना है तो फोर लेन की सड़क है इस तरीके की व्यवस्था देश के यशस्वी प्रधानमंत्री आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के कारण हमारे काशी में हुई है। आज काशी पर्यटन के क्षेत्र में पूरी दुनिया में ऊपर उठा हुआ है।

कल तक सारे लोग जो हमारे यहां कोरोना काल में उस संकट काल में जब पूरी दुनियां कराह रही थी काशी भी उसी में था उससे अलग नहीं था लेकिन आज उसी पर्यटन के कारण उसी आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी के कारण हमारे उसी उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री के कारण आज वाराणसी जगमग हुआ है। आज जाकर एयर पोर्ट पर देख लीजिए कि 10 हजार यात्री रोज बाहर से वाराणसी के एयर पोर्ट आते हैं। मैं धन्यवाद देना चाहता हूँ देश के प्रधानमंत्री को और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी को उन्होंने अमूल जैसे बड़े प्रोजेक्ट को ले आकर के हमारे विधान सभा में रख दिया। पूरे पूर्वांचल को आप देखिएगा जहां पर बेरोजगारी की लोग बात कर रहे हैं बेरोजगारी दूर करने की दिशा में अमूल एक नयी क्रांति आई है जो वाराणसी ही नहीं अगल-बगल जिलों में भी वह अपना एक प्रभाव बनाएगी जिससे बेरोजगारी दूर हो जाएगी। बहुत सारी चीजे हैं 2017 में प्राइमरी स्कूल में मैंने देखा था जब मैं किसी कॉलेज पर गया तो वहां पर विद्यार्थी 7 थे और आज 235 विद्यार्थी। हमारे क्षेत्र के ऐसे कॉलेज हैं जहां पर विद्यार्थियों की लाइन लगी है। गांवों में स्वास्थ्य विभाग से कभी कोई भी जाता नहीं था और आज हम उस स्वास्थ्य विभाग की चर्चा करना चाहते हैं जहां पर ओ0पी0डी0 की संख्या 5 से 6 की थी और आज 200 से 250 ओ0पी0डी0 हो गयी है। मैं अपनी बात समाप्त करने के पहले अपने क्षेत्र की समस्या आपके सामने रखना चाहता हूँ कि हमारे यहाँ एक पॉलीटेक्निक स्कूल है जो बहुत पहले का बना है लेकिन आज तक वह हमें नहीं प्राप्त हो पाया जब आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी से मैंने अनुरोध किया कि पॉलीटेक्निक स्कूल हमारे क्षेत्र में है लेकिन वह दूसरे जिले में चलता है इस तरीके का भ्रष्टाचार हो रहा है और हमारे यहां पर फूलपुर से सिधोरा रोड पर एक रेलवे क्रासिंग पर आर0ओ0बी0 बनाने की आवश्यकता है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय श्री ज्ञानेन्द्र सिंह जी मेरी प्रार्थना है कि सभी माननीय सदस्य समय की मर्यादा रखें।

श्री ज्ञानेन्द्र सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, 23 तारीख को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल के द्वारा अभिभाषण प्रस्तुत करने के उपरान्त डॉ0 मंजू शिवाच के द्वारा प्रस्तुत और माननीय विधायक साकेन्द्र वर्मा जी के द्वारा समर्थन में बोलने का जो मुझे अवसर दिया इसलिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। राज्यपाल महोदया का अभिभाषण सरकार का दस्तावेज होता है और सरकार का पिछला पांच साल का जो कार्यकाल है या जो आगामी पांच साल का जो कार्यकाल आने

वाला है उसकी योजना का एक दस्तावेज होता है। पांच साल के कार्यकाल में माननीय योगी जी महराज की सरकार ने जो काम किया है वह अपने आप में प्रमाणित था कि उत्तर प्रदेश में यह पहली सरकार है जो 37 साल के बाद पुनः रिपीट की है उत्तर प्रदेश में और दोबारा मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी बने है। अपने आप में यह प्रमाणित करता है। हमारी सरकार का राष्ट्रवाद पर विकास के नाम पर और कानून व्यवस्था के नाम पर जनता ने समर्थन किया है। आवास का विषय हो, शौचालय का विषय हो, खाद्यान का विषय हो यह तमाम योजनाओं को पारदर्शी तरीके से हमारी सरकार ने लागू किया है और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास इन मुद्दों के आधार पर हमारी सरकार ने कार्य योजनाएं चलाई और सभी व्यक्ति स्थान तक सामान को पहुंचाने का काम हमारी सरकार ने किया। मान्यवर, कोविड का विषय आया मैं एक थोड़ा सा उदाहरण देना चाहता हूँ स्वर्गीय सरदार वल्लभ भाई पटेल जी का उस समय वह बैरिस्टर थे चूंकि मैं उनसे जुड़ा हुआ था मेरा इसलिए मुझे उनकी पुस्तक पड़ने का अवसर मिलता है। सरदार वल्लभ भाई पटेल एज ए बैरिस्टर कोर्ट में बहस कर रहे थे 302 के मुलजिम के बारे में। दुर्भाग्यवश उसी समय एक व्यक्ति एक तार ले करके आता है और उनके हाथ में थमाता है। वह उस तार को पढ़ते है और दो मिनट के लिये विचलित हो जाते हैं। वह तार को पॉकेट में रखते हैं और 302 की जो बहस चल रही थी पुनः उस पर वह अपनी बहस जारी रखते हैं। बहस समाप्त होने के बाद जब वह वापस आने लगे तो उनके जूनियर वकीलों और उनके साथ रहने वाले वकीलों ने पूछा कि पटेल जी, आज तक हम लोगों ने आपको विचलित होते हुए कभी नहीं देखा, वह कौन सा कारण था कि आज बहस करते समय आप विचलित हो गये थे। इस पर पटेल जी ने पॉकेट से तार निकाला और दिखाया कि मेरी पत्नी का देहान्त हो गया है यह मुझे पत्र के द्वारा सूचना मिली। लोगों ने कहा तो फिर आपने बहस कैसे की ? उन्होंने कहा कि मेरी पत्नी का देहान्त हो गया था और इसकी सूचना मुझे मिल गयी थी, लेकिन जिस व्यक्ति के लिये मैं 302 में पैरवी कर रहा था बहस कर रहा था, अगर मेरी वजह से उसको फांसी हो जाती या आजीवन कारावास हो जाता तो मैं अपने आप को माफ नहीं कर पाता। ठीक उसी प्रकार से और उसी दृढ़ इच्छाशक्ति वाले व्यक्ति उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज को कोरोना के टाईम में हम लोगों ने देखा होगा कि उनके पिता जी का देहान्त हो जाता है, लेकिन पिता जी के देहान्त के बाद वह उनके दाह संस्कार में सम्मिलित नहीं हो पाते हैं। वह भी दो मिनट विचलित हुये और अधिकारियों, मा0 मंत्रियों व नेताओं द्वारा कहा गया, लेकिन उन्होंने कहा कि मेरे पिता जी का जो होना था वह हो गया, लेकिन 25 करोड़ आबादी वाला यह उत्तर प्रदेश मेरा पूरा परिवार है। यह दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचायक है।

(इस समय सायं 06 बजकर 04 मिनट पर अधिष्ठाता श्री रवि शर्मा पीठासीन हुए)

मान्यवर, कानून-व्यवस्था पर विपक्ष के हमारे मा0 विधायक कहते हैं या प्रतिपक्ष के नेता कहते हैं। हमने वह भी समय देखा है कि उत्तर प्रदेश में 42-42 जिले कर्फ्यूग्रस्त रहते

थे। सरकार में मुझे कई बार इस विधान सभा क्षेत्र में आने का अवसर प्राप्त हुआ है। हमने वह कार्यकाल देखा है। आज कानून-व्यवस्था उत्तम है और अगर आज कानून-व्यवस्था उत्तम नहीं होती तो आज बाहर के अन्य प्रदेशों से तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर से उद्योगपति यहाँ अपना निवेश नहीं करते। उनको अच्छा माहौल मिल रहा है, उनको अच्छी व्यवस्था दी जा रही है, इंस्पेक्टरराज खत्म किया गया है। यह सारी बातें है। मान्यवर, मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूँ कि आज हमारी सरकार की जो कार्ययोजना है वह चाहे किसानों की आय को बढ़ाने की बात हो कि लोग कहते हैं कि किसानों की आय दोगुनी कैसे होगी। हम उचित मूल्य पर उनका माल खरीदते हैं तो उनकी आय तो बढ़ेगी ही। आपके शासनकाल को भी हमने देखा है। बहुजन समाज पार्टी के शासनकाल में बैनर तक नहीं लगते थे। समाजवादी पार्टी की सरकार में बैनर तो लगते थे, लेकिन खरीद नहीं होती थी और उनका लक्ष्य पेपर में पूरा हो जाता था। वह खरीद कहाँ से होती थी ? हम लोगों ने यह सरकार देखी है और आज यह लोग भी देख रहे होंगे और पूरे उत्तर प्रदेश की जनता भी देख रही है कि बैनर भी लगता है, खरीद भी होती है और किसानों को उसका उचित लाभकारी मूल्य भी मिलता है। किसान सम्मान निधि में 06 हजार रुपये इसीलिये दिये जाते हैं कि जो छोट-छोटे किसान हैं उस 06 हजार रुपये से उनकी दोनों फसलों का बीज, खाद, दवा-पानी, कटाई-मढ़ाई सब हो जाती है। यह उनकी आय को दोगुना बढ़ाने के लिये ही किया गया है।

मान्यवर, गन्ना किसानों की बात होती है। कितनी फैक्ट्रियों को तो दोनों सरकारों ने मिलकर बेच दिया। हमारी सरकार ने तो तीन-तीन नयी चीनी मिल लगायी हैं। रमाला की चीनी मिल, मुण्डेरवा की चीनी मिल तथा पिपराइच की चीनी मिल हमारी सरकार ने यह तीन नयी चीनी मिलें लगायी हैं। पूर्ववर्ती सरकारों ने तो मिलों को बन्द किया है। 80 प्रतिशत किसान खेती पर आधारित है और हमको लगता है कि उत्तर प्रदेश और हिन्दुस्तान में जो कृषि क्षेत्र का व्यवसाय है यह हिन्दुस्तान की अर्थव्यवस्था को मजबूत करता है। इसीलिये हमारी सरकार ने किसानों की चिन्ता की है। मा0 मोदी जी के नेतृत्व में और योगी जी के नेतृत्व में यह सरकार अच्छा काम कर रही हैं। सीधा-सीधा यह एक प्रमाण है कि इस सरकार को दोबारा रिपीट होने के लिये 37 वर्ष बाद जनता ने अगर भेजा है तो ऐसे ही नहीं भेजा है। मान्यवर, अभी आप बोल देंगे कि आपका समय पूरा हो गया इसलिये मैं आगे नहीं बढ़ना चाहता। समय हम भी देख रहे हैं तो आपको बोलना न पड़े इसलिये मेरी विधान सभा क्षेत्र के दो-एक बिन्दु है। डोमराजर्दी एक बांध है। प्रदेश में वर्ष 2007 में बहुजन समाज पार्टी की सरकार थी, उस समय 27 व्यक्ति नाँव से डूबकर मर गये थे। वह नदी में नहीं डूबे थे बल्कि नदी के बाहर जो खेत था वहाँ पर यह हुआ था। उस बन्धे पर काम कराया गया तथा वर्तमान सरकार में पिचिंग का अच्छा काम हुआ है, लेकिन उस बंधे पर पिचीकरण/नवीनीकरण और डामरयुक्त सड़क बनाने को अपेक्षा की गयी है और मैं इसकी मांग करता हूँ। दूसरा विषय मेरा यह है कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में कोई तहसील नहीं है करीब 40-45-50 किलोमीटर दूर हूमारे क्षेत्र की जनता को

जाना पड़ता है, यही मेरी अपेक्षा है कि परतावल व पनियरा के मध्य तहसील बनायी जाय। इन्हीं सब शब्दों के साथ मैं आपके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ, बहुत-बहुत धन्यवाद।

***डॉ0 रागिनी-**

अधिष्ठाता महोदय आपने मुझे आज अठ्ठारवीं विधान सभा क्षेत्र में महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का अवसर प्रदान किया इसके लिए मैं आपकी बहुत-बहुत आभारी हूँ। महामहिम राज्यपाल जी का अभिभाषण लगभग एक घन्टे तक चला उस अभिभाषण को मैंने बड़े ही ध्यान से पढ़ा उस अभिभाषण को पढ़ने के बाद मुझे ऐसा महसूस हुआ कि वह एक सरकारी दस्तावेज था, योजनायें और परियोजनायें थी जिन्हें सिर्फ बोला जाता है। जब हम उसे अपने क्षेत्र में अपने उत्तर प्रदेश में देखते है तो जमीनी स्तर पर उसका कोई भी स्तम्भ नहीं दिखायी देता है। आज मैं सदन के माध्यम से अपने विधान सभा क्षेत्र में हो रही चीजों को आपकी नजर के सामने लाना चाहती हूँ। हम अगर कानून व्यवस्था की बात करें तो मेरी विधान सभा क्षेत्र में गोलियाँ चल रही हैं और अपराधी खुले आम घूम रहे हैं उनके ऊपर कोई भी कार्यवाही नहीं हो रही हैं। बच्चियाँ, महिलायें सब आज डर में समायी हुई हैं और इस तरह की स्थितियाँ हैं कि जो रक्षक है वही भक्षक बन चुके हैं।

मेरी विधान सभा क्षेत्र में सड़कों की यह हालत है कि लंबी-लंबी सड़कें जो मेरी विधान सभा क्षेत्र से ले करके दूसरी विधान सभा क्षेत्र को जाती हैं। जिस तरीके से रामपुर, बरसाटी, निगोह मार्ग 22 किलोमीटर, जमालापुर बरसाटी बधवां मार्ग 25 किलोमीटर, अरूवांवा दियावा बारीगांव मार्ग 8.5 किलोमीटर, कटवार सहरमा शाहपुर मार्ग 8.5 किलोमीटर, निगोह कुशा मार्ग 6 किलोमीटर ये सारे बड़े-बड़े मार्ग है जो मेरी विधान सभा क्षेत्र को दूसरी विधान सभा क्षेत्र से जोड़ते हैं। सारे के सारे मार्ग जर्जर हो चुके हैं। इस समय यह स्थिति है कि अगर हम पिछले एक साल का 01 जनवरी, 2021 से अप्रैल 2022 तक का मेरे पास डेटा है उसमें जो रोड ट्रैफिक दुर्घटनायें हुई हैं करीब साढ़े 6 सौ दुर्घटनायें मेरी विधान सभा क्षेत्र में हुई हैं, और इन दुर्घटनाओं में सर में चोट लगी है ब्रेन हैमरेज हुए हैं और साथ में फैक्चर्स हुए हैं। अब में स्वास्थ्य व्यवस्था पर आती हूँ वहां पर जो कम्युनिटी हेल्थ सेन्टर है उनकी ये हालत है कि वहां पर किसी भी आर0टी0ए0 को ट्रीटमेन्ट नहीं मिलता है जो आर0टी0ए0 के मरीज होते हैं उन्हें रेफर किया जाता है। जैसा मैंने कहा कि योजनायें और परियोजनायें बनती हैं यहां पर मेडिकल कॉलेजेस के उद्घाटन हुए हैं हमारे पूर्वांचल में भी मेडिकल कालेज का उद्घाटन हुआ लेकिन वहां पर हम किसी भी आर0टी0ए0 के मरीज को रेफर नहीं कर सकते हैं। उन मरीजों को सीधे बी0एच0यू0 में भेजा जाता है और बी0एच0यू0 मैं आपको पता है कि मरीजों का कितना लोड है कि वहां पर बेड्स नहीं मिलते हैं। गरीब परिवार के जो लोग हैं वे वही पर दम तोड़ देते हैं या फिर उन्हें किसी प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया जाता है और प्राइवेट अस्पतालों का

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

खर्चा इतना ज्यादा होता है कि उन्हें अपना घर बेचना पड़ता है, अपनी जमीनें बेचनी पड़ती हैं। मैं आपके माध्यम से, सदन के माध्यम से, क्योंकि मैं एक आई सर्जन हूँ मैंने एम्स से अपनी आई की सर्जरी की डिग्री एमडी प्राप्त की है और मैंने अपने क्षेत्र में देखा कि बहुत सारे बुजुर्ग लोग हैं जोकि मोतियाबिंद से पीड़ित हैं। जिस तरह से हम बुढ़ापे को थाम नहीं सकते हैं उसी तरह से मोतियाबिंद एक ऐसी बिमारी है जो उम्र के साथ सभी को होती है और इस मोतियाबिंद की बिमारी के लिए मैंने देखा कि न तो मेरी विधान सभा क्षेत्र में, न तो जनपद में, न ही उत्तर प्रदेश में कोई एक अच्छा इनिशिएटिव लिया गया है। मेरे हिसाब से आई क्लीनिक का निर्माण करना चाहिए, समय-समय पर हेल्थ स्क्रीनिंग होनी चाहिए चाहे वह आई से संबंधित स्क्रीनिंग हो, चाहे मधुमेह, रक्तचाप की स्क्रीनिंग हो ये सारी बिमारियों की समय-समय पर स्क्रीनिंग होनी चाहिए और इन स्क्रीनिंग से हमें पता चलेगा कि शुरुआती दौर में हम बीमारियों को पकड़ पायेंगे और हम अपने लोगों की रक्षा कर पायेंगे और उन्हें उन बिमारियों से बचा पायेंगे।

आपके दस्तावेज में लिखा हुआ है कि साढ़े चार करोड़ लगभग नए विद्युत कनेक्शन दिए गये हैं। मैं उसके बारे में बोलना चाहती हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में जो बिजली की व्यवस्था है, जो कन्डेक्टिंग वायर्स हैं वह जर्जर हो चुके हैं उनकी अवस्था बहुत ही खराब है और कनेक्शन तो भले ही बढ़ा दिए गये हों, लेकिन ट्रांसफार्मर की क्षमता जो है उसे बढ़ाया नहीं गया है आये दिन वहां के ट्रांसफार्मर खराब हो जाते हैं। तार में आग लग जाती है जिसकी वजह से घर-बार जल जाते हैं। जान-माल की हानि हो जाती है। मैं आज इस सदन के माध्यम से बोलना चाहती हूँ कि वहां के ट्रान्सफार्मर्स की कैपेसिटी को बढ़ायें। कई ऐसे गांव हैं जहां पर आज तक बिजली नहीं पहुंची है। प्लीज, मेरी विधान सभा क्षेत्र में बिजली पहुंचाने का एवं खम्भा लगवाने का काम किया जाये। एजुकेशन के मामले में मैं यह कहना चाहती हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में चूंकि वह एक ग्रामीण इलाका है वहां पर बच्चे सरकारी स्कूल पर निर्भर हैं। सरकारी स्कूल में सी0बी0एस0ई0 को नहीं फॉलो किया जाता। हिन्दी मीडियम की पढ़ाई होती है। हम सबको पता है कि जब हम आगे स्तर पर हायर एजुकेशन के लिए जाते हैं वहां पर इंग्लिश इजद मीडियम जिसमें आगे की पढ़ाई की जाती है। हमारे ग्रामीण बच्चे किसी से कम नहीं हैं। मैंने अपना एम0बी0बी0एस0 आल इण्डिया के थ्रू आर0जी0 मेडिकल कालेज से किया है। वहां पर मेरा एक बैचमेट था वह भी ग्रामीण इलाके से था उसने वहां पर एडमिशन लिया। चूंकि वह कालेज कोलकाता में है, इसलिए हमारे जो लेक्चर्स होते थे या तो वो बंगाली में होते थे या फिर इंग्लिश में। उसमें उसे बड़ी कठिनाई होती थी। जब हम मोटी-मोटी एम0बी0बी0एस0 की किताबें लेकर बैठते थे तो वो सबसे मोटी डिक्शनरी लेकर बैठता था। वह किताबों पर हर इंग्लिश शब्द को हिन्दी में लिखता जाता था। आज वह एक रेडियोलॉजिस्ट हैं। मैं आपको सिर्फ यह बोलना चाहती हूँ कि हमारे ग्रामीण बच्चे कहीं से भी पीछे नहीं हैं न तो

मेहनत करने में पीछे हैं। लेकिन उनको उनका अधिकार नहीं मिल पा रहा जिसकी वजह से वे पिछड़ रहे हैं। मैं आपसे इस सदन के माध्यम से यह बोलना चाहती हूँ कि राइट और इक्वल एजुकेशन (सी0बी0एस0ई0) सेण्ट्रल बोर्ड ऑफ सेकेण्ड्री एजुकेशन है इसे लागू किया जाये, ताकि लैंग्वेज किसी के भी ड्रीम्स में बैरियर न बने। सिर्फ इंग्लिश एक लैंग्वेज है जिसकी वजह से वे पीछे हो जा रहे हैं। डाक्टर, इन्जीनियर और अन्य ब्रान्चेज में जा सकते हैं और जिनका स्कोप भी बहुत है, लेकिन लैंग्वेज के बैरियर की वजह से वह आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इसके लिए मैं आपसे अनुरोध करना चाहती हूँ कि इस पर भी ध्यान दिया जाये।

जैसे कि माननीय सदस्य बोल रहे थे कि यूक्रेन से वह हमारे मेडिकल सदस्य को लाया गया। मैं उसके बारे में भी बोलना चाहती हूँ कि मेडिकल से रिलेटेड पढ़ाई के लिए सीट्स बहुत ही कम हैं। एक-एक मार्क्स पर एक-एक एम0सी0क्यू0 के क्वेश्चन पर कोई एक बच्चा रह जाता है और कोई एक बच्चा है जो डाक्टर बन जाता है पर जो एक बच्चा रह जाता वह अपनी अपॉरच्युनिटी को छोड़ देता है या फिर वह यहां के कालेज की फीस भरने के लायक हो। आपके पास इतने पैसे होने चाहिए कि एक साल की 20 लाख 21 लाख यहां तक की 25 लाख फीस आप जमा कर सकें तब जाकर आप अपना मेडिकल एजुकेशन यहां से प्राप्त कर सकते हैं। इसी वजह से हमारे उत्तर प्रदेश में और पूरे इण्डिया के बच्चे जो डाक्टर बनना चाहते हैं और कुछ मार्क्स की वजह से चूक जाते हैं वे यहां से छोड़ कर यूक्रेन, रशिया, नेपाल, चाइना और न जाने कितने देशों में जाकर अपनी एजुकेशन को कम्पलीट करते हैं और वापस आकर यहां पर एम0सी0आई0 का इग्जाम देकर यहां पर प्रैक्टिस करते हैं। मैं इस सदन के माध्यम से यह भी कहना चाहती हूँ कि अगर हमने मेडिकल कालेजेज बढ़ाये हैं, अगर हमने सीट्स बढ़ाई है तो उन सीट्स पर बच्चों को हक दें। आपने फीस की इतनी बड़ी-बड़ी एमाउण्ट्स रखी है उस पर उन बच्चों को पढ़ा पाना बहुत ही मुश्किल है और जब डाक्टर्स नहीं पढ़ेंगे तो हमारे देश में, हमारे प्रदेश में हेल्थ की फैसिलिटीज बेटर नहीं हो पायेगी और उसकी वजह से हम लोग अपने लोगों को सही तरीके से चिकित्सा प्रोवाइड नहीं करा पायेंगे। लास्ट में स्किल्ड और नॉन स्किल्ड लेबर्स के बारे में बोलना चाहूंगी। मेरी विधान सभा क्षेत्र से और पूरे जौनपुर जनपद से बहुत सारे लोग हैं जो अपना परिवार छोड़कर दिल्ली, बम्बई, गुजरात और न जाने किस-किस जगह पर जाकर रहते हैं, क्योंकि उनके पास अपने जिले में रोजगार नहीं है। इसके लिए मैं कहना चाहूंगी कि एक प्रॉपर कान्सेप्ट लाया जाये, ताकि हमारे गरीब लोग जो अपने परिवारों को छोड़ कर इतनी दूर रह रहे हैं, उनको यहीं पर वह फैसिलिटीज मिलें, यहीं पर जॉब अपॉरचुनिटीज मिलें। यहां पर स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम हो न केवल सिर्फ पुरुषों के लिए, बल्कि महिलाओं के लिए भी स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम हो, जिसके तहत असलियत में वह आत्म-निर्भर होकर अपनी लड़ाई को लड़ सकें, अपने परिवार का पालन-पोषण कर सकें। धन्यवाद।

श्री जय प्रकाश निषाद-

अधिष्ठाता महोदय, आपने माननीय राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का समर्थन करने का अवसर दिया इसके लिए मेरी तरफ से बहुत-बहुत धन्यवाद। आज उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की उ0 प्र0 की सरकार ने पांच साल के अन्दर जो कीर्तिमान स्थापित किया हैं गरीब कल्याण की योजनाओं को घर-घर पहुंचाने में कामयाब रही है। गांव व शहरों के विकास को तेजी के साथ गति देते हुए और उत्तर प्रदेश में आम आदमी के लिए भय मुक्त व अपराध मुक्त व अन्याय मुक्त शासन देकर योगी सरकार ने आम जनता का विश्वास जीता है। जिसका आज यह नतीजा है कि उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की दोबारा सरकार बनी है। 36 वर्षों के बाद किसी पार्टी ने लगातार दोबारा सरकार बनाई है और विपक्ष के लोगों को अभी भी भ्रम है कि कभी ईवीएम व इधर-उधर की बात करेंगे। प्रदेश की जनता के लिए सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता होती है कि हमारे बच्चे स्कूल अगर जाते हैं तो सुरक्षित घर पर पढ़ कर आ जाएं और यदि कोई भी व्यक्ति अगर बैंक से पैसा लेकर आते हैं तो वह सुरक्षित लेकर घर आ जाएं। उत्तर प्रदेश की जनता ने सभी दलों को कभी न कभी मौका दिया है सत्ता में आने के लिए। उत्तर प्रदेश में जो सपा सरकार में अराजकता का माहौल रहा है उस माहौल में बाद में उत्तर प्रदेश में जो भारतीय जनता पार्टी की सरकार आयी तो सही सुशासन और विकास सरकार ने किया, तभी दोबारा वर्ष 2017 के बाद 2022 में उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार वापस आई है, इसके लिए मा0 योगी जी व मा0 मोदी जी को धन्यवाद देते हैं।

वर्ष 2014 में केन्द्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी थी उसी समय से गरीब कल्याण की बहुत सारी योजनाएं पूरे देश में चली थीं। लेकिन वर्ष 2012 से लेकर 2017 तक समाजवादी पार्टी की सरकार उत्तर प्रदेश में बनी थी तो केंन्द्र द्वारा जो गरीब कल्याण की योजनाएं चलायी गयी थीं उनको समाजवादी पार्टी की सरकार ने उत्तर प्रदेश के गरीबों तक पहुंचाने में नाकाम रही है, लेकिन वर्ष 2017 में जब योगी जी की सरकार बनी तो गरीब कल्याण योजनाओं को जमीन पर गरीबों तक उतारने का कार्य किया है, पांच साल के अन्दर प्रधानमंत्री नगरीय एवं ग्रामीण आवास को 42.5 लाख आवास आम जनता को सौपने का काम किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत 2 करोड़ 61 लाख लोगों को व्यक्तिगत शौचालय देने का काम किया है और उज्ज्वला योजना के तहत 1.67 करोड़ लोगों को निःशुल्क गैस कनेक्शन देने का काम किया है। उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी ने मा0 प्रधानमंत्री जी ने जो किसानों के सम्मान में किसान सम्मान निधि देने का काम किया है पूरे उत्तर प्रदेश में 2 करोड़ 55 लाख किसानों को 42565 करोड़ रुपये किसानों के खाते में हस्तान्तरित करने का काम किया है। माननीय कृषि मंत्री यहां बैठे हुए हैं। 86 लाख किसानों का फसली ऋण माफ करके किसानों को राहत देने का कार्य किया है। हमारी सरकार में निश्चित रूप से किसानों की आय बढ़ी है और बहुत सारी कल्याणकारी योजनायें संचालित की गई हैं। महिलाओं के लिए

"बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" जैसी योजनायें चलाकर जीवन स्तर को उठाने का काम किया गया है। हमारी लोक कल्याणकारी सरकार ने जनता के हित में काम किया है।

माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव पर बल देते हुए मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की दो-तीन समस्याओं को जोड़ना चाहता हूँ। हमारे विधान सभा क्षेत्र में रूद्रपुर नगर पंचायत की चकबन्दी न होने के कारण बहुत सारी ऐसी नजूल की भूमि है जो लोगों के कब्जे में है, इसलिये रूद्रपुर नगर पंचायत की चकबन्दी कराई जाये। माननीय अधिष्ठता महोदय, गौर्रा राप्ती और गौर्रा बथुआ नाले के बीच बाढ़ के समय में दोनों नदियों के किनारे बंधे के बीच में घिरे हुये लाखों किसानों की लाखों एकड़ फसल बाढ़ से डूब जाती है और बर्बाद हो जाती है। वहां पर स्थिति यह है कि जब बाढ़ नहीं भी आती है तो भी वहां पर जल जमाव के कारण पानी नहीं निकल पाता है, इसलिये वहां पर एक सम्पबेल पम्प का निर्माण कराया जाये। रूद्रपुर विधान सभा क्षेत्र जनपद देवरिया और जनपद गोरखपुर के बार्डर का क्षेत्र है। रूद्रपुर से पचास किलोमीटर पर गोरखपुर पड़ता है और रूद्रपुर कछार इलाके से देवरिया की दूरी भी लगभग 40 से 50 किलोमीटर है। वहां पर कोई भी मण्डी या उपमण्डी न होने के कारण किसानों को कच्चा माल बाजार में ले जाने में दिक्कत होती है और उनकी उपज खराब हो जाती है। देवरिया से रूद्रपुर, गोरखपुर से लेकर वाराणसी तक फोर लेन मार्ग है। गोरखपुर से देवरिया होते हुए बलिया भी फोर लेन से जुड़ा है, लेकिन बीच में फोर लेन न होने के कारण देवरिया से जब हम वाराणसी रोड पर जाते हैं तो बीच के रास्ते में कोई अच्छा मार्ग न होने के कारण आवागमन में थोड़ी दिक्कत आती है, इसलिये देवरिया से रूद्रपुर तहसील को जोड़ते हुए गगहा या कौड़ीराम या बड़हलगंज को फोर लेन लिंक मार्ग से जोड़ा जाये। मेरा अनुरोध है कि हमारे चारों प्रस्ताव को इसमें जोड़ लिया जाये। माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे बोलने का अवसर दिया, इसके लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री मूलचन्द्र सिंह-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे माननीय राज्यपाल जी के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बोलने का अवसर दिया इसके लिए मैं आपको धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। सबसे पहले मैं अपनी ओर से इस विधान सभा क्षेत्र के सभी सदस्यगणों को हार्दिक बधाई देता हूँ जो हाल ही में निर्वाचित होकर आये हैं। महोदय, उत्तर प्रदेश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी सरकार के राष्ट्रवाद, सुशासन, सुरक्षा, विकास तथा जनकल्याणकारी नीतियों और देश के आदरणीय प्रधानमंत्री माननीय मोदी जी के मार्गदर्शन तथा उत्तर प्रदेश के यशस्वी आदरणीय मुख्य मंत्री माननीय योगी जी के नेतृत्व में जो योजनायें संचालित हुई है, उसके कारण जनता ने लगातार दूसरी बार योगी जी के नेतृत्व वाली पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई है इसके लिए मैं प्रदेश की जनता को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ। मुझे माधोगढ़ कोंच विधान सभा क्षेत्र सीट से लगातार दूसरी बार जनता ने जो आशीर्वाद दिया है और भारतीय जनता पार्टी की नीतियों पर

विश्वास व्यक्त करते हुए दोबारा से मुझे भारी बहुमत से जिताया है, जिसके लिए भी मैं अपने विधान सभा क्षेत्र माधोगढ़ की जनता को बहुत-बहुत धन्यवाद देता हूँ और अभिनन्दन करता हूँ।

महोदय, हमारे विपक्ष के तमाम साथी महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण के दस्तावेज को एक कागज का दस्तावेज बता रहे हैं। मैं मा0 सदस्यों को याद दिलाना चाहता हूँ कि 2017 के पहले उत्तर प्रदेश के जो हालात थे और उसमें भी जो बुन्देलखण्ड के जो हालात थे मैं समझता हूँ कि 2017 के पूर्व बुन्देलखण्ड में न तो कहीं सड़कें थीं। जो सड़कें थी भी तो उनमें इतने अधिक गड्ढे थे कि चार पहिया वाहन तो छोड़िये दो पहिया वाहन चलाना मुश्किल था। चौड़ी सड़कें नहीं थीं। बिजली नहीं आती थी, किसानों को सिंचाई के लिए पानी नहीं मिलता था। बुन्देलखण्ड के कई ऐसे जिले हैं जहाँ लोग दो-तीन किमी0 से पीने का पानी लाते थे। विगत पांच वर्ष में 2017 और 2022 के बीच में उत्तर प्रदेश की सरकार ने मा0 योगी जी के नेतृत्व में बुन्देलखण्ड का जो विकास किया है, बुन्देलखण्ड में सबसे पहले नल से जल की व्यवस्था की है। आज बुन्देलखण्ड में तमाम परियोजनायें चल रही हैं। गाँव-गाँव में नल के द्वारा जल पहुंचाया जा रहा है। बुन्देलखण्ड में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मा0 मोदी जी और उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री जी के नेतृत्व में डिफेंस कॉरीडोर, इण्डस्ट्रियल कारीडोर दिया गया है। जिससे किसानों की जो खराब जमीनें हैं उनको उसका पर्याप्त मुआवजा मिला है। वहाँ का किसान प्रसन्न है। इसके साथ-साथ कोरीडोर के माध्यम से बुन्देलखण्ड के नौजवानों को पर्याप्त रोजगार भी मिलेगा। बुन्देलखण्ड को एक्सप्रेस-वे दिया है। बुन्देलखण्ड में चौड़ी-चौड़ी सड़कें बनवायी हैं। बुन्देलखण्ड में बिजली के इतने हालात खराब थे कि सैकड़ों गाँवों में जहाँ 2017 के पहले गाँवों और मजरों में बिजली नहीं पहुंची थी। आज मैं दावे के साथ कह सकता हूँ कि पूरे बुन्देलखण्ड के अन्दर कोई ऐसा गाँव नहीं है, कोई मजरा ऐसा नहीं है जहाँ एक-एक घर तक बिजली न पहुंची हो। बुन्देलखण्ड में आज 18-20 घण्टे बिजली मिलती है। जहाँ पांच साल पहले बिजली के दर्शन नहीं हुआ करते थे। 24 घण्टे में 4-6 घण्टे बिजली आ जाये तो बहुत बड़ी बात हुआ करती थी। अगर कहीं लाइन टूट गयी, खम्भे टूट गये तो उनको महीनों नहीं बदला जाता था। ट्रांसफार्मर बदलने के लिए लोग रिश्वत देते थे। आज ऑनलाइन सूचना डालिये तो 24 घण्टे के अन्दर ट्रांसफार्मर बदल रहे हैं। महोदय, इस प्रकार से तमाम ऐसी योजनायें हैं चाहे सड़क के क्षेत्र में हों, चाहे शिक्षा के क्षेत्र में हों। शिक्षा की जो हालत 2017 के पहले थी, विद्यालयों की वह स्थिति थी कि जहाँ अध्यापक और छात्रों के लिए बैठने तक की जगह नहीं थी। आज विद्यालय चमक रहे हैं। आज विद्यालय अच्छे बने हुये हैं, उनमें रंगाई-पुताई है, उनमें टाइल्स हैं, बाथरूम हैं, फर्श हैं। आज छात्र भी पहुंच रहे हैं और अध्यापक का भी पढ़ाने में मन लग रहा है। छात्रों को बढ़िया जूते, मोजे, स्वेटर सारी चीजें मिल रही हैं। अच्छी ड्रेस मिल रही है। अधिष्ठाता महोदय, चूंकि समय कम है। मैं समझता हूँ कि सरकार ने हर क्षेत्र में काम किया है वह अभूतपूर्व है और उसी का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश के अन्दर जनता ने दोबारा से दो तिहाई बहुमत के साथ मा0 मोदी जी के आशीर्वाद से

सरकार बनायी है। महोदय, मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र से संबंधित एक-दो बातें रखना चाहता हूँ। वैसे तो विगत पांच वर्षों में मेरी विधान सभा क्षेत्र में बहुत काम हुये हैं, सैकड़ों सड़कें बनी हैं। हमारे यहाँ जितने पुलों की जरूरत थी, सारे पुल बन गये हैं।

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, एक दो काम बहुत आवश्यक हैं जिनको मैं आपके माध्यम से अवगत कराना चाहता हूँ कि हमारे क्षेत्र के अन्दर एट बंगरा भीटेपुर स्टेट हाई-वे है। जो कहीं-कहीं पर सिंगल लाइन है और सिंगल लाइन होने के कारण लोगों को आवागमन में असुविधा होती है। मेरी मांग है कि इस स्टेट हाई-वे का चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण शीघ्र करा दिया जाए। मैं मा0 मुख्य मंत्री जी का अभिनन्दन करता हूँ एवं उनको धन्यवाद देता हूँ कि उन्होंने जालौन सहित औरैया एवं कानपुर के किसानों के लिए एक बहुत बड़ी पचनद परियोजना की स्वीकृति दी है, जो हमारे विधान सभा क्षेत्र के अन्दर पांच नदियों का संगम स्थल है। मेरा आपके माध्यम से यह निवेदन है कि इस परियोजना का शीघ्र शुभारम्भ कर दिया जाए। जिससे किसानों को सिंचाई के लिए बहुत लाभ होगा। मेरे वहां कोंच नगर पालिका क्षेत्र है, कोंच नगर की सीवर लाइन 50 वर्ष से अधिक पुरानी है, वह कम क्षमता की है और जगह-जगह लीकेज होने के कारण वहां पर गन्दगी फैलती है, कोंच नगर की सीवर लाइन का पुनः निर्माण करवा दिया जाए। मा0 अधिष्ठाता महोदय जी आपका बहुत-बहुत धन्यवाद कि आपने मुझे बोलने का अवसर प्रदान किया।

***श्री संग्राम सिंह-**

मा0 अधिष्ठाता महोदय जी, आपने मुझे महामहिम राज्यपाल के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया है उसके लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं जनपद बलिया से आता हूँ, बलिया जनपद इस प्रदेश का आखिरी जिला है। बलिया जनपद का स्वतंत्रता संग्राम में गौरवशाली इतिहास रहा है फिर चाहे वर्ष 1857 की क्रांति रही हो। हमारे पूर्वजों ने वर्ष 1942 में अपने आपको अंग्रेजों से आजाद कराने का काम किया था। आज जब हम अपने आपको भारतीय जनता पार्टी की सरकार में देखते हैं तो बलिया जनपद के लोग बहुत ज्यादा निराशा महसूस करते हैं। आज नेता प्रतिपक्ष ने बलिया जनपद का नाम लिया है। मैं आपके माध्यम से उनको धन्यवाद देना चाहता हूँ कि उन्होंने कहा है कि पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे बना, लेकिन उससे बलिया जनपद को जोड़ा नहीं गया है। जब हम लोग बलिया से चलते हैं (सदस्या केतकी सिंह जी बैठी हैं) तो हम लोग सोचते हैं कि गाजीपुर से एक्सप्रेस-वे पकड़े, मऊ से एक्सप्रेस-वे पकड़ें या फिर आजमगढ़ से एक्सप्रेस-वे पकड़ें। मुझे समझ में नहीं आता है कि बलिया जनपद के साथ इतना दुर्व्यवहार क्यों किया जा रहा है। इसी सदन में पिछली सरकार ने वायदा किया था कि बलिया जनपद को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाएगा लेकिन बलिया जनपद को पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से नहीं जोड़ा गया है। मैंने अखबारों में पढ़ा है कि मा0 गडकरी जी ने कहा है कि

---

* वक्ता ने अभिभाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

उत्तर प्रदेश की सरकार नहीं जोड़ेगी, इसको भारत सरकार जोड़ने का काम करेगी, लेकिन जब विधान सभा क्षेत्र चुनाव 2017 आया था तो गडकरी जी सितम्बर, 2016 में बलिया जनपद गये थे और उन्होंने घोषणा की थी कि जनपद बलिया को गाजीपुर से लेकर मांझीघाट तक फोर लेन से जोड़ने का काम किया जायेगा। उन्होंने वायदा किया था कि माल्देपुर से बलिया को बाईपास बनाने का काम किया जायेगा, जिससे जाम नहीं लगेगा। उन्होंने वायदा किया था कि माल्देपुर से एस0सी0 कालेज तक फ्लाई ओवर बनाया जायेगा। 6 वर्ष हो गये हैं लेकिन, एक भी ईंट नहीं रखी गयी है। मैं इस सदन में कहना चाहता हूँ कि बलिया जनपद के साथ निश्चित रूप से नाइन्साफी होने वाली है। इस सदन में बलिया जनपद को एक्सप्रेस-वे से जोड़ने का वायदा किया गया था लेकिन जनपद बलिया को एक्सप्रेस-वे से नहीं जोड़ा गया है। अब कहा जा रहा है कि ग्रीनफील्ड एक्सप्रेस-वे, आपको हरियाली से जोड़ा जायेगा। बलिया जनपद में जब गडकरी जी ने 6 सालों में एक ईंट नहीं रखी है तो इस वायदे पर भी बलिया को विश्वास नहीं है। हमारे नेता ने इस बात को नेता सदन के सामने उठाया है कि बलिया जनपद को एक्सप्रेस-वे से कब जोड़ा जायेगा। मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि मैं इसको संशोधन के माध्यम से जोड़ना चाहता हूँ कि बलिया जनपद को भी एक्सप्रेस-वे से जोड़ा जाना चाहिए।

मैं अपने नेता को बधाई देना चाहता हूँ कि उन्होंने जनपद बलिया में वर्ष 2017 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री चन्द्रशेखर जी के नाम पर विश्वविद्यालय देने का काम किया था। उस विश्वविद्यालय के लिए मा0 अखिलेश यादव जी ने बजट दिया था। पांच सालों में वहां के छात्र-छात्राओं को निराशा हुई है कि वह पहला विश्वविद्यालय है जहां पर एक भी ईंट नहीं रखी गयी है। वह पहला विश्वविद्यालय है जो प्राइवेट कॉलेज में चलता है, उस विश्वविद्यालय के अन्दर कोई पढ़ाई नहीं होती है। बलिया के छात्रों ने यह उम्मीद लगायी थी और हमारी सरकार ने जब विश्वविद्यालय दिया था तो यह उम्मीद लगाकर दिया था कि बलिया के छात्र-छात्राओं को इंजीनियरिंग की पढ़ाई उस विश्वविद्यालय में कराई जाएगी, मेडिकल की पढ़ाई भी उस विश्वविद्यालय में होगी। मान्यवर, मुझे बहुत दुःख के साथ इस विधान सभा क्षेत्र में कहना पड़ता है कि जब चार महीने बारिश का समय आता है तो नाव से हमारे छात्र और छात्राएं यूनिवर्सिटी में जाकर अपने सर्टिफिकेट का पता लगाते हैं। यह बलिया के साथ बड़ा दुर्भाग्य है, इतना गौरवशाली इतिहास होने के बाद और हमारे नेता जो बलिया का गौरव थे जिनके नाम पर जननायक चंद्रशेखर विश्वविद्यालय बनाया गया उसके साथ इस सरकार ने बड़ी नाइन्साफी की, जिससे बहुत निराशा हुई है।

इस सरकार के अभी एक माननीय सदस्य यहां पर कह रहे थे कि जब देवरिया से चलते हैं तो फोर लेन से बलिया को जोड़ दिया गया है। देवरिया से चलने के बाद जब सनईपुर से आगे बढ़ेंगे तो सड़कों में गड्ढे हैं, सनईपुर से आगे लगातार भागलपुर तक गड्ढे ही गड्ढे मिलेंगे। मान्यवर, बलिया में हमारे नेता श्री अखिलेश यादव की सरकार में ट्रामा सेंटर देने का काम किया था, सारी सुविधाएं एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार हो गया, मशीनें भी रख दी गयी थीं,

लेकिन पांच सालों में भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने अपने विशेषज्ञ नियुक्त करके एक भी ट्रामा सेंटर को शुरू कराने का काम नहीं किया गया। आज हमारा अस्पताल केवल रेफर का सेंटर बन गया है और बलिया जनपद से जब हमारे जनपद रेफर होते हैं तो बीएचयू पहुंचते-पहुंचते आधे मरीज दम तोड़ देते हैं। जो मरीज बीएचयू पहुंच भी जाते है तो अभी हमारी मा0 सदस्या बता रही थीं कि वहां मरीजों की इतनी अधिक संख्या है कि इमरजेंसी में मरीज भर्ती नहीं हो पाते हैं। दलालों के माध्यम से मरीज प्राइवेट अस्पतालों में भर्ती होते हैं और जब मरीज वहां पर मर भी जाते हैं तो प्राइवेट अस्पताल उनसे लाशों का पैसा दो-दो लाख तीन-तीन लाख रुपये बकाया वसूलते हैं और लाश नहीं देते हैं। हमारे लोग खेत बेंचकर पैसा जमा करके लाश वापस लाने का काम करते हैं। मान्यवर, इस तरह से माननीय नेता सदन ने पिछली बार मेडिकल कॉलेज बनाने का आश्वासन दिया था, घोषणाएं की थीं, लेकिन मेडिकल कॉलेज की जमीन होने के बावजूद बलिया जनपद को मेडिकल कॉलेज से नहीं जोड़ा गया।

आजादी का इतना गौरवशाली इतिहास होने के बाद भी हमारे साथ इतना दुर्व्यवहार क्यों हो रहा है, ऐसी निराशा क्यों बलिया के साथ हो रही हैं। मान्यवर, माननीय अखिलेश यादव जी की सरकार ने जनेश्वर मिश्रा जी के नाम पर चार सौ करोड़ रुपये का पुल बनाने का काम किया था, पांच साल उसका अप्रोच और सड़क बनाने का काम इस सरकार में नहीं हो पाया है। मान्यवर, इसके बाद बिजली के बारे में बड़ा ढिंढोरा पीटा गया, आप बिजली के बारे में पता कर लीजिए, हमारे यहां सोहाव ब्लाक में जो सबस्टेशन है, केवल दो-दो घण्टे बिजली आ रही है। बकाया वसूलने के लिए अधिकारी पूरे गांव की बिजली काट देने का काम करते हैं। एस0ई0 से मैंने बात भी की तो उन्होंने कहा कि विधायक जी बड़ा दबाव है, मैं क्या कर सकता हूँ। मैंने कहा कि आपने ऐसा काम किया जिससे सारे लोग सड़कों पर आ रहे हैं, वसूली के लिए कोई दूसरा इन्तजाम करिए लेकिन इस तरह से पूरे गांव की बिजली काटने का अधिकार आपको नहीं है। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से जानना चाहता हूँ कि हमारे पूर्वांचल में गोंड और खरवार जाति के लोग रहते हैं, गोंड और खरवार जाति के लोगों का अनुसूचित जाति का प्रमाण-पत्र नहीं बन रहा है, पूर्वांचल में लोग धरने पर बैठे हुए हैं, हमारे जनपद में भी लोग धरने पर बैठे हैं। मान्यवर, उनका प्रमाण-पत्र न बनने की वजह से एक श्याम जी नाम का हमारा साथी गोंड जाति का है, 12 वर्ष से उसी सर्टिफिकेट पर सिपाही था, जब पी0सी0एस0 की परीक्षा दे करके उप जिलाधिकारी हो गया तो उसका सर्टिफिकेट रद्द करके उसको घर बैठा देने का काम किया गया। मान्यवर, मैं आपके माध्यम से मांग करता हूँ कि गोंड और खरवार जाति के जो लोग धरने पर बैठे हैं उनका प्रमाण-पत्र जारी करने का काम यहां से किया जाये। मान्यवर, हमारा जनपद चार नदियों गंगा, घाघरा, टोंस एवं मगई नदी से घिरा हुआ है।

श्री अधिष्ठाता-

माननीय सदस्य, आपका समय समाप्त हो गया है।

श्री संग्राम सिंह-

मान्यवर, एक मिनट दीजिए, हमारी विधान सभा क्षेत्र की बात है। चारों नदियों से मेरा जनपद घिरा हुआ है, यहां जो सड़कें बनाई जाती हैं, मैं आपके माध्यम से माननीय पीडब्लूडी मंत्री को कहना चाहता हूँ जो सड़कें बनाई जायें वह एन0एच0-31 से रामपुर सीट, एन0एच0-31 से रामपुर कटेरा, सागरपाली थमनपुरा बैरिया मार्ग जो फिलहाल में स्वीकृत हुआ है वह सागरपाली से घघनापुल तक अगर उसका उच्चीकरण नहीं किया जाएगा तो उसका कोई फायदा ही नहीं होगा वह डूब जाएगा।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य आपका समय समाप्त हो चुका है।

श्री संग्राम सिंह-

मा0 अधिष्ठाता जी, आपके माध्यम से मैं यह माँग करता हूँ कि हमारे जनपद की इन सड़कों का निर्माण निश्चित रूप से उच्चीकरण करके कराया जाए और बलिया जनपद के साथ जो नाइन्साफी हो रही है, आप बलिया जनपद के साथ इन्साफ कराने का काम करें, धन्यवाद।

श्री विनोद शंकर अवस्थी-

माननीय अधिष्ठाता जी, आपने मुझे महामहिम श्री राज्यपाल जो के अभिभाषण पर श्रीमती मंजू शिवाच द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद प्रस्ताव के समर्थन में बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। अधिष्ठाता जी, मैं अवध क्षेत्र के लखीमपुर खीरी जनपद की 141-विधान सभा क्षेत्र धौरहरा से आता हूँ। यह प्रदेश का गौरव है कि महात्मा तुलसी दास जी ने राम चरित मानस के बाल काण्ड की रचना हमारे धौरहरा गाँव में की थी। मैं सदन में पहली बार विधायक चुन कर आया हूँ, में आप सभी को एवं सम्पूर्ण सदन को प्रणाम करता हूँ। मैं देख रहा हूँ कि जहाँ पूरा विश्व उत्तर प्रदेश और देश को आगे बढ़ते देख कर ताली बजा रहा है, वहीं हमारे सदन में, हमारे ही कुछ विपक्षी भाई इस बात को स्वीकार नहीं करते। वह महामहिम राज्यपाल जी के अभिभाषण में विघ्न डालने में शुरू से आखिरी तक लगे रहे। मैं एक चीज कहना चाहता हूँ कि जिसने शिक्षा, स्वास्थ्य तथा सुरक्षा से खिलवाड़ किया है, उसको देश और प्रदेश की जनता कभी बख्शती नहीं है। हमारे विपक्षी भाई यह जानते हैं कि किस प्रकार से सपा और बसपा की लूट-मार हुई। सपा और बसपा के काल में अगर किसी ने शिक्षा का सर्वनाश किया तो दूसरे ने सत्यानाश करने का काम किया है। कौन सी जादू की छड़ी छुवाया है, हमारे मोदी जी ने और हमारे योगी जी ने कि 5 साल के अन्दर वही प्राथमिक शिक्षा, बेसिक शिक्षा इतनी हाईटेक हो गयी है कि हमारे ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे गर्व से विद्यालय में जाते हैं और वहाँ पर विद्यार्जन करते हैं और विद्यालयों की स्थिति इतनी हाईटेक है कि समय पूरा हो जाने के बाद भी वह अपना खेल-कूद में समय लगाते हैं तथा पूरा समय विद्यालय को देते हैं। बहुत दिनों तक जनता को बहकाया नहीं जा सकता। उसकी मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति

होनी चाहिए। हमारी सरकार ने गरीबों के लिए काम किया है। शौचालय निर्माण, अटल पेन्शन योजना, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना आदि सरीखी सैकड़ों योजनाएँ, महलों में रहने वालों के लिए नहीं हैं, गाँव-गरीबों के लिए हैं। प्यारे भाइयों, मैं इस चीज को मानने वाला हूँ- "बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय, अन्दर देख्यों आपनो, मो सो बुरा न कोय।" सड़कें जब हमने बनायी हैं, जो चीज बनती है, वह बिगड़ती भी है और फिर वह बनती है। प्यारे भाइयों सड़कें जो एक बार बनती हैं उसमें समयान्तर में गड्ढे भी होते हैं और गड्ढे भरे भी जाते हैं, लेकिन यह निरन्तर काम हो रह है।

आज सारे विश्व की कोरोना की मार से अर्थव्यवस्था चरमरा गई है। मेरा धौरहरा विधान सभा क्षेत्र मा0 अधिष्ठाता जी घाघरा और शारदा नदियों के बीच में है तथा बाढ़ और कटान से प्रतिवर्ष पीड़ित रहता है। हमारे क्षेत्र की बनी हुई अरबों की सड़कें बाढ़ और कटान आने पर नष्ट हो जाती हैं। मैं आपसे विनती करता हूँ श्रीमान् जी घाघरा बड़ी विशाल नदी है। अनुरोध है कि मेरे क्षेत्र में जालिम नगर पुल से ईसानर गांव तक पट्टा तटबंध बोर्डिंग पिचिंग वाला तटबंध बनवाने की कृपा करें जिससे कि हम सब लोगों का जीवन सुखमय हो सके। हमारी जो सड़कें हैं और हमारे गांव की जो सरकारी बिल्डिंग बनी हुई है उनकी सुरक्षा हो सके। मैं इन्हीं शब्दों के साथ पूरे सदन को बहुत-बहुत धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। जय हिंद, जय भारत।

डॉ0 विनोद कुमार बिन्द-

सर्वप्रथम मैं संविधान निर्माता बाबा भीमराव अम्बेडकर के चरणों में नमन करता हूँ और श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ। बाबा भीमराव अम्बेडकर साहब के बनाए हुए संविधान के तहत आज हम सभी लोग इस पवित्र मंदिर में पहुंचे हैं। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मा0 ऊर्जा मंत्री महोदय और मा0 सदस्यगण मैं आप सभी लोगों को मझवा विधान सभा क्षेत्र के सभी सदस्यों की तरफ से और अपने तरफ से सबको प्रणाम करता हूँ। मा0 अधिष्ठाता महोदय, अपने महामहिम राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर जो धन्यवाद प्रस्ताव आया है उसके समर्थन में बोलने का अवसर दिया उसके लिए मैं आपका आभार व्यक्त करता हूँ। राज्यपाल महोदया का अभिभाषण निश्चित रूप से प्रदेश की जनता के हित में है। मा0 योगी जी द्वारा जनता के हित में अच्छे निर्णय लिए गए हैं उसकी एक प्रस्तावना निश्चित रूप से इस सदन में रखने का काम महामहिम राज्यपाल महोदया ने किया है। मैं देख रहा हूँ कि विगत दो दिन से इस पवित्र मन्दिर में विपक्ष हर बातों को लेकर विरोध कर रहा है, लेकिन दुख तब हुआ जब महामहिम अपना अभिभाषण प्रस्तुत कर रही थीं तो उस समय गो-बैक के नारे लग रहे थे तो उस समय केवल इस सदन की गरिमा ही नहीं आहत हुई बल्कि इस देश की और इस प्रदेश के 25 करोड़ लोगों की आत्मा आहत हुई। मेरा कहना है कि जब हम पक्ष और विपक्ष में रहते हैं तो हम सही बातों का समर्थन करें और गलत बातों का विरोध करें। फूलों में भी कीड़े पाए जाते हैं और पत्थर में हीरे पाए जाते हैं। बुराइयों को छोड़ों, अच्छाइयों को देखो। नर में भी

नारायण पाए जाते हैं। मैं दूर-दराज गांव के पिछड़े इलाकों से आया हूँ जहां से मैं आया हूँ वहां पर न विद्यालय अच्छे थे न चिकित्सालय थे। मैं अपने घर से पैदल चलकर मीलों दूर जाकर पढ़ाई किया करता था और पढ़ने के बाद मैं जब आया मेडिकल कालेज में तैयारी करने तो मैं विपक्ष को बता देना चाहता हूँ कि उस समय मेडिकल कालेजों की जो स्थिति थी वह यह थी कि पूरे प्रदेश में सात गवर्नमेण्ट मेडिकल कालेज थे और चार प्राइवेट मेडिकल कालेज थे। अभी बार-बार मेडिकल कालेजों की बात हो रही थी तब मैं इस पर विपक्ष को बताना चाहता हूँ।

महोदय, कुल मिलाकर 650 सीटें गवर्नमेण्ट मेडिकल कॉलेजों में थीं और 450 सीटें प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में थीं। कुल मिलाकर 1100 सीटें होती थीं। लेकिन महोदय आज जो हमारी एन0डी0ए0 की सरकार है, योगी जी की सरकार है, जो उनकी सोच है कि हर जनपद में एक मेडिकल कॉलेज हो। उसके तहत सरकार प्रतिबद्ध है। आज हमारे प्रदेश में कुल 65 मेडिकल कॉलेज हैं जिसमें 30 गवर्नमेण्ट मेडिकल कॉलेज हैं और 35 प्राइवेट मेडिकल कॉलेज हैं। इसमें 7258 बच्चे एडमिशन लेते है जिसमें सरकारी मेडिकल कॉलेज में 3250 बच्चे तथा प्राइवेट मेडिकल कालेज में 4248 बच्चे होते हैं। महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि वर्ष 1997-98 में मेडिकल कॉलेजों से 1000 बच्चे पढ़कर निकलते थे और प्रेजेण्ट टाइम में करीब 7500 बच्चे पढ़कर निकल रहे है। हमारे प्रदेश में जो डॉक्टरों की कमी थी, वह अब दूर हो रही हैं। यही नहीं आज सरकार ने 06 मेडिकल कॉलेजों में बी0एस0सी0 नर्सिग का कोर्स चालू करा दिया है और कुल 09 मेडिकल कॉलेजों में बी0एस0सी0 नर्सिग के दाखिले होंगे। महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि सरकार ने नये मेडिकल कॉलेजों की स्थापना की है, साथ ही पैरा मेडिकल कॉलेजों की भी स्थापना की है जिससे जो पहले डॉक्टर्स और पैरामेडिकल स्टाफ की कमी होती थी, आज उसकी पूर्ति होती दिख रही है। महोदय, नये मेडिकल कॉलेज खुलने से केवल इलाज ही नहीं सम्भव हुआ बल्कि रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हुए हैं। यही नहीं, आज सरकार ने आयुष्मान स्मार्ट कार्ड योजना चालू की जिसमें 1.75 करोड़ कार्ड आवण्टित किए गए और करीब-करीब 02 लाख लाभार्थियों को लाभ मिला है।

महोदय, मैं यह कहना चाहता हूँ कि विपक्षी मा0 सदस्यों का काम केवल सरकार की कमियाँ निकालना ही नहीं है बल्कि वे सरकार की अच्छाइयों का भी वर्णन किया करें। महोदय, मैं कहना चाहूँगा कि आजादी के 75 साल बाद भी हमारे समाज के लोगों की स्थिति बहुत दयनीय है। हमारा राजनैतिक, आर्थिक और सामाजिक स्तर बहुत खराब है। जैसे अभी हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष मा0 डॉ0 संजय निषाद जी ने आरक्षण के मुद्दे पर बात की। मैं महोदय का ध्यान आकर्षित करना चाहूँगा कि अगर हमारे समाज के ऊपर भी सरकार की दया दृष्टि बनी रहे और हमें भी आरक्षण मिलेगा तो हमारा भी समाज आगे बढ़कर विकसित होगा और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण एवं अग्रणी भूमिका निभाएगा। महोदय, मैं अपने विधान सभा क्षेत्र की कुछ समस्याओं से भी आपको अवगत कराना चाहूँगा। हमारे विधान सभा क्षेत्र में तीन ब्लॉक हैं, सिटी ब्लॉक, मँझवा ब्लॉक और पहाड़ी ब्लॉक। दो ब्लॉकों की कनेक्टिविटी तो मेडिकल कॉलेज से

बनी हुई है लेकिन जो पहाड़ी ब्लॉक है उसकी कनेक्टिविटी नहीं हैं और वहाँ के लोगों को आने-जाने में बहुत दिक्कत होती है। वहाँ पर एक दाँती ग्राम सभा है जहाँ पर लोगों के आने-जाने के लिए रास्ते नहीं हैं। महोदय, वहाँ से विंडम फॉल और खड़न्जा फॉल से दोनों को अगर 02 किलोमीटर का कनेक्टिविटी मार्ग मिल जाता तो लोगों को आने-जाने की सुविधा हो जाती।

यही नहीं महोदय, वहाँ पर युवाओं के पढ़ने के लिए डिग्री कॉलेज नहीं है, बच्चियों के पढ़ने के लिए डिग्री कॉलेज नहीं है। उनको पढ़ने के कम से कम 25-30 किलोमीटर दूर आना पड़ता है। अगर वहाँ एक डिग्री कालेज भी बन जाए तो बहुत अच्छी बात होगी। महोदय, मैं आपसे कहना चाहूँगा कि वहाँ पर गंगा नदी का कटाव ज्यादा है जिसको रोकने के लिए मैं आपके माध्यम से सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ। इन्हीं शब्दों के साथ मैं आपका बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूँ। जय हिन्द। जय भारत।

श्री बेदी-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, माननीय श्री राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर मुझे बोलने का मौका आपने दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूँ। हमारे यहाँ एक्सप्रेस-वे है और तमाम राष्ट्रीय सड़कें हैं, वहीं हमारे विधान सभा क्षेत्र जखनियाँ में रोडों की हालत बहुत खराब है। जो जखनिया मुख्यालय को मोड़, मनिहारी रोड से जाती है और सादियाबाद से मौधिया तक और सादियाबाद से जखनिया तक, इन सब रोडों पर गड्ढे बहुत बड़े-बड़े हो गये हैं। यह सड़क क्षतिग्रस्त है जिसमें पानी भर जाता है तो मार्ग आने-जाने योग्य नहीं रहता। जहां एक्सप्रेस-वे पर गाड़ियां बहुत तेज रफ्तार से जाती है, वहीं अगर आप हमारे विधान सभा क्षेत्र में पहुँच जाइये तो अगर स्पीड 50 की है तो वह स्पीड 15 और 20 की हो जाती है। यहां एक्सप्रेस-वे केवल 2 या 3 प्रतिशत है लेकिन जो सड़कें है, वह 70 प्रतिशत है। गांव में रहने वाले लोग उसी सड़क से अपने मुख्यालय आते-जाते हैं, उसको बनवाने का कष्ट करें।

जहां क्राइम की बात है तो एन0सी0आर0बी0 की रिपोर्ट के अनुसार हमारा प्रदेश अपराध में पहले स्थान पर है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय ओम प्रकाश जी के ऊपर कुछ दबंगों ने हमला कर दिया। उसके बाद पुलिस आयी और बाद में यह हुआ कि उल्टा 12-13 घण्टे के बाद उनके ऊपर एफ0आई0आर0 हो गयी और उनके साथियों पर भी एफ0आई0आर0 हो गयी। वहां मैं स्वयं भी मौजूद था। अधिष्ठाता महोदय, मैं जहां का रहने वाला हूँ, वहां मेरे बच्चे को मरणासन्न हालत में मार कर फेंक दिया गया था। गम्भीर धाराओं में एफ0आई0आर0 दर्ज हुआ और करीब 4 महीने बाद आरोप-पत्र दाखिल हुआ, चार्जशीट दाखिल हुई। दाखिल होने के 2 महीने बाद फिर से पुनः इन्क्वायरी के आदेश दे दिये गये हैं। यह है शासन व्यवस्था ? मान्यवर, हमारे विधान सभा क्षेत्र में कोई हॉस्पिटल नहीं है और ट्रॉमा सेण्टर भी नहीं है, वहां एक हॉस्पिटल बनवाने की व्यवस्था की जाये। हमारे क्षेत्र में 40 साल से 11 हजार

वोल्टेज के तार हैं। 40 वर्षों से वह तार बदला ही नहीं गया। वह तार जीर्ण-शीर्ण हो गया है। आए दिन वह तार टूटता रहता है। उस क्षेत्र में जो राजापुर गांव पड़ता है, वहां अभी तार टूट गया था जिससे लगभग डेढ़ सौ एकड़ फसल जल कर नष्ट हो गयी। वहीं हमारी ही विधान सभा क्षेत्र में वीर अब्दुल हमीद का स्मारक बहुत छोटा बना हुआ है, वह भी जीर्ण-शीर्ण हो गया है, कृपया उसको बड़ा और अच्छा बनाया जाये।

श्री अधिष्ठाता-

बेदी राम जी, आपका समय पूरा हो गया अब आप समाप्त करिए।

श्री बेदी-

अधिष्ठाता महोदय, हमारे क्षेत्र में एक गांव कुदनापुर पड़ता है। वहां चमार जाति के लोग रहते है, उनके पास एस0सी0 का सर्टिफिकेट नहीं है, उनको ओ0बी0सी0 का सर्टिफिकेट दिया जाता है।

संसदीय कार्य राज्य मंत्री (श्री मयंकेश्वर शरण सिंह)-

अधिष्ठाता महोदय, जो अभी मा0 सदस्य ने बात कही, यह असंसदीय शब्द है, इसको कार्यवाही से हटवा दीजिएगा।

श्री बेदी-

हमने जाति बताया। इस जाति के लोग रहते हैं।

श्री मयंकेश्वर शरण सिंह-

आप दलित बोलिये।

श्री अधिष्ठाता-

चलिए आप पूरा कीजिये। आपका समय हो गया।

श्री बेदी-

इसी के साथ, जय भीम, जय भारत।

श्रीमती केतकी सिंह-

श्रीमान् अधिष्ठाता महोदय, माननीय राज्यपाल महोदया द्वारा प्रस्तुत अभिभाषण के समर्थन में डॉ0 मन्जू शिवॉच द्वारा दिये गये प्रस्ताव से मैं अपने आपको सम्बद्ध करते हुए अपनी बातें इस विधान सभा क्षेत्र में रखना चाहूंगी। मान्यवर, मैं बांसडीह विधान सभा क्षेत्र से आती हूँ जोकि बलिया जिले में है और आज इस सदन के माध्यम से यहां मैं पहली बार बोलने के लिए खड़ी हुई हूँ। मैं सर्वप्रथम बांसडीह की जनता को और समस्त उत्तर प्रदेश की जनता को ढेरों धन्यवाद देना चाहूंगी कि उन्होंने दुबारा हम सब पर अपनी आस्था जताई, उम्मीद जताई। सदन के माध्यम से मैं बांसडीह क्षेत्र की जनता की तरफ से और समस्त उत्तर प्रदेश क्षेत्र की जनता की तरफ से मैं योगी आदित्यनाथ जी की सरकार को भी ढेरों धन्यवाद करना

चाहूंगी कि पिछले 05 सालों में जो हमारी सरकार चली और इन 05 सालों में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं, ऐसा कोई वर्ग नहीं, ऐसा कोई धर्म नहीं, जिस जगह हमारी सरकार ने काम न किया हो। मैं एक महिला हूँ और 02 बेटियों की माँ भी हूँ। मैं अपने आपको महिला समाज के साथ कनेक्ट कर सकती हूँ। हमारे समाजवादी पार्टी के कई सारे मित्र प्रश्न उठा रहे हैं मैं पूछना चाहती हूँ कि किस कुटिया में बैठी हुई महिला ने कभी स्वप्न में भी सोंचा होगा कि उसकी बहू और बेटी भी शौचालय में जाकर बैठ सकती हैं। किस गरीब कुटिया की महिला ने, बेटी ने ये सोचा होगा कि जिस तरह बड़े लोग अपने घर में 24 घण्टे बिजली में रहते हैं गरीब की कुटिया में भी 24 घण्टा बिजली वह देख सकते है।

मान्यवर, मैं आपको और इस सदन में बैठे हमारे समाजवादी पार्टी के सदस्यों को भी बताना चाहती हूँ कि कोई गरीब जो हमारा ठेला खींचता है, ई-रिक्शा खींचता है वह कभी स्वप्न में भी नहीं सोच सकता था कि प्रधानमंत्री आवास और मुख्य मंत्री आवास में पक्के आवास में वह बैठेगा। परन्तु यह भी पूरा करके दिखाया तो यशस्वी योगी आदित्यनाथ जी की सरकार ने करके दिखाया। आप बात करते है प्रधानमंत्री और मुख्य मंत्री सरकारी आवास की। मुझे तो हंसी आती है मान्यवर यह कहते हुए कि जो सरकारी आवासों की इतनी चिन्ता कर रहे हैं इनके ही कुछ लोग अपने सरकारी आवास से टोंटी तक उखाड़ कर लेकर चले गये थे, उनकी वह बात करते हैं। "सूप हँसे तो हँसे, चालनो हँसे जहमें 75ठों छेद"। मान्यवर, मुझे तो बड़ी हंसी आती है समाजवादी पार्टी की सरकार के हमारे नेता अभी बड़ी-बड़ी बात कर रहे थे। अभी हमारे फेफना विधान सभा क्षेत्र के विधायक थे, चले गये उन्होंने बच्चों की शिक्षा पर चिन्ता प्रकट की। मैं आपको याद दिलाना चाहती हूँ समाजवादी पार्टी के साथियों कि आप ही की सरकार के शिक्षा मंत्री हुआ करते थे और दुर्भाग्य से कहिये चाहे सौभाग्य से कहिये मेरी विधान सभा क्षेत्र के विधायक रहा करते थे, शिक्षा मंत्री थे, साथियों, उनके शिक्षा मंत्री होते हुए विद्यालयों में गाय और भैंसे पढ़ा करती थी, कण्डे सूखा करते थे। यह सत्य है जो आज आपको मैं दर्पण दिखाने का प्रयास कर रही हूँ।

साथियों हमारे यहां के जो पहले के विधायक थे वो अपने आपको गरीबों का नेता बताते थे। अभी हमारे नेता प्रतिपक्ष ने भी अपने आपको गरीबों का, असहायों का सबका नेता प्रस्तुत करने का प्रयास किया। मैं बताना चाहती हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र में पिछले 10 सालों से लगातार आपकी पार्टी का नेतृत्व रहा। उसके पहले भी आपकी पार्टी का 05 साल नेतृत्व रहा। सरकार में वह कैबिनेट मंत्री रहे। परन्तु दुर्भाग्य के साथ मैं कह सकती हूँ कि हमारे क्षेत्र के कई गांव कटान से पीड़ित रहे और आज भी हैं। कुछ गांव में पिछले 05 सालों में जब योगी आदित्यनाथ जी की सरकार बनी तो कटानों के विषय में कटरगट्टी को हमनें बचाने का प्रयास किया और इस सदन के माध्यम से मैं अपनी सरकार से यह निवेदन करना चाहती हूँ कि घाघरा नदी से घिरा हुआ हमारा क्षेत्र है। मैं आपसे यह निवेदन करना चाहती हूँ कि रेवती से मनियर तक का जो हमारा क्षेत्र है वह पूरा बारिश के जल जमाव से भर जाता

है। तो यह आग्रह मेरा स्वीकार करें कि एक पम्प हाउस अगर हमें मिल जाये तो यह हमारा सौभाग्य होगा। मुझे पता है कि योगी आदित्यनाथ जी की सरकार देने में विश्वास करती है, काम करने में विश्वास करती है। जरूरत है आत्मबल की, जरूरत है काम करने की इच्छा की। मैं यह पूरा विश्वास करती हूँ कि जिस तरह से योगी आदित्यनाथ जी की सरकार बच्चियों की सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, अभी आपके नेता प्रतिपक्ष जी महिला सुरक्षा के विषय में बात कर रहे थे। मैं बताना चाहती हूँ कि मेरी विधान सभा क्षेत्र के अन्दर एक ठाकुर बिरादरी की लड़की थी। मैं ठाकुर नहीं कहूँगी, शायद आप मिसकन्क्यूड कर लेंगे। एक हजाम बिरादरी की लड़की को घर से खींचकर ले जाते हैं और समाजवादी पार्टी के लोगों के ऊपर एक मुकदमा दर्ज नहीं होता, यह है आपका असली दर्पण, इसको स्वीकार करें।

मैं अधिष्ठाता महोदय से कहना चाहूँगी कि चूँकि हमारी सरकार महिलाओं की, बच्चियों की सुरक्षा के लिए, उनके स्वास्थ्य के लिए, उनकी शिक्षा के लिए दृढ़ संकल्पित है, इसलिए मैं एक छोटी सी माँग आपके समक्ष रखना चाहती हूँ कि एक राजकीय महिला महाविद्यालय, जोकि हमारी विधान सभा क्षेत्र में नहीं है, वह मिले। 100 बेड के एक अस्पताल के लिए भी मैंने आग्रह किया है, क्योंकि हमारी विधान सभा क्षेत्र दियर की विधान सभा क्षेत्र है, इसलिए आपसे निवेदन करती हूँ कि एक 100 बेड का अस्पताल भी हमें मिले। इन्हीं सब शब्दों के साथ मैं अपनी सरकार की भूरि-भूरि प्रशंसा करती हूँ और फिर विश्वास दिलाती हूँ, सम्मुख बैठे हुए साथियों को कि पाँच साल बाद पुनः जीत कर आयेंगे और पुनः आपको विपक्ष में बैठायेंगे। जो गर्मी दिखाने की बात होती है, जो महोदय गर्मी दिखा रहे थे, उनकी सीट पर जो महोदय बैठा करते थे, उनको हराकर छोटी सी महिला यहाँ पहुँची है, तो गर्मी दिखाने का प्रयास यहाँ न करें। इन्हीं सब शब्दों के साथ मैं अपनी वाणी को विराम देना चाहती हूँ। जय हिन्द, जय भारत, जय श्रीराम।

***श्री राम खिलाड़ी सिंह-**

माननीय अधिष्ठाता जी, बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर जिन्होंने संविधान का निर्माण किया था, उनके बारे में इसमें कोई उल्लेख नहीं किया गया है, तो मैं आपसे यह आग्रह करना चाहता हूँ, उनके नाम से किसी योजना का नाम उसमें नहीं रखा गया मैं अपनी तरफ से भी अनुरोध करूंगा और मुझे बड़ा खेद है, इसमें उनके नाम की योजना को शामिल करने का काम करें। पूरे प्रदेश के अन्दर की कानून-व्यवस्था की स्थिति का बखान किया गया है, लेकिन कानून व्यवस्था अपराधयुक्त, भययुक्त है समाज में अन्याय का वातावरण व्याप्त है। आपराधिक मामलों में निरन्तर वृद्धि जारी है। वर्ष 2016 के सापेक्ष डकैती, हत्या, बलात्कार के अपराधों में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रदेश के नागरिकों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। जहाँ तक महिलाओं की सुरक्षा का सवाल है, प्रदेश में महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

स्वावलम्बन का जो कार्य है, वह 109 के माध्यम से माननीय अखिलेश यादव जी ने किया था, वह पूरे देश में बेमिसाल था। आज प्रदेश में महिलाओं के साथ अन्याय हो रहा है और सरकार मूक दर्शक बनी हुई है। प्रदेश की महिलाओं, छात्राओं के लिए पिछले 2017 से आज तक किसी भी विभाग में विशेष भर्ती का कार्य नहीं किया गया है। पूरे देश में स्वास्थ्य और शौचालय की व्यवस्था का ढिंढोरा पीटा जा रहा है। स्वास्थ्य के मामले में यह सरकार पूर्णतः असफल है। 2017 से आज तक प्रदेश में एक भी सुपर स्पेशियलिटी के अस्पताल का नवनिर्माण इस सरकार के द्वारा नहीं किया गया है। माननीय अखिलेश यादव जी द्वारा प्रदेश में 7 नये मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कराकर इतिहास रचा गया था।

कोविड प्रबन्धन में यह सरकार पूरी तरह से फेल हो गयी है। गरीब व्यक्तियों, प्रवासी श्रमिकों ने लॉकडाउन में पैदल बिना भोजन की व्यवस्था के बम्बई से, कोलकाता से, हैदराबाद से तमाम लोग पैदल सड़कों पर चलते-चलते परेशान हुए, यह व्यवस्था सरकार की रही है। जनता उस घड़ी को भविष्य में भूल नहीं सकती है। मैं आपसे यह अनुरोध करना चाहता हूँ और मुझे खेद है कि मा0 राज्यपाल महोदया जी के द्वारा अपने अभिभाषण में जनपद सम्भल के गुन्नौर विधान सभा क्षेत्र का कोई उल्लेख नहीं किया गया है। अतः क्षेत्र के विकास सम्बन्धी योजनाओं को प्रस्ताव के अन्त में जोड़ने की कृपा की जाये। सम्भल जनपद के गुन्नौर विधान सभा क्षेत्र में परमपूज्य श्री हरिबाबा बाँध धाम (मोलनपुर डांडा) गांव है। जो 1919 में अंग्रेजी शासन में हापुड़ से लेकर नरौरा तक 91 किमी0 था, मेरा अनुरोध है कि उसको पर्यटन एवं तीर्थ स्थल घोषित किये जाने की कृपा करें।

श्री अधिष्ठाता-

राम खिलाड़ी जी, अगर आप कागज देना चाहें तो दे दीजिए, हम उसको लिखवा देंगे।

श्री राम खिलाड़ी सिंह-

मान्यवर, हमारी यह सारी क्षेत्र की समस्यायें हैं। कॉलेज, सड़क आदि की व्यवस्थाएँ माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने करवायी थीं। गुन्नौर विधान सभा क्षेत्र में एक राजकीय मेडिकल कॉलेज कि स्थापना कराये जाने का मैने अनुरोध किया था, लेकिन मा0 राज्यपाल महोदया ने उसका उल्लेख नहीं किया है। बबराला नगर में रेलवे क्रासिंग पर ओवरब्रिज का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में भी मेरा आपसे अनुरोध है। माननीय अधिष्ठाता महोदय जी बहुत तमाम सड़कें जो वर्ष 2005 से वर्ष 2007 तक बनाई गई थीं वह सारी सड़के बहुत ही क्षतिग्रस्त हैं, पूरी सड़कें टूटी हुयी हैं। इसलिये मेरा आपसे आग्रह है इन सबका उनमें उल्लेख किया जाए तथा उन सड़कों का निर्माण कराया जाये। जनपद सम्भल व अलीगढ़ में ग्राम मिठनपुर संकारा के पास गंगा नदी पर एक पुल का निर्माण चल रहा है जिसकी स्वीकृति वर्ष 2015-16 में प्रदान की गयी थी, लेकिन 2016 से वह पुल आज तक पूरा नहीं किया जा सका है। आपकी सरकार के पिछले पाँच वर्ष बीत चुके हैं इसलिये उस पुल का निर्माण पूर्ण करने की

व्यवस्था की जाए। मेरा आपसे अनुरोध है कि इसे भी उसमें जोड़ने का काम किया जाए। बबराला नगर पंचायत में एक राजकीय इंजीनियरिंग कालेज की स्थापना कराई जाए। इसके अतिरिक्त अजीजपुर से धौसलीवाहन तक का सड़क को चौड़ीकरण कराया जाय। बबराला अनूप शहर मार्ग से चाऊपुर होते हुए रजपुरा तक की सड़क का निर्माण कार्य कराया जाय। विकासखण्ड गुन्नौर के ग्राम भोजपुर गाँव में राजकीय इण्टर कालेज की स्थापना कराई जाय। ग्राम मडिकावली एवं भिरावटी में 100 बेड के अस्पताल का निर्माण कराया जाय। विकासखण्ड रजपुरा के ग्राम न्योरा सामाधि बाबा स्थल पर राजकीय इण्टर कालेज की स्थापना कराई जाय। इसके अतिरिक्त ग्राम सुल्तानगढ़ में 33 के0वी0 क्षमता वाले बिजली घर की स्थापना कराई जाय। ग्राम सिधौली पुख्ता में 33 के0वी0 बिजली घर की स्थापना कराई जाय। ग्राम भोजपुर में 33 के0वी0 बिजली घर की स्थापना कराई जाय। ग्राम पतरिया में 33 के0वी0 बिजली घर की स्थापना कराई जाय। ग्राम कादराबाद में 33 के0वी0 बिजली घर की स्थापना कराई जाय। माननीय राज्यपाल महोदया जी जो उल्लेख किया है उसमें इन समस्याओं को जोड़ने का काम किया जाय। धन्यवाद।

डॉ0 नीरज बोरा-

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे माननीय राज्यपाल महोदया के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव जो आदरणीय डा0 मन्जू शिवाच जी ने प्रस्तुत किया है, उसके समर्थन में बोलने का अवसर दिया है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूँ। 18वीं विधान सभा क्षेत्र में आये हुये सभी जनप्रतिनिधियों को बहुत-बहुत बधाई और शुभकामनायें देते हुये इस शायरी के साथ मैं अपनी बात को रखता हूँ। "न थके कभी पैर न कभी हिम्मत हारी है, हौसला है जिन्दगी में कुछ कर दिखाने का इसी में अभी भी सफर जारी है।" उत्तर प्रदेश के अन्दर भारतीय जनता पार्टी की दो तिहाई बहुमत की सरकार के निश्चित रूप पिछले 5 साल के कार्यकाल को जनता ने ऑडिट किया है और जनता ने देखा है कि माननीय मुख्य मंत्री आदरणीय योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में जो कार्य हुआ है, वह अविस्मरणीय है, अद्वितीय है। चाहे वह इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हो या पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे हो, गंगा एक्सप्रेस-वे हो, बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस-वे हो या डिफेंस कारिडोर हो इन चारों तरफ जो कार्य हुआ है वह निश्चित रूप से प्रदेश की जनता को दिखाई देता है। इसमें कोई संशय नहीं कि इन्वेस्टर समिट के माध्यम से लाखों करोड़ों रुपये का निवेश उत्तर प्रदेश में आ रहा है जो उत्तम प्रदेश बनाने की राह को मजबूत करने का काम करेगा और आने वाले समय में नौजवानों को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

प्रदेश के अन्दर कोरोना जैसी महामारी से निपटने के लिए जिस प्रकार से माननीय मुख्य मंत्री महोदय जी ने कार्य किया है उसकी सराहना अनेक देशों ने की है, अनेक राष्ट्र अध्यक्षों ने की है कि माननीय मुख्य मंत्री जी ने अद्भुत कार्य किया है, स्वास्थ्य के क्षेत्र में, अन्य विस्तार के क्षेत्र में सराहनीय कार्य किया है, जहाँ मेडिकल के क्षेत्र में, स्वास्थ्य सेवाओं के

क्षेत्र में विस्तार किया है। वह अद्भुत है। माननीय मुख्य मंत्री महोदय के आश्वासन के बाद कि प्रत्येक विधान सभा क्षेत्र में 100 बेड का अस्पताल बनेगा, निश्चित रूप से सराहनीय कदम है। प्रदेश के अन्दर एयरपोर्ट का बनाया जाना कीर्तिमान स्थापित करेगा, प्रदेश की योजनाएं जनपदों का नाम रोशन करेंगी। मिशन शक्ति और कन्या सुमंगला योजना, जनता में सकारात्मक सोच विकसित करेगी और महिलाओं को सुरक्षित महसूस कराने का काम करेगी। सबको आवास, सबको गैस का चूल्हा और आयुष्मान के माध्यम से इलाज और फ्री गैस कनेक्शन का जो काम प्रदेश में हुआ है आज वही कारण है कि हम इस सदन में बैठे हैं। जहां दुनिया में चौथी लहर चल रही है और हम यहां माननीय सदस्य बिना मास्क लगाये बैठे हैं, यह कोरोना वैक्सीनेशन की सफलता के कारण ही सम्भव हो पाया है और आज हम उत्तर प्रदेश में अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सकते हैं। निश्चित रूप से जो गरीब कल्याण अन्न योजना माननीय प्रधानमंत्री महोदय ने प्रारम्भ की और हमारे माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने उसमें चार चांद लगाने का काम किया है, इससे उत्तर प्रदेश की जनता को बहुत बड़ी राहत मिली है। हम कह सकते हैं पूरे उत्तर प्रदेश को कोरोना से बचाने का श्रेय माननीय मुख्य मंत्री महोदय को जाता है।

मैं अपनी बात रखना चाहता हूँ कि अयोध्या में भगवान राम का मन्दिर बन रहा है और काशी में भगवान विश्वनाथ का मन्दिर, माननीय प्रधानमंत्री जी ने जिस कॉरीडोर का उद्घाटन किया, वह निश्चित रूप से देश के लिए सराहनीय कदम है ऐसा करके सरकार ने देश की जनता की बहुत बड़ी अभिलाषाओं को पूर्ण करने का काम किया है। मैं यह भी कहना चाहता हूँ कि मेरे लखनऊ का उत्तर विधान सभा क्षेत्र, जहाँ माननीय मुख्य मंत्री महोदय ने पिछले पाँच वर्षो में एक कीर्तिमान स्थापित करने का काम किया है। मैने जब-जब भी माननीय मुख्य मंत्री जी से निवेदन किया उन्होंने हमारे अनुरोध को स्वीकार किया। हमारे विधान सभा क्षेत्र के अन्दर लगभग 1 हजार करोड़ रुपए के विकास के कार्य सम्पन्न हुए हैं, हमारे क्षेत्र में 100 बेड का अस्पताल, जिसकी संस्तुति हो गई है, निश्चित रूप से जल्दी बनेगा और मील का पत्थर साबित होगा। आईटीआई का भी शासनादेश हैं उसका भी शीघ्र निर्माण कार्य प्रारम्भ हो जाय। लखनऊ ग्रीन कॉरीडोर के माध्यम से मैं माननीय मुख्य मंत्री महोदय को धन्यवाद देना चाहता हूँ कि यह ग्रीन कॉरीडोर आईआईएम बाईपास से इकाना क्रिकेट स्टेडियम तक बनेगा जो पूरे लखनऊ के लिए लाइफलाइन सिद्ध होगा, इसके लिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी के लिए यह शेर अर्ज करना चाहता हूँ।

राह संघर्ष की जो चलता है, वही संसार को बदलता है।

जिसने रातों से जंग जीती है, सूर्य बनकर वही निकलता है।

बहुत-बहुत धन्यवाद, जय हिन्द, जय भारत।

***श्री ओम कुमार-**

माननीय अधिष्ठाता महोदय, आपने मुझे श्री राज्यपाल जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया इसके लिए मैं आपके प्रति दिल से आभार व्यक्त करता हूँ और जो प्रस्ताव माननीय सदस्य, विधान सभा डॉ0 मंजू शिवाच जी ने रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूँ। माननीय अधिष्ठाता महोदय, अभी लगभग दो महीने पहले इस प्रदेश के अन्दर चुनाव सम्पन्न हुए और उन चुनावों में भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रचण्ड बहुमत से जीत कर आयी। हमारे बिजनौर जिले में एक धारणा चली आ रही थी कि जो मुख्य मंत्री बिजनौर जिले में आ जाता है उसकी दोबारा सरकार नहीं बनती है। जिस प्रदेश का मुख्य मंत्री बिजनौर आ जाता है, वहाँ उस पार्टी की सरकार नहीं बनती है। मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि इस मिथ्या को लगभग 37 साल हो गये थे। हमारे उत्तर प्रदेश के मा0 यशस्वी मुख्य मंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने इन मिथ्याओं को तोड़कर प्रदेश के अन्दर प्रचण्ड बहुमत से सरकार बनाने का काम किया है। मैं अपनी विधान सभा क्षेत्र के लोगों का धन्यवाद करना चाहता हूँ, जिन्होंने मुझे तीसरी बार नहटौर विधान सभा क्षेत्र से जिताकर इस विधान सभा में भेजने का कार्य किया है।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि इनके समय में जब चुनाव चल रहे थे, उस चुनाव के अन्दर किस तरह की गुण्डागर्दी की जा रही थी। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि इसी विधान के अन्दर वर्ष 2012 में मैंने देखा था कि मा0 अखिलेश यादव जी की सरकार थी, किस तरह से गुण्डागर्दी हुआ करती थी। माताओं-बहनों के ऊपर किस तरह का अत्याचार किया जाता था। मैं तो आपको बताना चाहता हूँ कि ये जो गठबंधन करके मुख्य मंत्री बनने का सपना देख रहे थे जो सोचते थे कि हम इस प्रदेश के मुख्य मंत्री बनेंगे, हम इस प्रदेश में उप मुख्य मंत्री बनेंगे, उनको मैं बताना चाहता हूँ कि "दूसरों के परों से उड़ सकते हो, हद से हद दो दीवारों तक। आसमां में तो वहीं उड़ेंगे, जिनके अपने पर होंगे"।

मैं अपने यशस्वी मुख्य मंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद करना चाहता हूँ। जनपद बिजनौर के अन्दर जब कोई दुर्घटना हो जाती थी, तो इलाज कराने के लिए या तो मेरठ जाना पड़ता था या फिर दिल्ली जाना पड़ता था और वहाँ पहुँचते-पहुँचते उस व्यक्ति की मौत हो जाती थी। देश को आजाद हुए लगभग 75 साल हो गये थे, किसी ने हमारे बिजनौर की तरफ नहीं सोचा था। अगर किसी ने सोचने का काम किया, तो उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्य मंत्री श्री आदित्यनाथ योगी जी ने किया है। उन्होंने तीन सौ करोड़ रुपये की लागत से छः सौ बीघे जमीन के अन्दर राज्य मेडिकल कॉलेज बनवाने का काम हमारे जिले बिजनौर के अन्दर किया, जिसके अन्दर अगले साल से ओ0पी0डी0 चालू हो जायेगी।

---

* वक्ता ने भाषण का पुनर्वीक्षण नहीं किया।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि हमारे बहुत सारे भाई डॉ0 भीमराव अम्बेडकर साहब की बात करते हैं, लेकिन उनके बताए रास्ते पर चलने का काम नहीं करते। प्रमोशन में आरक्षण का बिल किसने फाड़ा।

मा0 अधिष्ठाता महोदय, मैं आपको बताना चाहता हूँ कि वर्ष 2012 में प्रमोशन/आरक्षण के बिल को फाड़ा गया और उसके तहत हमारे जो भाई एस0डी0एम0 थे, उनको तहसीलदार बना दिया गया और जिसके कंधे पर दो स्टार हुआ करते थे, जिसको गाँव के अन्दर लोग दरोगा जी कहकर बुलाया करते थे, उनके दोनों कंधे के स्टार इन्होंने उतरवा दिए। जब वह सायं में अपने परिवार में गया, तो बच्चों ने पूछा कि पापा आपके स्टार कहां गये ? तो उसने कहा कि बेटा श्री अखिलेश यादव जी ने उतरवा दिए। ये आज हमारी सरकार के ऊपर उंगलियाँ उठाते हैं। ये आज डॉ0 भीमराव अम्बेडकर साहब की बात करने का काम करते हैं। डॉ0 भीमराव अम्बेडकर साहब के पद चिन्हों पर चलना है, तो डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जी के नाम पर पंचतीर्थ बनाने का काम हमारे आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने करने का काम किया है। लंदन के अन्दर गये और वहाँ अंग्रेजों से जा करके कहा कि इस जमीन पर, जहाँ बाबा साहब ने पढ़ाई की थी, मुझे ये जमीन चाहिए। अंग्रेज हैरान रह गये कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी इस जमीन का क्या करेंगे ? उन्होंने कहा कि इस जमीन से डॉ0 भीमराव अम्बेडकर साहब की यादें जुड़ी हुई हैं और उस जगह को खरीदने का काम किया। आज जा करके वहाँ देख लीजिए, गरीबों/दलितों के बच्चों को मुफ्त में शिक्षा देने का काम किया जाता है।

श्री अधिष्ठाता-

मा0 सदस्य। आप अपनी बात को कंक्लूड करिए।

श्री ओम कुमार-

मा0 अधिष्ठाता जी, मेरे क्षेत्र के अन्दर लगभग 400 गाँव आते हैं।

श्री अधिष्ठाता-

आप बार-बार बीच में टोकिए नहीं। मा0 सदस्य, आप का हो गया। अब आप समाप्त करिए।

श्री ओम कुमार-

मा0 अधिष्ठाता महोदय, उन 400 गाँवों के अन्दर एक तहसील नहीं है। मेरे नहटौर के अन्दर में काफी रेवेन्यू गाँव से आता है, इसलिए वहाँ पर एक तहसील बनवा दी जाए। मेरे क्षेत्र के अन्दर प्रतिभाओं की कमी नहीं है। मेरे क्षेत्र के जो बच्चे हैं, वे ओलम्पिक तक पहुँचे हैं। मैं चाहता हूँ कि नहटौर विधान सभा क्षेत्र में एक स्टेडियम बना दिया जाए। मा0 अध्यक्ष जी, आपने मुझे बोलने का मौका दिया। मैं अपने धन्यवाद प्रस्ताव पर बल देता हूँ। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री मौहम्मद हसन 'रुमी'-

धन्यवाद मा0 अधिष्ठाता महोदय, आपने हमें मा0 राज्यपाल महोदया जी के अभिभाषण पर बोलने का मौका दिया, संशोधन का मौका दिया। महामहिम के भाषण में हमने जो देखा, उसमें यह महसूस किया कि यह केवल एक झूठ का पुलिंदा था। मैं इस पर संशोधन करना चाहता हूँ। मैं जिस क्षेत्र से आता हूँ वह कानपुर की उद्योग नगरी रही है। उस कानपुर नगरी की जिस तरह की पहचान थी टेक्सटाइल के रूप में आज टेक्सटाइल का काम तो खत्म हो गया, लेकिन चमड़े के काम से जो उसकी पहचान बनी तो उसको मिटाने का षडयंत्र किया जा रहा है। उस चमड़े के व्यापार से लाखों लोग रोजगार पाते थे, प्राइवेट सेक्टर में तमाम लोगों को उस रोजगार से अपनी जीविका चलाने का मौका मिलता था। मैं कहना चाहता हूँ कि इतनी जटिल और इतनी खराब व्यवस्था की गयी कि एक-एक कर चमड़े का उद्योग भी अपने आखिरी दौर पर जा रहा है। कानपुर पूरे विश्व में उद्योग की नगरी से जाना जाता था, लेबर और इन्टरप्रेन्योर इन दोनों का एक अच्छा सामंजस्य था और विद्युत के क्षेत्र में बिजली आती नहीं है अगर आती है तो बस कुल 12 घण्टे के लिए आती है और कहीं-कहीं पर वोल्टेज की सही व्यवस्था नहीं हैं। मेरे क्षेत्र के श्याम नगर के इलाके में लगातार बिजली की समस्या से लोगों का फोन आता है, सुबह उठे तो बिजली की समस्या से और पानी की समस्या से शुरुआत होती है। मैं कहना चाहता हूँ कि पूरे प्रदेश की इस उपलब्धि को राज्यपाल महोदया ने जिस तरह से बखान किया था, मैं कानपुर की ही बात ले लूं, क्योंकि हमारे मा0 अध्यक्ष जी भी कानपुर से आते हैं और मुझे सौभाग्य है कि उनकी पुरानी विधान सभा क्षेत्र के एक बड़े क्षेत्र का मैं प्रतिनिधित्व कर रहा हूँ और मुझे यह कहने में भी अतिशयोक्ति नहीं है कि हम लोग जिस क्षेत्र के निवासी हैं उस क्षेत्र के अन्दर देश-विदेश से लोग चमड़े के कारोबार को देखने आते थे।

आज की स्थिति में इन्फ्रास्ट्रक्चर की बुरी हालत है कि जगह-जगह पर नमामि गंगे के लोगों ने जिस तरह से 20-20 फीट गहरे गड्ढे खोद दिये हैं उसको आज खोदते हैं दूसरे दिन भरते है और फिर तीसने दिन खोदते हैं पता नहीं कौन सा खेल चल रहा है। इसके साथ ही साथ जिस तरीके से विद्युत की बात हो रही थी कि पूरे प्रदेश में बिजली की बहुत अच्छी व्यवस्था है। मैं आपको बताना चाहता हूँ कि बिजली के नाम पर अगर 20 घण्टे जिस दिन बिजली आ जाए, उस दिन हम समझेंगे की हम बहुत सौभाग्यशाली हैं। हमारी सरकार में जिस तरह 24 घण्टे बिजली आती थी। उसका सिर्फ हम अहसास कर सकते हैं। आज की तारीख में रातभर बिजली नहीं आती और सुबह थोड़ी देर बाद जब बिजली आती है तो पता चलता है कि दलालों के माध्यम से जो छापेमारी होती है सुबह 5 बजे घर के अन्दर कूद जाते हैं और कूदने के बाद सेटिंग शुरू होती है। जिनके यहां 1 किलोवाट का मीटर लगा होता है उनको 4-4 किलोवाट का एसेसमेंट करने की धमकी दी जाती है। मैं कहना चाहता हूँ कानपुर नगर के छावनी विधान सभा क्षेत्र जो गंगा नदी के किनारे बसा हुआ है और कोरोना काल के इस दौर में हमारी गंगा नदी लाशों से पटी हुई थी। किसी ने भी यह एहसास नहीं किया कि जिस तरीके

से कोरोनाकाल में ऑक्सीजन की कमी से इलाज की कमी को देखते हुए, जिस तरीके से बाहर के मजदूरों को हम लोगों ने जो मद्द की अगर हम लोग मद्द न करते तो यकीनन न जाने कितने लोग भूखों मर जाते। क्योंकि हम लोग लगातार एहसास करते रहे कोरोना के इस दौर में भुखमरी के कगार पर पहुंचने वाले तमाम परिवार समाजवादी पार्टी की सहायता से जीविका पा जाएंगे।

माननीय अध्यक्ष जी, कोरोना के इस दौर में भुखमरी की कगार पर पहुंचने वाले तमाम परिवार अगर समाजवादियों की सहायता से जीविका पा जायेंगे तो निश्चित रूप से हम लोगों को भी लगेगा कि हम लोग भी समाजसेवा का काम कर रहे हैं। मैं कहना चाहता हूँ कि जिस तरीके से पूरे प्रदेश के अन्दर रोजगार की बात कही गयी है, वह बिल्कुल झूठी और खोखली है, क्योंकि तमाम लोग कोरोनाकाल में जिस तरीके से बेकार हुए, उन्होंने ई-रिक्शा किराये पर लिया। अपने घर के जेवर बेंचकर लोगों ने ई-रिक्शा खरीदा। अभी-अभी मुझे मालूम हुआ है कि कल सारे ई-रिक्शा को खड़ा करके एक जगह जमा कर दिया गया और सब लोग न जाने कितने पढ़े-लिखे लोग, एम0बी0ए0 के लोग ई-रिक्शा चलाकर अपनी जीविका का सहारा ले रहे थे। ई-रिक्शा के सहारे अपनी जिन्दगी चला रहे थे। आज शत-प्रतिशत लोगों को इस व्यवसाय से भी वंचित कर दिया गया है। मैं कहना चाहता हूँ कि कुछ किया हो या न किया हो उत्तर प्रदेश और देश के अन्दर जिस तरीके से इन सरकारों ने भाई को भाई से जुदा करने का एक शिगूफा चलाया है। मुझे लगता है कि आने वाले दिनों में इन लोगों को ब्लड बैंक में भी लिखना पड़ेगा कि यह मुस्लिम पक्ष का ब्लड बैंक है और यह हिन्दू पक्ष का ब्लड बैंक है। आने वाले दिनों में जिस तरीके से इन लोगों ने हमारे देश को कमजोर करके अपनी सत्ता को हासिल करने का काम किया और कहा कि हम हिन्दुवादी हैं, यह हिन्दूवादी नहीं हैं। यह लोग सिर्फ कारपोरेट हिन्दूवादी हैं। सत्तावादी हैं।

(इस समय रात्रि 07 बजकर 31 मिनट पर श्री अध्यक्ष पुनः पीठासीन हुए)

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-03 में कुछ नहीं है।

डॉ0 डी0सी0 वर्मा, सदस्य, विधान सभा की जनपद औरैया से संबंधित 01 तथा जनपद बरेली से सम्बन्धित 24 याचिकाएं†

डॉ0 डी0 सी0 वर्मा-

1-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद औरैया में दिबियापुर विधान सभा क्षेत्र के ग्राम मुड़ैना रामदत्त के मुख्य सम्पर्क मार्ग से जुआ-फतेहपुर रामू रोड तिराहे से

† छापी नहीं गयी।

शिव मंदिर मुड़ैना रामदत्त तक डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री बलवीर सिंह, निवासी जनपद औरैया की याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम अगरास से ग्राम मढौली तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अमित साहू व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

3-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम अब्दुल्लागंज से ग्राम बलुपुरा तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चेतराम आर्या व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

4-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम औरंगाबाद रास रोड से मन्दिर होते हुए ग्राम औरंगाबाद तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मनोहर लाल शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम कपूरपुर तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरीश लोधी व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

6-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम केसरपुर से ग्राम नगरिया सोवरनी तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीनानाथ गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

7-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम कैथोला बेनीराम से ग्राम पडरी खालसा तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राम स्वरूप व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

8-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम गूला तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुनेन्द्र शर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

9-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम जौनेर मार्ग वाया ठिरिया ब्रहमान गूला तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राघवेन्द्र सिंह चौहान व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

10-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम जौनेर से ग्राम संजरपुर तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मुनेन्द्र शर्मा व अन्य निवसीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

11-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम टीहर खेड़ा से ग्राम रहपुरा जागीर तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील शर्मा अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

12-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम दाडा से ग्राम बढेपुरा तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रूपचन्द वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

13-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम दोंद आलमपुर की गौटिया से पश्चिमी की ओर रामपुर सीमा तक सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री केदारनाथ आर्या व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

14- मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम पिपरिया से प्रेमपुर पुलिया तक (छुटा हुआ भाग) नहर पर सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भूपेन्द्र गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

15- मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम बंगरऊ से ग्राम केरा तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री उमेश गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

16- मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम बकैनिया वीरपुर से ग्राम दुनकी तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भूपराम वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

17-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम बकैनिया वीरपुर से दुनका की तरफ धनेटा-शीशगढ़ मार्ग तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भूपराम वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

18-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम मण्डवा से ग्राम आनन्दपुर तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हरिनन्दन पाल व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

19-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम मनकरा से पश्चिम की ओर रामपुर सीमा तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विशाल गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

20-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम रामगंगा के गोराघाट (गोरा लोकनाथपुर में) को पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करने के सम्बन्ध में श्री बाबूराम कश्यप व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

21- मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम लभेडा दुर्गाप्रसाद से ग्राम खमरिया आजमपुर तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री कृपाल वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

22- मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम विक्रमपुर में दक्षिण की ओर से मुख्य मार्ग तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वेदपाल सिंह चौहान व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

23-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम संजरपुर जौनेर से ग्राम नगरिया कल्याण तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सोनू कुर्मी व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

24-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम सिहोर से पश्चिम की ओर रामपुर सीमा तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लालाराम गंगवार व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं तथा

25- मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बरेली की तहसील मीरगंज के ग्राम हल्दी कलाँ से पश्चिम की ओर रामपुर सीमा तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री वीरपाल पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद बरेली की याचिका उपस्थित करता हूं।

डॉ0 नीरज बोरा, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ सम्बन्धित 05 याचिकाएँ †

डॉ0 नीरज बोरा-

1-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद लखनऊ के अलीगंज में इंडियन आयल तिराहा-बर्मा बेकरी से रैदास मन्दिर तक की सड़क का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पृथ्वी गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद लखनऊ के जानकीपुरम स्थित सहारा स्टेट तिराहे से कुर्सी रोड तक की सड़क बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री सतीश वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित करता हूं।

3-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद लखनऊ के प्रसिद्ध अलीगंज स्थित पुराना हनुमान मन्दिर का सौन्दर्यीकरण एवं पर्यटन विकास कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पृथ्वी गुप्ता अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित करता हूं।

4-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद लखनऊ के फैजुल्लागंज व जानकीपुरम में घनी आबादी के ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन लाइन तारों को भूमिगत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रदीप कुमार शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित करता हूं तथा

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद लखनऊ में गोमती नदी-पक्का पुल से पुरनिया-सीतापुर रोड तक बंधा मार्ग का चौड़ीकरण एवं मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री लवकुश त्रिवेदी व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री अतुल प्रधान, सदस्य, विधान सभा, जनपद मेरठ से सम्बन्धित याचिका†

श्री अतुल प्रधान-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद मेरठ के नगर पंचायत फलावदा में भ्रष्टाचार की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनमोल, निवासी जनपद मेरठ की याचिका उपस्थित करता हूं।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री अध्यक्ष-

श्री माधवेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद हरदोई से सम्बन्धित

02 याचिकाए (व्यपगत)†

श्री माधवेन्द्र सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद हरदोई के विधान सभा क्षेत्र सवायजपुर में पॉलीटेक्निक कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवम तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद हरदोई की याचिका तथा

2-जनपद हरदोई के विधान सभा क्षेत्र सवायजपुर में राजकीय डिग्री कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री मदन पाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद हरदोई की याचिका।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य अनुपस्थित हैं, अब हम अगली मद लेते हैं।

श्री जय प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की जनपद लखनऊ से सम्बन्धित याचिका (व्यपगत)†

श्री जय प्रताप सिंह, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में जनपद लखनऊ के हिमसिटी पार्ट-2 हरदासी खेड़ा निकट बाबा हास्पिटल, शहीद भगत सिंह, जोन-7 में सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्रीमती सुशीला देवी व अन्य निवासीगण जनपद लखनऊ की याचिका व्यपगत हुई।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य अनुपस्थित हैं, अब हम अगली मद लेते हैं।

श्री जवाहर लाल राजपूत, सदस्य, विधान सभा की जनपद-झांसी से सम्बन्धित

05 याचिकाएँ †

श्री जवाहर लाल राजपूत-

1-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद झांसी की कतिपय सड़कों की मरम्मत कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रामराजा तोमर व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद झांसी की गुरसराय मुख्य नहर का चौड़ीकरण एवं गहरा किये जाने के सम्बन्ध में श्री ललित पटेल व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका उपस्थित करता हूं।

---

† छापी नहीं गयी।

3-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद झांसी के तहसील मोठ के चोपड़ा तालाब के बांध आराजी संख्या-657 पर अवैध कब्जे को हटवाये जाने के सम्बन्ध में श्री कपिल मुदगिल व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका उपस्थित करता हूं।

4-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद झांसी के विकास खण्ड गुरसराय में लखेरी नदी पर चेकडैम कम रपटा बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री इन्द्रपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका उपस्थित करता हूं तथा

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद झांसी में तालपुरा मौजा में तहसील सदर, झांसी में अवैध कब्जा हटवाये जाने के सम्बन्ध में श्री बहादुर व अन्य निवासीगण जनपद झांसी की याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री प्रदीप कुमार चौधरी, सदस्य, विधान सभा की जनपद-बुलन्दशहर से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ†

श्री प्रदीप कुमार चौधरी-

1-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बुलन्दशहर के सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम दरियापुर में एन0एच0-91 रजवाहे की पटरी पर ठन्डी प्याऊ तक काली सड़क निर्माण के सम्बन्ध में श्री मौ0 उस्मान व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बुलन्दशहर के सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम नौसाना में देवेन्द्र सिंह के घर से नरेश लाला के घर तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री के0 पी0 सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका उपस्थित करता हूं।

3-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बुलन्दशहर के सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम भासौली में रजवाहा वलीपुरा के पुल से राजेश के मकान तक सी0सी0 रोड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका उपस्थित करता हूं।

4-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बुलन्दशहर के सदर विधान सभा क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम रिझौड़ा में वीरेन्द्र पुत्र लख्मी के ट्यूबवेल से चन्द्रवीर के ट्यूबवेल तक खड़न्जा का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका उपस्थित करता हूं तथा

---

† छापी नहीं गयी।

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बुलन्दशहर सदर विधान सभा क्षेत्र-65 के अन्तर्गत ग्राम मीरपुर खवाजपुर में दौलतगढ़ आकुपुर वाली काली सड़क से नौरंग भगत जी के घर तक रास्ता निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री किरनपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बुलन्दशहर की याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री प्रेम नारायण पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद-गोण्डा से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ †

श्री प्रेम नारायण पाण्डेय-

1-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के ग्राम पंचायत खानपुर में धौरहरा घाट पर पुल का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आर0 डी0 तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज की ग्राम पंचायत मुकुन्दपुर में बिजनेस प्लान 2019-2020 के अन्तर्गत 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र में माँ बाराही देवी की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री हीरा सिंह मधुर व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका उपस्थित करता हूं।

3-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज की ग्राम सभा कोडर में स्थित महर्षि पतंजलि जन्म स्थली को पर्यटन स्थल के रूप में सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री विपिन सिंह व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका उपस्थित करता हूं।

4-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज के अन्तर्गत गंगरौली उतरी भवानी आदमपुर तिरमुहानी पर लघु सेतु का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री होली वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका उपस्थित करता हूं तथा

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद गोण्डा की तहसील तरबगंज में मिनी स्टेडियम की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्र प्रकाश तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद गोण्डा की याचिका उपस्थित करता हूं।

---

† छापी नहीं गयी।

श्री बम्बा लाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद-उन्नाव से सम्बन्धित 14 याचिकाएँ †

श्री बम्बा लाल-

1-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के मियाँगंज की ग्राम सभा टीयर में इण्टर कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री भीम यादव व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड नवाबगंज में राजकीय हाई स्कूल के भवन में कक्षा-12 तक की कक्षायें प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जय नरायण सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

3-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड नवाबगंज के ग्राम जलालपुर से गुलाल खेड़ा तक जर्जर खड़न्जा मार्ग एवं कच्चे मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अवधेश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

4-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा जमालनगर मजरा माढापुर सुतवा नदी पर 15 मीटर पुल का निर्माण कार्य के साथ सम्पर्क मार्ग का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक विमल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर के ग्राम सभा ददलहा में राजकीय इण्टर कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री संजय निषाद व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

6-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा खैरी चन्देला में राजकीय इण्टर कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री महेश निषाद व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

7-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र सफीपुर के अन्तर्गत प्राचीन मन्दिरों का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री शिवम सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

8- मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र सफीपुर के ग्राम सभा शाहपुर से गुड़ियाबाग तक सड़क का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सन्तोष कुमार व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

9-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के सफीपुर के अन्तर्गत महाविद्यालय (डिग्री कालेज) की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक विमल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

10-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के मवई बीहनान में निर्मित किसान मण्डी का विस्तार किये जाने के सम्बन्ध में श्री आनन्द गौड व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

11-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड नवाबगंज के ग्राम सभा रायपुरगढ़ी में राजकीय हाई स्कूल के भवन में कक्षा-12 तक की कक्षायें प्रारम्भ कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जय नरायण सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

12-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड मियाँगंज के ग्राम पंचायत बरहाँकला में बारातशाला का निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रवीण रावत व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

13-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड सफीपुर की ग्राम पंचायत मतलबपुर नहर के पास से होते हुए ग्राम टिकरा तक लगभग 02 किलोमीटर लोक निर्माण विभाग से सड़क का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री आनन्द सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं तथा

14-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड हसनगंज में जिला पंचायत द्वारा निर्मित हसनगंज-मुंशीगंज सम्पर्क मार्ग पर हुनमान मन्दिर से ग्राम सभा पमेधिया में लगभग 01 किमी0 जर्जर मार्ग का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री तुसार अवस्थी व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री रमेश, सदस्य, विधान सभा की जनपद-जौनपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ †

श्री रमेश-

1-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज के खुटहन व उसरहटा में स्थित कोल्ड स्टोरेज को चालू कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रजनीश सिंह व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज में खुटहन-समोधपुर-नोनियापटटी से पटैला तथा त्रिकौलिया-अखण्डनगर मार्ग का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सोनू तिवारी व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

3-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज में फायर स्टेशन की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रविकान्त विश्वकर्मा व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

4-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र शाहगंज के उच्चीकरण व आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित किये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश गौड़ व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित करता हूं तथा

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद जौनपुर के विधान सभा क्षेत्र शाहगंज में नए रोडवेज बस स्टेशन की स्थापना कराए जाने के सम्बन्ध में श्री सुनील अग्रहरि व अन्य निवासीगण जनपद जौनपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री विवेकानन्द पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की जनपद कुशीनगर से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ (व्यपगत) †

श्री विवेकानन्द पाण्डेय, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुई :-

1-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत 05 ग्राम पंचायत हरपुर, शिवपुर, मरचहवा, नारायणपुर व शाहपुर में विद्युत आपूर्ति किये जाने के सम्बन्ध में श्री रमेश शुक्ला व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका,

---

† छापी नहीं गयी।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत नौरंगिया को नगर पंचायत बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री कपिलदेव चौधरी व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका,

3-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत सोनबरसा से छोटी गण्डक तक जाने वाली ड्रेन की सफाई कराये जाने के सम्बन्ध में श्री रवि प्रकाश कुशवाहा व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका,

4-जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा में स्थित नारायणी नदी (बड़ी गण्डक) के उस पार 07 (हरपुर, शिवपुर, मरचहवा, बसन्तपुर, नारायणपुर, सालिकपुर व महादेवा) ग्रामों को बिहार प्रान्त में शामिल न किये जाने के सम्बन्ध में श्री रामाशीष निषाद व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका तथा

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कुशीनगर के विधान सभा क्षेत्र खड्डा के अन्तर्गत छितौनी नौतार बंधे पर रेगुलेटर की स्थापना किये जाने के सम्बन्ध में श्री रामाशीष निषाद व अन्य निवासीगण जनपद कुशीनगर की याचिका।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य अनुपस्थित हैं, अब हम अगली मद लेते हैं।

श्री वीर विक्रम सिंह 'प्रिंस', सदस्य, विधान सभा की जनपद शाहजहांपुर से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ (व्यपगत) †

श्री वीर विक्रम सिंह 'प्रिंस', सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुई :-

1-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड कलान में ग्राम चौकिया से सूखानंगला तक कच्चा मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में श्री पुष्पेन्द्र गुप्ता अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

2-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड कलान में ग्राम बम्हनी चौकी गांव के अन्दर सी0सी0 मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में श्री पुष्पेन्द्र गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

---

† छापी नहीं गई।

3-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड कलान में ग्राम बैहंगीखेड़ा से पचदेउरिया तक कच्चा मार्ग का निर्माण कराए जाने के सम्बन्ध में श्री पुष्पेन्द्र गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका,

4-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड कलान में थाना परौर से कुण्डरिया सम्पर्क मार्ग तक रोड की मरम्मत कराए जाने के सम्बन्ध में श्री पुष्पेन्द्र गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका तथा

5-जनपद शाहजहांपुर के विधान सभा क्षेत्र कटरा के अन्तर्गत विकास खण्ड कलान में पचदेउरिया से चौकिया मार्ग का डामरीकरण कराए जाने के सम्बन्ध में श्री पुष्पेन्द्र गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद शाहजहांपुर की याचिका।

श्री श्रीकान्त कटियार, सदस्य, विधान सभा की जनपद-उन्नाव से सम्बन्धित 12 याचिकाएँ †

श्री श्रीकान्त कटियार-

1-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव की नगर पालिका बाँगरमऊ से मढापुर रोड का चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सन्दीप बाजपेई व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड गंजमुरादाबाद के ग्राम भिखारीपुर पतसिया के मजरा रतईपुरवा में एक राजकीय इण्टर कालेज की स्थापना करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री राम सच्चे व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

3-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विकास खण्ड बांगरमऊ में अम्बेडकर पार्क का जीर्णोद्धार कराये जाने के सम्बन्ध में श्री धर्मेन्द्र राजपूत व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

4-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बाँगरमऊ की ग्राम पंचायत गडाई के मजरा हिन्दूपुरवा से दबौली बाजार के आगे तक गंगा जी की उपधारा का कटान रोकने हेतु बाँध का निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री अतुल मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

---

† छापी नहीं गयी।

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बाँगरमऊ के अन्तर्गत 100 बेड का अस्पताल निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जयपाल सिंह पटेल व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

6-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बाँगरमऊ के अन्तर्गत एक राष्ट्रीय स्टेडियम की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जयपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

7-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बाँगरमऊ के अन्तर्गत एक स्पोर्ट्स कालेज की स्थापना कराये जाने के सम्बन्ध में श्री जयपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

8-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बाँगरमऊ के ग्राम भिखारीपुर पतसिया के मजरा भगवन्त में एक गंगा जी के सोतवा पर लघु सेतु का निर्माण करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री राम सच्चे व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

9-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बाँगरमऊ के ग्राम रूल्ल में राजकीय नलकूप लगवाये जाने के सम्बन्ध में श्री धर्मेन्द्र राजपूत व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

10-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव के विधान सभा क्षेत्र बाँगरमऊ में कतिपय मार्गों का डामरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री चन्द्रिका प्रसाद व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

11-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव में उ0प्र0रा0स0 परिवहन निगम की बसों को कतिपय ग्रामीण क्षेत्रों तक चलाये जाने के सम्बन्ध में श्री जयपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं तथा

12-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद उन्नाव में नगर पालिका बाँगरमऊ में रोडवेज बस स्टैन्ड का उच्चीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सन्दीप बाजपेई व अन्य निवासीगण जनपद उन्नाव की याचिका उपस्थित करता हूं।

श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य, विधान सभा की जनपद बहराइच से सम्बन्धित 9 याचिकाएँ (व्यपगत)†

श्रीमती सरोज सोनकर, सदस्य, विधान सभा की अनुपस्थिति में निम्नलिखित याचिकाएं व्यपगत हुईं :-

1-जनपद बहराइच की तहसील नानपारा के विकास खण्ड-बलहा के ग्राम सभा जगन्नाथपुर बेचईपुरवा में भारत माता की एक प्राचीन मन्दिर को पुनर्जीवित किये जाने के सम्बन्ध में श्री गणेश शंकर वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

2-जनपद बहराइच की तहसील मिहीपुरवा के विकास खण्ड-मिहींपुरवा के ग्राम सभा सुजौली के प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

3-जनपद बहराइच की तहसील मिहीपुरवा मोतीपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत उर्रा में खेलो इण्डिया खेलो के तहत स्टेडियम, निर्माण किये जाने के सम्बन्ध में श्री नीरज पोरवाल व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

4-जनपद बहराइच की तहसील मिहीपुरवा मोतीपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोतीपुर में एक रोडवेज बस स्टैण्ड का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री पंकज गिरी व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

5-जनपद बहराइच की तहसील मिहीपुरवा मोतीपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोतीपुर में बालिका इण्टर कालेज का निर्माण किये जाने के जाने के सम्बन्ध में श्री अमित वाल्मीकि व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

6-जनपद बहराइच की तहसील मिहीपुरवा (मोतीपुर) के ग्राम सभा मिहिंपुरवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में 50 बेड का अस्पताल बनाये जाने के सम्बन्ध में श्री राकेश मदेशिया व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

7-जनपद बहराइच की तहसील मिहीपुरवा मोतीपुर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत मोतीपुर मिहिंपुरवा को नगर पंचायत घोषित किये जाने के सम्बन्ध में श्री नीरज श्रीवास्तव व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका,

8-जनपद बहराइच की तहसील मिहीपुरवा मोतीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा कुडवा में स्थित हनुमान मंदिर को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित कराये जाने के

---

† छापी नहीं गयी।

सम्बन्ध में श्री आलोक जिन्दल व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका तथा

9-जनपद बहराइच की तहसील मिहीपुरवा मोतीपुर के अन्तर्गत ग्राम सभा सुजौली में 33 के0वी0ए0 सब-स्टेशन का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री राजेश गुप्ता व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका।

श्री अध्यक्ष-

मा0 सदस्य अनुपस्थित हैं, अब हम अगली मद लेते हैं।

श्री सुरेन्द्र मैथानी, सदस्य, विधान सभा की जनपद कानपुर से सम्बन्धित 09 याचिकाएँ †

श्री सुरेन्द्र मैथानी-

1-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कानपुर के गोविन्दनगर विधान सभा क्षेत्र के दादा नगर इण्डस्ट्रियल स्टेट में 33/11 के0वी0ए0 सब-स्टेशन स्थापित करवाये जाने के सम्बन्ध में श्री के0के0 मिश्रा व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कानपुर के गोविन्दनगर विधान सभा क्षेत्र के प्रमुख चौराहों पर ग्रीन बेल्ट (स्मार्ट चौराहा) बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री रविन्द्र भदौरिया व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

3-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत नगर निगम के अधीन जर्जर पुलियों का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अनिल वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

4-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर में कतिपय स्थानों पर शौचालय का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ललित उपाध्याय व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत सम्बन्धित विभागों द्वारा स्वीकृत अधूरे कार्यों को जनहित में पूर्ण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अभिनव दीक्षित व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

6-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत लखनऊ-झांसी मार्ग से शक्ति नगर नौरैयाखेड़ा होते हुए सी0टी0आई0 चौराहे तक पक्का मार्ग एवं छठ घाट का सुन्दरीकरण

---

† छापी नहीं गयी।

कराये जाने के सम्बन्ध में श्री दीपक सिंह व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

7-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत स्थित मामा तालाब का सम्पूर्ण सुन्दरीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री सर्वेश कटियार व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

8-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर के अन्तर्गत सरांयमीता, नौरैयाखेड़ा व स्वराज नगर में स्वास्थ्य केन्द्र बनवाये जाने के सम्बन्ध में श्री विनोद पाल व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका उपस्थित करता हूं तथा

9-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद कानुपर के गोविन्दनगर विधान सभा क्षेत्र में स्थित शास्त्री नगर बड़ा सेण्टर पार्क का सौन्दर्यीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री प्रेम सिंह व अन्य निवासीगण जनपद कानपुर की याचिका उपस्थित करता हूं।

श्रीमती अनुपमा जायसवाल, सदस्य, विधान सभा की जनपद-बहराइच से सम्बन्धित 05 याचिकाएँ †

श्रीमती अनुपमा जायसवाल-

1-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच के ग्राम कमोलिया नहर से बड़ी पुरवा मजरा तक खड़न्जा निर्माण 1 किमी0 एवं बलरामपुर रोड से सार्वजनिक शौचालय तक इण्टरलाकिंग 200 मी0 का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री माधवराम पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका उपस्थित करता हूं।

2-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच नगर के ग्राम इमलिया में इमलिया जू0 हा0 स्कूल से कोयले के घर तक लगभग 200 मी0 इण्टरलाकिंग निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री ज्वाला प्रसाद वर्मा व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका उपस्थित करता हूं।

3-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच नगर के ग्राम कटघरी सुग्रीव सिंह के गांव की मेन रोड से दुर्गा जी के

---

† छापी नहीं गयी।

मन्दिर तक लगभग 100 मी0 निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध श्री रूपाल सिंह व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका उपस्थित करता हूं।

4-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच नगर के ग्राम कमोलिया के सजील तिवारी के घर से राम सुहावन विश्वकर्मा के घर होते हुए बेचू प्रजापति के घर तक इण्टरलॉकिंग लगभग 350 मी0 निर्माण कार्य कराये जाने के सम्बन्ध में श्री माधवराम पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका उपस्थित करता हूं तथा

5-मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से जनपद बहराइच के विधान सभा क्षेत्र बहराइच नगर के शेखदही में हैण्डपम्प लगवाना है व कैनी गढहा के पास माता जी के मन्दिर पर निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में श्री अजीत पाण्डेय व अन्य निवासीगण जनपद बहराइच की याचिका उपस्थित करता हूं।

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-20 में कुछ नहीं है।

कार्य-मंत्रणा समिति द्वारा सदन के कार्यक्रम निर्धारण की सिफारिशें विषयक प्रस्ताव

श्री अध्यक्ष-

उत्तर प्रदेश विधान सभा क्षेत्र की कार्य-मंत्रणा समिति ने अपनी दिनांक 24 मई, 2022 की बैठक में निम्नलिखित सिफारिशें की हैं :-

1-निम्नलिखित विधेयकों के विचार एवं पारण सम्बन्धी मदें दिनांक 27 मई, 2022 को ली जायें।

1-भारतखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय विधेयक, 2022

2-उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2022

2-दिनांक 25 एवं 27 मई, 2022 को नियम-56 की सूचनाएं न ली जायें।

शेष कार्यक्रम यथावत् रहेगा।

संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

मान्यवर, मैं आपकी अनुज्ञा से प्रस्ताव करता हूँ कि यह सदन कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश से जिसकी सूचना आज श्री अध्यक्ष द्वारा सदन में दी गयी है, सहमत है।

श्री अध्यक्ष-

प्रश्न यह है कि कार्य-मंत्रणा समिति की सिफारिश विषयक प्रस्ताव जो माननीय संसदीय कार्य मंत्री द्वारा प्रस्तुत किया गया है, यह सदन सहमत है ?

(प्रश्न उपस्थित हुआ और सर्वसम्मति से स्वीकृत हुआ।)

श्री अध्यक्ष-

मद संख्या-22 में कुछ नहीं है।

बजट के दौरान मध्याह्न भोजन की व्यवस्था

संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री (श्री सुरेश कुमार खन्ना)-

माननीय अध्यक्ष जी, एक अनुरोध करेंगे कि कल बजट है प्रातःकाल 11 बजे से, उसके बाद हम चाहेंगे कि थोड़ी देर का एक इन्टरवल हो जाए ताकि लोग अपनी बात भी कह लें और एक घण्टे का इण्टरवल अगर हो जाए तो अच्छा है।

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्य मंत्री जी, आप इण्टरवल तो करवा रहे हैं तो भोजन की व्यवस्था भी करवाइए तभी तो इण्टरवल होगा।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

माननीय अध्यक्ष जी, भोजन की व्यवस्था हो जाएगी। सभी लोगों का भोजन कल कैफेटेरिया में हो जाएगा।

श्री अध्यक्ष-

इतना ही नहीं है आप वहां पर हैं एक निवेदन और कर लूं कि कल आप बजट प्रस्तुत करेंगे तो जब तक बजट के ऊपर फाइनल विनियोग विधेयक आयेगा तब तक भोजन की व्यवस्था आप करें, मेरा यह निवेदन है।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

मान्यवर, ठीक है, भोजन हो जाएगा और शाम की चाय भी हो जाएगी।

श्री अध्यक्ष-

माननीय संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री जी धन्यवाद।

श्री सुरेश कुमार खन्ना-

इसमें पक्ष-विपक्ष का सवाल नहीं है, यह सभी सदस्य के लिए है।

श्री अध्यक्ष-

यह व्यवस्था सभी माननीय विधायकों के लिए है, यह सभी लोग इसमें सादर आमंत्रित हैं।

नियम-51 के अन्तर्गत सूचनाएं

श्री अध्यक्ष-

आज नियम-51 में कुल 103 सूचनाएं प्राप्त हुई हैं। कई माननीय सदस्य आज मेरे पास आए थे तो कह रहे थे कि कल से आज तक मेरी सूचनाएं नहीं ली गई हैं। एक-एक दिन में 103 सूचनाएं दी जा रही हैं तो धीरे-धीरे सभी की सूचनाएं लेने का प्रयास करेंगे।

पहली सूचना श्री प्रकाश द्विवेदी की बांदा से कानपुर वाया मार्ग को फोर लेन कराये जाने के संदर्भ में हैं, दूसरी सूचना मो0 फईम इरफान की जनपद मुरादाबाद के जनपदीय अधिकारियों के आवासीय भवन के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना प्रो0 श्याम बिहारी लाल की जनपद बरेली में दूषित जल निकासी की व्यवस्था कराये जाने के सम्बन्ध में है, चौथी सूचना श्री राजीव गुम्बर की जनपद सहारनुपर के मेडिकल कालेज में सुविधाएं दिलाये जाने के सम्बन्ध में हैं तथा पांचवीं सूचना श्री सुरेन्द्र मैथानी की जनपद कानपुर के विधान सभा क्षेत्र गोविन्दनगर में पेयजल की समस्या के निस्तारण के सम्बन्ध में है, वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई।

पहली सूचना श्री सचिन यादव की विधान सभा क्षेत्र जसराना के विकास खण्ड एका के ग्राम कताना से जेड़ा झाल तक खारजा नहर की सफाई कराने विषयक तथा दूसरी सूचना श्री सुहेब उर्फ मन्नू अंसारी की जनपद गाजीपुर की तहसील मोहम्दाबाद में नवनिर्मित ट्रामा सेन्टर को चालू कराये जाने के सम्बन्ध में है केवल वक्तव्य हेतु स्वीकृत हुई।

पहली सूचना श्री माता प्रसाद पाण्डेय की ग्राम पंचायत गोपिया, तप्पा वैनिया, तहसील डुमरियागंज थाना त्रिलोपुर जनपद सिद्धार्थनगर के ग्रामवासियों की सैकड़ों बीघा बोई फसल बेचवाये जाने के सम्बन्ध में है, दूसरी सूचना श्री रवि शर्मा की जनपद झांसी के नगर निगम झांसी और आउटसोर्सिंग कम्पनी द्वारा की गयी मिलीभगत से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, तीसरी सूचना श्री विशम्भर सिंह यादव की जनपद बांदा की केन नदी में अवैध खनन रोके जाने के सबध में है, चौथी सूचना श्री प्रेम नरायन पाण्डेय की जनपद गोण्डा के अन्तर्गत टेढ़ी नदी में सिल्ट सफाई कराये जाने के सम्बन्ध में है, पांचवीं सूचना श्री देवेन्द्र कुमार निम की जनपद सहारनपुर की गांगनौली शुगर मिल द्वारा किसानों का भुगतान कराये जाने के सम्बन्ध में है, छठी सूचना श्री किरत सिंह की जनपद सहारनपुर में सड़क चौड़ीकरण कराये जाने के सम्बन्ध में है, सातवीं सूचना श्री मनोज कुमार पारस की जनपद बिजनौर विकास खण्ड किरतपुर के ग्राम भनेडा ग्राम खटाई में सड़क मरम्मत की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है, आठवीं सूचना श्री दुर्गा प्रसाद यादव की जनपद आजमगढ़ के अन्तर्गत विभिन्न सड़क निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, नवीं सूचना श्री विकास गुप्ता की जनपद फतेहपुर में विद्युत सब-स्टेशन का निर्माण कराये जाने के सम्बन्ध में है, दसवीं सूचना श्री अनिल प्रधान की जनपद चित्रकूट में समुचित स्वास्थ्य सुविधायें उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में है, ग्यारहवीं सूचना श्री लालजी वर्मा की जनपद अम्बेडकरनगर में भूमि अधिग्रहण से उत्पन्न स्थिति के सम्बन्ध में है, बारहवीं सूचना श्री विनोद चतुर्वेदी की जनपद जालौन में हो रहे अवैध खनन की जांच कराये जाने के सम्बन्ध में है तथा तेरहवीं सूचना श्री उमाशंकर सिंह की जनपद बलिया विधान सभा क्षेत्र रसड़ा में स्थित समुदायिक स्वास्थ केन्द्र को सुपर स्पेशयलिटी का दर्जा दिये जाने के सम्बन्ध में है।

निम्नलिखित माननीय सदस्यों की सूचनाएं अस्वीकार की गयीं-

डॉ0 मुकेश वर्मा, श्री विनोद सरोज, श्री प्रभु नारायण सिंह यादव, श्री अनिल कुमार त्रिपाठी, श्री विनय प्रकाश गोंड़, श्री अभय सिंह, श्री लकी यादव, श्रीमती सैय्यदा खातून, श्री अताउररहमान, श्री तसलीम अहमद, श्री राहुल राजपूत लोधी, श्री श्याम सुन्दर, श्री बेचई सरोज, श्री वीरेन्द्र चौधरी, श्री राजीव सिंह उर्फ बब्बू भईया, श्री राकेश पाण्डेय, श्री प्रदीप कुमार चौधरी, श्री गौरी शंकर वर्मा, श्री अखिलेश यादव, श्री मो0 ताहिर खान, श्री महेन्द्र नाथ यादव, श्री जय प्रकाश अंचल, श्री वीरेन्द्र, श्री धर्मराज सिंह यादव, इं0 बृजेश कठेरिया, श्री जियाउद्दीन रिजवी, श्री विवेक कुमार वर्मा, श्री मनोज कुमार पाण्डेय, श्री जवाहर लाल राजपूत, श्री राजपाल सिंह बालियान, श्री अशरफ अली खान, श्री गुलाम मौहम्मद, श्री राम अचल राजभर, श्री अमिताभ बाजपेई, श्री राकेश कुमार वर्मा उर्फ डॉ0 आर0 के0 वर्मा, श्री राम निवास वर्मा, डॉ0 सुरभी, श्रीमती विजमा यादव, श्री गौरी शंकर वर्मा, श्री श्याम सुन्दर, श्री अजय सिंह, श्री नन्दकिशोर गुर्जर, श्री राम खिलाड़ी सिंह यादव, श्री राकेश प्रताप सिंह, श्री आशु मलिक, श्री बेचई सरोज, श्री संदीप सिंह, श्री योगेश वर्मा, श्री जगदीश नारायण, डॉ0 नीरज बोरा, श्रीमती आराधना मिश्रा 'मोना', श्रीमती विजमा यादव, श्री अवधेश प्रसाद, श्री लक्ष्मी राज, श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, श्री महेन्द्र, डॉ0 जीएस धर्मेश, डॉ0 राघवेन्द्र शर्मा, श्री अशोक कुमार, श्री रवेन्द्र पाल सिंह, श्री मनीष रावत, श्री मुकेश चौधरी, श्री मूलचन्द्र सिंह निरंजन, डॉ0 डी0सी0 वर्मा, श्री राजीव कुमार, श्री पूरन प्रकाश, श्री महेश त्रिवेदी, श्री ज्ञान तिवारी, श्री वीर विक्रम सिंह, श्री शशांक वर्मा, श्री अतुल प्रधान, श्री बम्बा लाल, श्री मनीष, श्री रमेश, श्री रमेश चन्द्र मिश्र, श्री महेन्द्र नाथ यादव, श्री पंकज कुमार मलिक, श्री शिव प्रताप यादव, श्री राजेश चौधरी, श्री ज्ञानेन्द्र सिंह, श्रीमती कृष्णा पासवान, श्री राम चन्द्र यादव तथा श्रीमती जय देवी।

श्री अध्यक्ष-

अब हम कल 11:00 बजे तक के लिए उठते हैं।

(इसके बाद सदन का उपवेशन 07 बजकर 45 मिनट पर अगले दिन के 11 बजे तक के लिये स्थगित हो गया।)

लखनऊ :

दिनांक 25 मई, 2022 ई0

प्रदीप कुमार दुबे,

प्रमुख सचिव, विधान सभा,

उत्तर प्रदेश।

नत्थी 'क'

देखिये तारांकित प्र0सं0-13 का उत्तर पीछे पृष्ठ संख्या-35 पर।

संलग्नक– 1

विगत 02 वर्षों में विद्युत विभाग ने उक्त मद में कुल रु0 762.83 लाख धनराशि की वसूली की है जिसका डिस्कामवार विवरण निम्नवत् है :–

क्रम संख्या	डिस्काम का नाम	वसूली गयी धनराशि (रु0 लाख में)
1.	पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लि0	126.10
2.	मध्यॉचल विद्युत वितरण निगम लि0	170.97
3.	दक्षिणॉचल विद्युत वितरण निगम लि0	152.06
4.	पश्चिमॉचल विद्युत वितरण निगम लि0	313.70
5.	केस्को– कानपुर	0.00
	कुल	762.83

19.05.2022
(संदीप कुमार)
अधिशासी अभियन्ता,
एम0बी0सी0 सेल

19/05/2022
(पवन कुमार अग्रवाल)
अधीक्षण अभियन्ता,
एम0बी0सी0 सेल

19/05/22
(जे0के0 सिंह)
मुख्य अभियन्ता (वाणिज्य–।।)

नत्थी 'ख'

देखिये तारांकित प्र0सं0-16 का उत्तर पीछे पृष्ठ संख्या-41-42 पर।

माह मई 2022 माह में दिनांक 22 तक तिथिवार उपलब्धता एवं ऊर्जा का खपत का विवरण निम्नवत है:-

तिथि	ऊर्जा की उपलब्धता(एम0डब्लू0)	ऊर्जा की खपत (मि0यू0)
1 मई 2022	22224	450.7
2 मई 2022	22430	459.1
3 मई 2022	22838	470.3
4 मई 2022	22161	433.1
5 मई 2022	22390	371.6
6 मई 2022	22764	436.6
7 मई 2022	22785	452.2
8 मई 2022	23113	446.2
9 मई 2022	23810	472.5
10 मई 2022	24355	483.0
11 मई 2022	24601	487.3
12 मई 2022	24454	500.3
13 मई 2022	24931	497.5
14 मई 2022	25435	513.6
15 मई 2022	25436	509.5
16 मई 2022	24790	509.9
17 मई 2022	24480	489.6
18 मई 2022	23769	496.2
19 मई 2022	23601	497.7
20 मई 2022	24632	505.2
21 मई 2022	21063	449.5
22 मई 2022	23097	419.2
औसत	23598	470.5

(सी० पी० यादव)
मुख्य अभियन्ता, सी०एम०यू०(डी०)
उ०प्र०पा०का०लि०, शक्ति भवन, लखनऊ

नत्थी 'ग'

देखिये अतारांकित प्र0सं0-06 का उत्तर पीछे पृष्ठ संख्या-45-46 पर।

विधान सभा फेफना के अन्तर्गत चालू कार्य

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	मार्ग का नाम (मार्ग की श्रेणी)	स्वीकृत लम्बाई (किमी0)	स्वीकृत लागत लागत	प्रारम्भ से 31.3.22 तक प्राप्त आवंटन
1	2	3	4	5	6
1	बलिया नि0खं0	सुहाव रामापुर सम्पर्क मार्ग से प्रा0विद्यालय सुहाव नं0-2 हरिजन बस्ती होते हुए काशी यादव के घर होते हुए केशा गोड़ के घर तक लेपन कार्य।	0.80	37.30	15.24
2	बलिया नि0खंड	एन0एच0 31 नरही से बसुदेवा कारो मार्ग (अन्य जिला मार्ग) का चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य	6.500	1022.50	816.69
3	बलिया नि0खंड	सुखपुरा गड़वार मार्ग से नहर की पटरी जनऊपुर होते हुए रतसड़ मार्ग (अन्य जिला मार्ग) के चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य	8.400	2296.21	370.00
4	बलिया नि0खंड	एन0एच0 31 नरही राजेश्वर मोड से दौलतपुर कारो चितबड़ागांव गाजीपुर स्थित पतार भरौली मार्ग के किमी 5.00 से 15 तक चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य (लं0- 10 किमी)	10.000	2115.59	500.00
5	बलिया नि0खंड	सोनौली बलिया राज्य मार्ग किमी 235 से पचखोरा प्रानपुर से हरदिया मार्ग	2.00	112.21	32.26
6	बलिया नि0खंड	सोनौली बलिया राज्य मार्ग किमी 233 से अराजी पटपर सम्पर्क मार्ग	1.00	58.44	2.20
7	बलिया नि0खंड	पचखोरा करम्मर मार्ग से मुहम्मदापुर सम्पर्क मार्ग	1.20	66.28	19.06
8	बलिया नि0खंड	बलिया गड़वार मार्ग किमी 3 से आमडरिया से कटरिया सम्पर्क मार्ग का निर्माण	1.20	62.19	14.76
9	बलिया नि0खंड	सोनौली बलिया राज्य मार्ग के किमी 234 से पिपरा कलां से आराजी चौरी मार्ग	1.20	68.06	19.57
10	बलिया नि0खंड	उसरौली से आशापुर मार्ग का निर्माण कार्य	0.90	82.60	2.77
11	बलिया नि0ख0	चितबड़ागांव नगर पंचायत से फिरोजपुर वार्ड में माधव ब्रम्ह बाबा स्थान तक सम्पर्क मार्ग एवं पुलिया के निर्माण का कार्य	1.70	103.27	60.00
12	बलिया नि0ख0	ग्राम चौरा में मुख्य सड़क से दुधेश्वर नाथ बाबा स्थान तक सम्पर्क मार्ग	0.80	74.42	59.30
13	बलिया नि0ख0	रामपुर चिट मार्ग से शिव मंदिर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	1.60	117.37	60.00
14	बलिया नि0ख0	गड़वार रतसड़ मार्ग से जंगली बाबा धाम सम्पर्क मार्ग (ग्रामीण मार्ग) का निर्माण कार्य	0.65	36.30	29.04
15	बलिया नि0ख0	बलिया सोनौली मार्ग से अराजी मुक्तवीपुर में डीह बाबा के सीन से हनुमान मंदिर तक (ग्रामीण मार्ग) सीसी मार्ग के निर्माण का कार्य	0.30	28.99	23.18

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	मार्ग का नाम (मार्ग की श्रेणी)	स्वीकृत लम्बाई (किमी0)	स्वीकृत लागत लागत	प्रारम्भ से 31.3.22 तक प्राप्त आवंटन
1	2	3	4	5	6
16	बलिया नि0ख0	जनपद बलिया में खरहाटार नहर के कोटवा में शिव मंदिर होते हुए हरिजन बस्ती तक सीसी मार्ग के निर्माण का कार्य	1.00	81.24	64.99
17	बलिया नि0ख0	जनपद बलिया में करनई नई बस्ती (शिव मंदिर) सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	1.00	54.96	43.97
18	बलिया नि0ख0	जनपद बलिया में मिठवार सम्पर्क मार्ग से काली मां के सीन होते हुये पासवान बस्ती तक सीसी मार्ग का निर्माण कार्य	1.00	89.73	71.78
19	बलिया नि0ख0	जनपद बलिया में रतसड़ मार्ग से ईदगाह होते हुए एकईल रतसड़ मेउली मार्ग तक मार्ग का निर्माण कार्य	0.50	56.78	45.42
20	बलिया नि0खंड	फिरोजपुर श्रृंगारपुर होते हुए सुजायत तक मार्ग का निर्माण कार्य	6.15	447.57	447.50
21	बलिया नि0खंड	नरही फिरोजपुर लो0नि0वि0 मार्ग से दौलतपुर बड़ी मठ एवं काली मां के स्थान तक सी0सी0 रोड के निर्माण का कार्य	1.00	75.36	60.26
22	बलिया नि0खंड	नरही दौलतपुर से श्रीपुर मठ बसावट सुरापाली चौरा तक मार्ग का निर्माण कार्य	2.40	202.39	121.37
23	बलिया नि0खंड	चांदपुर नहर की पटरी से नरायनपाली हरिजन बस्ती सम्पर्क मार्ग के निर्माण का कार्य	2.00	109.56	74.96
24	बलिया नि0खंड	नहर से चन्दुकी ग्राम मार्ग एवं आबादी भाग में सीसी रोड का निर्माण कार्य	2.20	187.70	102.95
25	बलिया नि0खंड	सागरपाली से गंगहरा थम्हनपुरा बैरिया मार्ग का चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य	12.00	2261.19	1102.24
26	बलिया नि0खंड	रतसड़ प्रानपुर मार्ग के मिसिंग लिंक के निर्माण का कार्य	0.90	53.10	33.18
27	बलिया नि0खंड	रतसड़ नूरपुर मार्ग के मिसिंग लिंक के निर्माण का कार्य	0.60	35.21	17.61
28	बलिया नि0खंड	बलिया गड़वार मुख्य मार्ग स्थित अलावलपुर से राजभर बस्ती, गोड़ बस्ती होते हुए गुरवां कोईरी टोला सम्पर्क मार्ग के आबादी भाग में सीसी रोड का निर्माण कार्य	3.20	286.07	143.04
29	बलिया नि0खंड	लखनऊ बलिया से कपूरी चेरूइया मोहान की मठिया मार्ग के उच्चीकरण के साथ पुनः निर्माण का कार्य	2.25	146.72	14.67
30	बलिया नि0खंड	चेरूइया से मोहान की मठिया तक सम्पर्क मार्ग के उच्चीकरण के साथ पुनः निर्माण का कार्य	2.30	136.55	13.66
31	बलिया नि0ख0	विशेश्वरगंज पी0डब्लू0डी0 मार्ग से उजियार पी0डब्लू0डी0 मार्ग का लेपन एवं पुलिया का कार्य	3.50	133.84	30.24
32	बलिया नि0ख0	मिठनपुर अन्दौर मार्ग के नाले पर पुल एवं पहुंच मार्ग का निर्माण	1.50	74.83	37.41
33	बलिया नि0ख0	जनपद बलिया में बलिया गड़वार पी0डब्लू0डी0 मार्ग से चांदपुर अनुसूचित बस्ती तक नहर की पटरी का लेपन कार्य	3.85	194.56	8.00

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	मार्ग का नाम (मार्ग की श्रेणी)	स्वीकृत लम्बाई (किमी0)	स्वीकृत लागत लागत	प्रारम्भ से 31.3.22 तक प्राप्त आवंटन
1	2	3	4	5	6
34	बलिया नि0ख0	कोपवां से जगदीशपुर मार्ग के नवनिर्माण का कार्य	2.00	147.76	0.000
35	बलिया नि0ख0	अख्तियारपुर से वीवीपुर काली मां के मंदिर तक सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	4.00	302.85	0.000
36	बलिया नि0ख0	पक्का कोट से सिंहपुर सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य एवं 3 नं0 600 एम0एम0 डाया ह्यूम पाइप पुलिया सहित	2.00	86.76	35.70
37	बलिया नि0ख0	चन्दुकी से बरवां मार्ग का लेपन का कार्य एवं 2 नं0 600 एम0एम0 डाया ह्यूम पाइप पुलिया सहित	1.20	58.47	24.26
38	बलिया नि0ख0	गुरवा से करनई मार्ग का लेपन का कार्य एवं 5 नं0 600 एम0एम0 डाया ह्यूम पाईप पुलिया सहित	2.80	122.03	49.81
39	बलिया नि0ख0	चितबड़ागावं गाजीपुर मुख्य मार्ग पर चितबड़ागांव (सहाड) में हनुमान मंदिर से राजभर बस्ती तक सी0सी0 रोड के नव निर्माण का कार्य।	0.70	57.10	22.840
40	बलिया नि0ख0	रतसड़ खेजुरी मार्ग से जिगनहरा ग्राम से जे0पी0 तिवारी के घर होते हुए अशोक तिवारी के डेरा होते हुए रतसड़ मेउली तक मार्ग का नव निर्माण कार्य।	1.60	100.45	2.000
41	बलिया नि0ख0	नूरपुर तपनी आसन मसहा लिंक मार्ग का नव निर्माण कार्य।	1.40	74.25	60.210
42	बलिया नि0ख0	लक्ष्मणपुर चट्टी से ग्राम पिपरा में विश्वनाथ का घर होते हुए खेल के मैदान तक नव निर्माण कार्य।	1.00	82.34	34.930
43	बलिया नि0ख0	रतसड़ नूरपुर मार्ग से भैरोबांध सम्पर्क मार्ग एवं पुलियां का नव निर्माण कार्य।	1.00	69.19	29.670
44	बलिया नि0ख0	मर्ची काली स्थान से माधोराम ब्रम्हबाबा के स्थान तक सम्पर्क मार्ग एवं पुलियां के नव निर्माण कार्य।	2.00	175.97	72.380
45	बलिया नि0ख0	सुजायत बगहीं में आदर्श शिक्षण संस्थान से कमलाकान्त सिंह के घर से वशिष्ठ सिंह के घर तक सम्पर्क मार्ग के निर्माण कार्य	1.70	87.51	37.040
46	बलिया नि0ख0	एन0एच0 31 स्थित कपिलेश्वरी भवान स्थान से गंगहरा सम्पर्क मार्ग के निर्माण का कार्य	1.90	151.49	15.140
47	बलिया नि0ख0	रतसड़ एकईल मार्ग से पृथ्वी बांध योगेन्द्र प्रधान के घर होते हुए छतवां तक मार्ग का निर्माण कार्य	1.40	93.17	9.310
48	बलिया नि0ख0	अलावलपुर से रजवाह होते हुये नरजनी सम्पर्क मार्ग का लेपन कार्य	1.20	63.57	6.350
49	बलिया नि0ख0	गड़वार सुखपुरा मार्ग पर पेट्रोल पम्प के आगे बैजनाथ यादव के घर होते हुए बलिया गड़वार मुख्य मार्ग तक सम्पर्क मार्ग के निर्माण का कार्य	1.30	70.00	7.000

क्र0 सं0	जनपद / खण्ड का नाम	मार्ग का नाम (मार्ग की श्रेणी)	स्वीकृत लम्बाई (किमी0)	स्वीकृत लागत लागत	प्रारम्भ से 31.3.22 तक प्राप्त आवंटन
1	2	3	4	5	6
50	बलिया नि0ख0	बहादुरपुर कारी एकईल मार्ग पर विजय गुप्ता के मकान से खुटर सिंह के घर होते हुए सुदामापुर चौहान बस्ती तक मार्ग के निर्माण का कार्य	2.70	177.42	17.740
51	बलिया नि0ख0	सुखपुरा रतसड़ नहर मार्ग के अवशेष भाग मिसिंग लिंक पर मार्ग का निर्माण कार्य	1.50	82.30	8.230
52	बलिया नि0ख0	रसूलपुर मस्जिद से लखनी तक मार्ग के निर्माण का कार्य	1.10	65.68	0.000
53	बलिया नि0ख0	पी0डब्ल्0डी0 मुख्य मार्ग से विजय सिंह के खेत होते हुए नजरूद्दीन के ट्यूबवेल तक मार्ग के निर्माण	1.20	70.45	0.000
54	बलिया नि0ख0	उमा कोईरी के खेत से रामपुर तक मार्ग के निर्माण का कार्य	1.60	93.03	0.000
55	बलिया नि0ख0	परसिया प्राथमिक विद्यालय से बरवां प्राथमिक विद्यालय होते हुये बरवां सीवान तक मार्ग के निर्माण का कार्य	2.00	147.26	0.000
56	बलिया नि0ख0	दौलतपुर से मंगई नदी पुल से श्री विक्रमा सिंह जी के घर तक मार्ग के नवनिर्माण का कार्य	0.70	50.67	0.000
57	बलिया नि0ख0	बीबीपुर नसीरपुर मार्ग से पलिगरा होते हुए अख्तियारपुर सम्पर्क मार्ग के नवनिर्माण का कार्य	1.30	94.69	0.000
58	बलिया नि0ख0	शाहपुर प्रा0पा0 के बगल से बाराबांध सम्पर्क मार्ग के निर्माण का कार्य	1.50	86.07	0.000
59	बलिया नि0ख0	विशुनपुरा माइनर से लारपुर में जितेन्द्र सिंह के घर होतु हुए रामजन्म राजभर के घर तक मार्ग क नवनिर्माण का कार्य	1.20	117.78	0.000
60	बलिया नि0ख0	कथरिया गायघाट अन्य जिला मार्ग के चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण का कार्य	7.30	1512.49	130.30
		कुल योग–	134.90	15149.54	5020.23

नत्थी 'घ'

देखिये अतारांकित प्र0सं0-20 का उत्तर पीछे पृष्ठ संख्या-53 पर।

पूर्ण परियोजनाओं की सूची

क्रम संख्या	परियोजना का नाम	परियोजना लागत(रू0 करोड़ में)
1.	इंटीग्रेटेड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर(आईसीसीसी) एमएसआई।	47.45
2.	इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेन्ट सिस्टम।	47.67
3.	स्मार्ट ग्रिड-अवंतिबाई अस्पताल में 10 के एल डी एवं बलरामपुर अस्पताल 760 केएलडी में वेस्ट वाटर ट्रीटमेन्ट एण्ड रियूज़।	6.01
4.	पार्कों का सौंदर्यीकरण, ओपन जिम एवं वाई फाई हॉट स्पॉट की स्थापना।	0.23
5.	लखनऊ स्मार्ट सिटी कार्यालय भवन का निर्माण (प्रथम एवं द्वितीय तल आंतरिक कार्य सहित)।	13.30
6.	इलेक्ट्रिक बसों के लिए चार्जिंग स्टेशन का निर्माण।	14.15
7.	डालीगंज में रोड जंक्शन सुधार कार्य।	6.68
8.	सीवरेज, नाले के साथ सीवर लाइन एवं नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण आवर्धन।	105.20
9.	स्वच्छता, कैसरबाग में सार्वजनिक सामुदायिक शौचालय।	0.26
10.	आईईसी गति विधियों के साथ सिटी ब्रांडिंग (पेंट और मूर्ति कला कार्य,फसाड लाइटिंग)।	16.67
11.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए वाहन खरीद, मिनी ट्रिपर, जेसीबी, ट्रक हायवा, रिक्शा ट्रॉली।	11.00
12.	311-मोबाईल ऐप साल्यूशन।	0.20
13.	स्मार्ट बस शेल्टर ईपीसी मोड।	6.62
14.	ओपन जिम की स्थापना।	0.44
15.	20 स्थलों पर पार्क एवं सार्वजनिक स्थानों में वाई-फाई हॉटस्पॉट की स्थापना।	1.04
16.	सड़क सफाई उपकरण एवं पीसीटीएस मशीन का प्रोक्योरमेन्ट।	4.80
17.	रिफ्यूज काम्पैक्टर का प्रोक्योरमेन्ट।	2.40
18.	1100 लीटर के 100 नग एवं 100 लीटर के 500 नग डस्टबिन का प्रोक्योरमेन्ट।	1.10
19.	एबीडी क्षेत्र में चकबस्ट पर स्मार्ट पार्किंग।	20.00
20.	ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एन एफ सी/क्यू आर कोड, सेंसर बेस्ड बिन्स)।	3.80
21.	07 सरकारी भवनों पर सोलर रूफ टॉप पीवी।	2.21
22.	हाथी पार्क में एसटीपी 1.5 एमएलडी की स्थापना।	12.49
23.	हेल्थ एटीएम / किओस्क, 03 वर्षों के संचालन एवं रखरखाव के साथ।	33.00
24.	05 स्कूल का नवीनीकरण (02 स्कूलों में ब्रेल स्मार्ट क्लास)।	1.09
25.	किताबों का डिजिटलीकरण एवं कैसरबाग में अमीरूद्दौला पुस्तकालय का नवीनीकरण।	5.50
26.	एनर्जी एफीशिएन्ट स्ट्रीट लाईटिंग -फेज़ वायरिंग।	12.43
27.	लखनऊ में 03 पार्कों का विकास एवं जीर्णोद्धार का कार्य।	0.61
28.	लखनऊ में 04 पार्कों का विकास एवं जीर्णोद्धार का कार्य।	0.80
29.	के0डी0 सिंह बाबू स्टेडियम में जीर्णोद्धार का कार्य।	1.50
30.	एबीडी क्षेत्र में 1100 लीटर के 100 नग डस्टबिन का प्रोक्योरमेन्ट।	0.15
	योग	378.80

नत्थी 'ङ'

देखिये अतारांकित प्र0सं0-21 का उत्तर पीछे पृष्ठ संख्या-53 पर।

रजिस्ट्री सं. डी.एल.- 33004/99 REGD. No. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-28072021-228541
CG-DL-E-28072021-228541

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2769] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 28, 2021/श्रावण 6, 1943
No. 2769] NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 28, 2021/SHRAVANA 6, 1943

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जुलाई, 2021

का.आ. 2979(अ).—केन्द्रीय सरकार, राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) की धारा 2 की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित तालिका के स्तम्भ (2) और (3) में विनिर्दिष्ट प्रत्येक राजमार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित करती है।

उक्त राजमार्गों, जिन्हें अब राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जाना है, को उक्त तालिका के क्रमश: स्तम्भ (1), (2) और (3) में यथा-निर्दिष्ट नई क्रम संख्याओं, नई राष्ट्रीय राजमार्ग संख्याओं तथा राष्ट्रीय राजमार्गों के विवरण के साथ उक्त अधिनियम की अनुसूची में विनिर्दिष्ट किया गया समझा जाएगा।

तालिका

क्र. सं.	नई राष्ट्रीय राजमार्ग सं.	राष्ट्रीय राजमार्गों का विवरण
(1)	(2)	(3)
606	227बी	उत्तर प्रदेश राज्य में छावनी के निकट रारा-27 के साथ अपने जंक्शन से प्रारंभ होकर अमोरा-कटारिया – श्रृंगी – ऋषि आश्रम – महबूबगंज – गोसाईंगंज – तरुण – रामपुर भागन (सूर्यकुंड) – दावगंज (सीताकुंड) – बीकापुर – भगवती नगर – रेवतीगंज – आशना – अधयौना चौराहा – सिरसिर (जन्मे जयकुंड) – अमारगंज – अमानीगंज – रुदानी- रोजागांव – मियान का पुरवा

		– मेरा मांव – पतरंगा – आलियाबाद – नियामलगंज – बारेनबाग – कमियार – चरसारी – भोरीगंज – राजापुर- बाबा शुभीरण दास कुट्टी - नाहरदा की कुट्टी (पासका) – उमरी – बेगमगंज – दिकसिर – पकड़ी बार – गोहनी – जरही चौराहा – राम नगर चौराहा (तुलसापुर) – नबाबगंज – नबवा – कल्याणपुर हेदराबाद – बेरका – नादुला - रामगढ़ को जोड़ते हुए और छावनी के निकट एन.एच-27 के साथ अपने जंक्शन पर समाप्त होने वाला राजमार्ग।

[फा. सं. एनएच-14012/14/2021-पी एंड एम-(पार्ट-1)]

राजेश गुप्ता, निदेशक

पाद टिप्पण : राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम, 1956 (1956 का 48) और तत्संबंधी अनुसूची, भारत के राजपत्र दिनांकित 4 अप्रैल, 2011 में अधिसूचना संख्या का.आ. 689(अ), दिनांकित 4 अप्रैल, 2011 द्वारा प्रतिस्थापित की गई थी और पिछली बार संशोधन अधिसूचना सं. का. आ. 2895 (अ), दिनांकित 20 जुलाई, 2021 द्वारा किया गया था।

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th July, 2021

S.O. 2979(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 2 of the National Highways Act, 1956 (48 of 1956), the Central Government hereby declares each of the highways specified in columns (2) and (3) of the Table below to be a national highway.

The said highways, now declared to be national highways, shall be deemed to be specified in the Schedule to the said Act with the new serial numbers, the new national highways numbers and the description of the national highways thereof, as indicated in columns (1), (2) and (3) respectively, of the said Table.

TABLE

Serial No.	New National Highway No.	Description of National Highways
(1)	(2)	(3)
606	227B	The highway starting from its junction with NH 27 near Chhawani connecting Amora – Katariya - Shringi- Rishi Ashram – Mahboobganj –Gosainganj – Tarun - Rampur Bhagan (Suryakund) – Drabganj (Sitakund) – Bikapur - Bhagwati Nagar – Rewatiganj – Ashana - Adhayoana Choraha - Sirsir (Janme Jaykund) - Amarganj - Amaniganj - Rudali - Rojagaon - Miyan ka Purab - Mera maon- Patranga - Aliyabad - Niyamalganj - Barenbag - Kamiyar - Charasari –Bhoriganj – Rajapur - Baba Subhiran Dass Kutti - Narhardass ki kutti (Paska) - Umri - Begamganj – Diksir - Pakri Baar- Gohani - Jarhi Choraha - Ram Nagar Chauraha (Tulsapur)- Nababganj – Nabwa - Kalyanpur Hedrabad - Berka - Nadula Ramgarh and terminating at its Junction with with NH 27 near Chhawani in the State of Uttar Pradesh.

[F. No. NH-14012/14/2021-P&M-Part(1)]

RAJESH GUPTA, Director

Footnote : The Schedule to the National Highways Act, 1956 (48 of 1956) was substituted *vide* notification number S.O. 689(E), dated 4th April, 2011 published in the Gazette of India, dated the 4th April, 2011 and subsequently amended *vide* notifications number S.O. 2895(E), dated 20th July, 2021.

Uploaded by Dte. of Printing at Government of India Press, Ring Road, Mayapuri, New Delhi-110064
and Published by the Controller of Publications, Delhi-110054. ALOK KUMAR

उत्तर प्रदेश शासन
लोक निर्माण अनुभाग-1
संख्या-139/2021/966सा0/23-1-21-53सा0/08
लखनऊ:: दिनांक 07 जून, 2021

अधिसूचना

प्रमुख अभियंता(विकास) एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ के पत्र सं-736/21रो0ए0मै0खं0/20, दिनांक 24.05.2021 द्वारा 57 मार्गों को प्रमुख जिला मार्ग श्रेणी में उच्चीकृत/परिवर्तित किये जाने के संबंध में उपलब्ध कराये गये प्रस्ताव पर सम्यक विचारोपरांत श्री राज्यपाल निम्नलिखित ग्रामीण मार्गों/अन्य जिला मार्गों की श्रेणी को उच्चीकृत करते हुए प्रमुख जिला मार्ग में परिवर्तित करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

क्र0	जनपद	प्रस्तावित मार्ग का नाम	लम्बाई (कि0मी0)	7 मी0 से कम चौड़ाई		भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता		परिवर्तित प्रमुख जिला मार्ग सं0
				लम्बाई (कि0मी0)	लागत (लाख में)	लम्बाई (कि0मी0)	लागत (लाख में)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	(अ) (जो पूर्व से 7.00 मीटर चौड़ाई में निर्मित हैं।)							
1	अमेठी	जायस मोहनगंज इन्हौना रुदौली मार्ग	50.2	0	0	0	0	MD180E
2	अमेठी	दुर्गापुरअमेठी मुसाफिरखाना मार्ग	52.425	0	0	0	0	MD181E
3	मथुरा/ आगरा	जुगसना बलदेव बरौली कैलाश एन०एच०-2 मार्ग	40	0	0	0	0	MD173W
4	सोनभद्र	चोपन कोटा कोन खरौंदी मार्ग	37.84	0	0	0	0	MD191E
5	सोनभद्र	विठमगंज कोन नकतवार होते हुए झारखण्ड प्रदेश सीमा तक मार्ग	34.75	0	0	0	0	MD192E
6	सोनभद्र	पटवध बसुहारी मार्ग	61.5	0	0	0	0	MD193E
7	मुरादाबाद	दलपतपुर अलीगंज मार्ग	42	0	0	0	0	MD174W
8	रायबरेली	मौरावां बछरावां महराजगंज निगोहा मार्ग	59.713	0	0	0	0	MD102C
9	रायबरेली	सेमरी रायबरेली परशदेपुर बारा ननौती मार्ग	68.685	0	0	0	0	MD103C
10	हरदोई	शाहजहाँपुर बॉर्डर से पाली सहजनपुर रामापुरछैया मार्ग	40.38	0	0	0	0	MD106C
11	हरदोई	सांडी शाहाबाद मार्ग	43.845	0	0	0	0	MD107C
12	हरदोई	बी० यस० ए० मार्ग (राज्य मार्ग संख्या-138) के कि०मी० 26 से पलिया बेडीजोर कडहर होते हुए फरुखाबाद मार्ग	45.2	0	0	0	0	MD108C
13	सहारनपुर	सहारनपुर नागल लाखनौर सिडकी झबरेड़ा मार्ग	30.1	0	0	0	0	MD179W
			606.638	0	0	0	0	
	(ब) (जिनका आंशिक भाग पूर्व में 7.00 मीटर चौड़ाई में निर्मित हैं, परन्तु							

क्र0	जनपद	प्रस्तावित मार्ग का नाम	लम्बाई (कि0मी0)	7 मी0 से कम चौड़ाई		भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता		परिवर्तित प्रमुख जिला मार्ग सं0
				लम्बाई (कि0मी0)	लागत (लाख में)	लम्बाई (कि0मी0)	लागत (लाख में)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
	शेष भाग में चौड़ीकरण हेतु भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता नहीं है।)							
1	अमेठी	जामो मादर छीछा मार्ग	56.65	56.65	8497.5	0	0	MD182E
2	अम्बेडकर नगर	गोसाईगंज भीटी महरुआ दोस्तपुर मार्ग	42.25	37.45	7307	0	0	MD183E
3	अयोध्या	खजुरहट मिल्कीपुर अमानीगंज रुदौली रौजागांव मार्ग	53.9	14.4	1317.31	0	0	MD184E
4	बाराबंकी	बाराबंकी जैदपुर सिद्धौर देवीगंज सुबेहामार्ग	46.9	46.9	7035	0	0	MD099C
5	बाराबंकी	सलेमपुर भानमऊ जैदपुर सफदरगंज बदोसराय मार्ग	44.51	44.51	4467	0	0	MD100C
6	बाराबंकी	हैदरगढ़ शुकुलबाजार बारिशगंज मार्ग	46.3	46.3	6945	0	0	MD101C
7	सुल्तानपुर	सुल्तानपुर कुड़वार हलियापुर फतेपुर मार्ग	48.8	18.8	3645.36	0	0	MD188E
8	सुल्तानपुर	अहदा विरसिंहपुर दियरा लम्भुआ दुर्गापुर मार्ग	54.82	36.57	5287	0	0	MD189E
9	सुल्तानपुर	अलीगंज देहली साहबगंज शाहगंज प्रभातनगर मार्ग	52.1	52.1	7815	0	0	MD190E
10	एटा	धुमरी सरौठ अलीगंज संकिसा मार्ग	58.1	36.8	9568	0	0	MD166W
11	एटा हाथरस	इसौली जलेसर सिकन्द्रराऊ मार्ग	39.4	11.6	2204	0	0	MD167W
12	आगरा	आगरा बाह कचौरा घाट मार्ग किमी 81 से जैतपुर कला नंदगवा पिनाहट तासोड़ (राजस्थान सीमा) मार्ग	59.25	39.05	8000	0	0	MD165W
13	मथुरा/ अलीगढ़	सौंमना खैर टैंटीगांव मार्ग	44.02	3.8	600	0	0	MD172W
14	मैनपुरी	करहल घिरोर कुरावली मार्ग	52.51	25	3750	0	0	MD175W
15	मैनपुरी	मैनपुरी सिरसागंज मार्ग	36.35	23	5460	0	0	MD176W
16	मैनपुरी/ फिरोज़ाबाद	किशनी भावंत मैनपुरी औ छा जसराना मार्ग	88.82	19.67	2951	0	0	MD177W
17	मैनपुरी/ फिरोजाबाद	घिरोर जसराना फरिहा कोटला फिरोजाबाद मार्ग	57.48	21	3000	0	0	MD178W
18	कन्नौज	छिबरामऊ तालग्राम मवइया होते हु एसुजानसराय गुरसहायगंज मार्ग	40.08	24.33	4900	0	0	MD095C
19	कन्नौज	मलिकपुर तालग्राम इन्दरगढ़ बहोसी उमर्दा मार्ग	45.6	19	4000	0	0	MD096C
20	फर्रुखाबाद	अटैनाघाट कम्पिल कायमगंज	64.129	52.649	9483	0	0	MD097C

क्र0	जनपद	प्रस्तावित मार्ग का नाम	लम्बाई (कि0मी0)	7 मी0 से कम चौड़ाई		भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता		परिवर्तित प्रमुख जिला मार्ग सं0
				लम्बाई (कि0मी0)	लागत (लाख में)	लम्बाई (कि0मी0)	लागत (लाख में)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
		संकिसा मोहम्मदाबाद मार्ग						
21	फर्रुखाबाद/ एटा	फर्रुखाबाद नवाबगंज अलीगंज मार्ग	40.994	25.35	5450.25	0	0	MD098C
22	जालौन	उरई कोंच नदीगांव मार्ग	51.89	25.84	5560	0	0	MD046B
23	जालौन	उरई चुर्खी सिम्हारा पाल सरैनी मार्ग	48.485	48.485	9477	0	0	MD047B
24	झाँसी	बरूआसागर टहरौली मसनेह गरौठा मार्ग	69.25	69.25	5055	0	0	MD048B
25	झाँसी	मऊ गरौठा मार्ग	40.02	40.02	5503	0	0	MD049B
26	ललितपुर	ललितपुर जखौरा तालबेहट मार्ग	37.09	17.7	4425	0	0	MD053B
27	बरेली	भिटौरा शाही शेरगढ़ बहेड़ी मार्ग	41.8	41.8	0	0	0	MD168W
28	बरेली	बल्लिया शीशगढ़ बहेड़ी रुद्रपुर मार्ग	63	63	4298	0	0	MD169W
29	सिद्धार्थ नगर	शोहरतगढ़ होरिलापुर इटवा मार्ग	40	28	5600	0	0	MD187E
30	चित्रकूट	मानिकपुर मारकुण्डी डुडेला मार्ग	39.05	8.35	2159	0	0	MD045B
31	महोबा	चरखारी सूपा श्रीनगर अकौना जैतपुर मार्ग	47.36	47.36	6860	0	0	MD051B
32	महोबा	कबरई कुन्हेटा मार्ग	33.3	33.3	5500	0	0	MD052B
33	हमीरपुर	कदौरा बेरी कुरारा मनकी मार्ग	47.25	47.25	8778	0	0	MD054B
34	हमीरपुर	मौदहा बिवार जलालपुर कुपरा मार्ग	44.35	32.65	6856.25	0	0	MD055B
35	हमीरपुर	जरिया मुस्करा वाया सरीला मार्ग	32.5	26.1	5872.5	0	0	MD056B
36	बिजनौर	बालावाली किरनपुर नहटौर चांदपुर फ़ीना मार्ग	87.5	52.75	9500	0	0	MD170W
37	बिजनौर	किरतपुर नगीना हरेवली शेरकोट मार्ग	47.8	47.8	7500	0	0	MD171W
38	जौनपुर	रामपुर निगोह जरौना जंघई मुगराबादशाहपुर मार्ग	54.885	52.135	8195.25	0	0	MD185E
39	रायबरेली	डलमऊ जगतपुर सलोन मार्ग	40.73	18.300	4062.000	0	0	MD110C
			1939.223	1355.019	216883	0	0	
	(स) (ऐसे मार्ग जिनका आंशिक भाग पूर्व में 7.00 मीटर चौड़ाई में निर्मित हैं, परन्तु शेष भाग में चौड़ीकरण हेतु भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता है।)							
1	फर्रुखाबाद /कन्नौज	शेरपुर सराय (फरुखाबाद) से उधरनपुर गोसाईदासपुर खिदरियापुर होते हु एजी० टी० मार्ग किमी 341 तक मार्ग	51.15	51.15	12276	3.45	524.4	MD109C
2	बहराइच	कुंडासर महसी नानपारा मार्ग	73.495	45.875	11468	18.25	1000	MD186E

क्र0	जनपद	प्रस्तावित मार्ग का नाम	लम्बाई (कि0मी0)	7 मी0 से कम चौड़ाई		भूमि अधिग्रहण की आवश्यकता		परिवर्तित प्रमुख जिला मार्ग सं0
				लम्बाई (कि0मी0)	लागत (लाख में)	लम्बाई (कि0मी0)	लागत (लाख में)	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
3	शाहजहांपुर	मदनापुर कलान गढ़िया छवि बदायू बॉर्डर तक	41.326	41.326	8754.09	16	384	MD104C
4	शाहजहांपुर	अजीजगंज से चौहनापुर कांट मदनापुर मार्ग	59.94	59.94	12664.30	10	240	MD105C
5	बाँदा	अतर्रा ओरन कमासिन दादौं मार्ग	59.4	59.4	1485	1	35	MD050B
			285.311	257.691	46647.4	48.7	2183.4	

नितिन रमेश गोकर्ण,
प्रमुख सचिव।

संख्या-139/2021/966सा0/23-1-21-तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 राज्य राजमार्ग प्राधिकरण, गोमती नगर, लखनऊ।
2. अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
3. अपर मुख्य सचिव, राजस्व विभाग, उत्तर प्रदेश शासन।
4. प्रमुख अभियंता(विकास) एवं विभागाध्यक्ष, लोक निर्माण विभाग, लखनऊ।
5. समस्त मुख्य अभियंता, लोक निर्माण विभाग।
6. निजी सचिव, मा0 उपमुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश शासन।
7. निजी सचिव, मा0 राज्य मंत्री जी, लोक निर्माण विभाग।
8. निजी सचिव, प्रमुख सचिव, लोक निर्माण विभाग, उ0प्र0शासन।
9. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(राज कुमार)
अनु सचिव।

नत्थी 'च'

देखिये अतारांकित प्र0सं0-49 का उत्तर पीछे पृष्ठ संख्या-65-66 पर।

प्रमाण–पत्र

लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा विकसित निम्नलिखित कालोनियों/खण्डों/क्षेत्रों के अन्तर्गत विभिन्न सेवाओं को आज दिनांक 28.04.2008 को लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा नगर निगम, लखनऊ को हस्तांतरित किया गया:–

1. गोमती नगर फेस–1

   विश्वास खण्ड, विवेक खण्ड, विनय खण्ड, विकास खण्ड, विराम खण्ड, विशाल खण्ड के अन्तर्गत समस्त पार्क, जोनल रोड, नाली, नाला एवं सालिड बेस्ट मैनेजमेन्ट।

2. गोमती नगर फेस–1

   विजय खण्ड, विपुल खण्ड विपिन खण्ड व नेहरू इन्क्लेव की सड़कें, पार्क, मार्ग प्रकाश, जोनल रोड तथा सालिड बेस्ट मैनेजमेन्ट।

3. गोमती नगर फेस–2

   विशेष खण्ड, विभव खण्ड विक्रान्त खण्ड, विजयन्त खण्ड, वास्तु खण्ड तथा विनम्र खण्ड की सड़क, नाली, नाला, पार्क, मार्ग प्रकाश, जोनल रोड तथा सालिड बेस्ट मैनेजमेन्ट।

4. अलीगंज योजना

   अलीगंज योजना के जोनल रोड, पार्क तथा सालिड बेस्ट मैनेजमेन्ट।

5. जानकीपुरम योजना

   सेक्टर–ई, एच, आई की सड़कें, नाला, नाली, पार्क, मार्ग प्रकाश, जोनल रोड तथा सालिड बेस्ट मैनेजमेन्ट एवं ए, बी, सी, डी, एफ, जी के पार्क एवं जोनल रोड तथा सालिड बेस्ट मैनेजमेन्ट।

6. जानकीपुरम विस्तार योजना

   सेक्टर– 1 से 9 तक की सड़कें, नाली, नाला, पार्क, मार्ग प्रकाश, जोनल रोड तथा सालिड बेस्ट मैनेजमेन्ट।

7. कानपुर रोड योजना

   सेक्टर–बी से एन तक के समस्त सेक्टर की सड़कें, नाली, नाला, पार्क, मार्ग प्रकाश, जोनल रोड तथा सालिड बेस्ट मैनेजमेन्ट।

8. शारदा नगर योजना

   शारदा नगर योजना के अन्तर्गत समस्त पार्क, मार्ग प्रकाश, जोनल रोड तथा सालिड बेस्ट मैनेजमेन्ट।

9. अन्य योजनाएं:

   गैपियर रोड योजना फेस–1 व 2, कंचन मार्केट, सोनिया गांधी नगर, सिण्डर डम्प योजना, बालागंज। काम्पलेक्स, कैम्पवेल रोड योजना, आजाद नगर योजना,

पारा योजना, प्रियदर्शनी योजना, लाप्लास, वजीर हसन रोड योजना, मन्दा खेड़ा योजनाओं की सड़कें, नाली, नाला, पार्क, मार्ग प्रकाश, जोनल रोड तथा सालिड वेस्ट मैनेजमेन्ट।

उपरोक्त हस्तांतरण इस प्रतिबन्ध के साथ किया जाता है कि नगर निगम, लखनऊ द्वारा इन क्षेत्रों में विकास कार्यों को "निर्धारित स्तर" तक लाने के लिए जो कार्य आवश्यक होंगे, उनका ऑकलन करके आवश्यक धनराशि की माँग प्राधिकरण को प्रेषित की जायेगी एवं धनराशि की माँग प्रस्तुत करने की तिथि से दो सप्ताह के अन्दर माँगी गई धनराशि का भुगतान प्राधिकरण द्वारा नगर निगम को किया जायेगा।

लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा प्रत्येक योजना/खण्डों/सेक्टरों में स्थल कार्यालय के लिए कोई भवन अथवा भूमि चिन्हित की जायेगी एवं नगर निगम को स्थल कार्यालय के लिए उपलब्ध कराया जायेगा।

लखनऊ विकास प्राधिकरण द्वारा तीन दिन के अन्दर ऐसे कार्यों का विवरण, जिनके अनुबन्ध सम्पादित हो चुके हैं, जिसमें उसकी लागत आदि का उल्लेख होगा एवं इन कार्यों को योजना/खण्डों/सेक्टरों के ले-आउट प्लान पर अंकित करके नगर निगम को उपलब्ध कराया जायेगा, जिससे नगर निगम द्वारा हस्तांतरित कार्यों में कोई डुप्लीकेसी न हो।

प्राधिकरण द्वारा टोकेन मनी के रूप में रु0 10.00 करोड़ की धनराशि भुगतान किया जा रहा है, जिसको नगर निगम द्वारा अन्तिम रूप से माँगी गई धनराशि में से घटाते हुए अवशेष धनराशि का भुगतान 15 दिन के अन्दर नगर निगम को किया जायेगा।

(वी.के. सोनकर)
अधीक्षण अभियन्ता

(वी.एन. मिश्र)
मुख्य अभियन्ता

प्रतिहस्ताक्षरित

(राम बहादुर)
उपाध्यक्ष
लखनऊ विकास प्राधिकरण, लखनऊ

(एस.के. सिंह)
नगर आयुक्त
नगर निगम, लखनऊ

नत्थी 'छ'

देखिये अतारांकित प्र0सं0-154 का उत्तर पीछे पृष्ठ संख्या-118 पर।

जनपद मेरठ के अन्तर्गत नवनिर्मित 33/11 के0वी0 उपकेन्द्रों का वर्षवार विवरण

क्र0सं0	वर्ष	मण्डल	उपकेन्द्र का नाम	क्षमता(एम0वी0ए0)	कुल	कार्यीकरण की दिनांक
1	2	3	4	5	6	7
1	2017	वि0न0वि0मं0–मेरठ	माधवपुरम–द्वितीय	1x5	5	25–09–2017
2			मुजफ्फरपुर सैनी	1x10	10	15–10–2017
3			सूरज कुण्ड रोड	1x10	10	18–11–2017
4		वि0वि0मं0–प्रथम,मेरठ	पल्लवपुरम–तृतीय(सियाया)	1x10	10	28–08–2017
5			गगोल–द्वितीय	1x10	10	29–11–2017
6			खिवाई	2x5	10	28–11–2017
7		वि0वि0मं0–द्वितीय,मेरठ	महादेव	2x5	10	28–08–2017
8			खीकदयालपुर	1x5	5	6–10–2017
9			गुढम्ब	2x5	10	20–10–2017
10			परीक्षितगढ	1x5	5	29–12–2017
11	2018	वि0न0वि0मं0–मेरठ	शास्त्रीनगर	2x10	20	17–02–2018
12			हापुड रोड–द्वितीय(मेडिकल कालेज कैम्पस)	2x10	20	27–02–2018
13			रामलीला ग्राउण्ड	1x10	10	31–03–2018
14		वि0वि0मं0–प्रथम,मेरठ	पूल खास	2x5	10	28–04–2018
15			रैसना	1x10	10	30–06–2018
16			खण्डौली दुपहीया रोड	1x10	10	31–07–2018
17			जाहीदपुर	1x10	10	11–10–2018
18			मलियाना–द्वितीय	2x5	10	11–11–2018
19			डूंगरावली	2x10	20	27–02–2018
20			मुंडाली	1x10	10	27–03–2018
21			भाटीपुरा	1x10	10	28–03–2018
22		वि0वि0मं0–द्वितीय,मेरठ	हर्रा	2x5	10	31–08–2018
23			इंचौली	2x5	10	05–06–2018
	2019	वि0न0वि0मं0–मेरठ	0	0	0	0
24		वि0वि0मं0–प्रथम,मेरठ	पांचली	2x5	10	10–01–2019
25			परतापुर	2x10	20	31–03–2019
26			मेडिकल–तृतीय	2x5	10	31–03–2019
		वि0वि0मं0–द्वितीय,मेरठ	0	0	0	0
	2020	वि0न0वि0मं0–मेरठ	0	0	0	0
		वि0वि0मं0–प्रथम,मेरठ	0	0	0	0
		वि0वि0मं0–द्वितीय,मेरठ	0	0	0	0
	2021	वि0न0वि0मं0–मेरठ	0	0	0	0
		वि0वि0मं0–प्रथम,मेरठ	0	0	0	0
		वि0वि0मं0–द्वितीय,मेरठ	0	0	0	0
	01-04-2022 to 19-04-2022	वि0न0वि0मं0–मेरठ	0	0	0	0
		वि0वि0मं0–प्रथम,मेरठ	0	0	0	0
		वि0वि0मं0–द्वितीय,मेरठ	0	0	0	0

(राजीव कुमार)
मुख्य अभियन्ता(वि0)

जनपद मेरठ के अन्तर्गत 33/11 के0वी0 उपकेन्द्रों की क्षमता वृद्धि का वर्षवार विवरण

क्र0सं0	वर्ष	मण्डल	उपकेन्द्र का नाम	क्षमता(एम0वी0ए0)		कर्जीकरण की दिनांक
				क्षमता वृद्धि से पहले क्षमता	क्षमता वृद्धि के बाद क्षमता	
1	2	3	4	5	6	7
1	2017	वि0न0वि0मं0-मेरठ	हापुड बाईपास	10+5	2x10	18.03.2017
2			शारदा रोड	10+5	2x10	15-02-2017
3			मोहनपुरी	5+5	2x10	21.02.2017 & 16.03.2017
4			मंगलपाण्डे नगर	5+5	10+5	18.03.2017
5			सदर	10+5	2x10	21.02.2017
6			युनिवर्सिटी रोड	10+5	2x10	21.02.2017
7			सिविल लाईन	8+8	2x10	23-02-2017 & 25-03-2017
8			टी0पी0 नगर	8+8	10+8	21.01.2017
		वि0वि0मं0-प्रथम, मेरठ	0	0	1x10	0
9		वि0वि0मं0-द्वितीय, मेरठ	मेरठ रोड मवाना	8+5	2x10	10.01.2017
10			फलावदा	10+8	2x10	29.03.2017
11			बेहसूणा	10+5	2x10	17.01.2017
12			नंगली आजर	1x5	1x10	28.05.2017
13			महलका	10+5	2x10	27.05.2017
14			मोडखुर्द	2x5	10+5	26.09.2017
15	2018	वि0न0वि0मं0 मेरठ	अमन विहार	2x5	10+5	09.04.2018
16		वि0वि0मं0-प्रथम, मेरठ	माछरा	2x5	2x10	23.04.2018
17			गोकुल पुर	1x5	2x5	22.11.2018
18			बिजौली	2x5	10+5	12.12.2018
19		वि0वि0मं0-द्वितीय, मेरठ	खजुरी	2x5	10+5	13.02.2018
20			तोफापुर	2x5	10+5	13.02.2018
21			जमालपुर	1x5	2x5	08.10.2018
22		वि0न0वि0मं0-मेरठ	टाउन हॉल	10+5	2x10	12.07.2019
23			डिफेन्स एन्कलेव	10+5	2x10	27.08.2019

24	2019	वि०वि०मं०–प्रथम,मेरठ	जिलौली	1x5	2x5	14.08.2019
25		वि०वि०मं०–द्वितीय, मेरठ	गढिना	1x5	2x5	
	2020	वि०न०वि०मं०–मेरठ	0	0		0
26		वि०वि०मं०–प्रथम,मेरठ	गोविन्दपुरी	1x5	2x5	29.04.2020
27		वि०वि०मं०–द्वितीय, मेरठ	हस्तिनापुर	1x5	2x5	02.09.2020
28			खौडदयालपुर	1x5	2x5	26.12.2020
29			कुन्हैरा	1x5	2x5	31.12.2020
30			खजूरी	10+5	2x10	13.11.2020
31			नानू	2x5	10+5	13.11.2020
32			निलोहा	1x5	2x5	
33	2021	वि०न०वि०मं०–मेरठ	बेगमपूल	2x8	8+10	20.12.2021
		वि०वि०मं०–प्रथम,मेरठ	0	0	0	0
		वि०वि०मं०–द्वितीय,मेरठ	0	0	0	0
	01-04-2022 to 19-04-2022	वि०न०वि०मं०–मेरठ	0	0	0	0
		वि०वि०मं०–प्रथम,मेरठ	0	0	0	0
		वि०वि०मं०–द्वितीय,मेरठ	0	0	0	0

(राजीव कुमार)
मुख्य अभियन्ता(वि०)

नत्थी 'ज'

देखिये अतारांकित प्र0सं0-189 का उत्तर पीछे पृष्ठ संख्या-135 पर।

संलग्नक–1

विधान सभा के प्रथम सत्र, 2022 के प्रथम बुधवार के लिए निर्धारित डा0 मुकेश वर्मा, मा0 सदस्य विधान सभा द्वारा पूछे गये अतारांकित प्रश्न संख्या–189 का उत्तरालेख

वित्तीय वर्ष 2021–22 हेतु मा0 उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग द्वारा अनुमोदित टैरिफ आदेश दिनांक 29.08.2021 के अनुसार प्रदेश के घरेलू (एल0एन0वी0–1) एवं व्यावसायिक उपभोक्ताओं (एल0एम0वी0–2) पर लागू बिजली की दरें।

दर अनुसूची	उपभोक्ता श्रेणी	अनुमोदित दर वि0व0 (2021–22)
एल0एम0वी0–1	घरेलू बत्ती, पंखा	
	क–ग्रामीण आपूर्ति	
	(1)लाइफ लाइन उपभोक्ताः संविदाभार 1 कि0वा0 एवं उपभोग 100 यूनिट प्रति माह तक	
	फिक्स्ड चार्ज	रू0 50 प्रति कि0वा0 प्रति माह
	इनर्जी चार्ज (0–100 यूनिट)	रू0 3.00 प्रति यूनिट
	(2) मीटर रहित संयोजन	
	सभी भार	रू0 500 प्रति कि0वा0 प्रति माह
	(3) मीटर सहित संयोजन	
	फिक्स्ड चार्ज	रू0 90 प्रति कि0वा0 प्रति माह
	इनर्जी चार्ज	
	प्रथम 100 यूनिट/प्रति माह तक	रू0 3.35 प्रति यूनिट
	101 से 150 यूनिट/प्रति माह तक	रू0 3.85 प्रति यूनिट
	151 से 300 यूनिट/प्रति माह तक	रू0 5.00 प्रति यूनिट
	301 से 500 यूनिट/प्रति माह तक	रू0 5.50 प्रति यूनिट
	500 यूनिट/माह से अधिक	रू0 6.00 प्रति यूनिट
	ख–सिंगल प्वाइण्ट बल्क लोड	
	फिक्स्ड चार्ज	रू0 110 प्रति कि0वा0 प्रति माह
	इनर्जी चार्ज	रू0 7.00 प्रति यूनिट
	ग–अन्य मीटर सहित संयोजन	
	(1) लाइफ लाइन उपभोक्ताः संविदाभार 1 कि0वा0 एवं उपभोग 100 यूनिट प्रति माह तक	
	फिक्स्ड चार्ज	रू0 50 प्रति कि0वा0 प्रति माह
	इनर्जी चार्ज (0–100 यूनिट)	रू0 3.00 प्रति यूनिट
	(2) अन्य मीटर सहित संयोजन (सभी भार के लिए)	
	फिक्स्ड चार्ज	रू0 110 प्रति कि0वा0 प्रति माह
	इनर्जी चार्ज	
	प्रथम 150 यूनिट/प्रति माह तक	रू0 5.50 प्रति यूनिट
	151 से 300 यूनिट/प्रति माह तक	रू0 6.00 प्रति यूनिट

(शुभम अग्रवाल)
सहायक अभियन्ता (आर0...)

नत्थी 'झ'

देखिये अतारांकित प्र0सं0-190 का उत्तर पीछे पृष्ठ संख्या-135-136 पर।

REGIONAL LABORATORY OFFICE MORADABAD
UTTAR PRADESH POLLUTION CONTROL BOARD
1-A/I.N.S.-1, Avas Vikas Colony, Buddha Vihar, Delhi Road,Moradabad

Stack Emission Test Report

Ref No.14203806/Moradabad/2022 Date: 03/01/2022

1- Name & Address of Industry: RANA POWER LIMITED
2- Sample Collected By: Anjani Kr Shukla ,LA
3- Date of Monitoring: 10/12/2021
4- Source of Sampling: Stack
5- Stack attached to: Boiler
6- Stack Height: 72
7- Total No. of Boiler: 01
8- Capacity of Boiler: 130 TPH
9- Fuel used: BAGASSE
10- Quantity of Fuel used: 1152 TPD
11- Flue Gas Velocity: 8.42
12- APCS if any: ESP
13- Other remarks (if any): -
14- Further details of sample location nad Test methods followed are appened overleaf:

Sr no.	Parameter	Unit	Result	Standards
1	SPM	mg/Nm3	89.72	150.0

Analysed by-
[Alok Sharma JRF]

Authorised Signatory-
ANIL KUMAR VISHWAKARMA Digitally signed by ANIL KUMAR VISHWAKARMA Date: 2022.01.03 16:18:32 +05'30'
Anil Vishwkarma SA

VIKAS MISHRA Digitally signed by VIKAS MISHRA Date: 2022.01.03 16:22:47 +05'30'
Regional Officer

REGIONAL LABORATORY OFFICE MORADABAD
UTTAR PRADESH POLLUTION CONTROL BOARD
1-A/I.N.S.-1, Avas Vikas Colony, Buddha Vihar, Delhi Road,Moradabad

TEST REPORT: WASTE WATER LABORATORY

Ref No: 15216941/Moradabad/2022 Date:21/02/2022

1- Name of Industry: LAKSHMIJI SUGAR MILLS COMPANY LIMITED
2- Address of Industry: RAJA KA SAHASPUR,MORADABAD,244415
3- District: Moradabad
4- Description about sampling point: Final Outlet of ETP
5- Type of Sample (Grab/Composite/Integrated): Grab
6- Sample Collected By: Vinod Kumar AEE & Rajeev Kumar MA
7- Colour and Odour: COLOURLESS Odourless
8- Quantity and Packing: 2 liter (PLASTIC JERICAN)
9- Date of Sample Collection: 09/02/2022
10- Analyis Indented by: RO Moradabad
11- Date of sample receipt in Lab: 10/02/2022

Parameter/Method Name	Unit	Results	Standard	Detection Range
pH,4500 H B Electronic method	-	7.6	-	02-12
Oil Grease	-	4.8	-	02-12
Suspended Solids , 2540 D Total Suspended Solids dried at 103-105 0C	mg/l	26.0	-	10-20000 mg/l
Dissolved Solids, 2540 C Total Dissolved Solids dried at 180 0C	mg/l	480	-	10-50000 mg/l
BOD, 3 day 27 0C IS 3025 (Part 44): 1993 Bio	mg/l	18.0	-	1.0 -50000 mg/l
COD, 5220 B Open Reflux Method	mg/l	176.0	-	5.0 -100000 mg/l

Reference- (1)General Standards for discharge of envieronment Pollutants are as pert-A Effluent(Schedule-VI).The eniveronment (Protection) Rules,1986 source: www.cpcb.nic.in/GeneralStandards.pdf. Besides these standards,refer EPA standards for specific purpose

Remark: NA

Analysed by

[Alok Sharma (JRF)]

Authorized by

ANIL KUMAR VISHWAKARMA Digitally signed by ANIL KUMAR VISHWAKARMA Date: 2022.02.21 17:23:42 +05'30'

Anil Vishwkarma SA

VIKAS MISHRA Digitally signed by VIKAS MISHRA Date: 2022.02.21 17:09:13 +05'30'

Regional Officer

Note: 1 The results in the Test Report relate only to the items tested: 2. The report shall not be reproduced-except in full, without the written permission of laboratory. 3. The test report pertains to the sample as received in Lab.

REGIONAL LABORATORY MORADABAD
UTTAR PRADESH POLLUTION CONTROL BOARD
1-A/I.N.S.-1, Avas Vikas Colony, Buddha Vihar, Delhi Road,Moradabad

TEST REPORT: WASTE WATER LABORATORY

Ref No: 15938594/Moradabad/2022 Date:09/05/2022

1- Name of Industry: BHOLA RAM PAPERS AND POWER PRIVATE LIMITED UNIT 2
2- Address of Industry: Village- Devari, Billari, Chandausi Road, Billari , Moradabad,MORADABAD,244411
3- District: Moradabad
4- Description about sampling point: OUTLET OF ETP
5- Type of Sample (Grab/Composite/Integrated): Grab
6- Sample Collected By: Vinod Kumar AEE & Akash Joshi LA
7- Colour and Odour: Colourless Odourless
8- Quantity and Packing: 2 liter (PLASTIC JERICAN)
9- Date of Sample Collection: 12/04/2022
10- Analyis Indented by: RO Moradabad
11- Date of sample receipt in Lab: 12/04/2022

Parameter/Method Name	Unit	Results	Standard	Detection Range
pH,4500 H B Electronic method	-	7.9		02-12
Suspended Solids , 2540 D Tofal Suspended Solids dried at 103-105 0C	mg/l	32.0		10-20000 mg/l
Dissolved Solids, 2540 C Total Dissolved Solids dried at 180 0C	mg/l	420		10- 50000 mg/l
BOD, 3 day 27 0C IS 3025 (Part 44): 1993 Bio	mg/l	20.0		1.0 -50000 mg/l
COD, 5220 B Open Reflux Method	mg/l	168.0		5.0 -100000 mg/l

Reference- (1)General Standards for discharge of envieronment Pollutants are as pert-A Effluent(Schedule-VI).The enviveronment (Protection) Rules,1986 source: www.cpcb.nic.in/GeneralStandards.pdf. Besides these standards,refer EPA standards for specific purpose

Remark: NA

Analysed by
[Alok Sharma (JRF)]

Authorized by
ANIL KUMAR VISHWAKARMA
Anil Vishwkarma SA

VIKAS MISHRA
Regional Officer

Note: 1 The results in the Test Report relate only to the items tested: 2. The report shall not be reproduced-except in full, without the written permission of laboratory. 3. The test report pertains to the sample as received in Lab.

REGIONAL LABORATORY-MORADABAD
UTTAR PRADESH POLLUTION CONTROL BOARD
1-A/I.N.S.-1, Avas Vikas Colony, Buddha Vihar, Delhi Road,Moradabad

TEST REPORT: WASTE WATER LABORATORY

Ref No: 15938805/Moradabad/2022 Date:09/05/2022

1- Name of Industry: BHOLA RAM PAPERS AND POWER PRIVATE LIMITED UNIT I
2- Address of Industry: Village- Devri, Bilari-Chandausi road, Bilari, Moradabad, U.P..MORADABAD.244411
3- District: Moradabad
4- Description about sampling point: OUTLET OF ETP
5- Type of Sample (Grab/Composite/Integrated): Grab
6- Sample Collected By: Vinod Kumar AEE & Akash Joshi LA
7- Colour and Odour: COLOURLESS Odourless
8- Quantity and Packing: 2 liter (PLASTIC JERICAN)
9- Date of Sample Collection: 12/04/2022
10- Analyis Indented by: RO Moradabad
11- Date of sample receipt in Lab: 12/04/2022

Parameter/Method Name	Unit	Results	Standard	Detection Range
pH,4500 H B Electronic method	-	7.7		02-12
Suspended Solids , 2540 D Total Suspended Solids dried at 103-105 0C	mg/l	42.0	-	10-20000 mg/l
Dissolved Solids, 2540 C Total Dissolved Solids dried at 180 0C	mg/l	580.0	-	10- 50000 mg/l
BOD, 3 day 27 0C IS 3025 (Part 44): 1993 Bio	mg/l	18.0	-	1.0 -50000 mg/l
COD, 5220 B Open Reflux Method	mg/l	152.0	-	5.0 -100000 mg/l

Reference- (1)General Standards for discharge of envieronment Pollutants are as pert-A Effluent(Schedule-VI).The enviveronment (Protection) Rules,1986 source www.cpcb.nic.in/GeneralStandards.pdf. Besides these standards,refer EPA standards for specific purpose

Remark: NA

Analysed by
[Alok Sharma (JRF)]

Authorized by
ANIL KUMAR VISHWAKARMA Digitally signed by ANIL KUMAR VISHWAKARMA Date: 2022.05.09 12:37:26 +05'30'
Anil Vishwkarma SA

VIKAS MISHRA Digitally signed by VIKAS MISHRA Date: 2022.05.09 14:48:21 +05'30'
Regional Officer

Note: 1 The results in the Test Report relate only to the items tested: 2. The report shall not be reproduced-except in full, withou the written permission of laboratory. 3. The test report pertains to the sample as received in Lab.

Newcon Consultants & Laboratories

As ISO 9001 : 2015, ISO 14001 : 2015, ISO 45001 : 2018 Certified Laboratory
NABL ISO/IEC 17025 : 2017 (Testing, Cert. No. TC-5526) Accreditated Laboratory
Recognised by MOEF&CC

Website : www.newconlab.in

TEST CERTIFICATE

STACK EMISSION MONITORING AND ANALYSIS REPORT

TEST REPORT NO : NCL/BRPPL/1905/7/120402/57 DATE OF REPORT : 16-04-2022

Name And Address Of Customer	BHOLA RAM PAPERS & POWER PVT LTD VILL-DEVRI,CHANDAURI -BILARI ROAD , ,MORADABAD,U.P., INDIA

SAMPLING DETAIL

Analysis Start Date	12-04-2022	Analysis End Date	16-04-2022
Date Of Sampling	11-04-2022	Sampling Done By	NCL
Sampling Protocol	AS PER CPCB GUIDELINES	Duration Of Sampling	30 0 Min.
Equipment Used	Vayubodhan Stack Sampler No 1 VSS-1(S No 321 DTC 01),,,		

DETAILS OF STACK

Stack Attached To	Boiler		
Capacity	80 TPH		
Type Of Fuel Used	AGRICULTURAL WASTE &COAL		
Quantity Of Fuel Used	-	Stack Dia At The Top	2790 mm
Stack Height Above The Ground level	65 Mtr	Material Of Construction	RCC
Normal Operation Schedule	AS PER REQUIREMENTS		
Attached APCS	ESP		

PHYSICAL OBSERVATIONS

Ambient Temperature	38°C	Flue Gas Temperature	128°C
Velocity Of Flue Gases	7 8 Mtr/Sec	Sampling Flow Rate For SPM	19 4 LPM
Sampling Flow Rate For Gases	2 5 LPM	Quantity Of Emission Discharged	171583.359m³/hr

TEST RESULT

S.No.	Parameter	Unit	Protocol	Result	Specification/ Limit (As Per CPCB)
1	Particulate Matters (PM)	mg/Nm³	IS:11255 (P-1)	92.0	150
2	Sulphur Dioxide (SO_2)	mg/Nm³	IS:11255 (P-2)	10 8	600
3	Carbon Monoxide (CO)	% by Vol	IS.13270	0.40	1% By Volume
4	Oxides of Nitrogen	mg/Nm³	IS:11255 (P-7)	38.0	300

**** End Of Report****

NEWCON CONSULTANTS & LABORATORIES GHAZIABAD

FOR NEWCON CONSULTANTS & LABORATORIES

Ramesh Chandra Tripathi Quality Head

CHECKED BY PREPARED BY AUTHORIZED SIGNATORY

NOTE : 1. The Results mentioned above pertains to the Tested parameters only. Endorsement of the same is neither inferred nor implied. 2. All disputes subject to GHAZIABAD JURISDICTION. 3. This Report shall not be reproduced in part or in full without the permission of MANAGING PARTNER. 4. Our liability is limited to invoiced value only.

Laboratory : A-1/156, Sector-17, (Swadeshi Compound) Kavi Nagar Industrial Area, GHAZIABAD - 201 002 (U.P.)
Phone No.: 0120-2803115 | Mobile : 9810430345 | Website : www.newconlab.in
E-mail : newconlab@gmail.com, newconlabfinance@gmail.com